विषय-सूची

1.	भारत–देश और लोग	21
2.	तरुण भारती	33
3.	लोकोपयोगी विज्ञान	44
4.	लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान	59
5.	आदान-प्रदान (अंतर्भारतीय पुस्तकमाला)	69
6.	समसामयिक साहित्य	95
7.	भारतीय साहित्य निधि	108
8.	विश्व साहित्य	112
9.	हिंदी नवजागरण के अग्रदूत	114
10.	राष्ट्रीय जीवनचरित	116
11.	नारी अग्रदूत	136
12.	आत्म जीवनचरित	137
13.	लोक-संस्कृति और साहित्य	140
14.	सृजनात्मक शिक्षा	149
15.	भारतीय डायस्पोरा अध्ययन	156
16.	एफ्रो-एशियाई देश	157
17.	सतत शिक्षा	158
18.	नवसाक्षर साहित्यमाला	168
19.	एशिया-प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम	220
20.	राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय (वीरगाथा, द्विभाषी, आधुनिक कालजयी बाल कहानियाँ)	222
21.	किशोरों के लिए भारतीय कथाएँ	297
22.	नवलेखन माला	299
23.	महिला लेखन प्रोत्साहन योजना	300
24.	भारत@75	301
25.	भारतीय ज्ञान परंपरा	303
26.	प्रधानमंत्री युवा (YUVA) पुस्तकमाला	305
27.	विविध	310
28.	स्वर्ण जयंती पुस्तकमाला	339
29.	कुछ अन्य भारतीय भाषाओं का साहित्य	341
30.	हिंदी-राजस्थानी द्विभाषी पुस्तकें	346
31.	हिंदी से कुमाउनी : अनूदित पुस्तकें	347
32.	हिंदी से गढ़वाली : अनूदित पुस्तकें	349
33.	ब्रेल लिपि पुस्तक प्रकाशन	351

* **आदेश की आपूर्ति के समय पुस्तक का मूल्य परिवर्तित हो सकता है।**

अपने बारे में

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (एनबीटी) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग के अधीन एक स्वायत्त संगठन है। 1957 में स्थापित यह संगठन देश में पुस्तकों के प्रचार-प्रसार और पठन-आदत को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत एक व्यावसायिक संगठन है।

न्यास की प्रमुख गतिविधियों में प्रकाशन, पुस्तकों का प्रोन्नयन और पठन-पाठन, विदेशों में भारतीय पुस्तकों का प्रोन्नयन, लेखकों और प्रकाशकों को सहायता प्रदान करना और बाल साहित्य का प्रचार-प्रसार शामिल हैं।

प्रकाशन

हम किफायती मूल्य पर हिंदी तथा अंग्रेजी सहित भारत की सभी प्रमुख भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित करते हैं। अन्य भाषाएँ हैं : असमिया, उर्दू, ओड़िया, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, नेपाली, पंजाबी, बांग्ला, भोजपुरी, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली, राजस्थानी, हिमाचली और सिंधी।

हाल के वर्षों में, न्यास ने कम-से-कम 18 भाषाओं को न्यास के प्रकाशन कार्यक्रम से जोड़ा है। इस तरह, न्यास अब हिंदी एवं अंग्रेजी समेत भारत की मुख्य, क्षेत्रीय तथा जनजातीय भाषाओं एवं विदेश की कुछ भाषाओं को मिलाकर कुल 58 भाषाओं में पुस्तकों का प्रकाशन कर रहा है। इनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण, भारत और विश्व की सबसे प्राचीन तथा 'देवभाषा' के रूप में अभिहित भाषा संस्कृत है। इसके अलावा, पड़ोस के महत्वपूर्ण सांस्कृतिक क्षेत्र, तिब्बत की भाषा तिब्बतन भी सम्मिलित है। यूरोपीय देश स्पेन की भाषा स्पेनिश या हिस्पानी तथा फ्रेंच भी अब न्यास की प्रकाशन भाषा बन गई है। भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली वहाँ की कुछ स्थानीय भाषाओं को भी हमने न्यास से जोड़ा है जिनमें सम्मिलित हैं–मगही, डोगरी, हरियाणवी, कुमाउनी तथा गढ़वाली। इन भाषाओं के अलावा, भारत की कम-से-कम दस नई जनजातीय भाषाएँ-बोलियाँ भी न्यास-परिवार का अंग बन गई हैं। ये हैं–आसुरी, भूमिज, बिहो, बिरजिया, हो, खड़िया, कुदुख, लुशेई, मातो और मुंडारी।

गोंडी, भीली, संताली तथा पूर्वोत्तर की कुछ भाषाओं–आओ, नागा, कोकबोरक, खासी, गारो, नेवारी, बोडो, भुटिया, मिसिंग, मिजो, लिम्बू और लेप्चा तथा कुछ अन्य

बोलियों-भाषाओं–हल्बी, भतरी, धुरबी और दोरली में हम पहले से ही पुस्तकें प्रकाशित करते रहे हैं। इन भाषाओं में विशेषकर बच्चों के लिए पुस्तकों का प्रकाशन हुआ है। इसके साथ ही, भारत की अन्य जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध महत्वपूर्ण साहित्य के प्रकाशन के लिए भी हम प्रयासरत हैं।

इन भाषाओं के अलावा, नेत्रवंचित दिव्यांगों के लिए ब्रेल लिपि में न्यास काफी समय से प्रकाशन करता आ रहा है। द्विभाषी पुस्तकों का प्रकाशन हमारे प्रकाशन कार्यक्रम की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता है।

हम प्रकाशन की उन विधाओं की ओर विशेष ध्यान देते हैं जो महत्वपूर्ण होने के बावजूद भारत में उपेक्षित रही हैं, जैसे कि सामान्य पाठकों के लिए लोकोपयोगी विज्ञान, तकनीक और पर्यावरण तथा भारत के विभिन्न पहलुओं पर पुस्तकें।

हम अभी तक 58 भाषाओं में 37,000 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर चुके हैं जिसमें मूल, पुनर्मुद्रण और भारतीय भाषाओं व अंग्रेजी में अनुवाद शामिल हैं।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने भारत को पाठकों का एक समाज बनाने की जिम्मेवारी अपने ऊपर ली है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए न्यास ने सारे देश में बड़े पैमाने पर एक पुस्तक जागरूकता अभियान शुरू किया है।

पुस्तक एवं पठन-प्रोन्नयन

हम देशभर में पुस्तक मेलों और प्रदर्शनियों का आयोजन करके पुस्तकों को बढ़ावा देने और पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत और विदेश, दोनों में पुस्तकों के प्रचार-प्रसार के लिए नोडल एजेंसी के रूप में, हम देशभर में विभिन्न स्तरों पर पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों का आयोजन करते हैं। हमने अब तक 32 विश्व पुस्तक मेलों, जिनमें 19 द्विवार्षिक मेले और 13 वार्षिक मेले (वर्चुअल पुस्तक मेले, 2021, सहित), 40 से अधिक राष्ट्रीय पुस्तक मेले और लगभग 300 क्षेत्रीय पुस्तक मेले शामिल हैं, का आयोजन किया है। हम–

- वार्षिक नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का आयोजन करते हैं, जो पूरे अफ्रीकी-एशियाई क्षेत्र का सबसे बड़ा पुस्तक मेला है।
- विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लेते हैं।
- पुस्तक परिक्रमा (सचल प्रदर्शनी वाहन) के माध्यम से लोगों के घर-घर जाकर पुस्तकें उपलब्ध कराते हैं।
- हमने देशभर में 74,000 से अधिक किताब क्लब सदस्यों को नामांकित किया है।
- लेखकों और प्रकाशकों को सहायता प्रदान करते हैं।
- संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करते हैं।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकों और पुस्तक-पठन को बढ़ावा देने के लिए विशेष पुस्तक मेलों और साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

एनबीटी प्रतिवर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का आयोजन करता है, जो अफ्रो-एशियाई क्षेत्र का सबसे बड़ा पुस्तक आयोजन है। पिछले पाँच दशकों में नई दिल्ली

विश्व पुस्तक मेले ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के बीच उच्च प्रतिष्ठा अर्जित की है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले (न.दि.वि.पु.मे.) का अगला संस्करण 10 से 18 जनवरी 2026 तक भारत मंडपम् परिसर, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष विश्व पुस्तक मेले का थीम है—भारतीय सैन्य इतिहास : शौर्य एवं प्रज्ञा@75।

पुस्तकमालाएँ

हम निम्न पुस्तकमालाओं के अंतर्गत पुस्तकें प्रकाशित करते हैं : भारत—देश और लोग, तरुण भारती, लोकोपयोगी विज्ञान, लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान, आदान-प्रदान (अंतर्भारतीय पुस्तकमाला—चर्चित साहित्य का अनुवाद), समसामयिक साहित्य, भारतीय साहित्य निधि, विश्व साहित्य, हिंदी नवजागरण के अग्रदूत, राष्ट्रीय जीवनचरित, आत्म जीवनचरित, लोक-संस्कृति और साहित्य, सृजनात्मक शिक्षा, भारतीय डायस्पोरा अध्ययन, एफ्रो-एशियाई देश, सतत शिक्षा, एशिया-प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय (बच्चों के लिए पुस्तकें), नवसाक्षर साहित्यमाला (नवसाक्षरों के लिए पुस्तकें), विविध। इसके अलावा, नवलेखन माला, महिला लेखन प्रोत्साहन योजना तथा वीरगाथा न्यास की कुछ वर्षों पूर्व आरंभ की गई पुस्तकमालाएँ हैं। वर्ष 2022 से तीन नई पुस्तकमालाएँ—प्रधानमंत्री युवा पुस्तकमाला, भारत@75 पुस्तकमाला तथा भारतीय ज्ञान परंपरा पुस्तकमाला की शुरुआत की गई है। वर्ष 2025 में, न्यास ने एक नई पुस्तकमाला की शुरुआत की है। यह है—किशोरों के लिए भारतीय कथाएँ। इसके साथ ही, राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय पुस्तकमाला के अंतर्गत आधुनिक कालजयी बाल कहानियाँ शीर्षक से एक उप-शृंखला शुरू की है।

न्यास की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती पुस्तकमाला के अंतर्गत सभी भारतीय भाषाओं की चुनिंदा, विविध विधाओं की, रचनाओं का प्रकाशन किया गया। न्यास से ब्रेल पुस्तकें भी प्रकाशित होती हैं। हाल ही में न्यास से द्विभाषी पुस्तकों का प्रकाशन भी प्रारंभ हुआ है।

विदेशों में भारतीय पुस्तकों का प्रोन्नयन

हम विदेशों में भारतीय पुस्तकों के प्रोन्नयन और भारत में पुस्तक-संस्कृति के प्रसार के लिए केंद्रीय अभिकरण के रूप में काम करते हैं। एनबीटी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लेता है और विभिन्न भारतीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित चुनिंदा पुस्तकों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनियों का आयोजन करता है।

1970 से अभी तक हम लगभग 430 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग ले चुके हैं। ये पुस्तक मेले हैं—फ्रैंकफर्ट, बोलोना, शारजाह, बीजिंग, कोलंबो, ग्वाडलजारा (मैक्सिको), टोकियो, बैंकॉक, कुआलालंपुर, सिंगापुर, काठमांडू, मनीला, कराची, ढाका और लाहौर।

एनबीटी ने भारत के विशिष्ट अतिथि देश के रूप में अब तक फ्रैंकफर्ट (2006), मॉस्को (2009), बीजिंग (2010), सियोल (2013), सिंगापुर (2014), अबूधाबी (2019), ग्वाडलजारा, मैक्सिको (2019), पेरिस (2022) और मॉस्को (2025) में आयोजित

अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भागीदारी की है। इन भागीदारियों के अंतर्गत, एनबीटी ने कई साहित्यिक कार्यक्रमों का समन्वय किया, जिनमें सेमिनार, चर्चा-विमर्श, पठन सत्र और लेखक-समागम शामिल थे। इसके अतिरिक्त, भारत की पुस्तकों की एक विशेष प्रदर्शनी भी लगायी जाती है।

अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में सहभागिता

विदेशों में पुस्तक-प्रोन्नयन के लिए केंद्रीय अभिकरण के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में सहभागिता करता है।

वर्ष 2025-26 में, न्यास ने ऐसे छह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लिया, जिनमें बोलोना बाल पुस्तक मेला (31 मार्च-3 अप्रैल, 2025), बोगोटा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (25 अप्रैल-11 मई, 2025), अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (26 अप्रैल-5 मई, 2025), मॉस्को अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (3-7 सितंबर, 2025), फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला, जर्मनी (15-19 अक्तूबर, 2025), शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (5-16 नवंबर, 2025) शामिल हैं।

सचल पुस्तक प्रदर्शनियाँ

पूरे देश में दूरस्थ और दुरूह ग्रामीण अंचलों में रहने वाले बड़े पाठक वर्ग तक पुस्तकें पहुँचाने के लिए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास सचल वाहन (मोबाइल वैन) में सचल पुस्तक प्रदर्शनियों की अनूठी योजना संचालित करता है। सन् 1992 में प्रारंभ इस योजना के अंतर्गत अभी तक पूर्वोत्तर राज्यों सहित समूचे देश में ऐसी 15,000 से अधिक प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा चुका है।

पूर्वोत्तर में गतिविधियाँ

पूर्वोत्तर के राज्यों में पुस्तकों के उन्नयन के उद्देश्य से न्यास इन क्षेत्रों में विशेष पुस्तक मेलों व साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन करता है। आईजोल, बारपेटा, दुलियाजान, नलवाड़ी, शिलांग, अगरतला और गंगटोक में पुस्तक मेले/साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। पूर्वोत्तर में अब तक 22 से अधिक पुस्तक मेलों के आयोजन हुए हैं।

बाल साहित्य का प्रोन्नयन

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (रा.बा.सा.कें.–N.C.C.L.) की स्थापना 1993 में एनबीटी द्वारा विभिन्न भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य के प्रकाशन की निगरानी, समन्वय, योजना बनाने और सहायता प्रदान करने के लिए की गई थी। रा.बा.सा.कें. कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन करता है और स्कूली स्तर पर पठन-पाठन की आदत को बढ़ावा देने के लिए पाठक क्लबों की स्थापना को प्रोत्साहित करता है। अब तक देशभर के विभिन्न विद्यालयों में लगभग 13 लाख पाठक क्लब स्थापित किए जा चुके हैं। केंद्र बाल साहित्य से संबंधित सर्वेक्षण और शोध कार्य भी करता है। यह बच्चों के लिए एक त्रैमासिक द्विभाषी पत्रिका 'रीडर्स क्लब बुलेटिन/पाठक मंच बुलेटिन' भी प्रकाशित करता है।

रा.बा.सा.कें. का बाल साहित्य के लिए पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केंद्र अब देशभर के पुस्तकालय नेटवर्क से जुड़ा हुआ है और सदस्य ई-ग्रंथालय पर ऑनलाइन पुस्तकों तक पहुँच सकते हैं।

गौरव का वर्ष

वर्ष 2003-04 भारत के लिए गौरव का वर्ष था। इस वर्ष यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ ने दिल्ली को विश्व पुस्तक राजधानी से सम्मानित किया था। उल्लेखनीय है कि अलेक्जेंड्रिया और मैड्रिड के बाद दिल्ली यह गौरव पाने वाला विश्व का तीसरा शहर था। इस अवसर पर सालभर गतिविधियों के आयोजन हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास को केंद्रीय अभिकरण नियुक्त किया था। इसके अंतर्गत न्यास द्वारा 23 अप्रैल, 2003 से 22 अप्रैल, 2004 तक देशभर में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवधि में कई विचार-गोष्ठियों, पुस्तक मेले और दिल्ली, प्रयागराज, कोलकाता में एक साथ कई स्थानों पर पुस्तक प्रदर्शनियों के आयोजन उल्लेखनीय रहे।

लेखकों और प्रकाशकों को सहायता

उच्च शिक्षा के लिए उचित मूल्य पर पुस्तकों के प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए, हम पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ-सामग्री के लेखकों और प्रकाशकों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। हमारी अनुदानित पुस्तक प्रकाशन योजना के तहत, केवल उन्हीं पुस्तकों को अनुदान दिया जाता है, जिनकी वास्तव में आवश्यकता महसूस की जाती है और जो उन विषय क्षेत्रों से संबंधित हों, जहाँ स्वीकार्य स्तर की पुस्तकें या तो उपलब्ध नहीं हैं या इतनी महँगी हैं कि वे छात्रों की पहुँच से बाहर हैं।

अब तक हमने एक हजार से अधिक पुस्तकों के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की है, जिनमें से अधिकतर अंग्रेजी में हैं। इस योजना का दायरा बढ़ाकर भारतीय भाषाओं में प्रकाशित विचारोत्तेजक कथेतर साहित्य, जिनमें शब्दकोश और विश्वकोश आदि शामिल हैं, के प्रकाशन के लिए भी सहायता प्रदान की जा रही है।

स्थापना दिवस व्याख्यान शृंखला

न्यास हर साल 1 अगस्त को अपना स्थापना दिवस मनाता है। इस अवसर पर साहित्यिक कार्यक्रम और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। 2013 से, एनबीटी ने एक वार्षिक व्याख्यान शृंखला शुरू की है, जिसमें विद्वानों, बुद्धिजीवियों और प्रकाशन जगत में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाता है, ताकि वे आज के भारत में पुस्तकों और पठन के व्यापक विषय पर अपने विचार व्यक्त कर सकें।

एनएपीआरडीवाई (NAPRDY)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) ने युवाओं में पठन-पाठन को बढ़ावा देने के लिए एक

राष्ट्रीय कार्ययोजना (एनएपीआरडीवाई) प्रस्तावित की है, जिसका उद्देश्य 2025 तक 15-25 आयु वर्ग के सभी युवाओं को सक्रिय पाठक बनाना है। एनएपीआरडीवाई के अंतर्गत उठाया गया पहला महत्वपूर्ण कदम देशभर के ग्रामीण और शहरी युवाओं के बीच राष्ट्रीय युवा पठन-पाठन सर्वेक्षण का आयोजन करना था, जिसे राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) द्वारा युवाओं के पठन-पाठन के रुझान और उनकी पढ़ने की आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए किया गया था। इस सर्वेक्षण को एनबीटी द्वारा एक रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित किया गया है।

उत्तर-पूर्वी भारत के युवाओं पर दूसरी रिपोर्ट के रूप में 'अनुवर्ती अध्ययन : जनसांख्यिकी और पठन-पाठन' पूर्वोत्तर में साक्षर युवाओं की पठन-आदतों का विश्लेषणात्मक और विस्तृत विवरण प्रदान करता है।

विदेशी प्रकाशकों को सहायता

विदेशों में भारतीय साहित्य को बढ़ावा देने के लिए, एनबीटी ने एक 'वित्तीय सहायता कार्यक्रम' शुरू किया है, जिसके अंतर्गत भारतीय प्रकाशकों द्वारा अंग्रेजी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित मूल भारतीय रचनाओं के विदेशी भाषाओं में अनुवाद के लिए विदेशी प्रकाशकों को वित्तीय सहायता के रूप में उचित प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। यह कार्यक्रम कथा-साहित्य, कथेतर साहित्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और बच्चों की पुस्तकों जैसी व्यापक श्रेणियों को कवर करता है, लेकिन इसमें शब्दकोश, पत्रिकाएँ, जर्नल, स्कूल/कॉलेज की पाठ्यपुस्तकें और चिकित्सा, शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान, इंजीनियरिंग, व्यवसाय प्रशासन आदि जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पुस्तकें शामिल नहीं होतीं।

अब तक निम्नलिखित पुस्तकों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है : संहिता अर्नी द्वारा लिखित 'द मिसिंग क्वीन' (मूल रूप से जुबान द्वारा प्रकाशित), जिसे लिट एडिजियोनी एसआरएल ने इतालवी भाषा में प्रकाशित किया है; मनोज दास द्वारा लिखित 'माई लिटिल इंडिया' (मूल रूप से एनबीटी, भारत द्वारा प्रकाशित), जिसे बुकसी पब्लिशिंग ने कोरियाई भाषा में प्रकाशित किया है; 'लुकिंग बैक : इंडिया इन ट्वेंटीथ सेंचुरी' (मूल रूप से एनबीटी, भारत द्वारा प्रकाशित), जिसे बुकसी पब्लिशिंग ने कोरियाई भाषा में प्रकाशित किया है और 'स्टोरीज बाय अंबई' (मूल रूप से कलाचुवादु द्वारा प्रकाशित), जिसे एडिशंस जुल्मा ने फ्रेंच भाषा में प्रकाशित किया है।

पुस्तक प्रकाशन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

प्रकाशन उद्योग के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों का एक समूह तैयार करने के उद्देश्य से, एनबीटी प्रतिवर्ष दिल्ली में पुस्तक प्रकाशन में एक माह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। इसके अलावा, हम देश के अन्य हिस्सों में भी प्रकाशन से संबंधित अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करते हैं।

इसके अतिरिक्त, एनबीटी ने अब कई राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ

मिलकर पुस्तक प्रकाशन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए सहयोग किया है। न्यास ने कोलकाता विश्वविद्यालय के साथ पुस्तक प्रकाशन में एकवर्षीय पाठ्यक्रम आयोजित करने और छात्रों को डिप्लोमा प्रदान करने के लिए पहले ही एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

वर्ष 2020 से, एनबीटी ऑनलाइन माध्यम से पुस्तक प्रकाशन पाठ्यक्रम का आयोजन कर रहा है। अब तक 6 महीने के ऑनलाइन पुस्तक प्रकाशन पाठ्यक्रम के सात बैच आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें देशभर के प्रतिभागियों ने भाग लिया है।

पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास देशभर में पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र स्थापित कर रहा है। न्यास ने हैदराबाद, चेन्नई, कटक, गुवाहाटी, अगरतला, लखनऊ, पटना, भोपाल, कोच्चि और देहरादून में पहले ही पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र स्थापित कर दिए हैं। इन केंद्रों में साहित्यिक कार्यक्रम और पुस्तक लोकार्पण समारोह आयोजित करने के लिए स्थान उपलब्ध है। इनमें एनबीटी का पुस्तक पटल भी है और एक सचल वाहन भी है, जो सभी राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तक प्रोन्नयन का कार्य करती है।

ई-पुस्तकें

एनबीटी ने ई-बुक प्रकाशन के क्षेत्र में भी कदम रखा है, और अपने प्रकाशन की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तकें ई-फॉर्मेट में उपलब्ध करा रही है, जो मुख्य रूप से प्रवासी भारतीयों और तकनीक-प्रेमी युवाओं की माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बनायी गई हैं। ये ई-पुस्तकें अंग्रेजी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध हैं।

बाँग्ला, अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में अब तक लगभग 150 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं।

किताब क्लब की योजना

न्यास की एक और योजना है–राष्ट्रीय पुस्तक न्यास किताब क्लब की योजना। किताब क्लब के सदस्यों को न्यास की पुस्तकों की खरीद पर विशेष छूट दी जाती है, साथ ही वी.पी.पी. द्वारा पुस्तकें मँगाने पर उन्हें डाक खर्च में भी छूट दी जाती है। किताब क्लब की आजीवन सदस्यता दो तरह की हैं–व्यक्तिगत एवं सांस्थानिक। व्यक्तिगत सदस्यों के लिए जहाँ सदस्यता शुल्क ₹ 100/- है, वहीं संस्था के लिए ₹ 500/-, जो अप्रतिदेय है। सूचीपत्र के अंत में किताब क्लब सदस्यों के लिए नियम एवं शर्तों के विवरण के साथ सदस्यता प्रपत्र भी दिया गया है। अब तक 70,000 से अधिक किताब क्लब के सदस्यों का पंजीयन किया जा चुका है।

नई पहल

प्रधानमंत्री-युवा मेंटरशिप योजना (YUVA) (प्रधानमंत्री युवा (YUVA) पुस्तकमाला)

आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, शिक्षा मंत्रालय ने देश में पढ़ने, लिखने और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने और विश्व स्तर पर भारत और भारतीय लेखन को बढ़ावा देने के लिए युवा और उभरते लेखकों (30 वर्ष से कम) को प्रशिक्षित करने के लिए पीएम-युवा मेंटरशिप योजना शुरू की। 1 जून से 31 जुलाई, 2021 तक 23 भाषाओं में आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 75 लेखकों का चयन किया गया। युवा लेखकों को सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री की योजना वैश्विक नागरिक के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसे देश में पढ़ने, लिखने और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने और विश्व स्तर पर भारत और भारतीय लेखन को प्रोजेक्ट करने के उद्देश्य से 30 वर्ष की आयु तक के युवा और उभरते लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए लॉन्च किया गया था। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत शिक्षा मंत्रालय के अधीन इस योजना की कार्यान्वयन एजेंसी है। तदनुसार, रा.पु. न्यास, भारत ने मेंटरशिप के उचित चरणों के तहत योजना का चरणबद्ध निष्पादन किया। इस योजना के तहत तैयार की गई पुस्तकें राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रकाशित की गई हैं तथा संस्कृति और साहित्य के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करते हुए अन्य भारतीय भाषाओं में भी इनका अनुवाद करवाया जा रहा है, जिससे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री युवा मेंटरशिप योजना भाग 03, 2025 की भी शुरुआत हो चुकी है।

भारत @ 75 पुस्तकमाला

यह विभिन्न व्यक्तित्वों के योगदान, नए गतिशील शहरों, ऐतिहासिक घटनाओं और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक विचारों और विषयों के निर्माण का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक नई पुस्तकमाला है, जिसने 1947 के बाद भारत को एक प्रगतिशील और आधुनिक दृष्टि के साथ अपने प्राचीन ज्ञान और संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए एक परिपक्व, स्वतंत्र और मजबूत राष्ट्र बनाया है।

पुस्तकमाला देश के युवा पाठकों (12+) को पाठक-अनुकूल तरीके से इन विचारों को प्रदान करने पर केंद्रित है, और चार वैचारिक स्तंभों पर खड़ी है : लोग, स्थान, घटनाएँ और विषय। स्वतंत्रता सेनानियों पर 75 पुस्तकों के सेट का प्रकाशन भी पुस्तकमाला का एक हिस्सा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा पुस्तकमाला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लेखित भारतीय ज्ञान प्रणाली (इंडियन नॉलेज सिस्टम–भा.ज्ञा.प्र.) पर व्यापक फोकस को ध्यान में रखते हुए, रा.पु. न्यास द्वारा भा.ज्ञा.प्र. पर एक समर्पित प्रकाशन पुस्तकमाला शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत न केवल दर्शन या साहित्य के क्षेत्र में पारंपरिक और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों पर, बल्कि गणित, विज्ञान, खगोल विज्ञान, योग, वास्तुकला, चिकित्सा, कृषि, इंजीनियरिंग, भाषा विज्ञान, खेल तथा अन्य क्षेत्रों और विषयों में भी पुस्तकें प्रकाशित की जा रही हैं। पुस्तकमाला के तहत पुस्तकें सामान्य पाठकों के साथ-साथ युवा पाठकों (+12) को भी ध्यान में रखकर तैयार की जाती हैं। भारतीय ज्ञान प्रणाली से मेल खाने वाली कुछ दुर्लभ और अप्रचलित पुस्तकों पर भी विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि उन्हें पुनर्जीवित कर समकालीन पाठकों के समक्ष रखा जा सके।

सांकेतिक भाषा में पुस्तकें

'आजादी का अमृत महोत्सव' अभियान के तहत और 'अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस' के अवसर पर एनबीटी, इंडिया की वीरगाथा पुस्तकमाला की पुस्तकों को 'भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र' द्वारा भारतीय सांकेतिक भाषा में परिवर्तित किया गया है। इस हेतु ई-कंटेंट को तत्कालीन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री माननीय सुश्री प्रतिमा भौमिक और शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने लॉन्च किया। यह पहल एक सर्वसमावेशी समाज के निर्माण और संवर्धन के लिए की गई है।

द्विभाषी पुस्तकें

भारत सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति लागू करने और मातृभाषा के प्रोन्नयन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत बच्चों के लिए द्विभाषी पुस्तकें ला रहा है। राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय पुस्तकमाला के अंतर्गत क्षेत्र विशेष के युवा पाठकों की आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न भारतीय भाषाओं में द्विभाषी पुस्तकें प्रकाशित की जा रही हैं। अब तक असमिया-अंग्रेजी, हिंदी-अंग्रेजी, मलयालम-अंग्रेजी, मराठी-अंग्रेजी, ओड़िया-अंग्रेजी, पंजाबी-अंग्रेजी, तेलुगु-अंग्रेजी और उर्दू-अंग्रेजी में द्विभाषी पुस्तकों के प्रारूप निकले हैं। द्विभाषी प्रारूप में प्रकाशित कुछ चुनिंदा रा.पु. न्यास पुस्तकें हैं : *ए फ्रेंड फॉरएवर, आनंदी'ज रेनबो, फू-कू : ऐन एलियन, वन डे* तथा *व्हाई?*

जनजातीय भाषाओं में पुस्तकें

भारत की सभी प्रमुख, छोटी और आदिवासी भाषाओं के प्रोन्नयन के उद्देश्य से, राष्ट्रीय

पुस्तक न्यास, भारत आसुरी, भतरी, भीली, बिहो, भूमिज, भूटिया, बिरजिया, बोड़ो, गारो, गोंडी, हो, हल्बी, खासी, कोकबोरोक, लेप्चा, मिजो और संताली आदि सहित विभिन्न आदिवासी भाषाओं में किताबें प्रकाशित कर रहा है। रा.पु. न्यास अब एक अभिनव त्रिभाषी प्रारूप में आदिवासी भाषाओं में मूल शीर्षक प्रकाशित कर रहा है। *नाना मुआ, अमूर तिहार, बाग पिला—चेंद्रू, बस्तर छो तिहार, जाने किया नाद* सहित गोंडी-भतरी-हल्बी प्रारूप में पुस्तकों का एक सेट प्रकाशित किया जा चुका है।

एनबीटी-अरबिंदो पुस्तकमाला

यह राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती के अवसर पर, इंडिया@75 परियोजना के साथ-साथ, पुस्तकों को विकसित और प्रकाशित करने की एक पुस्तकमाला है।

आधुनिक कालजयी बाल कहानियाँ

बदले हुए समय और संदर्भों में बच्चे कुछ सुंदर, सार्थक और प्रेरणादायी कहानियाँ पढ़ सकें, इस उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। यह पहल न केवल बच्चों के साहित्यिक संस्कार को समृद्ध करने की दिशा में एक प्रयास है, बल्कि उन्हें भारतीय साहित्य की गहराई और विविधता से परिचित कराने का माध्यम भी है।

इस दिशा में, न्यास ने हिंदी साहित्य के महान रचनाकारों की उन कालजयी कहानियों का चयन किया है, जिनकी कथावस्तु, संवेदनाएँ और मूल्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने वे अपने समय में थे। चाहे वह जीवन-मूल्यों की बात हो, सामाजिक सच्चाइयों की, या मानवीय संवेदनाओं की—इन कहानियों में वह सब कुछ समाहित है, जो बच्चों को एक बेहतर इनसान बनने की प्रेरणा दे सकता है।

इस अनूठी श्रृंखला को नाम दिया गया है आधुनिक कालजयी बाल कहानियाँ, जो न केवल साहित्यिक, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी बच्चों के नैतिक-वैचारिक-भावनात्मक विकास में सहायक सिद्ध होंगी।

ज्ञान संचार केंद्र

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा अनूठी अवधारणा के एक भाग के रूप में, जहाँ बड़े पैमाने पर लोगों के लिए समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने वाले नए प्रारूप में सार्वजनिक पठन स्थान विकसित किए जा रहे हैं, ये पुस्तकालय जिन्हें 'ज्ञान संचार केंद्र' के रूप में जाना जाता है—पढ़ने से संबंधित बुनियादी ढाँचा प्रदान करते हैं। इन्हें समाज के लिए एक परिवर्तन उपकरण के रूप में शिक्षा के विचार में विश्वास करने वाले सभी लोगों के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु सभी आयु वर्गों के लिए विशेष रूप से सार्वजनिक स्थानों पर बनाया गया है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने हरियाणा, कर्नाटक और पुडुचेरी सहित देशभर में लगभग 15 ऐसे केंद्र स्थापित किए हैं।

समग्र शिक्षा अभियान

समग्र शिक्षा अभियान भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों में उनके संबंधित स्कूलों के पुस्तकालयों के माध्यम से पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के तहत रा.पु. न्यास द्वारा स्कूली बच्चों के लिए कई भाषाओं में किताबें प्रकाशित की गई हैं। पुस्तकों का चयन संबंधित राज्य सरकारों के विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा उनके राज्यों के स्कूली बच्चों के लिए किया जाता है।

कोरोना स्टडीज सीरीज

आने वाले समय में मानव-समाज के लिए कोरोना महामारी के असाधारण मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव को महसूस करते हुए, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने कोरोना के बाद पाठकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सभी आयु-समूहों के लिए प्रासंगिक पठन-सामग्री प्रदान करने के लिए 'कोरोना स्टडीज सीरीज' शीर्षक से एक पुस्तकमाला शुरू की। इस पुस्तकमाला के अंतर्गत, सात पुस्तकें प्रकाशित की गईं। इनमें शामिल हैं : *एलिनिएशन एंड रेजिलिएंस : अंडरस्टैंडिंग कोरोना अफेक्टेड फैमिलीज; कॉट इन कोरोना कनफ्लिक्ट : ऐन एप्रोच टू द वर्किंग पॉपुलेशन; मेकिंग सेंस ऑफ ईट ऑल : अंडरस्टैंडिंग द कंसर्न्स ऑफ पर्सन्स विद डिसैबिलिटीज; न्यू फ्रंटियर्स ऐट होम : ऐन एप्रोच टू वीमन, मदर्स एंड पैरेंट्स; द फ्यूचर ऑफ सोशल डिस्टेन्सिंग; न्यू कार्डिनल्स फॉर चिल्ड्रन, एडोलोसेंट्स एंड यूथ; द ऑर्डियल ऑफ बीइंग कोरोना वारियर्स : ऐन एप्रोच टू मेडिकल एंड एसेंशियल सर्विस प्रोवाइडर्स* और *वल्नरेबल इन ऑटम : अंडरस्टैंडिंग द एल्डरली।*

हमारा प्रकाशन कार्यक्रम

हम कुछ सुपरिभाषित पुस्तकमालाओं के अंतर्गत पुस्तकों का प्रकाशन करते हैं, जिनकी चर्चा नीचे की गई है :

भारत-देश और लोग

इस पुस्तकमाला की पुस्तकें भारत को संग्रथित व सजीव रूप देने वाले नानारूप, भौतिक पर्यावरण, विविध सांस्कृतिक परंपराओं तथा वनस्पति व पशु-पक्षी जगत का परिचय कराती हैं। विषय-विशेषज्ञों द्वारा सुस्पष्ट, सरल और गैर-तकनीकी भाषा-शैली में लिखित ये पुस्तकें ऐसे पाठकों को प्रामाणिक तथा अद्यतन जानकारी प्रदान करती हैं जो संभवतया विषय से परिचित न हों।

तरुण भारती

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत पुस्तकें प्रकाशित करने का प्रमुख ध्येय 18 वर्ष के आसपास की आयु वाले युवा पाठकों को उन सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अवधारणाओं, मुद्‌दों और विकल्पों से परिचित कराना है, जिनका सामना उन्हें आने वाले वर्षों में करना पड़ेगा। इस पुस्तकमाला में साहसिक उपक्रमों तथा यात्राओं के वृत्तांत और रोजगार के अवसरों से संबंधित विषयों पर भी पुस्तकें सम्मिलित की जाती हैं।

लोकोपयोगी विज्ञान

इस पुस्तकमाला का उद्‌देश्य आम पढ़े-लिखे पाठक को आसपास की दुनिया व विज्ञान की प्रगति को समझने में मदद करना तथा दैनिक जीवन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका से अवगत कराना है। जहाँ भी संभव है, इनमें संबद्ध क्षेत्र में भारत के योगदान पर भी प्रकाश डाला जाता है। इस पुस्तकमाला की पुस्तकें सुबोध और सरल भाषा-शैली में लिखी जाती हैं तथा इनमें दैनिक जीवन के उपाख्यानों और सादृश्यों को भी सम्मिलित किया जाता है। आरेख, रेखाचित्र व छायाचित्र पाठ्‌य-सामग्री को सुस्पष्ट करते हैं।

लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत सामान्य पाठकों के लिए सामाजिक विज्ञान के लोकप्रिय विचार एवं अवधारणाओं पर आधारित पुस्तकें प्रकाशित की जाती है। उभरते हुए ऐसे विविध विषय क्षेत्र जैसे स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, दलित विमर्श, संस्कृति विमर्श, शांति और संघर्ष विमर्श, विकास अर्थशास्त्र, सामाजिक संरचना आदि इस पुस्तकमाला के मुख्य विषय हैं। सामान्यतः ये विषय क्षेत्र अकादमिक विमर्शों तक ही सीमित रह जाते हैं और इसलिए यह अनुभव किया गया कि इन विचारों को सामान्य पाठकों के समक्ष गैर-अकादमिक तथा संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया जाए।

आदान-प्रदान (अंतर्भारतीय पुस्तकमाला)

यह विभिन्न क्षेत्रों के सृजनात्मक साहित्य के आदान-प्रदान द्वारा राष्ट्रीय एकता को बढ़ाने की अतुल क्षमता रखने वाली एक विशिष्ट पुस्तकमाला है। इसके अंतर्गत विभिन्न भाषाओं की सुप्रसिद्ध रचनाएँ, जिनमें मुख्यतया उपन्यास व कहानियाँ शामिल हैं, अन्य भाषायी पाठकों को उपलब्ध कराई जाती हैं। चूँकि आदान-प्रदान में केवल समकालीन कृतियों को ही प्रकाशित किया जाता है, इसलिए हम भारतीय साहित्य की कालजयी कृतियों को एक अन्य पुस्तकमाला, भारतीय साहित्य निधि के अंतर्गत प्रकाशित करते हैं।

समसामयिक साहित्य

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत मूल भाषा में सुविख्यात रचनाकारों की चुनिंदा रचनाओं, जिनमें मुख्यतया कहानियाँ, एकांकी, व्यंग्य व निबंध शामिल हैं, का प्रकाशन किया जाता है।

भारतीय साहित्य निधि

आदान-प्रदान पुस्तकमाला में केवल समकालीन रचनाएँ प्रकाशित की जाती हैं, इसलिए भारत की सभी भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठ (क्लासिकल) साहित्य का प्रकाशन इस पुस्तकमाला के अंतर्गत किया जाता है।

विश्व साहित्य

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की अवधि में प्रकाशित, मूल रूप से विभिन्न भाषाओं में लिखित, चुनिंदा उपन्यासों को अब अंग्रेजी में अनूदित एवं प्रकाशित किया जा रहा है ताकि न केवल वे स्वदेश के अंग्रेजी पाठकों को उपलब्ध हों, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच और पाठक वर्ग भी मिले। इससे विदेशी भाषाओं में उनके अनुवाद की संभावनाएँ भी बढ़ जाएँगी। चुनिंदा कहानियों के भाषावार संकलन भी अंग्रेजी में संकलित एवं प्रकाशित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों की समकालीन रचनाओं के संकलन भी प्रकाशित करने का प्रस्ताव है।

हिंदी नवजागरण के अग्रदूत

भारत के आधुनिक पुनर्जागरण की भावना के प्रसार में 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध तथा 20वीं

सदी के पूर्वार्द्ध के प्रमुख हिंदी गद्य लेखकों की ऐतिहासिक भूमिका सर्वविदित है, और उनकी प्रासंगिकता किसी भी विवाद से परे है। पाश्चात्य ज्ञान और विज्ञान की चुनौतियों का सामना करते हुए, आधुनिक हिंदी लेखकों ने हमारी प्राचीन परंपराओं के मूल्य को बरकरार रखा और हमें उपनिवेशवादी विचारधारा से मुक्ति दिलाने में महती भूमिका का निर्वाह किया। यह आज भी हमें प्रेरणा देता है। किंतु दुर्भाग्यवश इस काल की रचनाएँ आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। यहाँ तक कि इन रचनाओं की जानकारी देने के लिए तैयार किये गए संग्रह न तो सही अवस्था में हैं, न ही सामान्य पाठकों के लिए उपयोगी। इस शून्य को भरने के लिए हिंदी पुनर्जागरण काल के हर प्रमुख लेखक के प्रतिनिधि रचना संकलन का इस पुस्तकमाला के तहत प्रकाशन किया जाता है।

राष्ट्रीय जीवनचरित

इस पुस्तकमाला का उद्‌देश्य भारत के ऐसे पुरुषों और स्त्रियों के जीवनचरित प्रकाशित करना है जिन्होंने भारतीय समाज, संस्कृति, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और राज्यतंत्र के साथ ही आधुनिक भारतीय चिंतन के विकास में असाधारण योगदान दिया है। इन पुस्तकों में संबद्ध व्यक्तियों के जीवन और काल का प्रामाणिक, तटस्थ, विस्तृत एवं विश्लेषणात्मक विवरण होता है।

आत्म जीवनचरित

इस पुस्तकमाला का उद्‌देश्य उन पुरुषों और स्त्रियों की आत्मकथाओं को प्रकाशित करना है, जिन्होंने समाज, संस्कृति, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और राजनीति के क्षेत्र में आधुनिक चिंतन के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

लोक-संस्कृति और साहित्य

प्रारंभ में, इस पुस्तकमाला का उद्‌देश्य एक क्षेत्र के पाठकों को देश के अन्य क्षेत्रों की उस लोक-संस्कृति और साहित्य से परिचित कराना था जिसने उस क्षेत्र के लोगों को अलग सांस्कृतिक पहचान दी है। इस पुस्तकमाला की पुस्तकों में संबद्ध क्षेत्र, वहाँ के लोग, मिथक, पौराणिक कथाएँ, धर्म, रीति-रिवाज, परंपराएँ, मेले, तीज-त्योहार, संगीत, नृत्य, नाटक, कला और शिल्प, लोक-साहित्य आदि का भी विवरण दिया जाता था। अब यह निर्णय लिया गया है कि इस पुस्तकमाला के संकुचित स्वरूप में परिवर्तन कर लोक-साहित्य को और अधिक जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाए।

सृजनात्मक शिक्षा

इस पुस्तकमाला का उद्‌देश्य नई शैक्षिक अवधारणाओं और शिक्षण सामग्री पर पुस्तकें प्रकाशित करना है, जिनका स्कूल-पूर्व और प्राथमिक स्तर की शिक्षा में सक्रियता से समावेश किया जा रहा है। शिक्षा के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए इन पुस्तकों का प्रकाशन अध्यापकों तथा शिक्षा के साथ जुड़े अन्य लोगों की जरूरतों को पूरा करता है।

भारतीय डायस्पोरा अध्ययन

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत दुनिया के भिन्न-भिन्न भागों में रह रहे भारतीय आप्रवासियों के विषय में तथा आप्रवासी समुदाय के कार्यों पर केंद्रित पुस्तकें होंगी। इसके अंतर्गत ज्ञान के विविध तंत्रों जैसे लेखन, साहित्य, समाज शास्त्र, संस्कृति, दर्शन आदि के ऊपर पड़ने वाले अंतरसांस्कृतिक प्रभाव, हस्तांतरण तथा निष्कासन, विस्थापन, आप्रवासन आदि के प्रभाव की महत्वपूर्ण विशेषताओं को बाहर लाने की मंशा है। चूँकि आप्रवासी विमर्श आज अध्ययन के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, अतः इस क्षेत्र में प्रकाशन की पहल राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का एक पथप्रदर्शक प्रयास है।

एफ्रो-एशियाई देश

परवर्ती औपनिवेशिक विश्व में, एशिया तथा अफ्रीका के देश सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति के रूप में उभरे तथा समान स्थितियों के कारण अध्ययन के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन रहे हैं। इस पुस्तकमाला के अंतर्गत भू-राजनीतिक क्षेत्रों में विज्ञान और तकनीक, व्यापार, कृषि, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीतिक साहचर्य आदि क्षेत्रों में निरंतर विकास, वैश्वीकरण तथा अंतरनिर्भरता की समस्याओं और आशाओं पर केंद्रित पुस्तकों का प्रकाशन किया जाएगा।

सतत शिक्षा

इसका उद्‌देश्य सतत शिक्षा कार्यक्रम के भागीदारों के लिए देश की सभी प्रमुख भाषाओं में पुस्तकों का प्रकाशन करना है। इस पुस्तकमाला में स्वतंत्रता संग्राम के गीतों के संकलन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, राज्यतंत्र, उद्योग, कृषि आदि से संबंधित पुस्तकें आती हैं। इसके अतिरिक्त, जीवनचरितों तथा महत्वपूर्ण भारतीय उपन्यासों के संक्षिप्त संस्करणों का भी लक्षित पाठकों के लिए प्रकाशन किया जाता है। दैनिक जीवन के लिए जानकारीपरक पुस्तकें भी इस पुस्तकमाला में शामिल हैं।

एशिया-प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम

यह एशियाई बच्चों के लिए एशियाई लेखकों द्वारा पुस्तकें तैयार करने का यूनेस्को का एक अनोखा प्रयास है। कोरिया के बच्चे यदि श्रीलंका के बच्चों के साथ अपनी भावनाओं का आदान-प्रदान कर सकें तो यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। और जब महाद्वीप के 20 देशों के बच्चों के लिए पुस्तकें तैयार करने के लिए भारत और पाकिस्तान के संपादक एक टीम के रूप में काम करते हैं तो इसे एक नई शुरुआत कहा जा सकता है। तेहरान से टोक्यो तक फैले संसार के अनेक देश रंग भरे शब्दों की सृष्टि करने में परस्पर सहयोग करते हैं जिन्हें पूरे विश्व के न सही, महाद्वीप के बच्चे अवश्य पढ़ना पसंद करेंगे। दिलों के बीच एक सेतु का काम करने तथा इस विशाल महाद्वीप के लिए साझी विरासत की सृष्टि करने की दिशा में ये पुस्तकें एक बड़ा कदम हैं तथा एशिया में ये सर्वोत्तम हैं।

राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय

इस पुस्तकमाला का उद्देश्य रोचक एवं सूचनाप्रद साहित्य के एक समृद्ध भंडार का विकास करना है जिसे बच्चे स्वेच्छा से पढ़ सकें। देशभर के बच्चों को उनकी मातृभाषा में विभिन्न विषयों पर समान पठन-सामग्री उपलब्ध कराके यह पुस्तकमाला राष्ट्रीय एकता को भी बढ़ावा देती है। इस पुस्तकमाला की पुस्तकें चार आयु-वर्गों अर्थात स्कूल जाने की उम्र से छोटे बच्चों, 6 से 8 वर्ष, 9 से 11 वर्ष और 12 से 14 वर्ष के बच्चों की जरूरतें पूरी करती हैं।

इन पुस्तकों की साज-सज्जा के लिए चित्र आदि बनाने का कार्य विशेष रूप से कराया जाता है और सभी पुस्तकों में रंगीन तथा/अथवा श्वेत-श्याम चित्र, रेखाचित्र एवं छायाचित्र होते हैं। स्कूल जाने की उम्र से छोटे बच्चों की पुस्तकों में यदि कुछ शब्द दिए जाते हैं तो वे बहुरंगी तस्वीरों के सहायक मात्र होते हैं जो अपनी कहानी आप कहती हैं।

इसके अंतर्गत, **वीरगाथा** नामक एक नई उप-श्रृंखला शुरू की गई है। वीरगाथा पुस्तकमाला में 9-12 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए सचित्र पुस्तकें शामिल हैं, जिनका उद्देश्य परमवीर चक्र से सम्मानित बच्चों के वीरतापूर्ण कार्यों से उन्हें परिचित कराना और उनमें प्रेरणा और देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना है।

द्विभाषी : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने नई शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों के अनुसार 'बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करण' नामक एक नई उप-श्रृंखला शुरू की है, जिसका उद्देश्य बच्चों के लिए पूरक पठन-सामग्री तैयार करना है, ताकि वे देश की बहुभाषी संस्कृति में उपयुक्त रूप से ढल सकें।

आधुनिक कालजयी बाल कहानियाँ : बदले हुए समय और संदर्भों में बच्चे कुछ सुंदर, सार्थक और प्रेरणादायी कहानियाँ पढ़ सकें, इस उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। यह पहल न केवल बच्चों के साहित्यिक संस्कार को समृद्ध करने की दिशा में एक प्रयास है, बल्कि उन्हें भारतीय साहित्य की गहराई और विविधता से परिचित कराने का माध्यम भी है।

इस दिशा में, न्यास ने हिंदी साहित्य के महान रचनाकारों की उन कालजयी कहानियों का चयन किया है, जिनकी कथावस्तु, संवेदनाएँ और मूल्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने वे अपने समय में थे। चाहे वह जीवन-मूल्यों की बात हो, सामाजिक सच्चाइयों की, या मानवीय संवेदनाओं की—इन कहानियों में वह सब कुछ समाहित है, जो बच्चों को एक बेहतर इनसान बनने की प्रेरणा दे सकता है।

इस अनूठी उप-श्रृंखला को नाम दिया गया है आधुनिक कालजयी बाल कहानियाँ, जो न केवल साहित्यिक, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी बच्चों के नैतिक-वैचारिक-भावनात्मक विकास में सहायक सिद्ध होंगी।

किशोरों के लिए भारतीय कथाएँ

यह राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की नई प्रकाशन पहल है, जो अंग्रेजी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में कुछ प्रमुख उपन्यासकारों, कथाकारों द्वारा किशोर पाठकों के लिए लिखी गई आधुनिक क्लासिक कहानियों को प्रस्तुत करती है।

नवसाक्षर साहित्यमाला

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत प्रकाशित अधिकांश पुस्तकें स्थानीय लोगों की भागीदारी से आयोजित कार्यशालाओं में तैयार की जाती हैं। लेखकों/विशेषज्ञों को पुस्तक लेखन का कार्य सौंपा जाता है तथा पुस्तकों का रूपांतरण एवं संक्षेपण भी कराया जाता है।

पुस्तकों को नवसाक्षरों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए इन पुस्तकों को उनकी सुपरिचित भाषा-शैली में लिखा जाता है और नवसाक्षरों द्वारा पढ़वाकर इन्हें अंतिम रूप दिया जाता है। इन पुस्तकों में व्यापक चित्रांकन भी होता है।

कहानियाँ, जीवनचरित, उपन्यासिकाएँ, लोककथाएँ, समसामयिक विषय और व्यवहारोपयोगी सूचनाप्रद पुस्तकें ऐसी शैली में प्रकाशित की जाती हैं जो नवसाक्षरों को अपने आप पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

नवलेखन माला

जन सामान्य के बीच पठन अभिरुचि के विकास हेतु प्रतिबद्ध राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का मानना है कि जिस तरह पाठकों को नई-नई पुस्तकों की आवश्यकता होती है, वैसे ही पुस्तकों को भी नए-नए लेखक मिलने चाहिए। युवाओं को अधिक-से-अधिक पठन-पाठन की दुनिया से जोड़ने के नए प्रयास के अंतर्गत *नवलेखन माला* प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत 40 वर्ष से कम आयु के ऐसे लेखकों की रचनाओं को स्थान दिया गया है, जिनके लेखन को अपेक्षाकृत कम पहचान मिल पाई है।

महिला लेखन प्रोत्साहन योजना

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत 40 वर्ष की युवा स्त्री रचनाकारों की रचनाएँ प्रकाशित की जाती हैं। नवोदित महिला रचनाकारों के लेखन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से इस योजना का शुभारंभ किया गया है ताकि जिनकी अब तक कोई कृति प्रकाशित न हुई हो, हिंदी या हिंदीतरभाषी उन नवोदित महिला रचनाकारों की सशक्त और गुणवत्तापूर्ण कृतियों को पाठकों तक पहुँचाया जा सके। रचना का क्षेत्र साहित्य की अग्रलिखित सात विधाएँ–उपन्यास, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण, डायरी, कथा, नाटक और व्यंग्य हो सकती हैं।

प्रधानमंत्री-युवा मेंटरशिप योजना (YUVA)
(प्रधानमंत्री युवा (YUVA) पुस्तकमाला)

आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, शिक्षा मंत्रालय ने देश में पढ़ने, लिखने और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने और विश्व स्तर पर भारत और भारतीय लेखन को बढ़ावा देने के लिए युवा और उभरते लेखकों (30 वर्ष से कम) को प्रशिक्षित करने के

लिए पीएम-युवा मेंटरशिप योजना शुरू की। 1 जून से 31, जुलाई 2021 तक 23 भाषाओं में आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 75 लेखकों का चयन किया गया। युवा लेखकों को सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री की योजना वैश्विक नागरिक के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसे देश में पढ़ने, लिखने और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने और विश्व स्तर पर भारत और भारतीय लेखन को प्रोजेक्ट करने के लिए 30 वर्ष की आयु तक के युवा और उभरते लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए लॉन्च किया गया है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत शिक्षा मंत्रालय के अधीन इस योजना की कार्यान्वयन एजेंसी है। तदनुसार, रा.पु. न्यास, भारत ने मेंटरशिप के उचित चरणों के तहत योजना का चरणबद्ध निष्पादन किया। इस योजना के तहत तैयार की गई पुस्तकें राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रकाशित की गई हैं तथा संस्कृति और साहित्य के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करते हुए अन्य भारतीय भाषाओं में भी इसका अनुवाद किया जाएगा, जिससे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री युवा मेंटरशिप योजना भाग 03, 2025 की भी शुरुआत हो चुकी है।

भारत @75 पुस्तकमाला

यह विभिन्न व्यक्तित्वों के योगदान, नए गतिशील शहरों, ऐतिहासिक घटनाओं और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक विचारों और विषयों के निर्माण का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक नई पुस्तकमाला है, जिसने 1947 के बाद भारत को एक प्रगतिशील और आधुनिक दृष्टि के साथ अपने प्राचीन ज्ञान और संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए एक परिपक्व, स्वतंत्र और मजबूत राष्ट्र बनाया है।

पुस्तकमाला देश के युवा पाठकों (12+) को पाठक-अनुकूल तरीके से इन विचारों को प्रदान करने पर केंद्रित है, और चार वैचारिक स्तंभों पर खड़ी है : लोग, स्थान, घटनाएँ और विषय। स्वतंत्रता सेनानियों पर 75 पुस्तकों के सेट का प्रकाशन भी पुस्तकमाला का एक हिस्सा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा पुस्तकमाला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लेखित भारतीय ज्ञान प्रणाली (इंडियन नॉलेज सिस्टम—भा.ज्ञा.प्र.) पर व्यापक फोकस को ध्यान में रखते हुए, रा.पु. न्यास भा.ज्ञा.प्र. पर एक समर्पित प्रकाशन पुस्तकमाला शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत न केवल दर्शन या साहित्य के क्षेत्र में पारंपरिक और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों पर, बल्कि अन्य के साथ गणित, विज्ञान, खगोल विज्ञान, योग, वास्तुकला, चिकित्सा, कृषि, इंजीनियरिंग, भाषा विज्ञान, खेल तथा अन्य क्षेत्रों और विषयों में भी पुस्तकें प्रकाशित की जा रही हैं। पुस्तकमाला के तहत पुस्तकें सामान्य पाठकों के साथ-साथ युवा पाठकों (+12) को भी ध्यान में रखकर तैयार की जाती हैं। भारतीय ज्ञान प्रणाली से मेल खाने वाली कुछ दुर्लभ और अप्रचलित पुस्तकों पर भी विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि उन्हें पुनर्जीवित कर समकालीन पाठकों के समक्ष रखा जा सके।

विविध

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें, जो उपर्युक्त पुस्तकमालाओं के अंतर्गत नहीं स्वीकार की जा सकतीं, विविध पुस्तकों के रूप में प्रकाशित की जाती हैं।

साधक एवं विचारक : 'साधक एवं विचारक' विविध पुस्तकमाला की एक उप-शृंखला है। इस पुस्तकमाला की पुस्तकों में युवा पाठकों, विशेषकर युवाओं के लिए साधकों, द्रष्टाओं, विचारकों, दार्शनिकों, सुधारकों आदि की रचनाओं के अंश और पाठ प्रस्तुत किये जाएँगे। इसमें वे रचनाएँ शामिल हैं, जिन्होंने समकालीन और सार्वभौमिक सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक मूल्य और लोकाचार, विशेष रूप से भारत और व्यापक रूप से विश्व, के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

स्वर्ण जयंती पुस्तकमाला

न्यास की स्थापना (1957) के पचास वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2007 में इस पुस्तकमाला के अंतर्गत सभी भारतीय भाषाओं की चुनिंदा, विविध विधाओं की, रचनाओं का प्रकाशन किया गया। इस पुस्तकमाला के अंतर्गत अब तक 17 भाषाओं में 35 पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। इन पुस्तकों में भारत की स्वाधीनता के बाद की रचनाओं का संकलन है। ये पुस्तकें कविता, कहानी और नाटक विधा की हैं। प्रत्येक पुस्तक का संकलन और संपादन उस खास भाषा और विधा के किसी महत्वपूर्ण लेखक द्वारा किया गया है। इस सूचीपत्र में इस पुस्तकमाला की केवल हिंदी, मैथिली, राजस्थानी और हिमाचली पुस्तकों को शामिल किया गया है।

ब्रेल पुस्तकें

विशेष दिव्यांगों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) एवं ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड (एआईसीबी) विगत कई दशकों से एक साथ मिलकर दृष्टिबाधित पाठकों के लिए उत्कृष्ट कोटि का साहित्य ब्रेल पुस्तकों के रूप में प्रकाशित करते आ रहे हैं। अब तक ब्रेल में लगभग 400 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। ये पुस्तकें हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया तथा मराठी भाषाओं में ब्रेल लिपि में उपलब्ध हैं। ब्रेल में प्रकाशन हेतु न्यास की सभी पुस्तकमालाओं, जैसे—*भारत-देश और लोग, तरुण भारती, लोकोपयोगी विज्ञान, लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान, आदान-प्रदान (अंतर्भारतीय पुस्तकमाला), समसामयिक साहित्य पुस्तकमाला, भारतीय साहित्य निधि, विश्व साहित्य, सृजनात्मक शिक्षा, सतत शिक्षा, एशिया-प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम, नेहरू बाल पुस्तकालय, विविध* आदि से चुनिंदा पुस्तकों को लिया गया है।

एशिया-अफ्रीका क्षेत्र के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2023 के 31वें संस्करण का केंद्रीय विषय 'आजादी का अमृत महोत्सव' रखा गया था और इस अवसर पर न्यास ने तय किया कि अब ब्रेल पुस्तकें हमारे प्रत्येक वर्ष के प्रकाशन कार्यक्रम में शामिल रहेंगी।

विदित हो कि एनबीटी और एआईसीबी ने इस पुस्तक प्रकाशन यात्रा को सुचारु रूप से गतिमान बनाए रखने के लिए दिनांक 5 दिसंबर, 2018 को 'समझौता-ज्ञापन' (MOU) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य देशभर के दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों को उनके बेहतर जीवन के लिए उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध करवाना है; साथ ही, उनमें पठन-संस्कृति के प्रोन्नयन हेतु अधिक-से-अधिक ब्रेल पुस्तकों का प्रकाशन करना, ताकि वे इन पुस्तकों से ज्ञानवर्धन कर सम्माननीय और स्वावलंबी जीवन जी सकें।

कोरोना स्टडीज सीरीज

आने वाले समय में मानव-समाज के लिए कोरोना महामारी के असाधारण मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव को महसूस करते हुए, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने कोरोना के बाद पाठकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सभी आयु-समूहों के लिए प्रासंगिक पठन-सामग्री प्रदान करने के लिए 'कोरोना अध्ययन पुस्तकमाला' शीर्षक से एक पुस्तकमाला शुरू की है। इस पुस्तकमाला के अंतर्गत अब तक सात पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं।

भारत–देश और लोग

राज्य संबंधी जानकारी

1. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

बहादुर राम टम्टा पृ. 162 ₹ 160.00

इस पुस्तक में लेखक ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूहों में भारत के अंश को उजागर किया है, जो महानगरीय सभ्यता की चकाचौंध से दूर प्रकृति की गोद में बसी आदिवासी जनजातियों के सरल जीवन और जिजीविषा की अदम्य छटपटाहट से जुड़ा है।

ISBN 81-237-0485-2

2. अबुआ राज की चुनौतियाँ

युगल झा पृ. 154 ₹ 170.00

झारखंड के संदर्भ में ग्रामीण पंचायती राज व्यवस्था समझे जाने वाले अबुआ राज की चुनौतियों और समस्याओं का आकलन-विश्लेषण करती यह पुस्तक झारखंड के जनजातीय समाज के अन्य अनेक आयामों की भी चर्चा करती है। ISBN 978-81-237-7991-1

3. उत्तराखंड

चित्रा फुलोरिया पृ. 432 ₹ 410.00

देवभूमि के नाम से प्रसिद्ध भारत के छोटे राज्य उत्तराखंड के इतिहास, भूगोल, लोक, संस्कृति, खानपान, पर्यटन, प्रसिद्ध व्यक्तियों आदि के बारे में प्रामाणिक जानकारी देने वाली पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7924-9

4. उत्तर प्रदेश

एस.एन. झा अनु. : बनवारीलाल पृ. 176 ₹ 170.00

प्रस्तुत पुस्तक उत्तर प्रदेश राज्य के भू-भागों व्यक्तियों, रीति-रिवाजों, संसाधनों, शिल्प, साहित्य आदि की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करती है। ISBN 978-81-237-5364-5

5. गोवा

ओलिविंहो जे. एफ. गोम्स अनु. : चंद्रमौलि मणि पृ. 252 ₹ 230.00

प्रस्तुत पुस्तक गोवा के भौतिक परिवेश, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सामाजिक संरचना पर एक विहंगम दृष्टि है। साथ ही इसमें वहाँ की सांस्कृतिक विरासत, साहित्य, जनश्रुति के अन्य आयामों का भी विवरण है। ISBN 978-81-237-5584-7

6. छत्तीसगढ़

शिवअनुराग पटैरया पृ. 248 ₹ 240.00

देश के जनजातीय बहुल राज्य छत्तीसगढ़ की परंपराओं, लोककला, संस्कृति, भाषा, भूगोल, राजनीति आदि पर प्रामाणिक जानकारी देने वाली पुस्तक। ISBN 978-81-237-7199-1

7. जम्मू और कश्मीर

सोमनाथ धर अनु. : मंजु कुमारी शर्मा पृ. 202 ₹ 210.00

भारत के मुकुट के रूप में जाना जाने वाला राज्य जम्मू और कश्मीर सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्य है। वन संपदा से समृद्ध यह राज्य अपनी विशिष्ट संस्कृति और परंपरा के लिए भी जाना जाता है। राज्य के शासन व्यवस्था, इतिहास, भूगोल आदि समेत विविध आयामों को समेटती यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-7199-1

8. झारखंड

अनिल कुमार पृ. 194 ₹ 185.00

भारत के 28वें राज्य झारखंड के भौतिक परिदृश्य, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रशासनिक गठन, संसाधन एवं आर्थिक स्वरूप, मानव संसाधन, समाज एवं संस्कृति, परिवहन एवं पर्यटन, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा विकास की संभावनाओं को प्रस्तुत पुस्तक में व्यक्त किया गया है। ISBN 978-81-237-5207-5

9. झारखंड : समग्र आयाम

मनीष रंजन पृ. 458 ₹ 590.00

झारखंड राज्य के विविध आयामों, यथा–भूमि, इतिहास, शासन व्यवस्था, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन आदि की तथ्यात्मक और सूचनाप्रद एवं सारगर्भित जानकारी से परिपूर्ण यह पुस्तक झारखंड राज्य के संबंध में संपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक पाठकों, अध्येताओं के लिए बेहद उपयोगी है। ISBN 978- 93-5491-861-2

10. दिल्ली की राज्य व्यवस्था और शासन प्रणाली

पुरुषोत्तम गोयल, एस.के. शर्मा अनु. : श्रीवत्स दिवाकर पृ. 192 ₹ 190.00

देश की राजधानी दिल्ली में निर्वाचित सरकार होने के बावजूद यहाँ की शासन प्रणाली अपने आपमें अलग है। न तो यह पूर्ण राज्य है और न ही केंद्र शासित प्रदेश। यह पुस्तक दिल्ली राज्य के प्रशासन-संचालन के नियम, कर्तव्य और अधिकारों की सरल शब्दों में जानकारी देती है। ISBN 978-81-237-7878-3

11. बिहार

मनीष रंजन पृ. 494 ₹ 510

प्रस्तुत पुस्तक में बिहार प्रांत के इतिहास, कला, संस्कृति सहित राज्य की राजनीतिक, भौगोलिक और आर्थिक स्थितियों के साथ ही अन्य विविध पक्षों-आयामों पर विस्तृत और व्यापक रूप से प्रकाश डाला गया है। सामान्य पाठकों के साथ ही सिविल सेवा के अभ्यर्थियों के लिए बेहद उपयोगी पुस्तक। ISBN 978-81-237-9826-4

12. बिहार का भूगोल

अनिल कुमार पृ. 148 **अनुपलब्ध**

बिहार राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु, मृदा, प्राकृतिक वनस्पति, भूमि, जल, खनिज

संसाधनों, उद्योग, परिवहन आदि के साथ साथ राज्य की समस्याओं और समृद्ध भविष्य की विस्तृत झाँकी का लेखा जोखा। ISBN 81-237-1215-4

13. भारत का प्राकृतिक भूविज्ञान

शंकर मोहन माथुर अनु. : विजय सिंह पृ. 162 ₹ 155.00

प्रस्तुत पुस्तक में उपमहाद्वीप के प्राकृतिक भूविज्ञान को घेरे हुए महासागरों व उनके द्वीपों के समस्त पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है। ISBN 81-237-2061-0

14. भारत में कुंभ

धनंजय चोपड़ा पृ. 246 ₹ 390.00

प्रस्तुत पुस्तक 12 भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में कुछ महत्वपूर्ण अध्याय हैं। पहले भाग में भारतीय संस्कृति व परंपरा में कुंभ, कुंभ से जुड़ी कथाएँ, वेदों में कुंभ पर्व, पुराणों में कुंभ मेला आदि अध्यायों के साथ इसके ज्योतिष पक्ष, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक पहलुओं का भी जिक्र है। द्वितीय भाग में विभिन्न कुंभ मेलों का वर्णन है। बाकी 10 भागों में उसका इतिहास, अखाड़ों का रोमांच, साधुओं की दुनिया, मीडिया, मंत्र, मार्केट, भीड़ प्रबंधन जैसे विषय समाहित हैं। ISBN 978-93-549-1795-0

15. मध्यप्रदेश

शिवअनुराग पटैरया पृ. 388 ₹ 300.00

भारत के हृदय प्रदेश, मध्यप्रदेश के इतिहास, संस्कृति, भूमि, मौसम, पर्यावरण, सामाजिक व्यवस्था, खानपान व पहनावा, बोलियाँ, शिल्प, मेले, विभूतियों आदि अनेक पहलुओं पर प्रकाश डालती है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-6359-0

16. मध्य प्रदेश की जलनिधियाँ

शिव अनुराग पटैरया पृ. 340 ₹ 325.00

मध्य प्रदेश नदी, झील, तालाब आदि अनेक जलस्रोतों के मामले में एक धनी राज्य है। इस पुस्तक में राज्य की ऐसी ही जलसंपदा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। इन जलनिधियों की वर्तमान अवस्थिति क्या है और इनके सुधार के क्या उपाय हैं यह भी बताया गया है।
ISBN 978-81-237-8190-7

17. त्रिपुरा

एन.एन. गुहा ठाकुरता अनु. : संजय सिंह पृ. 128 ₹ 155.00

उत्तर-पूर्वी राज्य त्रिपुरा के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, जन-जीवन, रीति-रिवाज आदि की प्रामाणिक जानकारी देने वाली पुस्तक। ISBN 978-81-237-6929-5

18. हरियाणा

डी.सी. वर्मा, सुखबीर सिंह अनु. : के.एस. सक्सेना पृ. 172 ₹ 180.00

सांस्कृतिक संपदा से समृद्ध हरियाणा राज्य ने 1966 में अपने गठन से लेकर आज तक एक स्वतंत्र राज्य के रूप में कृषि और औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विकास किया है। एक विकासशील राज्य की झाँकी प्रस्तुत करती पुस्तक। ISBN 81-237-4428-5

19. हरियाणा की दुविधा : समस्याएँ और संभावनाएँ

डी.आर. चौधरी पृ. 136 ₹ 125.00

हरियाणा विरोधाभासों और अंतर्विरोधों की भूमि है। यह राजधानी दिल्ली से सटा हुआ भी है। यह पुस्तक हरियाणा की ऐसी ही कई दुविधाओं, अनिश्चितताओं को तर्क के साथ प्रस्तुत करती है। लेखक का मानना है कि इस राज्य का गठन ही अत्यधिक विषम और त्रुटिपूर्ण है। यहाँ के आर्थिक विकास को कतई नकारा नहीं जा सकता, लेकिन कला, संस्कृति, साहित्य में इसकी कतई पहचान नहीं है।

ISBN 978-81-237-4969-3

20. हिमाचल प्रदेश

हरिकृष्ण मिट्टू अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 100 ₹ 135.00

'देवभूमि' कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश के इतिहास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन तथा आर्थिक विकास के बहुआयामी पक्षों की जानकारी उपलब्ध कराती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-1122-0

इतिहास/कला/संस्कृति

1. अरुणाचल का आदिकालीन इतिहास

एल.एन. चक्रवर्ती अनु. : सच्चिदानन्द चतुर्वेदी पृ. 172 ₹ 150.00

उत्तर में तिब्बत, दक्षिण में असम घाटी, पूर्व में बर्मा और तिब्बत तथा पश्चिम में भूटान और असम से घिरे अरुणाचल प्रदेश, जिसे नेफा के नाम से जाना जाता रहा है, के इतिहास की रोचक व रोमांचक प्रस्तुति।

ISBN 978-81-237-4367-7

2. उत्तर भारत के मंदिर

कृष्णदेव अनु. : ओमप्रकाश टंडन पृ. 60 ₹ 120.00

उत्तर भारत के मंदिर अपनी विशेषताओं के उत्कृष्ट प्रतीक हैं। प्रस्तुत पुस्तक में गुप्त काल से लेकर 20वीं सदी के प्रारंभ में हुए विशिष्ट स्थापत्य शैली के प्रादुर्भाव तक को दर्शाया गया है।

ISBN 978-81-237-4304-2

3. चंबल : संस्कृति एवं विरासत

देव श्रीमाली पृ. 144 ₹ 230.00

पुस्तक में चंबल संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ हैं। नदी का उद्गम, उसका भूगोल, उसके मिथक, किंवदंतियाँ, लोककथाएँ, सांस्कृतिक-राजनैतिक अतीत, चंबल की राजसत्ताएँ, दुर्ग और गढ़ियाँ, कुंती और कर्ण का कुतवार, अतीत का साक्षी मुरैना, चंबल के बागी और डाकू, चंबल के गीत और लोक परंपराएँ, पत्रकारिता, अध्यात्म और श्रद्धा के केंद्र आदि पुस्तक के प्रमुख शीर्षक हैं।

ISBN 978-93-549-1797-4

4. दक्षिण भारत के मंदिर

के. आर. श्रीनिवासन अनु. : उमेश दत्त दीक्षित पृ. 216 ₹ 205.00

दक्षिण भारत में स्थापत्य कला के अद्वितीय उदाहरण, वहाँ के मंदिरों के इतिहास तथा उनकी वर्तमान स्थिति पर प्रामाणिक दस्तावेज।

ISBN 81-237-1867-5

5. प्राचीन भारतीय वेशभूषा

रोशन अल्काजी अनु. : हमीदुल्ला पृ. 144 ₹ 145.00

इस पुस्तक में पुरातत्वीय स्रोतों के आधार पर 321 ईसा पूर्व और 850 ई. के मध्य भारतीय वेशभूषा के क्रमिक विकास की जानकारी दी गई है। यह चित्रकारों, कला के विद्यार्थियों, फैशन डिजाइनरों तथा फिल्मों, टेलीविजन और रंगमंच के लिए वेशभूषा डिजाइन करने वालों के लिए एक सुलभ संदर्भ ग्रंथ है। ISBN 81-237-3754-8

6. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ

कपिला वात्स्यायन अनु. : बदीउज़्ज़मा पृ. 192 ₹ 280.00

इस पुस्तक में भारतीय नाट्य कलाओं के कुछ रूपों का पथदर्शी अध्ययन है, जो परंपरागत संदर्भ में न 'लोक' और न ही 'शास्त्रीय' आन-बान के हैं, बल्कि दोनों के मिश्रित तत्वों की अभिव्यक्ति हैं। ISBN 81-237-1432-7

7. बांग्ला रंगमंच

किरणमय राहा अनु. : गुलशेर खान 'शानी' पृ. 152 **अनुपलब्ध**

प्रस्तुत पुस्तक में बांग्ला रंगमंच के प्रारंभ से लेकर आज तक, लगभग 150 वर्षों में हुए विकास क्रम का अध्ययन करते हुए बांग्ला रंगमंच की विषय-वस्तु और सापेक्षता दोनों का ही वर्तमान स्थितियों के अनुसार वर्णन किया गया है। ISBN 81-237-0294-9

8. भारत की राष्ट्रीय संस्कृति

एस.आबिद हुसैन अनु. : दुर्गाशंकर शुक्ल पृ. 174 ₹ 150.00

पुस्तक में भारतीय इतिहास का काल-क्रमानुसार सर्वेक्षण प्रस्तुत करते हुए ऐसी बातों पर प्रकाश डाला गया है, जो इस तथ्य को उजागर करती हैं कि भारत में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विविधता होने के बावजूद आंतरिक तौर पर एकता निहित है।

ISBN 978-81-237-0708-2

9. भारत की समकालीन कला—एक परिप्रेक्ष्य

प्राण नाथ मागो अनु. : सौमित्र मोहन पृ. 236 ₹ 690.00

प्रस्तुत पुस्तक में उस इतिहास को खोजने का प्रयास किया गया है जिसके फलस्वरूप हमारे देश की कला में समसामयिकता अथवा आधुनिकता की चेतना फलीभूत हुई। साथ ही 19वीं शताब्दी के मध्य से वर्तमान काल तक की विभिन्न प्रवृत्तियों व दिशाओं के विकास का संक्षेप में वर्णन किया गया है। ISBN 978-81-237-4617-3

10. भारत में प्रदर्शन परंपरा

सुरेश अवस्थी अनु. : इंदुजा अवस्थी पृ. 94 ₹ 280.00

यह पुस्तक महाकाव्यों की प्रदर्शन परंपरा से लेकर नए समकालीन रंगमंच तक भारत की प्रदर्शन परंपरा के विविध पक्षों के माध्यम से देश के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष को जानने का विकल्प प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-5518-2

11. भारतीय आदिवासी जीवन

निर्मल कुमार बोस अनु. : श्याम परमार पृ. 92 ₹ 160.00

प्रख्यात नृशास्त्री निर्मल कुमार बोस ने सन् 1971 में नेशनल बुक ट्रस्ट के लिए 'ट्राइबल लाइफ इन इंडिया' नामक पुस्तक लिखी थी। इसके 1978 में प्रकाशित हिंदी संस्करण की विशेषता है

कि इसे लिखने के चालीस साल बीत जाने के बाद भी इसमें उल्लिखित तथ्य, जनजातियों की विशेषताएँ यथावत हैं। नए संस्करण में कुछ आँकड़ों को अद्यतन किया गया है।

ISBN 978-81-237-6676-9

12. भारतीय चित्रकला

सी. शिवराममूर्ति अनु. : रश्मिकला अग्रवाल पृ. 118 ₹ 170.00

प्रस्तुत पुस्तक में प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक की विभिन्न भारतीय चित्र शैलियों की प्रमुख विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-81-237-5347-8

13. मंच आलोकन

जी.एन. दासगुप्ता अनु. : अजय मलकानी पृ. 156 ₹ 190.00

मंच प्रस्तुतियों के लिए आलोकन का एक महत्वपूर्ण स्थान है। प्रस्तुत पुस्तक में मंच दीपन कला और उसकी प्रक्रिया को संचालित करने वाले सिद्धांतों का विवेचन प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-3761-4

14. मिथिला लोकचित्र

कृष्ण कुमार कश्यप, शशिबाला पृ. 170 ₹ 180.00

विश्व भर में मिथिला या मधुबनी पेंटिंग के रूप में विख्यात उत्तर भारत की लोक चित्रकला तेजी से कला के क्षेत्र में अपना स्थान बनाती जा रही है। इस लोकचित्र शैली की अपनी खास विशिष्टता है। इस पुस्तक में मिथिला लोकचित्र के विविध आयामों पर प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-81-237-7356-8

15. वाद्य यंत्र

बी. चैतन्य देव अनु. : अलका पाठक पृ. 122 ₹ 130.00

यह पुस्तक वाद्य यंत्रों की संरचना के विकास और संगीत में उनकी उपयोगिता और गुणवत्ता का रोचक विवरण प्रस्तुत करती है। यहाँ उनका अध्ययन न केवल मिथकों, लोकगीतों और धर्म संदर्भ में बल्कि अंतर्सांस्कृतिक आंदोलनों और सामाजिक विकास के संदर्भ में भी किया गया है।

ISBN 978-81-237-0652-9

16. हिमालय की यात्राएँ : एक कलाकार की स्केच बुक

राम नाथ पसरीचा पृ. 78 ₹ 220.00

जाने-माने कलाकार द्वारा बनाए गए स्केचों तथा पेंटिंग से सजी कलाकार के ही शब्दों में व्यक्त उनके हिमालय भ्रमण का रोचक वर्णन।

ISBN 978-81-237-5002-6

17. हिंदुस्तानी संगीत

अशोक दा. रानाडे पृ. 160 ₹ 165.00

यह पुस्तक भारतीय संगीत की संकल्पना, रूपों, संरचना पर विस्तार से प्रकाश डालती है। राग, ताल, घराना वाद्य यंत्रों पर प्रामाणिक संदर्भ ग्रंथ।

ISBN 978-81-237-7145-2

उद्योग/कृषि/जीव-जगत

1. आनंद पंछी निहारन का

विश्वमोहन तिवारी पृ. 214 ₹ 280.00

भारतीय पक्षियों के अध्ययन को विकसित करने के लिए इस पुस्तक में पक्षियों का बहुत सहज, सरल भाषा में वर्णन किया गया है। इनकी पहचान को सरल बनाने के लिए अंग्रेजी के अलावा लोकमानस में प्रचलित नामों का प्रयोग किया गया है। पुस्तक में दिए गए रंगीन चित्र व रेखांकन इस अध्ययन को रोचक बनाते हैं। ISBN 81-237-2534-5

2. औद्योगिक विकास

एम.आर. कुलकर्णी अनु. : भोलानाथ गोयल पृ. 376 **अनुपलब्ध**

भारत में औद्योगिक विकास के अध्ययन, उसकी समस्याओं और प्रगति की सरल एवं रोचक भाषा शैली में प्रस्तुति। ISBN 81-237-1202-2

3. औषधीय पौधे

सुधांशु कुमार जैन पृ. 242 ₹ 255.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक द्वारा लगभग सौ किस्म के औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी गई है। इनमें जड़ी-बूटियाँ, वनस्पति नामकरण, पौधों का संरक्षण तथा लुप्तप्रायः पौधे जैसे विषय शामिल हैं। ISBN978 -81-237-6183-1

4. कीट

एम.एस.मणि अनु. : नरेन्द्र सिंह चौहान पृ. 176 ₹ 190.00

प्रारंभ से मानव के संगी रहे कीटों की अद्‌भुत दुनिया के बारे में जानकारी प्रस्तुत करती रोचक पुस्तक। ISBN 978-81-237-2294-8

5. गन्ना : उत्पादन और उपयोग

अशोक कुमार श्रीवास्तव पृ. 246 ₹ 310.00

यह पुस्तक गन्ने के इतिहास, भारत और दुनिया के अन्य देशों में इस फसल की पैदावार, चीनी उद्योग में नए प्रयोग आदि के साथ-साथ गन्ने में ख्यातिप्राप्त अनुसंधान, कृषि दक्ष प्रणाली, बौद्धिक संपदा अधिकार, आदि विषयों को आम लोगों की भाषा में प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-5765-0

6. पालतू पशु

हरबंस सिंह संशो. : बी.पी.एस. पुरी अनु. : प्रेमकांत भार्गव पृ. 142 ₹ 140.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने अद्यतन आँकड़ों तथा अन्य देशों की उन्नत प्रणाली के आधार पर देश में उपलब्ध पशुधन के अधिकाधिक उपयोग पर प्रकाश डाला है।

ISBN 978-81-237-0855-3

7. फसल पीड़क कीट

एस.प्रधान अनु. : हनुमान सिंह पँवार पृ. 200 ₹ 285.00

इस पुस्तक में आम पाठक के लिए फसलों के प्रमुख कीटों तथा उनकी रोकथाम के विषय में आवश्यक जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-1502-1

8. बागानी फसलें

के.वी. पीटर अनु. : अनुराग शर्मा पृ. 302 ₹ 260.00

प्रस्तुत पुस्तक बागानी फसलों के उद्भव, वानस्पतिकी, सुधार, पौध-रक्षा, शस्योत्तर प्रबंधन और उत्पादक विकास के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है।

ISBN 978-81-237-5734-6

9. भारत के दुर्लभ पौधे

सुधांशु कुमार जैन, रामलखन सिंह सिकरवार पृ. 196 ₹ 215.00

प्रस्तुत पुस्तक में ऐसे 122 दुर्लभ पौधों का वर्णन किया गया है, जो लुप्त हो जाने के कगार पर हैं। दुर्लभ पौधों की जानकारी ज्ञानवर्धक व रोचक होने के साथ-साथ उनके संरक्षण में भी सहायक है।

ISBN 978-81-237-4142-0

10. भारत के संरक्षित वन क्षेत्र

महेन्द्र प्रताप सिंह पृ. 254 ₹ 230.00

प्रस्तुत पुस्तक भारत में संरक्षित वनों के इतिहास, इससे संबंधित कानून, देश के प्रमुख चिड़ियाघरों के साथ-साथ प्रत्येक राज्य में स्थित संरक्षित वन, उनकी भौगोलिक स्थिति, वहाँ पाए जाने वाले जानवर व वनस्पति की जानकारी देती है। इन वनों तक पहुँचने के मार्ग के साथ-साथ पारिस्थितिकी तंत्र, प्रदूषण और वन, जैव विविधता संरक्षण और राष्ट्रीय वन नीति की प्रामाणिक जानकारी भी इसमें प्रस्तुत की गई है।

ISBN 978-81-237-5859-6

11. मछलियाँ

मैरी चैंडी अनु. : नरेन्द्र सिंह चौहान पृ. 186 ₹ 200.00

इस पुस्तक में मछलियों की संरचना, अनुकूलन और विचित्र स्वभाव तथा रंग-ढंग का वर्णन किया गया है तथा इसके अतिरिक्त ताल-मत्स्यपालन सहित मात्स्यकी के विषय में भी जानकारी दी गई है।

ISBN978-81-237-5066-8

12. सामान्य भारतीय साँप

रोमुलस व्हिटेकर अनु. : सुधीर सेन पृ. 168 ₹ 150.00

यह पुस्तक भारत में सामान्य रूप से पाए जाने वाले साँपों की सरल-सुबोध निर्देशिका है, जो साँपों के बारे में अधिक जानने के लिए आम आदमी की रुचि जाग्रत करती है।

ISBN 978-81-237-1459-2

13. हमारे परिचित पक्षी

सालिम अली, लाईक़ फ़तेह अली अनु. : गंगा प्रसाद श्रीवास्तव पृ. 112 ₹ 140.00

पक्षी विज्ञान और पक्षियों की प्रजातियाँ; उनकी विशेषताओं के बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर के पक्षी वैज्ञानिक द्वारा रोचक प्रस्तुति।

ISBN 81-237-1174-3

सूचनाप्रद

1. अन्न-जल

अरुण कुमार 'पानीबाबा' पृ. 200 ₹ 185.00

यह पुस्तक भारत के मौसम, क्षेत्र और जरूरतों के हिसाब से भारतीय व्यंजनों का परिचय, उनको बनाने के नुस्खे और उनके गुण-दोषों पर विमर्श करती है। ISBN 978-81-237-7229-5

2. उत्तराखंड की राजस्व पुलिस व्यवस्था

देवेन्द्र उपाध्याय पृ. 136 ₹ 125.00

आमतौर पर पूरे देश में राजस्व व भूप्रबंधन का कार्य पटवारी, कानूनगो, नायब तहसीलदार, तहसीलदार की व्यवस्था के तहत किया जाता है। लेकिन उत्तराखंड में राजस्व पुलिस कर एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत कर्मचारी ग्रामीण अंचलों में कानून-व्यवस्था की देखभाल में पुलिस की ही तरह काम करते हैं। यह पुस्तक इस प्रणाली के अतीत, विशेषता, खामियों के साथ-साथ इसकी समूची कार्य व्यवस्था पर प्रकाश डालती है।

ISBN 978-81-237-6441-3

3. देवधरा हिमाचल प्रदेश

रचना गुप्ता पृ. 152 ₹ 220.00

यह पुस्तक 10 अध्यायों में विभक्त है। पुस्तक में हिमाचल के अतीत, राज्य की रचना, समृद्धि, पर्यटन के विकास, ज्ञान और प्रगति के सोपान, सड़कों के सफर, प्रमुख संस्थाओं, ऊर्जा और प्रकृति के उपहार वनों का विस्तृत विश्लेषण है। ISBN 978-81-237-9884-4

4. पंचायती राज

महीपाल पृ. 162 ₹ 140.00

प्रस्तुत पुस्तक में भारत में पंचायती राज व्यवस्था के इतिहास के साथ-साथ वर्तमान समय में पंचायतों के समक्ष जो अनेक कार्यात्मक, वित्तीय, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियाँ हैं, उनका अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-4293-9

5. प्रतिदिन का भारतीय संसाधित आहार

के.टी. अच्चया अनु. : वीरेन्द्र मुंशी पृ. 190 ₹ 155.00

प्रस्तुत पुस्तक आधारभूत भोज्य पदार्थों जैसे कि चावल, गेहूँ, दूध तथा वनस्पति तेल और अधिक परिष्कृत संसाधित आहारों की पोषणिक, रासायनिक और प्रौद्योगिकी गुणवत्ता को रेखांकित करती है। ISBN 978-81-237-3882-6

6. ब्रह्मपुत्र

अरूप कुमार दत्ता अनु. : गजेन्द्र राठी पृ. 206 ₹ 215.00

'ब्रह्मपुत्र' विश्व के महान नदी-व्यवस्था में से एक है—तिब्बत की बर्फभरी पर्वत शृंखलाओं से समुद्र तक की यात्रा में यह 'नद' अपने तट पर बसने वालों के जन-जीवन और लोक-जीवन का केंद्र है। यह पुस्तक अपने पाठकों को ब्रह्मपुत्र के किनारे पर बसने वाले लोगों के समाज, सभ्यता का बेहद जीवंत परिचय करवाती है। ISBN 978-81-237-6572-X

7. भारत की नदियाँ

राधाकांत भारती पृ. 208 ₹ 200.00

तीसरा संशोधित संस्करण। इस संस्करण में कुछ नई सामग्री और नए अध्याय जोड़े गए हैं। भारत की नदियों के बारे में अनेक पहलुओं को समेटती एक शोधपूर्ण अध्ययन का परिणाम है यह पुस्तक। छात्र, पर्यावरणविद् और आम पाठक, सबके लिए समान रूप से उपयोगी।

ISBN 978-81-237-2364-8

8. भारत के आधुनिक तीर्थ पृ. 198 ₹ 225.00

राधाकांत भारती

नेहरू जी ने भारत के बाँधों को आधुनिक मंदिर या तीर्थ की संज्ञा दी थी। लेखक ने यहाँ भारत के बाँधों के संबंध में गहन जानकारी दी है। इस विषय विशेष के अध्येताओं के लिए एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-8215-7

9. भारत में जनसंचार की संवृद्धि और विकास

जे.वी. विलानिलम अनु. : हरीश जैन पृ. 236 ₹ 250.00

इस पुस्तक में भारत में तेजी से बदलते और उभरते जनसंचार का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया गया है। इसमें जनसंचार के विभिन्न माध्यमों–मुद्रण, रेडियो, टीवी, इंटरनेट, विज्ञापन आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है। ISBN 978-81-237-7882-1

10. भारत में भूजल संसाधन

शुभ ज्योति दास अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 250 ₹ 245.00

भूजल के विकास, महत्व, उसके संरक्षण और भारत में इसकी स्थिति का लेखा-जोखा प्रस्तुत करती शोधपरक पुस्तक। ISBN978-81-237- 7965-8

11. भारत में लोक प्रशासन

पद्मा रामचंद्रन अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 242 ₹ 220.00

प्रस्तुत पुस्तक में प्राचीनकाल से लेकर भारत में आज तक के लोक प्रशासन का इतिहास दर्शाया गया है तथा स्वाधीनता से पूर्व के भारतीय प्रशासन की प्रमुख विशेषताओं को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-4464-1

12. भारत में प्रेस : एक सिंहावलोकन

जी. एस. भार्गव अनु. : अनंग पाल सिंह पृ. 216 ₹ 235.00

भारत में प्रेस की स्थिति और एक उद्योग के रूप में उसके विकास एवं महत्ता की व्याख्या करती एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-5621-9

13. भारत में मानवाधिकार

सुभाष शर्मा पृ. 256 ₹ 380.00

भारतीय संविधान में उल्लिखित मानवाधिकारों का विस्तार से वर्णन करती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5578-6

14. भारतीय समाज में महिलाएँ

नीरा देसाई, ऊषा ठक्कर अनु. : सुभी धुसिया पृ. 212 ₹ 165.00

यह पुस्तक बदलते सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक परिदृश्य में भारत की महिलाओं

और उनसे जुड़े सवालों का गंभीरता से आकलन करने का समर्थ प्रयास है।

ISBN 978-81-237-5694-3

15. भारतीय वन उपज

महेंद्र प्रताप सिंह पृ. 348 ₹ 440.00

वनों में उपलब्ध काष्ठ, चारा व कई वनोपज लोगों की चिकित्सा सहित कई उपयोग में आते हैं। यह पुस्तक भारत के वनों में मिलने वाले विभिन्न उत्पादों व समाज के लिए उनके इस्तेमाल पर विमर्श करती है। ISBN 978-81-237-7225-4

16. भारतीय संविधान : रचना एवं कार्य

शिबानी किंकर चौबे अनु. : के.बी. सिंह पृ. 250 ₹ 200.00

भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज मात्र नहीं है, यह एक राजनीतिक दिशा-निर्देश भी है। यह पुस्तक भारत के संविधान की रचना और उसकी कार्य प्रणाली पर प्रकाश डालती है।

ISBN 978-81-237-6185-5

17. मसाले

जीवन सिंह प्रुथी अनु. : मायाराम शर्मा पृ. 326 ₹ 270.00

भारत विश्व का एक प्रमुख मसाला-उत्पादक और निर्यातक देश है। प्रस्तुत पुस्तक में 86 मसालों के नाम, वर्णन, उत्पादन का क्षेत्र, गुण, रासायनिक संघटन और उपयोग दिए गए हैं। ऐसे मसाले जो आम नहीं हैं, उनके यथासंभव चित्र भी दिए गए हैं। ISBN 81-237-4729-2

18. रत्न मीमांसा : वैज्ञानिक-परावैज्ञानिक आयाम

इ. नमोनाथ पृ. 260 ₹ 340.00

प्रकृति की अनुपम देन रत्नों के संसार के वैज्ञानिक व पराभौतिक पहलुओं पर विमर्श करती पुस्तक, जिसमें रत्नों की उत्पत्ति, प्रसंस्करण आदि की जानकारी भी है।

ISBN 978-81-237-7100-2

19. विधान मंडल : गठन और प्रक्रिया

आनंद पयासी पृ. 216 ₹ 200.00

पुस्तक में विधान मंडलों के बारे में संविधान में उल्लिखित प्रावधान, कार्यप्रणाली, अधिकार व कर्तव्य आदि का वर्णन किया गया है। ISBN 978-81-237-7342-1

20. सजावटी पत्थरों का संसार

राम रक्षपाल विजयवर्गीय पृ. 136 ₹ 130.00

इस पुस्तक में सजावटी पत्थरों–जैसे मकराना, संगमरमर, ग्रेनाइट आदि की विशेषताओं; खनन, रखरखाव आदि के बारे में सहज भाषा में जानकारी दी गई है। इसके अलावा, पत्थरों के उपयोग, मानक, तकनीकी विशेषताओं, मापदंडों आदि की जानकारी भी इसमें है।

ISBN 978-81-237-6945-5

21. हमारा संविधान

सुभाष काश्यप पृ. 352 ₹ 255.00

संविधान की उत्पत्ति, कार्यप्रणाली और न्यायिक व्याख्याओं द्वारा विकसित संवैधानिक नियमों को विश्लेषित करती यह पुस्तक तथ्यपूर्ण, उद्देश्यपरक व अत्यंत रोचक है।

ISBN 978-81-237-1913-9

22. हमारा संविधान : भाव एवं रेखांकन

लक्ष्मीनारायण भाला 'लक्खी दा' पृ. 110 ₹ 470.00

भारतीय संविधान निर्माताओं ने संविधान को भारत की संस्कृति, सभ्यता, संस्कार, परंपरा और पहचान देने वाले अनेक निदर्श चित्रों से सुसज्जित करवाया था। इस साज-सज्जा का कार्य प्रख्यात चित्रकार नंदलाल बोस के मार्ग-निर्देशन में संपन्न हुआ था। ये चित्र, प्रतीक या व्यक्तित्व क्यों भारतीय संविधान के भाग बने इसकी ही व्याख्या और विश्लेषण इस पुस्तक का प्रतिपाद्य है।

ISBN978-81-237-8946-0

23. हमारी न्यायपालिका

बालमुकुंद अग्रवाल अनु. : भवानी दत्त पंड्या पृ. 186 ₹ 160.00

भारत में न्याय व्यवस्था का इतिहास और देश की वर्तमान न्याय प्रक्रिया का सरल भाषा में विवरण।

ISBN 978-81-237-1680-0

24. हमारी राजनीतिक व्यवस्था

सुभाष काश्यप अनु : इष्टदेव सांकृत्यायन पृ. 428 ₹ 410.00

भारत की राजनीतिक व्यवस्था के विभिन्न आयामों को उकेरती वरिष्ठ संविधानविद् डॉ. सुभाष काश्यप द्वारा लिखी एक जानकारीपरक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-9277-4

25. हमारी संसद

सुभाष काश्यप पृ. 268 ₹ 255.00

इस पुस्तक में डॉ. काश्यप ने संसद के विषय में सुविधाजनक और सरल, गैर-तकनीकी भाषा में आधारभूत तथ्य और प्रामाणिक जानकारी प्रस्तुत की है।

ISBN 978-81-237-0257-5

तरुण भारती

1. अविस्मरणीय नेहरू

पी.डी. टंडन अनु. : दिनेश मिश्र पृ. 224 ₹ 200.00

पंडित नेहरू के वर्षों तक करीबी रहे पत्रकार व लेखक द्वारा लिखे गए ऐसे संस्मरण, जिनसे देश के पहले प्रधानमंत्री के बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक मिलती है।

ISBN 978-81-237-4456-8

2. आजाद हिंद फौज की कहानी

एस. ए. अय्यर अनु. : प्रेमचंद आर्य पृ. 98 ₹ 110.00

आजाद हिंद फौज, जिसे लोग आई.एन.ए. के नाम से भी जानते हैं, की प्रामाणिक जानकारी प्रस्तुत करने वाली पुस्तक। ISBN 978-81-237-0256-8

3. आजादी के मुकदमे

बालमुकुंद अग्रवाल अनु. : विद्या निधि छाबड़ा पृ. 180 ₹ 155.00

इस पुस्तक में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े प्रमुख देशभक्तों पर 90 वर्षों की अवधि में चलाए गए मुकदमों की प्रामाणिक जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-1433-2

4. आधा भरा गिलास

कल्पना माथुर अनु. : प्रितपाल कौर पृ. 114 ₹ 235.00

हम दुनिया या स्वयं के बारे में क्या सोचते हैं यह हमारे नजरिये पर निर्भर करता है। हमारा नजरिया ही है, जो हमें प्रेरणा देता है। उसी प्रेरणा को रेखांकित करती है यह पुस्तक।

ISBN 978-93-6719-243-6

5. आपदाएँ : लघुकथाएँ, निबंध और उपाख्यान

आर.के. भंडारी अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 171 ₹210.00

आपदाओं की असली वजहें, बचाव, उपाय समझने में सहायक। पृथ्वी हम सबकी है, हम सब इसकी दुर्दशा के जिम्मेदार हैं, तो हम सबको इसे सँवारने की भी जिम्मेदारी उठानी होगी, स्पष्ट संकेत दे रही है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-9249-1

6. एग्जाम वॉरियर्स

नरेंद्र मोदी पृ. 280 ₹ 150.00

न सिर्फ विद्यार्थियों, अपितु उनके माता-पिता और शिक्षकों के लिए भी उपयोगी एवं प्रेरणाप्रद है यह पुस्तक। बेहद व्यावहारिक और विचारों को बदल देने वाली यह पुस्तक वस्तुतः विद्यार्थियों के

लिए मार्गदर्शक की तरह है। सरल और संवाद शैली में मंत्रों के चित्रण एवं गतिविधियों तथा उपयोगी योगासन, प्राणायाम से सज्जित यह पुस्तक परीक्षार्थियों के लिए एक 'गाइड बुक' की तरह है।

ISBN 978-93-5743-242-9

7. एथलेटिक स्वर्णपदक की ओर

एरिक प्रभाकर अनु. : योगराज थानी, सविता गोविल पृ. 226 ₹ 205.00

एथलेटिक प्रतियोगिताओं—दौड़, कूद और फेंकने की विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रशिक्षण नियमावली।

ISBN 978-81-237-4267-0

8. कश्मीर से कन्याकुमारी

डॉ. राजेश कुमार व्यास पृ. 132 ₹ 160.00

यह पुस्तक कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले भारत में हिमाच्छादित पर्वत, पहाड़, नदियाँ, नाले, झीलें, सागर-तट, किले-महल, हवेलियाँ, पुरातत्व, चित्रकला, संगीत और नाट्य के साथ भांति-भांति के लोग और उनकी अनूठी संस्कृति से जीवंत परिचय कराती है।

ISBN 81-237-6440-5

9. कहने का कौशल

कौशलेंद्र प्रपन्न पृ. 272 ₹ 295.00

यदि हमें कहने का कौशल हासिल हो जाए या हम यह कौशल स्वयं में विकसित कर लें तो कठिन-से-कठिन कथ्य व कंटेंट को बड़ी ही सहजता के साथ अपने श्रोता-समूह तक संप्रेषित कर सकते हैं। कहने के कौशल पर आधारित एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-8714-5

10. काम की प्रशंसा में

स. आ. सप्रे अनु. : रामचंद्र मिश्र पृ. 70 ₹ 90.00

गीता के मुख्य उपदेश कर्मयोग की यथासंभव सरलतम रूप में व्याख्या। इस पुस्तक में काम की दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और समाज-शास्त्रीय महत्ता की अभिव्यक्ति है।

ISBN 978-81-237-2359-4

11. किशोरावस्था : उलझाव-सुलझाव

नीरजा शर्मा अनु. : रेनू चौहान पृ. 144 ₹ 125.00

बालपन से युवावस्था में प्रवेश का समय बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों, शिक्षकों व शुभचिंतकों के लिए बेहद जटिल होता है। किशोरावस्था में बच्चे के शारीरिक व यौन बदलाव तो होते ही हैं, उनके बुद्धिमत्ता, भावनाओं, नैतिकता में भी परिवर्तन आते हैं। यह पुस्तक ऐसे ही सभी व्यावहारिक विषयों को बेहद सहज और सरल तरीके से प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-4636-4

12. क्रिकेट कमेंटरी : एक कला, एक विज्ञान

सुशील दोषी पृ. 108 ₹ 160.00

इस पुस्तक में क्रिकेट के उद्‌भव व विकास, कमेंटेटर के मूलभूत गुणों, कमेंटरी की तैयारी, भाषा-शैली, तकनीकी जानकारी, क्रिकेट कमेंटेटर कैसे बनें जैसे विषयों पर विचार किया गया है। पुस्तक में लेखक ने अपने 53 वर्षों के अनुभव को साझा किया है। साथ ही, कमेंटरी के वैज्ञानिक और अवैज्ञानिक गुणों के बारे में विवरण प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-93-5491-502-4

13. क्रिकेट विज्ञान

धर्मेंद्र पंत पृ. 420 ₹ 440.00

क्रिकेट भारत में बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक को अपने मोहपाश में बाँधकर रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुँचाने वाला लोकप्रिय खेल है। इसी खेल को कुछ बारीकी से समझने का प्रयास है यह पुस्तक, जो बच्चों के मन में उठने वाले सवालों और उनकी जिज्ञासा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। ISBN978-81-237-8731-2

14. गंगा तीरे

अमरेंद्र कुमार राय पृ. 126 ₹ 150.00

गंगा एक जलधारा मात्र नहीं है, यह भारतीय लोक समाज की अस्मिता का प्रतीक भी है। गंगा का नाम कैसे बदलता है? इसके प्रवाह पर मौसम का क्या असर होता है? गंगा के किनारे का ग्राम्य जीवन आदि कई रहस्यों और किंवदंतियों को तार्किक ढंग से स्पष्ट करते इस यात्रा-वृत्तांत में गंगा की असीम पावनता के कारकों को समझने का अवसर मिलता है। पुस्तक को आठ पाठों में बाँटा गया है, यथा–दो-दो गंगा, वाराणसी में गंगा, हिमालय में गंगा, गंगोत्री और गोमुख में गंगा, गंगा यात्रा : गोमुख से देवप्रयाग तक भागीरथी, देवप्रयाग से प्रयागराज तक गंगा, प्रयाग से पटना तक गंगा तथा पटना से गंगासागर तक गंगा। ISBN 978-81-237-8164-8

15. गजराज

रामेश बेदी पृ. 104 ₹ 135.00

जंगल का गौरव कहे जाने वाले हाथी के आचार-व्यवहार, विशेषताओं और जीवन शैली का वर्णन–प्रख्यात वन्य-प्राणी विशेषज्ञ रामेश बेदी के शब्दों में।

ISBN 978-81-237-1686-2

16. गोवा के पारंपरिक खेल

भूषण भावे पृ. 204 ₹ 275.00

खेल कभी भी केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते। खेल शिक्षाप्रद और मूल्य सृजनकारी होते हैं, पारंपरिक मानव संस्कृति का सार हैं। लोगों को रीति-रिवाज और नैतिकता सिखाने का सरल माध्यम हैं। इससे शरीर और मस्तिष्क तेजस्वी और फुर्तीला बनता है। निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पैदा करने के लिए पारंपरिक खेलों को सभी स्तरों पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। चित्रों के साथ सुंदर साज-सज्जा में पुस्तक। ISBN 978-93-574-3724-0

17. चलो खेलों की ओर

कनिष्क पाण्डेय पृ. 120 ₹ 170.00

खेल जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। खेल खेलने से दिमाग और शरीर की कसरत हो जाती है। साथ ही, खेल-कूद अनुशासन सिखाता है और अनुशासन जीवन में आनंद लाता है। यह पुस्तक समाज को प्रेरित करती है कि कंप्यूटर, मोबाइल, टीवी और आभासी दुनिया से बाहर निकलकर कुछ-न-कुछ जरूर खेला जाए।

ISBN 978-81-237-9409-9

18. जंगल-जंगल, पर्वत-पर्वत

मनमोहन बावा पृ. 56 ₹ 140.00

वरिष्ठ घुमंतू लेखक की यह पुस्तक निश्चित तौर पर आपको भी देशाटन कराएगी, ऐसा हमारा विश्वास है। जब मन में मंजिल को पाने की हसरत हो तो कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है।

ISBN 978-81-237-0000-0

19. जंगल बोलते हैं

डॉ. सुरेश मिश्र पृ. 110 ₹ 130.00

कान्हा के जंगलों का लोकजीवन, वन्य प्राणी, हरियाली के जीवंत अनुभव। इस पुस्तक को पढ़ना घने जंगलों से संवाद करने जैसा प्रतीत होता है। ISBN 978-81-237-6025-4

20. ज़ाकिर साहब की कहानी

सैयदा खुर्शीद आलम अनु. : निज़ामुद्दीन पृ. 82 ₹ 95.00

डॉ. ज़ाकिर हुसैन की पुत्री द्वारा लिखित यह पुस्तक ज़ाकिर साहब के निजी एवं राजनैतिक जीवन पर प्रकाश डालती है। ISBN 978-81-237-3386-9

21. जायजा जादू जगत का

दिलचस्प पृ. 94 ₹ 110.00

जादू कोई चमत्कार या अनहोनी नहीं, बल्कि जुगत, विज्ञान और आँखों के धोखे का मिला-जुला प्रभाव होता है। इस पुस्तक के लेखक कई बड़े जादूगरों के साथ रहे हैं और उन्होंने इस मनोरंजन कला के प्रत्येक पहलू पर प्रकाश डाला है। ISBN 978-81-237-6800-7

22. जो खुद कसौटी बन गए

प्रकाश मनु पृ. 216 ₹ 210.00

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के सेनानी, राष्ट्रभाषा हिंदी के अग्रगण्य दूत एवं लोकगीतों के अथक चितेरे आदि अनेक व्यक्तित्व के जीवन एवं कर्म पर नए ढंग से विश्लेषणात्मक शैली में लिखे जीवन कथाओं का अनूठा गुलदस्ता। ISBN 978-81-237-7969-0

23. जो दीखता है और जो दिखता नहीं

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी पृ. 256 ₹ 225.00

यह महज एक लेखक व चिंतक के यात्रा संस्मरण ही नहीं हैं, बल्कि उन चर्चित स्थानों के दर्शन, अध्यात्म, संस्कार व भावना का लेखा-जोखा भी है। इसमें लेखक के 16 संस्मरण हैं जिसमें से कुछ विदेश भ्रमण के भी हैं। ISBN 978-81-237-7140-1

24. टेलीविजन नाटक की पटकथा

गौरीशंकर रैणा पृ. 114 ₹ 145.00

आज के युग में टेलीविजन पर आने वाले ऑपेरा लोगों के मनोरंजन का अहम हिस्सा बन गए हैं। हर दिन सैकड़ों एपिसोड प्रसारित हो रहे हैं। इसके लिए पटकथा लिखना नए तरीके की लेखन-विधा है। इस पुस्तक में टेलीविजन के लिए नाटक की कथा के चयन, पटकथा में रूपांतरण, कथा को प्रोडक्शन के लिए तैयार करने जैसे सभी पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-81-237-6816-8

25. टेराकोटा शिल्पकथा

अभिजित कुमार भौमिक, मीता बोस अनु. : बेबी कारफॉर्मा पृ. 52 ₹ 155.00

पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध शिल्पकला टेराकोटा के इतिहास, विकास और समृद्धि की कहानी को इस पुस्तक में वर्णित किया गया है। ISBN 978-93-6719-116-3

26. डाक-टिकटों में भारत दर्शन

अरविन्द कुमार सिंह पृ. 228 ₹670.00

यह पुस्तक भारतीय डाक-टिकटों के इतिहास, विविधता, विमोचन, फिलेटली, छपाई, डिजाइन आदि विषयों पर प्रकाश डालती है तथा सन् 2008 तक मुद्रित सभी टिकटों का विवरण विशेष अवसरों के उल्लेख के साथ करती है। ISBN 978-81-237-5910-4

27. तरुणों के लिए कहानियाँ

गिरिराजशरण अग्रवाल पृ. 84 ₹ 105.00

हिंदी के सुपरिचित विद्वान रचनाकार की अमिट रचनाएँ जो बताती हैं कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए तटस्थ लगन और समर्पित भाव कितना जरूरी है। ISBN 978-81-237-7976-8

28. तीन संन्यासी और उनकी माँ

गोविन्द प्रसाद शर्मा पृ. 50 ₹ 155.00

भारत की संन्यास-परंपरा विश्व में अद्वितीय है। आद्यशंकराचार्य, श्री चैतन्य महाप्रभु और स्वामी विवेकानंद अलग-अलग कालखंडों में भारत की संन्यास-परंपरा के अनुकरणीय और अप्रतिम स्तंभ माने जाते हैं। इस पुस्तक में इन तीनों ही स्वनामधन्य संन्यासियों की अपनी माँओं के प्रति अदम्य प्रेम और लगाव को दर्शाया गया है। ISBN 978-93-5491-169-9

29. निशानों के नायक

वीरेन्द्र शुक्ल पृ. 188 ₹ 200.00

निशानेबाजी भारत ही नहीं, दुनिया के प्राचीनतम खेलों में से एक है। सन् 1896 में आधुनिक ओलंपिक की एथेंस से शुरुआत के समय जिन छह खेलों को शामिल किया गया था, उसमें निशानेबाजी एक है। यह पुस्तक भारत के निशानेबाजी के नायकों के खेल व उपलब्धियों का लेखा-जोखा है, जो कि युवाओं को इस खेल की तरफ आकर्षित करता है। ISBN978-81-237- 7907-2

30. नेगल

विलास मनोहर अनु. : दि.वा. (बाल) ऊर्ध्वरेषे पृ. 138 ₹ 145.00

एक अलग प्रकार के अनुभव के संसार का दर्शन कराती पुस्तक। बेसहारा जंगली जानवरों के बच्चों का अपने बच्चों की तरह लालन-पालन करने का मार्मिक वर्णन।

ISBN 978-81-237-2604-5

31. नेताजी सुभाष

अनंत चरण साहू अनु. : अरुण होता पृ. 150 ₹ 225.00

आजादी के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस के संघर्ष से और उनके बलिदान से भारत का हर नागरिक परिचित है। मूल ओड़िया में प्रकाशित पुस्तक का तथ्यपरक हिंदी अनुवाद दक्ष अनुवादक ने किया है। ISBN 978-93-5491-603-8

32. पगडंडी में पहाड़

जे.पी. पाण्डेय (यात्रा-वृत्तांत) पृ. 177 ₹ 175.00

यह पुस्तक जे.पी.पाण्डेय के पर्वत यात्राओं को शब्द-चित्रों द्वारा साकार रूप देती है। जे.पी. पाण्डेय ने हिमाच्छादित पहाड़ों की सुंदरता, मखमली बादल, झरनों-नदियों आदि का मनमोहक चित्रण किया है। इन शब्द-चित्रों से गुजरते हुए पाठक मसूरी से लेकर झड़ीपानी फॉल, परी-टिब्बा होते हुए चार धाम की मानसिक यात्रा कर लेता है। यात्रा-वृत्तांत पढ़ते हुए पाठक पहाड़ों के जीवन-संकटों से भी साक्षात्कार करता है। ISBN 978-93-5491-313-6

33. पश्चिम यूरोप की चित्रकला

अशोक मित्र अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 124 ₹ 115.00

युवाओं के लिए विशेष तौर पर तैयार की गई इस पुस्तक में पश्चिमी यूरोपीय कला का इतिहास बहुत सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-1345-8

34. पर्यावरण पथ के पथिक

ममता पंड्या, मीना रघुनाथन (संपा.) अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 120 ₹ 125.00

वन्य प्राणी और पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले पंद्रह अनुभवी विशेषज्ञों के लेखों का संकलन। आम से लेकर पर्यावरण से जुड़े पाठक—सबको यह पुस्तक समान रूप से रुचिकर लगेगी। ISBN 978-81-237-5532-8

35. प्रेरणा प्रदीप

आचार्य महेशचन्द्र शर्मा पृ. 178 ₹ 200.00

सार्वजनिक जीवन में शुचिता और अनुशासन के प्रबल पक्षधर आचार्य महेश चंद्र शर्मा ने राजनीति की विकृतियों तथा सामाजिक अधःपतन एवं व्यक्तियों में नैतिक गिरावट को लेकर अपनी जो कुछ भावनाएँ एवं विचार व्यक्त किए उन्हीं का भीना-भीना गुलदस्ता है यह पुस्तक, जो मनुष्य को और बेहतर मनुष्य बनाने का काम करेगी। ISBN 978-81-237-8166-2

36. पृथ्वी ग्रह

एस.एम. माथुर अनु. : अनुपमा गोरे पृ. 75 ₹ 135.00

कुल छह अध्यायों में लेखक ने पृथ्वी ग्रह की महत्वपूर्ण जानकारियाँ पुस्तक में समेट ली हैं। पृथ्वी का दस्तावेज, महासागर, प्रमुख पर्वत, प्रसिद्ध पहाड़ी चोटियाँ, महत्वपूर्ण नदियाँ, सबसे बड़ी झीलें इस पुस्तक के प्रमुख भाग हैं। यह पुस्तक पृथ्वी के विषय में सभी आवश्यक जानकारियाँ प्रदान करती है। ISBN 978-93-549-1946-6

37. फोटोग्राफी : संपूर्ण जानकारी

अशोक दिलवाली अनु. : शमशेर सिंह पृ. 396 ₹ 235.00

फोटोग्राफी एक ऐसी प्रविधि है जिससे व्यक्ति या वस्तु, यहाँ तक कि छाया के भी चित्र कैमरे से लिये जा सकते हैं। अपने आविष्कार से लेकर आज तक फोटोग्राफी कला सामान्य लोगों के लिए भी दिलचस्पी एवं अभिनव प्रयोग का साधन रही है। फोटोग्राफी के विविध आयामों पर जानकारीपरक एक सचित्र पुस्तक। ISBN 978-81-237-7653-8

38. भारत के प्रथम राष्ट्रपति : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

वाल्मीकि चौधरी पृ. 72 ₹ 100.00

प्रखर राजनेता व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन-संघर्ष का कथात्मक विवरण। ISBN 978-81-237-7786-8

39. भारत भाग्य विधाता : भारत के राष्ट्रगान की कहानी

युवराज मलिक अनुवाद : रघुवीर शर्मा पृ. 44 ₹ 240.00

'जन-गण-मन' के भारत के राष्ट्रगान बनने के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में इस पुस्तक में इस गान के संबंध में फैली या फैलायी गईं भ्रांतियों या मिथकों के संबंध में प्रामाणिक एवं तथ्यात्मक रूप से जानकारी देने के अतिरिक्त राष्ट्रगान की आचार-संहिता, गायन के दिशा-निर्देश आदि भी दिये गए हैं। एक महत्वपूर्ण और पठनीय पुस्तक। ISBN 978-93-6719-754-7

40. भारत में जल परिवहन

अरविन्द कुमार सिंह पृ. 220 ₹ 245.00

प्राचीनकाल से ही भारत में जल मार्ग आवागमन और व्यापार का सुगम साधन रहे हैं। यह पुस्तक जल मार्ग के अतीत और इसकी भविष्य की योजनाओं पर एक प्रामाणिक दस्तावेज है।

ISBN 978-81-237- 8849-5

41. भारत में पत्रकारिता

आलोक मेहता संशोधित संस्करण पृ. 286 ₹ 470.00

पत्रकारिता इन दिनों आम लोगों के लिए जिज्ञासा का व्यवसाय बनता जा रहा है। कई युवा इसकी चकाचौंध से प्रभावित हो कर इस व्यवसाय को अपनाने के लिए तत्पर होते हैं, लेकिन वे लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ की चुनौतियों से अनभिज्ञ रहते हैं। प्रख्यात पत्रकार द्वारा लिखी गई यह पुस्तक पत्रकारिता के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर प्रकाश डालती है।

ISBN 978-81-237-4720-0

42. भारत में विज्ञापन

प्रदीप सौरभ, मानुषी पृ. 150 ₹ 150.00

विज्ञापन अब मीडिया जगत की रीढ़ बन गया है। यह महज उत्पाद को बेचने या प्रचारित करने का माध्यम मात्र नहीं है, इसमें कला, व्यवसाय, प्रबंधन सहित कई आयाम समाहित हैं। यह पुस्तक भारत में विज्ञापनों की विकास यात्रा, इसमें कॅरियर व तकनीक पर जानकारी भी देती है। ISBN 978-81-237-7176-2

43. भारतीय पारंपरिक खेल

कनिष्क पाण्डेय पृ. 213 ₹ 390.00

कनिष्क पाण्डेय खेलों को जन-जन तक पहुँचाने के लक्ष्य में प्रयासरत हैं। वह खेल के महत्व को समझते हैं, इसीलिए उन्होंने तकनीक और आधुनिकता के दौर में गुम हो गए भारतीय पारंपरिक खेलों का परिचय इस पुस्तक में दिया है, जैसे—कौन-सा खेल, किस राज्य में खेला जाता है और किस नाम से जाना जाता है आदि। साथ ही, उसके खेलने के तरीके और टीम के बारे में शोधपूर्ण जानकारी इसमें दी गई है। ISBN 978-93-5491-461-4

44. भारतीय समाज

श्यामाचरण दुबे अनु. : वंदना मिश्र पृ. 132 ₹ 125.00

यह पुस्तक भारतीय समाज का एक प्रामाणिक दस्तावेज है। इस पुस्तक में विभिन्न स्रोतों द्वारा भारतीय समाज के भूत और भविष्य को निकट से देखने का प्रयास किया गया है।

ISBN 978-81-237-3516-6

45. भारतीय डाक : सदियों का सफरनामा

अरविंद कुमार सिंह पृ. 406 ₹ 320.00

भारत में डाक प्रणाली के 150 वर्ष के अवसर पर तैयार यह पुस्तक देश की डाक प्रणाली के प्रत्येक पहलू की विवेचना प्रस्तुत करती है। संदेश व संवाद प्रेषण के साथ-साथ, डाक विभाग की बचत संस्थान, सशस्त्र बलों की सहयोगी जैसी महत्वपूर्ण भूमिका भी है। यह पुस्तक संचार क्रांति के कारण डाक विभाग के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकृष्ट करती है। ISBN 978-81-237-4794-1

46. युवाओं के लिए बुद्ध

एस. भट्टाचार्य अनु. : मधुकर उपाध्याय पृ. 54 ₹ 90.00

युवा वर्ग के लिए बुद्ध द्वारा स्वयं अपने बारे में कही गई बातों के आधार पर लिखी गई रोचक पुस्तक। ISBN 978-81-237-2544-4

47. लोकतंत्र

डेविड बीथम, केविन बॉयले अनु. : देसराज गोयल पृ. 108 ₹ 110.00

विश्व में लोकतंत्र को परिभाषित करने वाले 80 अत्यधिक प्रभावी प्रश्नों के उत्तर देने वाली इस पुस्तक का प्रकाशन यूनेस्को पब्लिशिंग के सहयोग से हुआ है। इसकी भूमिका जाने-माने पत्रकार निखिल चक्रवर्ती ने लिखी है तथा कार्टून आर.के. लक्ष्मण के हैं।

ISBN 978-81-237-1772-2

48. वे देश के काम आए

नीरजा माधव पृ. 104 ₹ 165.00

प्रस्तुत कहानी संग्रह में कारगिल युद्ध समेत अन्य अवसरों पर देश की सीमाओं पर दुश्मनों तथा देश के अंदर आतंकवादियों से मुठभेड़ की दस रोचक कहानियाँ हैं। कहानियों के शीर्षक पाठकों के मन को आकृष्ट करने वाले हैं, जैसे कि 'सुनो मधुमालती', 'हवाओं पर लिखी पाती', 'वे देश के काम आए', 'पृष्ठ संख्या उन्नीस सौ निन्यानबे' आदि। ये कहानियाँ आज के तरुणों व युवाओं के मन में साहस व पराक्रम का संचार करने वाली हैं।

ISBN 978-93-5743-642-7

49. वैज्ञानिक वृत्ति और सत्य की खोज

राजेन्द्र बिहारी लाल अनु. : विजय कुमार श्रीवास्तव पृ. 50 ₹ 75.00

वैज्ञानिक वृत्ति के उद्देश्य को स्पष्ट करती एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2681-6

50. शब्द चित्र और श्रद्धांजलियाँ : गाँधी जी

यू. एस. मोहन राव (संपा.) अनु. : रामेश्वर मिश्र 'पंकज' पृ. 124 ₹ 115.00

इस पुस्तक में गाँधी जी द्वारा लिखित उन व्यक्तियों के रेखाचित्र और श्रद्धांजलियाँ संकलित हैं,

जिनके बारे में उनके मन में स्नेह भाव था। इन श्रेष्ठ नर-नारियों से गाँधी जी का संपर्क व्यक्तिगत अथवा पत्राचार के माध्यम से था। ISBN 978-81-237-0760-0

51. शेरों और हाथियों के बीच

रामेश बेदी अनु. : बृजमोहन गुप्त पृ. 92 ₹ 160.00

जंगल में शेर और हाथी ऐसे जानवर हैं, जो बलशाली व चतुर होते हैं। इस पुस्तक में इन दोनों जानवरों की जीवन शैली, उनके आपस में तथा इनसान के साथ खट्टे-मीठे रिश्तों को बारीकी से चित्रित किया गया है। ISBN 978-81-237-3516-0

52. शिला आरोहण

मनोहर पुरी पृ. 150 ₹ 140.00

पर्वतारोहण का दूसरा सोपान कहलाने वाले 'रॉक क्लाइंबिंग' या शिला आरोहण पर हिंदी में पहली पुस्तक। साधारण पत्थरों और चट्टानों पर चढ़ाई के रोमांचक व जोखिम भरे खेल के तकनीकी व व्यावहारिक पहलुओं पर प्रामाणिक पुस्तक। ISBN 978-81-237-4250-2

53. श्री अरविंदो : तरुणों के लिए

रमेश बिजलानी अनु. : सूर्यकांत शर्मा *शीघ्र प्रकाश्य*

श्री अरविंद एक स्वतंत्रता सेनानी, लेखक और एक दार्शनिक थे, लेकिन इन सबसे बढ़कर, वे एक आध्यात्मिक गुरु भी थे। वे एक ऐसे आध्यात्मिक गुरु थे, जो परंपरा में विश्वास रखते थे, लेकिन फिर भी उससे बँधे हुए नहीं थे। यह पुस्तक श्री अरविंद के जीवन, कार्यों और दृष्टि का अत्यंत पठनीय सम्मिश्रण है।

54. स्वामी विवेकानंद : एक सरल व्यक्तित्व

ब्रह्मचारी अमल अनु. : जितेन्द्र वीर कालरा पृ. 68 ₹ 135.00

स्वामी विवेकानंद एक आम बच्चे से विश्व स्तर के संत कैसे बने, इसको उजागर करती छोटी-छोटी कहानियाँ। ISBN 978-81-237-7834-1

55. स्वामी विवेकानंद : युवाओं की शाश्वत प्रेरणा

संदीपन सेन अनु. : डॉ. आरती स्मित पृ. 56 ₹ 85.00

यह पुस्तक स्वामी विवेकानंद के दर्शन को सहजता से सरल भाषा में समझने का कथानक है।
ISBN 978-81-237-7833-3

56. स्वामी विवेकानंद : संस्थान-निर्माण तथा प्रबंधन

बी. भट्टाचार्य अनु. : घनश्याम शर्मा पृ. 190 ₹ 200.00

स्वामी विवेकानंद एक सफल संस्था-निर्माता भी थे। देश की गरीबी दूर करने तथा भारत का औद्योगीकरण करने के बारे में उनके पास एक सुनिश्चित विचार थे। यह पुस्तक उनके व्यक्तित्व और उपलब्धियों के ऐसे ही कुछ अल्प ज्ञात आयामों से संबंधित है।
ISBN 978-93-6719-376-1

57. स्वैच्छिक कार्य और गाँधीवादी दृष्टि

डी.के. ओझा अनु. : नेमिशरण मित्तल पृ. 70 ₹ 85.00

प्रामाणिक तथ्यों पर आधारित यह पुस्तक गाँधीवादी दर्शन और उससे प्रभावित तीन स्वैच्छिक आंदोलनों के बारे में प्रकाश डालती है। ISBN 978-81-237-1176-8A

58. सदी का संपादक : राजेंद्र माथुर

राजेश बादल (संक. एवं संपा.) पृ. 223 ₹ 285.00

राजेंद्र माथुर के संबंध में अनेक अनछुए पहलुओं को उजागर करने वाली इस पुस्तक के प्रसंगों को राज्यसभा टीवी के पूर्व कार्यकारी निदेशक श्री राजेश बादल ने संकलित किया है। संपादक के बारे में लिखा है कि वे अंतरराष्ट्रीय हलचलों का अच्छा ज्ञान रखने वाले, निरपेक्ष पत्रकार रहे। उन्होंने लीक से हटकर लेखनी चलाई। पक्षियों का अध्ययन, शरद ऋतु से ग्रीष्म तक की रातों मे आकाश का अध्ययन किया। लेखक ने उनके आलेखों को दुर्लभ और सार्वकालिक बताए हैं।

ISBN 978-93-549-1798-1

59. सरयू से सिंधु

रविप्रकाश टेकचंदाणी पृ. 56 ₹ 90.00

सिंधी समुदाय भारत से लेकर पाकिस्तान तक में फैला-पसरा हुआ है। लेखक की भारत के उत्तर प्रदेश के फैजाबाद के साथ-साथ बहने वाली सरयू किनारे से पाकिस्तान के सिंध प्रांत के सिंधु किनारे तक की यात्रा एक सांस्कृतिक यात्रा भी बन गई। इसी यात्रा का खूबसूरत चित्रण इस पुस्तक में हुआ है।

ISBN 978-81-237-8172-3

60. साहसिक क्रीड़ाएँ

ब्रिगे. टी.पी.एस. चौधरी अनु. : रामेश्वर काम्बोज पृ. 355 ₹ 415.00

भारत में साहसिक खेलों के प्रति लोगों का रुझान काफी बढ़ा है। पर्वत, नदियाँ एवं झरने इन साहसिक खेलों के लिए नए केंद्र के रूप में उभरे हैं जहाँ राफ्टिंग, रोरिंग या पहाड़ की ऊँची चोटियों पर कीलों एवं रस्सियों के सहारे चढ़ने के करतब लोकप्रियता के नए सोपान छू रहे हैं। अनेक साहसिक क्रीड़ाओं से भरपूर एक रोचक कृति जो युवाओं में साहसिक और चुनौतीपूर्ण अभियान के लिए प्रेरित और उद्वेलित करती है।

ISBN 978-81-237-8699-5

61. सिकुड़ता हुआ ब्रह्मांड

तपन भट्टाचार्य अनु. : विजय कुमार श्रीवास्तव पृ. 134 ₹ 125.00

आज संचार के क्षेत्र में कंप्यूटर, आई.टी. और इंटरनेट की गूँज है। सूचना प्रौद्योगिकी की इसी महत्वपूर्ण तकनीक के कारण सिकुड़ते जा रहे ब्रह्मांड की जानकारी।

ISBN 978-81-237-3862-8

62. सिविल सेवा परीक्षा : कैसे करें तैयारी

निशांत जैन पृ. 126 ₹ 145.00

हिंदी माध्यम से संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के लिए वरीयता में पाँचवाँ स्थान प्राप्त करने वाले लेखक ने अपने अनुभवों के आधार पर जानकारी दी है कि इन परीक्षाओं के लिए बौद्धिक और मानसिक तैयारी किस तरह करें।

ISBN 978-81-237-9112-8

63. सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में करिअर

विनीता सिंघल पृ. 144 ₹ 130.00

12वीं कक्षा के बाद छात्र-छात्राओं के समक्ष सही करिअर का चुनाव एक समस्या या कहें कि चुनौती होती है जिसका समाधान इस पुस्तक में किया गया है। करिअर के विभिन्न विकल्पों

की जानकारी देने वाली एक उपयोगी पुस्तक। ISBN 978-81-237-5373-7

64. हमारा पर्यावरण

लाईक़ फ़तेहअली अनु. : अमन नम्र पृ. 134 ₹ 160.00

पर्यावरण को बहुत-सा नुकसान तो अनजाने में हो जाता है। इस पुस्तक में भारत के पहाड़ों, जंगलों, नदियों, समुद्र, गाँवों और शहरों के पर्यावरण पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। साथ ही लोगों को चेताया गया है कि उनकी छोटी-छोटी गतिविधियाँ किस तरह पर्यावरण की अपूरणीय क्षति कर देती हैं। ISBN 978-81-237-4654-8

65. हमारी माँ तुम्हारी माँ

रामकुमार कृषक पृ. 60 ₹ 80.00

फ्रांस से भारत (पांडिचेरी) आकर महान योगी श्रीअरविंद की शरण में रहकर दुखी और निराश मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित कर देने वाली श्रीमाँ (मिरा अल्फासा) के जीवन एवं कर्म के अनेक अनछुए पहलुओं को उद्‌घाटित करती पुस्तक।

ISBN978-81-237-8884-5

66. हौसलों को उड़ने दो

बालेन्दु शर्मा दाधीच पृ. 207 ₹ 235.00

प्रस्तुत पुस्तक में अभिगम्यता (एक्सेबिलिटी) तकनीकों का दस्तावेज़ीकरण करते हुए दिव्यांगों के लिए एक नए संसार की खिड़की खोलने का प्रयास किया गया है। ऐसा संसार, जहाँ तकनीक एक सहयोगी के रूप में कभी उनके साथ, कभी उनके पीछे और कभी उसके आगे चलती है। वैसे, तकनीक उनके निजी तथा व्यावसायिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और समानता के नए धरातल का निर्माण करने में सक्षम है, यही इस पुस्तक का केंद्रीय विषय है।

ISBN978-81-237-8742-8

लोकोपयोगी विज्ञान

1. अद्‌भुत जीवन-विलक्षण गणित

महेश दुबे पृ. 172 ₹ 215.00

यह पुस्तक विश्व और भारत के कई ऐसे महान गणितज्ञों के जीवन और अन्वेषणों की जानकारी देती है जिनके योगदान की नींव पर आधुनिक यांत्रिकी, विज्ञान और गणित खड़ा है।

ISBN978-81-237- 8050-8

2. अन्न कहाँ से आता है

सुषमा नैथानी पृ. 262 ₹ 275.00

कृषि की शुरुआत से लेकर जैव-प्रौद्योगिकी से बनी जी.एम. (जेनेटिकली मॉडिफाइड या जीन संवर्धित) फसलों का विवरण दिया गया है। मनुष्य द्वारा 'शिकार और संग्रहण' पर आधारित पारंपरिक जीवनशैली छोड़कर अन्न उपजाने, पारंपरिक कृषि, औपनिवेशिक कृषि, हरित क्रांति, जी.एम. तकनीक आदि विविध विषयों की तथ्यात्मक जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-9265-1

3. असाधारण कायाकल्प

सुकन्या दत्ता अनु. : मनीष मोहन गोरे पृ. 186 ₹ 210.00

इस पुस्तक में जैवविविधता पर प्रकाश डाला गया है। रेगिस्तान या गरम प्रदेशों, ठंडे प्रदेशों, भूमिगत या हवा, पानी, गहरे समुद्र में, पर्वतों या गुफाओं में किस-किस तरह के जीव पाए जाते हैं तथा उनकी क्या-क्या विशेषताएँ होती हैं, उनका जीवन किस तरह मनुष्य से अलग होता है, इसमें उन जीवों का विवरण दिया गया है। पुस्तक के अंत में संबंधित पारिभाषिक शब्दावली भी दी गई है।

ISBN 978-81-237-9532-4

4. आँखें हैं तो जहान है

डॉ. प्रेमचंद्र स्वर्णकार पृ. 116 ₹ 180.00

जागरूकता किसी भी रोग से जूझने का सबसे बड़ा साधन होती है। इस पुस्तक का मुख्य उद्‌देश्य आम लोगों को आँख की संरचना, उसके अलग-अलग भागों की कार्य-प्रणाली तथा सावधानियों आदि के बारे में जानकारी देना और उन्हें प्रकृति की इस अनमोल देन के प्रति जागरूक करना है।

ISBN978-81-237- 8080-X

5. आइन्स्टाइन

एस. चटर्जी, टी.वी. वेंकटेश्वरन अनु. : धर्मेन्द्र कुमार पृ. 76 ₹ 145.00

सुबोध रूप से लिखी गई, यह पुस्तक आइन्स्टाइन के पथ-प्रदर्शक कार्य, उनके जीवन और क्लर्क से क्रांतिकारी वैज्ञानिक बनने तक के और साथ-ही-साथ उनके जीवन काल के अल्प ज्ञात दृष्टिकोणों तथा समाज एवं राजनीति पर लेखन का दिलचस्प वृत्तांत है।

ISBN 978-81-237-6853-3

6. आधुनिक आनुवंशिकी

जगजीत सिंह अनु. : विष्णु गोपाल वैद्य पृ. 200 ₹ 265.00

यह पुस्तक विषाणुओं, जीवाणुओं, पौधों, पशुओं और मनुष्यों की आनुवंशिकी की जटिल क्रियाविधि का परिचय देती है। पुस्तक का विषय चाहे कठिन है, लेकिन इसका महत्व उतना ही अधिक है। ISBN 978-81-237-3496-5

7. आधुनिक निदानात्मक उपचार पद्धतियाँ

अनिल अग्रवाल अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 250 ₹ 275.00

आधुनिक प्रौद्योगिकी के कारण रोग के निदान और उपचार क्षेत्र में आई क्रांति का विश्लेषण करती एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-5638-7

8. आज का अंतरिक्ष

मोहन सुंदर राजन अनु. : लक्ष्मीनारायण गर्ग पृ. 324 ₹ 300.00

यह पुस्तक भारत में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हाल के कुल अंतरिक्ष संबंधी विकास के बारे में अद्यतन सामग्री प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-6634-8

9. आपकी सेहत

विजय मित्तल पृ. 218 ₹ 250.00

एक वरिष्ठ चिकित्सक द्वारा लिखी गई यह पुस्तक आम लोगों को उनके शरीर और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने का सशक्त प्रयास है। ISBN978-81-237- 8023-0

10. आयुर्वेद : विभिन्न पहलू

शरदिनी डहाणूकर, उर्मिला थत्ते अनु. : लक्ष्मीनारायण गर्ग पृ. 130 ₹ 120.00

आयुर्वेद के रहस्यों को आम पाठकों के समक्ष रखने वाली महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2852-0

11. ऊर्जा

एस.के. बख्शी अनु. : ध्रुव देव शर्मा पृ. 90 ₹ 140.00

इस पुस्तक में ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों के विषय में प्रामाणिक जानकारी प्रदान की गई है। ऊर्जा के महत्वपूर्ण विकल्पों पर भी गहन चर्चा की गई है। ISBN 978-81-237-2205-4

12. ऊर्जा : कुछ नए विकल्प

विनीता सिंघल पृ. 112 ₹ 120.00

विकास की गति को और तेज करने के लिए अधिक-से-अधिक ऊर्जा की जरूरत है। इस पुस्तक में कई गैर-पारंपरिक और विकास तथा पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने वाले स्रोतों की जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-5799-5

13. एड्स की चुनौती

खुर्शीद एम. पावरी अनु. : विजय कुमार श्रीवास्तव पृ. 148 ₹ 195.00

पूरे विश्व पर अभूतपूर्व खतरे का रूप ले रहे एड्स के विषय में सरल भाषा में आम पाठकों के लिए वैज्ञानिक तथा प्रामाणिक जानकारी प्रदान करती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2350-1

14. कण-कण में विज्ञान

विनीता सिंघल पृ. 104 ₹ 130.00

वर्ष 2012 में दुनियाभर के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार विशालतम मशीन के माध्यम से एक ऐसे सबसे छोटे कण को खोजा गया जो कण के भी छोटे-से हिस्से तक ही स्वतंत्र रूप से पाया जाता है। इसे 'गॉड पार्टिकल' का नाम दिया गया। यह पुस्तक इस रोचक खोज की समूची प्रक्रिया की जानकारी देती है।

ISBN 978-81-237-6969-1

15. कब...50 दिलचस्प जवाबों के सवाल

बाल फोंडके अनु. : शमशेर सिंह पृ. 239 ₹ 320.00

50 निबंधों का यह संकलन रोचक प्रश्नों, जैसे—'लिखाई की ईजाद कब हुई?', 'बच्चा चेहरों को कब पहचानने लगता है?', 'हमें स्वप्न कब आते हैं?' आदि का वैज्ञानिक एवं तार्किक उत्तर प्रस्तुत करता है। इन प्रश्नों का संबंध वैज्ञानिक घटनाओं, दार्शनिक मतों, सांसारिक अनुभव पर आधारित है। सहज-सरल भाषा में दिए गए इन उत्तरों से आम पाठक की जिज्ञासा शांत होती है।

ISBN 978-93-5491-414-0

16. कवियों का विज्ञान संसार

संकलन एवं अनु. : *सावन कुमार बाग, मेहेरे वान* पृ. 150 ₹ 205.00

प्रस्तुत पुस्तक में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के नौ निबंध और रवींद्रनाथ टैगोर के पाँच निबंधों के साथ सत्येंद्र नाथ बोस को संबोधित पत्र भी संगृहीत हैं। बंकिम चंद्र के निबंधों में सौर महा-विस्फोट, आकाश में कितने तारे हैं, धूल का रहस्य, हवाई यात्रा की कहानी, मनुष्य की प्राचीनता तथा टैगोर के निबंधों में परमाणु-लोक, नक्षत्र-लोक, सौर जगत, गृह-लोक और भू-लोक आदि शामिल हैं।

ISBN 978-93-5491-504-8

17. कागज और पर्यावरण

वीरेंद्र कुमार भारती पृ. 180 ₹ 250.00

कागज प्रकृति की अनुपम भेंट है जो ज्ञान के प्रसार का अनिवार्य तत्व है। इस पुस्तक में कागज के इतिहास, विकास, अलग-अलग किस्म के कागजों के उत्पादन आदि पर तकनीकी जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-6705-5

18. कुछ सामान्य रोग

अनिल अग्रवाल अनु. : चन्द्रभान शर्मा पृ. 80 ₹ 130.00

यह पुस्तक हमें शरीर की बीमारियों से न केवल परिचित कराती है अपितु उन बीमारियों के निदान की पर्याप्त जानकारी भी देती है। पुस्तक रोचक व सरल भाषा में लिखी गई है।

ISBN 978-81-237-1344-1

19. कुत्ते और बिल्ली की देखभाल

विनोद शर्मा अनु. : रामेश्वर कांबोज 'हिमांशु' पृ. 84 ₹ 130.00

यह पुस्तक पालतू बिल्ली और कुत्तों के स्वास्थ्यकर भोजन, देखभाल, आश्रय और सुरक्षा की मार्गदर्शिका है। इसमें पालतू जानवरों से जुड़े कई मिथकों का निराकरण भी प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5843-5

20. कैंसर

शशांक मोहन बोस (लेखन एवं अनुवाद) पृ. 98 ₹ 150.00

पिछले कुछ वर्षों में भारत में कैंसर के मामले तेज़ी से बढ़े हैं। जागरूकता की कमी के कारण, मरीज इसके अंतिम चरण में विशेषज्ञ की ओर रुख करते हैं, जबकि कैंसर के जल्द पता चलने से बीमारी के उचित एवं प्रभावी उपचार में मदद मिलती है। यह पुस्तक कैंसर के मूल कारण, कारक, खतरे के संकेत और रोग जाँच के नैदानिक तरीकों के बारे में बताती है।

ISBN 978-81-237- 5594-5

21. कोशिकाओं, अंगों का विलक्षण संसार

डॉ. श्रीगोपाल काबरा पृ. 83 ₹ 120.00

यह पुस्तक मानव शरीर में रक्त कोशिकाओं की भूमिका और उसे सहेजने के उपायों पर चर्चा करती है तथा आपके शरीर से जुड़े ऐसे ही कई रोचक सवालों को बेहद सहज तरीके से समझाने का प्रयास करती है। ISBN978-81-237- 8067-2

22. कृष्ण विवर

जयंत नार्लीकर अनु. : प्रदीप कुमार मुखर्जी पृ. 66 ₹ 105.00

इस तकनीकी विषय को आम पाठकों के लिए अत्यंत सरल भाषा-शैली में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-4931-0

23. क्वांटम जगत का रहस्य

रजत चंदा अनु. : प्रदीप कुमार मुखर्जी पृ. 114 ₹ 115.00

विकिरण सिद्धांत की कल्पना को सुलझाने के लिए क्वांटम परिकल्पना को लागू किया गया। इसने पदार्थों की प्रकृति के संबंध में हमारी समझ को बदलकर रख दिया और ऐसे उपयोगों को जन्म दिया जो हमारे जीने और काम करने के तरीकों में परिवर्तन ला रहे हैं।

ISBN 81-237-4200-2

24. गंध संवेद

शारदा बुलचंद अनु. : के.के. कक्कड़ पृ. 84 ₹ 95.00

गंध संवेद सभी संवेदनाओं में सबसे अधिक आदिम व रहस्यमय है। प्रस्तुत पुस्तक में संवेदी प्रणाली के कार्य, गंध चिकित्सा, घ्राण स्मृति की भूमिका तथा गंध संवेद के विकारों के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है। ISBN 978-81-237-6313-2

25. घरेलू पीड़क जंतु एवं उनका नियंत्रण

रेणुका गुप्ता अनु. : आशुतोष गर्ग पृ. 88 ₹ 115.00

प्रस्तुत पुस्तक में घरेलू पीड़क जंतुओं से होने वाली हानियों एवं उनके नियंत्रण का ब्योरा दिया गया है। ISBN 978-81-237-6645-4

26. चाय की प्याली में पहेली

पार्थ घोष, दीपांकर होम अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 106 ₹ 105.00

रोजमर्रा के जीवन की घटनाओं को जानने की जिज्ञासा प्रायः सभी के मन में होती है। वैज्ञानिक

सिद्धांत लिए हुए यह पुस्तक आसपास की घटनाओं पर आधारित पहेलियों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। ISBN 978-81-237-1343-6

27. चालाक कोयल और कुक्कू

विपुल कीर्ति शर्मा पृ. 77 ₹ 295.00

शोधकर्ता, शिक्षक, लेखक और फिल्म निर्माता डॉ. विपुल गत 25 वर्षों से अध्यापन और शोधकार्यों में संलग्न हैं। उनकी यह किताब चालाक कोयल के अनोखे और महत्वपूर्ण राज उजागर करती है। कुक्कू की आबादी, बाज की पोशाक में परजीवी समेत कुल 12 अध्याय हैं, जो कोयल के संबंध में रोचक जानकारियाँ प्रदान करते हैं। कई छायाकारों के सुंदर चित्र भी संकलित हैं।

ISBN978-93-574-3077-7

28. चित्रण : जैव विविधता पर प्रवेशिका

पी.एस. रामाकृष्णन अनु. : अनुराग शर्मा पृ. 60 ₹ 100.00

ISBN978-81-237-7783-2

29. जब चाँद नीला था

सुकन्या दत्ता अनु. : लक्ष्मीनारायण गर्ग पृ. 186 ₹ 200.00

बारह विज्ञानपरक कल्पित कहानियों का संग्रह। यथार्थ और कल्पना के सर्वथा दोषरहित मिश्रण से युक्त ये कहानियाँ श्रेष्ठ वैज्ञानिक कथा साहित्य का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। प्रत्येक कहानी का कथानक उसमें व्याप्त उत्तेजना, समझ-बूझ और हास्य के ताने-बाने से बुना गया है।

ISBN978-81-237-9278-1

30. जल : जीवन का आधार

कृष्ण कुमार मिश्र (लेखन एवं अनुवाद) पृ. 106 ₹ 165.00

पानी के कारण ही पृथ्वी पर जीवन अस्तित्व में आया। इसी पानी के विभिन्न पक्षों पर वैज्ञानिक जानकारी देती पुस्तक। ISBN 978-81-237-3583-2

31. जलवायु परिवर्तन : एक समझ

एम.ए. हक अनु. : आलोक तिवारी पृ. 161 ₹ 230.00

प्रस्तुत पुस्तक जलवायु परिवर्तन संबंधी खतरों से परिचय करवाती है और इससे जुड़ी दीर्घकालिक समस्याओं पर प्रकाश डालती है। यह पुस्तक इसके कारण होने वाले संकट को कम करने की दिशा में काम कर रहे समुदायों, संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा किए जा रहे विविध उपक्रमों की पड़ताल भी करती है। ISBN978-93-6719-460-7

32. जलने से बचाव

कल्पना सूद लाल अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 76 ₹ 115.00

आग लगने से बचने के प्रयास करना इसके इलाज से कहीं बेहतर होता है। एक चिकित्सक द्वारा लिखी गई यह पुस्तक आग की घटनाओं से बचाव व सामान्य उपचार की जानकारी देती है।

ISBN978-81-237-4925-9

33. जीनोम यात्रा

विनीता सिंघल पृ. 148 ₹ 140.00

जीन को जीव-जगत का सार कहा जाता है। हम ‘जीन-क्रांति’ के द्वार पर खड़े हैं। यह पुस्तक जीन जैसे जटिल विषय को बेहद सरल शब्दों में प्रस्तुत करती है। ISBN978-81-237-6324-8

34. जैव-प्रौद्योगिकी

पुरुषोत्तम चितले पृ. 110 ₹ 110.00

जैव-प्रौद्योगिकी एक विलक्षण क्षमता वाला एक अत्याधुनिक शास्त्र है। इस पुस्तक में जैव-प्रौद्योगिकी की बहुआयामी क्षमता का परिचय सरल व गैर-तकनीकी भाषा में दिया गया है।

ISBN 978-81-237-6108-4

35. तंतु प्रकाशिकी

जी.के. भिड़े अनु. : विभोर सिंह पृ. 82 ₹ 155.00

तंतु प्रकाशिकी जैसे महत्वपूर्ण, कठिन विषय के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालती एक सूचना-प्रधान पुस्तक। विषय नया, किंतु समझ में आने वाला।

ISBN 978-81-237-4442-1

36. त्वचा और बाल : स्वास्थ्य एवं रोग में

जे.एस. पसरीचा, रामजी गुप्ता अनु. : विनोद विप्लव पृ. 194 ₹ 195.00

त्वचा और बालों संबंधी सभी रोगों पर विज्ञान सम्मत जानकारी देती सूचना-प्रधान पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5103-0

37. दर्द और उसका प्रबंधन

सुगंध ए. कर्पूरकर अनु. : सतीश चंद्र सक्सेना पृ. 72 ₹ 110.00

इनसान का शारीरिक दर्द से पुराना नाता है। यह पुस्तक दर्द के कारणों और उस वेदना के बोध को दूर करने के लिए हो रहे नित नए प्रयोगों की जानकारी देती है।

ISBN 978-81-237-7919-4

38. दमा

एम.पी.एस. मेनन अनु. : चन्द्रभान शर्मा पृ. 50 ₹ 85.00

यह छोटी-सी पुस्तक दमा के रोगियों को दमा से संबंधित अनेक प्रश्नों के उत्तर उपलब्ध कराती है। प्रख्यात विशेषज्ञ द्वारा लिखित इस पुस्तक में सामान्य पाठकों के लिए इस दुरूह रोग के बारे में आधुनिकतम जानकारी अत्यंत स्पष्ट ढंग से दी गई है।

ISBN 978-81-237-0746-4

39. दूरसंचार कथा

मोहन सुंदर राजन अनु. : लक्ष्मीनारायण गर्ग पृ. 228 ₹ 200.00

यह पुस्तक टेलीफोन प्रणाली से उपग्रह संचार सेवा तक की आरंभिक और नवीनतम जानकारी बड़ी सरल भाषा में देती है। पाठकों की जानकारी के लिए पुस्तक बहुत ही रोचक व महत्वपूर्ण है।

ISBN 978-81-237-1274-1

40. देवदूत, शैतान और विज्ञान (वैज्ञानिक दृष्टिकोण संबंधी लेखों का संकलन)

पी.एस. भार्गव, चंदन चक्रवर्ती अनु. : अनुराग शर्मा पृ. 262 ₹ 235.00

वैज्ञानिक दृष्टिकोण केवल विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की प्रगति के लिए नहीं, बल्कि देश के संपूर्ण सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भी आवश्यक है। इसलिए इन लेखों के माध्यम से लोगों के मन-मस्तिष्क पर अवैज्ञानिक आधार पर छाए अंधविश्वास के घने कोहरे को दूर कर समाज में जागृति लाने का प्रयास किया गया है। ISBN 978-81-237-7054-3

41. दैनिक जीवन में गणित

आर.एम. भागवत अनु. : प्रदीप कुमार मुखर्जी पृ. 74 ₹ 105.00

गणित की अनेक गुत्थियाँ सुलझाती आम पाठक को संबोधित पुस्तक।

ISBN 978-81-237-8269-0

42. नये युग के रासायनिक तत्व

डी.वी. जहागीरदार अनु. : सतीश चन्द्र सक्सेना पृ. 78 ₹ 120.00

इस पुस्तक में वायुमंडल और भूपर्पटी में पाए जाने वाले तत्वों की जानकारी दी गई है। आम पाठक और विषय विशेषज्ञों के लिए एक सूचना-प्रधान प्रकाशन। ISBN 978-81-237-1711-1

43. नैनो : अगली क्रांति की ओर

मोहन सुंदर राजन अनु. : आर.एस. यादव पृ. 180 ₹ 195.00

हमारे दैनिक जीवन में नैनो तकनीक भविष्य की नई क्रांति के रूप में उभरकर आ रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स, जीव विज्ञान, भौतिक शास्त्र, पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में आश्चर्यचकित कर देने वाले अनुप्रयोग हमारे सामने हैं। पुस्तक में इस नई क्रांतिकारी तकनीक की मूलभूत जानकारी, इसके विकास की पृष्ठभूमि और भारत सहित विश्व के वैज्ञानिकों की अगुआई में चल रहे शोधकार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई है।

ISBN 978-81-237-5309-6

44. पशुओं का सामाजिक जीवन

सुकन्या दत्ता अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 112 ₹ 190.00

पशु भी इनसान की ही तरह मित्र बनाते हैं, उनकी पसंद-नापसंद होती है। वे अपने प्रतिद्वंद्वी को धोखा भी देते हैं। यह पुस्तक जानवरों के ऐसे ही रोचक व्यवहार का वैज्ञानिक आकलन है।

ISBN 978-81-237-7877-5

45. पक्षी कैसे उड़ते हैं

सतीश धवन अनु. : रीतेश कृष्ण सिन्हा पृ. 78 ₹ 135.00

इस पुस्तक में जंतु-उड़ान के विकास पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ, पक्षियों की प्रजातियों की विद्यमानता तथा उनका वर्गीकरण, डैनों और पंखों की मांसल संरचना का विवरण तथा पक्षियों के अवसारण एवं अवतारण के मूल सिद्धांतों को प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-6973-8

46. पर्यावरण नैतिकता और पर्यावरण के प्रति भारत का परिप्रेक्ष्य

निरंजन देव भारद्वाज अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 120 ₹ 150.00

यह पुस्तक पर्यावरण का परिचय देते हुए नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करती है। इसमें पर्यावरणीय सिद्धांतों, भारत में इससे संबंधित मुद्दों, यहाँ की संस्कृति, वेद, भगवद्गीता के पर्यावरण से संबंध पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही, रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पर्यावरण के प्रति नैतिक दृष्टि को भी इसमें समाहित किया गया है।

ISBN 978-81-237-9429-7

47. पवन ऊर्जा

सुनील बी. आठवले अनु. : विजय सिंह पृ. 70 ₹ 125.00

ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों के जरूरत से ज्यादा उपयोग के कारण उत्पन्न ऊर्जा संकट से निबटने

के लिए एक विकल्प है, पवन ऊर्जा। इसके विभिन्न पक्षों पर तथ्यपूर्ण जानकारी पुस्तक में सहज-सरल भाषा-शैली में दी गई है। ISBN 978-81-237-1675-6

48. परिस्थिति विज्ञान एवं सतत विकास : ज्ञान प्रणालियों के साथ कार्य

पी.एस. रामाकृष्णन अनु. : आशुतोष गर्ग पृ. 177 ₹ 215.00

इस पुस्तक में प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी पर चर्चा की गई है जो प्राकृतिक तथा मानव-प्रबंधित पारिस्थितिक तंत्रों के सतत विकास से संबंधित है और जो अल्पकालिक अवधि में ग्रामीण समाजों की सतत आजीविका और दीर्घकालिक अवधि में समूचे क्षेत्र के सतत विकास से संबद्ध है। ISBN978-81-237- 8066-4

49. पालतू पशुओं की देखभाल

विनोद शर्मा अनु. : हेमन्त पन्त पृ. 74 ₹ 105.00

प्रस्तुत पुस्तक गाय, भैंस, भेड़, बकरियों आदि पालतू पशुओं के खान-पान, आवास-व्यवस्था, रोगों तथा उनके रोकथाम की जानकारी प्रदान करती है। ISBN 978-81-237-6007-0

50. पुस्तकालय सामग्री और कला-वस्तुओं का परिरक्षण

ओ.पी. अग्रवाल अनु. : राजेन्द्र प्रसाद तिवारी पृ. 102 ₹ 165.00

पुस्तकालय सामग्री और कला-वस्तुएँ किसी भी राष्ट्र की धरोहर होती हैं। इन्हीं के परिरक्षण के संबंध में प्रामाणिक जानकारी देती पुस्तक। ISBN 978-81-237-2545-1

51. पेड़-पौधों का सामाजिक जीवन

सुकन्या दत्ता अनु. : स्नेह लता पृ. 100 ₹ 160.00

पेड़-पौधों को धरती का प्रथम नागरिक कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। ये मनुष्यों के धरा पर अवतरित होने से पूर्व से मौजूद हैं और बेहद लंबी कालावधि में इनका 'सामाजिक जीवन' फल-फूल गया तो कोई अचरज की बात नहीं। अचंभा हो सकता है, पर सच है कि ये दूसरे पेड़-पौधों और प्राणियों के साथ अनुक्रिया और शायद, मित्रता भी करते हैं।

ISBN 978-81-237-8695-7

52. प्लास्टिक

चिन्तन अनु. : धर्मेन्द्र कुमार पृ. 82 ₹ 100.00

यह पुस्तक प्लास्टिक के कारण पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले कुप्रभावों और भविष्य में मानव जाति के लाभ के लिए प्लास्टिक पर हमारी निर्भरता कम करने के प्रयासों के विषय में बताती है। ISBN 978-81-237-5468-0

53. प्रकृति के बदलते रंग, हरित प्रौद्योगिकी के संग

डॉ. विनीता सिंघल पृ. 192 ₹ 200.00

धरती पर जीवन के स्पंदन को बनाए रखने के लिए इसके पर्यावरण का निर्मल रहना अनिवार्य है। यह पुस्तक विकास के मार्ग में ऐसी तकनीकी और प्रौद्योगिकी की जानकारी देती है जिससे पर्यावरण संरक्षण संभव है। ISBN978-81-237- 7979-8

54. प्रोटीन के रहस्य

मेधा एस. राजाध्यक्ष, सुकन्या दत्ता अनु. : कुमकुम चतुर्वेदी पृ. 110 ₹ 180.00

इस पुस्तक में प्रोटीन की दुनिया को बारीकी से देखा गया है और उनके क्रमों, आकारों और

कार्यों को विस्तार से बताया गया है। प्रोटीन अपक्रिया और कुपोषण दोनों के खतरों पर प्रकाश डालने के साथ ही यह पुस्तक प्रोटीन के द्वारा निभाई जाने वाली बहुआयामी भूमिकाओं को भी बताती है। ISBN 978-93-5491-105-7

55. बच्चे और उनकी देखभाल

सुभाष आर्य पृ. 192 **अनुपलब्ध**

यह पुस्तक गर्भावस्था, शिशु जन्म और बच्चे के किशोरावस्था तक पहुँचने के दौरान विभिन्न अवस्थाओं के बारे में प्रामाणिक जानकारी का दस्तावेज है। ISBN 978-81-237-5238-9

56. बहुआयामी टीके

परविंदर चावला अनु. : हेमंत पंत पृ. 174 ₹ 250.00

इंजेक्शन या टीकों ने भारत के चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी है। टीके वास्तव में लोगों को गंभीर बीमारी से बचाने का कार्य करते हैं। यह पुस्तक टीकों की खोज से लेकर वर्तमान में उसके चल रहे शोध, कार्य प्रणाली, आदि पर विस्तार से प्रकाश डालती है। ISBN978-81-237- 8070-2

57. बीता हुआ भविष्य

बाल फोंडके (संपा.) पृ. 248 ₹ 225.00

संपादक बाल फोंडके द्वारा संकलित विभिन्न भारतीय भाषाओं की चुनिंदा विज्ञान कथाओं की मूल विषय-वस्तु प्रमुखतया मानव-केंद्रित है, जो वैज्ञानिक प्रगति तथा मानवीय संवेदनाओं अथवा सामाजिक सिद्धांतों के पारस्परिक प्रभाव को दर्शाती है। ISBN 978-81-237-0952-9

58. भारत की प्रयोगशालाएँ

मनीष मोहन गोरे पृ. 246 ₹ 480.00

प्रस्तुत पुस्तक में भारत के प्रमुख वैज्ञानिक संगठनों से संबद्ध लगभग 70 से अधिक प्रयोगशालाओं को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। इसमें प्रयोगशाला की स्थापना, उनके मुख्य उद्देश्य, प्रमुख अनुसंधान और तकनीकी उपलब्धियों को संक्षिप्त रूप में समाहित किया गया है।

ISBN 978-93-5743-788-2

59. भारत के संकटग्रस्त वन्य प्राणी

एम.एस. नायर अनु. : हरिचरण अग्रवाल पृ. 94 ₹ 130.00

प्रस्तुत पुस्तक जनसाधारण में दुर्लभ और संकटग्रस्त वन्य प्राणियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इनके संरक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखकर लोकप्रिय शैली में लिखी गई है।

ISBN 978-81-237-1290-1

60. भारत में आधुनिक विज्ञान के संस्थापक

सी.एन. राव, इंदुमती राव पृ. 132 ₹ 195.00

इस पुस्तक में 16 उत्कृष्ट वैज्ञानिकों के जीवनवृत्त, उनके अनुसंधान और अन्य उपलब्धियों की जानकारी दी गई है। इन वैज्ञानिकों ने जैविकी, भौतिकी, रासायनिक, वानस्पतिक, आण्विक, अंतरिक्ष, सांख्यिकी, खगोल और चिकित्सा जगत में नए आयाम स्थापित किए हैं।

ISBN 978-93-5491-500-0

61. भारत में डाइनोसॉर

अशोक साहनी अनु. : डॉ. बी.आर. बामनियाँ पृ. 100 ₹ 175.00

भारत की जीवाश्म प्रधान डाइनोसॉर धरोहर को सरलता के साथ प्रस्तुत करती इस पुस्तक का

प्राथमिक उद्देश्य पाठकों को भारतीय डाइनोसॉर की समृद्ध वंशावली से परिचित कराना है, जिनके बारे में हममें से कई अनभिज्ञ हैं। यह पुस्तक रुचिकर कहानी के रूप में इस विलक्षण जंतु, जो करोड़ों वर्ष पहले इस धरती पर था, के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

ISBN 978-81-237- 8693-X

62. भूकंप

अशोक कुमार राव हेम्माडी (लेखन एवं अनुवाद) पृ. 98 ₹ 140.00

यह पुस्तक भूकंप के कारणों, उसकी छान-बीन कैसे की जाती है, यंत्रों के सैद्धांतिक आधार, सावधानियों और आर्थिक उपलब्धियों के संबंध में भू-वैज्ञानिकों की अवधारणा को प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-4179-6

63. भूमि सुपोषण

अनु. : ए.के. गांधी पृ. 221 ₹ 280.00

भारत की कृषि विरासत के संबंध में प्रस्तुत पुस्तक महत्वपूर्ण जानकारियाँ देती है। भूमि के पोषण की यथार्थ बातें इसमें जाहिर की गई हैं। पुस्तक के 17 अध्यायों में भूमि सुपोषण के मूलभूत तत्व, पशुभारवाहक शक्ति, कृषि के लिए मवेशी गोबर आधरित प्रतिमान, संरक्षण कृषि, जैविक तत्वों की कमी को घटाने के लिए शून्य जुताई कृषि के बारे में सारगर्भित सामग्री है।

ISBN 978-93-549-1948-0

64. मकड़ियों का अद्भुत संसार

विपुल कीर्ति शर्मा पृ. 114 ₹ 405.00

यह पुस्तक मकड़ियों से जुड़े रोचक और वैज्ञानिक तथ्यों को बहुत ही सहज और सरल तरीके से प्रस्तुत करती है। मकड़ियों की उत्पत्ति और विकास का वर्णन करते हुए उनकी विभिन्न प्रजातियों का परिचय देती है। मकड़ियों के रंगीन चित्रों से सुसज्जित यह पुस्तक उनके पारिस्थितिकीय महत्व को भी उजागर करती है। ISBN 978-93-5491-312-9

65. मधुमेह के साथ बेहतर जीवन जीना सीखिए

एम.एम.एस. आहूजा अनु. : बीर सिंह पृ. 118 ₹ 150.00

मधुमेह होने के कारण, उसके विरुद्ध लड़ाई और उससे बचाव—इन सब मुद्दों पर प्रामाणिक जानकारी इस पुस्तक में दी गई है। ISBN 978-81-237-3143-8

66. मनोरोग

मनजीत सिंह भाटिया पृ. 186 ₹ 210.00

मनोरोग जैसे गूढ़ विषय पर अत्यंत सरल, सहज एवं जानकारीपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4373-8

67. मादक औषधियाँ

अनिल अग्रवाल अनु. : चन्द्रशेखर श्रीवास्तव पृ. 172 ₹ 265.00

वर्तमान युग में नशीली दवाओं की तस्करी और उनके दुरुपयोग ने विकराल रूप धारण कर लिया है। मादक औषधियों के विभिन्न पहलुओं पर एक महत्वपूर्ण प्रकाशन।

ISBN 978- 81-237-1719-7

68. मानव की कहानी

बिमान बसु अनु. : शमशेर सिंह पृ. 80 ₹ 135.00

मानव के विकास की प्रामाणिक वैज्ञानिक जानकारी को संजोए यह पुस्तक अत्यंत पठनीय है। विषय को समझना बहुत सरल व रोचक है। ISBN 978-81-237-3130-8

69. मानव मशीन

आर.एल. बिजलानी अनु. : शमशेर सिंह पृ. 158 ₹ 150.00

मानव शरीर की जटिल रचना की आम आदमी को पूर्ण जानकारी देने वाली महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4407-0

70. मानव व्यवहार

सुनील के. पांड्या अनु. : शमशेर सिंह पृ. 216 ₹ 265.00

यह पुस्तक इनसान के मनोविज्ञान का गहन अध्ययन है जो विवेचन करती है कि विविध प्रकार के व्यक्ति एक ही परिस्थिति में अलग-अलग ढंग का व्यवहार क्यों करते हैं। इसमें मस्तिष्क की संरचना और कार्य प्रणाली पर गंभीरता से प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-81-237-7886-5

71. मिर्गी

एम. सी. माहेश्वरी अनु. : अपूर्व पौराणिक पृ. 80 ₹ 95.00

मिर्गी के विषय में फैली भ्रांतियों, उसके सही निदान और इलाज के विषय में जानकारी देती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2725-7

72. यंत्रमानव और यंत्रमानवविज्ञान

एम.आर. चिदम्बरा अनु. : वासुदेव प्रसाद पृ. 68 ₹ 105.00

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में रोबोट के उपयोग की जानकारी देती पुस्तक। विषय कठिन है, किंतु इसे सरल, सुबोध ढंग से आम पाठकों के लिए लिखा गया है।

ISBN 978-81-237-2695-3

73. रसायन विज्ञान की दुनिया

सी.एन.आर. राव अनु. : सतीश चन्द्र सक्सेना पृ. 250 ₹ 495.00

रसायन विज्ञान की दुनिया से परिचय कराती एक ज्ञानवर्धक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-6037-7

74. फलित ज्योतिष : सार्थक या निरर्थक?

बिमान बसु अनु. : लक्ष्मीनारायण गर्ग पृ. 82 ₹ 115.00

फलित ज्योतिष का व्यवहार ब्रह्मांड के पिंडों के वैज्ञानिक अध्ययन, खगोल विज्ञान से पुराना है। किंतु फलित ज्योतिष को वैज्ञानिक विषय के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इस पुस्तक का प्रमुख उद्देश्य फलित ज्योतिष के उन तत्वों को तर्कपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करना है जो व्यवहृत होते हैं। ISBN 978-81-237-7721-3

75. विकिरण और मानव

एच.सी. जैन अनु. : सतीश चन्द्र सक्सेना पृ. 88 ₹ 170.00

यह पुस्तक प्राकृतिक तथा मानव-निर्मित विकिरणों का अध्ययन, विकिरण में हुई प्रभावशाली खोजों तथा उद्योगों में हुई अप्रत्याशित घटनाओं को प्रस्तुत करती है तथा नाभिकीय ऊर्जा स्रोतों

से इसकी तुलना करने के साथ-साथ इसकी समस्याओं एवं जोखिम, जिनमें रेडियोसक्रिय अपशिष्ट का निपटान भी शामिल है, की जानकारी देती है।

ISBN 978-81-237-6930-1

76. विमानन की असाधारण कहानी

आर.के. मूर्ति अनु. : जय प्रकाश शर्मा पृ. 98 ₹ 110.00

मानव द्वारा आसमान में उड़ने की कल्पना को साकार करती वैमानिकी की रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-5140-5

77. विश्व के प्रसिद्ध बीजगणितज्ञ

महेश दुबे पृ. 180 ₹ 150.00

कालक्रमानुसार यूक्लिड से लेकर सर्वदमन चावला तक समूचे विश्व के 28 प्रसिद्ध गणितज्ञों के द्वारा बीजगणित के विकास पर किए गए कार्यों के बारे में प्रामाणिक जानकारियों से भरी उपयोगी पुस्तक। ISBN 978-81-237-6655-3

78. विष विज्ञान

शक्ति भारद्वाज पृ. 109 ₹ 165.00

यह पुस्तक विषों का नवीन ज्ञान है, जो स्वयं विषाक्त पदार्थों और उनका उत्पादन करने वाली प्रजातियों पर केंद्रित है। अतः यह पुस्तक विष विज्ञान से संबंधित प्रारंभिक स्तर के ज्ञान को समाहित करती है। इसको पढ़ते हुए सभी ज्ञात जहरीले पदार्थों के भौतिक और रासायनिक अध्ययन पर व्यापक जानकारी विकसित करती है। पाठक इस पुस्तक से विष विज्ञान, रासायनिक विष विज्ञान, पर्यावरण विष विज्ञान से संबंधित सिद्धांतों का मौलिक ज्ञान प्राप्त करता है।

ISBN 978-93-5491-466-9

79. विज्ञान का क्रमिक विकास : वैश्विक परिप्रेक्ष्य में

राम दास चौधरी पृ. 416 ₹ 305.00

विज्ञान और विकास को समझाती एक महत्वपूर्ण पुस्तक जिसको एक वरिष्ठ लेखक ने अथक प्रयास के साथ तैयार किया है। ISBN 978-81-237-6138-1

80. विज्ञान और प्रौद्योगिकी का मानव जाति पर प्रभाव

के.वी. गोपालकृष्णन अनु. : विनीता सिंघल पृ. 140 ₹ 150.00

लेखक ने प्रस्तुत पुस्तक में वैज्ञानिक क्रांति के इतिहास और विकास पर नजर डालते हुए मानव पर इसके प्रभाव व जागरूकता से उत्पन्न समस्याओं और आशाओं की भी चर्चा की है।

ISBN 978-81-237-7073-4

81. विज्ञान और वेदांत : एक तुलनात्मक तथा समन्वयात्मक अध्ययन

शशिकांत शुक्ल, शंकर नेने पृ. 396 ₹ 450.00

इस पुस्तक में भारतीय और पाश्चात्य दार्शनिकों तथा वैज्ञानिक विचारकों का दर्शन है। इसमें पश्चिमी और पूर्वी विचारधारा की प्रमुख विशेषताएँ, धर्म, दर्शन, विज्ञान आदि की महत्वपूर्ण बातें, जो मानव-जीवन को गहराई से प्रभावित करती हैं, विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों, ब्रह्मांड विज्ञान, आभासी दुनिया, गणितीय सिद्धांतों पर विचार, भौतिक और आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता आदि को इस पुस्तक में शामिल किया गया है।

ISBN 978-81-237-9829-5

82. विज्ञान संचार और संचारक

डॉ. मनीष मोहन गोरे पृ. 186 ₹ 200.00

समाज में विज्ञान संचार के मायने व उद्देश्य, विज्ञान संचार की पृष्ठभूमि, भारतीय भाषाओं में विज्ञान संचार के साथ-साथ प्रतिष्ठित विज्ञान संचारकों के विचारों व उनके संवाद से निकले निष्कर्ष को इस पुस्तक में शामिल किया गया है। इसमें भारत में विज्ञान नीतियों, अनुच्छेद 51A(h) पर भी चर्चा की गई है। ISBN 978-81-237-9387-0

83. वृद्धावस्था

कल्लूरी सुब्बा राव अनु. : विनीता सिंघल पृ. 62 **अनुपलब्ध**

बूढ़े होने की प्रक्रिया शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों की जटिल क्रियाओं के कारण होती है। इन्हीं क्रियाओं के विषय में आम पाठकों और विशेषज्ञों के लिए समान रूप से रोचक पुस्तक। ISBN 81-237-2126-9

84. संक्रामक रोगों से सुरक्षा

प्रेमचंद्र स्वर्णकार पृ. 206 ₹ 195.00

प्रस्तुत पुस्तक में संक्रामक रोगों के प्रकार, उनके फैलाव तथा रोगों के संक्षिप्त विवरण के साथ उनसे बचाव के उपाय भी सुझाये गए हैं। ISBN 978-81-237-6974-5

85. समय के बारे में

बाल फोंडके अनु. : धीरेन्द्र राय पृ. 196 ₹ 180.00

समय का न तो कोई आदि है और न अंत। यह सोचकर ही हम विस्मय से भर जाते हैं। समय हमें रहस्यमय लगने लगता है। इसी शाश्वत समय के बारे में लेखक ने रोचक ढंग से लिखा है।

ISBN 978-81-237-6570-9

86. समुद्र के भीतर मानव

ब.फ. छापगर अनु. : सुषमा श्रीवास्तव पृ. 180 ₹ 170.00

समुद्र के भीतर के संसार की विस्तृत जानकारी। गोताखोरी के विभिन्न तरीकों पर खुलकर चर्चा की गई है। समुद्र जीवन में रुचि लेने वालों के लिए एक उपयोगी प्रकाशन।

ISBN 978-81-237-5521-2

87. समुद्र विज्ञान

ए.एन.पी. उमरकुट्टी अनु. : डी.पी. पांडे पृ. 132 ₹ 175.00

अज्ञात, रहस्यमयी तथा भयावह समुद्र से साक्षात्कार की रोचक कहानी प्रस्तुत करती इस पुस्तक में समुद्र से उठाए जा सकने वाले लाभ तथा देश की समृद्धि में उनके योगदान को भी दर्शाया गया है। ISBN 978-81-237-0671-5

88. सम्मोहक विकिरण

बाल फोंडके अनु. : प्रदीप कुमार मुखर्जी पृ. 78 ₹ 120.00

रेडियोधर्मिता पृथ्वी के उद्भव के साथ ही मानव जीवन को किसी-न-किसी रूप में प्रभावित करती रही है। यह पुस्तक रेडियोएक्टिव की खोज की कहानी से लेकर आज हमारे जीवन में इसके महत्व और इसके भविष्य पर विस्तार से प्रकाश डालती है। ISBN978-81-237-8031-1

89. सीलिएक रोग : एक विस्तृत मार्गदर्शिका

पंकज वोहरा अनु. : मेहेर वान पृ. 225 ₹ 330.00

इस पुस्तक में सीलिएक रोग के इतिहास से लेकर इसकी व्यापकता, अभिव्यक्तियाँ, निदान और उपचार के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है। इसमें ग्लूटेन मुक्त आहार की बारीकियाँ, दैनिक भोजन के कुछ आसान व्यंजनों को तैयार करने की मार्गदर्शिका सहित विवरण दिया गया है। साथ-ही-साथ, बारंबार पूछे जाने वाले प्रश्नों के साथ रोग की व्याख्या भी वर्णित है।

ISBN 978-93-5491-103-3

90. सुंदर सलोने भारतीय खिलौने

सुदर्शन खन्ना अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 126 ₹ 125.00

इस पुस्तक में 101 ऐसे खिलौने बनाने का विवरण है, जो हमारे देश के विभिन्न अंचलों के बच्चे बगैर किसी खर्च के बनाते हैं। बच्चों में स्वयं सृजन करने का आत्मविश्वास पैदा करने में सहायक यह पुस्तक बच्चों और बड़ों दोनों के लिए है। ISBN 978-81-237-3125-4

91. स्व-परिचर्या : स्त्रियों के लिए

पारुल आर. शेठ अनु. : विनीता सिंघल पृ. 140 ₹ 140.00

शरीर और इसके विभिन्न अंगों एवं तंत्रों के विषय में जानकारी, वे कैसे काम करते हैं तथा स्त्रियों द्वारा इनकी बाह्य और आंतरिक रूप से देखभाल के संबंध में इस पुस्तक में विस्तृत चर्चा की गई है। ISBN 978-81-237-5197-9

92. स्वास्थ्य-रक्षक चिकित्सा (आयुर्वेद-यूनानी)

खेम भाई पृ. 204 ₹ 165.00

प्रकृति ने हमें फल, सब्जी, द्रव्य, मसाले, पेड़-पौधों व जड़ी-बूटियों की इतनी सौगात दी है कि यदि हम उनकी जानकारी रखें तो छोटे-मोटे शारीरिक कष्टों को तो बिना किसी परेशानी के दूर कर सकते हैं। प्रस्तुत पुस्तक का उद्देश्य यही है कि आम व्यक्ति को इन प्रभावी आयुर्वेदिक-यूनानी औषधियों तथा सरल देसी चिकित्सा से संबंधित अन्य पद्धतियों से परिचित कराया जा सके।

ISBN 978-81-237-7078-9

93. हम और हमारा आहार

कोंगंद्र तम्मु अच्चया अनु. : कुलवंत सिंह कोछड़ पृ. 94 ₹ 115.00

भोजन के विषय में आवश्यक पहलुओं पर एक जानकारी प्रधान पुस्तक। इसमें संतुलित आहार, विशिष्ट आहार, पाचन-तंत्र आदि की विस्तृत जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-1568-1

94. हम और हमारा स्वास्थ्य

वी.एन. भावे, एन.एस. देवधर, एस.वी. भावे पृ. 444 **अनुपलब्ध**

स्वास्थ्य और रोग की सामान्य संकल्पना से प्रारंभ हुई इस पुस्तक में शरीर की संरचना व कार्य, रोग की प्रकृति और कारण, संक्रामक रोग, पोषण के महत्व सरीखी ऐसी सामग्री है जो चिकित्सकों, नर्सों और आम आदमी सभी के लिए उपयोगी होगी।

ISBN 81-237-0014-8

95. हम होंगे कामयाब कैंसर के क्रीड़ांगन में

मनोज शर्मा पृ. 200 ₹ 265.00

प्रस्तुत पुस्तक के माध्यम से बताया गया है कि कैंसर रोगी अवसाद से कैसे निकल सकता है। पुस्तक में सकारात्मक रहते हुए कैंसर की मूलभूत जानकारियों, उनके लक्षणों, पहचान, इलाज की शुरुआत, उपचार विषयक चर्चा विस्तृत ढंग से की गई है। ISBN 978-93-5491-506-2

96. हमारे जल साधन

राम अनु. : अतुल पृ. 106 **अनुपलब्ध**

भारत के जल साधनों का मुख्य स्रोत वर्षा है, किंतु इसके असमान वितरण के कारण जल के नियंत्रण, एकत्रीकरण तथा स्थानांतरण के लिए विशाल परियोजनाओं की आवश्यकता उत्पन्न होती है। एक सूचना-प्रधान पुस्तक।

97. हवा और पानी में जहर!

एन. मणिवासकम अनु. : सरिता भल्ला पृ. 106 ₹ 160.00

पर्यावरण का असंतुलन मानव के लिए विनाशकारी होता जा रहा है। हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषकों से मुक्त रखने के महत्व को दर्शाती महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2346-4

98. हृदय रोग और जनसाधारण

एस. पद्मावती अनु. : विनीता सिंघल पृ. 66 ₹ 100.00

इस छोटी-सी पुस्तक में हृदय रोग से संबंधित सभी पक्षों की जानकारी दी गई है। आम पाठक के लिए एक उपयोगी प्रकाशन। ISBN 978-81-237-2102-6

लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान

1. 21वीं सदी : भूराजनीति, लोकतंत्र और शांति

बाल्मीकि प्रसाद सिंह अनु. : दीपाली ब्राह्मी पृ. 380 ₹ 455.00

सिक्किम के 14वें राज्यपाल श्री बाल्मीकि प्रसाद सिंह की पुस्तक का यह अनूदित संस्करण है। इसमें ऐसे मुद्दों की पड़ताल की गई है, जिनकी 21वीं सदी के निर्माण में प्रमुख भूमिका अदा करने की संभावना है। इसमें भू-राजनीति, लोकतंत्र व शांति, शैक्षणिक संस्थानों, प्रगतिशील धार्मिक एवं सामाजिक समूहों, समुदायों, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। ISBN 978-81-237-9756-4

2. अकाली आंदोलन

मोहिंदर सिंह अनु. : नरेन्द्र तोमर पृ. 88 ₹ 125.00

यह पुस्तक सिखों द्वारा ब्रितानी राज के खिलाफ सफलतापूर्वक चलाये गए संगठित सत्याग्रह आंदोलन की जानकारी प्रस्तुत करती है। सन् 1920 के असहयोग आंदोलन को स्थगित किए जाने के बावजूद सिखों ने अपना सत्याग्रह जारी रखा था व अपनी माँगों के सामने सरकार को झुका दिया था। ISBN 978-81-37-7630-9

3. अस्मिता की अग्नि-परीक्षा

मीनाक्षी स्वामी पृ. 160 ₹ 135.00

यह पुस्तक बलात्कारी के मनोविज्ञान, परिवार, पुलिस, पड़ोस और कानून की उलझनों में फँसी औरत की मानसिक स्थिति का आकलन प्रस्तुत करती है। कई प्रकरणों के माध्यम से इसमें यह भी बताया गया है कि किस तरह कानून की पेचीदगियों का फायदा उठाकर बलात्कारी निर्लज्जता से पीड़िता को ही कटघरे में खड़ा करता रहता है।

ISBN 978-81-237-5292-1

4. आजादी का आंदोलन और भारतीय मुसलमान

शांतिमय रे अनु. : अशोक कुमार पाण्डेय पृ. 148 ₹ 135.00

यह पुस्तक ऐसे कई पूर्वाग्रहों को चुनौती देती है जो भारतीय मुसलमानों के प्रति दुराग्रह और घृणा पैदा करते हैं। खासतौर पर आजादी की लड़ाई में उनकी भूमिका व मुस्लिम लीग के उभार को लेकर। ISBN 978-81-237-6732-1

5. आदिवासी दुनिया

हरीराम मीणा पृ. 288 ₹ 215.00

यह पुस्तक भारतीय परंपरा और आदिवासी, भारतीय मिथक और इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासियों का योगदान, संस्कृति, धर्म, शिक्षा-भाषा आदि के सवाल और आदिवासी, साहित्य और आदिवासी जैसे गंभीर विषयों पर केंद्रित है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों की जनजातियों की सूची भी दी गई है। यह भारत के आदिवासियों, विकास के प्रतिमान में उनकी पारंपरिकता के सामने आ रही चुनौतियों और शासकीय योजनाओं का पर्याप्त लाभ न मिल पाने पर गहन शोध है। ISBN 978-81-237-6672-0

6. इंकलाब 1857

पी.सी. जोशी (संपा.) अनु. : हीरालाल कर्नावट पृ. 332 ₹ 240.00

भारत की आजादी की पहली लड़ाई के नाम से मशहूर 1857 के विद्रोह को आधुनिक भारत के राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव कहा जाता है। यह पुस्तक 1857 के विद्रोह की परिस्थितियों, उस समय के राज, समाज और विश्व की घटनाओं, विद्रोह का राष्ट्रीय साहित्य पर प्रभाव, लोकगाथाओं में विद्रोह के वीर, जैसे कई विषयों पर प्रकाश डालती हैं।

ISBN 978-81-237-5270-9

7. कृषि उन्नति का मार्ग : कृषि ज्ञान

वीरेन्द्र कुमार भारती पृ. 202 ₹ 215.00

भारतीय कृषि में बहुत विविधता है। एक तरफ पूरी तरह सिंचित खेती तो दूसरी ओर बारिश पर निर्भर किसान। कभी एक तरफ बढ़िया फसल लहलहाती है तो दूसरी तरफ बाढ़ या सूखे की स्थिति होती है। खेती को एक लाभ का कार्य बनाने के लिए अनिवार्य है कि कृषि के पारंपरिक ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक शोध और नवाचारों को गाँवों तक पहुँचाया जाए। यह पुस्तक खेती को आधुनिक व उन्नत बनाने के लिए शासकीय व निजी स्तर पर किए जा रहे प्रयोगों, प्रकाशनों, योजनाओं और परियोजनाओं का लेखा-जोखा है। इसकी सामग्री केवल किसान ही नहीं, बल्कि कृषि पत्रकारिता और ग्राम्य विकास के अध्येताओं के लिए भी बेहद उपयोगी है।

ISBN 978-81-237- 8713-8

8. काकोरी से पहले–काकोरी के बाद

रश्मि कुमारी पृ. 156 ₹ 175.00

भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में काकोरी रेल डकैती कांड एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। यह पुस्तक इस कांड के पहले भात के हालात, मामले की कानूनी प्रक्रिया और इसके बाद क्रांतिकारी आंदोलन में आए परिवर्तन पर बेहद बारीकी से प्रकाश डालती है।

ISBN 978-81-237- 7983-4

9. कालापानी : दंडी बस्ती का इतिहास

प्रमोद कुमार पृ. 110 ₹ 155.00

कालापानी का सेलूलर जेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों पर हुए बर्बर अत्याचारों का ऐसा अध्याय रहा है, जो तत्कालीन अंग्रेज सरकार की सामंतवादी सोच को उजागर करता है। यह एकांत जेल जिस सिद्धांत पर बनाई गई थी, उसका खुलासा करती यह पुस्तक जेल की यातनाओं की भयावहता का प्रामाणिक दस्तावेज है। ISBN 978-81-237-4807-4

10. खाप पंचायतों की प्रासंगिकता

डी.आर. चौधरी अनु. : कुमार मुकेश पृ. 156 ₹ 150.00

यह पुस्तक विवाहित जोड़ों की नृशंस हत्या व कतिपय मनमाने आदेश जारी करने के लिए बदनाम हो गई खाप पंचायतों के इतिहास, कार्य प्रणाली, गोत्र-विवाह आदि संवेदनशील विषयों पर किए गए शोध का परिणाम है। ISBN 978-81-237-6814-4

11. खिलाफत आंदोलन

काजी मुहम्मद अदील अब्बासी अनु. : नूर नबी अब्बासी पृ. 212 ₹ 170.00

पहले विश्व युद्ध के बाद तुर्की में स्थित खिलाफत संस्था में ब्रितानी सरकार द्वारा की गई दखलंदाजी के खिलाफ भारत में जो आंदोलन खड़ा हुआ, वह आनेवाले सालों में अपने हक की लड़ाई लड़ने वालों के लिए मिसाल बन गया। यह पुस्तक विश्व युद्ध व भारतीय राजनीति, सर सैयद और अलीगढ़ आंदोलन, मौलान मुहम्मद अली व शौकत अली (अली बंधुओं), मौलाना अबुल कलाम आजाद, जलियाँवाला बाग कांड आदि के परिप्रेक्ष्य में भारत की आजादी की लड़ाई में खिलाफत आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है। यह पुस्तक लेखक की मूल उर्दू कृति 'तहरीक-ए-खिलाफत' का हिंदी अनुवाद तथा संक्षिप्त संस्करण है।

ISBN 978-81-237-5230-3

12. ग़दर आंदोलन : संक्षिप्त इतिहास

हरीश के. पुरी अनु. : प्रकाश दीक्षित पृ. 165 ₹ 150.00

उत्तर अमरीका में बसे प्रवासी सिख कामगारों और लाला हरदयाल द्वारा सन् 1913 में शुरू किया गया ग़दर आंदोलन भारत की स्वाधीनता का अद्‌भुत संघर्ष है। इस पुस्तक में ग़दर आंदोलन के संघर्ष का जीवंत चित्रण किया गया है। ISBN 81-237-6600-9

13. गांधी के फीनिक्स

प्रभात ओझा (संपा.) पृ. 168 ₹ 215.00

इस पुस्तक का उद्‌देश्य राष्ट्रपिता के विचार, जो फीनिक्स की तरह हैं, उनमें से कुछ की पुनर्प्रस्तुति करना है। पुस्तक में छह लेखकों ने अपने ढंग से कृतियों के माध्यम से गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। जिन लेखकों की कृतियाँ इस पुस्तक में हैं, वे हैं—बनवारी, रामबहादुर राय, पवन कुमार गुप्त, डॉ. इन्दुप्रकाश पाण्डेय, डॉ. पुषराज, डॉ. प्रभात ओझा।

ISBN 978-81-237-9585-0

14. ग्राम नियोजन

डॉ. महीपाल पृ. 254 ₹ 200.00

इस पुस्तक में गाँव के विकास के असली मायनों को समझाते हुए विभिन्न सच्चे उदाहरणों की मदद से समग्र ग्राम नियोजन को समझाया गया है। ISBN 978-812376527-3

15. ग्राम विकास और समाज

अंजनी कुमार झा पृ. 273 ₹ 280.00

प्रस्तुत पुस्तक गाँव के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक विकास के लिए पंचायतों की कारगर भूमिका निभाने व ग्राम विकास के दौरान आने वाली समस्याओं, चुनौतियों और उनके समाधान पर केंद्रित है। ISBN 978-81-237-8065-8

16. जलियाँवाला बाग : 13 अप्रैल 1919

रश्मि कुमारी पृ. 130 ₹ 165.00

सन् 1919 में घटित जलियाँवाला बाग हत्याकांड के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में लेखिका ने यह पुस्तक लिखी है। इसमें 1857 से 1915 तक के स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि, रॉलेट बिल, भारत में गांधीजी की भूमिका, जलियाँवाला बाग हत्याकांड व उसके शहीदों की सूची के बारे में विस्तार से बताया गया है। ISBN 978-81-237-9747-2

17. डॉ. भीमराव रामजी आम्बेडकर : यात्रा के पदचिह्न

कुलदीप चन्द अग्निहोत्री पृ. 200 ₹ 275.00

आठ अध्यायों में विभाजित विवेच्य आलोचनात्मक कृति में अनेक प्रामाणिक स्रोतों का उपयोग किया गया है। इस पुस्तक में डॉ. अग्निहोत्री ने जिन विषयों को लेकर चिंतन प्रवाह सृजित किया है, उनमें डॉ. आम्बेडकर की जीवन-यात्रा, भारतीय जाति व्यवस्था और उसकी उत्पत्ति के कारण, भारत का विभाजन, शिक्षा की महत्ता, जम्मू-कश्मीर में समस्या और बाबा साहिब का तथागत बुद्ध की शरण में जाना प्रमुख हैं। यह पुस्तक डॉ. आम्बेडकर के जीवन और उनके संघर्ष को केंद्र में रखकर तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237- 8918-9

18. डॉ. राम मनोहर लोहिया का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

डॉ. प्रयाग नारायण त्रिपाठी पृ. 188 ₹ 210.00

यह पुस्तक देश के उत्थान के लिए सतत संघर्षशील रहने वाले एक भारतीय राजनीतिक चिंतक, समाजसेवी और मनीषी डॉ. राम मनोहर लोहिया के जीवन और उनसे संबंधित प्रसंगों का दिग्दर्शन कराती है। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि था। यह पुस्तक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर डॉ. लोहिया की सोच को प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-8954-5

19. पंडित दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति-दर्शन

कमल किशोर गोयनका (संपा.) पृ. 206 ₹ 230.00

यह पुस्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन संघर्ष, नीतियों और संदेशों का संकलन है, जिसमें श्री उपाध्याय के साथ कार्य करने वाले कई लोगों ने अपने अनुभव साझा किए हैं।

ISBN 978-81-237- 8042-7

20. पंचायत में महिलाएँ : चुनौतियाँ और संभावनाएँ

महीपाल पृ. 204 ₹ 210.00

प्रस्तुत पुस्तक में पंचायत में कार्यरत महिलाओं की विभिन्न चुनौतियों का अध्ययन करने के साथ यह बताने का प्रयास किया गया है कि महिलाओं की इन संस्थाओं में भागीदारी प्रभावी बनाने की अनेक संभावनाएँ हैं। पंचायतों में कार्यरत महिलाओं का अध्ययन बताता है कि उनकी अनेक सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक चुनौतियाँ हैं जिनके कारण वे प्रभावी ढंग से अपनी भूमिका निभा नहीं पाईं। ISBN 978-81-237-7968-3

21. पानीदार समाज

अमन नम्र पृ. 68 ₹ 255.00

देश के विभिन्न क्षेत्रों में कई स्वयंसेवी संस्थाएँ व व्यक्ति पानी के संरक्षण के अनूठे प्रयोग कर रहे हैं। इस पुस्तक में ऐसे ही चुनिंदा अनूठे व अनुकरणीय प्रयोगों को चित्रों के साथ प्रकाशित

किया गया है। यह जल संकट से परेशान लोगों के लिए उम्मीद की किरण तो है ही, साथ ही यह देश की जल-नीति निर्धारकों के लिए दस्तावेज भी है।

ISBN 978-81-237-4780

22. प्रतिष्ठापूर्ण विकास

अमित भादुड़ी अनु. : गिरीश मिश्र पृ. 108 ₹ 110.00

स्वतंत्रता के लगभग छह दशक बीत जाने के बाद भी देश की आबादी का बड़ा हिस्सा गरीबी से ग्रस्त है। मुफ्त व्यापार के दौर में आम आदमी की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सरकार की अर्थनीति कैसी हो, पुस्तक में ऐसे ही कुछ सुझाव दिए गए हैं।

ISBN 978-81-237-4651-7

23. भारत की मौलिक एकता

वासुदेवशरण अग्रवाल पृ. 130 ₹ 150.00

लगभग छह दशक पहले लिखी गई यह पुस्तक भारत राष्ट्र, राष्ट्रवाद और राष्ट्रीयता पर ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के साथ कई जिज्ञासाओं और भ्रांतियों का निराकरण करती है।

ISBN 978-81-237- 7980-1

24. भारत में राज्यों का पुनर्गठन : पाठ और संदर्भ

ज्ञानेश कुदैसिया अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 316 ₹ 320.00

सन् 1953 में जब आंध्र प्रदेश बना तो देश के सभी हिस्सों से नए राज्यों की माँगें उठने लगीं। तब केंद्र सरकार ने तीन सदस्यों–सैयद फजल अली, हृदयनाथ कुंजरू और के.एम. पणिक्कर की सदस्यता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया, जिसकी रिपोर्ट सन् 1955 में आई। यह रिपोर्ट आज भी बेहद प्रासंगिक है। ISBN 978-81-237- 7982-8

25. बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत का योगदान

सलाम आज़ाद अनु. : के.बी. सिंह पृ. 452 ₹ 340.00

बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय मुक्ति योद्धाओं का अप्रतिम योगदान रहा। भारतीयों के अदम्य साहस और योगदान को व्याख्यायित करती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5434-5

26. बा-बापू -150

अरविंद मोहन पृ. 218 ₹ 245.00

यह पुस्तक महात्मा गांधी और उनकी पत्नी व सहधर्मिणी कस्तूरबा के सह-जीवन की ऐसी झलकियों का संकलन है जो गांधी के महामानव बनने में बा की भूमिका को उजागर करती है।

ISBN 978-81-237- 8709-x

27. बापू की महिला ब्रिगेड

अरविंद मोहन पृ. 251 ₹ 345.00

प्रस्तुत पुस्तक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सान्निध्य और संपर्क में रहने वाली 75 विदुषी और साहसी महिलाओं का परिचय दिया गया है। इसमें सुशीला नैयर, राजकुमारी अमृत कौर, मृदुला साराभाई, मनु गांधी, सुचेता कृपलानी, महादेवी वर्मा, कस्तूरबा गांधी, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि महिलाओं के संबंध में लिखा है। लेखक ने गांधी जी के चंपारन सत्याग्रह पर भी पुस्तक लिखी है।

ISBN 978-93-574-3075-3

28. भगतसिंह के राजनीतिक दस्तावेज

चमनलाल (संपा.) पृ. 208 ₹ 190.00

भगतसिंह के अब तक उपलब्ध दस्तावेजों में से यहाँ कुछ ऐसे दस्तावेजों को प्रस्तुत किया गया है, जो 21 से 23 वर्ष आयु की तरुणाई में उनकी वैचारिक प्रौढ़ता का स्पष्ट बिंब है। इस पुस्तक में भगतसिंह की हस्तलिपि चार भाषाओं—हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू में प्रकाशित की गई है।

ISBN 978-81-237-5109-2

29. भारत का विभाजन

अनिता इंदर देसाई अनु. : जगदीश चंद्रिकेश पृ. 100 ₹ 95.00

भारत के विभाजन की त्रासद परिस्थितियों का वर्णन प्रस्तुत करती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5021-7

30. भारत में लोकतंत्र

चंद्र प्रकाश भांभरी अनु. : अशोक मनोरम पृ. 96 ₹ 100.00

यह पुस्तक आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक अवसरों और चुनौतियों से पाठकों को रू-ब-रू कराती है।

ISBN 978-81-237-6137-4

31. भारत में स्वच्छता अभियान : कार्यनीति और क्रियान्वयन

महीपाल पृ. 162 ₹ 170.00

हमारे देश में चल रहे स्वच्छता अभियान की आवश्यकता और अनिवार्यता, अभियान के संचालन के व्यावहारिक और शासकीय पहलुओं की विस्तार से जानकारी देने वाली पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7812-0

32. भारतीय कृषि : आजादी के बाद

जी.एस. भल्ला अनु. : रजनीश कुमार पृ. 272 ₹ 235.00

स्वातंत्र्योत्तर भारतीय कृषि की उपलब्धियों की समीक्षात्मक व्याख्या करती पुस्तक। छात्रों, अध्येताओं और योजनाकारों के लिए महत्वपूर्ण और उपयोगी।

ISBN 978-81-237-5733-9

33. भारतीय खेतिहरों की स्थिति

जी. एस. भल्ला अनु. : गिरीश मिश्र पृ. 90 ₹ 110.00

वर्ष 2003 के दौरान भारत सरकार के सांख्यिकी और योजना कार्यान्वयन से जुड़े राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर, प्रस्तुत पुस्तक में खेतिहरों की स्थिति के मूल्यांकन के मुख्य निष्कर्षों का सारांश प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5139-9

34. भारतीय चिंतन परंपरा के वाहक : गांधी, लोहिया और दीनदयाल

डॉ. प्रयाग नारायण त्रिपाठी पृ. 190 ₹ 225.00

आधुनिक भारतीय राजनीति को दिशा व दशा देने वाली तीन हस्तियों—महात्मा गांधी, राममनोहर लोहिया और दीनदयाल उपाध्याय की नीतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

ISBN 978-81-237- 8073-7

35. भारतीय महिला किसान

मैत्रेयी कृष्णराज, अरुणा कांची अनु. : अरविंद कुमार सिंह, रजनी कुमारी

पृ. 130 ₹ 120.00

यह पुस्तक भारतीय कृषि जगत में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर एक गहन अध्ययन है।

ISBN 978-81-237-6439-9

36. भारतीय राजनीति को पं. दीनदयाल उपाध्याय का योगदान

डॉ. इला त्रिपाठी दीक्षित, डॉ. प्रयाग नारायण त्रिपाठी पृ. 184 ₹ 215.00

यह पुस्तक पं. दीनदयाल उपाध्याय की वैचारिक निष्ठा, कर्तव्यबोध, राजनीतिक जीवन, देश की समस्याओं के प्रति उनकी गहन सोच का आकलन करती है। ISBN 978-81-237-8075-3

37. भारतीय स्वाधीनता संग्राम में क्रांतिकारियों का योगदान

हीरेन गोहाईं अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 80 ₹ 55.00

यह पुस्तक स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों की भूमिका का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करती है।

ISBN 978-81-237-6250-0

38. मीडिया में चुनावी सर्वेक्षण

एन. भास्कर राव अनु. : दीपाली ब्राह्मी पृ. 288 ₹ 275.00

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव एक लोक उत्सव की तरह है और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रसार ने आम लोगों, राजनीतिक दलों, वित्तीय संस्थाओं आदि में यह उत्कंठा जाग्रत कर दी है कि परिणाम आने से पहले ही हवा का रुख जाना जा सके। इस कार्य में वैज्ञानिक और निष्पक्ष चुनावी सर्वेक्षण की बड़ी भूमिका है। ध्एक वरिष्ठ पत्रकार द्वारा लिखी गई यह पुस्तक चुनाव सर्वे की विधि, उसकी सतर्कता, वैज्ञानिकता, पूर्वानुमान के वैज्ञानिक विश्लेषण के सिद्धांत आदि पर विस्तार से प्रकाश डालती है। ISBN 978-81-237- 7734-5

39. 1857 : क्रांति और क्रांतिधरा

ए.के. गाँधी पृ. 100 ₹ 130.00

यह पुस्तक 1857 की क्रांति के प्रारंभ स्थल मेरठ व उसके आसपास क्रांति के लिए बने माहौल, वहाँ के आम लोगों की अंग्रेजों को भगाने में भूमिका, क्रांति के असफल होने के बाद वहाँ के लोगों पर हुए अत्याचार आदि का खुलासा करता प्रामाणिक दस्तावेज है।

ISBN 978-81-237-7831-7

40. 1789 : फ्रांस की क्रांति

प्रमोद कुमार पृ. 174 ₹ 145.00

विश्व के परिदृश्य में राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव की कारक कहलाने वाली सन् 1789 की फ्रांस की क्रांति की परिस्थितियों, घटनाओं और नायकों का लेखा-जोखा।

ISBN 978-81-237-5779-7

41. लोकतंत्र के उत्सव की अनकही कहानी

एस.वाय. कुरैशी अनु. : रत्नेश कुमार मिश्र पृ. 417 ₹ 445.00

भारत में चुनाव की प्रक्रिया के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ, जटिल प्रक्रिया की सफलता के राज़, इस विशाल कार्य को पूरा करने वाले लोगों के आदर्श व सिद्धांत तथा दुनिया का सबसे बड़ा प्रबंधन कहलाने वाली प्रक्रिया से जुड़े कई सवालों के सहज जवाब यह पुस्तक प्रस्तुत करती है।

ISBN978-81-237- 8064-8

42. वो चार जाँबाज क्रांतिकारी

अनिल वर्मा पृ. 94 ₹ 130.00

सन् 1912 में अंग्रेज शासन ने अपनी राजधानी कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित की थी और इसके जलसे पर वायसराय लॉर्ड हार्डिंग पर चार क्रांतिकारियों ने बम से हमला किया था। मास्टर अमीरचंद,

भाई बालमुकुंद, मास्टर अवध बिहार और बसंत कुमार विश्वास को इस अपराध में फाँसी की सजा हुई थी। इस पुस्तक में उस समय की परिस्थितियों, पूरे प्रकरण की न्यायिक कार्यवाही आदि का प्रामाणिक विवरण दिया गया है। ISBN 978-81-37-7631-6

43. स्वतंत्र भारत की विदेश नीति

वी.पी. दत्त अनु. : नरेन्द्र तोमर पृ. 200 ₹ 175.00

भारत की स्वतंत्रता के बाद से नेहरू से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पहले कार्यकाल तक की देश की विदेश नीति पर पुस्तक में चर्चा की गई है। अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अध्येताओं के लिए एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-5643-1

44. स्वाधीनता आंदोलन में उत्तराखंड की पत्रकारिता

जयसिंह रावत पृ. 446 ₹ 440.00

उत्तराखंड की पत्रकारिता के अतीत और स्वाधीनता आंदोलन में इस पहाड़ी भूभाग के पत्रों और पत्रकारों के योगदान को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए स्वाधीनता आंदोलन में अखबारों की भूमिका की दबी हुई कड़ियों को जोड़कर पुस्तक के रूप में दस्तावेज़ीकरण करने का प्रयास किया गया है। भावी पीढ़ी के लिए इन गौरवमयी स्मृतियों को सँजोए रखने के उद्देश्य से यह पुस्तक तैयार की गई है। पुस्तक में कई ऐसे चित्र व दस्तावेज़ हैं जो कि इसे प्रामाणिकता प्रदान करते हैं।
ISBN 978-81-237- 8803-0

45. सांप्रदायिक समस्या

अनु. : दिवाकर पृ. 176 ₹ 150.00

मार्च 1931 में कानपुर में भड़के सांप्रदायिक दंगों के कारणों की जाँच के लिए भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस द्वारा गठित जाँच समिति की दुर्लभ रिपोर्ट। इसमें हमारे देश में हिंदू और मुसलमानों के सहअस्तित्व के समृद्ध अतीत पर शोधपरक सामग्री है। ISBN 978-81-237-4703-3

46. सांप्रदायिकता : एक प्रवेशिका

विपिन चंद्रा पृ. 90 ₹ 50.00

इस प्रवेशिका में सांप्रदायिकता के उद्भव और विकास के विभिन्न पहलुओं को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास किया गया है। ISBN 978-81-237-5258-7

47. सामुदायिक ग्रामीण विकास

बैजनाथ सिंह पृ. 152 ₹ 165.00

यह पुस्तक गाँवों में रहने वालों में स्वावलंबन, स्वाभिमान और सतत परिश्रम की भावना जाग्रत करने का प्रयास करती है। खेती के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रमदान, कुटीर उद्योग और आय के अन्य साधन किस तरह एक आदर्श गाँव की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं, इस तथ्य को लेखक अपने अनुभवों के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं। ISBN 978-81-237-5485-7

48. सुशासन

सुनील गुप्ता, कमल कुमार सिंह पृ. 222 ₹ 175.00

सुशासन की संकल्पना, मूल तत्व, उद्भव व अवधारणात्मक विकास के साथ ही प्रजातंत्र, लोक भागीदारी, सभ्य समाज और वैश्वीकरण आदि पर सुशासन के संदर्भ में विचार किया गया है।
ISBN 978-81-237-6316-3

49. सूचना का अधिकार कानून 2005 : एक प्रवेशिका

सुची पांडे, शेखर सिंह अनु. : कमाल अहमद पृ. 70 ₹ 95.00

यह प्रवेशिका सूचना प्राप्त करने की मंशा रखनेवालों, इनके अभिरक्षकों और सूचना के अधिकार से संबद्ध अपीलीय प्राधिकारियों के लिए सहायक है। ISBN 978-81-237-5569-4

50. संस्मृतियाँ

शिव वर्मा पृ. 152 ₹ 185.00

प्रख्यात क्रांतिकारी शिव वर्मा ने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरू, सुखदेव, महावीर सिंह, यतीन्द्रनाथ दास और भगवतीदास वोहरा के साथ अपनी यादों को इस पुस्तक में व्यक्त किया है। इसमें इन महान क्रांतिकारियों के सहज, मजाकिया लेकिन दृढ़निश्चयी व्यक्तित्व का खुलासा होता है। इसकी भाषा बेहद प्रवाहमय और किसी उपन्यास की तरह लगती है।

ISBN 978-81-237-5296-9

51. स्त्री-मुक्ति : साझा चूल्हा

अनामिका पृ. 174 ₹ 150.00

आधुनिक भूमंडलीकृत विश्व में स्त्री की छवि ने नया आयाम ग्रहण कर लिया है। वह पुरुष सत्ता की अधीनस्थ उपनिवेश अब नहीं रही। बदले विश्व परिदृश्य में स्त्री की सबला छवि के आईने में स्त्री-विमर्श ने नया रूप और प्रतिमान गढ़ा है। स्त्री-विमर्श पर एक विचारोत्तेजक पुस्तक।

ISBN 978- 81-237-5798-8

52. स्त्री कथा : कथा अनंता

रंजन जैदी पृ. 124 ₹ 130.00

स्त्री चाहे पृथ्वी के किसी भी हिस्से में रहती हो उसकी कथा एक-सी है—पुरुष सत्ता की बदमिजाजियों से पीड़ित और त्रस्त। बेशक, कुछ स्त्रियों ने अपने लिए एक नया आसमान गढ़ा है और वे अन्य स्त्रियों के लिए प्रेरणा बनी हैं। लेकिल स्त्री की 'अन्या' या 'दोयम दर्जे' की छवि को समाप्त करने के लिए और भी जतन करने होंगे। स्त्री विमर्श के लिए जमीन तैयार करती पुस्तक। ISBN 978-81-237-6809-0

53. रोजगार गारंटी अण्रिनियम

निखिल डे, ज्याँ द्रेज़, रीतिका खेरा पृ. 40 ₹ 60.00

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 की मौलिक विशेषताओं पर चर्चा करते हुए इसको सशक्त और प्रभावी बनाने हेतु नागरिकों के कर्तव्य की ओर संकेत देती पुस्तिका।

ISBN 978-81-237-4737-8

54. विचार विनिमय

शचीन्द्रनाथ सान्याल संपा. : सुधीर विद्यार्थी पृ. 132 ₹ 170.00

यह पुस्तक सन् 1893 में बनारस में जन्मे महान क्रांतिकारी नेता शचीन्द्रनाथ सान्याल द्वारा लिखी गई ऐसी पुस्तक है जिसका प्रकाशन 1938 में प्रतिभा पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ने किया था और यह अब दुर्लभ है। शचीन्द्रनाथ सान्याल ने आजादी की लड़ाई में भागीदारी की और जेल गए।

ISBN 978-81-237-8985-9

55. वैश्वीकरण और विकास

सुनंदा सेन अनु. : दीपाली ब्राह्मी पृ. 126 ₹ 150.00

अर्थशास्त्र की सीमित शब्दावली के प्रयोग के साथ आम लोगों की समझ के अनुरूप, वैश्वीकरण, आर्थिक विकास और प्रगति की परिकल्पना पर प्रकाश डालती पुस्तक।

ISBN 978-81-237-8996-5

आदान-प्रदान (अंतर्भारतीय पुस्तकमाला)

कहानी

1. 1857 की कहानियाँ

ख्वाज़ा हसन निज़ामी अनु. : जगदीश चंद्र पृ. 56 ₹ 75.00

दिल्ली के शाही खानदान पर सन् 1857 के गदर में जो कुछ बीता, इस पुस्तक में उनकी दुख भरी दास्तान तथा दर्दनाक परिस्थितियाँ इस प्रकार चित्रित हुई हैं कि पढ़ते समय वे सारे चित्र मूर्त हो उठते हैं। ISBN 978-81-237-1592-6

2. अमृता प्रीतम की चुनिंदा कहानियाँ

संक. : बलदेव सिंह 'बद्दन' अनु. : उमा बंसल पृ. 396 ₹ 385.00

जीवन के दुखद यथार्थ और भविष्य के आशान्वित उल्लास की प्रखर कथाकार की चुनिंदा 59 कहानियों का संकलन। इन कहानियों में मानव हृदय का अंदरूनी भाव बेहद शिद्दत से प्रकट हुआ है। ISBN 978-81-237-7418-3

3. अमरकान्त : संकलित कहानियाँ

पृ. 226 ₹ 180.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिंदी कहानी के प्रसिद्ध कथाकार और नई कहानी आंदोलन के सबल स्तंभ अमरकान्त की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5336-2

4. आकाश

भवेन सैकिया अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 286 ₹ 220.00

कथाकार की चुनी हुई बीस असमिया कहानियों के इस संकलन में मनुष्य के सहज जीवन की सचाई हर जगह झाँकती है। इन कहानियों में चकाचौंध उत्पन्न करने वाली घटनाएँ नहीं गढ़ी गई हैं। इनमें जीवन की सहजता के साथ, उसकी सहज लय के साथ यह प्रमाणित किया गया है कि ऐसी कहानियाँ भी श्रेष्ठ कोटि की होती हैं। ISBN 978-81-237-1565-0

5. आजादी की छाँव में

बेगम अनीस किदवई अनु. : नूर नबी अब्बासी पृ. 310 ₹ 230.00

भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से लुट-पिटकर और उजड़कर आने वाले शरणार्थियों की पीड़ा, यातना और शोषण का चश्मदीद दस्तावेज है बेगम अनीस किदवई की यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3193-3

6. आदवन की कहानियाँ

आदवन अनु. : सरस्वती रामनाथ पृ. 152 ₹ 35.00

मूल तमिल से अनूदित इस संकलन में महानगरीय जन-जीवन की विसंगतियाँ, वहाँ के नागरिकों द्वारा अपनी अस्मिता की तलाश की कोशिश, बेचैनी, समाज और व्यक्ति की आंतरिक समस्याओं के समन्वय आदि के चित्र सूक्ष्मता से दर्ज किए गए हैं। ISBN 81-237-1585-4

7. आधुनिक तमिल कहानियाँ

अशोक मित्रन अनु. : के.ए. जमुना पृ. 154 ₹ 135.00

तमिल की सोलह आधुनिक कहानियों का संकलन। ये उन लेखकों की कहानियाँ हैं, जिन्होंने सन् साठ के बाद अपनी पहचान बनाई है। ISBN 978-81-237-0690-0

8. आशापूर्णा देवी की श्रेष्ठ कहानियाँ

अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 214 ₹ 185.00

दैनंदिन जीवन की अत्यंत छोटी-छोटी घटनाएँ आशापूर्णा की लेखनी का स्पर्श पाकर महान हो जाती हैं। बांग्ला से अनूदित इस कहानी संकलन में घर, आँगन, परिवार, मुहल्ले की उपेक्षित-सी घटनाओं को भी वैराट्य देने की सफलता दिखती है।

ISBN 978-81-237-1599-5

9. इक्कीस बांग्ला कहानियाँ

अरुण कुमार मुखोपाध्याय अनु. : देवलीना पृ. 234 ₹ 190.00

वर्तमान काल की बांग्ला कहानियों का यह संकलन सिर्फ कथा रस से ही सराबोर नहीं वरन् रवींद्रनाथ टैगोर के बाद के बांग्ला साहित्य की मौलिकता का भी सूचक है।

ISBN 978-81-237-1478-3

10. उर्दू कहानियाँ

रज़िया सज्जाद ज़हीर (संपा.) अनु. : गुलवंत फारिग़ पृ. 194 ₹ 160.00

समकालीन उर्दू साहित्य की चौबीस प्रतिनिधि कहानियों का संकलन।

ISBN 978- 81-237-2019-7

11. उर्दू की नई कहानियाँ I

राम लाल, इज़हार उस्मानी (संपा.) अनु. : एम. शहबाज़ पृ. 190 ₹ 175.00

उर्दू की नई कहानियों की प्रवृत्तियों से परिचय कराती छब्बीस प्रमुख कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-3452-1

12. उपेन्द्रनाथ अश्क की श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 212 ₹ 175.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिंदी कहानी को नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार उपेन्द्रनाथ अश्क की चुनिंदा कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5512-0

13. एक किशोरी फुलझड़ी-सी

टी. पद्मनाभन अनु. : एन.ई. विश्वनाथ अय्यर पृ. 108 ₹ 105.00

मलयालम से अनूदित इस कहानी संकलन में पीड़ित और शोषित सहजीवियों के वास्तविक चित्र अंकित हैं। कला और यथार्थ का अद्भुत सम्मिश्रण यहाँ मिलता है। पृष्ठभूमि, पात्र, संवाद और

आवेग—सब सम्मिलित होकर इन कहानियों में हृदयहारी अनुभव कराते हैं।

ISBN 978-81-237-1881-1

14. कथा पंजाब (खंड दो)

हरिभजन सिंह (संपा.) अनु. : सुभाष नीरव पृ. 328 ₹ 250.00

पंजाबी की श्रेष्ठ कहानियों के जरिए बीते वर्षों में पंजाबी परिवेश की चेतना और भावना के रूपों में हुए अपार परिवर्तन को निरूपित करती हुई एक श्रेष्ठ पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2339-4

15. कथा भारती : असमिया कहानियाँ

निर्मल प्रभा बरदलै (संपा.) अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 266 ₹ 47.00

असम जनपद एवं वहाँ के कथालेखन की वास्तविक झाँकी प्रस्तुत करता हुआ एक महत्वपूर्ण कहानी संग्रह, जिसमें वहाँ के स्थापित कथाकारों को संकलित करने का यथासंभव प्रयास किया गया है।

ISBN 81-237-1543-9

16. कथा भारती : ओड़िया कहानियाँ

पठाणि पटनायक (संपा.) अनु. : शिवप्रिया महापात्र पृ. 172 ₹ 150.00

ओड़िया भाषा के प्रमुख कथाकारों की चुनी हुई कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-2234-4

17. कथा भारती : गुजराती कहानियाँ

यशवंत शुक्ल, अनिरुद्ध भट्ट अनु. : रमेश उपाध्याय पृ. 172 ₹ 45.00

बीसवीं सदी के प्रारंभ से लेकर 1975 तक के गुजरात के प्रतिष्ठित और परिचित लेखकों की बीस कहानियाँ इसमें संगृहीत हैं जो विषय वैविध्य के कारण अत्यंत रोचक और पठनीय हैं।

ISBN 81-237-2293-1

18. कथा भारती : मलयालम कहानियाँ

ओम चेरी एन.एन. पिल्लै (संपा.) अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी पृ. 154 ₹ 215.00

प्रस्तुत कथा संकलन में मलयालम के प्रसिद्ध कथाकारों की श्रेष्ठ कृतियों को संकलित किया गया है। इसमें संकलित कहानियाँ पाठकों की पठन रुचि बढ़ाने में सहायक होंगी।

ISBN 978-81-237-1962-7

19. कन्नड़ कहानियाँ

जी.एच. नायक (संपा.) अनु. : बी.आर. नारायण पृ. 278 ₹ 220.00

प्रस्तुत पुस्तक में आधुनिक कन्नड़ साहित्य के प्रतिनिधि लेखकों की 25 कहानियाँ संकलित की गई हैं।

ISBN 978-81-237-3173-5

20. कर्त्तार सिंह दुग्गल की चुनिंदा कहानियाँ

बलदेव सिंह बद्दन (संपा.) अनु. : शशि सहगल पृ. 386 ₹ 385.00

छप्पन कहानियों का संकलन। पंजाबी के चर्चित कहानीकार दुग्गल साहब हिंदी के पाठकों के लिए भी उतने ही जाने-पहचाने हैं। सन् सैंतालिस से पहले की घटनाओं से लेकर सन् चौरासी के बाद तक के हालात और माहौल को बयाँ करती उनकी कहानियाँ जीवन की अनेक तल्ख सच्चाइयों का आईना-सरीखा हैं।

ISBN 978-81-237-7332-2

21. कमलेश्वर की श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 244 ₹ 195.00

समय और समाज की धड़कन को कलम की धार देकर कागज पर उकेरने वाले हिंदी कथा साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर कमलेश्वर की श्रेष्ठ पचीस कहानियों का भीना-भीना गुलदस्ता है यह पुस्तक, जिसकी कहानियों का चयन स्वयं कथाकार द्वारा हुआ है।

ISBN 978-81-237-4365-3

22. कश्ती और बरेता

मोहन काहलों अनु. : नीलम शर्मा 'अंशु' पृ. 126 ₹ 135.00

स्त्री-मनोविज्ञान पर विमर्श करता उपन्यास। ISBN 978-81-237-7047-5

23. कश्मीरी कहानियाँ

मोहम्मद ज़मा आज़ुर्दा (संपा.) अनु. : जोहरा अफजाल पृ. 148 ₹ 130.00

कश्मीरी के साहित्य की श्रेष्ठ कहानियों का शानदार संकलन। यह संकलन एक साथ कश्मीरी भाषा साहित्य की घनीभूत संवेदना और जनपद की चित्त छवि को मूर्त्त करता है।

ISBN 978-81-237-4115-4

24. काठनिबारी घाट

महिम बरा अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 116 ₹ 120.00

असमिया भाषा के प्रबुद्ध कथाकार महिम बरा की 12 प्रतिनिधि कहानियों का संग्रह।

ISBN 978-81-237-6419-1

25. कामतानाथ : संकलित कहानियाँ

पृ. 208 ₹ 170.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिंदी कहानी को नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार कामतानाथ की चुनिंदा कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5247-1

26. काशीनाथ सिंह : संकलित कहानियाँ

पृ. 216 ₹ 170.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिंदी कहानी की अगली खेप को अद्यतन कर नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार काशीनाथ सिंह की चुनिंदा कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5259-4

27. किसानी जीवन की पंजाबी कहानी

रवि रविंदर (संपा.)अनु. : प्रीत अरोड़ा, नवजोत कौर मान पृ. 482 ₹ 510.00

यह पुस्तक पंजाब में किसानों के जीवन से जुड़ी 31 कहानियों का संग्रह है। जीवन के यथार्थ को दर्शाती ये कहानियाँ किसानों की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक दशा-दिशा को प्रदर्शित करती हैं। यह किसानी जीवन तथा इसकी पृष्ठभूमि में विद्यमान शक्ति संबंधों को समझने में सहायता प्रदान करती है। ISBN 978-81-237-9828-8

28. किस्सा पंजाब

हरिभजन सिंह (संपा.) अनु. : विजय चौहान पृ. 84 ₹ 95.00

प्रस्तुत पुस्तक में पंजाब के कुछ लोकप्रिय किस्सों का नई शैली में वर्णन किया गया है। ये किस्से

हीर-रांझा, मिरजा साहिबाँ, सस्सी-पुन्नू, सोहनी-महिवाल आदि के प्रेम-प्रसंगों, पूरन भगत और राजा रसालू की पावन कथाओं के साथ ही दुल्ला भट्टी और जीउणा मोड़ जैसे वीरों की लोककथाएँ सुनाते हैं। ISBN978- 81-237-2001-2

29. कुर्रतुल-ऐन-हैदर की श्रेष्ठ कहानियाँ

अनु. : शाहीना तबस्सुम पृ. 212 ₹ 170.00

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात उर्दू लेखिका की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-2133-0

30. कुलवंत सिंह विर्क की कहानियाँ

जसवंत सिंह विरदी (संपा.) अनु. : सुभाष नीरव पृ. 142 ₹ 130.00

पंजाबी के श्रेष्ठ कथाकार कुलवंत सिंह विर्क की 29 श्रेष्ठ कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-2288-5

31. गुरबख्श सिंह प्रीतलड़ी की चुनिंदा कहानियाँ

संच. व संपा. : बलदेव सिंह 'बद्दन' अनु. : केवल गोस्वामी पृ. 536 ₹ 415.00

पंजाब के सशक्त रचनाकार की कहानियाँ जो आपको साथ चलने के लिए आमंत्रित करती हैं।

ISBN978-81-237-7888-4

32. गोपीनाथ महांति की कहानियाँ

सीताकांत महापात्र (संपा.) अनु. : प्रभात त्रिपाठी पृ. 178 ₹ 150.00

आदिवासी जनजीवन के सुख-दुख, संघात-संघर्ष और संभावना के चित्रों को उकेरती हुई गोपीनाथ महांति की सत्रह ओड़िया कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-3874-1

33. जगन्नाथ प्रसाद दास की श्रेष्ठ कहानियाँ

गुरुचरण बेहेरा (संपा.) अनु. : राजेंद्र प्रसाद मिश्र पृ. 302 ₹ 335.00

ओड़िया के प्रतिभा संपन्न साहित्यकार की कहानियाँ पाठकों को एक विशेष आभा-मंडल में लिए चलती है। अपने पाठकों के बीच वे जे.पी. दास के नाम से विख्यात हैं। उनकी कथा-यात्रा में अंतर्निहित संवेदना, भावना और विचारों का सूक्ष्म निर्वाह हुआ है। पाठकों को बाँधे रखने में यह संग्रह अद्भुत है। ISBN 978-93-5491-109-5

34. जयकांतन की कहानियाँ

अनु. : र. शौरिराजन पृ. 172 ₹ 170.00

तमिल के श्रेष्ठ कथालेखक जयकांतन की चुनी हुई 15 कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5348-5

35. जयशंकर प्रसाद की कहानियाँ

विजयमोहन (संपा.) पृ. 150 ₹ 130.00

प्रसिद्ध छायावादी कवि की 17 यथार्थवादी कहानियों का संकलन। ये कहानियाँ समकालीन ग्रामीण यथार्थ, स्वाधीनता पूर्व अंग्रेज पोषित भारतीय जमींदारों की दुष्कृति एवं महाजनी सभ्यता के अमानवीय पक्ष को भलीभाँति उजागर करती है। ISBN 978-81-237-4582-4

36. जैनेन्द्र कुमार की कहानियाँ

प्रदीप कुमार (संपा.) भूमिका : विष्णु खरे पृ. 106 ₹ 110.00

हिंदी के प्रख्यात कथाकार और हिंदी कथाधारा के स्तंभ स्व. जैनेन्द्र कुमार की प्रतिनिधि कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-2971-8

37. तफ़्तीश

मितरसेन मीत अनु. : डॉ. किरण बंसल पृ. 300 ₹ 255.00

अपनी तरह का एक अलग उपन्यास जिसे पेशे से मशहूर वकील ने लिखा है। इस उपन्यास में भारतीय पुलिस तंत्र की गतिविधियों का वर्णन है। ISBN 978-81-237-7114-4

38. देवेंद्र सत्यार्थी की चुनिंदा कहानियाँ

गुरुचरण सिंह अरशी (संपा.) अनु. : डॉ. सुनीता पृ. 294 ₹ 260.00

अप्रतिम कथाकार देवेंद्र सत्यार्थी के व्यक्तित्व की तरह सरल कहानियाँ, जो किसी-न-किसी रूप में जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। एक तरह से सामाजिकता होने का सुख बाँटती हैं।

ISBN 978-81-237-7070-3

39. नानक सिंह की चुनिंदा कहानियाँ

बलदेव सिंह बद्दन (संपा.) अनु. : शशि सहगल पृ. 224 ₹ 180.00

नानक सिंह पंजाबी के एक बेमिसाल लेखक थे जिनकी कहानियाँ उपन्यास के प्लॉट का भ्रम पैदा करती हैं। नये अंदाज की कहानियाँ हैं ये। ISBN 978-81-237-6802-1

40. प्रतिभा राय की श्रेष्ठ कहानियाँ

संपा. : *प्रफुल्ल कुमार महाँति* अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 290 ₹ 375.00

प्रतिभा राय की कहानियों का मुख्य स्वर प्रेम है, जिसमें ओड़िया जीवन साकार हुआ है। इनकी रचनाओं में कहीं भी बनावटीपन नहीं है। प्रतिभा राय की कहानियों की परिधि विशाल है। उनके पात्र मनुष्य के विभिन्न गुण, अवगुण, यश-पौरुष कमजोरी दिखाकर कहानी की परिधि में जीवन को स्पंदित करते हैं। एक अलग तरह की आत्मीयता इनकी कहानियों में मिलती है, जिस कारण पाठक इनसे जुड़ा हुआ महसूस करते हैं।

ISBN 978-81-237-301-3

41. फणीश्वरनाथ 'रेणु' की श्रेष्ठ कहानियाँ

भारत यायावर (संपा.) पृ. 260 ₹ 200.00

'रेणु' की कहानियाँ अपनी संरचना, प्रकृति, शिल्प और रस की दृष्टि से हिंदी कहानियों की परंपरा में एक अलग और नई पहचान उपस्थित करती हैं। ग्रामीण परिवेश के छोटे-बड़े, सुख-दुख, रीति-रिवाज पर सचेत रहने वाले ऊर्जस्वित कथाकार 'रेणु' की 21 चुनिंदा कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-1537-7

42. बामाचरण मित्र की कहानियाँ

शत्रुघन पांडव (संपा.) अनु. : शंकरलाल पुरोहित पृ. 142 ₹ 145.00

ओड़िया के प्रख्यात कथाकार बामाचरण मित्र की चुनी हुई कहानियों का अनूठा संकलन।

ISBN 978-81-237-4083-6

43. बेजबरुआ की संकलित रचनाएँ

नगेन सैकिया (संक.) अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 222 ₹ 180.00

असमिया के श्रेष्ठ रचनाकार बेजबरुआ की प्रतिनिधि रचनाओं का संग्रहणीय संचयन।

ISBN 978-81-237-5283-9

44. मछली पिए न सूखे ताल

ए. विद्यासागर अनु. : जे.एल. रेड्डी पृ. 146 ₹ 130.00

आदिवासियों की वास्तविक व्यथा व यातनाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत करती यथार्थपरक कहानियाँ। ISBN 978-81-237-5377-5

45. मन्नू भंडारी की श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 188 ₹ 160.00

स्त्री-मन की आकांक्षाएँ, प्रेम, दाम्पत्य, पारिवारिक-सामाजिक ढांचे, छद्म आधुनिकता के दुष्प्रभाव आदि विषयों पर लिखी गई मन्नू भंडारी की कहानियों का अनूठा संकलन, जिसमें पाठकों को अपने समय का स्वर पहचानने का बेहतरीन अवसर उपलब्ध है।

ISBN 978-81-237-4363-7

46. मनोज दास की कहानियाँ

अनु. : राजेंद्र प्रसाद मिश्र पृ. 188 ₹ 160.00

ओड़िया के प्रख्यात कथाकार मनोज दास की चुनी हुई कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-3558-0

47. मसान का फूल और अन्य कहानियाँ

सच्चिदानन्द राउत राय अनु. : शंकर लाल पुरोहित पृ. 180 **अनुपलब्ध**

उड़ीसा के सामान्य जनजीवन को अपने लेखन का केंद्र मानने वाले यशस्वी कथाकार सच्चिदानन्द राउत राय की चुनी हुई कहानियों का संकलन, जो उड़ीसा के जनपद पर विस्तृत रूप से दिखाया गया है। ISBN 81-237-1570-6

48. महाश्वेता देवी की श्रेष्ठ कहानियाँ

अनु. : माहेश्वर पृ. 160 ₹ 140.00

साहित्य अकादमी सहित अनेक साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित बांग्ला की सुप्रसिद्ध लेखिका महाश्वेता देवी द्वारा संकलित उनकी इन कहानियों के केंद्र में मुख्यतया आदिवासी जनजीवन है, जो समाज की मूलधारा से कटकर जी रहा है। ISBN 978-81-237-0533-0

49. मामोनी रायसम गोस्वामी की कहानियाँ

अनु. : श्रवण कुमार पृ. 106 ₹ 110.00

असमिया की प्रसिद्ध लेखिका मामोनी रायसम गोस्वामी (ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त) की चुनिंदा कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-3458-3

50. मेरी यात्रा

विष्णु गोडसे अनु. : सुनील केशव देवधर पृ. 158 ₹ 190.00

लेखक विष्णुभट गोडसे द्वारा मूल मराठी में लिखित एवं हिंदी में अनूदित पुस्तक *मेरी यात्रा* के केंद्र में झाँसी है। यह यात्रा वृत्तांत 1857 के विद्रोह के दौरान लिखा गया है। लेखक ने प्रस्तुत पुस्तक में 1857 के विद्रोह के दौरान लक्ष्मीबाई झाँसीवाली के किले की घेराबंदी के दिनों का आँखों देखे हाल का वर्णन किया है। मूलतः यह पुस्तक एक दुर्लभ ऐतिहासिक दस्तावेज है।

ISBN 978-81-237-8178-5

51. मोहन राकेश की श्रेष्ठ कहानियाँ

रवीन्द्र कालिया (संपा.) पृ. 196 ₹ 165.00

नई कहानी आंदोलन के अग्रणी कथाकार मोहन राकेश की कहानियों में आत्मसंघर्ष, अंतर्विरोध, आत्मपरीक्षण के तत्व सर्वाधिक पाए जाते हैं। इस संग्रह में मोहन राकेश की सोलह श्रेष्ठ कहानियों को लिया गया है। ISBN 978-81-237-5531-1

52. मुद्राराक्षस : संकलित कहानियाँ

पृ. 204 ₹ 165.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिंदी कहानी को नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार मुद्राराक्षस की चुनिंदा कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5335-5

53. यज्ञ

कालीपटनम रामाराव अनु. : दंडमूडि महीधर पृ. 84 **अनुपलब्ध**

तेलुगु जनपद के घर-आँगन में बिखरे कथासूत्रों का अनोखा संकलन।

ISBN 81-237-1385-1

54. रांगेय राघव : संकलित कहानियाँ

वीरेश कुमार (संपा.) पृ. 244 ₹ 195.00

इतिहास एवं समकालीनता को अपने कथा लेखन में महत्वपूर्ण स्थान देकर, कथा लेखन का एक मानदंड स्थापित करने वाले कलाकार रांगेय राघव की चुनी हुई कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-4561-9

55. राजकमल चौधरी : संकलित कहानियाँ

देवशंकर नवीन (संपा.) पृ. 256 ₹ 210.00

हिंदी एवं मैथिली साहित्य के कहानी, कविता, उपन्यास एवं निबंध लेखन को नवता देनेवाले, स्वातंत्र्योत्तर काल के महत्वपूर्ण कथाकार राजकमल चौधरी की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-4988-1

56. राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह की श्रेष्ठ कहानियाँ

कमलानंद झा (संपा.) पृ. 198 ₹ 170.00

हिंदी कहानी लेखन के प्रारंभिक दौर में अभूतपूर्व योगदान देने वाले महत्वपूर्ण कथाकार राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह की चुनी हुई कहनियों का श्रेष्ठ संकलन।

ISBN 978-81-237-5552-6

57. राजेन्द्र यादव : संकलित कहानियाँ

पृ. 182 ₹ 190.00

श्रेष्ठ कथाकार राजेन्द्र यादव की चुनी हुई कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5243-3

58. विष्णु प्रभाकर : संकलित कहानियाँ

पृ. 187 ₹ 140.00

हिंदी के सुविख्यात कथाकार विष्णु प्रभाकर द्वारा तैयार की गई 18 कहानियों का यह संग्रह कथाकार के कथा कौशल की सिलसिलेवार प्रस्तुति है। ISBN 978-81-237-5551-9

59. शेखर जोशी : संकलित कहानियाँ

पृ. 178 ₹ 150.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिंदी कहानी को नई दिशा देने वाले प्रसिद्ध कथाकार शेखर जोशी की चुनिंदा कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5261-7

60. संतोख सिंह धीर की चुनिंदा कहानियाँ

संपा.: डॉ. बलदेव सिंह बद्दन अनु. : फूलचंद मानव पृ. 380 ₹ 350.00

पंजाबी के वरिष्ठ कथाकार की बेहतरीन कहानियाँ, जो आपको अपना सहयात्री बनाने को आतुर हैं।

ISBN 978-81-237-7171-7

61. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानियाँ

कमलेश्वर (संपा.) पृ. 402 ₹ 185.00

स्वातंत्र्योत्तर काल के श्रेष्ठ हिंदी कथाकारों की प्रतिनिधि कहानियों का संचयन।

ISBN 978-81-237-4222-9

62. समकालीन गुजराती कहानियाँ

राधेश्याम शर्मा (संपा.) अनु. : रमेश उपाध्याय पृ. 116 **अनुपलब्ध**

गुजरात के समकालीन समाज की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आहार-व्यवहार, शोक-संताप, हास-परिहास, सुख-दुख के भावों से भरी कहानियों का अनूठा संकलन।

ISBN 81-237-1160-3

63. समकालीन मलयालम कहानियाँ

एम. मुकुंदन (संपा.) अनु. : पी. लक्ष्मी कुट्टिअम्माँ पृ. 194 **अनुपलब्ध**

मलयालम कहानियों का यह संकलन आधुनिक कहानियों का प्रतिनिधि संकलन है। ये कहानियाँ परंपरागत मोह से निकलकर सामाजिक यथार्थ के रूपायन को नया आयाम देती हैं।

ISBN 81-237-4823-X

64. समकालीन मलयालम कहानियाँ-2

वी.सी. हारिस अनु. : पी.के. चन्द्रन पृ. 143 ₹ 130.00

बीसवीं शताब्दी के अंतिम दो दशकों में लिखी गई मलयालम की 21 श्रेष्ठ कहानियों का अनूठा संचयन।

ISBN 978-81-237-4823-8

65. समसामयिक हिंदी कहानियाँ

धनंजय वर्मा (संपा.) पृ. 268 ₹ 210.00

मुक्तिबोध, हरिशंकर परसाई, धर्मवीर भारती, अमृत राय, भीष्म साहनी, कृष्ण बलदेव वैद, शानी, रमेश बक्षी, राजी सेठ आदि बीस श्रेष्ठ हिंदी कथाकारों की कहानियों का यह संकलन हिंदी कहानी के समसामयिक परिदृश्य को उसकी समग्रता में प्रस्तुत करता है।

ISBN 978-81-237-1489-9

66. सुजान सिंह की चुनिंदा कहानियाँ

सुरेन्द्र पाल सिंह (संपा.) अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 234 **अनुपलब्ध**

प्रसिद्ध पंजाबी कथाकार सुजान सिंह की 35 श्रेष्ठ पंजाबी कहानियों का हिंदी अनुवाद।

ISBN 81-237-2382-2

67. सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कहानियाँ

आनंद प्रकाश (संपा.) पृ. 166 ₹ 145.00

स्वाधीनता आंदोलन की सक्रिय कार्यकर्ता सुभद्रा कुमारी चौहान की बाईस श्रेष्ठ कहानियों का संचयन उनके समर्थ कथा लेखक रूप को पाठकों के सामने रखता है। स्वतंत्रता-पूर्व की उनकी इन कहानियों में स्त्री की कोमलता और संघर्षशीलता का समन्वय मूलक चित्रण हुआ है। इन कहानियों में राष्ट्रीय भावना और ओज भी सहज दृश्यमान हैं।

ISBN 978-81-237-4515-2

68. सौरभ चलिहा की चुनिंदा कहानियाँ

अनु. : दिनकर कुमार पृ. 108 ₹ 110.00

असमिया के उत्कृष्ट कथाकार और नए भावबोधों के प्रणेता सौरभ चलिहा की चुनिंदा कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-3509-2

कविता

1. जल भीतर इक बृच्छा उपजै

रमेश अनुपम (संक.) पृ. 284 ₹ 220.00

छत्तीसगढ़ की छह सौ वर्षों (सन् 1400 से 2000) की सुदीर्घ काव्य-यात्रा का संचयन।

ISBN 978-81-237-5362-1

2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविताएँ

केदारनाथ सिंह (संपा.) पृ. 402 ₹ 185.00

स्वाधीनता प्राप्ति के बाद के भारत की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों को रेखांकित करने वाली महत्वपूर्ण कविताओं का अनूठा संकलन। ISBN 978-81-237-4222-3

3. सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कविताएँ

चंद्रा सदायत (संपा.) पृ. 140 ₹ 130.00

'राष्ट्रीय वसंत की प्रथम कोकिला', स्वाधीनता आंदोलन की महत्वपूर्ण कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान की चुनी हुई कविताओं का संकलन। ISBN 978-81-237-4694-4

उपन्यास

1. अंतिम ईश्वर

प्रतिभा राय अनु : राजेंद्र प्रसाद मिश्र पृ. 398 ₹ 495.00

इस उपन्यास में आदिवासी संस्कृति से लेकर पूर्णतः आत्मलीन व्यक्तिवाद के चित्रण के साथ कट्टरपंथियों और आतंकवादियों के कारण इस वक्त विश्व की भयावह स्थिति ने इसे और अधिक पठनीय बना दिया है। यह ईश्वर कौन है। और उसकी तलाश करने के दुर्वार जीवन-संग्राम की रोमांचक कहानी है। ओड़िया से हिंदी में सुपाठ्य शैली में इसका अनुवाद अनुवादक ने किया है।

ISBN 978-93-5743-977-0

2. अठारहवीं अक्षांश रेखा

अशोक मित्रन अनु. : सुमति अय्यर पृ. 132 **अनुपलब्ध**

प्रस्तुत उपन्यास आज के तमिल साहित्य की प्रगति का एक सशक्त प्रमाण है। इसमें भूमध्य

के उत्तर में अठारहवीं अक्षांश रेखा पर स्थित हैदराबाद के निवासियों की तत्कालीन परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

3. अतीत के दिन

के. पी. केशव मेनन अनु. : चंद्रशेखरन नायक पृ. 342 **अनुपलब्ध**

सुप्रसिद्ध मलयाली लेखक श्री पी. के. केशव मेनन की आत्मकथा 'कषिअ कालम' का हिंदी अनुवाद।

4. अनचला डगर

वसंत कुमारी पट्टनायक अनु. : श्रीनिवास उद्गाता पृ. 148 **अनुपलब्ध**

स्त्री शिक्षा की प्रगति और पीढ़ी के अंतराल से नारी जीवन में खुलते नए रास्ते को इंगित करता हुआ उम्दा ओड़िया उपन्यास। ISBN 81-237-2736-4

5. अलीक मानव

सैयद मुस्तफ़ा सिराज़ अनु. : मनमोहन ठाकौर पृ. 400 **अनुपलब्ध**

उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य से बीसवीं शताब्दी के मध्य तक के सौ वर्षों के बंगाली जनजीवन के सामाजिक इतिहास की झाँकी यहाँ मिलती है। इस परिप्रेक्ष्य में इस उपन्यास में वहाँ के हिंदू-मुसलमानों के पारस्परिक धार्मिक तनाव, आकर्षण-विकर्षण, मेल-विरोध तथा ब्रिटिश शासन की अराजकता साफ-साफ अंकित हुई है। ISBN 81-237-1836-5

6. आखिर जो बचा

बुच्चि बाबू अनु. : दयावंती पृ. 226 **अनुपलब्ध**

एक युवा डाक्टर की कहानी जो जीवन भर विकृत सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध लड़ता रहा। पर आखिर उसके पास क्या बचा—अपने आप से समझौता। बुच्चि बाबू को तेलुगु साहित्य में एक कहानीकार तथा उपन्यासकार के रूप में उच्च स्थान प्राप्त है।

ISBN 81-237-0000-8

7. आत्मप्रकाश

सुनील गंगोपाध्याय अनु. : प्रतिभा अग्रवाल पृ. 170 **अनुपलब्ध**

बांग्ला के प्रख्यात लेखक का यह पहला प्रकाशित उपन्यास है। युवा मन की रिक्तता और इस रिक्तता के दबाव में उनके द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों का चित्रण देखते ही बनता है।

ISBN 81-237-0520-4

8. आदर्श हिन्दू होटल

विभूतिभूषण बंद्योपाध्याय अनु. : प्रफुल्लचंद्र ओझा 'मुक्त' पृ. 158 **अनुपलब्ध**

मानवीय संवेदना और जन सामान्य के सपनों, इच्छाओं, आकांक्षाओं को उकेरता हुआ एक शानदार बांग्ला उपन्यास। ISBN 81-237-2643-7

9. आदमी और जंगल

उमाकान्त शर्मा अनु. : सत्यदेव प्रसाद पृ. 338 **अनुपलब्ध**

असम के चाय बागान के श्रमिक समुदाय की जीवन प्रक्रिया के क्रमिक परिवर्तन और असमिया समाज के सांस्कृतिक समन्वय को चित्रित करता हुआ एक श्रेष्ठ उपन्यास।

ISBN 81-237-3354-2

10. आधी घड़ी

पारप्पुरत्तु अनु. : एन.ई. विश्वनाथ अय्यर पृ. 246 **अनुपलब्ध**

प्रस्तुत उपन्यास लेखक की सर्वाधिक लोकप्रिय और सशक्त रचना है। उपन्यास की पृष्ठभूमि में त्रावणकोर रियासत के मध्य खंड में बसे ईसाई समाज का जीवन चित्रित है।

11. इछामती

विभूतिभूषण बंद्योपाध्याय अनु. : पुष्पमाला जैन पृ. 238 **अनुपलब्ध**

पिछली शताब्दी में बंगाल के नीलकर साहबों के आगमन पर नील की खेती प्रारंभ होने से किसानों की विडंबना, और अंत में उनके विद्रोह की ऐतिहासिक घटना पर आधारित श्रेष्ठ बांग्ला उपन्यास। ISBN 81-237-2132-3

12. उसने जंगल को जीता

केसव रेड्डी अनु. : जे. एल. रेड्डी पृ. 56 ₹ 20.00

एक सूअर के चरवाहे और एक सूअरी के प्रसव के आश्रय से गढ़ी हुई इस तेलुगु उपन्यास की कथा में समकालीन जनजीवन पर असुरक्षा और आतंक के मंडराते बादल को प्रभावकारी ढंग से चित्रित किया गया है। ISBN 81-237-1598-6

13. एक अंतहीन तलाश

निरंजन तसनीम अनु. : उमा बंसल पृ. 138 ₹ 145.00

एक आत्मजीवनीपरक उपन्यास जिसमें आधुनिक युग की विसंगतियों और प्राप्तियों का लेखा-जोखा मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-6033-9

14. एक घेरे से बाहर

सु. समुत्तिरम अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 138 **अनुपलब्ध**

खौफनाक जिंदगी बिताती एक स्वाभिमानी लड़की के जय-पराजय की कथा, जो शोक, संताप, व्यथा और संघर्ष झेलती है, निर्दयता और वेदना की चक्की में लगातार पिसती है पर झुकती नहीं।

ISBN 81-237-1348-7

15. कपिली के आर-पार

नवकांत बरुआ अनु. : लोकनाथ भराली पृ. 62 ₹ 90.00

असमिया भाषा के प्रसिद्ध लेखक एवं शिक्षाविद् का बहुत ही रोचक एवं आकर्षक उपन्यास।

ISBN 978-81-237-0001-4

16. कपीश जी

मनोहर श्याम जोशी पृ. 144 ₹ 70.00

भाषा के स्तर पर धारदार व्यंग्य, विषय के स्तर पर अत्यंत आधुनिकता और समझ के स्तर पर गहन मार्मिकता से ओत-प्रोत कृति प्रस्तुत करने वाले हिंदी उपन्यासकार मनोहर श्याम जोशी का महत्वपूर्ण उपन्यास। ISBN 978-81-237-5513-7

17. करिसल

पोन्नीलन अनु. : मीनाक्षी पुरी पृ. 256 ₹ 200.00

अत्यंत निर्धन, अनपढ़, शोषित, रीतिबद्ध और अंधेरे में जी रहे लोगों के जीवन की गतिविधियों,

जीवन में मौलिक परिवर्तन की आशा और शोषण के विरुद्ध संग्राम की तैयारी करते हुए जनसमुदाय की जीवन गाथा प्रस्तुत करता हुआ प्रसिद्ध तमिल उपन्यास।

ISBN 978-81-237-5952-4

18. कलर केरि छपरी

चंदन नेगी अनु. : अमिया कुँवर पृ. 220 ₹ 215.00

पंजाबी की श्रेष्ठ रचनाकार की कृति का हिंदी अनुवाद।

ISBN 978-81-237-7986-0

19. कालातीत व्यक्ति

श्रीदेवी अनु. : बालशौरि रेड्डी पृ. 224 ₹ 180.00

अभाव की भट्टी में तपते हुए युवक-युवती के जीवन संघर्ष, पीढ़ियों के द्वंद्व तथा पुरानी पीढ़ी के गलित विचार को तार-तार करता हुआ यह तेलुगु उपन्यास हिंदी पाठकों के लिए एक संग्रहणीय पुस्तक साबित होगी। ISBN 978-81-237-4336-3

20. काली मिट्टी

पालगुम्मि पद्मराजु अनु. : आरिगपूडि रमेश चौधरी पृ. 104 ₹ 120.00

आंध्र प्रदेश के गाँव के सीधे-सादे लोगों के मानवीय पक्षों, जन संबंधों, घृणा, प्रेम, राग, द्वेष आदि का जीवंत चित्र प्रस्तुत करता हुआ श्रेष्ठ तेलुगु उपन्यास।

ISBN 978-81-237-2265-8

21. किनु ग्वाले की गली

संतोष कुमार घोष अनु. : अरिंदम पृ. 142 **अनुपलब्ध**

प्रस्तुत उपन्यास एक तरह का आत्मप्रकाश है। इसमें वातावरण विशेष का स्वरूप सामने आता है, जिसमें जीवन के सारे पर्याय समेटे जा सकते हैं।

22. कुरिंजी का शहद

राजम कृष्णन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 284 **अनुपलब्ध**

पिछड़े वर्ग तथा पहाड़ी जनजातियों के जीवन को केंद्र बनाकर यह तमिल उपन्यास लिखा गया है। पहाड़ के मानव जीवन पर सामाजिक परिवर्तन के प्रभाव और बाह्य जगत की आधुनिकता के अनुरूप दो पीढ़ियों के अंतराल को साठ वर्षों के समय की पृष्ठभूमि में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-1855-0

23. कोसला

भालचंद्र नेमाडे अनु. : भगवान दास वर्मा पृ. 298 ₹ 310.00

आजादी के बाद की युवा-पीढ़ी की मानसिकता का सच्चा चित्रांकन करता यह उपन्यास शिक्षा, व्यावहारिक जीवन की विसंगतियाँ, कदम-कदम पर संघर्ष, अस्मिता का संकट आदि बिंदुओं को बड़े तल्ख अनुभवों के साथ उभारता है। ISBN 81-237-0252-3

24. गंगव्वा गंगामाई

शंकर मोकाशी 'पुणेकर' अनु. : बी.आर.नारायण पृ. 236 **अनुपलब्ध**

यह एक पारिवारिक उपन्यास है। कन्नड़ भाषा में लिखी गई पिछले कुछ वर्षों की अद्वितीय रचनाओं में इसकी गिनती है। ISBN 81-237-0018-0

25. गंगा चील के पंख

लक्ष्मीनंदन बोरा अनु. : शारदा बरुआ पृ. 144 ₹ 160.00

असमिया उपन्यास लेखन के क्षेत्र में लक्ष्मीनंदन बोरा का प्रमुख स्थान है। यह पुस्तक उनके बहुचर्चित उपन्यास का हिंदी अनुवाद है। असमिया न जानने वाले पाठक इसे पढ़कर असमिया ग्राम्य जीवन की एक झलक से परिचित हो पाएँगे। ISBN 978-81-237-4052-2

26. गृहभंग

एस.एल. भैरप्पा अनु. : बी.बी. पुत्रन पृ. 408 **अनुपलब्ध**

यह कन्नड़ उपन्यास ग्रामीण जीवन की अद्‌भुत झाँकी प्रस्तुत करने के साथ ही एक युवती जनम्मा के जीवन की अंतहीन त्रासदियों को सूक्ष्मता से उजागर करता है।

27. गांधारी

ना.धों. महानोर अनु. : निशिकांत ठकार **अनुपलब्ध**

निजाम सल्तनत की समाप्ति के बाद गांधारी नामक छोटे-से गाँव की कहानी, जिसके अनेक चरित्र उस समय के परिवेश को जीवंत बना देते हैं।

28. गाथा मफस्सिल

देवेश राय अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 174 ₹ 150.00

बांग्ला के प्रसिद्ध उपन्यासकार देवेश राय की सुपरिचित कृति का मनोरम अनुवाद।

ISBN 978-81-237-4645-6

29. गोष्ठबिहारी का जिंदगीनामा

अमलेन्दु चक्रवर्ती अनु. : सुशील गुप्ता पृ. 362 ₹ 260.00

अल्पवेतन भोगी एक क्लर्क के जर्जर अर्थतंत्र और उत्कट अभिलाषा के तालमेल की मार्मिक कथा पर आधारित रोचक बांग्ला उपन्यास। ISBN 978-81-237-3449-1

30. चार दीवारों में

एम.टी. वासुदेवन नायर अनु. : पद्‌मिनी मेनन पृ. 150 **अनुपलब्ध**

आधुनिक परिवेश में संयुक्त परिवार के जर्जर आदर्श को ढोते रहने के बेतुकेपन का अहसास इस मलयालम उपन्यास में बराबर कुरेदता रहता है। बेजान संबंधों की चारदीवारी में घिरे कुटुंबियों की मनोदशा का आकलन प्रस्तुत कर लेखक ने यथार्थ के चित्र को जीवंत कर दिया है।

ISBN 81-237-2162-5

31. जीवन एक नाटक

पन्नालाल पटेल अनु. : रघुवीर चौधरी पृ. 358 ₹ 190.00

गुजराती के अग्रणी कथाकार की महान कृति (मानवीनी भवाई) का हिंदी अनुवाद, जिस पर लेखक को भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया। उपन्यास में वर्णित अकाल ऐतिहासिक दस्तावेज मात्र ही नहीं बल्कि जीवन की भयावहता से साक्षात्कार भी है। ISBN 978-81-237-2738-7

32. दवा

पुनत्तिल कुंजब्दुल्ला अनु. : एन.ई.विश्वनाथ अय्यर पृ. 240 **अनुपलब्ध**

चिकित्सा की दुनिया बाहर जितनी भरोसेमंद है, ठोस है, भीतर से उतनी ही अविश्वसनीय, खोखली एवं विद्रूप...। मलयालम का यह उपन्यास इसी सचाई से रू-ब-रू कराता है।

ISBN 81-237-1271-5

33. दानापानी

गोपीनाथ महांति अनु. : शंकरलाल पुरोहित पृ. 264 **अनुपलब्ध**

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एवं ओड़िया भाषा के मूर्धन्य उपन्यासकार का अनुपम यथार्थवादी उपन्यास, जिसकी कथावस्तु दानापानी के तीव्र द्वंद्व और पदोन्नति की समस्या को लेकर चलती है। ISBN 81-237-0010-5

34. देश काल पात्र

जे.पी. दास अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 350 ₹ 250.00

ओड़िया साहित्य और ओड़िया जनजीवन की धरोहर को रेखांकित करता महत्वपूर्ण उपन्यास।

ISBN 81-237-4591-5

35. धरती का रोना

शांतनु कुमार आचार्य अनुवाद : सुजाता शिवेन पृ. 350 ₹ 455.00

प्रस्तुत आत्मचरितात्मक उपन्यास में लेखक ने काल्पनिक और यथार्थ चरित्रों के माध्यम से ओडिशा के बहाने समूचे भारतीय समाज में स्वतंत्रता के बाद होने वाले बदलावों, जैसे–सामाजिक, सांस्कृतिक पतन, मातृभूमि के प्रति प्रेम का अभाव, प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना का न होना एवं नई पीढ़ी के वैचारिक ह्रास आदि का वर्णन किया गया है।

ISBN 978-93-6719-832-2

36. धरती की हँसी

लूमर डाइ अनु. : सत्यदेव प्रसाद पृ. 184 **अनुपलब्ध**

यह अरुणाचल प्रदेश के आदि समाज के सुख-दुख, हास्य-रुदन से भरपूर एक आंचलिक उपन्यास है। इसमें स्थानीय रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार के चित्रण के साथ सरल-सहज पहाड़ी लोगों के वाणिज्यिक परिवेश के संपर्क से अमानवीय होने की गाथा भी दर्ज है।

ISBN 978-81-237-1933-7

37. धान

पी. वत्सला अनु. : राकेश कालिया पृ. 374 **अनुपलब्ध**

केरल के जनजातीय किसानों के शोषण और उत्पीड़न का जीवंत चित्र उपस्थित करता हुआ प्रसिद्ध असमिया उपन्यास। ISBN 81-237-2700-3

38. ध्रुवतारे

गुलजार सिंह संधू अनु. : गुलबीर सिंह भाटिया पृ. 112 ₹ 110.00

प्रस्तुत उपन्यास मूल पंजाबी का अनुवाद है। इस उपन्यास के केंद्र में तमिलनाडु के शहर डिंडीगुल के निकट ग्रामीण क्षेत्र में स्थित रुद्रापट्टी आश्रम है। इस आश्रम का उद्देश्य महात्मा गाँधी के आदर्शों पर चलकर ग्रामीण जीवन में चहुँमुखी विकास के साथ बेसहारा और जरूरतमंद बच्चों एवं स्त्रियों को स्वावलंबी बनाना है। ISBN 978-81-237-6623-2

39. नाद बिन्दु

जोगिन्दर कैरों अनु. : सुभाष नीरव पृ. 98 ₹ 135.00

प्रस्तुत उपन्यास में रचनाकार ने योग-भोग के संकल्प को लेकर स्त्री-पुरुष के गंभीर मसले उठाए हैं। मनुष्य जाति के स्वभाव, योग-भोग की परिभाषा तथा उनके चिंतनशील संकल्पों से अवगत कराता गंभीर उपन्यास। ISBN 978-81-237- 8044-3

40. नामघैरेया

अतुलानंद गोस्वामी अनु. : सत्यदेव प्रसाद पृ. 72 ₹ 90.00

असम की संस्कृति, वैष्णव परंपरा और मानवीय मूल्य को ओजस्वी भाषा के साथ चित्रांकित करता प्रसिद्ध असमिया उपन्यास नामघरैया का अनुवाद। ISBN 978-81-237-3621-1

41. नीलाद्रि विजय

सुरेंद्र महांति अनु. : शंकरलाल पुरोहित पृ. 188 ₹ 200.00

प्रस्तुत उपन्यास भले ही 'नीलशैल' का उत्तरार्ध हो लेकिन घटनाओं की क्रमिता तथा पात्रों की समता के अलावा 'नीलाद्रि विजय' का 'नीलशैल' के साथ अन्य कोई संबंध नहीं है।

ISBN 978-81-237-8198-3

42. नीलशैल

सुरेंद्र महांति अनु. : श्रीनिवास उद्गाता पृ. 298 ₹ 280.00

मूल ओड़िया में लिखित एवं हिंदी में अनूदित प्रस्तुत उपन्यास नीलशैल के केंद्र में उड़ीसा का श्रीजगन्नाथ मंदिर है। उपन्यास की कथावस्तु उड़ीसा के अठारहवीं सदी के इतिहास से ली गई है जिसमें तत्कालीन मुस्लिम शासक की धार्मिक असहिष्णुता का वर्णन है। अनेक मनोरंजक घटनाओं और अनुपम पात्रों से पूर्ण यह उपन्यास अत्यंत सुरुचिपूर्ण और पठनीय है।

ISBN 978-81-237-7898-3

43. पगडंडियाँ

सी. राधाकृष्णन अनु. : विनीता डोगरा पृ. 172 **अनुपलब्ध**

मलयालम समाज में अल्पबुद्धि भाई को सर्वसुरक्षा देने हेतु पति-प्रेम को त्याग देने वाली लड़की, निष्काम पुत्री प्रेम में इस लड़की के पिता द्वारा अपने अल्पबुद्धि पुत्र की हत्या को बीच कथानक में रखते हुए एक महत्वपूर्ण उपन्यास। ISBN 81-237-1838-1

44. पगड़ी पुरुष

दास बेनहूर अनु : अरुण होता *शीघ्र प्रकाश्य*

प्रस्तुत पुस्तक मूल ओड़िआ से हिंदी में अनूदित एक आत्मचरितात्मक औपन्यासिक कृति है। ब्रिटिश शासन काल में बंगाल प्रेसीडेंसी के अंतर्गत आने वाले ओड़िशा प्रांत को उसकी भाषा, वास्तुकला, संस्कृति और साहित्य के आधार पर उसे स्वतंत्र पहचान दिलाने वाले, ओड़िशा राज्य का पृथक गठन कराने वाले तथा ओड़िआ के प्रथम ग्रेजुएट मधुसूदन दास के जीवन-संघर्षों की जीवंत झाँकी प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक ओड़िशा राज्य के गठन एवं ओड़िआवासियों की गौरव गाथा का एक दुर्लभ ऐतिहासिक दस्तावेज है।

45. पात्र-विपात्र

एस. सोज अनु. : उमा बंसल पृ. 116 ₹ 60.00

एक बीमार बच्चे के जीवन संग्राम के बहाने चिकित्सा और अंधविश्वास की दुनिया को तार-तार करता हुआ महत्वपूर्ण उपन्यास। ISBN 81-237-3297-X

46. पात्तुम्मा की बकरी और बाल्यकाल सखी

वैक्कम मुहम्मद बशीर अनु. : रत्नमयी देवी दीक्षित पृ. 116 **अनुपलब्ध**

दो लघु उपन्यासों के इस संग्रह में से 'पात्तुम्मा की बकरी' एक निर्दोष बालिका की कहानी है,

जिसका कथानक अंधविश्वास की धुरी पर घूमने वाले एक परिवार से जुड़ा है। दूसरी कृति 'बाल्यकाल सखी' मोटे तौर पर एक प्रणय कथा है।

47. पानी पड़े पत्ता हिले

गौड़ किशोर घोष अनु. : माहेश्वर पृ. 344 ₹ 245.00

पूर्व बंगाल के जसोर जिले के कथ्य और भाषा के सहज प्रयोग से भरा यह आंचलिक उपन्यास ग्रामीण कहावतों, पुराने रीति-रिवाजों, विभिन्न वर्ग के व्यक्तियों, नारी-पुरुषों की भावनाओं से इस तरह परिपूर्ण है कि इसकी साहित्यिक सीमा शिखर तक चली जाती है।

ISBN 978-81-237-1883-5

48. पिता-पुत्र

होमेन बरगोहांई अनु. : दिनकर कुमार पृ. 236 ₹ 185.00

दो पीढ़ियों के वैचारिक संघर्ष, असम जनपद के सामाजिक वैमनस्य, राजनीतिक षड्यंत्र आदि को प्रवहमान शैली में सूक्ष्मता से चित्रित करता असमिया उपन्यास।

ISBN 978- 81-237-3964-9

49. पिता और पुत्र

सुरिंदर सिंह नरूला अनु. : सुभाष नीरव पृ. 258 ₹ 240.00

समकालीन पंजाबी उपन्यास लेखन को आम जन के यथार्थ से जोड़ने का प्रयास है यहाँ। उपन्यास का कालखंड 1895 से 1918 तक फैला है जिसमें क्या अमृतसर और क्या हरिद्वार– तत्कालीन आम जन-जीवन की तसवीर बड़ी शिद्दत से उभरती है।

ISBN 978-81-237-7792-4

50. पुराना लखनऊ

अब्दुल हलीम 'शरर' अनु. : नूर नबी अब्बासी पृ. 326 ₹ 240.00

अब्दुल हलीम 'शरर' की पुस्तक पुराना लखनऊ (गुजिस्तां लखनऊ) एक ऐसी सभ्यता का चित्र प्रस्तुत करती है जिसे हिंदुस्तान के एक प्रदेश में रहने वालों ने जन्म दिया है। इस दृष्टि से यह पुस्तक एक महान सभ्यता का महान इतिहास ही नहीं बल्कि हमारी राष्ट्रीय विरासत का एक महत्वपूर्ण अंग है।

ISBN 978-81-237-1525-4

51. प्रारंभ

गंगाधर गाडगिल अनु. : हेमा जावडेकर पृ. 540 ₹ 485.00

माराठी से अनूदित यह उपन्यास सिर्फ जगन्नाथ शंकरशेठ की कहानी ही नहीं अपितु आधुनिक समाज से जुड़ने वाली मुंबई नगरी की एक जीवंत गाथा प्रस्तुत करता है।

ISBN978- 81-237-6480-1

52. फायर एरिया

इलियास अहमद गद्दी अनु. : राशिद अली पृ. 154 ₹ 210.00

कोलियरी के मजदूरों की व्यथा और कोल माफियाओं की अय्याशी पर आधारित रोचक उर्दू उपन्यास का हिंदी अनुवाद। उर्दू साहित्य की सेवा के लिए साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित।

ISBN 978-81-237-3325-9

53. बंदरगाह

तोफिल मुहम्मद मीरान अनु. : एच. बाल सुब्रह्मण्यम पृ. 206 **अनुपलब्ध**

शोषण का व्यूह चलाते और उस व्यूह में फंसते जाते मानवों की अंतर्वस्था की अनूठी कथा इस तमिल उपन्यास में कही गई है।

ISBN 81-237-2210-9

54. बचपन की यादें

माधविकुट्टि अनु. : अरविन्दन एम. पृ. 154 ₹ 140.00

मलयालम की प्रसिद्ध कथा लेखिका माधविकुट्टि का आत्म-संस्मरणात्मक उपन्यास, जो यदि 'मैं' शैली में नहीं लिखा गया होता तो भारत के किसी भी क्षेत्र के सामंती संस्कार को खंडित करती हुई सामंत बालिका की कथा होता।

ISBN 978-81-237-2771-4

55. बदलते चेहरे

जयकांतन अनु. : एन.बी. राजगोपालन पृ. 238 **अनुपलब्ध**

तमिल से अनूदित इस उपन्यास में स्त्री-पुरुष संबंधों के विविध पहलुओं को बड़ी साफगोई और बड़े विस्तार से चित्रित किया गया है। यह उपन्यासकार का कौशल ही माना जाएगा कि एक ही व्यक्ति कभी इस संबंध को अत्यंत अर्थपूर्ण साबित कर देता है तो कभी एकदम निरर्थक।

ISBN 81-237-1571-4

56. बाहर का आदमी

जगशिर्पियन अनु. : रा. बीलिनाथन पृ. 248 **अनुपलब्ध**

मूलतया तमिल भाषा का यह उपन्यास आम पाठकों का जीवन के अपरिचित पहलुओं से परिचय कराता है। मद्रास आए एक शरणार्थी की कथा के माध्यम से इस उपन्यास में जीवन के कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है।

57. बोल मरदानिया

जसबीर मंड अनु. : बलराम पृ. 288 ₹ 265.00

इस कृति के बहाने गुरु नानक जी के जीवन की अनेक महत्वपूर्ण गतिविधियों का पता चलता है। यह उपन्यास आध्यात्मिक प्रश्नों और जिज्ञासाओं का एक सफरनामा है। बाहरी रूप से भले ही यह यात्राओं का वर्णन लगता है, किंतु असल में यह मरदाना के भीतरी सफर की कहानी है।

ISBN 978-81-237-9386-3

58. भटके हुए लोग

हरचरन चावला अनु. : खुर्शीद आलम पृ. 170 ₹ 110.00

श्रम और प्रतिभा के देशांतर पलायन और वहाँ के भारतीय नागरिकों के मन में अपने देश की धरती के लिए उठती टीस का जीवंत चित्र प्रस्तुत करता हुआ प्रसिद्ध उर्दू उपन्यास।

ISBN 978-81-237-3920-5

59. मय्यषी नदी के किनारे

एम. मुकुन्दन अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी पृ. 292 ₹ 375.00

स्वाधीनता आंदोलन की राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों पर केंद्रित, गोरे शासकों के अत्याचार और मजबूर जनता की दुर्दशा आदि को चित्रित करता हुआ मलयालम उपन्यास।

ISBN 81-237-2035-1

60. मरा हुआ चाँद

उपेन्द्र किशोर दास अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 80 ₹ 50.00

ओड़िया कथा साहित्य में नवलेखन के प्रथम दौर के महत्वपूर्ण उपन्यासकार का चर्चित मनोविश्लेषणात्मक और प्रेम के त्रिकोणात्मक स्वरूप का जीवंत चित्रण।

ISBN 81-237-3297-X

61. माहिम की खाड़ी

मधु मंगेश कर्णिक अनु. : विजय बापट पृ. 116 ₹ 55.00

बंबई जैसे महानगर में बसी झोपड़-पट्टी में रहने वाले लोगों के जीवन का कभी न भूलने वाला यथार्थ चित्रण।

ISBN 81-237-0689-8

62. मिट्टी का आदमी

वासिरेड्डी सीता देवी अनु. : जे.एल. रेड्डी पृ. 392 **अनुपलब्ध**

श्रमजीवी किसान के उत्थान एवं आधुनिक रंगीनी में दिशाहारा युवक के पतन की मर्मस्पर्शी दास्तान, जिसमें लेखक ने अपने रचना कौशल से तेलुगुभाषी समाज का जीवंत चित्र प्रस्तुत किया है।

ISBN 81-237-1463-7

63. मुक्ति

शांतिनाथ देसाई अनु. : मोतीलाल हलवाई पृ. 180 **अनुपलब्ध**

यौवन के उन्माद से उपजा प्रेम और फिर उससे मुक्त होने के लगातार श्रम में हुई विफलता के बीच जूझते एक युवक की रोचक तथा मार्मिक कहानी को प्रस्तुत करता हुआ कन्नड़ उपन्यास।

ISBN 81-237-2455-1

64. मृत्यु के बाद

शिवराम कारंत अनु. : गुरुनाथ जोशी पृ. 144 ₹ 145.00

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात कन्नड़ उपन्यासकार शिवराम कारंत का यह उपन्यास दर्शन जैसे गूढ़ और कठिन विषय पर लिखा गया है, जहाँ कथात्मक रस में विषय को भिगोने में लेखक को पूरी सफलता मिली है।

ISBN 978-81-237-2146-0

65. यंत्र

मलयाट्टूर रामकृष्णन अनु. : पी.के. चन्द्रन पृ. 310 ₹ 240.00

भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में सफल हुए युवकों के प्रशिक्षण से शुरू हुई कहानी में व्यवस्था की यांत्रिक गुत्थियाँ पिरोता हुआ एक रोचक उपन्यास।

ISBN 978-81-237-8146-4

66. यात्रा का अंत

नील पद्मनाभन अनु. : न.वी. राजगोपालन पृ. 206 **अनुपलब्ध**

एक भारतीय घर के टूटने की मार्मिक कहानी इस पुस्तक में प्रस्तुत की गई है। पत्नी कात्यायनी अपने पति अनंतन नायर को छोड़कर किसी और के घर जा बसी है। यह उपन्यास अनंतन नायर के जीवन का लेखा-जोखा है।

67. रंमिली की मुस्कान

रं.बं.तेरां अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 200 **अनुपलब्ध**

इस पुस्तक को 'कारबी जनजीवन का आर्थिक, सामाजिक इतिहास' कहा जाता है। कारबी

जनजीवन के सुख-दुख, प्रेम-विरह, आशा-आकांक्षा आदि को बड़े जीवंत रूप में यहाँ प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-1880-2

68. रात के राही

करमजीत सिंह कुस्सा अनु. : गुलवंत फारिग पृ. 314 **अनुपलब्ध**

पंजाब के निम्नवर्गीय किसान की अधोगति, उनके जीवन के कटु-मधु अनुभव ही आंचलिक उपन्यास का मूल केंद्र हैं। अभाव और सामाजिक यथार्थ के दोहरे मानदंडों को यहाँ सूक्ष्मता से चित्रित किया गया है। ISBN 81-237-1008-9

69. वधस्थल

मनोहर श्याम जोशी पृ. 212 ₹ 165.00

भाषा के स्तर पर धारदार व्यंग्य, विषय के स्तर पर अत्यंत आधुनिकता और समझ के स्तर पर गहन मार्मिकता से ओत-प्रोत कृति प्रस्तुत करने वाले हिंदी उपन्यासकार मनोहर श्याम जोशी का महत्वपूर्ण उपन्यास। ISBN 978-81-237-5382-9

70. विषकन्या

एस.के.पोट्टकाट अनु. : एस. रामचंद्रन नायर पृ. 144 ₹ 130.00

प्रसिद्ध मलयालम उपन्यासकार का प्रसिद्ध प्रतीकात्मक उपन्यास जो अपने ध्वन्यात्मक उत्कर्ष के कारण एक भूखंड के इतिहास की कहानी हो जाती है और किसी बैले की सुंदरता प्रस्तुत करता है। ISBN 978-81-237-3132-2

71. शहतूतों वाला कुआँ

सोहन सिंह सीतल अनु. : सुदीप पृ. 228 **अनुपलब्ध**

आजादी, विभाजन और सांप्रदायिक दंगा—तीनों को यथायोग्य सूक्ष्मता तथा बेबाकी से प्रस्तुत करने वाला ऐसा उपन्यास, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के काल का इतिहास जीवंत हो उठता है। ISBN 81-237-1841-1

72. षड्यंत्र

भीमसेन तोरगल अनु. : अरुणा ज. नाइक पृ. 98 ₹ 35.00

ऐतिहासिक और पौराणिक आख्यानों की नई व्याख्या के साथ विस्मयकारी तथ्यों का रहस्य उद्घाटित करता हुआ कन्नड़ उपन्यास। ISBN 81-237-3554-7

73. साँझ की बेला में

शीलभद्र अनु. : महेन्द्रनाथ दुबे पृ. 122 ₹ 120.00

ज्ञान तात्विक प्रश्न, जीवन दर्शन के उत्कर्ष और प्रेमविहीन यौन संपर्क को कथात्मक परिधान देकर उच्चता प्रदान करता हुआ श्रेष्ठ असमिया उपन्यास। ISBN 978-81-237-2642-7

74. सीढ़ी के डंडे

तकष़ी शिव शंकर पिल्लै अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी पृ. 550 ₹ 605.00

मछुआरों की जीवन प्रक्रिया से अत्यंत साधारण कथ्य को जीवंत रूप देते हुए एक शानदार मलयालम उपन्यास का हिंदी रूपांतरण, जिसका परिवेश दक्षिण भारत रखा गया है और वहाँ की लोक-संस्कृति को भी यथा अवसर उकेरा गया है। ISBN 978-93-5491-583-3

75. सीप की कोख में मोती

बोधिसत्व मैत्रेय अनु. : सान्त्वना निगम पृ. 268 **अनुपलब्ध**

दक्षिण भारत के दूरस्थ क्षेत्र मन्नार उपसागर के तट पर शंख-सीप चुनने वालों और मछली पकड़कर जीवन व्यतीत करने वालों के स्वभाव-संस्कार, आचार-व्यवहार के आश्रय से लिखा गया गहरी अंतर्दृष्टि वाला महत्वपूर्ण बांग्ला उपन्यास। ISBN 81-237-1660-5

76. सूरजमुखी का सपना

सैय्यद अब्दुल मलिक अनु. : लोकनाथ भराली पृ. 166 ₹ 140.00

यह कहानी है असम के डालिम गाँव के गुलच की, जिसका जीवन चेनिमाइ, कपाही तथा तरा नामक स्त्रियों के आसपास इस तरह विभिन्न संघर्षों के बीच बढ़ता है कि गाँव का जीवन सारे परिवेश सहित चमकने लगता है। प्रेम संघात ही उपन्यास का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के क्रोध से लड़ने की शक्ति का भी वर्णन है। ISBN 978-81-237-2835-3

77. स्त्रीधन

मायानन्द मिश्र पृ. 352 ₹ 260.00

सूत्र स्मृतिकालीन मिथिला के इतिहास पर आधारित प्रस्तुत उपन्यास मिथिला में राजतंत्र की समाप्ति, जनक वंश के अंतिम राजा कराल जनक के अन्याय, दुराचार, नीतिविरोधी प्रवृत्ति, स्वेच्छाचार और एक कुँवारी कन्या के साथ किये गए दुर्व्यवहार के कारण उसके पतन की कहानी है।

ISBN 978-81-237-4910-5

78. स्मृति : एक प्रेम की

कृष्ण खटवाणी अनु. : मोतीलाल जोतवाणी पृ. 94 ₹ 100.00

यह उपन्यास मानवीय संबंधों के आकलन, गहन भावना और संवेदनशील कथानक के लिए सिंधी साहित्य में एक मील का पत्थर है।

ISBN 978-81-237-1460-8

79. स्वर्ण क्षेत्र में स्वागत है

महेन्द्र अनु. : जे.एल. रेड्डी पृ. 66 ₹ 85.00

मानव जीवन की स्पर्द्धामय परिस्थितियों को केंद्र में रखकर लिखा गया तेलुगु का उपन्यास। हिंदी अनुवाद साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत। ISBN 978 81-237-2915-2

80. स्वर्णलता

तिलोत्तमा मिश्र अनु. : चन्द्रमुखी जैन पृ. 192 **अनुपलब्ध**

उन्नीसवीं सदी के मध्य और शेष भाग में असम के भीतर सीमित सामाजिक, राजनीतिक आलोड़न और नारी जीवन में शिक्षा के प्रवेश से हुए परिवर्तन को चित्रित करता हुआ श्रेष्ठ उपन्यास।

ISBN 81-237-2426-8

81. स्वेच्छा

ओल्गा अनु. : आर. शांता सुंदरी पृ. 138 ₹ 60.00

नारी सशक्तीकरण की दिशा में अपने को समर्पित कर देने वाली कथा लेखिका ओल्गा का चर्चित नारीवादी उपन्यास। ISBN 978-81-237-4114-7

82. साउथाल

हरजीत अटवाल अनु. : सुभाष नीरव पृ. 272 ₹ 240.00

साउथाल एक अलग तरह का उपन्यास है जो लंदन के एक उपनगर 'साउथाल' में बसे भारतीय लोगों, विशेषकर पंजाबी लोगों की दैनिक कशमकश को बखूबी चित्रांकित करता है।

ISBN 978-81-237-6821-2

83. हरी पत्तियों की गाथा

रास्ना बरुआ अनु. : महेन्द्र नाथ दुबे पृ. 304 ₹ 90.00

असम जनपद और चाय-बागान की जीवन-पद्धति की उलझी-सुलझी स्थितियों, अमानवीय क्रियाकलापों, असंकोच, दैहिक आकर्षण और कामनाओं का मनोहर चित्र प्रस्तुत करता हुआ असमिया उपन्यास। ISBN 81-237-3912-5

84. हाल मुरीदों का

कर्त्तार सिंह दुग्गल अनु. : विजय चौहान पृ. 504 **अनुपलब्ध**

आजादी के पूर्व के पंजाब (अब पाकिस्तान) और आजादी के बाद के भारत के इतिहास का दस्तावेज और पंजाब के ग्रामीण जीवन के सजीव चित्रण के साथ विभाजन के समय भड़के दंगों की यथार्थ प्रस्तुति है यह उपन्यास। ISBN 81-237-0220-4

नाटक/एकांकी

1. आठ असमिया एकांकी और पियली फुकन

प्रफुल्ल दत्त गोस्वामी (संपा.) अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 268 ₹ 265.00

हास्य-व्यंग्य से लेकर हर तरह की गंभीरता से परिपूर्ण आठ असमिया एकांकियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-1240-6

2. गुजराती एकांकी

ए.एम.रावल (संपा.) अनु. : शशि शर्मा पृ. 192 ₹ 40.00

गुजराती साहित्य के बारह एकांकियों का महत्वपूर्ण संकलन, जिसमें गुजराती एकांकी साहित्य के प्रतिनिधि रूप साफ होते हैं। ISBN 978-81-237-4055-7

3. तीन पंजाबी नाटक (संकलन)

अनु. : कर्त्तार सिंह दुग्गल, बालकराम नागर पृ. 180 ₹ 50.00

बीसवीं शताब्दी के पाँचवें-छठे दशक में लिखे एवं विशेष रूप से चर्चित तीन पंजाबी नाटकों (लेखक : बलवंत गार्गी, कर्त्तार सिंह दुग्गल, संत सिंह सेखों) का संकलन। ISBN 81-237-4056-5

4. पं. लक्ष्मी नारायण मिश्र के श्रेष्ठ एकांकी

विश्वम्भर नाथ मिश्र (संपा.) पृ. 186 ₹ 180.00

भारत की राजनीतिक, सामाजिक व पारिवारिक स्थितियों का सटीक वर्णन करते, रोचक भाषा शैली में लिखे एकांकियों का संकलन। ISBN 978-81-237-6312-5

5. पूजाघर

जी. शंकर पिल्लई अनु. : राम नारायण सिंह पृ. 108 ₹ 125.00

'पूजाघर', 'स्नेहदूत' तथा 'काले देव की खोज' शीर्षक से तीन नाटकों का संग्रह। 'पूजाघर' में बुद्ध के जीवन और उपदेशों का नाट्य रूपांतरण है। ISBN 978-81-237-7945-4

6. नट सम्राट

वि.वा. शिरवाडकर अनु. : र.श. केलकर पृ. 84 **अनुपलब्ध**

मराठी नाटक की वैभवशाली सांस्कृतिक परंपरा के प्रतिनिधि नाटककार शिरवाडकर द्वारा लिखा गया नाटक, जो सामान्य व्यक्ति की दुखप्रद कहानी है और रमणीय भाषा शिल्प में है।

ISBN 81-237-1906-X

7. नये हिंदी लघु नाटक

नेमिचंद्र जैन (संपा.) पृ. 220 ₹ 190.00

इस संकलन में मोहन राकेश, विपिन कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र वर्मा, मणि मधुकर, रामेश्वर प्रेम, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, रमेश बक्षी, ललित मोहन थपलियाल, शांति मेहरोत्रा, शंभुनाथ सिंह आदि दस नाटककारों के लघु नाटक हैं।

ISBN 81-237-0765-7

8. नवान्न

बिजन भट्टाचार्य अनु. : नेमिचंद्र जैन पृ. 98 ₹ 35.00

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के समय में बंगाल जिस अकाल से जूझ रहा था और समाज में अमानवीयता का जो वातावरण फैला हुआ था, उसका जीवंत चित्र प्रस्तुत करता हुआ प्रसिद्ध बांग्ला नाटक।

ISBN 81-237-3776-9

9. मंदिर का हाथी

ओमचेरी एन.एन.पिल्लै अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम पृ. 70 ₹ 85.00

केरल के मंदिरों के उत्सवों-मेलों के अवसर पर प्रस्तुत की जाने वाली कथाओं के आधार पर लिखा गया यह मलयालम नाटक यथार्थ का लैंडस्केप है।

ISBN 978-81-237-2927-5

10. मेरे प्रिय नाटक

सुरेंद्र वर्मा पृ. 380 ₹ 375.00

प्रस्तुत संग्रह में पाँच नाटकों को संग्रहीत किया गया है। इन नाटकों की मूल विषयवस्तु भारतीय संस्कृति और इतिहास के विविध पक्षों को वर्तमान संदर्भ में उद्घाटित करती है। सभी नाटक मानवीय संबंधों में आए बिखराव और समसामयिक समस्याओं को केंद्र में रखकर लिखे गए हैं।

ISBN 978-81-237-7376-6

11. वनहँसी और श्वेत पद्म

मनोरंजन दास अनु. : शंकर लाल पुरोहित पृ. 108 **अनुपलब्ध**

ओड़िया के विलक्षण नाटक का हिंदी अनुवाद, जहाँ एक साथ मानव जीवन के कई उलझे सवालों को रेखांकित किया गया है।

12. समकालीन पंजाबी नाटक

चरन दास सिद्धू (संपा.) अनु. : अमरजीत कौर पृ. 108 ₹ 110.00

पंजाबी के तीन महत्वपूर्ण नाटकों का संकलन, जो विषय, तकनीक और प्रस्तुति—तीनों दृष्टियों से पंजाबी साहित्य को समृद्ध करता है।

ISBN 978-81-237-3216-9

13. हिंदी एकांकी

चन्द्रगुप्त विद्यालंकार (संपा.) पृ. 228 ₹ 185.00

यह हिंदी की दस प्रमुख एकांकियों का संकलन है। इसमें उदयशंकर भट्ट, रामकुमार वर्मा तथा अश्क जैसे महत्वपूर्ण एकांकीकारों के एकांकी संकलित हैं।

ISBN 978-81-237-2143-9

निबंध

1. काली माटी के अंचल से

कि.राजनारायणन अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम पृ. 208 **अनुपलब्ध**

तमिल से अनूदित इस पुस्तक में तमिलनाडु के ग्रामांचल की जनता के जीवन की समस्याएँ, उसके आचार-विचार, रहन-सहन आदि के दृश्य चित्रित हुए हैं। ग्रामीण अंचल की सुगंध से सुवासित इन निबंधों में लेखक के जनसंबंध भी दिखते हैं। ISBN 81-237-1879-9

2. आबेहयात

मो. हुसैन आजाद अनु. : जाफ़र रजा पृ. 176 ₹ 65.00

उर्दू भाषा साहित्य के उद्भव से लेकर सन् 1880 तक का प्रामाणिक इतिहास, जो उर्दू अदब की धरोहर है। ISBN 81-237-4244-4

3. गति और रेखा

विद्यानिवास मिश्र पृ. 132 ₹ 185.00

यह संचयन हिंदी की उस विधा की ओर संकेत करता है जो 'ललित निबंध' के रूप में जानी जाती है। इसमें संकलित निबंधों के रचनाकार हैं : प्रेमघन, अनाम, बनारसीदास चतुर्वेदी, रायकृष्ण दास, राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा, रघुवीर सिंह, अज्ञेय, रघुवंश, विद्यानिवास मिश्र और कृष्णनाथ।

4. गुजराती ललित निबंध

प्रवीण दरजी (संपा.) अनु. : गोपाल दास नागर पृ. 142 ₹ 35.00

गुजराती ललित निबंध के क्रमिक विकास एवं वर्तमान स्वरूप को चिह्नित करता श्रेष्ठ ललित निबंधों का एक संग्रह, जहाँ अपने वजूद के साथ साहित्य भी है और समाज भी।

ISBN 81-237-2942-1

5. डबरे पर सूरज का बिंब (मुक्तिबोध की गद्य रचनाएँ)

चंद्रकांत देवताले (संपा.) पृ. 280 ₹ 215.00

स्वातंत्र्योत्तर काल के हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ कवि एवं चिंतक गजानन माधव मुक्तिबोध के चुने हुए निबंधों का संकलन। ISBN 978-81-237-3880-2

6. देवी शंकर अवस्थी : संकलित निबंध

मुरली मनोहर प्रसाद (संपा.) पृ. 236 ₹ 180.00

हिंदी के श्रेष्ठ आलोचक देवी शंकर अवस्थी के चुने हुए निबंधों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5253-2

7. रामधारी सिंह दिनकर : संकलित निबंध

वीरेश कुमार (संपा.) पृ. 226 ₹ 180.00

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के श्रेष्ठ निबंधों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5244-0

8. भारत की पहचान

गिरीश्वर मिश्र (संपा.) पृ. 282 ₹ 285.00

भारत राष्ट्र, भारतीय मूल्य और परंपरा, भारत की सभ्यता, संस्कृति तथा भारत के लोक एवं धर्म के संबंध में मूर्धन्य विचारक-लेखक विद्यानिवास मिश्र के विचार आज भी बेहद प्रासंगिक

हैं। विद्वान लेखक गिरीश्वर मिश्र द्वारा उनके ऐसे ही 31 लेखों का संचयन 'भारत की पहचान' के रूप में प्रस्तुत किया गया है। ISBN978-81-237-8918-7

9. भारती की ललित रचनाएँ

पेरियस्वामि तूरन (संपा.) अनु. : सरस्वती रामनाथ पृ. 126 **अनुपलब्ध**

सुब्रह्मण्य भारती के ललित निबंधों के इस संकलन में भारती के विचार प्रतिबिंबित होते हैं। समकालीन समाज की विकृतियों को भारती के चिंतन ने जितना पैना और तर्कपूर्ण बनाया, वे अपने पूरे फलक के साथ यहाँ उपस्थित हैं। ISBN 81-237-1097-69

10. भूमंडलीकरण के दौर में : चुने हुए निबंध

प्रभाकर श्रोत्रिय पृ. 324 ₹ 270.00

प्रस्तुत निबंध संग्रह में लेखक ने समकालीन मुद्दों को केंद्र में रखा है। इस संग्रह में उनसठ निबंधों को संग्रहीत किया गया है। ISBN 978-81-237-7017-8

11. लेखिकाओं की दृष्टि में महादेवी वर्मा

चन्द्रा सदायत (संपा.) पृ. 236 ₹ 185.00

इस पुस्तक में संकलित महादेवी जी के समकालीन से लेकर आज तक की युवा लेखिकाओं के अठारह निबंधों में उनके संपूर्ण रचना संसार पर विचार किया गया है।

ISBN 978-81-237-5571-7

12. मैनेजर पांडेय : संकलित निबंध

पृ. 278 ₹ 215.00

हिंदी आलोचना में नई दृष्टि स्थापित करने वाले, समाजशास्त्रीय पद्धति से साहित्य चिंतन करने वाले प्रसिद्ध आलोचक मैनेजर पाण्डेय के चुने हुए आलोचनात्मक निबंधों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5248-8

13. व्यथा की बात

जोसफ मॅकवान अनु. : गोपालदास नागर पृ. 182 ₹ 175.00

उपन्यास के पाठ का आनंद देने वाले गुजराती रेखाचित्रों का सुसज्जित संकलन। प्रभाव में ये रचनाएँ पूरे देश के राग-द्वेष, जय-पराजय को उजागर करती हैं। ISBN 978- 81-237-3791-1

14. वाद्य वृंद

विद्यानिवास मिश्र पृ. 208 ₹ 90.00

एक पूरे दौर की भाषा, संस्कृति, कला, इतिहास, दर्शन, लोक और समाज को समेटता मूर्धन्य साहित्यकार विद्यानिवास मिश्र के 29 निबंधों का संकलन, जिसमें उनके यात्रा विवरण, संस्मरण, रेखाचित्र आदि को समाविष्ट किया गया है। ISBN 978-81-237-4330-1

15. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : संकलित निबंध

पृ. 248 ₹ 225.00

पुस्तक में न केवल राज्य, धर्म, विचारधारा, साहित्य, स्त्री, कविता आदि विविध विषयों पर तर्कपूर्ण, विचारपरक आकलन-विश्लेषण है वरन भारतीय साहित्य के अनेक पुरोधाओं की रचना एवं उनके रचनाकार-व्यक्तित्व पर भी आलोचनात्मक लेख हैं।

ISBN 978-81-237-7230-1

16. श्रेष्ठ पंजाबी गद्य रचनाएँ

कुलबीर सिंह कांग अनु. : कुलवंत कोछड़ पृ. 246 ₹ 200.00

बीसवीं सदी के प्रारंभ से लेकर अंत तक, पंजाबी निबंध लेखन में हर क्षेत्र से उभरकर आए चुनिंदा लेखकों की रचनाओं का श्रेष्ठ संचयन। ISBN 978-81-237-4784-2

17. संकलित पंजाबी निबंध

अमर कोमल (संपा.) अनु. : फूलचंद मानव पृ. 378 ₹ 480.00

पुस्तक में श्रद्धाराम फिल्लौरी, प्रो. पूर्ण सिंह आदि 58 लेखकों के पंजाबी निबंध संकलित हैं। गद्य के वर्तमान स्वरूप में समाज सुधार, धार्मिक उत्थान के प्रचार, ज्ञानविज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता के विषय, यात्राएँ आदि पर निबंध लिखे गए हैं। यह पुस्तक दो भागों में बाँटी गई है। संपादक की ओर से पुराने निबंधकारों के निबंध 'प्राचीन मिठास' और नए लेखकों के निबंध 'नया प्रकाश' शीर्षक के अधीन चुनकर यह पुष्प-गुच्छ तैयार किया गया है।

ISBN 978-93-549-1945-9

18. हजारीप्रसाद द्विवेदी : संकलित निबंध

नामवर सिंह (संपा.) पृ. 126 ₹ 125.00

हिंदी साहित्य की अविच्छिन्न विकास परंपरा को समृद्ध करने वाले आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के ललित निबंधों का ऐसा संकलन, जहाँ सामान्य ढंग से बहुत बड़ी-बड़ी बातें की गई हैं। गहन-गंभीर और दर्शन-प्रधान बातें भी यहाँ मनोरंजक, सहज, सरल और सुबोध हो जाती हैं।

ISBN 978-81-237-0534-7

19. हरिशंकर परसाई के निबंध

श्याम कश्यप (संपा.) पृ. 222 ₹ 180.00

हिंदी व्यंग्य को नवजीवन और नव दृष्टि देनेवाले प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की श्रेष्ठ रचनाओं का संकलन। ISBN 978-81-237-4889-4

व्यक्ति-चित्र

1. सूरज मंदिर की सीढ़ियाँ

सुरजीत पातर अनु. : सुखचैन **अनुपलब्ध**

पंजाबी की एक श्रेष्ठ कृति का हिंदी अनुवाद। इस पुस्तक में लेखक के कतिपय साहित्यिक मित्रों के संबंध में लेखक द्वारा रोचक भाषा में व्यक्ति-चित्र प्रस्तुत किया गया है।

हास्य-व्यंग्य

1. हिंदी हास्य-व्यंग्य संकलन

श्रीलाल शुक्ल, प्रेम जनमेजय (संपा.) पृ. 244 ₹ 230.00

भारतेन्दु काल से लेकर आज तक के हिंदी व्यंग्य साहित्य की गुणवत्ता का ग्राफ प्रस्तुत करता हुआ एक श्रेष्ठ संकलन, जिसमें उनचास प्रतिनिधि व्यंग्यकारों की प्रतिनिधि रचनाओं को संकलित किया गया है। ISBN 978-81-237-2055-5

समसामयिक साहित्य

1. 21वीं सदी की कहानियाँ

अनंत विजय (संच. व संपा.) पृ. 324 ₹ 330.00

21 कहानीकारों की 21 कहानियों का संचयन पुस्तक में किया गया है जिसमें कि कहानियों के माध्यम से अलग-अलग विषयों को उठाया और उसमें यथार्थ और कल्पना के रंग भरकर पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। ISBN978-81-237-8743-5

2. अंडमान की चुनिंदा कहानियाँ

व्यास मणि त्रिपाठी (संपा.) पृ. 108 ₹ 140.00

कालापानी का सेलूलर जेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों पर हुए बर्बर अत्याचारों का ऐसा अध्याय रहा है, जो तत्कालीन अंग्रेज सरकार की सामंतवादी सोच को उजागर करता है। कालापानी जैसे सुदूर क्षेत्र में रहकर हिंदी में कहानी लिखने वालों की रचनाएँ वास्तव में उस धरती के इतिहास, संस्कृति, संघर्ष, आचार-व्यवहार का जीवंत चित्र हैं। इस संकलन में ऐसे ही 16 लेखकों की कहानियों को संकलित किया गया है। ISBN 978-81-237-9251-4

3. अरविंद तिवारी : संकलित व्यंग्य

अरविंद तिवारी पृ. 122 ₹ 145.00

इस संकलन में प्रस्तुत 40 रचनाओं में व्यंग्य के प्रचलित रूप, यथा उपहास, कटाक्ष, आक्षेप, विनोद वचन, विडंबना आदि शामिल हैं। लोक जीवन और भोगे हुए यथार्थ की विषय-वस्तु वाले ये व्यंग्य भाषा की यथासंभव आम बोलचाल की शैली में हैं। हम चोरों के आभारी हैं, मास्टरजी जिंदा हैं, साहित्य की बैलेंस शीट, ईर्ष्या की सुनामी जैसे स्तरीय व्यंग्य पुस्तक में संगृहीत हैं।

ISBN 978-81-237-9535-5

4. अश्विनीकुमार दुबे : संकलित व्यंग्य

पृ. 200 ₹ 220.00

प्रस्तुत पुस्तक में संकलित 39 व्यंग्य रचनाएँ लेखक की व्यंग्य यात्रा को दर्शाती हैं। इन व्यंग्यों की यह विशेषता है कि इसमें लेखक ने व्यंग्य का पुट शामिल करने के लिए अपनी भाषा को नहीं बिगाड़ा। ये व्यंग्य रचनाएँ कहानी और निबंध की शक्ल में हैं। इसमें शामिल किए गए कुछ व्यंग्यों के विशय इस प्रकार हैं : शहर बंद, हाय! हम न हुए दिल्ली में, वर्मा जी व्यस्त हैं, चला मुरारी देश-सेवा करने, बिना पूँजी का धंधा, बारात और मंत्री जी, साहित्यिक जलसा, हाथ मिलाते रहिए, थाने में बजरंगबली, रामदीन बाबू की कथा आदि। ISBN 978-81-237- 8881-9

5. अज्ञेय : प्रतिनिधि निबंध

कृष्ण दत्त पालीवाल (संपा.) पृ. 276 ₹ 215.00

भारतीय साहित्य के कालजयी रचनाकारों में अग्रगण्य सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' के 32 निबंधों का संकलन। ISBN 978-81-237-6329-3

6. अज्ञेय की प्रतिनिधि कहानियाँ

कृष्णदत्त पालीवाल (संपा.) पृ. 206 ₹ 180.00

भारतीय साहित्य के कालजयी रचनाकारों में अग्रगण्य सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की इक्कीस कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-6253-1

7. अज्ञेय : संकलित कविताएँ

नामवर सिंह (चयन और भूमिका) पृ. 150 ₹ 85.00

भारतीय साहित्य के कालजयी रचनाकारों में अग्रगण्य सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की कविताओं का संग्रह। ISBN 978-81-237-6120-6

8. अब्दुल बिस्मिल्लाह : श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 160 ₹ 180.00

अब्दुल बिस्मिल्लाह की कहानियों की खासियत गरीब लोगों का जीवन-संघर्ष और पुरबिया बोली है। प्रस्तुत संकलन में लेखक की ऐसी ही 20 कहानियाँ संकलित की गई हैं जो कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के देशज जीवन के अभाव, सुख-दुख, पर्व, उल्लास आदि को रेखांकित व जीवंत करती हैं।

ISBN978-81-237- 8018-4

9. असग़र वजाहत : श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 186 ₹ 205.00

27 कहानियों के इस संग्रह में दुख-तकलीफ, गरीबी और शोषण के प्रति कथाकार की कसक और टीस एक धारदार व्यंग्य के रूप में उभरकर आई है। ISBN 978-81-237-7385-8

10. इतर प्रवासी महिला कथाकारों की कहानियाँ

डॉ. सुधा ओम ढींगरा (चयन एवं संपा.) पृ. 264 ₹ 270.00

संकलनकर्ता ने इस संग्रह को तैयार करते समय पाठकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ रचनाओं का चयन किया है। ISBN 978-81-237-7351-X

11. उद्भ्रांत : श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 142 ₹ 160.00

संघर्षशील सर्वहारा के पक्ष में उनके संघर्ष, दर्द, उनकी समस्या तथा श्रम और पूँजी के अंतर्विरोध आदि को रूपायित करती कवि-कथाकार की 14 कहानियों का संग्रह।

ISBN 978-81-237-7629-3

12. उर्मिला शिरीष की श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 208 ₹ 185.00

इस संग्रह में नौ कहानियाँ संग्रहीत की गई हैं। ये कहानियाँ समकालीन मानवीय संबंधों और संवेदनाओं को बड़े ही मार्मिक ढंग से उकेरती हैं। ISBN 978-81-237-7665-1

13. उषाकिरण खान : संकलित कहानियाँ

पृ. 140 ₹ 140.00

लेखिका की प्रस्तुत 21 कहानियों में स्त्री के करुणा और संघर्षशील जीवन की बयानी, भावनाओं का अछूतापन, सामाजिक दोगलापन, जातिभेद व लिंगभेद से जुड़ी समस्याओं को रेखांकित किया गया है। ISBN 978-81-237-7118-2

14. उषा यादव : संकलित कहानियाँ

पृ. 220 ₹ 175.00

आधुनिक हिंदी कथा-धारा की सुपरिचित महिला कथाकार की 21 चुनी हुई कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-5895-4

15. कमल कुमार : श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 250 ₹ 270.00

पारिवारिक विघटन, पारिवारिक रिश्तों की असंगतियाँ, सामाजिक विसंगतियाँ और सामाजिक दोगलापन, धर्मभेद, जातिभेद तथा लिंगभेद जैसी समस्याओं को केंद्र में रखकर बुनी गई, मानवीय अंतर्संबंधों की गहरी संवेदनाओं को रेखांकित करती बाईस कहानियों का पठनीय संग्रह।

ISBN 978-81-237-7390-2

16. कुबेरनाथ राय : संकलित निबंध

चयन एवं संपादन : *मनोज कुमार राय* पृ. 244 ₹ 315.00

यह पुस्तक कुबेरनाथ राय के 21 प्रसिद्ध निबंधों का संग्रह है। पुस्तक तथ्यपरक तथा पौराणिक कथाओं के माध्यम से प्रकृति-बोध के साथ-साथ जल, जंगल, पशु, पक्षी, दिवस, रात्रि और नक्षत्रों पर केंद्रित; 'सप्तऋषि-मंडल' की एक झाँकी प्रस्तुत करती है। पुस्तक पाठकों के लिए भारत तथा भारतीयता के विभिन्न आयामों से परिचय का माध्यम हो सकती है।

ISBN 978-93-5491-004-3

17. कुसुम अंसल : संकलित कहानियाँ

पृ. 256 ₹ 190.00

बेहतरीन कहानियों का संग्रह जिसमें वक्त की परछाइयाँ रचनात्मक धरातल पर मौजूद हैं। आप सहयात्री होना चाहेंगे। ISBN 978-81-237-6661-4

18. केदारनाथ अग्रवाल : संकलित कविताएँ

विश्वनाथ त्रिपाठी (चयन और भूमिका) पृ. 110 ₹ 155.00

केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं में सुख, सौंदर्य और श्रम की अभिव्यक्ति का स्वर मुखरित हुआ है। प्रगतिशील हिंदी कविता को कालजयी गरिमा देने वाली रचनाओं का संकलन।

ISBN 978-81-237-6122-0

19. कृष्णदत्त पालीवाल के प्रतिनिधि निबंध

कृष्णदत्त पालीवाल (संपा.) पृ. 266 ₹ 275.00

कृष्णदत्त पालीवाल द्वारा अलग-अलग समय पर लिखे गए निबंधों का यह संकलन पाठकों में एक दृष्टिपरक अंतर्योजना का अनुभव कराता है। इन निबंधों में वे तलाशते हैं कि रचनाकार अपने समय के सृजन-संकट की विडंबनाओं से किस तरह जूझा है, उसकी काव्यानुभूति की

निर्मिति का स्वरूप कैसा है। प्रस्तुत संकलन में विभिन्न साहित्यकारों को शामिल किया गया है; यथा–महादेवी वर्मा, रघुवीर सहाय, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, कुँवरनारायण, गिरिजाकुमार माथुर, शमशेर बहादुर सिंह, भवानी प्रसाद मिश्र, अज्ञेय, विजयदेव नारायण साही, धूमिल, राजकमल चौधरी, विनोद कुमार शुक्ल आदि। ISBN 978-81-237- 8829-0

20. गिरिराजशरण अग्रवाल : श्रेष्ठ व्यंग्य

गिरिराजशरण अग्रवाल पृ. 180 ₹ 195.00

लगभग पाँच दशक से एक कवि, आलोचक, कहानीकार, नाटककार, संपादक के रूप में सतत रचनाशील लेखक की 33 व्यंग्य रचनाओं का संकलन ISBN 978-81-237- 7880-5

21. गुरबक्श सिंह प्रीतलड़ी की चुनिंदा कहानियाँ

डॉ. बलदेव सिंह बद्दन (संच. एवं संपा.)अनु. : केवल गोस्वामी पृ. 512 ₹ 415.00

पंजाबी लेखक गुरबक्श की कहानियाँ घटना-प्रधान हैं। सभी जानते हैं कि गुरबक्श सिंह को भाषा एवं शैली के प्रयोग में महारथ हासिल है। अपनी कहानियों के माध्यम से प्रीतलड़ी ने जीवन की प्राचीन सामाजिक, नैतिक, धार्मिक एवं पारंपरिक मूल्यों के स्थान पर नए जीवन के मूल्यों से परिचय करवाकर पंजाबी भाषा, साहित्य को और सभ्याचार को नई दिशा दी है। इस संचयन में उनकी 48 अनूदित कहानियाँ हैं। ISBN978-81-237-7788-4

22. गोपबंधु चयनिका

प्रीतीश आचार्य (संक. एवं संपा.) अनु. : अरुण होता पृ. 294 ₹ 280.00

बीसवीं शताब्दी के समय में गोपबंधुदास की भूमिका उल्लेखनीय रही है। इस पुस्तक में इनके कुछ चुने हुए निबंध संग्रहीत हैं। ISBN 978-81-237-7169-4

23. गोपाल चतुर्वेदी : संकलित व्यंग्य

पृ. 174 ₹ 150.00

वर्तमान समय के महत्वपूर्ण व्यंग्य हस्ताक्षर के तीस व्यंग्यों का संकलन।

ISBN 978-81-237-6305-7

24. गोपाल सिंह नेपाली : संकलित कविताएँ

नंदकिशोर नंदन (संपा.) पृ. 208 ₹ 160.00

प्रखर प्रतिभा के धनी राष्ट्रवादी चेतना से संपृक्त गोपाल सिंह नेपाली की चर्चित और महत्वपूर्ण रचनाओं का संचयन है यह कविता पुस्तक। ISBN 978-81-237-6657-7

25. गोरख पाण्डेय के भोजपुरी गीत

जीतेन्द्र वर्मा (संपा.) पृ. 36 ₹ 30.00

किसान आंदोलन और प्रगतिशील विचारधारा से गहरे रूप में जुड़े रहे कवि एवं चिंतक गोरख पाण्डेय के भोजपुरी गीतों का संकलन। ISBN 978-81-237-5699-8

26. गोविंद मिश्र : श्रेष्ठ कहानियाँ पृ. 324 ₹ 280.00

वरिष्ठ रचनाकार की ये कहानियाँ पाठकों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करती हैं; साथ ही उन्हें संस्कारों के प्रति तैयार भी करती हैं। निस्संदेह संग्रह की कहानियाँ रोचक तो हैं ही, साथ ही भारतीयता का बोध कराने में भी समर्थ हैं। ISBN 978-81-237-7836-5

27. चंद्रधर शर्मा गुलेरी की चर्चित कहानियाँ

पीयूष गुलेरी, प्रत्यूष गुलेरी (संपा.) पृ. 44 ₹ 75.00

'उसने कहा था' से चर्चित कथाकार गुलेरी जी की ज्ञात और प्राप्त तीनों कहानियाँ संकलित हैं इस संकलन में। ISBN 978-81-237-5376-8

28. चंद्रधर शर्मा गुलेरी की संकलित कहानियाँ

कृष्णदत्त पालीवाल (संक.) पृ. 68 ₹ 110.00

सन् 1916 में 'सरस्वती' में प्रकाशित कहानी 'उसने कहा था' से चर्चा में आए गुलेरी जी की अन्य पाँच कहानियाँ और उनके विस्तृत रचना-संसार का परिचय करवाती पुस्तक।

ISBN 978-81-237- 7946-1

29. चंद्रकांता : संकलित कहानियाँ

पृ. 316 ₹ 235.00

समकालीन महिला लेखक में एक विश्वसनीय नाम। इनकी कहानियाँ पढ़ते हुए ऐसा लगता है मानो सामने कोई दृश्य चल रहा है और आप हतप्रभ-से बैठे हैं। कभी स्थितियाँ आपको रोमानी बनाती हैं तो कभी विपरीत स्थितियों से जूझने की शक्ति भी प्रदान करती हैं।

ISBN 978-81-237-6901-6

30. चित्रा मुद्गल : संकलित कहानियाँ

पृ. 248 ₹ 185.00

वरिष्ठ कथाकार की जमीन से जुड़ी कहानियों का संग्रह। ISBN 978-81-237-5707-3

31. जयनंदन : संकलित कहानियाँ

पृ. 318 ₹ 330.00

भारतीय संस्कारों और रिश्तों को समझाने में जयनंदन की कहानियाँ सर्वोपरि हैं। कहानियों में मानवीय संवेदना और सरोकार उभरकर आए हैं। बेहतरीन कहानियों का संग्रह।

ISBN 978-81-237-7416-9

32. जीवन संग्राम के योद्धा

दिव्यांग पात्रों की प्रसिद्ध कहानियाँ

संध्या कुमारी (संपा. एवं संक.) पृ. 404 ₹ 410.00

क्या वर्ग, वर्ण, लिंग, परिवेश और दिव्यांगता के प्रकार की भिन्नता के कारण दिव्यांगों की समस्याएँ भिन्न-भिन्न हो जाती हैं? उन्हें रोज़मर्रा की ज़िंदगी में किन समस्याओं से रू-ब-रू होना पड़ता है, उनकी मुख्य और गौण समस्याएँ कौन-कौन सी हैं? इन प्रश्नों से संवाद करती, हिंदी के प्रख्यात लेखकों की 30 कहानियाँ इस संकलन में शामिल की गई हैं। इस संकलन के माध्यम से यह देखने का प्रयास किया गया है कि इन कहानियों में अभिव्यक्त दिव्यांग पात्रों की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्थिति कैसी है? इसमें 1900 ई. से अब तक की हिंदी की उन चुनिंदा कहानियों को लिया गया है जिनमें दिव्यांगता के किसी-न-किसी पहलू को स्पर्श किया गया है। ISBN 978-81-237- 8727-8

33. ज्ञान चतुर्वेदी : श्रेष्ठ व्यंग्य

पृ. 262 ₹ 235.00

अत्यंत व्यंग्य की तीसरी पीढ़ी के सर्वाधिक सक्रिय व चर्चित व्यंग्यकार की व्यंग्य रचनाओं का विशिष्ट आस्वाद पुस्तक में प्रस्तुत हुआ है। सामाजिक विसंगतियों पर प्रहारक की भूमिका लिए तरकश संपन्न रचनाकार के कुछ चयनित व्यंग्य। ISBN 978-81-37-7682-8

34. तेजेन्द्र शर्मा की श्रेष्ठ कहानियाँ

तेजेन्द्र शर्मा भूमिका : मैत्रेयी पुष्पा पृ. 256 ₹ 280.00

तेजेन्द्र शर्मा का जन्म व शिक्षा तो भारत में ही हुई, लेकिन जीवकोपार्जन के लिए लंदन गए तो वहीं के हो गए। उनकी कहानियों में प्रवासी भारतीयों की दिक्कतों, मनोदशा और दुविधाओं पर जोर दिया गया है। संकलन में उनकी 21 कहानियाँ हैं। ISBN 978-81-37-7409-1

35. नए हिंदी लघु नाटक

नेमिचंद जैन (संपा.) पृ. 250 ₹ 190.00

मोहन राकेश से लेकर शंभुनाथ सिंह तक कुल ग्यारह नाटककारों के नाटकों का संकलन है यह।

ISBN 978-81-237-0765-5

36. नरेंद्र कोहली : श्रेष्ठ व्यंग्य

नरेंद्र कोहली पृ. 200 ₹ 205.00

व्यंग्य लेखन में अपनी स्पष्टवादिता और कथ्य-वैविध्य के लिए मशहूर लेखक के 31 व्यंग्य रचनाओं का संकलन। ISBN 978-81-237-7881-5

37. नरेन्द्र मोहन : श्रेष्ठ नाटक

पृ. 302 ₹ 290.00

कवि, आलोचक और नाटककार डॉ. नरेन्द्र मोहन के पाँच चर्चित नाटकों का संकलन।

ISBN978-81-237- 7910-0

38. नलिन विलोचन शर्मा : संकलित निबंध

गोपेश्वर सिंह (संक.) पृ. 250 ₹ 210.00

आलोचना के क्षेत्र में मनुष्य और समाज-सापेक्ष साहित्यिक दृष्टांत को प्रस्तुत करती श्रेष्ठ रचनाओं का संकलन। ISBN 978-81-237-5876-3

39. नागार्जुन : चयनित कविताएँ

मैनेजर पांडेय (चयन एवं संपादन) पृ. 268 ₹ 240.00

हिंदी के प्रगतिशील कवि बाबा नागार्जुन की कविताओं का संकलन। संकलन में हिंदी, मैथिली, बांग्ला और संस्कृत में लिखी गई चुनिंदा कविताएँ संग्रहीत हैं।

ISBN 978-81-237-5903-6

40. नागार्जुन : चयनित निबंध

शोभाकान्त (चयन एवं संपादन) पृ. 206 ₹ 160.00

साहित्य सृजन और घुमक्कड़ी के साथ देश भर में चल रहे जनपक्षीय संघर्षों एवं सामाजिक सरोकारों से गहरे रूप में जुड़े रहे बाबा नागार्जुन द्वारा समय-समय पर लिखे गए महत्वपूर्ण निबंधों का संग्रह। ISBN 978-81-237-5989-0

41. नामवर सिंह : संकलित निबंध

पृ. 214 ₹ 175.00

प्रख्यात समालोचक प्रो. नामवर सिंह के निबंधों का संग्रह। बुद्धिजीवियों और शोधार्थियों के लिए एक अनुपम पुस्तक है। ISBN 978-81-237-5863-3

42. नज़ीर अकबराबादी

(अहवाल ओ इंतिख़ाब) *इब्ने कँवल (संपा. एवं अनु.)* पृ. 157 ₹ 160.00

नज़ीर अकबराबादी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर एक महत्वपूर्ण एवं प्रामाणिक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7168-7

43. नासिरा शर्मा : संकलित कहानियाँ

पृ. 386 ₹ 280.00

चर्चित कथाकार की बेहतरीन कहानियाँ जो आपको अपना बना लेने में कामयाब हैं। बहुत ही खूबसूरत कहानियाँ इसमें सम्मिलित की गई हैं। ISBN 978-81-237-6767-3

44. नीरजा माधव : संकलित कहानियाँ पृ. 250 ₹ 280.00

कथा या कहानी के माध्यम से जीवन की पुनर्रचना मनुष्य के भीतर ऊर्जा का संचार करती है और उसे अपने मूल से जोड़े रखती है। पुस्तक में 21 कहानियों का संकलन है। इन कहानियों में अधिकांश के पीछे समाज का मनोविज्ञान है जो समय-समय पर कहानी लिखने के लिए विषय चुनकर लेखिका को देता रहा। समाज से कोई विषय चुनना और फिर उसे अपनी नवकल्पनात्मकता से कथा का एक नया स्वरूप देना भी एक ऐसी ही कला है जिसका उद्देश्य समाज को परिष्कृत करना और मनुष्य को एक संवेदनशील मनुष्य में परिणत करना होता है। ISBN 978-81-237-8186-0

45. पुष्पा सक्सेना : संकलित कहानियाँ पृ. 218 ₹ 205.00

प्रस्तुत संकलन में लेखिका के विदेश-प्रवास के दौरान लिखी गई 20 कहानियाँ हैं जिनमें जीवन के इंद्रधनुषी रंगों की छटा है। ISBN 978-81-237-7117-5

46. पृथ्वीराज मोंगा : संकलित कहानियाँ

पृ. 164 ₹ 140.00

मध्यवर्ग की समस्याओं, संकटों, व्यथाओं और आकांक्षाओं को प्रदर्शित करती हुई पृथ्वीराज मोंगा की इक्कीस कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5326-3

47. प्रेम जनमेजय : संकलित व्यंग्य

पृ. 180 ₹ 160.00

प्रेम जनमेजय सामयिक हिंदी व्यंग्य लेखन में अपने प्रखर रचनात्मक लेखन के द्वारा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परसाई, जोशी, त्यागी एवं श्रीलाल शुक्ल की पीढ़ी के बाद सामयिक व्यंग्य को वैसा ही सुदृढ़ आधार देने में प्रेम जनमेजय का लेखन उसे एक सशक्त एवं गंभीर आधार दे रहा है। ISBN 978-81-237-6995-0

48. बलराम : संकलित कहानियाँ

पृ. 156 ₹ 160.00

बलराम की कहानियाँ भारतीय ग्राम और नगर जीवन पर केंद्रित कुछ वैसी ही कहानियाँ हैं, जैसी प्रेमचंद और रेणु ने लिखी हैं। इनकी कहानियों में एक तरफ प्रेमचंद जैसी आम बोलचाल की सहज-सरल भाषा है तो दूसरी तरफ रेणु जैसी आंचलिकता भी। ISBN 978-81-237-6990-5

49. भारतीय कला के अंतर्संबंध

नर्मदा प्रसाद उपाध्याय पृ. 127 ₹ 160.00

नौ निबंधों का संकलन है जिनके माध्यम से भारत के साहित्य और कला में अंतर्संबंध, उसके प्रति लोक दृष्टि, फारसी तथा भारतीय लघुचित्र परंपराओं का विलय, मध्यकालीन चित्र शैलियों को प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-9384-9

50. भीष्म साहनी : संकलित कहानियाँ

भीष्म साहनी पृ. 248 ₹ 245.00

महान कथाशिल्पी, हिंदी कहानी के नए स्वरूप के सृजक, श्रेष्ठ अनुवादक और विचारक भीष्म साहनी की ऐसी 22 कहानियों का संकलन जिन्हें कालजयी कहा जाता है।

ISBN 978-81-237-7883-9

51. ममता कालिया : संकलित कहानियाँ

पृ. 252 ₹ 200.00

इन कहानियों में सातवें दशक के बाद के जीवन और जगत की हलचल महसूस की जा सकती है जब भारतीय समाज में परिवर्तन हो रहा था। इन कहानियों को सहज स्त्री लेखन के कोष्ठक में सीमित नहीं किया जा सकता, क्योंकि इसमें समूचे समाज की संघर्षधर्मिता विभिन्न पात्रों और स्थितियों द्वारा व्यक्त हुई है। ISBN 978-81-237-6998-1

52. महीप सिंह : संकलित कहानियाँ

पृ. 238 ₹205.00

कथाकार महीप सिंह अपनी बिंदास कहानियों के लिए जाने जाते हैं। ऐसी कहानियों से आप रूबरू हो सकते हैं, इनसे जुड़ सकते हैं, ऐसा हमारा मत है।

ISBN 978-81-237-6496-2

53. महेश दर्पण : संकलित कहानियाँ पृ. 224 ₹ 255.00

इस दौर के चर्चित लेखक महेश दर्पण की 27 कहानियों के इस संकलन की रचनाएँ बगैर कोई उत्तेजना पैदा किए अपनी विषय-वस्तु के माध्यम से पाठक को अपने से जोड़ती हैं।

ISBN 978-81-237-8104-4

54. मार्कण्डेय की श्रेष्ठ कहानियाँ

अनुज (संक. व भूमिका) पृ. 228 ₹ 220.00

25 बेहतरीन कहानियों का संचयन। ग्रामीण व आंचलिक परिवेश पर लिखी इन कहानियों में निम्न, निम्न-मध्यम व मध्य वर्ग के जीवन का संघर्ष झलकता है।

ISBN 978-81-237-7741-2

55. मालती जोशी : प्रतिनिधि साहित्य (स्त्री विमर्श : सृजनात्मक संसार)

डॉ. कमल किशोर गोयनका, प्रो. अवनिजेश अवस्थी, कृष्णा शर्मा (संपा.)

पृ. 374 ₹ 360.00

प्रख्यात कथाकार और उपन्यासकार मालती जोशी के बृहत् रचना-संसार का एक प्रतिनिधि संकलन, जिसमें उनके उपन्यास, कहानी, लेख, साक्षात्कार आदि अनेक विधाओं की रचनाओं का सुंदर समावेश हुआ है। इस शृंखला में एक लेखक के संपूर्ण सृजनात्मक अवदान को एक जिल्द में प्रस्तुत करने की कोशिश की गई है। ISBN 978-81-237-8959-0

56. मिथिलेश्वर : संकलित कहानियाँ

पृ. 316 ₹ 240.00

जीवन से जुड़े कथाकार की कहानियाँ आपको जमीन से, यकीन से और विश्वास से जोड़ने में सक्षम हैं। अपनेपन का, उमंग का और आश्वस्ति का भाव इन रचनाओं में देखने को मिलता है। हिंदी के सुपरिचित कथाकार मिथिलेश्वर की भारतीय जनमानस के विभिन्न पक्षों को केंद्र में रखकर लिखी गई 23 कहानियों का संग्रह। ISBN 978-81-237-5755-1

57. मीनाक्षी स्वामी : संकलित कहानियाँ पृ. 146 ₹ 170.00

हिंदी कथा साहित्य की सशक्त हस्ताक्षर मीनाक्षी स्वामी के इस संकलन में उनकी 19 नायाब कहानियाँ हैं। प्रत्येक कहानी एक नई भावभूमि पर स्थित है। ये कहानियाँ शोषण पर समाप्त नहीं होती बल्कि शोषित दुगुने हौसले से परिवेश को बदलने की कोशिश करता दिखाई देता है। कल्पना, अनुभूति और यथार्थ का सहज संयोजन इन कहानियों को विशेष बनाता है। प्रवहमान भाषा और कलात्मक शब्दचित्र पाठक को बाँधे रखेंगे। ISBN 978-81-237- 8800-2

58. मीरा सीकरी : संकलित कहानियाँ

पृ. 122 ₹ 120.00

समाज के हाशिये पर, निचली सतहों पर जीवनयापन करने वाले लोगों की जिंदगी की गहराई में जाकर उन्हीं की भाषा में उनकी स्थितियों और मनोदशाओं का संवेदनात्मक एवं बेलाग चित्रण करती 21 कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-6909-7

59. रमा प्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी' : संकलित कहानियाँ

गंगा प्रसाद विमल (संक.) पृ. 274 ₹ 275.00

सन 1927 से लगातार पचास साल तक सृजनशील रहे पहाड़ी जी की कहानियाँ, पहाड़ के जटिल जीवन का सच्चा आईना है। जीवन का कठोर यथार्थ उनकी रचनाओं की भावभूमि रहा है।

ISBN 978-81-237- 7922-4

60. राजी सेठ की श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 214 ₹ 220.00

आधुनिक भावबोध के आधार पर जीवनानुभवों, आधुनिक जीवन के सूक्ष्म-जटिल तनावों, द्वंद्वों और संघर्षों को व्यक्त करती 24 कहानियों का उत्कृष्ट संग्रह। ISBN 978-81-237-7359-9

61. राजेन्द्र मोहन भटनागर : संकलित कहानियाँ

पृ. 272 ₹ 280.00

प्रस्तुत कहानी संग्रह में मानव मन से संवाद उठाते हुए अपनी पठनीयता का जादुई प्रभाव छोड़ने वाली 20 रचनाओं को संकलित किया गया है। कुछ कहानियों के शीर्षक इस प्रकार हैं–दीया तले अँधेरा, मीनुदी, लाजो, गौरेया, सुराज की ओर आदि। ISBN 978-81-237- 8866-5

62. राजेश जैन : श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 268 ₹ 265.00

हिंदी साहित्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे शुष्क और नीरस विषय पर कहानियों का लेखन एक दुर्लभ किस्म की बात है। किंतु, राजेश जैन ने इसी विषय पर कहानी-लेखन को अपनी विशिष्टता बना ली। एक आम पाठक भी इन कहानियों को बड़ी रुचि और तत्परता से पढ़ना चाहेगा।

ISBN 978-81-237-8803-6

63. रामदरश मिश्र की संकलित कहानियाँ

पृ. 182 ₹ 215.00

वरिष्ठ कथाकार की प्रस्तुत कहानियाँ इतनी आत्मीय शैली में लिखी गई हैं कि पाठक उन्हीं में कहीं रच-बस जाता है। पाठकों के मनोविज्ञान को लेखक ने अपनी रचनाओं में व्यक्त किया है।

ISBN 978-81-237-5909-8

64. रामदेव धुरंधर : संकलित कहानियाँ

पृ. 252 ₹ 260.00

दूर देश मॉरिशस में रहकर हिंदी सीखने और उसके बाद हिंदी की लगभग सभी विधाओं में लिखने वाले श्री धुरंधर ने प्रस्तुत कहानी संग्रह में परिवार, संस्कृति, समाज, प्रेम, रिश्ते आदि के स्वाभाविक रूपों को शब्द दिए हैं। कुछ कहानियों के शीर्षक इस प्रकार हैं–नराधम, सीमांत, कारा-पक्ष, उजाले की दहलीज, परिदृश्य आदि। ISBN 978-81-237- 8936-5

65. रामधारी सिंह दिवाकर : संकलित कहानियाँ

पृ. 204 ₹ 220.00

प्रस्तुत कहानी संग्रह में लेखक ने गाँव में गाँव खोजने की पीड़ा को दर्शाया है। इनकी कहानियों में गाँव पुरानी अवधारणा के नहीं, अपितु बदलते हुए गाँव हैं जिसमें केवल खेती-बाड़ी ही नहीं होती बल्कि राजनीतिक उठा-पटक, जातिवाद, अत्याचार-भ्रष्टाचार, चुनावी जंग, दलबंदी आदि भी शामिल हैं। इन्हीं बदलते गाँवों की तस्वीर को लेखक ने अपनी कथा का उपजीव्य बनाया है। कुछ कहानियों के शीर्षक इस प्रकार हैं–काकपद, प्रमाण-पत्र, सरहद के पार, सदियों का पड़ाव, माटी-पानी, मखान पोखर, सूखी नदी का पुल, गाँठ, इस पार के लोग आदि।

ISBN 978-81-237- 8828-2

66. रामविलास शर्मा : संकलित निबंध

संपा. : अजय तिवारी पृ. 480 ₹375.00

प्रस्तुत संकलन में आधुनिक साहित्य के सुप्रसिद्ध आलोचक, निबंधकार, विचारक एवं कवि के सैद्धांतिक कार्य की झलक एवं साहित्येतिहास की समस्याओं और उपलब्धियों का परिचय मिलेगा।

ISBN 978-81-237-6656-0

67. वंदना मुकेश : संकलित कहानियाँ

वंदना मुकेश पृ. 98 ₹ 125.00

यह 12 कहानियों का संकलन है, जिसमें बचपन से लेकर आज तक के आस-पास के अनुभवों व घटनाओं को उन्होंने कहानियों के जरिए पाठकों तक पहुँचाने का प्रयास किया है। इसमें मशीन, छाँह, घर, ऋण, साजिदा नसरीन, छोटी-सी बात, चाची, गॉड ब्लैस यू, फ्री लंच, बिल्ली, तस्वीरें बोलती हैं, आदि रचनाएँ हैं। ISBN 978-81-237-9346-7

68. विद्यासागर नौटियाल : संकलित कहानियाँ

पृ. 258 ₹ 235.00

समाज की विसंगतियों को बहुत ही स्वाभाविक ढंग से प्रस्तुत करती नौटियाल जी की रचनाएँ हमें अपना सहयात्री बनाती हुई संग ले चलती हैं। ISBN 978-81-237-6854-0

69. वेणु गूँजै, गगन गाजै

डॉ. श्रीराम परिहार पृ. 214 ₹220.00

भारतीय ललित निबंध ने विभिन्न सभ्यताओं और परंपराओं को अपने साथ लिया है और अपनी एक समग्र दृष्टि विकसित की है। इस पुस्तक में लेखक के लिखे कुल 24 निबंध सम्मिलित हैं। इन निबंधों के लिए कच्चा माल उन्होंने लोक-रंग, समाज और प्रकृति से प्राप्त किया है।

ISBN 978-81-237-9115-9

70. शमशेर बहादुर सिंह : संकलित कविताएँ

गोपेश्वर सिंह (चयन और भूमिका) पृ. 172 ₹155.00

प्रेम, प्रकृति, नारी सौंदर्य, व्यक्ति, समाज, राजनीति, समता, संघर्ष और शांति जैसे अनेक स्वरों और स्तरों की कविताओं का संकलन। ISBN 978-81-237-6122-0

71. स्वयं प्रकाश : संकलित कहानियाँ

पृ. 280 ₹ 295.00

स्वयं प्रकाश की सौंदर्य दृष्टि का सम्यक उद्‍घाटन उनकी कहानियों में हुआ है। आम आदमी के पक्ष में खड़े किसी रचनाकार के सौंदर्य चेतना की बानगी हैं ये कहानियाँ। संकलन की कुछ कहानियों के शीर्षक इस प्रकार हैं–संधान, अकाल मृत्यु, प्रतीक्षा, संक्रमण, बलि आदि।

ISBN 978-81-237- 8802-9

72. संस्कृत आलोचना की भूमिका

अवधेश कुमार सिंह पृ. 132 ₹ 170.00

इतिहास तथा विचार-समृद्धि के स्तर पर संस्कृत आलोचना विश्व की श्रेष्ठतम आलोचना परंपरा है जिसमें साहित्य तथा कला के विविध आयामों की व्यापक चर्चा की गई है। प्रस्तुत पुस्तक संस्कृत आलोचना को सरल, संक्षिप्त, बोधगम्य एवं तर्कबद्ध में प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-7913-3

73. सरोजनी प्रीतम : श्रेष्ठ हास्य-व्यंग्य

पृ. 160 ₹ 175.00

कुल 38 लेखों का यह हास्य-व्यंग्य संग्रह पाठकों को व्यक्ति-समाज-व्यवस्था की विसंगतियों, विद्रूपताओं को उसके 'बेअर फॉर्म' में दिखाने और उनके प्रति सचेत करने का उपक्रम है।

ISBN 978-81-237-7420-6

74. साहित्य और समाज की बात

देवशंकर नवीन पृ. 293 ₹300.00

आज के बदलते परिवेश में भाषा, साहित्य और समाज में भी काफी परिवर्तन आया है। उक्त चिंतनीय दशा को इस पुस्तक में भाषा, साहित्य और समाज–तीन खंडों और 33 छोटे-बड़े आलेखों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-9266-8

75. सिम्मी हर्षिता की श्रेष्ठ कहानियाँ

सिम्मी हर्षिता पृ. 216 ₹ 220.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखिका की बीस लंबी कहानियों को संग्रहीत किया गया है। सभी कहानियाँ मानवीय संबंधों में व्याप्त खालीपन, दिखावों और स्वार्थों की बीच फँसी एक ईमानदार ज़िंदगी

की संघर्ष-व्यथा दिखलाई पड़ती है। इन कहानियों में अपनी शर्तों में जीवन जीने की जीवटता हमें हर जगह मिलती है। ISBN 978-81-237-8869-2

76. सीतेश आलोक : संकलित कहानियाँ

पृ. 252 ₹ 200.00

प्रस्तुत कहानी संग्रह में लेखक ने उनके आसपास घटी घटनाओं, व्यक्तियों और प्रतिक्रियाओं को शब्दों में पिरोकर कथा का स्यरूप दिया है। कुछ कहानियों के शीर्षक इस प्रकार हैं–आजाद पंक्षी, साथ, नकटे, अंधा सवेरा आदि। ISBN 978-81-237- 8923-8

77. सुदर्शन : संकलित कहानियाँ

स्मिता चतुर्वेदी (संपा.) पृ. 208 ₹ 215.00

सुदर्शन की कहानियों का मुख्य लक्ष्य समाज व राष्ट्र को स्वच्छ व सुदृढ़ बनाना रहा है। उन्होंने अपने युग में सात्विक पाठ्य सामग्री के माध्यम से हिंदी पाठकों को मूल्य दृष्टि प्रदान की। अपनी समग्रता में उनके युग की बौद्धिक यात्रा का आनंद देती 21 कहानियों का संग्रह।

ISBN 978-81-237-7077-2

78. सुभाष चंदर : श्रेष्ठ व्यंग्य

सुभाष चंदर पृ. 212 ₹ 220.00

व्यंग्य विधा एवं आलोचना के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान रखने वाले सुभाष चंदर की रचनाओं में किस्सागोई के साथ-साथ गंभीर सच्चाइयों का खुलासा भी है। इस संकलन में उनकी 40 रचनाएँ शामिल हैं। ISBN 978-81-237-7880-6

79. सुरेश उनियाल : श्रेष्ठ कहानियाँ

पृ. 240 ₹ 215.00

एक सिद्धहस्त कथाकार की मानवीय संबंधों की गरिमा को दर्शाती तथा मानवीय अनुभवों का बयान करती 24 कहानियों का पठनीय संग्रह। ISBN 978-81-237-7725-2

80. सूर्यबाला : संकलित कहानियाँ

पृ. 212 ₹ 170.00

गाँव से नगर, नगर से महानगर और महानगर से विदेशों तक स्वच्छंद विचरण करतीं पाठकों के साथ आत्मीयता और संवेदना के स्तर पर उन्हें अपने साथ जोड़े रखने वाली पंद्रह कहानियों का पठनीय संकलन। ISBN978-81-237-6573-0

81. सूरज प्रकाश : संकलित कहानियाँ

पृ. 400 ₹ 375.00

सामयिक विषयों पर पठनीय और रोचक भाषा-शैली में लिखी कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-7358-2

82. हरीश नवल : संकलित व्यंग्य

पृ. 152 ₹ 150.00

युवा ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित देश के चर्चित व्यंग्यकार की रचनाओं का चुटीला व्यंग्य संग्रह; जो बेहद ही महीन मार करने में सक्षम है। ISBN 978-81-237-7163-2

83. हसन जमाल : श्रेष्ठ कहानियाँ

हसन जमाल पृ. 178 ₹ 185.00

ये कहानियाँ किसी दावे, फतवे, आंदोलन से जुड़ी न होकर जीवन से सरोकार रखने वाली आसपास की घटनाओं के सहज ताने-बाने में बुनी गई हैं। ISBN978-81-237- 7864-7

84. हृषिकेश सुलभ : संकलित कहानियाँ

पृ. 252 ₹ 265.00

प्रस्तुत कहानी संग्रह में लेखक ने मनुष्य के अपने सपनों को साकार करने के लिए किये गए संघर्ष, उसके द्वंद्व और बदलते समाज की कहानियों को उकेरा है। कुछ कहानियों के शीर्षक इस प्रकार हैं–हबि डार्लिंग, खुला, भुजाएँ, पांडे का पयान आदि।

ISBN 978-81-237- 8923-8

85. हृदयेश : संकलित कहानियाँ

पृ. 334 ₹ 240.00

वरिष्ठ हिंदी कथाकार हृदयेश की कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-6136-7

86. हिंदी की आरंभिक कहानियाँ

गंगा प्रसाद विमल (संपा.) पृ. 234 ₹ 205.00

सुपरिचित रचनाकारों की हिंदी की श्रेष्ठ आरंभिक कहानियों का उम्दा संकलन।

ISBN 978-81-237-6423-8

87. हिंदी की प्रमुख व्यंग्य लेखिकाएँ

कृष्ण कांत 'एकलव्य' (संक.) पृ. 96 ₹ 100.00

व्यंग्य लेखिकाओं की रचनाओं का एक बेहतरीन गुलदस्ता, जो आपको बेहद पसंद आएगा, साथ ही गुदगुदाएगा भी। ISBN 978-81-237-6815-1

88. हिमांशु जोशी : संकलित कहानियाँ

पृ. 188 ₹ 65.00

हिमांशु जोशी की श्रेष्ठ कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5334-8

89. ज्ञानरंजन : संकलित कहानियाँ

पृ. 146 ₹ 130.00

जीवंत, सारवान और विकासोन्मुख की लगातार तलाश करती एक खास कड़वे, कसैले और कामिकल स्वर में मध्यवर्ग की कोशिशों को उकेरती चर्चित कहानियाँ।

ISBN 978-81-237-6674-2

भारतीय साहित्य निधि

1. आत्मजीवनचरित

फकीरमोहन सेनापति अनु. : श्रीनिवास उद्गाता पृ. 200 **अनुपलब्ध**

फकीरमोहन सेनापति (1843-1918) ने आधुनिक ओड़िया गद्य की शुरुआत तो की ही है, ओड़िया में प्रिंटिंग प्रेस लगाने में भी वे अग्रणी रहे हैं। एक लेखक के रूप में फकीरमोहन इतने महान थे कि ओड़िया पाठक और समालोचक उन्हें आदरपूर्वक 'व्यास कवि' कहकर पुकारते हैं।

ISBN 81-237-0630-8

2. इंदुलेखा

ओ. चंतु मेनन अनु. : सुधांशु चतुर्वेदी पृ. 230 ₹ 380.00

पहली बार सन् 1989 में प्रकाशित प्रस्तुत उपन्यास में लेखक ने केरल की तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था और विशेषकर नायर परिवारों में स्त्री की स्थिति को प्रतिपादित किया है।

ISBN 81-237-0744-4

3. ईशावास्योपनिषद

उमाशंकर जोशी अनु. : जगदीश चन्द्रिकेश पृ. 76 ₹ 105.00

यजुर्वेद की वाजसनेयी संहिता का अंतिम, चालीसवाँ अध्याय ही ईशावास्य उपनिषद है। उमाशंकर जोशी द्वारा गुजराती में व्याख्यायित ईशावास्योपनिषद का हिंदी अनुवाद।

4. उपनिषदों की कहानियाँ

भगवान सिंह पृ. 188 ₹ 160.00

प्रस्तुत पुस्तक में उपनिषदों की कहानियों का हू-ब-हू अनुवाद ही प्रस्तुत नहीं किया गया है, बल्कि जगह-जगह उन कथा-उपकथाओं की खूबियों और खामियों की ओर संकेत करते हुए काफी मनोरंजक व्याख्या भी की गई है। ISBN 978-81-237-0531-6

5. कबीर : साखी और सबद

पुरुषोत्तम अग्रवाल पृ. 234 ₹ 205.00

शोधपूर्ण और विचारोत्तेजक भूमिका के साथ मध्यकालीन भारत के महत्वपूर्ण कवि कबीर की वाणियों का अनूठा संकलन। ISBN 978-81-237-5034-7

6. कथासरित्सागर

राधावल्लभ त्रिपाठी पृ. 260 ₹ 195.00

सोमदेव रचित कथासरित्सागर का हिंदी रूपांतरण, जो ईसा से लेकर मध्य काल तक की भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक धाराओं से परिचय कराता है और कथा-शिल्प की अद्‌भुत प्रविधि प्रस्तुत करता है। ISBN 978-81-237-1431-8

7. जैसी करनी वैसी भरनी

एम.एस. पुट्टण्णा अनु. : एस.एम.रामचंद्र स्वामी पृ. 114 ₹ 125.00

कन्नड़ समाज के पारिवारिक जीवन और सामाजिक लोकाचार के सहारे इस उपन्यास में समकालीन समाज के पाखंड एवं मानवीय कलुषता को चित्रित किया गया है।

ISBN 978- 81-237-1205-5

8. देश की बात

सखाराम गणेश देउस्कर अनु. : बाबूराव विष्णु पराड़कर पृ. 346 ₹ 290.00

सन् 1904 में 'देशेर कथा' शीर्षक से प्रकाशित बांग्ला पुस्तक का हिंदी अनुवाद शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में ने.बु.ट्र. द्वारा प्रकाशित हुई थी, इसमें ब्रिटिश दासता में जकड़ी भारतीय जनता की यातना और चीत्कार का जीता-जागता चित्रण है। पुस्तक की पुनर्प्रस्तुति मैनेजर पाण्डेय ने की है। ISBN 978- 81-237-4437-7

9. पंचतंत्र की कहानियाँ

भगवान सिंह पृ. 346 ₹ 265.00

भारतीय कृतियों में पंचतंत्र ऐसी अकेली कृति है जिसे पूरी तरह ज्ञानकोश कहा जा सकता है। संस्कृत से हिंदी में सहज एवं मनोग्राही अनुवाद। ISBN 978-81-237-1374-8

10. परीक्षा-गुरु

लाला श्रीनिवास दास पृ. 174 ₹ 150.00

यह हिंदी का पहला उपन्यास है जिसमें दिल्ली के एक कल्पित रईस का चित्र उकेरा गया है। इस उपन्यास में कठिन शब्दों की बनाई हुई भाषा के स्थान पर दिल्ली के रहनेवालों की साधारण बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया गया है। ISBN 978- 81-237-6479-5

11. बंकिमचंद्र : प्रतिनिधि निबंध

अमित्र सूदन भट्टाचार्य (संपा.) अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 228 ₹ 175.00

बंकिमचंद्र का लेखन भारतीय पाठकों के लिए किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इस संकलन में बंकिम के उन निबंधों को लिया गया है जो कई दृष्टियों से आम पाठकों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ISBN 81-237-1457-2

12. बारह माह

सिद्धार्थ अनु. : प्रवेश शर्मा पृ. 63 ₹ 410.00

गुरु नानक देव जी की बारह माह वाणी, जो राग तुखारी में निबद्ध है तथा श्री गुरु ग्रंथ साहेब में एक महान काव्य रचना है, जो केवल बाहरी परिवेश में बदलते मौसमों का बखान ही नहीं, बल्कि इस अंतहीन ब्रह्मांड को एकसार रखने वाली परम शक्ति की मानव-मन-चेतना के एकसार स्वरूप का अवलोकन है। ISBN 978-81-237-9325-2

13. रंगभूमि

प्रेमचंद पृ. 560 ₹ 380.00

परतंत्र भारत की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक समस्याओं के बीच एक कल्पित, लेकिन प्रतीकात्मकता में जीवंत पात्र सूरदास के जीवन संग्राम की कथा प्रस्तुत करता हुआ महत्वपूर्ण उपन्यास। ISBN978- 81-237-4554-1

14. रामराजा बहादुर

सी.वी.रमन पिल्लै अनु. : एन.ई. विश्वनाथ अय्यर पृ. 186 **अनुपलब्ध**

मलयालम भाषा के पहले ऐतिहासिक उपन्यासकार के इस अंतिम उपन्यास में सृजनशील प्रतिभा अपने चरम पर दिखाई देती है। लेखक की कुशलता केवल विशिष्ट पात्रों के सृजन में ही नजर नहीं आती, बल्कि वे अपने हर छोटे-बड़े पात्र को जानदार बना देते हैं।

ISBN 81-237-0521-2

15. श्री अरविंद : चुनिंदा कविताएँ

अनु. : अमृता भारती पृ. 186 ₹ 285.00

इस पुस्तक में श्री अरविंद घोष के चुनिंदा सॉनेट व कविताओं का काव्यात्मक अनुवाद है। कविताओं को तुक, लय-ताल एवं मुक्त छंद में ही अनूदित किया गया है। कविताक्रम सॉनेट के अंग्रेजी संस्करण के अनुसार है। ISBN 978-81-237-8984-2

16. संत पलटू दास

बलदेव वंशी पृ. 122 ₹ 135.00

प्रस्तुत पुस्तक संत पलटू दास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित है।

ISBN 978-81-237-7075-8

17. स्वप्नवासवदत्ता

भास अनु. : जयदेव दास 'अभिनव' पृ. 32 **अनुपलब्ध**

संस्कृत नाट्य साहित्य के आचार्य भास का सर्वोत्कृष्ट नाटक, जो कि नाट्यकला की दृष्टि से ही नहीं अपितु जीवन मूल्यों एवं संवेदनाओं की अभिव्यक्ति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

ISBN 81-237-0007-5

18. सहजोबाई जीवन, भक्ति और काव्य

माधव हाड़ा पृ. 129 ₹ 190.00

उत्तर मध्यकालीन भारत की एक प्रसिद्ध संत-भक्त और कवयित्री सहजोबाई के जीवन, उनकी भक्ति भावना और उनके काव्य को इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है। अपनी असाधारण गुरुभक्ति के कारण वह भारतीय भक्ति साहित्य में अपनी अलग पहचान रखती हैं।

ISBN 978-93-6719-639-7

19. सारलादास की श्रेष्ठ काव्यकृति : श्रीमहाभारत है अमृत रसवाणी

संपा. : नीलाद्रि भूषण हरिचंदन, अनु. : हरिश्चंद्र मिश्र पृ. 374 ₹ 465.00

प्रस्तुत पुस्तक में पंद्रहवीं सदी के ओड़िआ भाषा के आदि कवि सारलादास रचित श्रीमहाभारत को कल्पनाशीलता व काव्यात्मकता के परिप्रेक्ष्य में एक श्रेष्ठ कृति के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में महाभारत के सभी पात्रों को समाहित करते हुए काव्यात्मक शैली में उनके चरित्र का रोचकता से बखान किया गया है। इस पुस्तक की विषयवस्तु की व्यापकता को 15वीं सदी

के उड़ीसा तथा भारतवर्ष के भौगोलिक, ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा आर्थिक चित्रपट के रूप में जाना जा सकता है।

ISBN 978-93-5743-388-4

20. सेवासदन

प्रेमचंद पृ. 546 ₹ 210.00

नारी जीवन की समस्याओं के साथ समाज के धर्माचार्यों, मठाधीशों, धनपतियों, सुधारकों के आडंबर और पाखंड का असली चेहरा उजागर करता हुआ महत्वपूर्ण उपन्यास।

ISBN 978-81-237-4533-6

21. प्रेमचंद : संकलित कहानियाँ

रामबक्ष (संपा.) पृ. 244 ₹ 190.00

प्रेमचंद के इस संकलन में जातिवाद, धार्मिक सहिष्णुता और दलित उत्पीड़न से संबंधित कहानियाँ ली गई हैं।

ISBN 978-81-237-5465-9

विश्व साहित्य

1. 1971 : बांग्लादेश मुक्तियुद्ध की कहानियाँ

सलाम आजाद (संक. एवं संपा.) पृ. 224 ₹ 195.00

22 कहानियों का संकलन। सभी कहानियाँ सन् '71 की बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध से जुड़ी हैं। कहानियों में मुक्तियोद्धाओं और हिंदुओं पर हुए जुल्म का विवरण दिल दहलाने वाला है।

ISBN 978-81-237-7313-1

2. अलबेला-अलबेली

शेक्सपियर अनु. : गौरीशंकर रैणा पृ. 90 ₹ 95.00

यह पुस्तक अंग्रेजी के प्रख्यात रचनाकार विलियम शेक्सपियर के नाटक 'टेमिंग ऑफ द श्रू' का हिंदी अनुवाद और मंचन-रूपांतरण है।

ISBN 978-81-237-5606-6

3. चीनी चाशनी

कुआन हान चिंग अनु. व रूपां. : अशोक लाल पृ. 152 ₹ 140.00

चीन के महान लेखक कुआन हान चिंग (1225-1302) को चीन में कालिदास जैसा दर्जा प्राप्त हैं। उन्होंने 65 से ज्यादा नाटक लिखे थे। उनके कुछ नाटकों के अंग्रेजी अनुवाद, जैसे–स्नो इन द मिड समर, द वाइफ स्नेचर आदि यूरोप में बहुत मशहूर रहे हैं। कुआन हान चिंग की रचनाएँ उस काल के चीन की जमींदारी, हस्तकला, व्यापार, जनजीवन की अंतरंग झाँकी तो प्रस्तुत करती ही हैं, एशिया के दो महान व प्राचीन देशों के समृद्ध अतीत की समानता को भी दर्शाती हैं। इस संकलन में कुआन के कुल आठ नाटक संग्रहीत हैं। प्रस्तुत हिंदी रूपांतरण अंग्रेजी अनुवाद से किया गया है।

ISBN 978-81-237-6813-7

4. जंगली घास

लू शुन चीनी से अनुवाद : हेमंत अदलखा, रमण सिन्हा पृ. 72 ₹ 125.00

बीसवीं सदी के प्रख्यात चीनी लेखक लू शुन की अनूठी विधा 'गद्य-कविता' का चीनी भाषा से सीधे हिंदी में अनुवाद।

ISBN 978-81-237- 8917-3

5. जीवन : काँटा या फूल

झमक घिमिरे अनु. : चंद्र प्रकाश गिरी पृ. 208 ₹ 210.00

स्त्री लिंग में पैदा होना, तिस पर बहुदिव्यांग, यह लेखिका झमक के लिए किसी अभिशाप से कम न था। माता-पिता और दादा-दादी से पारिवारिक स्तर पर अवलेहना का जो सिलसिला शुरू हुआ वह सामाजिक संदर्भों में भी प्रतिबिंबित होता रहा। आत्मकथात्मक शैली में एक जिंदा

उपन्यास की तरह है यह कृति, जिसे पढ़ना आँसू की नदी से गुजरने के समान है।

ISBN 978-81-237-7841-9

6. तपते दिन : लंबी रातें

नादेज्दा ओब्राडोविक (संपा.) अनु. : विपिन कुमार पृ. 308 ₹ 100.00

दक्षिण अफ्रीकी कथा साहित्य की चुनी हुई रचनाओं का ऐसा संकलन जो पाठक को चकित और आंदोलित कर देता है।

ISBN 978- 81-237-4110-9

7. ब्राजीली कहानियाँ

गरिमा श्रीवास्तव, शोभन सान्याल (अनु. और चयन) पृ. 161 ₹ 105.00

इस पुस्तक में ब्राजील में कथाओं का विकास सन् 60 के बाद की घटना है। समकालीन ब्राजीली कथाओं में शिल्प और कथ्य के स्तर को निर्मित करने वाले रचनाकारों की रचनाएँ संकलित की गई हैं। ब्राजील के प्रसिद्ध लेखकों की कुल 15 अनूदित कहानियाँ इसमें संकलित हैं।

ISBN 978-93-549-1794-3

हिंदी नवजागरण के अग्रदूत

1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' : प्रतिनिधि संकलन

विश्वनाथ त्रिपाठी (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 152 ₹ 35.00

'उसने कहा था' जैसी अमर कहानी के लेखक की इतिहास, पुरातत्व, धर्म, दर्शन, भाषा विज्ञान, व्याकरण आदि अनेक विषयों पर लिखी रचनाओं का एक संग्रहणीय संकलन।

ISBN 978-81-237-2031-9

2. प्रेमचंद : प्रतिनिधि संकलन

खगेन्द्र ठाकुर (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 182 ₹ 180.00

भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहे जनसामान्य को दायित्वबोध के लिए ललकारता हुआ, प्रेमचंद के प्रतिनिधि निबंधों का संकलन।

ISBN 978-81-237-3921-2

3. बालकृष्ण भट्ट : प्रतिनिधि संकलन

सत्य प्रकाश मिश्र (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 182 ₹ 155.00

भारतेन्दु युग के प्रसिद्ध निबंध एवं एकांकी लेखक, बालकृष्ण भट्ट की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन।

ISBN 978- 81-237-1678-7

4. बालमुकुन्द गुप्त : संकलित निबंध

कृष्णदत्त पालीवाल (चयन तथा भूमिका) पृ. 236 ₹ 215.00

साहित्य क्षेत्र में बालमुकुन्द गुप्त की ख्याति 'शिव शम्भु के चिट्ठे' तथा 'चिट्ठे और खत' से हुई। अपनी शैली के अनूठे गद्यकार। अपने स्वतंत्र चिंतन के कारण ही वह हिंदी गद्य के निर्माताओं में सदैव आदर से याद किये जाएँगे।

ISBN 978-81-237-7138-0

5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : प्रतिनिधि संकलन

कमला प्रसाद (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 182 ₹ 160.00

विलक्षण प्रतिभा वाले भारतेन्दु का हिंदी साहित्य में अद्वितीय योगदान है। हिंदी नाटक के क्षेत्र में नई चेतना का प्रादुर्भाव करने वाले भारतेन्दु की प्रतिनिधि रचनाओं की प्रस्तुति।

ISBN 978-81-237-1689-3

6. महावीर प्रसाद द्विवेदी : प्रतिनिधि संकलन

रामबक्ष (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 230 ₹ 190.00

द्विवेदी जी का मुख्य महत्वपूर्ण कार्य खड़ी बोली का परिष्कार और लेखकों तथा विद्वानों को हिंदी

में लिखने की प्रेरणा रहा। ऐसे महत्वपूर्ण समीक्षक की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन।

ISBN 978- 81-237-1674-9

7. माधव राव सप्रे : प्रतिनिधि संकलन

मैनेजर पांडेय (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 282 ₹ 225.00

भारतेन्दु युग के सुविख्यात पत्रकार, साहित्यकार, माधव राव सप्रे के प्रतिनिधि निबंधों, समालोचनाओं व कहानियों का प्रस्तुत संकलन हिंदी नवजागरण के दौर में उनके योगदान को लक्षित करता है। ISBN 978-81-237-5579-3

8. राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' : प्रतिनिधि संकलन

वीर भारत तलवार (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 204 ₹ 160.00

19वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण और गद्य लेखक राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन। ISBN 978- 81-237-4121-5

9. रामचन्द्र शुक्ल : प्रतिनिधि संकलन

निर्मला जैन (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 182 ₹ 120.00

हिंदी आलोचना के निर्विवाद शिखर पुरुष, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रतिनिधि रचनाओं का यह संकलन इनकी विचार-पद्धति और हिंदी नवजागरण में इनके अद्वितीय योगदान को जानने का बेहतर झरोखा है। ISBN 978- 81-237-3935-9

10. रामावतार शर्मा : प्रतिनिधि संकलन

नन्दकिशोर नवल (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 162 ₹ 145.00

हिंदी के अग्रणी रचनाकार रामावतार शर्मा की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन।

ISBN 978-81-237-2846-9

11. शिवपूजन सहाय : प्रतिनिधि संकलन

मंगलमूर्ति (संपा.) नामवर सिंह (प्रधान संपा.) पृ. 212 **अनुपलब्ध**

भारतेन्दु युग के एक प्रमुख निबंधकार शिवपूजन सहाय की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन।

ISBN 81-237-1707-5

12. सम्पत्ति शास्त्र

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी कृष्णदत्त पालीवाल (संक. तथा भूमिका)

पृ. 316 ₹ 300.00

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी हिंदी के युग प्रवर्तक चिंतकों में अग्रणी रहे हैं। उनके ही प्रयासों से हिंदी में नवीन विचारधारा, नवजागरण तथा स्वाधीन चिंतन का आरंभ हुआ। सम्पत्ति शास्त्र उनकी एक बेजोड़ कृति है। ISBN 978-81-237-7139-7

राष्ट्रीय जीवनचरित

कला तथा साहित्य

1. कमला देवी चट्टोपाध्याय

जसलीन धमीजा अनु. : विपिन कुमार पृ. 116 ₹ 135.00

श्रेष्ठ कला प्रेमी एवं लोकजीवन से कला के संबंध की गुरुता जाननेवाली कलासेवी श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय की जीवनी। ISBN 978-81-237-5282-2

2. काज़ी नज़रुल इस्लाम

बसुधा चक्रवर्ती अनु. : इलाचन्द्र जोशी पृ. 88 ₹ 100.00

बंगाल के विद्रोही कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम हमारे युग के एक असाधारण प्रतिभा संपन्न व्यक्ति थे। उनकी रोचक, संघर्षमय, प्रेरक जीवनी। ISBN 978-81-237-4763-2

3. नरसिंह महेता

केशवराम का. शास्त्री अनु. : जगदीश चंद्रिकेश पृ. 96 ₹ 115.00

गुजराती साहित्य के इतिहास में 'गुजराती भाषा के आदिकवि' के रूप में यश प्राप्त 15वीं सदी के विशिष्ट प्रतिभासंपन्न भक्त कवि नरसिंह (नरसी) महेता के जीवन के कुछ महत्वपूर्ण प्रसंगों की झाँकी इस पुस्तक में है। मूल गुजराती से अनूदित इस पुस्तक में नरसिंह रचित आख्यान-काव्य, भावगीत तथा उनके चुने हुए कुछ पद भी संकलित हैं।

ISBN 978-81-237-4429-2

4. नंदलाल बोस

दिनकर कौशिक अनु. : सियाराम तिवारी पृ. 110 ₹ 125.00

सरल और रोचक शैली में लिखा गया नंदलाल बोस का जीवनचरित उनके व्यक्तित्व के विविध पक्षों का प्रामाणिक दस्तावेज है। ISBN 81-237-2428-4

5. महापंडित राहुल सांकृत्यायन

गुणाकर मुले पृ. 218 ₹ 60.00 (अजि.) ₹ 190.00 (सजि.)

यह पुस्तक हिंदी साहित्य की महान विभूति राहुल सांकृत्यायन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सर्वांगीण परिचय प्रस्तुत करती है। इसमें उनकी साहसिक यात्राओं और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में उनके योगदान का भी चित्रण किया गया है।

ISBN 81-237-0495-X (अजि.), ISBN 81-237-0494-1 (सजि.)

6. मिर्जा गालिब

मालिक राम अनु. : श्रीकांत व्यास पृ. 58 **अनुपलब्ध**

भारत और विदेशों में अपनी उर्दू की शायरी के लिए प्रसिद्ध महान शायर मिर्जा गालिब के जीवनचरित एवं ग़ज़लों का संकलन।

7. मुल्कराज आनन्द

अमरीक सिंह अनु. : संज्ञा उपाध्याय पृ. 124 ₹ 140.00

उपन्यासकार, कहानीकार एवं कला-समीक्षक मुल्कराज आनन्द चर्चित भारतीय अंग्रेजी लेखकों में से एक थे। उनके उपन्यास 'अनटचेबल' और 'कुली' शोषित-उत्पीड़ित वर्ग के प्रति किए जाने वाले अत्याचारों को बड़े प्रभावशाली ढंग से सामने लाते हैं। ISBN 978-81-237-5864-0

8. बाल गंधर्व

मोहन नादकर्णी अनु. : सुरेन्द्र गुप्त पृ. 62 **अनुपलब्ध**

मराठी संगीत नाटक की परंपरा तथा भारतीय संगीत को समृद्ध करने में बाल गंधर्व के अमूल्य योगदान को रेखांकित करती रोचक पुस्तक। ISBN 81-237-0556-5

9. रवीन्द्रनाथ ठाकुर : एक जीवनी

कृष्ण कृपलानी अनु. : रणजीत साहा पृ. 286 ₹ 235.00

इस पुस्तक में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित बांग्ला भाषा के महान साहित्यकार की जीवनी को रेखांकित किया गया है। ISBN 978-81-237-2351-8

10. विष्णुशास्त्री चिपलूणकर

य.दि. फड़के अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 70 ₹ 90.00

प्रस्तुत पुस्तक आधुनिक मराठी साहित्य के चर्चित लेकिन विवादास्पद लेखक के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ-साथ उस दौर में महाराष्ट्र के सामाजिक व साहित्यिक परिदृश्य को प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-4335-6

11. साने गुरुजी

यदुनाथ थत्ते अनु. : रामेश्वर दयाल दुबे पृ. 80 **अनुपलब्ध**

साने गुरुजी (पांडुरंग सदाशिव साने, 1899-1950) आधुनिक महाराष्ट्र के एक सम्माननीय व्यक्ति थे। स्वतंत्रता संग्राम के सहभागी, दीन दलित लोगों की बेचैनी तथा सामाजिक सुधार की इच्छा रखने वाले गुरुजी की जीवन गाथा।

12. सी.वाई. चिंतामणि

रवीन्द्रनाथ शर्मा अनु. : मोहिनी राव पृ. 80 **अनुपलब्ध**

श्री गोपाल कृष्ण गोखले के बाद सी. वाई. चिंतामणि का नाम पत्रकारिता और राजनीति में कोई आधी शताब्दी तक महत्वपूर्ण कार्यों और राजनीतिक गतिविधियों के लिए जाना जाता रहा है। यह पुस्तक उनके जीवन को समझने में सहायक होगी।

13. सुब्रह्मण्य भारती

प्रेमा नंदकुमार अनु. : रमेश बक्षी पृ. 126 ₹ 65.00

भारत की पूर्ण जागृति में जनता की आजादी के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देने वाले महान देशभक्त कवि का प्रेरणादायक चरित्र चित्रण। ISBN 978-81-237-6035-3

शिक्षा

1. आचार्य नरेंद्रदेव

सत्यप्रकाश मित्तल पृ. 132 ₹ 40.00

विलक्षण प्रतिभा और व्यक्तित्व के धनी आचार्य नरेंद्रदेव एक समाजवादी और महान शिक्षाविद् थे। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र के युवाओं में प्रजातांत्रिक पद्धति की आदतें डालने के पक्षधर आचार्यजी की जीवनी स्वयं में प्रेरणा का स्रोत है। ISBN 81-237-3582-0

2. आशुतोष मुकर्जी

ए.पी. दासगुप्ता अनु. : जे.वी.रमण पृ. 94 ₹ 20.00

सन् 1864 में जन्मे आशुतोष मुकर्जी ने यद्यपि राजनीति में समुचित भाग नहीं लिया, लेकिन नए भारत के निर्माण में उनका योगदान कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने वकील, विधिवेत्ता, न्यायाधीश तथा विधायक सभी रूपों में एवं शिक्षा के क्षेत्र में अथक परिश्रम किया।

ISBN 81-237-4053-0

3. जाकिर हुसैन

एम. मुजीब अनु. : सुमंगल प्रसाद पृ. 200 **अनुपलब्ध**

प्रस्तुत पुस्तक में भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन की जीवनी के साथ-साथ उनके जीवन के उन रचनात्मक पहलुओं का भी विवरण है, जिनमें वे एक सहृदय मानव, सक्रिय कार्यकर्ता, विचारक और लेखक के रूप में सामने आते हैं। ISBN 81-237-0307-4

4. डॉ. गंडा सिंह

महिंदर सिंह अनु. : शशि सहगल पृ. 123 ₹ 210.00 (2024)

प्रस्तुत पुस्तक प्रसिद्ध इतिहासकार, शिक्षाविद्, संस्थाओं के उन्नायक डॉ. गंडा सिंह के रोमांचक व्यक्तित्व एवं कृतित्व के साथ-साथ उनके साहित्यिक अवदान पर आधारित है। वे कई बड़ी संस्थाओं के जनक थे। उन्होंने वर्ष 1930 में खालसा कॉलेज, अमृतसर में सिख इतिहास शोध-केंद्र की स्थापना की। उन्होंने सिख इतिहास पर लगभग 70 पुस्तकें और 350 के करीब शोध-पत्रों का लेखन किया। ISBN 978-93-5743-511-6

5. दयाल चन्द्र सोनी

रमेश थानवी पृ. 98 ₹ 150.00

शिक्षाविद्, मनीषी दयाल चन्द्र सोनी शिक्षा को समर्पित शिक्षक, समाजसेवी थे। उनके स्वाध्याय के दो क्षेत्र थे–शिक्षा एवं समाज सेवा। शिक्षा उनके लिए सहज समाज परिवर्तन, क्रांति का काम थी जिसके माध्यम से समाज अपने को बदलने को तैयार हो जाए। शिक्षा को सामाजिक न्याय से जोड़ना, शोषण से समाज की मुक्ति उनकी पहली प्राथमिकता थी। बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों और गाँधी, विनोबा के आदर्शों को उन्होंने अपने जीवन में आत्मसात कर लिया था।

ISBN978-81-237- 8046-7

6. निर्मल कुमार बोस

सुरजीत सिन्हा अनु. : तृप्ति जैन पृ. 96 **अनुपलब्ध**

एक अग्रणी भारतीय मानवविज्ञानी, गाँधीवाद के उत्कृष्ट प्रतिपादक और बहुमुखी प्रतिभा के धनी निर्मल कुमार बोस के व्यक्तित्व व कृतित्व का वर्णन। ISBN 81-237-1733-4

7. प्रशांत चंद्र महलनवीस

ए. महलनवीस अनु. : सुरेन्द्र गुप्त पृ. 92 ₹ 90.00

सन् 1950 में योजना आयोग का संयोजन और भारत की प्रथम व द्वितीय पंचवर्षीय योजनाओं के निर्माण में सक्रिय योगदान देने वाले प्रो. प्रशांत चंद्र महलनवीस के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का रोचक विवरण। ISBN 81-237-4430-7

8. श्रीनिवास रामानुजन

सुरेश राम पृ. 62 ₹ 80.00

गणित के महान जादूगर, श्रीनिवास रामानुजन के अद्‌भुत जीवन की रोमांचक कहानी सरल एवं रोचक भाषा में प्रस्तुत करती पुस्तक। ISBN 81-237-2429-2

विज्ञान

1. मेघनाद साहा

शांतिमय चटर्जी, एणाक्षी चटर्जी अनु. : रा.प्र. जायसवाल पृ. 132 ₹ 35.00

भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक मेघनाद साहा की संक्षिप्त जीवन गाथा, जो अपने तापीनय आयतन के सिद्धांत और तारकीय स्पेक्ट्रमों में इसके अनुप्रयोग के लिए सदैव स्मरण किए जाएँगे।

ISBN 81-237-2468-3

2. बीरबल साहनी

शक्ति एम. गुप्ता अनु. : रा. प्र. जायसवाल पृ. 74 ₹ 90.00

वैज्ञानिक, विद्वान, और देशभक्त प्रोफेसर साहनी विशेष रूप से पुरावनस्पति विज्ञान और भूविज्ञान में योगदान के लिए विख्यात हैं। इस पुस्तक में उनकी जीवन यात्रा पर प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-81-237-2694-6

3. सत्येंद्र नाथ बोस

शांतिमय चटर्जी, एणाक्षी चटर्जी अनु. : रा.प्र. जायसवाल पृ. 100 ₹ 110.00

सत्येंद्र नाथ बोस केवल भौतिक या गणित के ही नहीं बल्कि रसायन, खनिज विज्ञान, समाज विज्ञान, दर्शन तथा भाषाओं जैसे विविध विषयों के भी मर्मज्ञ थे। उनके संघर्षमय जीवन को व्यक्त करती एक पठनीय पुस्तक। ISBN 81-237-1749-0

4. सुनहरी स्मृतियाँ : डी. एस. कोठारी

डॉ. दीपिका कोठारी पृ. 154 ₹ 150.00

विज्ञान, प्रतिरक्षा, शिक्षा, धर्म, अध्मात्म, संस्कार ; ऐसे सभी गुणों से परिपूर्ण डॉ. डी. एस. कोठारी स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण नीति-निर्धारक रहे हैं। यह पुस्तक डॉ. कोठारी के जीवन की विभिन्न घटनाओं को रोचक तरीके से प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-5851-0

5. होमी जहाँगीर भाभा

चिंतामणि देशमुख अनु. : इष्टदेव सांकृत्यायन पृ. 128 ₹ 155.00

विज्ञान एवं तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले भारत के प्रमुख भौतिकविद् होमी जहाँगीर भाभा के जीवन और व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती एक संग्रहणीय जीवनी। ISBN 978-81-237-5020-0

धर्म, दर्शन तथा समाज सुधार

1. एक युग प्रवर्तक भिक्षु कुशक बकुला रिन्पोछे : एक जीवनी

सोनम वंगचुक शक्स्पो अनु. : नितिन वैद्य पृ. 546 ₹ 570.00

यह पुस्तक कुशक बकुला के 19वें अवतार श्री लोबजंग थुबतन छोगनोर, जो कुशक बकुला रिन्पोछे के नाम से प्रसिद्ध हुए, की जीवन-यात्रा है। वे एक राजकुमार, विद्वान, समाज सुधारक तथा राजनीतिज्ञ के रूप में प्रसिद्ध हुए, जिन्हें 'आधुनिक लेह-लद्दाख का निर्माता' भी कहा जाता है। उन्होंने दशकों तक भारत राष्ट्र व लद्दाख के नागरिकों की सेवा की और मंगोलिया के सांस्कृतिक पुनर्जागरण में भी बड़ा योगदान दिया। ISBN 978-81-237-9426-6

2. कर्मयोगी सरला बहन

प्रभा पंत पृ. 60 ₹ 90.00

लंदन में जन्मीं कैथरीन नाम की महिला गाँधी जी के विचारों से प्रभावित हुईं और भारत चली आईं। यहाँ आकर बच्चों, युवतियों को शिक्षित करने का बीड़ा उठाया और अंत में यहीं प्राण त्याग दिए। गाँधी जी ने उन्हें 'सरला बहन' का नाम दिया। ISBN 978-81-237-7800-6

3. कबीर

पारसनाथ तिवारी पृ. 86 ₹ 100.00

लेखक द्वारा गहन अध्ययन और शोध के पश्चात उपलब्ध तथ्यों तथा जनश्रुति के आधार पर अत्यंत सरल और रोचक ढंग से साधारण पाठकों के लिए प्रस्तुत महान संत कबीर की जीवनी।

ISBN 978-81-237-4423-0

4. कंदुकूरि वीरेशलिंगम

बकुला भरण रामकृष्णा अनु. : पारनंदि निर्मला पृ. 104 ₹ 115.00

आधुनिक आंध्र प्रदेश के अग्रगण्य नायक वीरेशलिंगम अपनी अंतिम सांस तक समाज में व्याप्त कुरीतियों से लड़ते रहे। स्त्री-उत्थान व शिक्षा के प्रचार-प्रसार में अनुकरणीय भूमिका निभाने वाले इस नायक की जीवनी मूल रूप से तेलुगु में लिखी गई है। ISBN 978-81-237-6350-7

5. गुरु गोविंद सिंह

गोपाल सिंह पृ. 116 ₹ 130.00

खालसा पंथ की स्थापना करने वाले सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह की जीवनी। इसके लेखक स्व. डॉ. गोपाल सिंह सुप्रसिद्ध साहित्यकार व विद्वान के साथ साथ, संसद सदस्य और गोवा के राज्यपाल भी रहे। ISBN 978-81-237-1201-7

6. गुरु रविदास

आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद पृ. 104 ₹ 110.00

चर्मकार जाति में जन्म लेकर निराश, दलित, पीड़ित वर्ग को नवजीवन और आशा एवं आश्वासन भरा व्यावहारिक संदेश देने वाले गुरु रविदास का अमर जीवनचरित।

ISBN 978-81-237-2723-3

7. गोपाल गणेश आगरकर

स.मा. गर्गे अनु. : गोविंद गुंठे पृ. 142 ₹ 145.00

महाराष्ट्र के महान समाज सुधारक गोपाल गणेश आगरकर की प्रेरक जीवनी।

ISBN 81-237-4830-2

8. चैतन्य

दिलीप कुमार मुखर्जी अनु. : कमलेश पृ. 122 ₹ 95.00

चैतन्य महाप्रभु सर्वाधिक तेजस्वी हिंदू संतों में से एक हैं। उनके जीवन पर की गई सघन खोज का परिणाम है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-2467-6

9. जोति चरित

तर्कतीर्थ लक्ष्मणशास्त्री जोशी अनु. : प्रशांत पाण्डे पृ. 152 ₹ 130.00

हिंदू समाज को जातीयता के शाप से मुक्त कराने में जिन महान समाजसेवकों का महती अवदान रहा है जोतिराव फुले (जोतिबा फुले) का उनमें बहुत ऊँचा स्थान रहा है। ऐसे ही महान समाजसेवक की यह जीवनी उनके जीवन के कई ज्ञात-अज्ञात पहलुओं तथा उनके विचारों का एक दस्तावेज-सा प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-4671-5

10. जोतिबा फुले : आधुनिक सामाजिक क्रांति के अग्रदूत

डॉ. नामदेव पृ. 380 ₹ 270.00

प्रख्यात समाजसेवी और दलितों-पिछड़ों के मसीहा जोतिबा फुले का विशद जीवनचरित एवं उनके विचार। ISBN 978-81-237-6475-7

11. देशनायक राजा राममोहन राय : जीवन और कर्म

डॉ. मीना कुमारी *शीघ्र प्रकाश्य*

राजा राममोहन राय आधुनिक भारत के भगीरथ थे। उदार दृष्टिकोण और मानवतावादी जीवनशैली उनकी परिष्कृत मानसिकता की विशेषताएँ थीं। वे सामाजिक, धार्मिक और राजकीय सुधारों के माध्यम से भारत में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सफल रहे। यह पुस्तक उनके सभी कार्यों का विवरण प्रस्तुत करती है।

12. नामधारी गुरु राम सिंह

जोगिंदर सिंह अनु. : प्रदीप कुमार पृ. 154 ₹ 155.00

नामधारी गुरु राम सिंह पहले करिश्माई नेता थे जिन्होंने 1857 की बगावत, स्वतंत्रता के पहले संग्राम के तुल्यकालिक पंजाब में 12 अप्रैल, 1857 को कूका आंदोलन के नाम से मशहूर उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन शुरू किया। इस आंदोलन के जरिये उन्होंने भारत को विदेशी शासकों के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए अहिंसक औजार के रूप में असहयोग एवं स्वदेशी के विचार को भी दुनिया के समक्ष प्रस्तुत किया। ISBN 978-81-237-6784-0

13. निष्काम कर्मयोगी पंडित सुंदर लाल

शिव कुमार मिश्र पृ. 264 ₹225.00

लेखक, राष्ट्रवादी पत्रकारिता के अग्रदूत, हिंदू मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक कर्मवीर पंडित सुंदर लाल गाँधी-नेहरू युग की अनूठी विभूति थे। सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह और सर्वोदय के प्रति अटूट निष्ठा वाले ऐसे ही कर्मवीर का जीवनचरित है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-6477-1

14. बसवन्ना

एम. चिदानंद मूर्ति अनु. : विनोद खुराना पृ. 84 **अनुपलब्ध**

बारहवीं सदी के महान कन्नड़ कवि बसवन्ना की प्रेरक जीवन गाथा।

15. बाबा आमटे : खुशबू का अहसास

अशोक गुजराती पृ. 230 ₹ 230.00

आधुनिक भारत के महान समाजसेवी बाबा आमटे के कार्यों को कहानी के रूप में प्रस्तुत करती इस पुस्तक को कई दुर्लभ बहुरंगी चित्रों से सज्जित किया गया है।

ISBN 978-81-237-6271-5

16. भगवान महावीर

जगदीश चंद्र जैन पृ. 48 ₹ 115.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने महावीर स्वामी की जीवन साधना, उनके दर्शन और लोक-कल्याणकारी उपदेशों तथा आज के युग में जैन संस्कृति के योगदान की उपयोगिता को बड़े अध्यवसायपूर्वक गवेषणात्मक अध्ययन के विश्लेषण के साथ प्रस्तुत किया है।

17. महात्मा हंसराज

प्रो. रमा पृ. 160 ₹ 215.00

लाला हंसराज, जिन्हें महात्मा हंसराज के नाम से जाना जाता है, एक शिक्षाविद् एवं आर्य समाज के प्रमुख कार्यकर्ता थे। डीएवी शिक्षण संस्थान को स्थापित और प्रसारित करने का श्रेय उन्हीं को है। ऐसे ही विद्वान शिक्षाविद् के जीवन-परिचय के साथ उनके कथनों और भाषणों को पुस्तक में व्याख्यायित किया गया है। ISBN 978-93-5743-332-7

18. माधवदेव : व्यक्तित्व और कृतित्व

कृष्ण नारायण प्रसाद 'मागध' पृ. 222 ₹ 280.00

महापुरुष माधवदेव मध्ययुगीन असम में वैष्णव भक्ति-आंदोलन के प्रर्वतक श्रीमंत शंकरदेव के योग्यतम शिष्य, प्राण-बाँधव और धार्मिक उत्तराधिकारी थे। उनके व्यक्तित्व को समग्रता से उपस्थित करने वाली यह एकमात्र कृति है। ISBN 978-93-5491-013-5

19. रमण महर्षि

कृष्ण स्वामीनाथन पृ. 166 ₹ 240.00

रमण महर्षि बुद्ध और शंकराचार्य की परंपरा के ऋषियों में हैं। उन्होंने ज्ञान मार्ग की शिक्षा उपदेशों से अधिक स्वयं अपने जीवन से दी। उनकी इस प्रेरणाप्रद जीवनी में लेखक ने आत्मज्ञान की उनकी साधना-पद्धति को बहुत ही प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है।

ISBN 978-93-5491-236-8

20. रामलिंग

पुरसू बालकृष्णन अनु. : सुमति अय्यर पृ. 96 ₹ 130.00

कवि एवं पैगंबर रामलिंग स्वामी, महात्मा गाँधी, अरविन्द तथा रमण महर्षि के आध्यात्मिक अग्रवर्ती थे। आधुनिक तमिल पुनर्जागरण के अग्रदूत कहे जाने वाले स्वामी जी की प्रेरक जीवनी।

21. रेवरेंड जे.जे.एम. निकोल्स राय

पी.आर.किन्डिया अनु. : सौमित्र मोहन पृ. 64 ₹ 25.00

रेवरेंड जे.जे.एम. निकोल्स राय की आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जयंतिया पहाड़ियों के लोगों को पाकिस्तान में मिलाए जाने का विरोध निकोल्स राय अंत तक करते रहे और अंततः उन्हें सफलता प्राप्त हुई। एक कर्मठ व्यक्ति की प्रेरणाप्रद जीवनी।

ISBN 81-237-3943-5

22. लोहित के मानसपुत्र : शंकरदेव

साँवरमल सांगानेरिया पृ. 484 ₹ 545

असमिया के संत कवि शंकरदेव की शिक्षा और यात्राओं के दर्शन से आम तौर पर उत्तर भारत के पाठक भले ही अपरिचित हों, लेकिन अपने जीवनकाल में उन्होंने धर्म के अनछुए पहलुओं का अध्ययन किया, देशाटन किया। यही कारण है कि उनके अनुयायियों की आज भी एक बड़ी संख्या मौजूद है। शंकरदेव ने अपना जीवन अध्यात्म और चिंतन में बिता दिया। उनका योगदान आज भी अविस्मरणीय है और युगों तक रहेगा। ISBN 978-93-5491-869-8

23. विनोबा

निर्मला देशपांडे अनु. : शंकर गोपाल नेने पृ. 132 ₹ 120.00

भूदान आंदोलन के संस्थापक विनोबा के जीवनचरित की सुप्रसिद्ध लेखिका निर्मला देशपांडे द्वारा सहज भाव से प्रस्तुति। ISBN 978-81-237-1180-5

24. शंकराचार्य

टी.एम.पी.महादेवन अनु. : सुमंगल प्रकाश पृ. 82 ₹ 100.00

इस पुस्तक में शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन को सुबोध और आकर्षक रूप में पाठकों के समक्ष रखा गया है। ISBN 978-81-237-2774-5

25. शेख निजामुद्दीन औलिया

ख़लीक़ अहमद निजामी अनु. : निजामुद्दीन पृ. 76 ₹ 100.00

हजरत निजामुद्दीन औलिया की यह जीवनी सामाजिक तथा प्रामाणिक सामग्री के आधार पर लिखी गई है। ISBN 978-81-237-2755-4

26. स्वामी दयानन्द

बी.के. सिंह अनु. : सुमंगल प्रकाश पृ. 106 ₹ 110.00

आर्यसमाज के प्रतिष्ठाता स्वामी दयानन्द की प्रस्तुत जीवनी उनके कर्मठ जीवन की झाँकी दर्शाती है। ISBN 978-81-237-4136-9

27. स्वामी दादू दयाल

झमटमल खूबचंद भावनाणी अनु. : मोतीलाल जोतवाणी पृ. 88 ₹ 95.00

दादू दयाल निर्गुण संप्रदाय के संत कवि थे। उनके द्वारा समाजगत जातीय भेदभाव मिटाने के लिए किए गए प्रयासों पर केंद्रित एक पुस्तक। ISBN 978-81-237-2527-7

28. संत नामदेव

ल.ग. जोग अनु. : हीरालाल शर्मा पृ. 90 ₹ 100.00

देश, काल, धर्म, जाति एवं प्रांत के बंधनों से मुक्त संत नामदेव के जीवन, कार्य एवं काव्य की परिचयात्मक पुस्तक। ISBN 978-93-5491-210-8

29. सिस्टर निवेदिता

वसुधा चक्रवर्ती अनु. : सुरेंद्र अरोड़ा पृ. 66 ₹ 80.00

सिस्टर निवेदिता की ऐसे देश और उसके लोगों के प्रति गहन रुचि एवं सहानुभूति जो उनके घर से हजारों मील दूर थे, उन्हें निःस्वार्थ विभूतियों के बीच लाकर खड़ा कर देती है।

ISBN 978-81-237-2365-5

30. सूरदास

ब्रजेश्वर वर्मा पृ. 76 ₹ 180.00

सूरदास कृष्ण भक्ति शाखा के प्रतिनिधि एवं श्रेष्ठ कवि हैं और अष्टछाप के कवियों में उनकी गणना सर्वप्रथम होती है। प्रस्तुत पुस्तक में हिंदी के इस अनन्य कवि के जीवन एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डाला गया है।

31. श्री अरविन्द (संशोधित)

नवजात अनु. : जगदीश अग्रवाल पृ. 124 ₹ 140.00

श्री अरविन्द एक महान दार्शनिक, संत एवं श्रेष्ठ कवि थे। उन्होंने अपने जीवन के प्रारंभिक काल में भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में सक्रिय भाग लिया और एक प्रमुख नेता के रूप में अपनी भूमिका निभाई। इस पुस्तक में उनका दर्शन और संक्षिप्त जीवनचरित सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-4426-9

32. श्री नारायण गुरु

मुर्कोट कुन्नहप्पा अनु. : धर्मपाल गाँधी पृ. 92 ₹ 115.00

श्री नारायण गुरु की शिक्षा शंकराचार्य के दर्शन से प्रभावित है। वे सच्चे अर्थों में कर्मज्ञानी एवं धर्मवेत्ता थे। उन्होंने दक्षिण भारत के लाखों दलितों के उत्थान में महान योगदान दिया।

ISBN 978-93-5491-242-9

33. श्री माँ

प्रेमानंद कुमार अनु. : सुरेश उनियाल पृ. 126 **अनुपलब्ध**

पेरिस में जन्मी मीरा अलफेजा का श्री अरविन्द्र आश्रम, पांडिचेरी की स्थापना में मुख्य शक्ति-स्रोत होना सर्वविदित है। वे बाद में श्री माँ बन गईं। उनके भद्र तथा मनमोहक व्यक्तित्व का प्रामाणिक विवरण इस पुस्तक में है। ISBN 81-237-0009-1

34. श्री वल्लभाचार्य

विजयेन्द्र स्नातक पृ. 80 ₹ 85.00

मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति संप्रदायों में वल्लभ संप्रदाय का स्थान सर्वोपरि माना जाता है। इस संप्रदाय के प्रवर्तक श्री वल्लभाचार्य के जीवनवृत्त और कार्यों का सारगर्भित वर्णन।

ISBN 81-237-4647-4

भारतीय इतिहास

1. अहिल्याबाई

हीरालाल शर्मा पृ. 94 ₹ 160.00

अहिल्याबाई के अलौकिक गुणों, असाधारण वीरता और महान कार्यों के विषय में जानकारी देने वाली रोचक पुस्तक। ISBN 978-81-237-2734-8A

2. कुँअर सिंह और 1857 की क्रांति

सुभाष शर्मा, अनन्त कुमार सिंह, जवाहर पाण्डेय पृ. 82 ₹ 190.00

सन् 1857 की क्रांति के समय 75 वर्ष की वय में कुँअर सिंह ने जिस वीरता, रण-क्षेत्र की चतुराई,

युद्ध-कौशल, अपार साहस का परिचय दिया, वह दुर्लभ है। इस पुस्तक में कुँअर सिंह के संघर्ष को कई रंगीन चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5006-4

3. क्रांतिकारी दुर्गा भाभी

सत्यनारायण शर्मा पृ. 150 ₹ 200.00

क्रांतिकारी भगवती चरण बोहरा की जीवनसंगिनी दुर्गा देवी ने अपने पति की मृत्योपरांत भी आजादी की लौ को जलाए रखा। वे 'दुर्गा भाभी' के संबोधन से विख्यात हुईं। पुस्तक में लेखक ने उनके मुख से सुनी हुई क्रांतिकारी गाथा को पाठकों के समक्ष प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। पुस्तक 21 अध्यायों में विभाजित है। ISBN 978-81-237-9603-1

4. गुलाम गौस खाँ
(झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का प्रमुख तोपची)

शमीम शेख पृ. 64 ₹ 120.00

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का प्रमुख तोपची गुलाम गौस खाँ की बहादुरी के किस्सों पर केंद्रित पुस्तक पाठकों में नई ऊर्जा का संचार पैदा करने में सक्षम है, जो बताती है कि कम संसाधनों में, किंतु विकट जिजीविषा के साथ दुश्मनों पर लड़ाई में विजय पाई जा सकती है।

ISBN 978-93-5491-294

5. चंद्रशेखर आजाद के विश्वस्त सहयोगी क्रांतिवीर डॉ. भगवान दास माहौर

शिवजी श्रीवास्तव पृ. 142 ₹ 210.00

क्रांतिकारी संगठन 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी' के अनुशासित और जुझारू सैनिक तथा चंद्रशेखर आजाद के अत्यंत प्रिय एवं विश्वस्त साथी डॉ. भगवान दास माहौर की कहानी।

ISBN 978-93-6719-833-9

6. चंबल के महानायक : अर्जुन सिंह भदौरिया

अर्जुन सिंह भदौरिया पृ. 296 ₹ 400.00

कमांडर अर्जुन सिंह भदौरिया ने अपनी जुझारू प्रवृत्ति और अपनी संगठन कुशलता से 'लाल सेना' के नाम से एक ऐसी क्रांतिकारी सेना का गठन किया, जिससे कि अंग्रेज सरकार हिल गई थी। उन्होंने चंबल के आस-पास के क्षेत्र को केंद्र बनाकर रेल, डाक और तार सेवाएँ ठप कर दीं और अंग्रेज सरकार की नाक में दम कर दिया था। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें 44 साल की कैद की सजा सुनाई थी। यह पुस्तक भदौरिया जी के जीवन-संघर्ष व इतिहास के कई अनछुए पहलुओं का दस्तावेज है। ISBN 978-93-5491-262-7

7. नाना साहेब पेशवा

सुरेश मिश्र पृ. 90 ₹ 100.00

यह पुस्तक देश की आजादी के पहले संग्राम कहे जाने वाले 1857 की क्रांति के नायक की संघर्ष-गाथा है। ISBN 978-81-237-6164-0

8. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई

प्रतिभा रानडे अनु. : गोविंद गुंठे पृ. 224 ₹ 235.00

लक्ष्मीबाई के जीवन से जुड़ी अनगिनत महत्वपूर्ण घटनाओं का विस्तार से परिचय कराती है यह पुस्तक। लेखिका ने बड़े ही आत्मीय ढंग से इसे प्रस्तुत किया है।

ISBN 978-81-237-5363-8

9. तात्या टोपे

इंदुमती शेवड़े अनु. : सुंदरलाल श्रीवास्तव पृ. 88 ₹ 100.00

तात्या टोपे 1857 के विद्रोह की तूफानी घटनाओं के दौरान महान सैनिक नेताओं में से एक थे, जो आज किंवदंती बन गए हैं। उनके कुशल सेनापतित्व के कारण ही संपूर्ण संघर्ष एक अमिट छाप छोड़ सका। स्वतंत्रता की बलिवेदी पर प्राणाहुति देने वाले अमर शहीद की प्रेरक जीवनी।

ISBN 978-81-237-2559-8

10. देशभक्त बिरसा

श्यामसिंह 'शशि' पृ. 54 ₹ 80.00

मुंडा जनजाति में भगवान के सदृश पूजनीय माने जाने वाले बिरसा ने पराधीनता के खिलाफ विद्रोह का झंडा फहराया और स्वतंत्रता की वेदी पर अपनी आहुति दे दी। मुंडा जाति के महान लोकनायक की जीवन गाथा। ISBN 978-81-237-4369-1

11. दुर्गादास राठौड़

रघुबीर सिंह अनु. : बालकराम नागर पृ. 136 ₹ 125.00

भारत के सर्वाधिक शक्तिशाली, चतुर और मुगल सम्राटों से लोहा लेने के लिए मशहूर दुर्गादास राठौड़ के संघर्ष की कहानी। ISBN 978-81-237-2430-0

12. न हन्यते...जीवन आख्यान : नेताजी सुभाष चंद्र बोस

सच्चिदानन्द चतुर्वेदी पृ. 242 ₹ 310.00

प्रस्तुत पुस्तक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन आख्यान पर 62 अध्यायों में विस्तृत प्रकाश डाला गया है। इन अध्यायों में सुभाष चंद्र बोस की गिरफ्तारियों से लेकर स्वराज पार्टी, आजाद हिंद फौज के कुशल प्रबंधन, बगावत और समर्पण, विदेशों में उनकी लोकप्रियता, वहाँ राजनयिकों के साथ उनके संबंध आदि पर महत्वपूर्ण जानकारी है। पुस्तक में नेताजी के जीवन से संबंधित सभी तथ्यों को क्रमानुसार सही तिथि व घटनाक्रम के साथ देने का प्रयास किया गया है।

ISBN 978-93-5491-118-7

13. बंदा बहादुर

एस.एस. छीना अनु. : सुभाष नीरव पृ. 72 ₹ 115.00

बंदा सिंह बहादुर बैरागी एक सिख सेनानायक थे। वे पहले ऐसे सिख हुए, जिन्होंने मुग़लों के अजेय होने के भ्रम को तोड़ा। इन्होंने गुरु गोविंद सिंह द्वारा संकलित प्रभुसत्ता संपन्न लोक-राज्य की राजधानी लौहगढ़ में खालसा राज की नींव रखी। ISBN 978-93-5491-104-0

14. बाबा खड़क सिंह और भारत का स्वतंत्रता संघर्ष

मोहिंदर सिंह अनु. : रघुवीर शर्मा पृ. 70 ₹ 100.00

आधुनिक पंजाब के राजनीति की दिशा तय करने और क्षेत्रीय राजनीति में राष्ट्रवादी और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले 'सिखों के बेताज बादशाह' बाबा खड़क सिंह के जीवन और उनके समय का यथार्थपरक चित्रण। ISBN 978-81-237-4993-8

15. महाराणा कुंभा

राजेन्द्र शंकर भट्ट पृ. 348 ₹ 275.00

महाराणा कुंभा राजस्थान एवं मेवाड़ के सर्वश्रेष्ठ शासकों में से हैं। उन्होंने भारतीय इतिहास को

अपरिमिति ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। प्रस्तुत पुस्तक में कुंभा की शासन-व्यवस्था, विजयों और साहित्य एवं कला प्रेमी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया है। ISBN 978-81-237-5356-0

16. महाराणा प्रताप

राजेन्द्र शंकर भट्ट पृ. 80 ₹ 95.00

महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास की एक गौरवपूर्ण विभूति हैं। प्रस्तुत पुस्तक में श्री राजेन्द्र शंकर भट्ट ने राणा प्रताप की जीवनी के महत्व को प्रतिपादित किया है। ISBN 978-81-237-2087-6

17. महावीर लाचित बरफुकन

राजलक्ष्मी खाउंद पृ. 148 ₹ 195.00

17वीं शताब्दी में मुगल सम्राट औरंगजेब ने भारत के पूर्वोत्तर प्रांत असम या तब के आहोम को जीतने की हरचंद कोशिश की, किंतु आहोम-सेनापति (महावीर) लाचित बरफुकन के कुशल रण-कौशल के कारण सर्वाधिक महत्वपूर्ण, सराईघाट के युद्ध में मुगल परास्त हुए और आहोम पर कब्जा करने की उनकी चिर अभिलाषित इच्छा पर तुषारापात हो गया। ऐसे ही वीर सेनापति, लाचित बरफुकन के जीवन एवं कार्यों पर आधारित जीवनीपरक पुस्तक है यह। ISBN 978-93-5491-263-4

18. राजाराम

मनबीर सिंह *शीघ्र प्रकाश्य*

यह पुस्तक भारत के एक ऐसे साहसिक नायक का बोध करवाती है, जिसने अपने धर्म और देश की खातिर सर्व-समाज को संगठित कर मुगल साम्राज्य के अन्याय और अपराध के विरुद्ध लोगों के दिलों में भीतर दबी हुई आग को चिंगारी देने का काम किया। राजाराम भारतीय इतिहास के गर्भ में छिपा एक ऐसा ही नायक है।

19. राजा महेंद्रप्रताप सिंह

राजगोपाल सिंह वर्मा *शीघ्र प्रकाश्य*

यह पुस्तक उस विलक्षण व्यक्ति की जीवनी है, जिसने न सिर्फ अपने वैभव और रियासत को त्यागा, बल्कि तीन दशकों तक विदेशों में स्व-निर्वासित स्थिति में रहकर भारत की आजादी के लिए संघर्ष किया।

20. रानी चेन्नम्मा

वौडियार सदाशिव अनु. : श्यामसिंह 'शशि' पृ. 106 ₹ 105.00

अंग्रेजों के खिलाफ रानी चेन्नम्मा द्वारा लड़ी गई साहसिक लड़ाई की ओजस्वी गाथा।

ISBN 978-81-237-4866-5

21. शिवाजी

सेतुमाधवराव एस. पगड़ी अनु. : जे.वी. रमण पृ. 124 ₹ 120.00

मध्यकालीन भारत के प्रसिद्ध मराठा मिथकीय चरित्र छत्रपति शिवाजी का गौरवशाली जीवनचरित।

ISBN 978-81-237-4808-5

22. शेरशाह सूरी

विद्या भास्कर पृ. 104 ₹ 105.00

शेरशाह सूरी अपने समय का एक विशेष व उल्लेखनीय राज व्यक्ति था। उसने शासन व समाज संगठन में नई चीजें शुरू कीं जिससे उसकी कल्पना व संगठन शक्ति का परिचय मिलता है।

ISBN 978-81-237-2433-1

23. सवाई जयसिंह

राजेन्द्र शंकर भट्ट पृ. 136 ₹ 205.00

सवाई जयसिंह भारतीय इतिहास की एक गौरवपूर्ण विभूति हैं। इस पुस्तक में श्री राजेन्द्र शंकर भट्ट ने सवाई जयसिंह की उस जीवनी के महत्व का उल्लेख किया है जिसमें ज्ञान का संकलन और प्रसार अधिकाधिक गरिमामय होता है। ISBN 81-237-2557-4

24. सुराज और स्वराज

राष्ट्रवादी राजा का अमूल्य योगदान

एस.सी. मिश्र अनु : रत्नेश कुमार मिश्र पृ. 108 ₹ 190.00

महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में हुए भारत के राष्ट्रीय आंदोलन के बारे में आजादी के बाद से बहुत सारा ऐतिहासिक लेखन सामने आया है। प्रस्तुत पुस्तक में उस काल का दस्तावेज पाठकों को जहाँ समृद्ध करता है वहीं जिज्ञासा को भी शांत करता है। एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-1

25. हरि सिंह नलवा

डॉ. रतन सिंह जग्गी *शीघ्र प्रकाश्य*

प्रस्तुत पुस्तक वीर नायक हरि सिंह नलवा के जीवन-वृत्त पर केंद्रित है। हरि सिंह नलवा एक ऐसे योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन में जितने भी युद्ध लड़े किसी में भी हार का सामना नहीं किया। उनके साहसिक जीवन की गौरव गाथा वाली यह पुस्तक युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

26. हर्ष

वी.डी. गंगल अनु. : सुमंगल प्रकाश पृ. 74 ₹ 85.00

छठी सदी के महान शासक हर्ष के असाधारण व्यक्तित्व का लेखा जोखा।

ISBN 81-237-7085-7

राजनीति

1. अपने लिए जिए तो क्या जिए

(एक क्रांतिकारी की जीवन गाथा)

राजेंद्र नाथ बख्शी पृ. 236 ₹ 250.00

स्व. शचींद्र नाथ बख्शी के जीवन के ज्ञात-अज्ञात तथ्यों को संकलित कर यह पुस्तक ‘अपने लिए जिए तो क्या जिए’ लिखी गई है। इसमें शचींद्र नाथ बख्शी के तरुणाई से संघर्ष, आज़ादी की ललक, काकोरी कांड के बाद फरारी, घर की कुर्की के बाद गरीबी, मुकदमा-सज़ा, राजनीति, जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य आदि को सिलसिलेवार तरीके से प्रस्तुत किया गया है। साधारण बोलचाल की हिंदी, अंग्रेज़ी, उर्दू मिश्रित बोधगम्य एवं पठनीय भाषा शैली का प्रयोग किया गया है।

ISBN 978-81-237- 8826-6

2. अमृतलाल शेठ

वर्षा दास पृ. 73 ₹ 110.00

अमृतलाल शेठ गुजरात के एक प्रखर पत्रकार एवं गांधीभक्त सत्याग्रही थे। तत्कालीन प्रजा पर हो रहे अत्याचारों को बहुत करीब से देखा व समझा, पीड़ित और मूक प्रजा को आवाज़ देने

के लिए 'सौराष्ट्र', 'जन्मभूमि' नामक अखबार का प्रारंभ किया और प्रजा की पीड़ा को उजागर किया। साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में अमृतलाल शेठ के योगदान को बयाँ करती पुस्तक।

ISBN978-81-237- 8028-3

3. अरुणा आसफ़ अली

जी.एन.एस. राघवन अनु. : नेमिशरण मित्तल पृ. 172 ₹ 160.00

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक प्रखर राजनीतिक क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद गरीबी और निरक्षरता के निवारण हेतु अभियान चलाने वाली एक साहसी और कर्मठ महिला की प्रेरणादायक जीवनी। ISBN 978-81-237-4646-3

4. आचार्य जे.बी. कृपलानी

रामबहादुर राय पृ. 340 ₹ 310.00

पुस्तक का पूरा नाम 'शाश्वत विद्रोही राजनेता : आचार्य जे.बी. कृपलानी'। आचार्य कृपलानी मालवीय जी के साथ-साथ गाँधी जी के भी सहयोगी रहे थे। उनका पूरा जीवन एक नागरिक के लिए प्रेरणा-स्रोत रहा है। उनकी इस जीवनी-पुस्तक में उनके भाषणों का भी अच्छा संकलन है।

ISBN 978-81-237-6890-8

5. आसफ अली

सुधीर पंत अनु. : रामसेवक श्रीवास्तव पृ. 52 **अनुपलब्ध**

देशभक्त, अहिंसावादी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, संगीत एवं कला के पारखी और भावुक प्रेमी आसफ अली की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करने वाली जीवनी।

6. इंकलाबी यात्रा

मनोरमा दीवान पृ. 144 ₹ 135.00

स्वाधीनता संग्राम में अपना अमूल्य योगदान देने वाले एक क्रांतिकारी दंपत्ति सीता देवी व प्रिंसिपल छबीलदास की प्रेरक जीवनी। ISBN 978-81-237-4824-5

7. इंदिरा गाँधी

इंदर मल्होत्रा अनु. : व्रजकुमार पांडेय पृ. 188 ₹ 135.00

यह पुस्तक भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री के जीवन और युग पर संपूर्णतः ताजा प्रकाश डालती है। ISBN 978-81-237-4976-1

8. एम.एन. राय

वी.बी.कर्णिक अनु. : माधुरी पाल पृ. 92 ₹ 45.00

प्रस्तुत चरित एम.एन.राय नामक उस अद्वितीय व्यक्तित्व का है जिसने भारतीय स्वाधीनता संग्राम में वर्तमान सदी के प्रथम दो दशकों में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ सशस्त्र संघर्षों में भाग लिया।

ISBN 81-237-2187-X

9. कामराज : एक अध्ययन

वी.के. नरसिम्हन अनु. : वागीश के. झा पृ. 190 ₹ 75.00

कामराज भारतीय राजनीति में जननेता के रूप में एक अनूठी घटना थे। यह पुस्तक उनके व्यक्तित्व पर व्यापक प्रकाश डालती है—एक व्यक्ति और नेता के रूप में नेहरू युग के उपरांत भारतीय राजनीति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

ISBN 978-81-237-5249-5

10. क्षितिमोहन सेन

भवतोष दत्त अनु. : रामबहाल तिवारी पृ. 60 ₹ 80.00

लोकधर्म तथा शास्त्रीय धर्म के मर्मज्ञ पंडित क्षितिमोहन सेन की यह जीवनी उस समय की काशी नगरी के सांस्कृतिक, साहित्यिक और धार्मिक विकास का इतिहास प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-5041-7

11. गदर पार्टी नायक कर्तार सिंह सराभा

चमन लाल पृ. 94 ₹ 230.00 (सजि.), ₹ 230.00 (अजि.)

सन् 1913 में भारत को अंग्रेजों से आजाद करवाने के लिए सशस्त्र संघर्ष का बिगुल फूंकने वाले कर्तार सिंह सराभा को जब फांसी हुई थी तब वे मात्र साढ़े उन्नीस साल के थे। अपने छोटे से सार्वजनिक जीवन में देशप्रेमियों के दिल पर राज करने वाले शहीद के संघर्षों का लेखा-जोखा।

ISBN 978-81-237-4911-2 (सजि.) ISBN 978-81-237-4912-9 (अजि.)

12. गाँधी : एक जीवनी

कृष्ण कृपलानी अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 200 ₹ 210.00

प्रस्तुत पुस्तक महात्मा गाँधी के जीवन और कृत्यों का एक रोचक और सम्मोहक वर्णन प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-2020-3A

13. जयप्रकाश नारायण

सुधांशु रंजन पृ. 254 ₹ 215.00

स्वयं को राजसत्ता से अलग रखकर लोकसत्ता को सुदृढ़ करने के प्रयत्न में लगे जयप्रकाश नारायण को आम लोगों ने 'लोकनायक' की उपाधि से विभूषित किया था। जे.पी. के उच्च आदर्शों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करती पठनीय एवं संग्रहणीय जीवनी। ISBN 81-237-1063-1

14. डॉ. भगवान दास

नीलांजना किशोर पृ. 210 ₹ 210.00

एक महान दार्शनिक, चिंतक व लेखक की सारगर्भित जीवनी।

ISBN 978-81-237-4896-2

15. डॉ. राममनोहर लोहिया

गुंजेश्वरी प्रसाद (संच. एवं संपा.) पृ. 192 ₹ 175.00

राममनोहर लोहिया के व्यक्तित्व को समझने के लिए वरिष्ठ पत्रकार की कलम से लिखी गई एक महत्वपूर्ण पुस्तक। साथ ही, लोहिया के अनेक दुर्लभ पत्र एवं उनके विचार भी।

ISBN 978-81-237-7127-4

16. देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद : जीवनवृत्त और विचार

डॉ. व्रजकुमार पांडेय पृ. 232 ₹ 205.00

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की संक्षिप्त जीवनी के साथ उनकी किताबों, उनके भाषणों और लेखों में बिखरे पड़े उनके विचारों का अच्छा संकलन है यहाँ।

ISBN 978-81-237-6474-0

17. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

शिशिर कुमार बोस अनु. : राम अरोड़ा पृ. 140 ₹ 145.00

भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन करने वाले नेताजी का

‘जयहिंद’ का नारा आज भी हरेक भारतीय में जोश भर देता है। उनके संघर्षमय जीवन की अनुबोधक जीवनी। ISBN 978-81-237-1840-8

18. पी.सी. जोशी

गार्गी चक्रवर्ती अनु. : नवीन चक्रवर्ती पृ. 60 ₹ 140.00

यह पुस्तक पी.सी. जोशी के जीवन एवं व्यक्तित्व का एक सांगोपांग विवरण प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-6506-8

19. प्रभावती

उषाकिरण खान पृ. 98 ₹ 105.00

जयप्रकाश नारायण की पत्नी प्रभावती पर लिखी इस पुस्तक में प्रभावती जी के संघर्ष, समन्वय और सूझबूझ को दर्शाया गया है। ISBN 978-81-237-6119-0

20. बदरुद्दीन तैयबजी

लाईक़ फ़तेहअली अनु. : जे.वी.रमण पृ. 76 **अनुपलब्ध**

भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत संस्था काँग्रेस के अध्यक्ष, अधिवक्ता, समाज सुधारक, और जाने-माने शिक्षा शास्त्री का जीवन परिचय। ISBN 81-237-1644-3

21. बटुकेश्वर दत्त : भगतसिंह के सहयोगी

अनिल वर्मा पृ. 160 ₹ 185.00

महज 19 साल की उम्र में दिल्ली की असेंबली में भगतसिंह के साथ बम फेंकने वाले बटुकेश्वर दत्त की यह जन्म शताब्दी है और इसी अवसर पर प्रकाशित यह पुस्तक बटुकेश्वर दत्त के जीवन के कई अनछुए पहलुओं का दस्तावेज है। कई दुर्लभ चित्रों ने पुस्तक की प्रामाणिकता को विस्तार दिया है। ISBN 978-81-237-5984-5

22. बाबासाहब आंबेडकर

वसंत मून अनु. : प्रशांत पांडे पृ. 224 ₹ 190.00

भारतीय संविधान के रचयिता, विद्वान लेखक, विधिवेत्ता, राजनयिक, समाज सुधारक तथा दलितों के नेता डॉ. आंबेडकर की जीवनी। ISBN 978-81-237-0941-3

23. महादेव गोविंद रानाडे

रामनारायण मिश्र पृ. 176 ₹ 150.00

जस्टिस रानाडे की यह जीवनी भारतीय समाज में उनके योगदान को रेखांकित करती हुई उनके व्यक्तिगत जीवन के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालती है।

ISBN 978-81-237-5212-9

24. महामना मदनमोहन मालवीय : व्यक्तित्व एवं विचार

बालमुकुन्द पाण्डेय पृ. 330 ₹ 325.00

महामना मदनमोहन मालवीय भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक कीर्तिस्तंभ तो थे ही, एक महान शिक्षा-चिंतक, प्रखर पत्रकार और बहुभाषाविद् भी थे। ऐसे ही उज्ज्वल चरित के महानायक का जीवन-चरित है यह पुस्तक, जिसमें राष्ट्र, समाज, राजनीति और हिंदुत्व आदि के संबंध में महामना के विचारों का भी समावेश है। ISBN 978-81-237-8273-7

25. मास्टरदा सूर्यसेन

श्रीमती प्रवीण शर्मा पृ. 56 ₹ 85.00

सन् 1923 से 1930 के बीच बंगाल में सशस्त्र क्रांति के बल पर अंग्रेजों को देश से खदेड़ने का संकल्प लेने वाले क्रांतिकारी के जीवन-संघर्ष का दस्तावेज।

ISBN 978-81-237-6569-X

26. मीनू मसानी

एस.वी. राजू अनु. : सौमित्र मोहन पृ. 108 ₹ 140.00

एक सिद्धांतवादी राजनीतिज्ञ की प्रेरणादायक जीवनी। ISBN 978-81-237-5740-7

27. मुहम्मद अब्दुर्रहमान

एन.पी. चेक्कुट्टी अनु. : मुकेश भार्गव पृ. 102 ₹ 125.00

सन् 1921 में केरल के मालाबार विद्रोह के दौरान राजनीति में आए मुहम्मद अब्दुर्रहमान भारतीय स्वतंत्रता आंदालन के प्रमुख नेता रहे हैं। सांप्रदायिकता और देश-विभाजन के प्रबल विरोधी नेता की जीवनी। ISBN 81-237-6436-7

28. मोतीलाल नेहरू

बंशीधर मिश्र पृ. 150 ₹ 145.00

इस पुस्तक में मोतीलाल नेहरू के जन्म से लेकर उनके प्रख्यात वकील बनने एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके महती योगदान और उनके विचार एवं उनकी दृष्टि का सांगोपांग विवरण है।

ISBN 978-81-237-6799-4

29. मोरारजी देसाई

यशवंत दोशी अनु. : रामजी भाई सवाणी पृ. 86 **अनुपलब्ध**

भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के संघर्षमय जीवन की प्रस्तुति।

ISBN 81-237-2086-6

30. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया

वी.एस. नारायण राव अनु. : विश्वासनाथ 'प्रशांत' पृ. 126 ₹ 120.00

विश्वेश्वरैया 'सर एम.वी. नाम से लोकप्रिय एक ऐसा प्रखर बुद्धिवाला व्यक्तित्व है जिन्होंने भारत के वास्तविक निर्माण में आधारभूत भूमिका निभाई। उन्होंने एक अभियंता, प्रबंधक और राजनेता के रूप में कृष्णराज सागर बाँध और भद्रावती आइरन एंड स्टील वर्क्स जैसी अद्‌भुत एवं उपयोगी धरोहर हमें दी। ISBN 81-237-4973-0

31. युसुफ मेहरअली

मधु दंडवते अनु. : नेमिशरण मित्तल पृ. 142 ₹ 145.00

प्रस्तुत जीवनचरित संस्थापक सदस्य तथा भारत के इतिहास व संस्कृति से गहन लगाव रखने वाले महान समाजवादी का है। ISBN 81-237-1926-4

32. रफ़ी अहमद किदवई

अजीत प्रसाद जैन अनु. : कालू राम शर्मा पृ. 120 ₹ 140.00

महान स्वतंत्रता सेनानी और स्वतंत्रता के बाद पं. नेहरू के विश्वासपात्र रहे श्री किदवई के व्यक्तित्व एवं देश को उनकी देन का लेखा-जोखा उनके जीवनपर्यंत सहयोगी ने इस पुस्तक में प्रस्तुत किया है। ISBN 978-81-237-6304-0

33. राजकुमार शुक्ल

राय प्रभाकर प्रसाद पृ. 88 ₹ 105.00

दक्षिण अफ्रीका से 1915 में भारत वापस लौटे मोहनदास करमचंद गाँधी को एक सुदूर गाँव के व्यक्ति राजकुमार शुक्ल चंपारण आगमन का न्योता देता है। 10 अप्रैल, 1917 को गाँधी जी नील की खेती करने वाले किसानों का दर्द समझने के लिए चंपारण की धरती पर कदम रखते हैं और वह संघर्ष भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस, साथ ही गाँधी जी को लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों पर पहुँचा देता है। यह पुस्तक उन्हीं राजकुमार शुक्ल (1875-1929) के जीवन संघर्ष को प्रस्तुत करती है, जिन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से गाँधी जी को 'महात्मा' कहकर पुकारा था।

ISBN 978-81-237-6887-8

34. राममनोहर लोहिया

इंदुमति केलकर श्रीपाद कृष्ण केलकर (संक्षि. एवं संपा.) पृ. 194 ₹ 160.00

श्रेष्ठ समाजवादी चिंतक, क्रांतिकारी विचारक एवं बहुआयामी प्रतिभा के धनी लोहिया के जीवन संघर्ष की बृहद कथा को संक्षिप्त रूप में इस पुस्तक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-1897-2

35. रामेश्वरी नेहरू

कमलेश मोहन अनु. : शमीम खान पृ. 164 ₹ 205.00

गाँधीवादी मूल्यों की प्रबल समर्थक व महिलाओं के राजनीतिक व सामाजिक अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के जीवन संघर्ष का आकलन करती पुस्तक।

ISBN 978-81-37-7644-6

36. लाल बहादुर शास्त्री

राजेंद्र भारती पृ. 206 ₹ 240.00

भारत रत्न से सम्मानित लाल बहादुर शास्त्री सादगी और ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे। सन् '65 की पाकिस्तान की लड़ाई उनके ही प्रधानमंत्रित्व काल में लड़ी गई जिसका अंत ताशकंद समझौते से हुआ था। आत्माभिमान और देशभक्ति के ऐसे ही अवतार के जीवन और कर्मों का लेखा-जोखा है यह पुस्तक।

ISBN978-81-237- 7921-8

37. श्यामा चरण शुक्ल

सुशील त्रिवेदी पृ. 236 ₹ 220.00

अविभाजित मध्य प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे श्यामा चरण शुक्ल की जीवनी। लगभग चार दशकों तक के उनके राजनीतिक कार्यकाल का प्रामाणिक विवरण है यहाँ। उनके चुनिंदा संबोधन पुस्तक को और अधिक परिपुष्ट बनाते हैं।

ISBN 978-81-237-7068-0

38. स्वामी सहजानंद सरस्वती

नीलांशु रंजन पृ. 100 ₹ 110.00

सहजानंद सरस्वती के जीवन तथा स्वाधीनता आंदोलन और किसान आंदोलन में स्वामी जी की भूमिका काफी प्रासंगिक रही है। एक अविस्मरणीय पुस्तक।

ISBN 978-81-237-6486-3

39. सरदार भगत सिंह के सहयोगी : शिव वर्मा

प्रो. प्रमोद कुमार पृ. 156 ₹ 165.00

यह पुस्तक मशहूर क्रांतिकारी, लेखक और समाजवादी विचारक शिव वर्मा के जीवन-संघर्ष की झाँकी है। शिव दा 17 साल की उम्र में पढ़ाई छोड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद गए थे। आजादी के बाद भी उनका संघर्ष जारी रहा। ISBN 978-81-237-6660-7

40. सेनापति बापट

य.दि. फड़के अनु : यशवंत व्यास पृ. 132 ₹ 125.00

पांडुरंग महादेव बापट की प्रस्तुत जीवनी न सिर्फ उनके लंबे और विशिष्ट राजनीतिक जीवन का ब्यौरा देती है बल्कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद की गई उनकी निःस्वार्थ सेवाओं तथा बलिदानों की गाथा का विश्लेषण भी करती है। ISBN 978-81-237-4713-2

41. सैफुद्दीन किचलू

तौफिक किचलू अअनु. : प्रदीप कुमार सक्सेना पृ. 124 ₹ 125.00

जलियाँवाला बाग के मुख्य नायक के रूप में विख्यात एक स्वतंत्रता सेनानी की कहानी जो उनके सुपुत्र की लेखनी से कलमबद्ध की गई है। ISBN 978-81-237-5108-5

42. लोकमान्य तिलक

ग.प्र. प्रधान अनु. : प्रशांत राही पृ. 148 ₹ 145.00

स्वतंत्रता आंदोलन को जन जन तक पहुँचाने के लिए सांस्कृतिक और शैक्षिक क्रांति का मार्ग अपनाने वाले बाल गंगाधर तिलक के जीवन की सहज, सरल भाषा में प्रस्तुति।

ISBN 978-81-237-1652-7

43. वी.ओ. चिदम्बरम पिल्लै

आर.ए. पद्मनाभन अनु. : नरेन्द्र सिन्हा पृ. 78 ₹ 85.00

भारतीय जहाज उद्योग को सम्मानजनक स्थान दिलवाने वाले एक महान स्वतंत्रता सेनानी के बहुआयामी जीवन का संक्षिप्त लेखा-जोखा प्रस्तुत करती पुस्तक।

ISBN 81-237-4356-4

44. सरदार वल्लभभाई पटेल

विष्णु प्रभाकर पृ. 66 ₹ 130.00

सरदार वल्लभभाई पटेल, भारतीय स्वतंत्रता के लौह पुरुष के नाम से जाने जाते हैं। सात सौ से अधिक देशी रियासतों का विलय उन्होंने भारत में कराया था। ऐसे सरदार पटेल के जीवन के विविध पक्षों का वर्णन इस पुस्तक में है। ISBN 978-81-237-0947-5

45. ज्ञानी गुरमुख सिंह 'मुसाफिर'

कर्त्तार सिंह दुग्गल अनु. : बालकराम नागर पृ. 118 **अनुपलब्ध**

ज्ञानी गुरमुख सिंह 'मुसाफिर' देश के अग्रणी राजनेता थे। भारत के स्वाधीनता संग्राम में उन्होंने महती भूमिका निभाई। वह मात्र राजनीतिक नेता ही नहीं वरन कवि, लेखक और एक अच्छे इनसान भी थे।

46. हसरत मोहानी

मुज़फ़्फ़र हनफ़ी अनु. : निज़ामुद्दीन पृ. 102 ₹ 105.00

इस पुस्तक में स्वतंत्रता आंदोलन के वीर सेनानी, सत्यनिष्ठ, कर्मठ मुस्लिम साम्यवादी, निर्भीक

पत्रकार—यानी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हसरत मोहानी की जीवनी को प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-4733-0

47. हकीम अजमल खाँ

हकीम सैयद ज़िल्लुर्रहमान अनु. : मो. अलीम पृ. 138 ₹125.00

प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद्, हकीम और दिल्ली की गंगा-जमुनी संस्कृति के प्रतीक हकीम अज़्मल खां की जीवनी। ISBN 978-81-237-5693-6

48. हेपाउ जादोनांग

जगदम्बा मल्ल पृ. 131 ₹ 175.00

पूर्वोत्तर के वीर स्वतंत्रता सेनानी हेपाउ जादोनांग व रानी गाइदिन्ल्यू द्वारा संचालित स्वतंत्रता संग्राम के भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष के बारे में जानकारी प्रस्तुत करती पुस्तक।

ISBN978-81-237-8749-7

नारी अग्रदूत

(राष्ट्रीय जीवनचरित की एक उप-शृंखला)

1. रानी गाइदिन्ल्यू

जगदम्बा मल्ल पृ. 174 ₹ 195.00

बीसवीं सदी के पहले दशक-उपरांत मणिपुर में पैदा हुई गाइदिन्ल्यू, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'अच्छा मार्ग दिखाने वाली', ने अपने नाम के अनुरूप भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में तो बढ़-चढ़कर भाग लिया ही, हिंदू धर्म एवं संस्कृति पर होने वाले प्रहार एवं छल-छद्म तथा षड्यंत्रों से रक्षा ही नहीं वरन त्राण दिलाने में भी महती भूमिका निभाई। ऐसी ही प्रेरक व्यक्तित्व की जीवन-कथा है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237- 7815-0

2. अहिल्याबाई

हीरालाल शर्मा पृ. 136 ₹ 160.00

अहिल्याबाई के अलौकिक गुणों, असाधारण वीरता और महान कार्यों के विषय में जानकारी देने वाली रोचक पुस्तक। ISBN 978-81-237-2734-9

3. ललद्यद

वेद राही पृ. 156 ₹ 175.00

आधुनिक कश्मीरी भाषा एवं साहित्य की जननी 'ललद्यद' चौदहवीं शताब्दी की सुप्रसिद्ध संत-कवयित्री हैं; इनके 'वाखों' ने आत्म-शुद्धता, सदाचार एवं मानव-बंधुत्व की भावनाओं से तत्कालीन जनमानस को आलोड़ित किया था। डोगरी से हिंदी में अनुवाद श्री वेद राही ने किया है। ISBN 978-81-237-5425-3

4. 1857 का लोक संग्राम और रानी लक्ष्मीबाई

प्रमोद भार्गव पृ. 126 ₹ 170.00

1857 के ऐतिहासिक लोक संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई का साहस और वीरता सर्वविदित है। इस पुस्तक में झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के उसी अदम्य और प्रेरणादायी साहस-गाथा का बखान है। ISBN 978-81-237-7814-3

आत्म जीवनचरित

1. अनंत सीढ़ियों पर निरंतर

सी.एन.आर. राव अनु. : मेहेर वान पृ. 240 ₹ 240.00

भारत रत्न से सम्मानित प्रख्यात रसायनशास्त्री प्रो. सी.एन.आर. राव की आत्मकथात्मक तरह का यह निबंध उनके जीवन-संघर्ष की एक झाँकी प्रस्तुत करता है। इसके पठन से देश में विज्ञान की प्रगति के सोपानों की प्रामाणिक जानकारी भी मिलती है।

ISBN 978-81-237-9111-9

2. अस्ति और भवति

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी पृ. 424 ₹ 385.00

देश की आजादी से लेकर आपातकाल तक और वैश्वीकरण से लेकर सूचना-विस्फोट के दौर तक, लगभग पाँच दशकों तक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी सतत अपनी लेखनी से समाज, साहित्य और संस्कृति को दिशा-दशा देते रहे हैं। यह पुस्तक उन्हीं की कलम से उनके इस यात्रा के खट्टे-मीठे अनुभवों का सार है। ISBN 978-81-237-7216-5

3. एक गौरैया का गिरना

सालिम अली अनु. : विश्वमोहन तिवारी पृ. 232 ₹ 195.00

प्रसिद्ध पक्षिविज्ञानी सालिम अली का आत्मजीवनचरित। ISBN 978-81-237-4403-2

4. किस पहि खोलऊ गँठरी

कर्त्तार सिंह दुग्गल अनु. : फूलचन्द मानव पृ. 524 ₹ 365.00

पंजाबी के ख्यातनाम लेखक कर्त्तार सिंह दुग्गल का आत्मजीवनचरित, जो जीवनी से अधिक, गुलामी से आजादी में आए भारतीयों की संवेदनशील कथा है।

ISBN 978-81-237-4164-2

5. कहाँ तक कहें युगों की बात

मिथिलेश्वर पृ. 382 ₹ 185.00

वरिष्ठ कथाकार की आत्मकथा का एक अंश जिससे पाठक जान सकेंगे कि एक लेखक के रचना संसार में किस तरह की स्थितियों से उसे गुजरना पड़ता है।

ISBN 978-81-237-6216-6

6. जब भी देश पुकारेगा...

धीरेंद्र सिंह जफ़ा पृ. 306 ₹ 375.00

जब भी देश पुकारेगा... विंग कमांडर धीरेन्द्र सिंह जफ़ा के अनुभवों का सच्चा वृत्तांत है। यह किताब युद्ध के दौरान फाइटर पायलट्स के साहसिक जीवन का वर्णन तो करती ही है, साथ ही इसका आत्मविश्लेषी पहलू भी है, जहाँ युद्ध की भयावह हकीकतों पर सैनिक की प्रतिक्रियाएँ नजर आती हैं। पुस्तक में युद्ध के कैदी के अनुभवों को बारीकी से पेश किया गया है।

ISBN 978-93-5743-576-5

7. तरुण भारत

लाला लाजपत राय अनु. : प्रकाश दीक्षित पृ. 188 ₹ 235.00

प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लाला लाजपत राय ने सन् 1916 में अपने अमेरिका प्रवास के दौरान इस पुस्तक को लिखा था, जिसमें वे भारत की वास्तविक स्थिति दुनिया को बताना चाहते थे। अंग्रेज सरकार ने इस पुस्तक को जब्त कर लिया था। 1927 में इस पर से पाबंदी हटी थी।

ISBN 978-81-37-7411-4

8. पुत्चलपल्ली सुंदरैया

अत्लूरी मुरली (संपा. एवं संक्षे.) अनु. : मंजूषा श्रीवास्तव पृ. 368 ₹280.00

'तेलंगाना का विद्रोही' के नाम से मशहूर सुंदरैया को कम्युनिस्ट गाँधी भी कहा जाता है। उनकी आत्मकथा का यह संक्षिप्त रूप है।

ISBN 978 -81-237-6621-8

9. बच्चन की आत्मकथा

हरिवंश राय 'बच्चन' संक्षे. : अजित कुमार पृ. 166 ₹ 145.00

प्रख्यात रचनाकार हरिवंश राय 'बच्चन' की चारों प्रसिद्ध आत्मकथात्मक कृतियों का संक्षिप्त रूपांतरण, जो बच्चन की जीवन-यात्रा और साहित्य-साधना—दोनों का पूर्ण परिचय देता है।

ISBN 978-81-237-2883-4

10. डोगरा शूटिंग और मेरा संघर्ष

राम सिंह पृ. 88 ₹ 105.00

देश की स्वतंत्रता के लिए हथियार उठाने वाले राम सिंह को एक पुलिस अफसर की हत्या के आरोप में काला पानी की सजा हुई थी। आज़ादी के बाद भी उनका समाज के लिए संघर्ष जारी रहा। 17 सितंबर 2008 को उनका 98 की आयु में निधन हुआ। इस पुस्तक में राम सिंह जी के संघर्ष का विवरण उन्हीं की कलम से प्रस्तुत है।

ISBN 978-81-237-6026-1

11. मेरे जीवन की कुछ यादें

जेड.ए. अहमद पृ. 282 ₹ 230.00

दिग्गज कम्युनिस्ट नेता की यादों का ऐसा सफरनामा, जो अविभाजित भारत के राजनैतिक इतिहास और भूगोल की जीती-जागती तस्वीर पेश करती है।

ISBN 978-81-237-5437-6

12. मोहित सेन

आनंद किशोर सहाय (संक्षिप्तीकरण) अनु. : राजेंद्र तिवारी पृ. 330 ₹ 280.00

प्रख्यात कम्यूनिस्ट विचारक मोहित सेन द्वारा अपने ही जीवन व काल का आकलन।

ISBN 978-81-237-6805-2

13. मौत के इंतजार में

शिव वर्मा पृ. 88 ₹ 100.00

मशहूर क्रांतिकारी और चिंतक शिव वर्मा द्वारा आजादी की लड़ाई के दौरान जेल में बिताए गए 20 सालों के दौरान उनको कई ऐसे बंदियों से मिलने का मौका मिला जिन्हें मौत की सजा हो चुकी थी। इस पुस्तक में ऐसे ही परिवेश में अपनी फांसी का इंतजार कर रहे लोगों की मनोदशा का चित्रण प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5340-9

14. राजेन्द्र प्रसाद : आत्मकथा

पृ. 758 ₹ 520.00

भारतीय सभ्यता और संस्कृति के आदर्श प्रतीक भारतीय गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र बाबू की, जीवन को उन्नत बनाने की दिशा में प्रेरित करने वाली आत्मगाथा।

ISBN 978-81-237-0884-3

लोक-संस्कृति और साहित्य

1. अवध : संस्कार, लोकाचार और लोकगीत

मनोरमा मिश्रा पृ. 174 ₹ 235.00

प्रस्तुत पुस्तक में लोकगीतों के माध्यम से अवध क्षेत्र के आंचलिक जीवन के उन मधुर क्षणों का दस्तावेजीकरण किया गया है जब मनुष्य अपने संस्कारों को उत्सव रूप में मनाकर आनंदमय वातावरण का निर्माण करता था। इनमें हमारे पुरातन समाज की समूची संस्कारशीलता, मंगलमयता और आनंदमयता समाहित है। ISBN 978-93-5491-315-0

2. असम के बरगीत

बापचंद्र महंत पृ. 356 ₹ 365.00

लेखक ने असम की तत्कालीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर श्रीशंकर देव के अभूतपूर्व एकीकरण परिचय दिया है। साथ ही भक्ति परंपरा के महान दार्शनिक व कवि श्रीशंकर देव के कृतित्व और व्यक्तित्व पर व्यापक प्रकाश डाला है। श्रीशंकर देव ने बरगीतों के द्वारा उस समय के हिंदुओं और सीमांत आदिवासी, जाति व उपजातियों की आध्यात्मिक भावनाओं को राधा-कृष्ण के भक्तिपरक गीतों के माध्यम से एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। असम में इन बरगीतों के गायकों ने पंद्रहवीं शताब्दी में लगभग चार वर्षों तक ऐसी भक्तिधारा प्रवाहित की कि उसकी तुलना हिंदी के 'अष्टछाप कवियों' से या बंगला के 'बाउलों' से भी की जा सकती है। इन बरगीतों में राधा-कृष्ण की लीलाओं को हिंदी भाषा में व्याख्या सहित वर्णित किया गया है।

ISBN 978-81-237-8721-3

3. अरण्य स्वर

अशोक कुमार मिश्र, गिरिश चन्द्र दास अनु. : सुजाता शिवेन पृ. 172 ₹ 140.00

ओड़िया समाज के लोककंठ में व्याप्त, मगर विलुप्त होती पारंपरिक धरोहर जैसी लोककथाओं का संकलन। ISBN 978-81-237-4113-0

4. आंध्र प्रदेश : लोक-संस्कृति और साहित्य

बी.एम.राजू अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 156 **अनुपलब्ध**

आंध्र प्रदेश की लोक-संस्कृति और साहित्य की जानकारी देने वाली एक प्रामाणिक पुस्तक।

5. उत्तराखंड : लोक संस्कृति और साहित्य

देवसिंह पोखरिया संशोधित संस्करण पृ. 400 ₹ 480.00

उत्तराखंड की लोक संस्कृति को जानने-समझने के लिए विद्वान लेखक की रोचक शैली में लिखी

एक महत्वपूर्ण पुस्तक, जिसे आप संजोकर रखना चाहेंगे। पुस्तक पढ़कर उत्तराखंड की लोक संस्कृति को महसूस करिए। ISBN 978-81-237-5581-6

6. उत्तराखंड की लोककथाएँ

हरिसुमन बिष्ट पृ. 98 ₹ 105.00

उत्तराखंड की लोककथाओं को महत्वपूर्ण रचनाकार हरिसुमन बिष्ट ने बड़े मनोयोग से पाठकों के लिए प्रस्तुत किया है। ISBN 978-81-237-6280-7

7. ओड़िसा : लोक-संस्कृति और साहित्य

के.बी.दास, एल.के.महापात्र अनु. : एस.महापात्र पृ. 176 **अनुपलब्ध**

ओड़िया समाज के जीवनयापन का वस्तुपरक दस्तावेज, जो उड़ीसा के बारे में आम जनमानस के कई पूर्वाग्रह तोड़ता है, कई महत्वपूर्ण और जरूरी बातों की सूचना देता है और मोटे तौर पर उड़ीसा के हर पहलू की जानकारी देता है। ISBN 81-237-1510-2

8. ओड़िसा की लोककथाएँ

महेंद्र कुमार मिश्र अनु. : सुजाता शिवेन पृ. 202 ₹ 170.00

ओड़िसा की रोचक लोककथाओं का संग्रह जिसे हर प्रांत के पाठक पढ़ना चाहेंगे।
ISBN 978-81-237-6333-0

9. जब दरियाई हाथी भी झबरा था

निक ग्रीव्स अनु. : भगवान सिंह पृ. 142 ₹ 445.00

प्राकृतिक इतिहास से पिरोई हुई जंतु कथाओं की यह एक मूल्यवान पुस्तक है। रंगीन और श्वेत-श्याम चित्र तो जैसे इसमें सांस ले रहे हैं। ISBN 978-81-237-1801-9

10. जब शेर भी उड़ान भरता था

निक ग्रीव्स अनु. : भगवान सिंह पृ. 140 ₹ 75.00

अफ्रीकी पुराकथाओं की लुभावनी जंतु कथाएँ। अधिकांश के साथ सुंदर व रंगीन, श्वेत-श्याम चित्र। साथ ही इन जंतुओं के क्षेत्र को दर्शाने वाले अफ्रीका के मानचित्र। ISBN 81-237-2007-6

11. केरल : लोक-संस्कृति और साहित्य

कवलम नारायण पनीक्कर अनु. : उषा पृ. 120 **अनुपलब्ध**

तटीय सौंदर्य का प्रदेश केरल की अनंत परंपरा, संस्कृति आदि के सजीव और सुंदर विवरण से भरी एक महत्वपूर्ण कृति। ISBN 81-237-2450-0

12. कहानियाँ कहावतों की

प्रताप अनम पृ. 126 ₹ 120.00

प्रस्तुत पुस्तक में संकलित लोककथाएँ रोचक शैली में तो हैं ही साथ ही हर कथा अपना तर्क भी प्रस्तुत करती हुई पाठकों को बांधे रखती है। ISBN 978-81-237-5454-3

13. काति म्हीने री चानणिए : कुल्लवी लोक गीतों का संग्रह

सरला चम्बयाल पृ. 114 ₹ 170.00

प्रस्तुत पुस्तक में संकलित गीत मुख्यतया रूपी क्षेत्र में बोले जाने वाली कुल्लवी बोली पर आधारित है। संग्रह में संकलित सभी गीतों को सरल हिंदी में व्याख्यायित किया गया है। इस

संग्रह में देवी-देवता, मेले, त्योहार सामाजिक एवं व्यावहारिक जीवन एवं विशिष्ट व्यक्तित्व का चित्रण बड़े सहज एवं सरल ढंग से किया गया है। ISBN 978-93-5491-035-7

14. कुमाउनी लोककला : चौक पुराऊँ व देहरी सजाऊँ

करुणा पांडे पृ. 236 ₹ 350.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखिका ने कुमाऊँ अंचल में होने वाले धार्मिक पर्वों एवं तीज-त्योहार के अवसर पर घर में चौक पूरना व एपण बनाने आदि लोक कलाओं का बड़ा ही जीवंत वर्णन किया है। ये कलाएँ भारतीय जनमानस में किस तरह से रस-बस गईं और इन कलाओं की क्या परंपरा और उपयोगिता रही आदि पर लेखिका ने बहुत ही बारीकी से प्रकाश डाला है।

ISBN 978-91-5491-311-2

15. गुजरात : लोक संस्कृति और साहित्य

हसु याज्ञिक अनु. : जगदीश चंद्रिकेश पृ. 168 ₹ 100.00

गुजरात प्रांत की सभ्यता और संस्कृति, भौगोलिक परिवेश, आहार-व्यवहार, रीति-नीति, आचार-संस्कार एवं लोक परंपराओं का संक्षिप्त परिचय देती एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4532-9

16. छत्तीसगढ़ का लोक-पुराण : मनोमय गाँवों का बहुरूप

राहुल कुमार सिंह पृ. 256 ₹ 240.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक द्वारा छत्तीसगढ़ की भाषा के इतिहास, परंपरा और वहाँ के गाँवों के नामकरण के पीछे का क्या इतिहास रहा है, के बारे में चर्चा की गई है। विषय-वस्तु की दृष्टि से यह पुस्तक छत्तीसगढ़ की भाषा और बोली के विकास और उसमें आए परिवर्तन पर केंद्रित एक लघु अनुसंधान सदृश है। ISBN 978-81-237-7199-1

17. छोटानागपुर के टाना भगत

विजय पाणि पाण्डेय अनु. : धनंजय चोपड़ा पृ. 128 ₹ 205.00

प्रस्तुत पुस्तक में कुल सात अध्याय हैं, जिनमें प्राचीन आदिवासी परंपराओं और संस्कारों पर प्रकाश डाला गया है। छोटानागपुर के उराँव लोगों ने वैष्णव को अपनाया और ईश्वर-भक्ति को प्रारंभ किया, जिसने भगत संस्कृति का रूप ले लिया। प्रस्तुत पुस्तक में टाना भगतों की एक पंथ के रूप में उत्पत्ति से लेकर उनकी सामाजिक संरचना, जीवन-यात्रा के संस्कार, आर्थिक संरचना और उनके लोकगीत आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

ISBN 978-93-5491-107-1

18. जापान की लोककथाएँ

सुरेश ऋतुपर्ण पृ. 200 ₹ 165.00

जापान की लोककथाओं को नए सूत्र में पिरोया है जापान में पढ़ा रहे प्राध्यापक साहित्यकार प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण ने। निश्चित ही ये कथाएँ रोचक तो हैं ही, साथ ही अपनी आत्मीय शैली में आपको पढ़ने को भी आमंत्रित करेंगी। ISBN 978-81-237-5968-5

19. तमिलनाडु : लोक-संस्कृति और साहित्य

एम.एल.लक्ष्मणन चेट्टियार अनु. : कृष्णगोपाल अग्रवाल पृ. 252 ₹ 210.00

सांस्कृतिक दृष्टि से संपन्न प्रदेश के लोगों के आचार-विचार, धर्म विवरण, रीति-रिवाजों की जानकारी देने वाली सार्थक पुस्तक। ISBN 978-81-237-4058-4

20. तुरंगम

घनश्याम गुप्त पृ. 196 ₹ 185.00

प्रस्तुत पुस्तक में लोक में प्रचलित विभिन्न अश्व कथाओं को संग्रहीत किया गया है। यूँ तो अश्व और मनुष्य के संयुक्त शौर्यगाथा के अनगिनत ऐतिहासिक और लोकविवरण विभिन्न समाजों में प्राप्त हैं। इन्होंने समय-समय पर लोकचेतना में, गाथा में गीतों और लोककथाओं का कलेवर ग्रहण कर लिया है। ISBN 978-81-237-7787-0

21. दुनिया जब नई नई थी

वेरियर एल्विन अनु. : भगवान सिंह पृ. 100 ₹ 105.00

भारत के पर्वतों और वनों में अनेकानेक वंशों के लगभग तीन करोड़ जनजातीय लोग निवास करते हैं। इनकी संस्कृति में बहुत तरह के धर्म, सामाजिक संस्थाएँ, पोशाक और भाषाएँ शामिल हैं। इन्हीं की कुछ लोककथाओं का संकलन। ISBN 978-81-237-1922-1

22. देवेंद्र सत्यार्थी : लोक निबंध

प्रकाश मनु (संच. एवं संपा.) पृ. 420 ₹ 385.00

सत्यार्थी जी के विविध पक्षों को जानने के लिए एक महत्वपूर्ण पुस्तक जो उनकी तहों को खोलने में किसी संदर्भिका से कम नहीं। ISBN 978-81-237-7165-6

23. नील गगन के प्रांगण से

मायाक्षी चट्टोपाध्याय अनु. : विपिन कुमार पृ. 104 ₹ 40.00

भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र की उत्तरी सीमा पर फैली लोमहर्षक पहाड़ी परिदृश्य में गूँजती जिन पौराणिक कथाओं, किंवदंतियों, तथा लोककथाओं में जीवन की विचित्रता, रहस्य, अस्तित्व का आनंद एवं उसके लिए संघर्ष, मौलिक भावनाओं की परस्पर प्रक्रिया तथा चिरकालीन सत्यों एवं मूल्यों की शाश्वतता सुनाई पड़ती है, उनका अनूठा संकलन।

ISBN 81-237-3865-X

24. पिरथवी भारी है

रमेश दत्त दुबे पृ. 88 **अनुपलब्ध**

बुंदेलखंड की श्रेष्ठ लोककथाओं का महत्वपूर्ण संग्रह, जो बुंदेलखंड के जनजीवन की लोक परंपरा से परिचय कराता है। ISBN 81-237-1722-9

25. पूर्वोत्तर की आदिवासी कहानियाँ

रमणिका गुप्ता (संक. एवं संपा.) पृ. 168 ₹ 150.00

इस पुस्तक में अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, मणिपुर आदि क्षेत्रों के रचनाकारों की रचनाओं को संजोया गया है।

ISBN 978-81-237-5575-5

26. पूर्वोत्तर : आदिवासी सृजन मिथक एवं लोककथाएँ

रमणिका गुप्ता (संक. एवं संपा.) पृ. 226 ₹ 190.00

इस संकलन में महत्वपूर्ण रचनाओं को संजोया गया है। एक संग्रहणीय पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5850-3

27. पूर्वोत्तर राज्यों की भावपूर्ण लोककथाएँ

डॉ. सुनीता पृ. 242 ₹ 250 .00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखिका ने सात पूर्वोत्तर राज्यों–क्रमशः अरुणाचल प्रदेश, असम, त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और मेघालय, जिन्हें सात बहनों के नाम से भी जाना जाता है, की भावपूर्ण लोककथाओं का जीवंत वर्णन किया है। इन बहुरंगी लोककथाओं में पर्याप्त विविधता भी है।

ISBN 978-81-237-8178-5

28. बदलाव के दौर से गुजरती जनजातियाँ

जयसिंह रावत पृ. 494 ₹ 565.00

लेखक द्वारा उत्तराखंड को केंद्र में रखकर वहाँ की जनजातियों, जैसे–भोटियों, जौनसारी, थारू, बुक्सा व राजी आदि के उद्भव, विकास, प्रथाएँ एवं परंपराएँ, मेले, पर्व और त्योहार, भाषा-बोलियाँ, लोक साहित्य आदि पर चर्चा के साथ ही इन जनजातियों के मुख्य धारा में मिलने से वर्तमान में उनके जीवन-स्तर में हुए बदलावों एवं सुधारों आदि पर आँकड़ों के माध्यम से इस पुस्तक में व्यापक जानकारी दी गई है।

ISBN 978-93-5491-800-1

29. बस्तर की भतरी लोककथाएँ

हरिहर वैष्णव (संक. व अनु.) पृ. 158 ₹ 335.00

भतरी बस्तर अंचल की व्यापक उपयोग वाली बोली है। इसका आदि-साहित्य अधिकांश मौखिक ही है। लेखक ने सुश्री सुखदेवी कोर्राम के सहयोग से इन दुर्लभ कहानियों को एकत्र किया व उनका हिंदी अनुवाद भी किया। पुस्तक में मूल भतरी व उसके ठीक सामने हिंदी अनुवाद के साथ 14 कथाओं को प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-37-7640-8

30. बस्तर की लोककथाएँ

लाला जगदलपुरी, हरिहर वैष्णव (संक. एवं संपा.) पृ. 162 ₹ 150.00

बस्तर अंचल में 15-16 लोक भाषाएँ बोली जाती हैं, लेकिन इनमें से कई विलुप्त होने की कगार पर हैं। ऐसी ही नौ लोक बोलियों की कथाओं को इस संकलन में उनके हिंदी अनुवाद के साथ प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-6673-7

31. बस्तर का आदिवासी एवं लोक संगीत

हरिहर वैष्णव पृ. 286 ₹ 510.00

बस्तर भले ही आज बाहरी दुनिया के लिए बारूद की गंध से पहचाना जाता हो, लेकिन वहाँ की कई-कई जनजातियों में संगीत, नृत्य की समृद्ध परंपराएँ हैं। यह पुस्तक इस दिशा में लेखक के तीन दशकों के गहन शोध का सार है। बड़े आकार की इस पुस्तक में कई दुर्लभ चित्र व रेखाचित्र भी हैं, जो इनकी प्रामाणिकता को विस्तार देते हैं।

ISBN 978-81-237-6941-5

32. बस्तर की हल्बा जनजाति

शिव कुमार पांडेय पृ. 158 ₹ 205.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने हल्बा जनजाति से संबंधित सभी पक्षों, जैसे हल्बा जनजाति की उत्पत्ति, इतिहास, राजनीति, संस्कृति, भाषा और साहित्य आदि को समेटने का अच्छा प्रयास किया है।

ISBN 978-93-5491-151-4

33. बंगाल : लोक-संस्कृति और साहित्य

आशुतोष भट्टाचार्य अनु. : नरेन्द्र सिन्हा पृ. 146 ₹ 150.00

बंगाल के जनजीवन का संक्षिप्त किंतु सिलसिलेवार दृश्य दिखाती एक श्रेष्ठ पुस्तक, जहाँ बंगाल के रीति-रिवाज, परंपरा, मेले, पर्व, मौखिक साहित्य, लोक साहित्य आदि की संक्षिप्त झाँकी मौजूद है। ISBN 978-81-237-2240-5

34. बंगाल की लोककथाएँ

लाल बिहारी डे अनु. : सुषमा गुप्ता पृ. 224 ₹ 250.00

मूल अंग्रेजी से हिंदी में अनूदित प्रस्तुत कहानी संग्रह में बाईस कहानियाँ हैं। सभी कहानियाँ रोचक हैं और पाठकों को नैतिक शिक्षा देने का कार्य करती हैं।

ISBN 978-81-237-9260-6

35. ब्रज का भाव भूगोल

उमेश चंद्र शर्मा पृ. 186 ₹ 235.00

ब्रज-मंडल काफी विशाल है। पुराणों के अनुसार इस अलौकिक, पवित्र, दिव्य भूमि का विस्तार कहाँ तक माना गया, वहाँ के भक्ति भाव ने किस तरह भारतवर्ष को प्रभावित किया, साथ ही इस पुस्तक में ब्रज के मानव, सामाजिक और भाषायी भूगोल, इस परम पूजनीय धरती से विभिन्न भक्ति संप्रदायों का भावान्वेषण, यहाँ के विग्रह, भाव केंद्र–इन सभी का गहराई से अध्ययन पुस्तक में निबंधों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-9891-2

36. बिहार : इंद्रधनुषी लोकरंग

मृदुला सिन्हा पृ. 210 ₹ 340.00

यह पुस्तक बिहार की भोजपुरी, मैथिली, मगही, तिरहुत और अंग संस्कृतियों के लोकजीवन, गीत-संगीत, मान्यताओं, इतिहास, खान-पान आदि के संबंध में जानकारी देती है।

ISBN978-81-237- 8055-9

37. बिहार की लोककथाएँ

रणविजय राव पृ. 150 ₹175.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने मुख्य रूप से बिहार प्रदेश में प्रचलित चार लोक भाषाओं–मगही, भोजपुरी, मैथिली और अंगिका में पाई जाने वाली रोचक लोककथाओं को संग्रहीत किया है।

ISBN978-81-237- 8772-5

38. बुंदेलखंड की लोक संस्कृति और साहित्य

अयोध्या प्रसाद गुप्त 'कुमुद' पृ. 190 ₹ 265.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने बुंदेलखंड की लोक संस्कृति, रीतिरिवाज तथा रहन-सहन आदि की जानकारी बहुत ही जीवंत रूप में वर्णित की है। ISBN 978-93-5491-059-3

39. भारत की लोककथाएँ

ए.के. रामानुजन अनु. : कैलाश कबीर पृ. 386 ₹ 295.00

भारत के विभिन्न प्रांतों में और भिन्न-भिन्न भाषाओं-उपभाषाओं में प्रचलित लोककथाओं का अनूठा संकलन। ISBN 978-81-237-3446-0

40. भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोककथाएँ

शरद सिंह पृ. 360 ₹ 265.00

देश की विभिन्न जनजातियों की रोचक लोककथाओं को प्रस्तुत करती यह पुस्तक उन पाठकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जिन्हें लोककथाओं से अनुराग है।

ISBN 978- 81-237-5580-9

41. भोजपुरी लोककथा

मिथिलेश्वर (पुनर्रचना) पृ. 138 ₹ 140.00

हिंदी के सुपरिचित कथाकार मिथिलेश्वर द्वारा पुनर्रचित भोजपुरी लोककथाओं का अनोखा संकलन।

ISBN 978-81-237-5372-0

42. महाभारत धरा की लोककथाएँ

श्याम सखा 'श्याम' पृ. 158 ₹ 170.00

इन लोक कथाओं की ऐतिहासिकता ही इन्हें श्रेष्ठ मापदंड पर खड़ा रखती है। आम प्रचलित सरोकारों से संपन्न लोककथाएँ जिनका समाज में आज भी आदर है।

ISBN 978-81-237-7362-9

43. महाराष्ट्र की प्रदर्शन लोककलाएँ

श्रीकृष्ण काकडे पृ. 158 ₹ 300.00

महाराष्ट्र प्रांत में भ्रमण करने वाली विभिन्न जनजातियों द्वारा तीज-त्योहार एवं विभिन्न अवसरों पर लोक में प्रचलित कथाओं, गीतों व लोक नाटिकाओं आदि प्रदर्शन कलाओं के बारे में इस पुस्तक में वर्णन किया गया है।

ISBN 978-81-237-7199-8

44. मुंडा और उराँव के प्रथागत कानून

जय प्रकाश गुप्ता अनु. : रत्नेश कुमार मिश्र पृ. 241 ₹ 465.00

राँची जिले के आदिवासी लोग, मुख्यतः मुंडा और उराँव, अपने प्रथागत कानूनों को मानने के बावजूद विभिन्न प्रकार की मुकदमेबाजियों में उलझे हुए हैं। वकील, न्यायपालिका और सरकारी कर्मचारी न आदिवासी प्रथागत कानूनों से अच्छी तरह परिचित हैं, न ही उन्हें इन कानूनों के अनुसार व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इन्हीं कानूनों को लेखक ने पुस्तक में प्रमुखता से वर्णित किया है।

ISBN 978-93-549-1944-2

45. राजस्थान : लोक संस्कृति और साहित्य

डी.आर. आहूजा अनु. : वागीश कुमार झा, राजेश कुमार झा पृ. 164 ₹ 160.00

राजस्थान की लोक संस्कृति, वहाँ के धर्म, अंधविश्वास, पर्व, त्योहार, आचार-विचार कर संक्षिप्त जानकारी देती हुई पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3883-3

46. लोक संस्कृति के विविध आयाम

महीपाल सिंह राठौड़ पृ. 132 ₹ 190.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने संस्कृति के विविध आयामों, जैसे लोरी साहित्य, स्वाधीनता संग्राम के लोकगीत, श्रम लोकगीत, भोजपुरी व राजस्थानी लोकगीत आदि को वर्णित किया है।

ISBN 978-93-5491-112-5

47. संताली लोककथाएँ

डोमन साहू समीर (संपा.) पृ. 162 ₹ 140.00

संताली जनजीवन की लोक रुचि के रक्षणार्थ, सामान्य भाषा में प्रस्तुत जनजातीय जनपद के लोककंठ में व्याप्त अनूठी लोककथाओं का मनोहारी संकलन।

ISBN 978-81-237-3546-7

48. सहरिया आदिवासी : जीवन और संस्कृति

प्रमोद भार्गव पृ. 144 ₹ 240.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने सहरिया आदिवासी की उत्पत्ति, विकास और जीवन संस्कृति पर व्यापक प्रकाश डाला है। ये आदिवासी मध्यप्रदेश के उत्तरी-पश्चिमी अंचल में चंबल, आसन, पार्वती, कूनो, सिंध और महुअर नदियों के कूल-किनारों व बीहड़ जंगलों, पठारों और टीलों पर बसे हुए हैं। सहरिया आदिवासियों के बारे में रोचक जानकारी प्रस्तुत करती एक बेजोड़ पुस्तक।

ISBN 978-81-237-9570-6

49. सावन सूखे, ज्येष्ठ हरे

निशा सत्यजीत पृ. 112 ₹ 185.00

प्रस्तुत पुस्तक में हरियाणा लोक साहित्य में प्रचलित पहेलियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है।

ISBN 978-81-237-8057-3

50. सिंध की लोककथाएँ

रश्मि रमानी (संक. व अनु.) पृ. 100 ₹ 95.00

दुनिया की सबसे पुरानी संस्कृतियों में से एक सिंधु घाटी की सभ्यता, साहित्य के सतत विकास की भी साक्षी है। पाकिस्तान के सैकड़ों शहरों तथा गाँवों में सिंध का लोक साहित्य बलोची, सरायकी, ओड़की जैसी बोलियों के साथ पल-बढ़ रहा है। सिंध की पारंपरिक लोककथाएँ सिंध के लोकजीवन, मान्यताओं, रहन-सहन, परंपराओं की स्मृतियों को जीवंत नाम देती हैं।

ISBN 978-81-237-5690-5

51. हरियाणा : भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

पूर्णचंद शर्मा पृ. 398 ₹ 480.00

हरियाणा की भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, यथा–हरियाणवी भाषा के उद्‌भव, विकास, विभिन्न प्रथाएँ एवं परंपराएँ, मेले, पर्व और त्योहार, लोकगीत, लोकनृत्य, संगीत में राग-रागिनी, लोककथाएँ तथा लोक साहित्य आदि के संबंध में इस पुस्तक में व्यापक प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-93-5491-870-4

52. हिमाचल प्रदेश की लोककथाएँ

सुदर्शन वशिष्ठ पृ. 206 ₹ 195.00

लोककथा का अपना महत्व होता है जो अनजाने ही हमें एक अव्यक्त सुख देती है और जिसका एहसास बहुत ही प्रीतिकर होता है। हिमाचल को लोककथा के माध्यम से परिचित कराने में मददगार यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7177-9

53. हिमाचल की लोककलाएँ और आस्थाएँ

मौलूराम ठाकुर पृ. 220 ₹ 190.00

प्रस्तुत पुस्तक हिमाचल की लोककला और आस्थाओं से जहाँ परिचय कराती है वहीं हमें हमारी परंपराओं से जुड़े रहने का बोध भी कराती है। इस कड़ी की एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5369-0

54. हिमाचल के लोकगीत

गौतम शर्मा 'व्यथित' (संपादन और लेखन) पृ. 388 ₹ 280.00

हिमाचल के जनजातीय व समतलीय जनजीवन के विसंगतियों में अंकुरित-पल्लवित प्रेम की सरस-सरल, मीठी-कड़वी, अनुभूतियों-विरोधों-अवरोधों को आंचलिक भाषा-रूपों में व्याख्या देते लोकप्रिय पारंपरिक प्रणय लोकगीतों का सुंदर दस्तावेज।

ISBN 978-81-237-6960-8

55. हिमाचल प्रदेश : लोक-संस्कृति और साहित्य

गौतम शर्मा 'व्यथित' पृ. 222 ₹ 185.00

प्रस्तुत पुस्तक में हिमाचल प्रदेश के लोक जीवन में व्याप्त तरलता, सरलता, मिठास, जीवंतता, लोककथाएँ, लोक नृत्यों, पर्व-त्योहार आदि पक्षों का सरल व सहज भाषा में वर्णन किया गया है।

ISBN 978-81-237-0315-2

सृजनात्मक शिक्षा

1. एक अध्यापक का सफरनामा

रामजी दूबे पृ. 112 ₹ 140.00

गाँव की संस्कृति में पले-बढ़े एक ऐसे प्राध्यापक का विद्यार्थी जीवन से प्राध्यापकीय जीवन की यात्राओं का सफरनामा, जिसमें लेखक सदैव विद्यार्थी की भांति सीखने और सिखाने की गुरु-शिष्य परंपरा से जुड़ा रहा जो वर्तमान में भी यथावत जारी है। गाँव से शहर में आने के अनुभवों की यह बेजोड़ पुस्तक है। ISBN 978-81-237-6363-7

2. एक था कार्वर

वीणा गवाणकर अनु. : संध्या भाटलेकर पृ. 150 ₹ 170.00

मूल मराठी से अनूदित इस पुस्तक में अमेरिका के नीग्रो कृषि वैज्ञानिक जॉर्ज वाशिंगटन कार्वर के जीवन संघर्ष को बड़े ही मार्मिक एवं जीवंत रूप में वर्णित किया गया है। पुस्तक पाठकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। ISBN 978-81-237-7811-2

3. इंटरनेट युग : बच्चे, अभिभावक और शिक्षकों की चुनौतियाँ

संजीव राय पृ. 110 ₹ 160.00

इंटरनेट के आगमन से दुनिया में तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ही केवल आमूल-चूल परिवर्तन नहीं हुआ, बल्कि शिक्षा एवं शिक्षण की अवधारणा ही सिरे से बदल गई। इसी परिप्रेक्ष्य में डिजिटल, वर्चुअल या आभासी शिक्षण के व्यापक रूप से प्रचलन में आ जाने से शिक्षकों के साथ ही बच्चों और अभिभावकों के समक्ष भी जो चुनौतियाँ आन खड़ी हुई हैं उन्हीं के संबंध में प्रस्तुत पुस्तक में विचार किया गया है। ISBN 978-93-5743-263-4

4. कुछ यूँ रचती है हमें किताब

डॉ. आर.डी. सैनी पृ. 84 ₹ 155.00

कैसे स्कूली वातावरण से डरा और भागा एक छात्र पुनः कक्षा में लौट आता है और न केवल कक्षा का अव्वल छात्र बनता है, बल्कि स्कूली समय में ही एक कथाकार, एक लेखक भी बन जाता है, इसे बहुत ही रोचक और सुरुचिपूर्ण तरीके से इस किताब में बताया गया है।

ISBN 978-93-6719-365-5

5. कठपुतली मार्गदर्शिका

मीना नाईक अनु. : राजेंद्र पांडे पृ. 52 ₹ 45.00

कठपुतली के इतिहास को बताते हुए इसके प्रकार, बनाने की विधि समेत इस चित्रमय पुस्तक

में मंचित किए जाने योग्य कुछ कठपुतली नाटिकाएँ भी दी गई हैं। ISBN 81-237-4123-5

6. कम लागत, बिना लागत शिक्षण सहायक सामग्री

मेरी ऐन दासगुप्ता अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 82 ₹ 195.00

बेकार पड़ी चीजों से अध्यापक अगर चाहें तो बच्चों के लिए काफी उपयोगी शिक्षण सहायक सामग्री बना सकते हैं। अध्यापकों के लिए एक उपयोगी पुस्तक। ISBN 978-81-237-2773-8

7. क्योंजीमल और कैसेकैसलिया

सुबीर शुक्ला पृ. 32 ₹ 90.00

क्यों? क्यों? कैसे? कैसे? हमारे आसपास हो रही आम घटनाओं के 'क्यों' और 'कैसे' से जुड़े सवालों के जवाब—कई मनोरंजक गतिविधियों के साथ। ISBN 978-81-237-3189-6

8. कहानी कहने की कला

पंकज चतुर्वेदी (संपा.) पृ. 52 ₹ 75.00

बच्चों को कहानी सुनाना केवल एक मनोरंजन नहीं है, इससे बच्चे सीखते हैं, उनके कल्पना लोक का विस्तार होता है, उनमें आत्मनिर्भरता का भाव आता है। यह पुस्तक तकनीकी, प्रभाव आदि विभिन्न परिप्रेक्ष्य में कहानी सुनाने की प्रक्रिया की व्याख्या करती है। इसमें डॉ. हरिकृष्ण देवसरे, प्रो. कृष्ण कुमार, प्रो. रामजन्म शर्मा, रामेश्वर कांबोज आदि विचारकों के प्रयोगों व अनुभवों को प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-7048-2

9. कोरोना काल में शिक्षा : बदलाव और नए प्रयोग

संजीव राय पृ. 100 ₹ 160.00

इस पुस्तक में कुल नौ अध्याय हैं। प्रत्येक अध्याय में महामारी को केंद्र में रखकर शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण अनुशासन पर प्रकाश डाला गया है। शिक्षा में तकनीक की अपनी भूमिका है, लेकिन बच्चों के इंटरनेट-टीवी-मोबाइल के उपयोग को लेकर अभिभावकों-शिक्षकों की रणनीति क्या होनी चाहिए, लेखक ने इस विषय पर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी है। पुस्तक में भारतीय स्कूलों के संदर्भ में 'ऑनलाइन शिक्षा' और 'होम स्कूलिंग' को नए ट्रेंड के रूप में बताया गया है।

ISBN 978-93-549-1111-8

10. खुलते अक्षर खिलते अंक

विष्णु चिंचालकर पृ. 28 ₹ 75.00

वातावरण में पाई जाने वाली सजीव व निर्जीव वस्तुओं में किसी विशिष्ट आकार की कल्पना को प्रस्तुत करती बेहद रोचक पुस्तक। ISBN 978-81-237-2144-6

11. खेल-खेल में बच्चों का विकास

मीना स्वामिनाथन, प्रेमा डैनियल *अनु.* : सुधीर नाथ झा पृ. 214 ₹ 290.00

इस पुस्तक में विभिन्न खेल गतिविधियों द्वारा बच्चों के संपूर्ण विकास के महत्व को दर्शाया गया है। लेखिका ने विभिन्न चित्रों के माध्यम से अध्यापिका द्वारा खेल गतिविधियाँ प्रस्तुत की हैं। इस तरह यह पुस्तक अध्यापकों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शिका का कार्य करती है।

ISBN 978-81-237-5397-3

12. जड़ों की ओर : गांधी जी की बुनियादी शिक्षा का अध्ययन

हेनरी फैग अनु. : कुमार पंकज पृ. 116 ₹ 140.00

गांधी और शिक्षा पर अब तक जो कुछ लिखा गया है इस अध्ययन का शीर्षक उसमें से अधिकांश

के साथ इसके लेखक के असंतोष का संकेत देता है। लेखक ने शिक्षा पर गांधी की मान्यताओं के विकास के उस सर्वाधिक निर्णायक काल का एक विस्तृत संदर्भपरक अध्ययन प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। ISBN 978-81-237-9827-1

13. डॉ. श्यामाप्रसाद मुकर्जी : एक शिक्षाविद्

डॉ. नंदकिशोर गर्ग, डॉ. नम्रता शर्मा पृ. 244 ₹ 270.00

प्रखर राष्ट्रवादी डॉ श्यामाप्रसाद मुकर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति रहे हैं और अपने कार्यकाल में उन्होंने दीक्षांत समारोह में रवींद्रनाथ टैगोर को आमंत्रित कर बांग्ला में भाषण की शुरुआत करवाई थी। यह पुस्तक डॉ. मुकर्जी के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का प्रामाणिक दस्तावेज है। ISBN 978-81-237- 8054-2

14. डोरी के खेल

अरविन्द गुप्ता पृ. 50 ₹ 110.00

तीस रोचक नमूनों के साथ प्रस्तुत पुस्तक बच्चों में डोरी के खेल के माध्यम से कल्पनाशीलता तथा उनमें स्मरण शक्ति बढ़ाने का कार्य कर सकने में सक्षम है। हर नमूने के साथ निर्देश तो हैं ही, चित्र भी हैं जिससे पुस्तक की उपयोगिता और बढ़ गई है। ISBN 978-81-237-4287-8A

15. तोत्तो-चान

तेत्सुको कुरोयानागी अनु. : पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा पृ. 140 ₹ 140.00

'बेस्ट सेलर' मूल जापानी पुस्तक 'तोत्तो-चान : खिड़की में खड़ी नन्ही लड़की' का हिंदी अनुवाद है यह पुस्तक। एक सात वर्षीया नन्ही-सी लड़की तोत्तो-चान की अत्यंत मनोरंजक एवं सच्ची कहानी, जिसे पहली ही कक्षा में 'असंभव लड़की' की संज्ञा देकर स्कूल से निकाल दिया जाता है।

ISBN 978-81-237-1760-9

16. दिवास्वप्न

गिजुभाई बधेका अनु. : काशिनाथ त्रिवेदी पृ. 86 ₹ 120.00

समर्पित शिक्षक, गिजुभाई बधेका का बाल-शिक्षण पर एक नया दृष्टिकोण।

ISBN 978-81-237-0831-7

17. नन्हे खिलौने

अरविन्द गुप्ता पृ. 60 ₹ 75.00

बेकार समझ कर इस्तेमाल करके फेंकी गई चीजें भी बड़ी उपयोगी व काम की हो सकती हैं। विभिन्न प्रकार के खाली डिब्बे तथा इसी तरह की अन्य चीजों से बच्चे खिलौने बना सकते हैं। मनोरंजन के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी। एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2249-8

18. पहला अध्यापक

चिंगिज़ ऐटमाटोव अनु. : भीष्म साहनी पृ. 70 ₹ 80.00

रूस का एक गाँव पूरी तरह से निरक्षर था। वहाँ दूईशेन नाम के एक उत्साही व्यक्ति ने गाँव वालों को शिक्षा के प्रति न सिर्फ प्रेरित किया, वरन् गाँव के बच्चों को शिक्षित करने में भी वह सफल हुआ। इसी भावभूमि पर लिखी मूल रूसी कहानी का यह हिंदी अनुवाद है।

ISBN 978-81-237-2877-3

19. पर्यावरण प्रहरी

मीना रघुनाथन, ममता पांड्या (संपा.) अनु. : प्रियदर्शन पृ. 98 ₹ 170.00

यह पुस्तक पर्यावरणीय शिक्षा की जरूरतों को रेखांकित करती हुई कक्षा और कक्षेतर अनुभव की महत्ता बताती है; साथ ही बेहतर भविष्य के लिए युवाओं के सशक्तीकरण पर भी बल देती है।

ISBN 978-81-237-5224-2

20. प्राथमिक विद्यालय के लिए यूनेस्को की विज्ञान स्रोत पुस्तक

वेन हारलेन, जोस एल्स्टगीस्ट अनु. : अरविंद गुप्ता पृ. 256 ₹ 345.00

शिक्षकों की सेवा-पूर्व और सेवारत प्रशिक्षण कार्यशालाओं में उपयोग करने के लिए परिकल्पित यह पुस्तक बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के लिए अनेकशः उपायों को बताती है।

ISBN 978-81-237-5386-7

21. बाल पोथी

महात्मा गाँधी अनु. : काशिनाथ त्रिवेदी पृ. 30 ₹ 45.00

सन् 1924 में महात्मा गाँधी ने स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए बच्चों की पहली किताब 'बाल पोथी' की रचना की थी। उनका मानना था कि बच्चे को अक्षर ज्ञान देने के लिए कोई किताब की जरूरत नहीं है, केवल शिक्षक ही उन्हें अक्षर ज्ञान करवाए। बच्चा जब अक्षरों को पहचानने के काबिल हो जाए तो उसकी पहली पुस्तक 'बाल पोथी' हो।

ISBN 978-81-237-5467-3

22. बच्चे की भाषा और अध्यापक

कृष्ण कुमार पृ. 68 ₹ 90.00

चर्चित शिक्षाविद् कृष्ण कुमार ने नर्सरी और प्राथमिक स्कूलों के बच्चों को लिए रुचिकर बनाने के लिए, किए जा सकने वाले प्रयोगों का विवरण सरल भाषा में दिया है। इस पुस्तक के मूल संस्करण का प्रकाशन यूनिसेफ द्वारा किया गया था। ISBN 978-81-237-1817-0

23. बच्चों के लिए एक सही शुरुआत

रॉबर्ट जी. मेयर्स अनु. : सुशील जोशी पृ. 92 ₹ 100.00

पुस्तक में विकासशील देशों में शिशुओं के विकास कार्यक्रमों का समग्र परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-1119-5

24. बच्चों को प्यार दें

डॉ. मंजू देवी पृ. 132 ₹ 145.00

बच्चे मानवीय दुनिया की अनमोल कृति हैं। बालपन से ही उनके व्यक्तित्व को सँवारना जरूरी होता है। यह पुस्तक बच्चों के शैशव से ही उनके मानसिक और मनोवैज्ञानिक निरीक्षण और देखभाल के साथ ही स्कूल जाते बच्चों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं, समाज के साथ तादात्म्य बिठाने की प्रक्रिया आदि विविध पक्षों पर विमर्श की पीठिका तैयार करती है।

ISBN 978-81-237-9114-2

25. मेरी दस उंगलियाँ

अरविन्द गुप्ता पृ. 120 ₹ 195.00

कबाड़-कचरा समझकर फेंके गए डिब्बे, ढक्कन आदि से बहुत-सी चीजें बनाई जा सकती हैं। बच्चे अक्सर अपने हाथ से कुछ बनाना चाहते हैं। बच्चे करके जो सीखते हैं वह जीवन भर

उन्हें याद रहता है। दस उंगलियों से क्या कुछ नहीं बनाया जा सकता? एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3203-9

26. रंग बिरंगा–रंगमंच

फैसल अल्काज़ी पृ. 40 ₹ 60.00

नाटक मंचित करने के लिए कहानी के चयन से लेकर मंच-सज्जा तक की जानकारी देने वाली पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3174-2

27. वनशाला

प्रिया नागराजन पृ. 40 ₹ 185.00

कहानी, खेल, माथा-पच्ची, पहेलियों से भरपूर ऐसी पुस्तक जो बच्चों का भरपूर मनोरंजन करेगी।

ISBN 978-81-237-3285-5

28. वन विद्यालय की कहानी

चितरंजन दास अनु. : बिचार दास पृ. 138 ₹ 130.00

यह पुस्तक पाँचवें दशक में उड़िसा के जंगलों में शुरू किए गए एक ऐसे विद्यालय की कहानी है, जिसमें बच्चे प्राकृतिक वातावरण में रहकर शिक्षा अर्जित करते हैं। शिक्षा ग्रहण करने के दौरान शिक्षकों एवं छात्रों को किन-किन मुसीबतों का सामना करना पड़ा। उस सबका रोचक अनुभव इस पुस्तक में जीवंत रूप में भरा पड़ा है। यह पुस्तक शिक्षा जगत में एक अनूठा प्रयोग है। शिक्षक और छात्रों के संबंधों को अत्यंत आत्मीयता से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5413-0

29. वृत्तों की दुनिया

रावेन्द्र कुमार 'रवि' पृ. 52 ₹ 100.00

गणित के कठिन सवालों को वृत्तों के द्वारा अत्यंत रोचक ढंग से समझाने में यह पुस्तक बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। आकर्षक चित्रांकन है।

ISBN 978-81-237-5327-0

30. विद्यालय में समाज

ऋषभ कुमार मिश्र पृ. 211 ₹ 285.00 (2023)

प्रस्तुत पुस्तक में विद्यालय और समाज के संबंध को ज्ञान, पाठ्यचर्या और शिक्षणशास्त्र के विविध आयामों में व्याख्यायित किया गया है। इसके लिए गुणात्मक शोध विधियों द्वारा विद्यालय और विद्यालयेतर परिवेश में सीखने की प्रक्रियाओं की विवेचना की गई है।

ISBN 978-93-5743-772-1

31. विद्यालयीन शिक्षा और कानून

प्रकाश देव पृ. 506 ₹ 575.00

प्रस्तुत पुस्तक में विद्यालयीन शिक्षा से संबंधित समस्त अधिनियमों और कानूनों को मूल स्वरूप में विस्तार से बताया गया है जो शिक्षक, शिक्षा अधिकारी, नीति निर्धारक और पालकों को शिक्षा से संबंधित प्रावधानों की जानकारी देते हैं।

ISBN 978-93-5491-465-2

32. विज्ञान सीखना

विज्ञान की सभी प्रमुख विधाओं यथा जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान आदि की प्रारंभिक जानकारी उपलब्ध कराने वाली एक उपयोगी पुस्तक।

सी.एन.आर. राव	अनु./सह. : जतिन्दर कौर		
ISBN 978-81-237-5623-3	भाग-1	पृ. 94	₹ 345.00
ISBN 978-81-237-5639-4	भाग-2	पृ. 176	₹ 595.00
ISBN 978-81-237-5633-2	भाग-3	पृ. 190	₹ 645.00
ISBN 978-81-237-5802-2	भाग-4	पृ. 132	₹ 465.00

33. शिक्षा में सृजनात्मक नाटक एवं कठपुतली नर्तन

मेहर आर. कांट्रेक्टर अनु. : हरबंस लाल लूथरा पृ. 104 ₹ 120.00

प्रस्तुत पुस्तक के अंतर्गत शिक्षा में सृजनात्मक नाटक एवं कठपुतली नर्तन की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। ISBN 978-81-237-2894-0

34. शिक्षा का वाहन : कला

देवी प्रसाद पृ. 138 ₹ 200.00

यह पुस्तक शिक्षा के आधारभूत ढांचे के रूप में कला की आवश्यकता को दर्शाती है। कला बालक के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है। अतः कला की बुनियाद बच्चों में बचपन से ही डालनी चाहिए। इसमें शिक्षक एवं अभिभावक की बड़ी भूमिका है। इसी भावभूमि पर उपयोगी पुस्तक। ISBN 978-81-237-2899-5

35. समझ के लिए तैयारी

कीथ वारेन् अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 26 ₹ 65.00

अपने अनुभवों से आसपास की दुनिया के क्रम और नियम खोजने में मदद करने वाली इस पुस्तक का प्रकाशन पहली बार यूनिसेफ द्वारा किया गया था। ISBN 81-237-1813-6

36. साकार

डॉ. कमल डफाल पृ. 48 ₹ 90.00

खिलौना गुड़िया से खेलना बचपन की सबसे मधुर यादों में से एक होता है। यह पुस्तक अपनी पसंद की गुड़िया तैयार करने की प्रायोगिक जानकारी देती है। यही नहीं, यदि कोई इसे जीवकोपार्जन का माध्यम बनाना चाहता है तो भी यह पुस्तक मार्गदर्शक साबित होगी।

ISBN 978-81-237-5349-2

37. सृजनात्मक गणित

विजय प्रकाश पृ. 160 ₹ 305

बच्चों के लिए आमतौर पर हौवा के रूप में समझे जाने वाले तथा दुरूह माने जाने वाले गणित विषय को, खासतौर पर गणित के पहाड़ों को सरस, रोचक और मनोरंजक रूप में प्रस्तुत कर यहाँ गणित को सरल और सुसाध्य बनाने की कोशिश की गई है।

ISBN978-81-237-8078-8

38. सृजनशील जीवन और शिक्षा

डेल एम. बेथेल (संपा.) अनु. : अशोक लाल पृ. 212 ₹ 180.00

मूल जापानी का पहले अंग्रेजी, फिर अंग्रेजी से हिंदी में अनूदित इस पुस्तक में द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व के महान शिक्षाविद् त्सुनेसाबुरो माकीगुची के शिक्षा संबंधी विचार एवं दर्शन को संकलित किया गया है। हर अभिभावक के लिए एक आवश्यक पठनीय पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3037-0

39. स्वामी विवेकानंद का शिक्षा-दर्शन

प्रयाग नारायण त्रिपाठी पृ. 72 ₹ 90.00

पुस्तक में स्वामी विवेकानंद की शिक्षा संबंधी सोच, धारणाओं और विचारों का प्रस्तुत कर लेखक ने आज के संदर्भ में उनकी उपयोगिता और महत्व पर विचार किया है।

ISBN 978-81-237-9106-7

40. हमारा क्या कसूर

रेणु गावस्कर अनु. : सतीश पेडणेकर पृ. 164 ₹ 140.00

मराठी से अनूदित इस पुस्तक के केंद्र में मुंबई शहर के मांटुगो उपनगर में डेविड ससून इंडस्ट्रियल स्कूल नामक संस्था है। बाल अपराधी, घर से भागे हुए, परिवार के टूटने से निराश्रित हुए, अनाथ, भटके हुए, रेलवे स्टेशन पर रहने वाले और सड़कों पर भटकने वाले सैकड़ों बच्चों को इस संस्था ने संभाला है।

ISBN 978- 81-237-6641-6

41. हाथ मिलाओ

मलयश्री हाश्मी पृ. 32 ₹ 55.00

खूबसूरत चित्रों से सुसज्जित इस पुस्तक में बच्चों द्वारा करने के बहुत सारे खेल और मजेदार गतिविधियाँ दी गई हैं, जिन्हें करके वे आनंद प्राप्त करने के साथ-साथ ज्ञान भी प्राप्त करेंगे।

ISBN 978-81-237-3636-5

भारतीय डायस्पोरा अध्ययन

1. फीजी यात्रा : आधी रात से आगे

ब्रिज वी. लाल अनु. : सत्या श्रीवास्तव पृ. 132 ₹ 120.00

19वीं सदी के आखिरी व 20वीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के आंचलिक क्षेत्रों से हजारों लोग रोजी-रोटी की तलाश में सात समंदर पार गए। ये 'गिरमिटिया' आज कई देशों में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। लेकिन वे आज भी अपनी भूमि भारत को ही मानते हैं। आत्मजीवनचरित शैली में लिखी गई यह पुस्तक फीजी में जन्मे और अब आस्ट्रेलिया में रह रहे एक भारतीय मूल के लेखक की अनूठी कृति है। ISBN 978-81-237-4546-6

2. सूरीनाम

पुष्पिता अवस्थी पृ. 188 ₹ 175.00

सन् 1893 से 1916 के बीच रोजी-रोटी की तलाश में गए हजारों भारतीयों ने सूरीनाम देश को समृद्ध और संपन्न बनाया है। यह पुस्तक सूरीनाम में रहने वाले भारतवंशियों के अतीत, संस्कार, मान्यताओं, साहित्य, बोली आदि का लेखा-जोखा है। ISBN 978-81-237-5982-1

एफ्रो-एशियाई देश

1. जापान

यमागुचि हिरोइचि अनु. : राज बुद्धिराजा पृ. 166 ₹ 110.00

इस पुस्तक में जापान के इतिहास, संस्कृति, परंपरा, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर सामग्री प्रस्तुत करते समय आम पाठक को ध्यान में रखा गया है।

ISBN 978-81-237-5384-3

2. मॉरीशस

अमित कुमार मिश्र अनु. : रघुवीर शर्मा पृ. 148 ₹ 165.00

यह पुस्तक हिंद महासागर में अवस्थित 'लघु भारत' के नाम से ज्ञात मॉरीशस नामक द्वीप-देश के इतिहास, अवस्थिति, भूगोल, संस्कृति, परंपरा, शिक्षा, अंतरराष्ट्रीय संबंध, अर्थव्यवस्था आदि अनेक पहलुओं के बारे में व्यापक जानकारी देती है।

ISBN 978-81-237-7738-2

सतत शिक्षा

1. 1857 का संग्राम

वि.स. वालिंबे अनु. : विजय प्रभाकर पृ. 76 ₹ 50.00

देश की आजादी के लिए पहला संग्राम 1857 में ही हुआ था। उस संग्राम की रोचक प्रस्तुति है इस पुस्तक में। ISBN 81-237-3383-6

2. अमर कैदी

हिमांशु जोशी पृ. 24 ₹ 30.00

इस पुस्तक में क्रांतिकारी महावीर सिंह तथा बाबा पृथ्वी सिंह आजाद की कहानी दी गई है। देश की आजादी के लिए इन वीर-बाँकुरों ने किस-किस तरह की यातनाएँ सहीं, उसका मार्मिक विवरण है इस पुस्तक में। ISBN 81-237-3858-7

3. अमर शहीद खुदीराम बोस

पंकज चतुर्वेदी पृ. 22 ₹ 30.00

सन् 1857 की क्रांति के बाद देश के लिए फांसी पर चढ़ने वाले सेनानी के जीवन की कुछ घटनाएँ।

ISBN 978-81-237-5959-3

4. अच्छा भोजन

रेनू चौहान पृ. 40 ₹ 35.00

खाना कम खाएँ या अधिक, लेकिन वह पौष्टिक और अच्छी गुणवत्ता का हो तभी अच्छा भोजन कहलाता है। भोजन में खान-पान की विविधता पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए। इन्हीं सब बातों की जानकारी इस पुस्तक में दी गई है। ISBN 978-81-237-3654-9

5. असूर्यलोक

भगवतीकुमार शर्मा अनु. : ज्योत्स्ना मिलन पृ. 44 **अनुपलब्ध**

जीवन के सरोकारों के आसपास घूमती एक रोचक कथा। आत्मबल और विलक्षण बुद्धि का कौशल इस कहानी में प्रस्तुत हुआ है। ISBN 81-237-2955-3

6. आजादी की लड़ाई में आजाद हिंद फौज

शिशिर कुमार बसु अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 72 ₹ 50.00

सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिंद फौज एक-दूसरे के पूरक थे। आजादी की लड़ाई में इस संगठन की एक बड़ी भूमिका थी। उस काल की जानकारी देती एक पठनीय पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2910-7

7. आमदनी के साधन : स्क्रीन प्रिंटिंग एवं पेपर मैशे

अनुराधा गुप्ता पृ. 32 ₹ 30.00

स्क्रीन प्रिंटिंग एवं पेपर मैशे का काम कोई शौक से, तो कोई आजीविका चलाने के लिए करता है। इन दोनों कामों की सामान्य रूपरेखा और प्रक्रिया की जानकारी देते हुए यह पुस्तक कमाई के नए स्रोत भी खोलती है। ISBN 978-81-237-3732-4

8. इलेक्ट्रिशियन के कामकाज

विक्रम सिंह पृ. 78 ₹ 85.00

इलेक्ट्रिशियन के कामकाज को बतौर जीविकोपार्जन अपनाने वाले युवकों के लिए खासतौर पर एवं सामान्य पाठकों के लिए भी पुस्तक बेहद उपयोगी है। ISBN 81-237-4196-0

9. उसका बचपन

कृष्ण बलदेव वैद पृ. 76 ₹ 19.00

अभाव, नशाखोरी, जुआ, कलह, पारिवारिक तनाव, उपेक्षा और संदेह के अंबार तले पलते एक बच्चे के बाल मन पर पड़ते मनोवैज्ञानिक असर की जीवंत कथा। यह मूल रूप से एक जीवंत उपन्यास है। इस पुस्तकमाला के लिए लेखक ने उपन्यास के प्रभाव को बरकरार रखते हुए उसका संक्षिप्त रूपांतरण किया है। ISBN 81-237-2160-9

10. कर्मयोगी लोकमान्य तिलक

ग.प्र. प्रधान अनु. : वासंतिका पुणतांबेकर पृ. 84 ₹ 55.00

देश की आजादी की लड़ाई में बालगंगाधर तिलक की एक महत्वपूर्ण भूमिका थी। उनके व्यक्तित्व एवं कार्यों के बारे में जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3389-5

11. कल भी सूरज नहीं चढ़ेगा

सुरजीत सिंह सेठी अनु. : जसवंत सिंह विरदी

संक्षि. : कुलवीर सिंह कांग पृ. 126 ₹ 80.00

जलियाँवाला बाग में हुए नरसंहार के बर्बर कांड को तथ्यों की रोशनी में प्रस्तुत करते उपन्यास का संक्षिप्त संस्करण। ISBN 978-81-237-3445-3

12. कहानी जवाहरलाल की

देसराज गोयल पृ. 72 ₹ 11.00

भारत के पहले प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू की जीवनी। ISBN 81-237-2019-X

13. कामकाजी महिलाओं के अधिकार

कमल कुमार पृ. 32 ₹ 9.00

कामकाजी महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानकारी देती हुई एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-3641-X

14. गबन

प्रेमचंद अनु. : सिबग़तुल्लाह खां

संक्षि. : अब्दुल अज़ीज़ पृ. 112 ₹ 105.00

प्रेमचंद के महत्वपूर्ण उपन्यास 'गबन' का संक्षिप्त रूप। ISBN 81-237-2968-5

15. गाँधी : एक जीवनी

कृष्ण कृपलानी अनु. एवं संक्षि. : वर्षा दास पृ. 104 ₹ 65.00

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन का परिचय देती रोचक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2167-5A

16. गाजरघास की कहानी

डॉ. रीति थापर कपूर पृ. 24 ₹ 35.00

गाजरघास (पॉरथीनियम हिस्टेरोफोरस) एक हानिकारक खरपतवार है। यह चटक चाँदनी, सफेद टोपी, गंधी बूटी आदि नामों से भी जाना जाता है। पुस्तक में खेतों, पशुओं और मनुष्यों पर इसके दुष्प्रभाव के साथ ही इसके फायदों की जानकारी भी दी गई है।

ISBN 978-81-237-7002-4

17. चंद्रशेखर वेंकट रामन

शुकदेव प्रसाद पृ. 76 ₹ 65.00

देश के अति प्रतिभाशाली वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकट रामन की जीवनीपरक पुस्तक, जिसमें रामन के जीवन के अनेक अनछुए पहलू को लेखक ने उजागर किया है। टैगोर के बाद इस देश के दूसरे नोबेल पुरस्कार प्राप्त इस भारतीय व्यक्तित्व को पढ़ना बेहद रुचिकर और उपयोगी है।

ISBN 81-237-4531-1

18. छोटे सरकार

राजेंद्र अवस्थी पृ. 40 ₹ 40.00

रामनगर गाँव भी अन्य गाँवों की तरह एक पिछड़ा गाँव था। लेकिन गाँव के ठाकुर साहब के बेटे मुरारी, जिसे गाँववाले छोटे सरकार कहते थे, के उद्यम की वजह से गाँव का कायाकल्प हो गया।

ISBN 978-81-237-6345-3

19. जेल से लिखे गए पत्र एवं अन्य लेख

देवेश चन्द्र (संक.) पृ. 104 ₹ 60.00

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा जेल से लिखे गए पत्र एवं अन्य लेखों का संकलन।

ISBN 81-237-2177-3

20. दुर्घटना होने पर क्या करें

रेखा चतुर्वेदी पृ. 32 ₹ 40.00

दुर्घटना के विभिन्न आयामों तथा प्राथमिक उपचार आदि के बारे में बताती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4118-5

21. दूसरी आजादी 'सेवा' (संशोधित संस्करण)

इला.र. भट्ट अनु. : ज्योत्स्ना मिलन पृ. 96 ₹ 19.00

महिलाओं की स्वैच्छिक संस्था 'सेवा' के संघर्ष और उपलब्धियों की रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-2903-9

22. पानी का रखरखाव

शामजीभाई आंटाला अनु. : मनोहर सिंह राठौड़ पृ. 64 ₹ 50.00

पानी का मोल नहीं समझने पर हमें बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ेगा, यह कल्पना नहीं, सचाई है। पानी के उचित रखरखाव को बताती एक उपयोगी पुस्तक। ISBN 978-81-237-3491-0

23. प्रतिभा

हरेकृष्ण महताब

संक्षिप्तीकरण : किशोरी चरण दास अनु. : मंजु शर्मा महापात्र पृ. 82 ₹ 60.00

मूल ओड़िया पुस्तक से हिंदी में अनूदित इस उपन्यास में प्रतिभा नाम की एक मेधावी लड़की की कथा कही गई है। ISBN 978-81-237-3165-0

24. बख़्त खान

इकबाल हुसैन अनु. : गजेन्द्र राठी पृ. 24 ₹ 25.00

यह पुस्तक सन् 1857 की महान क्रांति के सेनापति बख़्त खान के जीवन-संघर्ष का लेखा-जोखा है। ISBN 978-81-237-5476-5

25. बड़े बाबू : छोटा जीवन बड़ी कहानी

अशोक लाल पृ. 24 ₹ 9.00

आम जनता की परेशानियों को अपनी परेशानी मानने वाले एक ऐसे ईमानदार बड़े बाबू की कहानी, जो तमाम बाधाओं के बावजूद सचाई के मार्ग से विचलित नहीं होता।

ISBN 81-237-3642-8

26. बाबा आमटे

तारा धर्माधिकारी अनु. : हेमा जावडेकर पृ. 80 ₹ 50.00

त्याग और सेवा की मूरत थे बाबा आमटे। खासकर कुष्ठ रोगियों के कल्याण के लिए बाबा ने अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को उभारती एक प्रेरक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3297-8

27. बी अम्माँ

बानो सरताज पृ. 24 ₹ 30.00

गाँधी जी खुद को जिनकी 'तीसरी संतान' कहते थे उस बी अम्माँ के जीवन की निर्भीकता को बयान करती यह पुस्तक सबके लिए प्रेरणादायी है। ISBN 978-81-237-7996-8

28. भारत का संविधान

सुभाष काश्यप पृ. 52 ₹ 40.00

विश्व के सबसे बड़े लिखित संविधान के विषय में जानकारी प्रस्तुत करती एक प्रामाणिक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2223-8A

29. भारत की संसद

सुभाष काश्यप पृ. 40 ₹ 35.00

प्रस्तुत पुस्तक में भारत की संसद क्या है और यह कैसे कार्य करती है, इसका वर्णन सरल शब्दों में किया गया है। ISBN 978-81-237-2164-4A

30. भारत में कृषि

रणजीत सिंह अनु. : राम सरूप अणखी पृ. 110 ₹ 105.00

भारत में कृषि की दशा और दिशा की जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3164-3

31. भारत में उद्योग

म.रा. कुलकर्णी अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 140 **अनुपलब्ध**

आजादी के पहले से ही यहाँ उद्योग-धंधे का विकास होता रहा है किंतु आजादी के बाद इसमें पर्याप्त बढ़ोतरी हुई। इस पुस्तक में देश में उद्योग-धंधों के विकास का जायजा लिया गया है।

ISBN 81-237-3990-8

32. भारत के नागरिकों के अधिकार

प्रीतम सिंह सफीर अनु. : बलराम दत्त शर्मा पृ. 32 ₹ 35.00

हमारे संविधान ने देश के नागरिकों को जो अधिकार प्रदान किए हैं, उसे सबको जानना चाहिए। इन्हीं अधिकारों की जानकारी दी गई है इस पुस्तक में। ISBN 978-81-237-3001-1A

33. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महिलाएँ

राजम कृष्णन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 72 ₹ 55.00

देश की आजादी में महिलाओं ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुरुष आंदोलनकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने वाली कुछ महिलाओं की संघर्ष गाथा दी गई है इस पुस्तक में। ISBN 978-81-237-3327-5

34. मदर टेरेसा

राधारमण राय अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 58 ₹ 50.00

नोबेल पुरस्कार प्राप्त मदर टेरेसा ने परोपकार को ही अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया था। दीन-दुखियों की सेवा में उन्होंने अपना पूरा जीवन लगाया। एक प्रेरक जीवनी।

ISBN 81-237-0928-4

35. महान योगी श्री अरविंद

मनोज दास अनु. : शंकर लाल पुरोहित पृ. 52 ₹ 45.00

देश की आजादी के लिए लड़ते योद्धा अरविंद शीघ्र ही अध्यात्म की ओर चले गए और योद्धा से योगी बन गए। श्री अरविंद का जीवन हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

ISBN 978-81-237-3062-2

36. महिलाओं के कानूनी अधिकार

सुषमा मेढ़ पृ. 72 ₹ 60.00

महिलाओं के साथ भेदभाव और अत्याचार कोई नई बात नहीं है लेकिन अब इसके विरुद्ध वे आवाज उठाने लगी हैं। दरअसल, वे अपना अधिकार जानने-समझने लगी हैं। महिलाओं को अपने कानूनी अधिकारों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हो, इसके लिए निरंतर प्रयत्न भी हो रहे हैं। यह पुस्तक इसी प्रयत्न की एक कड़ी है। ISBN 81-237-3915-X

37. मिथिला विभूति कविकोकिल विद्यापति

नरेन्द्र पृ. 32 ₹ 30.00

14वीं सदी में आज के बिहार प्रांत के मधुबनी जिले के बिसफी गाँव में पैदा होने वाले विद्यापति अपने पदों ओर गीतों की बदौलत पूरे बिहार-झारखंड ही नहीं बंगाल-ओडिशा तक में समान रूप से समादृत हैं। ऐसे ही लोककवि मिथिला विभूति विद्यापति की जीवनी-पुस्तक है यह।

ISBN 978-81-237-7659-0

38. यातायात के नियम

एल.सी. महाजन पृ. 28 ₹ 30.00

नगरों-महानगरों में बढ़ती आबादी एवं विभिन्न प्रकार के वाहनों की बहुतायत की वजह से यातायात की समस्या पैदा हो गई है। इससे बचने के लिए यात्रियों को यातायात के नियमों को जानना बेहद आवश्यक है। इन्हीं नियमों की जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3665-5A

39. रवि कहानी

अमिताभ चौधुरी अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 86 **अनुपलब्ध**

राष्ट्रगान 'जन गण मन...' के रचयिता रवींद्रनाथ टैगोर कवि होने के साथ-साथ राजनीतिक चेतना से संपन्न एक देशभक्त इनसान भी थे। उन्हीं की जीवनी है यह पुस्तक।

ISBN 81-237-3061-6

40. रस्सी

तकषि शिवशंकर पिल्लै अनु. : रति सक्सेना

संक्षि. : पी. वेणु गोपालन पृ. 156 ₹ 95.00

लगान व्यवस्था और जनजागृति के महत्वपूर्ण पहलुओं से परिचय कराता है यह उपन्यास।

ISBN 81-237-2873-5

41. रामजी जाग उठा

दि.बा. मोकाशी अनु. : लीला बांदिवडेकर पृ. 32 ₹ 30.00

इस पुस्तक में जीवन की नश्वरता को दर्शाते हुए यह संदेश दिया गया है कि मनुष्य को अपने कर्म से विरत नहीं होना चाहिए।

ISBN 81-237-3313-5

42. राजा राममोहन राय

विजित कुमार दत्त अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 72 ₹ 50.00

आधुनिक भारत के महान समाज सुधारक थे राजा राममोहन राय। सती प्रथा की समाप्ति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किए थे। पश्चिम के अच्छे विचारों को अपनाने से उन्हें परहेज नहीं था। एक प्रेरक पुस्तक।

ISBN 81-237-3126-4

43. राष्ट्रनिर्माण के तीन टाटा सपूत

जयनंदन पृ. 52 ₹ 50.00

भारत में इस्पात उद्योग की शुरुआत करने में टाटा परिवार की अग्रणी भूमिका रही है। इस पुस्तक में राष्ट्रनिर्माण के तीन टाटा सपूतों, क्रमशः जमशेदजी नसरवानजी टाटा, सर दोराबजी टाटा एवं जेआरडी टाटा के जीवन एवं कर्म पर लेखक द्वारा रोशनी डाली गई है।

ISBN 978-81-237-6907-3

44. लाल बहादुर शास्त्री

राष्ट्रबंधु पृ. 56 ₹ 60.00

देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की महज जीवनी ही नहीं है यह पुस्तक, वरन उनके व्यक्तित्व के अनेक उच्चतर पहलुओं से भी हमें परिचित कराती है।

ISBN 978-81-237-6659-1

45. लोकतंत्र

डेविड बीथम, केविन बॉयले अनु. : देसराज गोयल पृ. 28 **अनुपलब्ध**

इस पुस्तक में लोकतंत्र से संबंधित कुछ आवश्यक प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-2153-6

46. विज्ञान और भारत

प्रभाकर लवकरे अनु. : जीवितराम सेतपाल पृ. 84 ₹ 60.00

हमारा देश परंपरा से ज्ञान-विज्ञान के मामले में पर्याप्त समृद्ध रहा है लेकिन आजादी के बाद से देश में विज्ञान का तीव्र गति से विकास हुआ। यह भी एक सच्चाई है कि देश का भविष्य अगर बनना है तो वह विज्ञान की बदौलत ही बनेगा। इन्हीं सब बातों का विवेचन किया गया है इस पुस्तक में।

ISBN 978-81-237-4037-6

47. विपिनचंद्र पाल

पंकज चतुर्वेदी पृ. 24 ₹ 11.00

शिक्षा, समाज सुधार, पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रहे विपिन बाबू स्वतंत्रता संघर्ष की मशहूर तिकड़ी 'लाल-बाल-पाल' के सदस्य थे। श्री पाल की समाज को देन पर केंद्रित पुस्तिका।

ISBN 978-81-237-5958-6

48. वैतरणी

वासिरेड्डी सीता देवी अनु. : आर. शांता सुंदरी पृ. 96 **अनुपलब्ध**

तेलुगु से हिंदी में अनूदित यह उपन्यास लड़की की मनौती से लेकर उसके जीवन के इर्द-गिर्द सामाजिक सरोकारों को समेटता है।

ISBN 81-237-2928-6

49. व्यक्तिगत स्वच्छता

किरण परमार पृ. 32 ₹ 30.00

अपनी देह और अपने परिवेश की साफ-सफाई रखना मनुष्य मात्र का स्वाभाविक आचरण है। ऐसा करना जरूरी भी है वरना हम कई प्रकार की बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। इस पुस्तक में व्यक्तिगत स्वच्छता की आवश्यकता की जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-3798-0

50. व्यसन से छुटकारा

शारदा कुमारी पृ. 28 ₹ 30.00

व्यसन यानी लत कैसी भी हो, बुरी होती है—खासकर नशे की लत। विभिन्न नशीले पदार्थों की जानकारी के साथ-साथ नशों से छुटकारा पाने के उपाय भी इस पुस्तक में बताए गए हैं।

ISBN 978-81-237-3614-3

51. शहरों में रोजगार की तलाश

दिनेश तिवारी पृ. 20 ₹ 25.00

गाँवों-कसबों से शहरों-महानगरों में आए लोगों को रोजगार पाने के बारे में जानकारी दी गई है इस पुस्तक में।

ISBN 978-81-237-3602-0

52. सफल उद्यमी की कहानी

सरला शर्मा पृ. 24 ₹ 8.00

उत्तर प्रदेश के एक छोटे-से कसबे में पैदा हुई साजिदा बेगम ने कैसे अपनी हिम्मत, लगन और

अनवरत श्रम से न सिर्फ अपने परिवार की परवरिश की, बल्कि बस्ती की अन्य महिलाओं के जीवन में भी रोशनी भर दी, एक साहस भरी गाथा है इस पुस्तक में।

ISBN 81-237-3683-5

53. समता के समर्थक आंबेडकर

वसंत मून अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 112 ₹ 75.00

आंबेडकर का सारा जीवन समानता की प्राप्ति के लिए संघर्ष करते बीता। वे अपने संघर्ष में बहुत हद तक सफल रहे। उनके जीवन के विभिन्न पक्षों की जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3444-6

54. समाज सुधारक भारतीय महिलाएँ

बबीता जैन पृ. 32 ₹ 35.00

19वीं सदी भारत में समाज सुधार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रही थी क्योंकि इस सदी में अनेक समाज सुधारकों, जिनमें एक बड़ी संख्या महिलाओं की थी, का उदय हुआ जिनके कार्यों की खुशबू दूर-दूर तक फैली। पुस्तक में ऐसी ही आठ महत्वपूर्ण महिला समाज सुधारकों के जीवन एवं कार्यों का एक परिचयात्मक विवरण दिया गया है। कुछ महिलाएँ वैसी भी हैं जिनका मूल तो विदेश था किंतु जो भारत में आकर पूर्णतः भारतीय बन गईं।

ISBN 978-81-237-8175-4

55. समूह माध्यम

एस. दिवाकर अनु. : डी.एन. श्रीनाथ पृ. 64 ₹ 45.00

आज का युग सूचना का युग है। सूचना माध्यम के अतीत, वर्तमान और भविष्य की जानकारियाँ देती एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-3134-6

56. सरकारी सेवाओं का उपयोग

अनिल गोयल पृ. 32 **अनुपलब्ध**

देश की राजधानी-नगर होने के कारण दिल्ली की समस्याएँ बहुत अधिक तथा व्यापक हैं। इसके समाधानस्वरूप यहाँ सरकारी सेवाओं का जाल भी बहुत विस्तृत है। आम नागरिक सरकारी सेवाओं का लाभ किस तरह उठा सकता है इन्हीं सब बातों की जानकारी इस पुस्तक में दी गई है।

ISBN 81-237-3918-4

57. सिलाई मशीन और उसकी देखभाल

जी.के. साहनी पृ. 36 ₹ 10.00

गाँव हो या शहर, किसी भी सामान्य परिवार में अक्सर सिलाई मशीन पाई जाती है। लेकिन सिलाई मशीन को सही ढंग से चलाने और उसके उचित रखरखाव के बारे में लोगों को समुचित जानकारी नहीं होती। इन्हीं जानकारियों से भरी एक उपयोगी पुस्तक है यह।

ISBN 81-237-3696-7

58. सुभद्रा कुमारी चौहान

राजेन्द्र उपाध्याय पृ. 32 ₹ 25.00

सुभद्रा कुमारी चौहान की 'रानी लक्ष्मीबाई' शीर्षक कविता हिंदी जगत की एक बेहद प्रसिद्ध कविता है। सुभद्रा जी का साहित्यिक के अलावा सामाजिक और राजनीतिक रूप भी था। वे समाजसेवी थीं, विधायक भी रहीं। अनेक संस्मरणों से युक्त उनका जीवनचरित है यह।

ISBN 978-81-237-7735-0

59. स्वराज पार्टी

सलिल मिश्रा पृ. 64 ₹ 10.00

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बनी स्वराज पार्टी के कार्यों की रोचक प्रस्तुति।

ISBN 81-237-2163-3

60. स्वतंत्रता आंदोलन के गीत

देवेश चन्द्र पृ. 70 ₹ 50.00

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी के दीवानों द्वारा गाए जाने वाले गीतों को इस पुस्तक में संकलित किया गया है। ये गीत आज भी हममें स्वदेश और आत्मगौरव की भावना जगाते हैं।

ISBN 81-237-3563-4

61. स्वतंत्रता संग्राम का वसंत

नारायण देसाई अनु. : सविता गौड़ पृ. 76 ₹ 50.00

सन् 1917 से 1931 तक का समय भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण समय था। इस अवधि के सत्याग्रहों एवं अन्य संबंधित घटनाओं का विवरण इस पुस्तक में दिया गया है।

ISBN 81-237-3534-0

62. स्वामी विवेकानंद

अनिर्वाण राय अनु. : विलास गिते पृ. 64 ₹ 19.00

विदेशों में भारतीय संस्कृति से परिचय कराने में स्वामी विवेकानंद की असाधारण भूमिका को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 81-237-3035-7

63. हमारी आजादी की कहानी

बिपन चन्द्र अनु. : सलिल मिश्रा पृ. 52 ₹ 40.00

किस प्रकार हमें अंग्रेजी शासन के चंगुल से मुक्ति मिली? पुस्तक सरल भाषा में हमें उस वक्त का अहसास कराती है।

ISBN 81-237-2552-4

64. हमारी नदियाँ

जे. मंगलराज जान्सन अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम पृ. 60 **अनुपलब्ध**

प्रस्तुत पुस्तक में देश की 15 चुनी हुई नदियों के बारे में उपयोगी एवं सूचनापरक जानकारी दी गई है।

ISBN 81-237-3407-7

65. हमारा हस्तशिल्प

एम.वी. नारायण राव अनु. : डी.एन. श्रीनाथ पृ. 72 ₹ 55.00

एक विशाल सांस्कृतिक विविधता वाले हमारे देश भारत में हस्तशिल्प के क्षेत्र में पर्याप्त विविधताएँ हैं। हर राज्य की अपनी अलग-अलग हस्तशिल्पीय विशेषताएँ हैं। विभिन्न हस्तशिल्पों की जानकारी इस पुस्तक में दी गई है।

ISBN 978-81-237-4174-1

66. हमारा स्वास्थ्य

शाम अष्टेकर अनु. : कालिंदी देशपांडे पृ. 92 ₹ 60.00

'जान है तो जहान है' ऐसा ठीक ही कहा गया है। स्वास्थ्य के विभिन्न पक्षों– स्वास्थ्य रक्षा के उपाय, स्वास्थ्य सेवाएँ आदि के बारे में उपयोगी जानकारी दी गई है इस पुस्तक में।

ISBN 978-81-237-3557-3

67. हमारे ऐतिहासिक स्मारक

तनवीर अहमद अलवी अनु. : इज़हार अहमद नदीम पृ. 68 ₹ 45.00

इतिहास के विभिन्न समयों में देश में विभिन्न राजाओं ने अनेक स्मारक बनवाए, जो हमारे लिए आज भी अमूल्य धरोहर की तरह हैं। ऐसे ही कुछ स्मारकों के बारे में जानकारी दी गई है इस पुस्तक में।

ISBN 81-237-3434-4

68. हमारे त्योहार

खालिद अशरफ़ अनु. : इज़हार अहमद नदीम पृ. 84 ₹ 60.00

भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है। विभिन्न धर्मों के विभिन्न पर्व-त्योहार अपने-अपने रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। ऐसे ही कुछ प्रमुख त्योहारों की जानकारी दी गई है इस पुस्तक में।

ISBN 978-81-237-2911-4

69. हमारे प्रसिद्ध तीर्थस्थान

इलपावुलूरि पांडुरंगा राव अनु. : पोलि विजयराघव रेड्डी पृ. 80 ₹ 25.00

हमारा देश त्योहारों के साथ-साथ तीर्थों का भी देश कहा जाता है। देश में विभिन्न धर्मों के कितने ही पवित्र तीर्थ स्थान हैं। उन्हीं तीर्थों की जानकारी देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-2977-4

70. हरश मौसी से मच्छर बोला

हरशिंदर कौर अनु. : तरसेम पृ. 36 ₹ 35.00

मच्छरों द्वारा फैलाई जाने वाली बीमारियों के बारे में कथा शैली में एक विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा लिखी गई पुस्तक, जिसमें तथ्यों की जानकारी भी रोचक कथा के रूप में दी गई है।

ISBN 978-81-237-6900-4

71. हरियाली बढ़ाते लाख के कीड़े

रीति थापर कपूर पृ. 44 ₹ 55.00

लाख के कीड़े बड़े काम के होते हैं। कुछ खास पेड़ों पर पाए जाने वाले लाख के कीड़ों से प्राप्त लाख से घरेलू उपयोग की अनेक वस्तुओं का निर्माण कर, उसके विक्रय से लाखों-करोड़ों लोगों को आजीविका प्राप्त होती है। लाख के बारे में एकांकी शैली में जानकारी देती है यह पुस्तक।

ISBN978-81-237-8897-5

72. 'हिंद छोड़ो' आंदोलन

चंद्रकांत महेता अनु. : प्रणव भारती पृ. 56 ₹ 45.00

सन् 1942 में गाँधी जी ने 'हिंद छोड़ो' का नारा दिया था और कुछ ही वर्षों में हमारा देश आजाद हो गया। इस काल की घटनाओं का विवरण देती एक उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-2153-6

नवसाक्षर साहित्यमाला

महिला सशक्तीकरण

1. अँधेरा घर

पुदुवै चन्द्रहरि अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 24 ₹ 30.00

यह एक अशिक्षित माँ की कहानी है। वह हमेशा झगड़ती रहती है और अंततः मृत्यु को प्राप्त होती है। तमिल से हिंदी में अनूदित रचना। ISBN 978-81-237-3895-6

2. अपना मुकाम

मो. साजिद खान पृ. 12 ₹ 25.00

शमा के परिवार के दूसरे लोग शमा की शादी करना चाहते थे लेकिन शमा ने पढ़ाई कर टीचर की नौकरी कर ली। और अपना जीवन साथी भी तलाश लिया। पढ़ाई की महत्ता बताती यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-3851-2

3. आँसू का खारापन

चिनु मोदी अनु. : वर्षा दास पृ. 16 ₹ 25.00

केसरटी गाँव के किरपा पंडित ने अंबा सुथारिन की बेटी मंजू से दिल लगाया, पर उसकी माँ ने शादी कहीं और कर दी। वियोगी किरपा ने हनुमान की शरण ली लेकिन जब मंजू विधवा हुई तो वह हनुमानजी को छोड़कर कहीं चला गया। ISBN 81-237-2696-6

4. आँखें खुल गईं

कासी विल्लवन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 12 ₹ 35.00

यह कहानी शराबी किलियन की है। उसकी देखादेखी उसकी पत्नी, बच्चे भी इस धंधे में आ जाते हैं और अपना सब कुछ तबाह कर बैठते हैं। ISBN 978-81-237-3726-3

5. आँखों में आकाश

मदन गोपाल लढ़ा पृ. 24 ₹ 30.00

प्रस्तुत कहानी में गाँव की एक ऐसी मेधावी छात्रा सेजल के संघर्ष की कहानी है जो जवाहर नवोदय विद्यालय में अपनी आगे की पढ़ाई पूरी करने लिए चली गई। एक बार वह अपने परिवार के साथ गाँव में दशहरे मेले देखने गई थी। मेले में अचानक उसका चचेरा भाई कहीं गुम हो गया जिसको उसने अपनी सूझ-बूझ और चाइल्डलाइन की मदद से ढूँढ़ लिया।

ISBN 978-81-237-8199-0

6. आ गई दूसरी सिमरन

प्रेम गोरखी अनु. : फूलचंद मानव पृ. 18 ₹ 25.00

शिक्षा का महत्व समझाती एक रोचक पुस्तक। ISBN 978-81-237-6169-5

7. औरत जात

एस. साकी अनु. : मोना साकी पृ. 20 ₹ 25.00

स्त्री के चरित्र पर केंद्रित पंजाबी कथाकार की एक श्रेष्ठ रचना। ISBN 81-237-2683-4

8. उजाला

आशा दुबे पृ. 16 ₹ 25.00

नारी शिक्षा के महत्व को दर्शाती इस कहानी की नायिका कम उम्र में ही विधवा हो गई लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और डाक्टर बनकर गाँव की सेवा में जुट गई।

ISBN 978-81-237-1830-9

9. उजाले की राह

मो. साजिद खान पृ. 12 ₹ 25.00

कोई काम छोटा नहीं होता। हिम्मत कभी नहीं हारनी चाहिए। अहमद को जीने का मंत्र मिल गया, उसने काम शुरू कर दिया। ISBN 978-81-237-3797-3

10. इस हाथ दे, उस हाथ ले

आभा झा पृ. 16 ₹ 25.00

आज के जमाने में सबको बेटा चाहिए। पुस्तक बताती है बेटी भी परिवार के लिए बेहद जरूरी है। लाजो ने एक शर्त रख छोड़ी थी। वह शर्त क्या थी? जानने के लिए पुस्तक पढ़ें।

ISBN 978-81-237-4640-1

11. एक औरत एक जिंदगी

रामदरश मिश्र पृ. 20 ₹ 8.00

अकेली औरत पति की मृत्यु के बाद समाज से संघर्ष करती हुई अपना स्थान बनाती है। हिंदी के प्रतिष्ठित रचनाकार की एक सशक्त कथा। ISBN 81-237-2602-3

12. एक थी लता

गार्गी चक्रवर्ती पृ. 36 ₹ 50.00

निम्न परिवार की लता द्वारा लापरवाह भाई के होते हुए माँ की चिता को अग्नि देने की कथा, जो मानवीय संवेदना को दर्शाती है। ISBN 978-81-237-1958-0

13. एक थी सुल्ताना

नासिरा शर्मा पृ. 24 ₹ 30.00

मुस्लिम लड़की भी तलाक ले सकती है। समाज में दोनों को बराबर का अधिकार है। कल्लू मियाँ की लड़की सुल्ताना ने भी अधिकार को समझा और दूसरी शादी के लिए हामी भर दी।

ISBN 978-81-237-4560-2

14. एक नई सुबह

जैबुन्निसा हया पृ. 16 ₹ 25.00

पारो की माँ के नहीं रहने पर वह अपनी बुआ के साथ रहकर घर का काम-धंधा करते हुए दिन गुजार रही थी। कर्कश बुआ के सामने पारो के पिता लाचार रहते थे। पारो को पढ़ने की

इच्छा जगी और फिर उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। आँगनबाड़ी में उसे पढ़ाने का काम मिल गया। बुआ को गलती का एहसास हुआ। पारो की ज़िंदगी में एक नई सुबह आई।

ISBN 978-81-237-9004-6

15. ऐसा क्यों

बालकृष्ण बोकील अनु. : वर्षा दास पृ. 14 ₹ 30.00

लड़के-लड़कियों में भेद करने की सामाजिक कुप्रथा पर चोट करती दस कविताओं का संग्रह।

ISBN 978-81-237-1233-8

16. ऐसे हुई सयानी लाली

दिनेश पुरोहित पृ. 40 ₹ 55.00

इस पुस्तक में दो कहानियाँ हैं। पहली कहानी में लाली नामक लड़की के सामाजिक संघर्ष का ब्योरा है। दूसरी कहानी में शहर में काम करने के बाद हमेशा के लिए वापस गाँव लौटने की कहानी है।

ISBN 978-81-237-0580-4

17. कमला

अरविन्द मिश्र पृ. 16 ₹ 9.00

कमला ने गाँव की महिलाओं को एकत्र कर साक्षरता केंद्र की शुरुआत की। महिलाओं की एकता ने अपने मंडल को कैसे अपने प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ बना दिया, पढ़िए।

ISBN 81-237-4771-3

18. कटे पंखों वाली परी

कुलदीप सिंह धीर पृ. 16 ₹ 35.00

युवावस्था में नेत्रहीनता का दंश झेलने वाली एक लड़की के हौसले की कहानी। विपरीत स्थितियों के बावजूद उसे नौकरी मिली और बाद में एक भले-चंगे युवक से शादी भी।

ISBN 978-81-237-5711-7

19. काली बनी महाकाली

रमाकांत 'कांत' पृ. 16 ₹ 15.00

प्रस्तुत कहानी राजस्थान की पृष्ठभूमि पर है। स्वाधीनता के वर्ष में कैसे एक आततायी अंग्रेज थानेदार से साधारण लड़की काली ने अपना बलिदान देकर गाँववालों को मुक्ति दिलाई, एक साहसपूर्ण कथा।

ISBN 978-81-237-6176-3

20. किरन

राजेश शुक्ला पृ. 14 ₹ 25.00

यह कहानी एक ऐसी संवेदनशील किशोरी की है जो प्रकृति को प्रेम करने वाली है। प्रकृति के प्रति उसकी संवेदनशीलता को देखकर मैडम गाँव के लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करती हैं।

ISBN 978-81-237-5455-0

21. कोशी मेरी बेटी

आशा दुबे पृ. 16 ₹ 25.00

पिता के गुजर जाने के बाद कोशी ने हिम्मत नहीं हारी। उसने बचपन में मिट्टी के खिलौने बनाना सीखा था। बचपन का हुनर जीवन-यापन के काम आया।

ISBN 978-81-237-4080-5

22. खेमी

रामनारायण पाठक 'द्विरेफ' अनु. : वर्षा दास पृ. 16 ₹ 25.00

गुजराती के प्रसिद्ध कथाकार 'द्विरेफ' द्वारा लिखी यह कहानी खेमी के अपने पति धनिया के प्रति अटूट प्यार पर केंद्रित है। ISBN 81-237-1249-9

23. खुले मुँह वाला

जसवीर भुल्लर अनु. : जसविंदर कौर बिंद्रा पृ. 26 ₹ 30.00

यह कहानी दहेज की समस्या पर आधारित है कि कैसे एक परिवार ने अपनी लड़की को दहेज के चंगुल से बचाया। मास्टर सुच्चा सिंह का विचार था कि वह अपनी बेटी की शादी उस घर में करेंगे जहाँ दहेज के लिए कोई माँग न हो, बल्कि घर आए-गए अतिथि का सम्मान भी हो। भीतर तक हिला देने वाली एक मर्मस्पर्शी कहानी। ISBN 978-81-237-6927-1

24. गाँव की बेटी

संदीप सृजन पृ. 16 ₹18.00

संपत नगर गाँव के जमींदार अपनी बहुओं से केवल पुत्रों की आशा करते थे, पुत्रियों की नहीं। तो भी, एक बहू की जब बेटी हुई तो बड़ी होकर वह डॉक्टर बन गई। जमींदार को अपनी भूल पर पछतावा हुआ। ISBN 978-81-237-6630-0

25. गुंजा की नैनी

कासिम खुर्शीद पृ. 16 ₹ 9.00

प्रस्तुत कहानी जागरूक किसान दंपती के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों को केंद्र में रखकर लिखी गई है। ISBN 978-81-237-5490-1

26. गुड्डी

मुकेश पचौरी पृ. 20 ₹ 25.00

यह पुस्तक किशोरी के मनोविज्ञान पर केंद्रित है। माँ-बाप को चाहिए कि वे कुछ पल अपने बच्चों के साथ बिताएँ और उनकी भावना को समझें। ISBN 978-81-237-5194-8

27. गुलकी बन्नो

धर्मवीर भारती रूपां. : कन्हैयालाल नंदन पृ. 32 ₹ 25.00

गुलकी बन्नो एक सब्जी वाली कुबड़ी है, जिसे उसके आदमी ने छोड़ दिया। बच्चे उसे सताते हैं पर वह बुरा नहीं मानती। आखिर एक दिन गुलकी अपने आदमी के साथ चली गई। ISBN 978-81-237-3413-2

28. गुलाबा

नलिनी श्रीवास्तव पृ. 15 ₹ 25.00

यह कहानी गुलाबा जैसी कर्मठ और लगन की पक्की महिला के संघर्ष की गाथा है। गुलाबा अपनी मेहनत और लगन से अपने पुत्र खेमलाल को पढ़ा लिखाकर एक बड़ा अफसर बनाती है। ISBN 978-81-237-5094-1

29. घर लौट चलो

मीनाक्षी स्वामी पृ. 12 ₹ 25.00

संतान न होने के लिए पुरुष व महिला दोनों उत्तरदायी हैं। मात्र महिला को दोषी ठहराने को अनुचित बताती कहानी। ISBN 81-237-1835-4

30. चतुर लड़की

चित्रा नाईक पृ. 8 ₹ 25.00

इस पुस्तक में एक ऐसी बुद्धिमान लड़की की कथा है जिसने अपने किसान पिता को धूर्त साहूकार के चंगुल से बचाया। ISBN 81-237-1773-9

31. चंपा

लक्ष्मी कन्नन पृ. 16 ₹ 30.00

यह कहानी औरत के जीवट की है। चंपा का पति शराब पीकर मर गया। कैसे और किन हालात में चंपा ने घर को संभाला? किन कारणों से चंपा को गाँव में मान मिला, बताती है यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3511-5

32. जब भारती ने फहराया तिरंगा

मोनिका गुप्ता पृ. 16 ₹ 25.00

गाँव की लड़की भारती अपने प्रांत में 12वीं में अव्वल आई तो गाँव का सरपंच बड़ा खुश हुआ। उसने भारती का स्वतंत्रता दिवस झंडारोहण के लिए चयन किया तो भारती और उसके परिजन बड़े खुश हुए। फिर, भारती ने 15 अगस्त को झंडोत्तोलन किया। बालिका शिक्षा पर एक प्रेरणाप्रद पुस्तक। ISBN 978-81-237-8188-4

33. जैसा बोओगे

सु. समुत्तिरम अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 16 ₹ 25.00

यह ससुर और बहू केंद्रित एक बेहतरीन रचना है। अगर बहू अपने ससुर को पिता का दर्जा दे तो बुजुर्ग पीढ़ी हमेशा आशीष ही देंगी। तमिल की एक आदर्श रचना।

ISBN 978-81-237-3793-5

34. ठगिनी

सुबोध घोष अनु. : देवलीना पृ. 32 ₹ 11.00 (1999)

एक बाप-बेटी हमेशा भोले-भाले लोगों को शादी का झांसा देकर माल हड़प कर जाते थे। आखिर एक दिन बेटी ही बाप को ठगकर अपने दूल्हे के साथ हमेशा के लिए घर छोड़ गई।

ISBN 81-237-2732-1

35. तपोवन का राजा

प्रेम सिंह नेगी पृ. 16 ₹ 35.00

यह कहानी बड़ी रोचक है। यह बताती है कि हर अच्छी या बुरी बात के पीछे कसूरवार आदमी ही है। ISBN 978-81-237-3510-8

36. तारा

रचना सिद्धा पृ. 20 ₹ 25.00

किशोरवय तारा की कच्ची उम्र में ही शादी हो गई और बच्चे भी। लड़कियों के जन्म का भी उसे ही अपराधी माना गया। ननद और सहेली की मदद से उसकी जिंदगी में फिर से उजाला आता है और वह साक्षर होकर आर्थिक रूप से भी सक्षम हो जाती है। परिवार उसे पुनः अपना लेता है, प्यार और सम्मान देता है। प्रेरक कहानी। ISBN 978-81-237-6926-4

37. देवपुर की बुआ

वीरेन्द्र तंवर पृ. 20 ₹ 30.00

लीला दाई ने सरपंच पद जीत कर पुराने सरपंच को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। बताती है यह सरल रचना। ISBN 978-81-237-3765-2

38. देर है अंधेर नहीं

वीरेन्द्र तंवर पृ. 12 ₹ 25.00

अपने आदमी के शक का शिकार हुई कला ने आत्महत्या क्यों की? उसके पति की गिरफ्तारी और थानेदार की नौकरी क्यों गई? पढ़िए मानवाधिकार पर केंद्रित एक असरदार रचना।

ISBN 978-81-237-2750-9

39. दुमेला की विमला

माल चंद तिवाड़ी पृ. 16 ₹ 11.00

यह कहानी महिलाओं के स्वाभिमान का जीवंत चित्र प्रस्तुत करती है। 12वीं पास विमला ने पूर्व सरपंच की तरकीब को कामयाब नहीं होने दिया। ISBN 978-81-237-5470-3

40. नतमस्तक

वंदना पुष्पेंद्र पृ. 14 ₹ 25.00

कमलेश नाम की एक विधवा स्त्री ने कैसे अपने दो-दो बच्चों को पाला-पोसा, स्वयं भी साक्षर होते हुए बच्चों को भी शिक्षित किया—एक प्रेरणाप्रद संघर्ष गाथा।

ISBN 978-81-237-6270-8

41. नया सवेरा

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण' पृ. 24 ₹ 50.00

ज्यादा बड़ा परिवार हो तो अलग तरह की समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं। छोटे परिवार का संदेश जब डाक्टरनी ने दिया तो दादी भी मान गई। ISBN 81-237-4677-6

42. पंछीपुर की परमेसरी

प्रदीप पंत पृ. 20 ₹ 25.00

पंछीपुर गाँव की परमेसरी सरपंच चुने जाने पर कैसे अपने गाँव में सफाई, पर्यावरण और नशामुक्ति के लिए लोगों को प्रेरित करती है—एक संदेशपरक कहानी।

ISBN 978-81-237-6632-4

43. पराया धन

जनार्दन मिश्र पृ. 20 ₹ 25.00

माँ द्वारा पढ़ाई का विरोध किए जाने पर भी लड़की अपने मामा-मामी के यहाँ पढ़कर डॉक्टर बन जाती है और माँ का इलाज भी करती है। तब माँ को अहसास होता है कि बेटियाँ पराया धन नहीं होतीं और उन्हें भी पढ़ाना जरूरी है। ISBN 978-81-237-6104-6

44. पापड़ बड़ी बनाएँ

प्रज्ञा बाछोतिया पृ. 16 ₹ 25.00

महिलाएँ खाली समय का सदुपयोग कर आर्थिक दृष्टि से संपन्न हो सकती हैं। वे कैसे लघु कुटीर उद्योग की शुरुआत कर सकती हैं, सरल भाषा में बताती है पुस्तक। ISBN 81-237-5199-3

45. पानी में आग

मदन सैनी पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने साधु-बाबाओं द्वारा गाँव की भोली-भाली जनता को भगवान की भक्ति की आड़ में अंधविश्वास और पाखंड के द्वारा लूटना और उन्हें विभिन्न प्रकार के भय दिखाकर अपनी सेवा करवाना और एय्याशी जीवन जीने का सुंदर विवरण दिया गया है। कहानी हमें बताती है कि कैसे प्रधान की बेटी हरिया जो शहर में पढ़ती है, वह अपने अध्यापक की मदद से इन साधुओं के पाखंड का पर्दाफाश करके गाँववालों को इनके आतंक से मुक्त कराती है।

ISBN 978-81-237-8203-4

46. पूछेरी

मनोहर चमोली 'मनु' पृ. 16 ₹ 25.00

यह कहानी एक अनाथ किंतु जागरूक एवं साहसी लड़की पर केंद्रित है। उसकी दिलेरी को देखकर गाँव के मुखिया ने उसे अनाथ नहीं बल्कि पूरे गाँव की बेटी कहकर संबोधित किया।

ISBN 978-81-237-5498-7

47. पिंडदान

ज्योत्स्ना मिलन पृ. 16 ₹ 30.00

विवाह के बाद कोई जात-पांत नहीं रहती। ऐसा काका ने बुआ को समझाया। बात बुआ ने समझ ली और बहू को रसोई में काम करने दिया।

ISBN 978-81-237-3430-6

48. प्रेम का सार

यशपाल रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 20 ₹ 13.00

एक पत्नी के प्यार और त्याग को दर्शाती हिंदी के सुप्रसिद्ध कथाकार यशपाल की कहानी का रूपांतरण।

ISBN 81-237-0898-X

49. बड़ी हो रही है लड़की

रघुवीर सहाय पृ. 16 ₹ 25.00

लड़की किन परिस्थितियों में कैसे और किस तरह अपना विकास करती है। ऐसे ही सतरंगी रंगों को इस किताब में समेटा गया है।

ISBN 978-81-237-3114-8

50. बहादुर दीदी

गार्गी चक्रवर्ती पृ. 16 ₹ 35.00

एक माली की लड़की आशा जब ससुराल गई तो सास-ससुर और पति ने दहेज के लिए खूब सताया। उसने अपनी बेबसी की चिट्ठी घर लिख भेजी। पढ़ी-लिखी बहन ने शिकायत कर सबको हवालात में बंद करवाया। अपने अधिकारों की रक्षा पर केंद्रित पुस्तक बेहद उपयोगी है।

ISBN 978-81-237-3470-5

51. बुधिया का सपना

सतीश उपाध्याय पृ. 20 ₹ 25.00

स्त्री के जीवट पर केंद्रित कहानी। कैसे बुधिया पर जुल्म हुआ लेकिन उसने हार नहीं मानी। थाने जाकर शिकायत कर न्याय की हकदार बनी बुधिया।

ISBN 978-81-237-4759-0

52. बंसीधर अब तू किधर जाएगा रे?

श्री म. माटे अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 20 ₹ 18.00

मराठी से अनूदित हिंदी रचना। ISBN 81-237-3768-8

53. भगत की सीख

बलदेव साव पृ. 16 ₹ 25.00

भाई-भाई का झगड़ा किस घर में नहीं होता? पिता की बात नहीं मानी तो घर बिखर गया।

ISBN 81-237-3925-7

54. भले घर का लड़का

सतीश जायसवाल पृ. 16 ₹ 7.00

यह कहानी घर से भाग आए लड़के की है जो बाद में बड़ा पछताता है। वरिष्ठ लेखक की एक श्रेष्ठ रचना। ISBN 81-237-3894-3

55. भानसोज की चैती

गिरीश पंकज पृ. 16 ₹ 25.00

गाँव में शराबबंदी के लिए महिलाओं द्वारा एकत्र होकर किए गए संघर्ष की कहानी।

ISBN 81-237-1781-4

56. भाभी बनी सरपंच

वीरेन्द्र तंवर पृ. 16 ₹ 35.00

अनपढ़ भाभी कैसे गाँव की सरपंच बनी? किस तरह गाँव के मुखिया जालिम सिंह की जमानत जब्त हुई? गाँव के विकास पर केंद्रित यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-3482-8

57. भूल

जैबुन्निसा 'हया' पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी 'भूल' एक अपाहिज किंतु स्वाभिमानी लड़की रेवती पर केंद्रित है। लेखिका ने रेवती के माध्यम से समाज और परिवार में उपेक्षित विकलांगों के अदम्य साहस और उनके जन्मजात गुणों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। SBN 978-81-237-5526-7

58. भूल का शूल

शारदा कुमारी पृ. 16 ₹ 10.00

कहानी सिखाती है कि कभी भी दूसरे व्यक्ति पर आरोप बिना देखे नहीं लगाना चाहिए। एड्स जैसी बीमारी कई कारणों से हो सकती है जिसका समय रहते इलाज किया जा सकता है।

ISBN 81-237-3432-8

59. मतदाता सावित्रीबाला

बनफूल पृ. 12 ₹ 11.00

प्रस्तुत कहानी में संघर्ष से जूझती एक गरीब माँ का चित्रण है, जिसे अनेक कष्टों का सामना करना पड़ता है। ISBN 81-237-2100-5

60. मिट्टी का आदमी

वासिरेड्डी सीता देवी अनु. : जे. एल. रेड्डी पृ. 32 ₹ 30.00

अपनी गलतियों के कारण वरूथिनी ने अपना घर, परिवार, धन-दौलत, मान-मर्यादा को कैसे खो दिया? यही बताती है तेलुगु से हिंदी में अनूदित यह रचना। ISBN 978-81-237-3896-3

61. मेरा भाई है...

सनत कुमार भट्ट रूपां. एवं अनु. : वर्षा दास पृ. 12 ₹ 8.00 (1999)

नवसाक्षरों के लिए पहले प्राइमर के साथ पढ़ी जा सके ऐसी पुस्तिका का मूल गुजराती से हिंदी में किया गया एक अनूठा प्रयास। ISBN 81-237-2931-8

62. महिला पढ़-लिख ले तो?

रूपां. : वर्षा दास पृ. 12 ₹ 30.00

महिलाएँ अगर साक्षर हो जाएँ तो उन्हें तथा उनके परिवार को क्या क्या लाभ हो सकते हैं, इसकी जानकारी देने वाली पुस्तक। ISBN 978-81-237-0767-9

63. महिला ग्राम पंचायत

मधुकांत पृ. 32 ₹ 40.00 (2024)

ग्राम पंचायतों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ रही है, परंतु महिलाओं को और अधिक शक्तिशाली होने की आवश्यकता है। जब बिना आरक्षण की बैशाखी लिये महिलाएँ पुरुषों के साथ पंचायतघर में बैठकर अपने मन से फैसले करेंगी, तब महिला ग्राम पंचायतों का सपना सार्थक होगा। प्रस्तुत नाटक इसी यात्रा की एक कड़ी है। ISBN 978-93-5743-870-4

64. मैना दीदी की कहानियाँ

जयंत कुमार त्रिभुवन पृ. 36 ₹ 50.00

इस पुस्तक में दो कहानियाँ संकलित हैं। दोनों ही कहानियों में नारी द्वारा अपने अधिकारों की पहचान और उनके लिए लड़ने का वर्णन है। ISBN 81-237-0192-6

65. मुक्ति के लिए

जगवीर सिंह वर्मा पृ. 20 ₹ 25.00

पति की मौत के बाद सिरदारी तेरहवें दिन ही काम की तलाश में निकल पड़ती है। अकेली औरत के जूझने की एक सशक्त रचना। ISBN 978-81-237-2342-6

66. मुलाणा का बकस

व्यंकटेश माडगुलकर अनु. : हेमा जावडेकर पृ. 16 ₹ 25.00

दिमागी हालत से कमजोर मेहनती बकस सारा दिन बकरियाँ चराता है। चाची की जली-कटी सहता है। समाज में फैले शोषण पर केंद्रित मराठी की एक मर्मस्पर्शी रचना।

ISBN 81-237-3070-5

67. यह जवाबदारी किसकी

बालकृष्ण बोकील पृ. 32 ₹ 20.00

विवाह के बाद अपने गाँव लौटकर एक लड़की विभिन्न परिवारों के बड़े-बूढ़ों की एक बैठक बुलाती है और उन्हें इस बात के लिए दोषी ठहराती है कि उन्होंने उसे अनपढ़ रखा। सब अपनी भूल स्वीकार कर बदलाव लाने का निर्णय लेते हैं।

ISBN 978-81-237-0185-1

68. रतनपाल का सपना

हरनेक सिंह कलेर पृ. 20 ₹ 14.00

रतनपाल के जीवट की कथा। कैसे उसने संघर्ष कर अपने को पथ से डिगने नहीं दिया; बच्चों की पाठशाला से जुड़कर उन्हें आगे बढ़ने का संस्कार दिया। ISBN 978-81-237-5900-5

69. रामो चंडी

चंदन नेगी अनु. : सुभाष नीरव पृ. 18 ₹ 12.00

पंजाबी लेखिका की एक मार्मिक रचना। एक ही मुहल्ले में एक ही नाम की पाँच औरतें रहती हैं। ऐसे में रामो चंडी को जानना बेहद जरूरी हो जाता है। ISBN 81-237-4676-8

70. रोशनी की माँ

रमेश तैलंग पृ. 16 ₹ 25.00

रोशनी की माँ वयस्क होने पर स्कूल जाना शुरू करती है। उसने अक्षर सीखे। वोट देना सीखा। कमाना भी शुरू कर दिया और बचत भी। वह बेटी को भी पढ़ाएगी, तब शादी करेगी, ऐसा उसने ठाना। अब उसकी जिंदगी बदल गई। सच है, पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती।

ISBN 978-81-237-7091-8

71. लखमी

धूमकेतु अनु. : गीता जैन; रूपां. : चंद्रकांत सेठ पृ. 20 ₹ 25.00

गृहस्थी में बचत के महत्व को दर्शाती कहानी। ISBN 978-81-237-1575-9

72. लाली

बलदेव सिंह 'बद्दन' पृ. 12 ₹ 25.00

बिमला और हरखू को अपने दोनों बच्चों से बड़ा लगाव था। जब लाली की शहर में नौकरी लगने की खबर आई तो बिमला की खुशी देखते ही बनती थी। ISBN 978-81-237-4717-4

73. लौटना ही होगा

कृष्णा ठाकुर कविता पृ. 20 ₹ 25.00

यह कहानी उस स्त्री की है जो विदेश से लौटने पर गाँव आई और उसने महसूस किया कि ग्रामीण लोगों में अब अपने कार्य के प्रति सजगता जाग्रत हुई है। रचना में जैविक संसाधनों और उसकी उपयोगिता पर बल दिया गया है। ISBN 978-81-237-9551-5

74. वसीयत

अनसूया अग्रवाल पृ. 18 ₹ 25.00

यह कहानी अविवाहित स्त्रियों पर केंद्रित है। कहानी हमें बताती है किस प्रकार पारिवारिक जिम्मेदारियाँ और स्वार्थी लोगों से धोखा खाई ये महिलाएँ अपने पैरों पर खड़ी होकर स्वाभिमान से जीती हैं। ISBN 978-81-237-5456-7

75. शांतिपुर की विमला

ललित किशोर मंडोरा पृ. 12 ₹ 18.00

किस प्रकार शांतिपुर की विमला अपने शराबी पति से तंग आकर रात्रि पाठशाला में पढ़ाई करती है और साक्षर होने के बाद पूरे गाँव को साक्षर करने का संकल्प लेती है; महिला के दृढ़ निश्चय को दिखाती यह रचना।

76. सच्ची खुशी

अमर गोस्वामी पृ. 12 ₹ 12.00

दामोदर पांडे ने अपनी समाज सेवा के साथ अपनी माँ के छुआछूत के भेदभाव को बिलकुल मिटा दिया। वरिष्ठ कथाकार की एक आदर्श रचना। ISBN 978-81-237-3909-5

77. सरला ने कहा

जमुना प्रसाद कसार पृ. 16 ₹ 25.00

सरला पढ़-लिखकर समझदार हो गई तो उसके माँ-बाप को बड़ी खुशी हुई। छत्तीसगढ़ के वयोवृद्ध रचनाकार की एक महत्वपूर्ण रचना। ISBN 978-81-237-3863-5

78. सुजाता की सास

शिव मृदुल पृ. 12 ₹ 12.00

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने सुधारवादी दृष्टिकोण अपनाया है। सुजाता की सास लड़के और लड़की में कोई भेद नहीं रखती है। सास के इस उदारवादी और ममतामयी व्यवहार से सुजाता की सास के प्रति पूर्व में बनाई गई गलत धारणाएँ टूट गईं। ISBN 978-81-237-5559-5

79. साँवरी

अनीता चौधरी पृ. 16 ₹ 25.00

गौरी और सांवरी जमींदार की दो बेटियाँ हैं जो अपने नाम के अनुरूप ही गोरी और सांवली है। सांवरी अच्छी शक्ल-सूरत की न होकर भी दिल से अच्छी थी। उसने गौरी सहित पूरे परिवार का हृदय परिवर्तन कर दिया। ISBN 978-81-237-6175-6

80. सागर

वर्षा दास पृ. 16 ₹ 30.00

ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पहली पुस्तक, जिसमें एक भी संयुक्ताक्षर नहीं है। इसका उपयोग साक्षरता के पहले प्राइमर के साथ किया जा सकता है। ISBN 978-81-237-2777-6

81. हम होंगे कामयाब एक दिन

ललित किशोर मंडोरा पृ. 12 ₹ 25.00

यह पुस्तक महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित है। किस प्रकार ममता ने अपने नशेड़ी पति की मौत के बाद बिखरते परिवार को संभाला। पुस्तक बताती है कि कोई भी नशा अच्छा नहीं होता। इससे बचना चाहिए। ISBN 978-81-237-6921-9

एकता व सद्भाव

1. अफवाहों का बाजार

दीपक कुल्लवी पृ. 16 ₹ 25.00

यह कहानी दो ऐसे नए पत्रकारों की है जो लगातर मीडिया में सक्रिय होना चाहते थे। उनका विधानसभा चुनाव को कवर करने के बहाने दिल्ली में आना और शादी के संदर्भ में शॉपिंग भी एक उद्देश्य था। मगर अफवाहों का बाजार गर्म था। कहानी में दो समुदाय के बीच के संघर्ष को दिखाते हुए एक अलग तरह की कौमी एकता को भी दर्शाया गया है।

ISBN 978-81-237-9419-8

2. अमरु की कहानी

गुरमेल मडाहड़ पृ. 16 ₹ 13.00

अमरु नामक लड़के ने कैसे अपनी लगन एवं मेहनत से अपने व अपने परिवार का जीवन खुशहाल बनाया, इसकी कहानी है इस पुस्तक में। एक प्रेरक रचना। ISBN 978-81-237-5712-4

3. इनसान की पहचान

गिरीश पंकज पृ. 16 ₹ 35.00

यह कहानी सेजपुर गाँव के दो किसानों की है। एक गरीब है और दूसरा अमीर। कैसे अमीर किसान का हृदय परिवर्तन हुआ? बताती है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-3481-1

4. एक गाँव जगतपुर

कृष्ण कुमार पृ. 14 ₹ 25.00

यह कहानी बताती है कि गाँव में नारी शिक्षा में अगर महिलाओं को जोड़ दिया जाए तो सचमुच एक क्रांतिकारी परिवर्तन किया जा सकता है। यह परिवर्तन जगतपुर में भी हुआ।

ISBN 81-237-4595-8

5. एक ही धारा

बटरोही पृ. 24 ₹ 55.00

प्रस्तुत पुस्तक में गाँव में व्याप्त ऊँच-नीच की कुरीति पर सटीक प्रहार किया गया है।

ISBN 81-237-0011-3

6. एकता का पुल

मोहम्मद अलीम पृ. 16 ₹ 30.00

गाँव की हर जाति व धर्म के लोगों को शोषण के विरुद्ध उठकर कार्यवाही करने की प्रेरणा देने वाली कहानी। ISBN 978-81-237-0590-3

7. किनारा

राधाकिशन सोनी पृ. 20 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में बुजुर्गों के प्रति बच्चों की उपेक्षा और असंवेदनशीलता को बड़े ही मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-8805-0

8. केसर की महक

बचिंत कौर पृ. 16 35.00

अपना बच्चा न होने की स्थिति में एक ग्रामीण दंपती शहर जाकर अनाथालय से एक बच्चा गोद ले लेता है जिससे घर भर में खुशी तैर जाती है। ISBN 978-81-237-5710-0

9. गुल्लू

नासिरा शर्मा पृ. 12 ₹ 8.00

कैसे गुल्लू अपनी अच्छाई से कुछ शरारती बच्चों के आचरण को बदल देता है। गुल्लू की मासूमियत पूरी कहानी का मूल केंद्र है। ISBN 81-237-4286-1

10. चंदर का सुख

सीतेश आलोक पृ. 16 ₹ 25.00

वरिष्ठ लेखक की सरस कहानी जो बतलाती है कि कभी भी हमें किसी को दुःख नहीं पहुँचाना चाहिए। ISBN 978-81-237-4789-7

11. जैसे सबके दिन फिरे

श्याम सुंदर त्रिपाठी पृ. 24 ₹ 30.00

'अन्न कोठी' की महत्ता बताती छत्तीसगढ़ के लेखक की एक रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-3746-1

12. झुमनी आपा का गाँव

रचना सिद्धा पृ. 16 ₹ 9.00

सभी लोग बराबर हैं। कौन छोटा, कौन बड़ा? एक झुमनी आपा ही थी जिसने नफरत की हवा को रोकने का बीड़ा उठाया। गाँव में एक मिसाल कायम कर गई झुमनी आपा।

ISBN 81-237-4625-3

13. झोपड़ी का लट्टू

शीतल 'नवीन' पृ. 12 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में ऐसे बच्चों का जीवंत चित्रण किया गया है, जो अभावों में रहकर भी जीवन को एक उत्सव के रूप में जीते हैं। कहानी बताती है कि किस प्रकार बाल-सुलभ जिज्ञासाओं से परिपूर्ण ये बच्चे अपनी माँ से ऐसे कितने ही प्रश्न करते हैं जो वर्तमान समाज की वास्तविक स्थिति पर कटाक्ष करते हैं। ISBN 978-81-237-7726-9

14. दयाबाई

शरद सिंह पृ. 14 ₹ 25.00

महिलाएँ भी परिवार का पालन-पोषण कर सकती हैं, अपने पति का सहयोग भी कर सकती हैं—यही इस कहानी में बताया गया है। ISBN 978-81-237-4664-7

15. दयाल

आबासाहब वाघमारे अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 32 ₹ 35.00

यह कहानी एक दयालु आदमी की है जो हमेशा सबके सुख-दुख में आगे रहता है। युवा शक्ति और जनचेतना को जगाने की इसकी एक मिसाल थी। ISBN 978-81-237-3477-4

16. दोस्ती के रंग पृ. 16 ₹ 25.00

अंजली

प्रस्तुत कहानी रिक्शावाले बन्ने और स्कूल में पढ़ने वाले मोनू पर केंद्रित है। कहानी बन्ने और मोनू की दोस्ती के विभिन्न रंगों से सजी है। ISBN 978-81-237-7184-7

17. धरती निचला बैल

कुलवंत सिंह विर्क अनु. : सुभाष नीरव पृ. 24 ₹ 25.00

करमसिंह और मानसिंह पक्के दोस्त थे। अपनी छुट्टी काटकर मानसिंह करमसिंह के गाँव पहुँचा तो अंत तक बापू ने उसकी मौत की खबर मानसिंह से छिपाए रखी। जब बात खुली तो दोनों फूट-फूटकर रो पड़े। पंजाबी कथाकार की बेहद मार्मिक रचना। ISBN 978-81-237-2731-2

18. नाम वाले चाचा

आशीष दशोत्तर पृ. 20 ₹ 25.00

बरकत अपने गाँव के बच्चों के बीच 'नाम वाले चाचा' के नाम से मशहूर था। गाँव के मास्टर जी की राय पर उसने पकी उम्र में पढ़ना-लिखना सीखा और चौकीदार बना। एक अत्यंत रोचक कहानी, जिसे पढ़ना आपको रुचेगा। ISBN 81-237-6651-5

19. नीम की बेटी

मो. अरशद खान पृ. 20 ₹ 25.00

हाजी रहमत अली अपने गाँव में 'पंडित जी' और 'हाजी साहब' दोनों कहलाते थे। अपने घर के आगे नीम के पेड़ को कटने से बचाने के लिए वे किस हद तक जेहादी हो जाते हैं यह पढ़ना अत्यंत प्रेरक है। ISBN 978-81-237-6509-9

20. पहले आप

इब्ने कंवल अनु. : उमा बंसल पृ. 16 ₹ 25.00

एक-दूसरे को बेहद प्यार करने वाले पति-पत्नी की रोचक कहानी, जो मौत के फरिश्ते को सामने पाकर अपने से पहले अपने साथी की मौत चाहते हैं। ISBN 978-81-237-5612-7

21. पारसमणि

ईश्वर पेटलीकर अनु. एवं रूपां. : वर्षा दास पृ. 20 ₹ 25.00

प्रस्तुत पुस्तक समाज में व्याप्त छुआछूत, ऊँच-नीच को समाप्त करने की प्रेरणा देती है।

ISBN 81-237-1531-5

22. बहादुर बच्चे

सिगरुन श्रीवास्तव पृ. 20 ₹ 55.00

बच्चों की बहादुरी के किस्से रोचक भाषा में लेखिका ने लिखे हैं। ISBN 81-237-0188-2

23. भाई

सुनीता कावले अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 30 ₹ 30.00

कुष्ठ रोग कोई भयावह बीमारी नहीं है। जब गाँववालों को यह पता चला तो उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। उपचार के बाद राम की दुकान में फिर से चहल-पहल शुरू हो गई। हर बीमारी का इलाज है, बशर्ते आप शुरू से ध्यान दें। ISBN 978-81-237-3349-4

24. भोला किसान

सु. पलनी सामी अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 12 ₹ 11.00

यह एक भोले किसान शंकर और धूर्त पंडित की कहानी है। तमिल से हिंदी में अनूदित रचना।

ISBN 978-81-237-3711-9

25. मिनीमाता

परदेशीराम वर्मा पृ. 20 ₹ 25.00

मिनीमाता छत्तीसगढ़ की प्राण थी। कैसे वह सांसद पद तक पहुँची। इस रोचक सफर को जानना सुखद लगेगा। ISBN 81-237-3741-6

26. लालटेन

मधुकर सिंह पृ. 20 ₹ 25.00

वरिष्ठ रचनाकार की जन-जागृति को आंदोलित करती बेहद मर्मस्पर्शी रचना।

ISBN 978-81-237-2775-2

27. विघन की जड़

भरत ओला पृ. 12 ₹ 25.00

यह कहानी फत्तू खाँ और जीत सिंह के रिश्तों पर केंद्रित है। किस बात पर उनकी तकरार का अंत हुआ। रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-4805-4

28. साथी हाथ बढ़ाना

लक्ष्मी कन्नन पृ. 16 ₹ 35.00

कहानी बताती है कि भले हम कितने ही आधुनिक हो जाएँ पर घर की रीढ़ हमारे माता-पिता हैं, जिनके आशीर्वाद से घर में बरक्कत और खुशियाँ बनी रहती हैं। ISBN 978-81-237-3518-4

29. सहारा एक दूजे का

अशोक लाल पृ. 16 ₹ 9.00

कहानी बताती है कि पैसा, नकदी चाहे कुछ भी हो इससे कुछ दिन तो आदमी को राहत मिलती है, लेकिन सारी जिंदगी नहीं काटी जा सकती। ISBN 81-237-3431-X

30. सुख के आँसू

देवेन्द्र सिंह पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी दो दोस्तों—धनसिंह और गोपाल की दोस्ती का बड़ा मार्मिक वर्णन करती है।

ISBN 978-81-237-5473-4

31. हम सब एक हैं

फारूख आफरीदी पृ. 12 ₹ 25.00

आपसी भाईचारे पर केंद्रित कहानी में यह बताया गया है कि सबसे बड़ा धर्म इंसानियत का धर्म है। खुदा की नजर में हम सब एक हैं। ISBN 978-81-237-6550-1

32. हरदीप और उसकी अंधविश्वासी माँ

भगवंत रसूलपुरी अनु. : डॉ. सुनीता पृ. 20 ₹ 25.00

अंधविश्वास या जादू-टोने से बच्चे नहीं होते; वैज्ञानिक सोच को केंद्र में रखकर लिखी गई रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-6163-3

स्वास्थ्य

1. अब पछताए होत क्या

राजकमल नायक पृ. 12 ₹ 25.00

बिहारी काका ने जब अपनी किशोरी पुत्री की उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी कर दी तो उसे असमय मातृत्व का बोझ उठाना पड़ा और प्रसव के समय वह दुनिया छोड़ गई। बिहारी काका बहुत पछताए। अब अपनी छोटी बेटी को पढ़ाने-लिखाने की उन्होंने ठान ली।

ISBN978-81-237-8021-1

2. अपंगता से मुकाबला

विनोद कुमार मिश्र पृ. 16 ₹ 25.00

विज्ञान के इस युग में ऐसी कोई बीमारी नहीं जिसका इलाज न हो। लोगों को भी चाहिए कि ऐसी स्थिति ही न उपजे कि उन्हें बेबस होना पड़े। ISBN 81-237-3069-1

3. आँखों की देखभाल—नजर का बचाव

उदय चंद्र गुप्ता पृ. 28 ₹ 45.00

आँखों का विकार, देखने में परेशानी तथा आँखों के अन्य रोग और उनके उपचार का ब्योरा।

ISBN 978-81-237-1041-9

4. आनंद डेयरी

हरीश बी. शर्मा पृ. 18 ₹ 18.00

प्रस्तुत कहानी रायगढ़ के कस्बे में रहने वाले उन बच्चों की है जिन्हें मिलावटी दूध पीने से फूड-पॉयजनिंग हो गई थी। उस कस्बे के पढ़े-लिखे नौजवान आनंद ने नकली दूध बनाने वाले इस गिरोह को पुलिस में पकड़वाने में मदद की और स्वयं इस कस्बे के बच्चों को पोषणयुक्त एवं असली दूध उपलब्ध कराने के लिए दूध की डेयरी खोलने का संकल्प लिया।

ISBN 978-81-237-8200-3

5. आशा की किरण

विनोद कुमार मिश्र पृ. 20 ₹ 25.00

दिमागी तौर पर कमजोर बच्चों को नई रोशनी देती यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4002-7

6. ऐसा ही होगा

निशात फातमा पृ. 12 ₹ 30.00

यह कहानी गुटखा, तम्बाकू और अन्य नशीले सेवन की चीजों के कारण मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणामों का जिक्र करते हुए उनके सेवन पर रोक लगाने को जागरूक करती है।

ISBN 978-81-237-5106-1

7. कमली का दुश्मन

पुष्पा सक्सेना पृ. 16 ₹ 25.00

स्त्रियों के स्वास्थ्य पर केंद्रित यह कहानी मूलतः महिलाओं में खून की कमी से होने वाली बीमारियों और उसके निवारण के बारे में जानकारी देती है।

ISBN 978-81-237-5696-7

8. कमर का दर्द

जितेन्द्र माहेश्वरी पृ. 24 ₹ 9.00

आज के व्यस्त जीवन में आदमी को कई बार झुकना पड़ता है। काम करना पड़ता है। नतीजतन कमर में दर्द शुरू हो जाता है। पुस्तक सरल भाषा में बताती है कि कमर के दर्द से कैसे छुटकारा पाएँ।

ISBN 81-237-2125-0

9. कुशल माली

मेनका श्रीवास्तव पृ. 16 ₹ 25.00

कुष्ठ कोई भयंकर रोग नहीं है। समय रहते इससे बचा जा सकता है। हरखू ने भी यही किया। कलेक्टर ने जब 'कुशल माली' का पुरस्कार दिया तो पूरा परिवार खुशी से झूम उठा।

ISBN 978-81-237-4612-8

10. खैनी एक जहर

ओंकार शर्मा 'निराला' पृ. 12 ₹ 25.00

जान है तो जहान है। नशा कभी भी सगा नहीं होता। यह अपने को आप से और परिवार से दूर कर देता है। इससे बचना पूरे परिवार की खुशहाली के लिए बहुत जरूरी है।

ISBN 81-237-4197-0

11. गाँव का बेटा

राकेश चक्र पृ. 20 ₹ 25.00

किशन डॉक्टर बनकर भी शहर नहीं जाता। अपने गाँव में रहकर गाँववासियों में स्वास्थ्य की चेतना जगाता है। ISBN 978-81-237-6627-0

12. गुटखाराम

गिरीश पंकज पृ. 16 ₹ 25. 00

गुटखा, खैनी यह सब सेहत के साथ खिलवाड़ करते हैं और कई बार भयंकर रोग भी देकर जीवन लीला समाप्त कर जाते हैं। सरल भाषा में बताती है यह कहानी।

ISBN 978-81-237-6690-4

13. जब फुलवा हँसी

प्रभा सरस पृ. 16 ₹ 25.00

यह कटे-फटे होंठों को ठीक कर देने वाली एक रोचक कहानी है। कैसे फुलवा का जीवन बिलकुल बदल गया। बताती है यह कहानी। ISBN 81-237-3884-0

14. जब मन में उठे बच्चे की चाह

यतीश अग्रवाल पृ. 18 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने गर्भस्थ महिलाओं के गर्भ धारण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना है इस बात की बड़ी ही महत्वपूर्ण जानकारी दी है। ISBN 978-81-237-6012-4

15. जय स्वच्छता

मोनिका गुप्ता पृ. 16 ₹ 19.00

जो गाँव गंदगी, गरीबी और अशिक्षा के गर्त में डूबा था उस गाँव की एक स्त्री के अंतरमन में जब गाँव की स्वच्छता का भाव जगा तो कैसे वह गाँव निर्मल गाँव के रूप में परिवर्तित हो गया, इसे बताती एक प्रेरणादायी कथा। ISBN 978-81-237-7967-6

16. तंबाकू से कैसे बचें?

पीयूष जैन पृ. 20 ₹ 7.00

कोई भी नशा हो, उसका परिणाम हमेशा भयंकर होता है। वरिष्ठ डॉक्टर द्वारा लिखी गई एक महत्वपूर्ण रचना। ISBN 978-81-237-4067-0

17. तुरंत उपचार

यतीश अग्रवाल पृ. 40 ₹ 35.00

आम जीवन में कोई न कोई दुर्घटना घटती ही रहती है। ऐसे में 'तुरंत उपचार' की आवश्यकता महसूस होती है। इस विषय को बखूबी बताती है यह उपयोगी पुस्तक।

ISBN 81-237-2114-5

18. नई रोशनी

प्रभा सरस पृ. 18 ₹ 25.00

इस कहानी से कुष्ठ रोगियों में जागरूकता और जिंदगी के प्रति सकारात्मक नजरिया पैदा होता है।

ISBN 978-81-237-5472-7

19. नशा एक अभिशाप

सुरेंद्र मिश्र पृ. 20 ₹ 25.00

नशा मनुष्य का जहाँ समूचा नाश करता है वहीं दूसरी ओर परिवार में भी कलह का समंदर तैयार करता है। ननकू अपनी गलत आदतों के चलते ड्यूटी में ही शराब पीता, एक बार जो पीकर बहका, फिर जो गिरा उससे न सँभला और अकाल मृत्यु को प्राप्त हुआ।

ISBN 978-81-237-9549-2

20. निश्चय

अरविन्द सिंह आशिया पृ. 14 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी पूर्णतः महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित है। किशोरावस्था में मासिक धर्म के बारे में पूर्ण जानकारी न होने के कारण उत्पन्न परेशानियों को सरल रूप में बताया गया है।

ISBN 978-81-237-5469-7

21. नीतू का सम्मान

मोनिका गौड़ पृ. 16 ₹ 18.00

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने महिलाओं के सम्मान और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए घर में शौचालय बनाए जाने की वकालत की है कि कैसे नीतू अपने पिता को घर में शौचालय बनाने के लिए राजी किया।

ISBN 978-81-237-8174-7

22. पागल मौत कहें या रेबीज़

उदयवीर सिंह राणा पृ. 32 ₹ 40.00

रेबीज़ जैसे भयानक रोग के विषय में पूर्ण एवं लाभदायक जानकारी इस पुस्तक में दी गई है। रेबीज़ से बचने के लिए कुत्ते, बिल्ली, बंदर आदि जानवरों के काटने पर तुरंत उपचार किए जाने पर बल दिया गया है।

ISBN 978-81-237-0851-5

23. पुरवा व पछुआ की मधु और राधा

रश्मि बड़थ्वाल पृ. 12 ₹ 25.00

पुरवा गाँव की मधु और पछुआ गाँव की राधा ने अपने-अपने गाँव में स्वास्थ्य और साफ-सफाई के संबंध में जागरूकता पैदा कर गाँववालों में चेतना जगाई।

ISBN 978-81-237-6263-0

24. पूरियों की सुगंध

रमाशंकर श्रीवास्तव पृ. 24 ₹ 30.00

यह कहानी खाने के शौकीन नरेश के इर्द-गिर्द घूमती है। अधिक खाना खाने से उसके पाचन तंत्र में खराबी आ गई। अंत में उसने अपनी इस बुरी आदत को छोड़ने का संकल्प किया।

ISBN 978-81-237-5497-0

25. बड़े दिलवाला

डॉ. हरप्रीत सिंह पृ. 28 ₹ 15.00

दिल की बीमारी किसी को भी हो सकती है। आज जरूरत है कि आप अपनी सेहत का किस प्रकार ख्याल रखते हैं। प्रमुख चिकित्सक द्वारा सरल भाषा में बताती यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5153-5

26. बात आँख की

श्रीनिवास जोशी पृ. 16 ₹ 25.00

आँख के बिना संसार अधूरा है। इसकी सुरक्षा कैसे करें? जानकारी देती है वरिष्ठ लेखक की यह उपयोगी पुस्तक। ISBN 81-237-2460-8

27. बात कान की

श्रीनिवास जोशी पृ. 16 ₹ 25.00

कान हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। इसकी देखभाल कैसे की जाए? सरल भाषा में बताती है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-2451-5

28. बात शादी की

श्रीमती एन. विजयलक्ष्मी पृ. 16 ₹ 25.00

पुस्तक बताती है कि शादी की सही उम्र क्या होनी चाहिए और माँ बनने पर क्या सावधानी बरतनी चाहिए। एक उपयोगी पुस्तक। ISBN 978-81-237-4126-0

29. बीमारी में भोजन कैसा हो?

रेनू चौहान पृ. 36 ₹ 35.00

आए दिन मनुष्य बीमार पड़ता है। वह तय नहीं कर पाता कि उस हालत में स्वस्थ रहने के लिए वह कैसा भोजन करे। इस विषय पर पुस्तक लाभदायक जानकारी देती है।

ISBN 978-81-237-2139-2

30. भोजन और हमारा शरीर

रेनू चौहान पृ. 52 ₹ 45.00

शरीर की मशीन सुचारु रूप से चलाने के लिए जरूरी विटामिन, प्रोटीन आदि कैसे प्राप्त करें? आम परिवार सस्ते में पौष्टिक भोजन कैसे पाएँ ? इन सबका विवरण है इस पुस्तक में। साथ ही हैं ज्ञानवर्धक मनोरंजक खेल भी। ISBN 978-81-237-1128-7

31. मानव शरीर

रमेश बिजलानी रूपां. : जितेन्द्र माहेश्वरी पृ. 20 ₹ 35.00

शरीर कैसे काम करता है? इसका सरल भाषा में विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं एक चिकित्सक।

ISBN 978-81-237-0691-7

32. मेले की माया

हरिसुमन बिष्ट पृ. 22 ₹ 30.00

यह कहानी गाँवों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पैदा करने के उद्‌देश्य से लिखी गई है। माया ने हेल्थ मेले से जो जानकारी प्राप्त की उससे गाँव की सभी महिलाएँ लाभान्वित हुईं।

ISBN 978-81-237-5471-0

33. रिक्शेवाला

भूपिंदर सिंह बेदी अनु. : धर्मपाल साहिल पृ. 20 ₹ 25.00

बिशना गरीब घर से था। माँ बीमारी में चल बसी थी। पिता ने स्कूल से नाम कटा दिया। चाय की दुकान पर बिशना पिटता और रोता। बड़ा हुआ, रिक्शा चलाने लगा। ऊपर से नशा करने लगा। पूरा मोहल्ला दुखी था। डॉक्टर ने कहा–नशा कभी किसी का सगा नहीं हुआ। बात बिशना को समझ आ गई। अब उसने ठान लिया था कि कभी भी नशा नहीं करेगा। ISBN 978-81-237-6925-7

34. लच्छू को मिला जीवन

पतंजलि मिश्र पृ. 8 ₹ 16.00

खेत से काम करके घर लौटते समय शाम के अँधेरे में लच्छू को साँप ने काट लिया तो गाँव के लोग ओझा-गुनिया को बुलाकर झाड़फूँक करवाने लगे। लेकिन स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया जहाँ 'एंटीस्नेक वेनम' सूई दिलवाने पर लच्छू को जीवनदान मिल गया।

ISBN 978-81-237-7780-1

35. व्हील चेयर

विनोद कुमार मिश्र पृ. 20 ₹ 25.00

व्हील चेयर अनेक प्रकार के होते हैं। विकलांग जन अपनी जरूरत के हिसाब से व्हील चेयर ले सकते हैं। कथा शैली में व्हील चेयर के अनेक पहलुओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है यहाँ।

ISBN 978-81-237-6819-9

36. शर्त

पुष्पा सक्सेना पृ. 24 ₹ 30.00

कहानी की मूल विषय-वस्तु नवसाक्षरों में एड्स जैसी लाइलाज बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर देती है।

ISBN 978-81-237-7415-2

37. संगत

शारदा कुमारी पृ. 12 ₹ 25.00

इस पुस्तक में बुरी संगत में फंसे एक लड़के की रोचक कहानी है।

ISBN 978-81-237-2123-1

38. सजा

डॉ. यतीश अग्रवाल पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में किशोरावस्था में हुई भूल के कारण एच.आई.वी. से ग्रस्त लड़की का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-6233-3

39. साँझ सवेरा

मीनाक्षी स्वामी पृ. 24 ₹ 30.00

जानलेवा बीमारी 'एड्स' के कारणों व उससे बचने के उपायों पर प्रकाश डालती एक रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-1844-6

40. सात जन्मों का साथ

यतीश अग्रवाल पृ. 24 ₹ 30.00

सुखद दांपत्य जीवन में आने वाले सुख-दुखों को किस प्रकार दोनों दंपती आपस में मिलकर सामना करते हैं।

ISBN 978-81-237-5695-0

41. साधारण रोग

सुरेश नाडकर्णी अनु. : हेमा जावडेकर पृ. 32 ₹ 45.00

आम जीवन में आदमी के साथ कुछ न कुछ घटता रहता है। ऐसे में पुस्तक बताती है कि साधारण रोग से कैसे निबटें।

ISBN 978-81-237-2507-8

42. सुमन की जीत

राजुरकर राज पृ. 16 ₹ 25.00

लड़का हो या लड़की, आज सब मान्य हैं। लिंग परीक्षण कानूनी अपराध है। जब यह बात समझ में आई तो काकी शर्मिंदा हो गई। ISBN 978-81-237-6650-8

43. हड्डी टूटने पर

जितेन्द्र माहेश्वरी पृ. 32 ₹ 45.00

हड्डी विशेषज्ञ द्वारा लिखित यह पुस्तक हड्डी टूटने पर किए जाने वाले उपचार के बारे में सरल और सुबोध ढंग से बताती है। ISBN 978-81-237-1557-5

44. हमारे प्राण हमारे हाथ में

इरा गुणसेकरन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 16 ₹ 35.00

पुस्तक बताती है कि मनुष्य अपनी सुरक्षा को बखूबी निभा सकता है बशर्ते वह ध्यान दे। स्वास्थ्य केंद्रित एक रचना। ISBN 978-81-237-3748-5

पर्यावरण

1. अकाल को बुलावा

सहदेव साहू अनु. : राजेंद्र प्रसाद मिश्र पृ. 20 ₹ 50.00

यह पुस्तक पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित है। इसमें बताया गया है कि कैसे गाँव वालों ने भूमि के कटाव और नुकसान को समझते हुए पुनः खेती की ओर मन लगाया।

ISBN 81-237-2484-3

2. ईंधन की कमी

चित्रा नाईक पृ. 12 ₹ 13.00

राज्य संसाधन केंद्र महाराष्ट्र द्वारा प्रकाशित इस सचित्र पुस्तक में गाँवों में ईंधन की समस्या के निवारण का रोचक विवरण है। ISBN 81-237-0844-0

3. कैसे करें जैविक खेती

लायक राम मानव पृ. 24 ₹ 35.00

जैविक खेती खेती का सबसे प्राकृतिक और निरापद तरीका है। इन दिनों इस तरह की खेती का प्रचलन काफी बढ़ गया है। इससे कृषि उत्पाद की गुणवत्ता तो बढ़ती ही है उत्पादन भी बढ़ जाता है। जैविक खेती के विभिन्न आयामों की जानकारी देती है यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7089-5

4. छोटे गाँव की बड़ी बात

शुभु पटवा पृ. 52 ₹ 55.00

यह पुस्तक गाँवों के परिवेश को वृक्षारोपण द्वारा हरा-भरा करने के महत्व पर प्रकाश डालती है, जिसकी आज सबसे बड़ी जरूरत है। ISBN 978-81-237-0850-8

5. जंगल में जीवन

जित राय रूपां. : बटरोही पृ. 28 ₹ 45.00

पेड़-पौधों, जानवरों और पक्षियों के बारे में दिलचस्प जानकारी। ISBN 81-237-0184-5

6. दीनू से दीनानाथ

राजेश कुमार साहू पृ. 16 ₹ 25.00

दीनू मजदूरी करते हुए, जानवरों को चराते हुए भी पढ़ना-लिखना सीख गया। उसने वृक्षारोपण की प्रेरणा दी, ताकि गाँव में ही शव-दहन हेतु लकड़ी की उपलब्धता हो सके।

ISBN 978-81-237-6667-6

7. नीली झील

कमलेश्वर रूपां. : रमेश थानवी पृ. 22 ₹ 30.00

प्रकृति प्रेम को दर्शाती एक भावनात्मक कहानी। ISBN 81-237-1763-6

8. पर्यावरण की पुजारिन

रामशंकर चंचल पृ. 24 ₹ 20.00

पर्यावरण चेतना का संदेश देती एक उपयोगी पुस्तक। वनांचल झाबुआ नगर की पृष्ठभूमि में कथा शैली में लिखी इस कहानी में पर्यावरण के प्रति सभी को जागरूक रहने की प्रेरणा मिलती है।

ISBN 978-81-237-6544-0

9. पानी का मान

मृणालिका ओझा पृ. 12 ₹ 25.00

बिन पानी सुखाड़ पड़ जाता है। पानी को तालाबों में सहेजकर साफ-सुथरा रखना चाहिए। तालाब हो या नदी, उनमें गंदगी, कूड़ा कभी न डालें। पानी का हम मान रखेंगे तो पानी भी हमारा मान रखेगा। एक शिक्षाप्रद कहानी। ISBN 978-81-237-9270-5

10. पेड़ों की महिमा

रस्किन बॉन्ड रूपां. : प्रेम सिंह नेगी पृ. 24 ₹ 50.00

आमतौर पर पाए जाने वाले भारतीय वृक्षों और उनमें घोंसला बनाकर रहने वाली चिड़ियों की अद्भुत जानकारियों का संकलन। ISBN 81-237-0191-8

11. पॉलिथीन अब नहीं

अशोक 'अंजुम' पृ. 16 ₹ 25.00

पॉलिथीन के खतरों के प्रति आगाह करती एकांकी रूप में एक प्रेरणाप्रद पुस्तक। पॉलिथीन कैसे और किस रूप में प्राणिमात्र के लिए हानिकारक है इसकी जानकारी है इसमें।

ISBN 978-81-237-7981-2

12. बैक्टीरिया

जी जयसीलन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 20 ₹ 35.00

पुस्तक बताती है कि आस-पास गंदगी बिलकुल न फैलने दें। स्वस्थ रहना हो तो गंदगी को हटाना ही पड़ेगा। ISBN 978-81-237-3747-8

13. मौसम में बदलाव

समयलाल विवेक पृ. 12 ₹ 25.00

बारिश के मौसम के बीतते जाने के बावजूद जब बारिश नहीं हुई तो गाँववालों ने इसे ईश्वर का प्रकोप कहना शुरू कर दिया, किंतु गाँव के ही एक समझदार और जागरूक व्यक्ति ने बताया कि मनुष्यों द्वारा प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की वजह से मौसम में यह बदलाव आया है। लोगों की सजगता ही इस प्रकोप से निजात दिला सकती है। ISBN 978-81-237-8253-9

14. लीला का कमाल

केशव चंद्र पृ. 20 ₹ 25.00

थली गाँव की औरतों ने एकजुट हो बंजर भूमि पर वृक्षारोपण कर पास-पड़ोस के गाँवों की महिलाओं को भी पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरित किया। ISBN 978-81-237-2315-0

15. वीरगढ़ के वीर

हरीश नवल पृ. 24 ₹ 30.00

पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण कहानी, जिसे सुपरिचित लेखक ने बड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत किया है। ISBN 81-237-4127-8

16. हम भी तुम्हारे हैं

शंकर सुल्तानपुरी पृ. 20 ₹ 25.00

जंगल के पेड़-पौधों को काट-काटकर अपने परिवार का जीवन-यापन करने वाले लकड़हारे के साथ क्या घटा कि उसने पेड़-पौधे काटने से तौबा कर ली। एक रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-6888-5

17. हरियाली और सफाई

अनु. : जे.एल. रेड्डी पृ. 12 ₹ 30.00

हमें आस-पास के पर्यावरण को ठीक रखना है तभी हम स्वस्थ रहेंगे। खूबसूरत चित्रों के माध्यम से समझाती यह उपयोगी पुस्तक। ISBN 81-237-3773-7

पशुपालन

1. अरुण की गाय

सुधा वर्मा पृ. 16 ₹ 25.00

एक ग्रामीण अरुण की गाय को डॉक्टर की दवा का भी असर नहीं हुआ और वह चल बसी। बाद में जाँच से पता चला कि पॉलिथीन खा-खाकर उसका पेट भर गया था और इसी कारण से उसकी मौत हो गई। पॉलिथीन से होने वाली हानि पर आँखें खोल देने वाली कथा।

ISBN 978-81-237-8252-2

2. कजरी

विश्वासी एक्का पृ. 12 ₹ 25.00

रामधनी और फुलेसरी की अपनी कोई औलाद न थी तो उन्होंने कजरी गाय को अपने बच्चे की तरह ही पाला। लेकिन पॉलिथीन खा-खाकर जब कजरी चल बसी तो इस दंपती ने गाँव से पॉलिथीन का खात्मा करने की ठान ली। ISBN978-81-237-8083-2

3. कुरज बाँधी गाय

इंदरदान देथा पृ. 40 ₹ 55.00

यह पशु की देखभाल संबंधी कहानी है। इसमें गाय की विभिन्न नस्लों, उसके चारे, बीमारियों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-0938-3

4. नेक अभियान

जनार्दन मिश्र पृ. 16 ₹ 25.00

नगरों-महानगरों में जहाँ-तहाँ बिखरे पड़े पॉलिथीन को निगलकर कितने ही गाय, भैंस आदि पशु

अकाल मौत को प्राप्त हो जाते हैं। इसी समस्या पर लिखी गई है यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5629-5

5. भूरा मेरा है

सरला भाटिया पृ. 16 ₹ 25.00

परंपरा के नाम पर सूअर जैसे निरीह पशु का भैंसे जैसे विशालकाय पशु से मरवाने की घिनौनी प्रथा का एक छोटी लड़की द्वारा किया गया प्रतिरोध कहानी का मूल भाव है।

ISBN 978-81-237-5963-0

6. वह बिल्कुल चुप थी

पवन चौहान पृ. 20 ₹ 25.00

यह कहानी बकरी और उन गायों की है जिन्होंने अब दूध देना बंद कर दिया है। सरला का अपने पशुओं से लगाव किसी बच्चे जैसा था। यह रचना पशुओं के प्रति अगाध प्रेम और समर्पण की कहानी है।

ISBN 978-81-237-9591-1

7. रेशमा

सरदार सिंग बैनाडे अनु. : लछमन हर्दवाणी पृ. 24 ₹ 30.00

मराठी से हिंदी में अनूदित पुस्तक में गो-पालन विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-3210-6

लोक-साहित्य

1. अड़ियल घोड़ी

सुभाष चंद्र जैन पृ. 16 ₹ 25.00

एक रोचक किस्सा जो अनायास सोचने पर मजबूर करता है कि हमारे पाप-पुण्य हमारे साथ-साथ चलते हैं।

ISBN 978-81-237-5839-8

2. आधी पूँछवाला राक्षस

प्रत्यूष गुलेरी पृ. 12 ₹ 25.00

'लींडापीर' नामक शैतान से कांगड़ावासियों को मुक्ति मिलती है। हिमाचल प्रदेश की एक लोकप्रिय कथा।

ISBN 978-81-237-2502-4

3. आओ गले मिलें

मनोहर पुरी पृ. 16 ₹ 25.00

एक ऐतिहासिक रचना, जो बताती है कि मिल-जुलकर रहने से परिवार, राज्य कभी नहीं बिखरता।

ISBN 978-81-237-3717-1

4. आल्हा-ऊदल

देवीशरण सिंह 'ग्रामीण' पृ. 14 ₹ 25.00

बुंदेलखंड की मशहूर लोककथा पर आधारित।

ISBN 81-237-2572-7

5. ईसुरी

राजमणि दिवाकर पृ. 14 **अनुपलब्ध**

बुंदेली के जनप्रिय कवि ईसुरी का संक्षिप्त परिचय।

ISBN 81-237-2578-7

6. एक और पहलू

प्रभुदयाल खट्टर पृ. 16 ₹ 25.00

छोटी-छोटी कथाएँ जो जीने का नया संस्कार देती हैं। वास्तव में इन घटनाओं से ही आदमी अपना विकास कर पाता है। ISBN 81-237-3055-1

7. एक कंजूस सेठ

लेखराम वर्मा पृ. 12 ₹ 25.00

एक कंजूस सेठ की कहानी, जो बहुत ही दयालू और मेहनती था। लोककथा-सा सुख देती कहानी। ISBN 978-81-237-9417-4

8. करामातीलाल की तलवार

प्रकाश मनु पृ. 14 ₹ 40.00

काछीपुर के करामातीलाल की यह कहानी जितनी रोचक है उतनी हंसाती भी है और गुदगुदाती भी है। ISBN 978-81-237-5840-4

9. किरात और अर्जुन की लड़ाई

महाकवि भारवि; पुनर्लेखन : राधावल्लभ त्रिपाठी पृ. 32 **अनुपलब्ध**

भगवान शंकर और पार्वती किरात और किराती का वेश धारण कर अर्जुन की परीक्षा लेने में कैसे कामयाब हुए? उत्सुकता जगाती यह ऐतिहासिक कथा। ISBN 978-81-237-2861-2

10. किस्मत की तलाश

मुरारी वर्मा पृ. 16 ₹ 25.00

एक बेहतरीन लोककथा, जिसमें व्यक्ति के आशावादी दृष्टिकोण को उजागर किया गया है। जिसने हिम्मत नहीं हारी और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता चला गया और मार्ग में आई सभी विपदाओं के मारों का सहारा बना। ISBN 978-81-237-9568-3

11. किस्सा डाकू रौहिणेय का

राधावल्लभ त्रिपाठी पृ. 28 ₹ 30.00

यह कहानी हजारों साल पुरानी है। एक डाकू था। वह सेठ-साहूकारों को लूटता था पर कभी पकड़ में न आया। आखिर एक दिन डाकू राजा को सारी आपबीती सुनाकर संन्यासी हो गया।

ISBN 81-237-3507-3

12. किस का धन

गोपाल मेघाणी अनु. एवं रूपां. : वर्षा दास पृ. 20 ₹ 35.00

पुस्तक बताती है कि सरकारी वस्तुओं का इस्तेमाल व्यक्तिगत कार्यों में नहीं करना चाहिए। गुजराती से हिंदी में अनूदित एक प्रेरणाप्रद पुस्तक। ISBN 978-81-237-2960-2

13. गुलेर का राजा हरिचंद

प्रत्यूष गुलेरी पृ. 20 ₹ 8.00

हिमाचल प्रदेश के एक परोपकारी राजा की लोकप्रिय लोककथा। ISBN 81-237-2503-5

14. गूजरी महल

मधुसूदन पाटिल पृ. 12 ₹ 20.00

इस पुस्तक में हिसार के गूजरी महल के बारे में रोचक ढंग से बताया गया है।

ISBN 81-237-2571-X

15. जन्मदिन

बलदेव सिंह बद्दन पृ. 12 ₹ 30.00

एक वंचित और गरीब बालक हमउम्र धनवान किंतु सहृदय बालक की मदद से पढ़-लिखकर नौकरी प्राप्त कर लेता है। एक मार्मिक कथा। ISBN 978-81-237-5709-4

16. जैसी करनी वैसी भरनी

वीरेन्द्र तंवर पृ. 12 ₹ 25.00

लालच की प्रवृत्ति से बचने की सीख देती लोककथा। ISBN 978-81-237-1829-3

17. त से तेनालीराम ब से बीरबल

दिविक रमेश पृ. 23 ₹ 30.00

इस पुस्तक में तेनालीराम और बीरबल की क्रमशः 'लालच की हार' और 'झपकी', इन दो कहानियों को लिया गया है। तेनालीराम और बीरबल ने अपनी सूझबूझ से समाज में ढेरों उदाहरणों और कार्यों द्वारा आम जनता को न्याय दिलवाया। ISBN 978-81-237-5099-6

18. तीन कंजूस व अन्य कहानी

यू.एस. आनन्द पृ. 12 ₹ 25.00

अपनी तरह की दो अद्भुत कहानियाँ, जो पाठकों को गुदगुदाने का काम करेगी।

ISBN 978-81-237-5192-4

19. दो ठग

गौतम शर्मा 'व्यथित' पृ. 8 ₹ 20.00

'नहले पर दहला' वाली सूक्ति यहाँ चरितार्थ होती है। दो ठग कैसे आपस में बुद्धू बने? पढ़िए यह रोचक कहानी। ISBN 81-237-3296-1

20. दो भाई

निशात फारूक पृ. 16 ₹ 12.00

यह कहानी अमीर और गरीब भाई के बारे में है। अमीर भाई के द्वारा गरीब भाई का शोषण दिल दहला देता है लेकिन गरीब भाई अंततः बड़े भाई के परिवार की देखभाल करता है।

ISBN 81-237-4687-6

21. धन का खजाना

मुकुल कलार्थी अनु. : वर्षा दास पृ. 8 ₹ 20.00

गुजराती की एक लोकप्रिय रचना की प्रस्तुति। ISBN 978-81-237-3116-2

22. नौकरी रोशनी करने की

जगदीश चंद्रिकेश पृ. 12 ₹ 7.00

गुजरात के आदिवासी समुदाय की एक रोचक लोककथा, जिसे सुपरिचित लेखक ने सरल भाषा में लिखा है। ISBN 81-237-4129-4

23. पंडित कौन?

रघुवीर चौधरी पृ. 16 ₹ 25.00

यह कहानी एक ऐसे नौजवान की है जो हर बात को तोते की तरह रट लेता था और अपने को विद्वान समझता था। आखिर इसी बड़प्पन में उसे मुंह की खानी पड़ी। ISBN 978-81-237-3520-7

24. पढ़ गई पालो

शरनजीत कौर पृ. 16 ₹ 13.00

एक कामवाली की लड़की अपनी मेहनत से स्थानीय स्कूल में शिक्षिका बन गई; इसी बात को दर्शाती है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-5899-2

25. पसीने की कमाई

नर्मदा प्रसाद गुप्त पृ. 12 ₹ 25.00

यह एक बुंदेलखंडी रचना है जिसमें अपने हाथ की मेहनत और मनुष्य की स्वाभाविक आदत को दिखाया गया है कि क्यों गृहणियाँ लालच को आसरा देती हैं। ISBN 978-81-237-3408-8

26. बंदगी

रणवीर रांग्रा पृ. 14 ₹ 25.00

अकबर बादशाह के जीवन से जुड़े एक रोचक किस्से को कहानी में पिरोया है वरिष्ठ लेखक रणवीर रांग्रा ने। ISBN 81-237-4269-X

27. बलिदान

श्रीकृष्ण पृ. 12 ₹ 25.00

एक बूढ़ी माँ ने अपने इकलौते बेटे को राज्य की रक्षा के लिए कुर्बान कर दिया। बताती है माँ के जीवट की यह ऐतिहासिक कथा। ISBN 978-81-237-4300-4

28. बालक की सीख

सुदर्शन वशिष्ठ चित्र : दीपक दास पृ. 12 ₹ 25.00

लोककथा पर केंद्रित यह पुस्तक बताती है कि हम सबको अपने घर के बुजुर्गों की हमेशा सेवा करनी चाहिए, न कि उनकी उपेक्षा। दादा जी और पोते का संवाद बड़ा रोचक है और मर्मस्पर्शी भी। ISBN 978-81-237-6924-0

29. बुढ़ापे का प्रेम

गणेश खुगशाल 'गणी' पृ. 16 ₹ 25.00

पहाड़ की एक रोचक लोककथा जिसमें बुजुर्ग दंपति की रोचक जीवन-शैली को दिखाया गया है।
ISBN 81-237-4353-X

30. महाराज भगीरथ का सवाल

रघुवीर चौधरी पृ. 16 ₹ 25.00

यह एक ऐतिहासिक रचना है, जिसमें शुरू से अंत तक उत्सुकता बनी रहती है।
ISBN 81-237-3450-6

31. मूँछ का बाल

रमाकांत 'कांत' पृ. 20 ₹ 25.00

राजस्थान के लेखक की एक ऐतिहासिक रचना जो कई सारे अर्थ खोलती है।
ISBN 978-81-237-5830-5

32. मूमल महेन्द्र की प्रेमकथा

मीनाक्षी स्वामी पृ. 20 ₹ 25.00

जैसलमेर की रियासत लोदरवा की राजकुमारी मूमल और अमरकोट के राजकुमार महेन्द्रसिंह की अमर प्रेम कहानी पर आधारित है यह पुस्तक। आकर्षक चित्रांकन। ISBN 978-81-237-5070-5

33. मौसी का बेटा

रामसरूप अणखी पृ. 16 ₹ 35.00

अंधविश्वासों को दूर करती एक प्रेरक कथा। ISBN 978-81-237-5713-1

34. राक्षस की अँगूठी

विशाख दत्त पुनर्लेखन : तारानंद वियोगी पृ. 32 ₹ 30.00

संस्कृत के विख्यात नाटक 'मुद्राराक्षस' को सरल भाषा में हिंदी के प्रतिष्ठित रचनाकार ने नवसाक्षरों के लिए लिखा है। इसमें चाणक्य की कुशल राजनीति का परिचय मिलता है।

ISBN 978-81-237-2917-6

35. वतायो फकीर की कहानियाँ

मोतीलाल जोतवाणी पृ. 12 ₹ 25.00

छोटी कथाएँ जीवन को कैसे गति देती हैं? कौतूहल जगाती है यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2842-1

36. वसंतसेना

महाकवि शूद्रक पुनर्लेखन : प्रयाग शुक्ल पृ. 32 ₹ 35.00

संस्कृत साहित्य की विख्यात कहानी को नवसाक्षरों के लिए सरल और रोचक शब्दों में प्रयाग शुक्ल ने लिखा है। इसमें कथा है कि किस तरह उज्जयिनी की नर्तकी बाद में नगरवधू का दर्जा पा लेती है। ISBN 978-81-237-2892-6

37. शंख परी

मनोहर पुरी पृ. 20 ₹ 25.00

शंख परी धरती पर कैसे आ गई? उसने क्या-क्या किया? रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-4128-4

38. साँझ-सकारे

मलय (संकलनकर्ता) पृ. 16 ₹ 12.00

ग्रामीण अंचलों के प्रसिद्ध गीत, जो जनमानस में रचे-बसे हैं।

39. साँझी दीवार

संतोख सिंह धीर पृ. 20 ₹17.00

गाँव-घरों में दीवार की वजह से भाइयों के बीच होने वाले कलह की मार्मिक कथा ।

ISBN 978-81-237-5714-8

40. सुन्नी भूंकू

श्रीनिवास जोशी पृ. 20 ₹ 9.00

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की एक लोकप्रिय प्रेमकथा। ISBN 81-237-2295-8

41. सुरहिन

बलभद्र तिवारी पृ. 14 ₹ 25.00

सुरहिन गाय और सिंह की रोचक गाथा। ISBN 978-81-237-2603-8

42. सुवा नाच

राम कुमार वर्मा पृ. 16 ₹ 25.00

छत्तीसगढ़ में जनजातीय अंचल से प्रारंभ हुआ सुवा नाच आज सभी जाति-समुदाय की स्त्रियाँ

नाचने लगी हैं। भगवान शंकर, पार्वती, राम व कृष्ण की कथा आदि पर आधारित इस नाच में टोकरी में जलते दीये के साथ स्त्रियों का नाच देखना बेहद प्रीतिकर लगता है। इसी नाच पर आधारित यह कहानी। ISBN 978-81-237-9271-2

43. हरदौल

लोकराम रजक पृ. 12 ₹ 12.00

ओरछा के राजा जुझारसिंह के छोटे भाई हरदौल की वीरता की गाथा।

ISBN 978-81-237-2569-7

कथा साहित्य

1. अंधविश्वास की पायल

पी.सी. लाल यादव पृ. 16 ₹ 25.00

तमाम आधुनिकता, प्रगति और विकास के बावजूद भारत के गाँवों में आज भी अंधविश्वास का साम्राज्य कायम है। इस पुस्तक में 'भूतनी की पायल' ऐसे ही अंधविश्वास के रूप में प्रतिबिंबित हुई है जिसका गाँव का ही एक पढ़ा-लिखा युवक भंडाफोड़ करता है। ISBN978-81-237-8082-5

2. अकल की मार

विजय विशाल पृ. 24 ₹ 30.00

पति और पत्नी के खूबसूरत रिश्ते को बड़े ही रोचक अंदाज में हीरू ने प्रकट किया। उसका आदमी उस पर हमेशा रौब दिखाता, गालियाँ देता। समझदार हीरू ने उसको सबक सिखाने के लिए एक योजना बनाई जिसमें वह सफल भी हुई। वह बाजार से मछली ले आई, उसे जमीन में गाड़ दिया। सर्दियों में, वह भी पहाड़ी इलाके में, मछली कहाँ खराब होती!

ISBN 978-81-237-9421-7

3. अर्घ्यदान की बेला

रणविजय राव पृ. 24 ₹ 30.00

पूर्वांचल के एक बड़े भू-क्षेत्र में छठ पर्व लोक आस्था के एक महान पर्व के रूप में समादृत है। अब लगभग सारे देश में मनाए जाने वाले इस पर्व के रीति, विधान को कथा के माध्यम से सरस और सरल रूप में प्रस्तुत किया गया है। ISBN978-81-237- 8105-1

4. अपना रास्ता लो बाबा

काशीनाथ सिंह रूपां. : महेश दर्पण पृ. 16 ₹ 25.00

शहर में सब बीमारियों का इलाज होता है। यही सुनकर बेचू बाबा शहर आए। देवनाथ ने बाबा के दर्द को समझा और डाक्टर को दिखाया। बाबा आश्वस्त हो आशीर्वाद दे अपने गाँव लौट गए।

ISBN 978-81-237-2344-0

5. अपनी धरती का सुख

सत्यदेव संवितेन्द्र पृ. 20 ₹ 30.00

यह कहानी बदनू की है जो शहर जाकर शहरी बाबू बन गया था मगर अपने बेटे की जिद के आगे उसे झुकना पड़ा। उसने तय कर लिया कि उसका परिवार अब गाँव में ही रहेगा।

ISBN 81-237-4744-6

6. अपने-बेगाने

पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 25.00

इस कहानी में वृद्धावस्था में संतानों द्वारा किए गए अमानवीय व्यवहार को रेखांकित किया गया है। वृद्धों के प्रति संवेदना बनाए रखने में प्रस्तुत कहानी अत्यंत सार्थक है।

ISBN 978-81-237-5466-6

7. अब जवाब दो

नरेन्द्र बाम पृ. 40 ₹ 55.00

इस पुस्तक में दो कहानियाँ संकलित हैं। एक कहानी में निस्संतान स्त्री बुधनी काकी की व्यथा है तो दूसरी में गरीबी और प्रयत्न के बीच वार्तालाप है।

ISBN 978-81-237-0852-2

8. आओ, बैंक चलें

रंजन राय पृ. 20 ₹ 35.00

दसरू और बिसरू मित्र हैं। दसरू दारू पीने की आदत के चलते पैसा न बचा पाता और पैसे को मोहताज बना रहता। बिसरू ने उसे सही राह दिखाई, बैंक में पैसे डालने का रास्ता सुझाया।

ISBN978-81-237- 8084-9

9. आदमी जिसने भगवान को देखा

बाल गंगाधर तिलक रूपां. : जे.एल. रेड्डी पृ. 32 ₹ 30.00

तेलुगु से हिंदी में अनूदित एक रचना का सरलीकरण, नवसाक्षरों के लिए।

ISBN 978-81-237-4350-9

10. उड़ान

मो. साजिद खान पृ. 20 ₹ 25.00

मियाँ रहमत अली उमर के चौथेपन में भी कबूतरबाजी के लिए तैयार हो जाते हैं। आखिर क्या मजबूरी थी उनकी? एक मार्मिक कथा।

ISBN 978-81-237-6510-5

11. उपकार का बदला

श्रीरमणलाल सोनी अनु. : जगदीश चंद्रिकेश पृ. 32 ₹ 9.00

गुजराती की एक श्रेष्ठ रचना का हिंदी अनुवाद।

ISBN 81-237-3995-8

12. उस रात की बात

मिथिलेश्वर पृ. 12 ₹ 11.00

बिना किसी स्वार्थ के मुसीबत के समय अनजान शहरी के काम आना ग्रामीण जीवन में व्याप्त सरलता को उजागर करता है, यही इसकी कहानी है।

ISBN 81-237-0592-1

13. उसने कहा था

चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' रूपां. : अमितेश्वर पृ. 20 ₹ 30.00

गुलेरी जी की मार्मिक कहानी, जिसका हिंदी साहित्य में अद्वितीय स्थान है।

ISBN 978-81-237-0899-7

14. एक कंजूस सेठ

लेखराम वर्मा पृ. 12 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी एक ऐसे सेठ की है जो किसी भी वस्तु व व्यक्ति को अपनी पूरी जाँच-पड़ताल के बाद ही स्वीकार करता था। यही वजह थी कि लोग उसे कंजूस कहने लगे। लोगों के ताने सुनकर

एक दिन उसकी पुत्रवधू ने अपने ससुर की परीक्षा ली जिसमें लोगों द्वारा फैलाया गया यह दुष्प्रचार निराधार निकला। कुल मिलाकर कहानी बहुत ही रोचक है जो लोककथा-सा सुख देती।

ISBN 978-81-237-9417-4

15. ओट

के.एल. गर्ग अनु. : अमरीक सिंह दीप पृ. 20 ₹ 30.00

पंजाबी के वरिष्ठ कथाकार की एक महत्वपूर्ण रचना। ISBN 81-237-4277-0

16. और चेला भाग गया

कृष्ण चंद्र महादेविया पृ. 20 ₹ 25.00

रचना में बताया गया है कि भूत-प्रेत नहीं होते। वह तो ठगों की कारस्तानी होती है जो भोले-भाले ग्रामीण लोगों को ठगने का प्रयास करते हैं और सफल भी होते हैं। एक तेरह साल के बच्चे ने ठग की पोल जिस तरीके से खोली है वह देखने लायक है।

ISBN 978-81-237-9592-8

17. कथा कहो न माँ!

सरोज परमार पृ. 12 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में पहाड़ों में बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदा का चित्र खींचा गया है कि कैसे इस तूफान के गुजरने के बाद तबाही स्वरूप घर, खेत-खलिहान, पशु-डंगर सब बह जाते है। रोंगटे खड़े करती कहानी किसी चलचित्र की भाँति हमारे सामने चलती है जब नन्ही नूर कहती है कि माँ, अगर मैं होती तो तारा को बचा लेती न! नूर की उत्सुकता और माँ का स्नेह इस रचना में असाधारण तरीके से व्यक्त हुआ है। ISBN 978-81-237-9420-4

18. कर्तव्य

रोशन चौहान पृ. 28 ₹ 30.00

एक छोटे-से गाँव का विक्रम कैसे सपने लिया करता था। कैसे फौज में भर्ती हुआ और उसके किन रोमांचक कारनामों ने सुंदरनगर का नाम रोशन कर दिया। साहस और पराक्रम की इस कहानी में प्रेरक तत्व मौजूद है। ISBN 978-81-237-9590-4

19. कफ़न

प्रेमचंद रूपां. : कुमार नरेन्द्र पृ. 20 ₹ 25.00

अमर कथाकार मुंशी प्रेमचंद की एक यादगार कहानी। ISBN 978-81-237-4289-2

20. कल्लन बाबू

पुष्पा सिंह 'विसेन' पृ. 12 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी का केंद्रीय पात्र समरू और भुवरी की पाँच संतानों में से सबसे बड़ा बेटा कलुवा है। कहानी हमें बताती है कि किस प्रकार कलुवा अपने मालिक के बेटे शंभू की मदद से एक सरकारी दफ्तर में नौकरी मिलने पर कल्लन बाबू बना, और अपने भाई-बहनों को शिक्षित किया।

ISBN 978-81-237-6124-4

21. करामात

कर्त्तार सिंह दुग्गल पृ. 16 ₹ 7.00

वरिष्ठ कथाकार की एक श्रेष्ठ कहानी, नवसाक्षरों के लिए। ISBN 81-237-4258-4

22. करमू

बलदेव वंशी पृ. 16 ₹ 25.00

बाल श्रम पर केंद्रित एक विचारपरक कहानी। ISBN 81-237-4767-5

23. कांकेर के गाँधी : इंदरू केंवट

परदेशी राम वर्मा पृ. 20 ₹ 25.00

प्रस्तुत पुस्तक हमें छत्तीसगढ़ के इंदरू केंवट नामक एक जुझारू किसान की कहानी बताती है। स्वाधीनता आंदोलन के दिनों में गाँधी जी के विचारों से प्रेरित इंदरू अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। स्वाधीनता की लड़ाई में बढ़-चढ़कर भाग लेने के कारण वे छत्तीसगढ़ में कांकेर गाँधी के नाम से विख्यात हो गए।

ISBN 978-81-237-6522-8

24. काम एक : तरीके तीन

वीरेन्द्र मेंहदीरत्ता पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में एक ही कार्य को करने वाले तीन विभिन्न सोच वाले व्यक्तियों के चरित्र को बखूबी दिखाया गया है। ISBN 978-81-237-2326-6

25. काकी

सियारामशरण गुप्त पृ. 8 ₹ 20.00

इस कहानी में शामू के बाल सुलभ मन का मानवीय चित्रण है, जो अपनी काकी की मौत का सही अर्थ नहीं समझ पाता है। वह अपनी काकी को भगवान के यहाँ से पतंग के माध्यम से लौटा लाने की योजना बनाता है। ISBN 81-237-1324-X

26. गलत संगत

जनार्दन मिश्र पृ. 16 ₹ 25.00

बेटा यदि गलत भी करे तो माँएँ अकसर उसको ढँकने का प्रयास करती हैं। लेकिन यही प्रवृत्ति लड़के को अपराधी भी बना सकती है। प्रस्तुत कहानी इसी भावभूमि पर है।

ISBN 978-81-237-7203-5

27. गलती का एहसास

अश्वघोष पृ. 16 ₹ 25.00

गाँव के भोले-भाले लोग एक साधू के चक्कर में आकर अपना सुख-चैन गँवा बैठे; वहीं गाँव के ही दो नौजवानों ने मक्कार साधू के चंगुल से गाँववालों को बाहर निकाला। वरिष्ठ लेखक की एक असरदार रचना। ISBN 978-81-237-4354-7

28. गाँव के लोग

मिथिलेश्वर पृ. 24 ₹ 9.00

गाँव के लोगों के मन में अभी भी भाईचारा और मदद की भावना देखने को मिलती है; यही बताती है यह कहानी। ISBN 81-237-4421-8

29. गुरुजी

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय रूपां. : हरिमोहन पृ. 16 ₹ 25.00

बांग्ला के सुपरिचित कथाकार की एक महत्वपूर्ण रचना का हिंदी सरलीकरण लेखक हरिमोहन द्वारा प्रस्तुत। ISBN 81-237-4391-2

30. चिट्ठियाँ

बलजीत सिंह रैना पृ. 16 ₹ 12.00

बुजुर्ग गुलाबा आजकल दुखी रहता है। उसका बेटा छिंदा विदेश में नौकरी करता है। यों, गाँव आकर उसने घर की मरम्मत करवा दी है। अकेला गुलाबा क्या करता! पहले से आई बेटे की चिट्ठियाँ पढ़ता और आँसू बहाता। अकेलेपन को लेकर दिल को छू जाने वाली एक बेजोड़ कहानी।

ISBN 978-81-237-6922 -6

31. धरती का बेटा

युगेश शर्मा पृ. 20 ₹ 13.00

हिंदी के सुपरिचित कथाकार की एक महत्वपूर्ण रचना। ISBN 81-237-4198-7

32. धोरों पर ढाणी

कृष्ण कुमार रत्तू पृ. 16 ₹ 25.00

यह कहानी अकडूं उर्फ आरिफ की है जो रेत के टीलों में पलकर बड़ा हुआ। बाद में पढ़कर आरिफ ने सबका मान बढ़ाया। ISBN 978-81-237-4837-5

33. चुनावी चक्कर

प्रेम सिंह नेगी पृ. 16 ₹ 6.00

सरपंच चालूराम अपनी चालों से हमेशा जीतता था। लेकिन गाँव के लोगों ने भोलाराम को खड़ा किया और भारी मतों से जितवा दिया। ISBN 81-237-2678-3

34. छोटी-छोटी बातें

गुरदयाल सिंह पृ. 16 ₹ 35.00

आम तौर पर छोटी बातों का हमारे जीवन में बड़ा योगदान होता है, जिन्हें हम अकसर भुला बैठते हैं। यही बताती है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-5987-6

35. जंगल

चित्रा मुद्‌गल पृ. 20 ₹ 25.00

वरिष्ठ कथाकार की बहुत ही आत्मीय शैली में लिखी रचना, जो बतलाती है कि छोटों के मन को समझना कितना कठिन है। ISBN 978-81-237-5867-1

36. जंगल का बेटा

मनीषा वत्स पृ. 20 ₹ 25.00

एक ग्रामीण किशोर कातिक की कहानी जो जंगल, नदी, झरना और खेतों की खाक छानते-छानते एक कुशल गाइड बन जाता है और समाज में कार्तिक के नाम सें सम्मान पाता है।

ISBN978-81-237-8019-1

37. जग्गो ताई

चंद्रकिरण सौनरेक्सा पृ. 12 ₹ 8.00

हिंदी की महत्वपूर्ण कथा-लेखिका की एक असरदार रचना। जग्गो ताई ने देश की रक्षा के लिए अपनी हवेली को बेचने का निर्णय निडर होकर ले ही लिया। ISBN 81-237-4120-0

38. जमीन का आखिरी टुकड़ा

इब्राहीम शरीफ रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 32 ₹ 30.00

पिता के मरने के बाद घर बिखर गया। बड़े भाई ने छोटे भाइयों को पढ़ाया-लिखाया। पति

की याद दिलाता जमीन का आखिरी टुकड़ा जब बिका तो माँ कैसे चुप-सी हो गई? पढ़िए एक मार्मिक कहानी। ISBN 81-237-2348-3

39. जमाना बदल गया

देवशंकर नवीन पृ. 12 ₹ 30.00

रूढ़ियों व अंधविश्वासों पर केंद्रित एक कहानी। ISBN 81-237-0591-3

40. जल्लाद

नुज़्हत हसन पृ. 16 ₹ 12.00

मानवीय संवेदनाओं को उकेरती एक मर्मस्पर्शी कहानी। इसमें जल्लाद पेशे से जुड़े एक ऐसे पिता का चित्रण किया गया है, जो पुत्र के स्थान पर पुत्री के जन्म से झूम उठा। पुत्री के जन्म से उसे वंशानुगत जल्लादी पेशे से मुक्ति मिली। ISBN 81-237-5065-1

41. जुम्मन मियाँ की घोड़ी

पुन्नी सिंह रूपां. : शरद सिंह पृ. 16 ₹ 25.00

जुम्मन मियाँ की घोड़ी ने ऐन वक्त पर धोखा देकर जुम्मन मियाँ को कैसे अपमानित किया? बताती है सुपरिचित रचनाकार की महत्वपूर्ण रचना। ISBN 81-237-4409-9

42. जागती आँखों का सपना

कुलवंत कोछड़ पृ. 14 ₹ 25.00

कहानी बताती है कि किस प्रकार एक राजा अपने बीमार पुत्र की मृत्यु के पश्चात जीवन और मृत्यु के रहस्य को समझ गया। ISBN 978-81-237-6206-7

43. झिलमिल

निशात फातिमा पृ. 20 ₹ 25.00

झिलमिल कैशोर्य में आ गई है पर माँ उस पर लगातार और तरह-तरह की बंदिशें लगाती है। इससे घबराकर लड़की भाग जाती है—अपनी चाची के घर। अधिक बंदिश ठीक नहीं।

ISBN 978-81-237-6629-4

44. टोटकों का फेर

प्रेम सिंह नेगी पृ. 24 ₹ 19.00

इस पुस्तक में दो कहानियाँ हैं। पहली कहानी में बताया गया है कि ओझा के काले जादू के चक्कर में पड़कर बीमार हुई एक ग्रामीण महिला का डाक्टर से इलाज करवाया जाता है और वह ठीक हो जाती है। दूसरी कहानी अंधविश्वास के बारे में है जिसमें एक स्त्री की आर्थिक हानि होती है। ISBN 978-81-237-0528-6

45. टोबा टेक सिंह

सआदत हसन मंटो रूपां. : शेरजंग गर्ग पृ. 20 ₹ 25.00

उर्दू के प्रसिद्ध रचनाकार की विश्व प्रसिद्ध कहानी का रूपांतरण सरल भाषा में प्रस्तुत।

ISBN 978-81-237-4351-6

46. डाक मुंशी

फकीर मोहन सेनापति रूपां. : गिरीश पंकज पृ. 16 ₹ 7.00

हरिसिंह डाकखाने में चपरासी थे। उनकी इच्छा थी कि उनका बेटा डाक बाबू बन जाए। इच्छा

पूरी भी हुई। अफसर बने बेटे ने पिता को सम्मान तो दूर उलटे दुत्कारना शुरू कर दिया। उड़िया की एक महत्वपूर्ण रचना। ISBN 81-237-4288-6

47. ढोल

अमितेश्वर पृ. 16 ₹ 35.00

झूठी आन-बान के दिखावे का अंत बर्बादी होता है, इस बात को दर्शाती कहानी।

ISBN 978-81-237-0587-3

48. तीन कहानियाँ पंचतंत्र से

रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 20 ₹ 25.00

पंचतंत्र की तीन रोचक कहानियों का नवसाक्षरों के लिए सरल भाषा में रूपांतरण।

ISBN 81-237-1788-1

49. तीन में से घटा तीन

महिम बरा रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 24 ₹ 30.00

पूरनकान्त घर के खर्चों में उलझा रहता है। कभी भी उसके पास पैसा नहीं बचता। हमेशा अपने भाग्य पर रोता रहता है। जितना कमाता है, उतना ही गंवा देता है। प्रस्तुत कहानी में जीवन के संघर्ष का बेबाक चित्रण है।

ISBN 978-81-237-2115-6

50. थार पर जिन्दगी

कासिम खुर्शीद पृ. 12 ₹ 11.00

यह कहानी किसना की है जो भेड़-बकरियाँ चराता था। अकाल की विपत्ति से कैसे उसने अपने को संभाला। ISBN 978-81-237-4781-1

51. तीन सवाल

लियो तोल्सतोय रूपां. : चन्द्रकिरण राठी पृ. 16 ₹ 25.00

एक राजा था। उसे ऐसे उपाय की तलाश थी कि उसकी कभी हार न हो। राजा के मन में तीन सवाल उपजे। किसी काम को करने का सही समय क्या है? किसकी बात सुननी चाहिए? और सबसे जरूरी काम क्या है? इन प्रश्नों के उत्तर एक साधू ने किस तरह दिए? पढ़िए विश्व प्रसिद्ध रूसी लेखक की यह कहानी। ISBN 81-237-0976-5

52. दुकान की चाबी

पोनकुन्नम वर्की अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम पृ. 28 ₹ 30.00

बरगीस और कोशी दो दोस्त थे। बरगीस हमेशा चतुराई से कुछ पैसा बचाता रहा। मलयालम से अनूदित एक मार्मिक रचना। ISBN 978-81-237-2338-7

53. 'दूसरी माँ' का बेटा

विनोदिनी नीलकंठ अनु. : वर्षा दास संक्षिप्ती.: महेंद्र मेघानी पृ. 20 ₹ 25.00

पुत्र समान देवर के असमय गुजर जाने पर देवरानी के गर्भ में जब पति का अंश पलने लगा तो पत्नी ने ऐसी विषम परिस्थिति को भी इस बुद्धिमानी से सँभाला कि घर-समाज में विधवा देवरानी के गर्भ से पैदा संतान को अपनी संतान बताकर अपनी उम्र का हवाला देकर देवरानी की गोद में सौंप देती है। वास्तविक माँ को अपनी संतान भी मिल गई और पूरा परिवार बदनामी से भी बच गया। एक मार्मिक कथा। ISBN978-81-237-8096-2

54. दो कहानियाँ पंचतंत्र से

रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 16 ₹ 25.00

यह पंचतंत्र की एक लोकप्रिय रचना है। इसमें साँप और मेंढक की रोचक कथा है।

ISBN 978-81-237-2366-2

55. धनीराम की बग्गी

जोगेश दास रूपां. : नासिरा शर्मा पृ. 16 ₹ 25.00

नौकरानी से अवैध संबंध बनाने पर साहूकार अपने बेटे को बचाता है। इस दुखद घटना से जन्मी एक मार्मिक कथा।

ISBN 81-237-2117-X

56. नई सुबह

जनार्दन मिश्र पृ. 16 ₹ 25.00

पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। 'जब जागो तभी सवेरा' की उक्ति चरितार्थ करती एक महत्वपूर्ण रचना।

ISBN 81-237-4125-1

57. नमक का दारोगा

प्रेमचंद रूपां. : अशोक वशिष्ठ पृ. 20 ₹ 30.00

प्रेमचंद द्वारा लिखी एक प्रसिद्ध रचना। यह रचना मानवीय मूल्यों की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-4511-4

58. नील मास्टरनी

गोदावरीश महापात्र अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 12 ₹ 25.00

ओड़िया साहित्य की महत्वपूर्ण रचना का हिंदी अनुवाद।

ISBN 81-237-3112-4

59. पंच परमेश्वर

प्रेमचंद पृ. 28 ₹ 12.00

एक असरदार रचना। सरल भाषा में प्रस्तुत।

ISBN 978-81-237-4885-6

60. पढ़ने का हक

नासिरा शर्मा पृ. 18 ₹ 25.00

पढ़ने की रुचि को प्रकट करती सुपरिचित महिला कथाकार की एक उत्कृष्ट रचना।

ISBN 81-237-2791-2

61. पतंग

मनोज दास पृ. 16 ₹ 7.00

ओड़िया की एक बेहतरीन रचना का हिंदी अनुवाद।

ISBN 81-237-3790-4

62. पछतावा

प्रेमचंद रूपां. : पुष्पा सक्सेना पृ. 24 ₹ 11.00

हिंदी कथा साहित्य के सम्राट माने जाने वाले मुंशी प्रेमचंद की यह कहानी झूठ, अन्याय और अत्याचार पर दया, धर्म और सत्य की विजय की कहानी है।

ISBN 81-237-4658-X

63. पहलवान की ढोलक

फणीश्वरनाथ 'रेणु' रूपां. : भारत यायावर पृ. 24 ₹ 30.00

हिंदी के प्रमुख कथाकार 'रेणु' की कलम से लिखी एक पहलवान की कथा, जो जीवन के सारे

उतार-चढ़ावों को झेलता हुआ भी ढोल की थाप में अपनी आस्था बनाए रखता है।

ISBN 978-81-237-0897-3

64. पाँच बेटों का पिता

बचिंत कौर अनु. : फूलचंद मानव पृ. 24 ₹ 40.00

'छोटा परिवार-सुखी परिवार' का संदेश देती इस कहानी में पाँच बेटों के पिता की दुर्दशा का मार्मिक विवरण है; जबकि उनका भाई, जिसका केवल एक बेटा था, सुख से जीवन बिता रहा था।

ISBN 978-81-237-1625-1

65. पानी

रामदरश मिश्र पृ. 16 ₹ 25.00

ग्रामीण समाज में व्याप्त छुआछूत की मानसिकता को बदलने वाले प्रतिष्ठित कथाकार की एक प्रभावी रचना।

ISBN 81-237-1891-0

66. पानी का मान

डॉ. मृणालिका ओझा पृ. 12 ₹ 25.00

कहानी में बताया गया है कि जब हम पानी का मान करेंगे, अर्थात नदी, तालाब आदि में गंदगी नहीं डालेंगे, तभी पानी भी हमारे लिए उपयोगी हो पाएगा, नहीं तो बाढ़ या अन्य रूपों में यह पानी हमारा नुकसान ही करेगा।

ISBN 978-81-237-9270-5

67. पुरस्कार

जयशंकर प्रसाद रूपां. : अरविन्द त्रिपाठी पृ. 14 ₹ 9.00 (2000)

मधूलिका ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्रेम की बलि दे दी। त्याग, समर्पण और कर्तव्यबोध का संदेश देती ऐतिहासिक परिवेश की लोकप्रिय कहानी।

ISBN 81-237-1766-6

68. पिंजरा

द्रोणवीर कोहली पृ. 24 ₹ 40.00

तोते के माध्यम से मानवीय भावनाओं पर लिखी गई हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार की कहानी।

ISBN 81-237-0939-0

69. प्यार की खुशबू

शमसुल हक उस्मानी अनु. : कौसर मजहरी पृ. 30 ₹ 45.00

यह पुस्तक रिश्तों को समझने का महत्व दर्शाती है।

ISBN 81-237-1974-4

70. प्रसाद

लीलावती भागवत पृ. 16 ₹ 11.00

भाई-बहन के रिश्ते को दर्शाती एक असरदार रचना।

ISBN 81-237-4109-X

71. बंधुआ मजदूर

गणेश खरे पृ. 26 ₹ 30.00

प्रस्तुत कहानी का मुख्य पात्र श्यामू है। अपनी सूझ-बूझ से वह कैसे बंधुआ मजदूर रखने वाले ठेकेदारों के चंगुल से बच निकलता है, पूरी कहानी श्यामू के इसी संघर्ष पर केंद्रित है।

ISBN 978-81-237-5715-5

72. बकरी का बच्चा

संदीप श्रीवास्तव पृ. 12 ₹ 25.00

बकरी और उसके छोटे बच्चे के प्रति नन्ही मांशू अत्यधिक संवेदनशील है। बकरी के बच्चे के पानी में बह जाने से मांशू बेहद उदास हो जाती है। एक मार्मिक कथा। ISBN 978-81-237-6551-8

73. बघेलो साघणी

रामसरूप अणखी पृ. 16 ₹ 11.00

गाँव की मजबूत कद-काठी की बघेलो ने अपने बलबूते शुरू से आखिर तक कैसे संघर्ष किया? बताती है यह असरदार रचना। ISBN 978-81-237-4199-5

74. बड़े घर की बेटी

प्रेमचंद पृ. 24 ₹ 30.00

अमर कथाकार की एक बेहतरीन रचना, जो बड़े घर की बेटी होने का अर्थ बतलाती है।

ISBN 978-81-237-4884-9

75. बढ़िया पड़ोसी

*ईश्वर पेटलीकर*अनु. : वर्षा दास संक्षिप्ती.: महेन्द्र मेघाणी पृ. 20 ₹ 25.00

अभराम अपनी तीसरी पत्नी और चार बच्चों के साथ किराये के मकान में छोटी-मोटी नौकरी करके गुजारा करता है। इसी फाकेकशी की जिंदगी गुजारते आखिर यह पत्नी भी गुजर जाती है। दुखी और बूढ़ा अभराम एक दिन बच्चों संग रात के अंधेरे में घर छोड़कर चला गया। कौन जाने कहाँ! ISBN978-81-237-8074-0

76. बरगद का पेड़

जे. भाग्यलक्ष्मी पृ. 20 ₹ 25.00

हमारे वृक्ष उतने ही आदरणीय हैं जितने हमारे घर के बुजुर्ग। एक बेहतरीन रचना।

ISBN 81-237-3916-8

77. बादशाह सलामत

चिनु मोदी अनु. : वर्षा दास पृ. 8 ₹ 20.00

गुजराती के वरिष्ठ कथाकार की एक रोचक कथा। ISBN 978-81-237-2543-7

78. बुढ़िया की पोती

डॉ. सुनीता पृ. 20 ₹ 25.00

सौतेली माँ से बेतरह सतायी जाकर एक बालिका घर छोड़कर चली जाती है। उसे अन्यत्र कहीं एक अनजान बूढ़ी स्त्री का प्यार और आश्रय मिलता है और उसका भविष्य सँवर जाता है।

ISBN 978-81-237-6989-9

79. बूढ़ी काकी

प्रेमचंद रूपां. : सुभाष चंदर पृ. 20 ₹ 25.00

किस प्रकार भतीजा काकी को बहला-फुसला कर जायदाद अपने नाम कर लेता है और खाने को रोटी भी नहीं देता। महान कथाकार की दिल को छू लेने वाली रचना।

ISBN 978-81-237-4512-1A

80. बेटियाँ

कमलेश व्यास 'कमल' पृ. 16 ₹ 25.00

बेटियों की अवहेलना और बेटों को लाड़-दुलार एक आम भारतीय पारिवारिक परिदृश्य है, किंतु अकसर होता यह है कि बेटे से अधिक बेटियाँ माँ-बाप के काम आती हैं। इसी भावभूमि पर है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-7090-1

81. बैजू मामा

रामवृक्ष बेनीपुरी पृ. 24 ₹ 40.00

यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो चोरी करते हुए पकड़ा जाता है। बाद में वह शर्म के मारे जेल छोड़कर अपना मुंह किसी को भी दिखाना नहीं चाहता।

ISBN 978-81-237-0420-3

82. बैरंग लिफाफा

आईदान सिंह भाटी पृ. 16 ₹ 25.00

इस कहानी में फौजी पति की पत्नी का दर्द पत्र के माध्यम से व्यक्त हुआ है। पत्रों की भी बड़ी जीवंत भाषा होती है। इस पुस्तक में वह मौजूद है। ISBN 81-237-4770-5

83. भगवान गायब है!

मुरारी शर्मा पृ. 12 ₹ 25.00

यह रचना दो दोस्तों पर केंद्रित है–एक बकरी चराता है और दूसरा पानी, लकड़ी और पत्थर का सहारा लेकर जीवन को उपयोगी बना लेता है। यह रचना ऐसे लोगों को प्रेरित करने योग्य है जो जीवन भर सोचते चले जाते है कि क्या करना उचित है और क्या नहीं!

ISBN 978-81-237-9415-0

84. भय की बीमारी

तारादत्त पंत पृ. 16 ₹ 25.00

एक बहू को शादी के काफी अरसे तक बच्चा नहीं हुआ। सास ने ओझा की मदद ली मगर सब बेकार साबित हुआ। कहानी बताती है कि ओझा लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। इन सबसे बचना चाहिए। ISBN 978-81-237-4355-4

85. भीमा जोधा

अब्दुल मलिक खान पृ. 52 ₹ 25.00

यह गाँव से कामकाज की तलाश में शहर गए भीमा की कहानी है। भीमा की पत्नी, जो पढ़ी-लिखी है, शहर में मुसीबत में फंसे भीमा को छुटकारा दिलाती है। यह पुस्तक मुख्यतया स्त्री-शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालती है। ISBN 81-237-0516-6

86. भीरू कूड़ेवाला

डॉ. कमल के. प्यासा पृ. 12 ₹ 25.00

एक कूड़ेवाले भीरू के जीवन पर केंद्रित रचना। एक निम्न तबके का भीरू चाय की हुड़क में फिसलकर मर गया, तब उसका बेटा मालकिन के यहाँ अपने बाप का काम करता रहा। तब कहीं जाकर उस घर की मालकिन को पश्चाताप हुआ कि काश, वह भीरू को कड़ाके की ठंड में एक प्याला चाय दे देती तो भीरू मरता नहीं। ISBN 978-81-237-9416-7

87. भूत आया

चित्रा नाईक पृ. 8 ₹ 14.00

यह कहानी गाँवों में भूतों के बारे में मनगढ़ंत बातों के बारे में है। बाग में भूतों द्वारा आम चुराने की बात गाँव में बच्चे-बच्चे की जुबान पर थी, पर अंततः असली चोर पकड़े जाते हैं। उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया जाता है। ISBN 81-237-0523-9

88. मंगनी की बैलगाड़ी

गोदावरीश महापात्र अनु. : अरुण होता पृ. 16 ₹ 25.00

ओड़िया से अनूदित कहानी का मुख्य पात्र मंगनी है। कहानी बताती है कि कैसे औद्योगिक क्रांति के चलते शहर में मोटरगाड़ी आने से मंगनी को बेरोजगारी और भुखमरी का सामना करना पड़ा और अंत में वह मृत्यु को प्राप्त हो गया। ISBN 978-81-237-6161-9

89. मछली की आँखें

ज़किया मशहदी पृ. 16 ₹ 25.00

भरे-पूरे परिवार का मुखिया बुढ़ापे में किस कदर अपना दुख परिवार से छिपाता है लेकिन बेटे को पता चल जाता है और बेटा पिता का इलाज कराता है। उर्दू व हिंदी लेखिका की मर्मस्पर्शी रचना।

ISBN 978-81-237-4590-7

90. मजदूरी की पोटली

राजेंद्र जोशी पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने रामू, हनुमान और कालू तीन बाल मजदूर भाइयों के शिक्षा ग्रहण करने की जिज्ञासा का वर्णन किया है कि कैसे वे तीनों भाई मजदूरी के साथ-साथ अपनी स्कूली शिक्षा पूर्ण करते हैं। ISBN978- 81- 237-8173-0

91. मजेदार गाँव

सतीश उपाध्याय पृ. 20 ₹ 25.00

इस कहानी में अवधराज काका और गाँव का पंडित दो मुख्य पात्र हैं। काका को सदैव चर्चा में रहने और हर बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहने की आदत है। पंडित उसकी हर बात का समर्थन कर आए दिन गाँव में अफवाहों को फैलाकर गाँववालों को लूटता था। अंत में इन दोनों की पोल खुल गई। ISBN 978-81-237-5491-8

92. मरना नहीं, जीना है

ब्रह्मानन्द विश्वकर्मा पृ. 8 ₹ 6.00

अशिक्षा के कारण बिलटा के माँ-बाप धोखे से दवाई की जगह खटमल की दवा पी गए और जान गवाँ बैठे। अब पढ़ाई की महत्ता बिलटा समझ गया था। ISBN 81-237-4198-0

93. महाजन

विमल मित्र रूपां. : कमल कुमार पृ. 20 ₹ 25.00

यह कहानी एक ऐसे कंजूस आदमी की है जो अपने इलाज के लिए अपनी दमड़ी खर्च करना नहीं चाहता, उलटे अपने बच्चों को ताना देता है। सारी रकम वह अपने विशेष जूते में रखता था। बेटिकट यात्रा करते समय टाँग गवाँ बैठा और बाद में जिंदगी भी।

ISBN 978-81-237-4539-8

94. मास्टर जी

पृथ्वीराज मोंगा पृ. 20 ₹ 25.00

मास्टर जी बच्चों को अच्छी शिक्षा देना अपना परम कर्तव्य मानते थे। जब उनका ही एक छात्र उनसे रिश्वत की माँग करता है तो मास्टर जी बहुत गहरे तक टूट जाते हैं। इसी टूटन की कहानी है मास्टर जी। ISBN 81-237-1798-9

95. मुरब्बी

विष्णु प्रभाकर रूपां. : रमाशंकर श्रीवास्तव पृ. 24 ₹ 30.00

वरिष्ठ कथाकार की यह एक बड़ी रोचक कथा है। भाषा का मिजाज और खूबसूरती इसकी प्रमुख विशेषता है। ISBN 81-237-4618-0

96. मुर्गे ने बाँग दी

शिवप्रसाद सिंह रूपां. : विनीता अग्रवाल पृ. 20 ₹ 25.00

सूखाग्रस्त गाँव में मंगरू लुहार का परिवार कई दिनों से भूखा है। सुनहरे कल की आशा में मंगरू फिर भी काम करता है। ISBN 978-81-237-1320-5

97. मैं हूँ रप्पायी

अनवर अनु. : एच. बालसुब्रह्मण्यम् पृ. 32 ₹ 45.00

रप्पायी इलाके का बदमाश था लेकिन जैसे ही पढ़ाई से नाता जुड़ा तो कैसे मस्ती में झूमने लगा!
ISBN 978-81-237-2343-3

98. मौसी पपीतेवाली

देवेन्द्र सत्यार्थी पृ. 18 ₹ 30.00

अविश्वास के इस दौर में भी एक पपीतेवाली की ईमानदारी को दर्शाती एक भावप्रवण कहानी।
ISBN 978-81-237-6034-6

99. यार की चिट्ठी

मधुकर सिंह पृ. 42 ₹ 40.00

गरीब-अमीर के संबंधों पर केंद्रित मित्रों के लिए समर्पित प्यार भावना और एकता का संदेश देती एक रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-2737-0

100. राजा के दो सींग

ऋषिमोहन श्रीवास्तव पृ. 12 ₹ 25.00

लोककथा पर आधारित इस कहानी में रामगढ़ रियासत के वीर सिंह नामक एक राजा के सिर में अचानक असहनीय दर्द उठा। उसने सिर की मालिश के लिए अपने नौकर बनवारी को बुलाया। नौकर ने जैसे ही राजा के सिर से मुकुट उतारा तो उसने राजा के सिर में दो सींग देखा। राजा ने उसे हिदायत दी कि वह इस राज को भविष्य में किसी के सामने न बताए। क्या बनवारी राजा के इस राज को छुपा पाएगा? जानने के लिए कहानी पढ़ें। ISBN 978-81-237-6549-5

101. रामसजीवन की माँ

गोविन्द मिश्र रूपां. : प्रेम जनमेजय पृ. 20 ₹ 9.00 (1998)

रामसजीवन और जटाशंकर दोनों पड़ोसी हैं, लेकिन दोनों का स्वभाव एक-दूसरे से अलग है। किंतु गुस्सैल जटाशंकर रामसजीवन की बेटी की शादी में गुस्सा भूल उसकी बेटी की विदाई करता है।
ISBN 978-81-237-2349-0

102. राम बाबू का ऑफिस

प्रेम सिंह नेगी पृ. 12 ₹ 17.00

अनुशासन के महत्व को दर्शाती शिक्षाप्रद कहानी। ISBN 978-81-237-0588-0

103. राम बड़ा है

हबीब कैफ़ी पृ. 16 ₹ 8.00

यह कहानी दो दुकानदारों की है। एक बड़ा दुकानदार है जो मूर्तियाँ बेचता है। वह अपने सामने नौजवान दुकानदार को पसंद नहीं करता, लेकिन वही नौजवान जब मुसीबत के वक्त खून देकर उसकी जान बचाता है तो मिस्रीलाल अपनी कड़वाहट हमेशा के लिए भूल जाता है।

ISBN 81-237-4722-5

104. रामायण

हंसा मेहता पृ. 36 ₹ 50.00

रामायण का सरल और संक्षिप्त रूप नवसाक्षरों के लिए रोचक भाषा में प्रस्तुत।

ISBN 978-81-237-0190-5

105. रेडियो वाली साइकिल

वर्षा रावल पृ. 12 ₹ 18.00

गाँव के मंगलू राम को रेडियो सुनने का शौक कुछ ऐसा था कि उसकी साइकिल से हरदम उसका प्रिय रेडियो लटका रहता और बजता रहता। रेडियो के प्रति उसकी इसी शौक ने उसे एक दिन रेडियो में उद्घोषक बना दिया। ISBN978-81-237-8020-7

106. रेवा की वापसी

सीमा व्यास पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में रेवा नामक नवयुवती शादी में दहेज की माँग पूरी न होने पर बारात के वापस चले जाने से दुखी और अपमानित होकर अपनी जीवन लीला नर्मदा नदी में डूबकर समाप्त करने जा ही रही थी कि एक साधु ने उसे जीवन का महत्व समझाकर आत्महत्या से बचा लिया।

ISBN 978-81-237-6554-9

107. रोशनी

अनुराग वाजपेयी पृ. 16 ₹ 11.00

राजस्थान के बाड़मेर की पृष्ठभूमि में रची इस कहानी में अंधविश्वास के कारण एक छोटी बच्ची की बलि चढ़ा देने का करुण और मार्मिक विवरण है। ISBN 978-81-237-6630-0

108. लँगड़ी लाली

बलदेव वंशी पृ. 20 ₹ 25.00

एक पंछी के साथ भी किसी बच्चे का भावनात्मक और रागात्मक लगाव किस हद तक हो सकता है कि यदि वह पंछी उस बच्चे की आँखों से दूर होता है तो वह बच्चा उसकी तलाश में जंगल के बीहड़ तक में चला जाता है। इसी भावभूमि पर लिखी बेहद मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237-8746-6

109. लाला पटेल की 'लायबरी'

रमणलाल व. देसाई रूपां. : सुषमा मेढ़ पृ. 28 ₹ 30.00

साक्षरता अभियान की सार्थकता के लिए गाँवों में पुस्तकालयों की अति आवश्यकता है। एक

अनपढ़ ग्रामीण लाला पटेल ने अपने गाँव के लोगों में पुस्तकों की ललक कैसे जगाई? यह इस कहानी में प्रस्तुत है। ISBN 978-81-237-1756-2

110. वकील की फीस

जीवन यदु पृ. 18 ₹ 25.00

निरक्षरता शोषण का कारण बनती है। वकील साहब ने गरीब ग्रामीणों को साहूकार के चंगुल से बचाया और फीस के रूप में अक्षर ज्ञान माँगा। ISBN 978-81-237-1827-9

111. विकास की ओर

राधेलाल नवचक्र पृ. 16 ₹ 25.00

कहानी का मुख्य पात्र धनेसर काका है। गाँव की बड़ी से बड़ी मुसीबत को वे तुरंत दूर कर देते थे। गाँव में उनकी बात टालने वाला कोई नहीं था। उन्होंने गाँव के चार पढ़े-लिखे युवकों को गाँव के विकास में योगदान देने के प्रति जागरूक किया। ISBN 978-81-237-5608-0

112. विधवा का बेटा अनंता

फकीरमोहन सेनापति अनु. : अरुण होता पृ. 24 ₹ 25.00

विधवा के बहादुर बेटा अनंता की यह कहानी हमें बताती है कि किस प्रकार अनंता ने डूबते गाँव को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। ISBN 978-81-237-6344-6

113. शैतान सिंह

गिरीश पंकज पृ. 20 ₹ 6.00 (1999)

मनसुख गाँव का पढ़ा-लिखा मेहनती लड़का था। गाँव के नौजवान लड़कों को मिट्टी का हुनर सिखाते-सिखाते थानेदार से उलझ बैठा। थानेदार को किस प्रकार सबक मिला? बताती है यह रोचक कथा। ISBN 978-81-237-2722-4

114. श्रम का फल

सुशील कुमार फुल्ल पृ. 16 ₹ 25.00

चिड़िया और कौवे के माध्यम से संयम और धैर्य की जो रचना इसमें लेखक ने प्रस्तुत की है, वह रोचक शैली में है। भाषा और संवाद प्रभावशाली हैं। ISBN 978-81-237-9550-8

115. सगे बाप का बेटा

*शंभुप्रसाद ह. देसाई*अनु. : वर्षा दास संक्षिप्ती.: महेंद्र मेघाणी पृ. 16 ₹ 20.00

दो भाइयों की कहानी, जिसमें छोटा भाई अपने हिस्से की संपत्ति में भी बड़े भाई को हिस्सा देकर त्याग और सदाशयता की एक अनुपम मिसाल प्रस्तुत करता है।

ISBN978-81-237-8095-5

116. सच्ची सहेली

नासिरा शर्मा पृ. 12 ₹ 25.00

रेशमा पढ़ाई कर टीचर बन गई। तब कहीं जाकर शकूर जूते वाले को शिक्षा का सही अर्थ समझ में आया। महिला के अधिकार से संबंधित एक असरदार रचना।

ISBN 978-81-237-2735-6

117. सवा सेर गेहूँ

प्रेमचंद रूपां. : मन्नू भंडारी पृ. 32 ₹ 45.00

इस कहानी में अमर कथाकार ने उच्च कोटि के साहूकार द्वारा गरीब किसान मजदूरों का शोषण

दिखाया है। मजदूर पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपना कर्ज नहीं चुका पाता।

ISBN 978-81-237-0419-7

118. सरोज ने समझा पानी का मोल

भवानी सोलंकी पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत पुस्तक में राजस्थान के एक परिवार को केंद्र में रखकर कहानी का ताना-बाना बुना गया है। नवविवाहिता सरोज से एक दिन पानी से भरा घड़ा फिसलकर गिर गया और सारा पानी बर्बाद हो गया। सरोज के ससुर ने महात्मा गाँधी के जीवन की एक घटना का उल्लेख कर उसे पानी के मोल और उसकी उपयोगिता को समझाया। कहानी बहुत ही रोचक और सरल भाषा में लिखी गई है।

ISBN 978-81-237-8804-3

119. सिरकटा बरगद

सुरेश सलिल पृ. 12 ₹ 30.00

सन् 1857 की लड़ाई के दौरान शहीद हुए चौधरी कस्तूरी सिंह की शौर्य गाथा।

ISBN 978-81-237-0589-7

120. सुख की साँस

मंगत बादल पृ. 16 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी में रामपुरा गाँव के सरपंच का बेटा अमेरिका से डॉक्टरी की पढ़ाई करके आया। गाँव के पिछड़ेपन और उसकी खस्ता हालत को देखते हुए उसने अपने पिता के विरोध के बावजूद गाँव में रहने का निर्णय लिया। गाँव की स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए उसने गाँववालों की सहायता से अपने गाँव को एक आदर्श गाँव बनाया।

ISBN 978-81-237-8202-7

121. सुबह का इंतजार

पंकज भार्गव पृ. 12 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी रघु और लाजो नाम के ऐसे कामचोर पति-पत्नी पर केंद्रित है जो अलग-अलग तरीके अपनाकर लोगों को ठगते थे। एक रोज दोनों ने शहर जाकर अधिक पैसा कमाने का विचार किया। शहर जाकर उन्हें अहसास हुआ कि रोज-रोज की इस जिल्लत भरी जिंदगी से बेहतर मेहनत से कमाकर खाना है। एक रोचक और शिक्षापरक कहानी।

ISBN 978-81-237-6523-5

122. सुबह का भूला

बटरोही पृ. 24 ₹ 8.00

सोबन पहलवान शराब पीने की बुरी आदत से अपनी ताकत, इज्जत सब खो बैठता है, लेकिन एक घटना उसके जीवन को बदल देती है।

ISBN 81-237-0006-7

123. सुदामा की मुक्ति

अमर गोस्वामी पृ. 24 ₹ 8.00

यह एक ऐसे गुरुजी की कहानी है जिनका उद्‌देश्य है कि 'हर बच्चे को सही और बेहतर शिक्षा मिले।' वे इस दिशा में कामयाब भी हुए।

ISBN 81-237-3398-4

124. सुनहरी भोर का सपना

भगवती लाल व्यास पृ. 12 ₹ 25.00

जैसलमेर के आम आदमी के जीवन से जुड़ी सच्चाई का चित्र खींचती है यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4732-3

125. सोन पहाड़ी का रहस्य

चित्रा नाईक अनु. : अंजला महर्षि पृ. 28 ₹ 30.00

ग्रामीणों के अंधविश्वासी होने का लाभ उठाकर डकैतों ने सोन पहाड़ी के मंदिर को अपना अड्डा बना लिया था। शहर में पढ़ने वाले लड़के जब छुट्टियों में गाँव आए तो उन्होंने हिम्मत से उन डकैतों को पकड़ कर रहस्य दूर किया। ISBN 81-237-1228-4

126. हैसियत

परदेशीराम वर्मा पृ. 20 ₹ 25.00

हिंदी के सुपरिचित रचनाकार की यह परंपरावादी मानवीय सरोकारों की एक आदर्श रचना है।

ISBN 81-237-3679-2

127. क्षमादान

प्रवासी विनयकृष्ण पृ. 12 ₹ 25.00

एक युवक रमजान के बेटे की हत्या कर देता है और उसी के घर में पनाह माँगता है। अपने घर में पनाह लिए अपराधी के बारे में रमजान को बाद में पता लग जाता है। पर वह उसे क्षमादान देता है। ISBN 978-81-237-1667-1

जीवनचरित

1. गुरु गोविंद सिंह

गोपाल सिंह अनु. : शशि सहगल पृ. 40 ₹ 19.00

महाराजा गुरु गोविंद सिंह के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग इस पुस्तक में हैं। कैसे गुरु जी ने अपने जीवन में संघर्ष किया और दूसरों के पथ-प्रदर्शक बने, इसकी भी प्रेरणा इस पुस्तक को पढ़कर मिलती है। ISBN 978-81-237-5868-8

2. गोविंद गुरु

ज्योति पुंज पृ. 44 ₹ 55.00

राजस्थान के भील कबीले के सरदार का नाम गोविंद गुरु था। उसने अपने कबीले को कुछ अच्छे गुण ग्रहण करने सिखाए और अंत में कबीले की अन्याय के विरुद्ध लड़े गए युद्ध में विजय हुई।

ISBN 978-81-237-0848-5

3. चंदन पानी

आशा श्रीधर पृ. 12 ₹ 25.00

महान संत रविदास की संक्षिप्त जीवनी। ISBN 978-81-237-2581-9

4. तीन पत्र यरवदा से

मोहनदास करमचंद गाँधी चयन-संपादन : वर्षा दास पृ. 20 ₹ 25.00
अनु. : सोमेश्वर पुरोहित

इस पुस्तक में गाँधी जी द्वारा जेल से लिखे गए तीन पत्र हैं जो वास्तव में उच्च कोटि के विचार हैं जो हमें जागरूक होना सिखाते हैं। ISBN 978-81-237-4828-3

5. बात जवाहरलाल की

देसराज गोयल पृ. 60 ₹ 45.00

लोकतंत्र, धर्म-निरपेक्षता, विश्व शांति, विज्ञान, प्रकृति आदि विषयों पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के विचारों का संकलन। ISBN 978-81-237-1204-8

6. बुल्लेशाह

मनोरमा दीवान पृ. 20 ₹ 25.00

सूफी संत कवि बुल्लेशाह के जीवन की एक रोचक घटना प्रस्तुत कहानी में दी गई है।
ISBN 978-81-237-5588-5

7. परमवीर सेनानी

अक्षय कुमार जैन पृ. 32 ₹ 45.00

पुस्तक में आठ परमवीर चक्र से सम्मानित सैनिकों की चर्चा की गई है। इन्हें 1947, 1962, 1965 और 1971 में हुए युद्धों में अद्‌भुत वीरता दिखाने के लिए सम्मानित किया गया है।
ISBN 978-81-237-0616-0

8. बहादुरी की तीन पीढ़ियाँ

श्याम विमल पृ. 16 ₹ 11.00

1857 की भारतीय क्रांति के एक महान वीर कुँअर सिंह, उनके पिता साहबजादा सिंह एवं दादा उमराव सिंह की बहादुरी के किस्सों का इस पुस्तक में वर्णण किया गया है।
ISBN 978-81-237-5893-0

9. बापू की बातें

उमाशंकर जोशी पृ. 28 ₹ 50.00

महात्मा गाँधी के जीवन की कुछ आदर्श घटनाओं की रोचक प्रस्तुति।
ISBN 978-81-237-0112-7

10. बिरसा की कहानी

महावीर प्रसाद सिंह 'माधव' पृ. 12 ₹ 25.00

झारखंड में बिरसा नामक एक वीर ने अंगरेजों के अत्याचार के विरुद्ध बड़ी लड़ाई लड़ी। अंत में अंगरेजों ने उन्हें पकड़ लिया, लेकिन बिरसा की बहादुरी का उन्होंने भी लोहा माना।
ISBN 978-81-237-6207-4

11. याद जवाहरलाल की

देसराज गोयल पृ. 64 ₹ 45.00

सरल और सुबोध शैली में लिखी गई भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जीवनी।
ISBN 978-81-237-0514-9

12. रानी दुर्गावती

ठाकुर भूपतिसिंह पृ. 12 ₹ 25.00

बुंदेली रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा। ISBN 978-81-237-2575-8

13. वीरवर कल्ला राठौड़

उपेन्द्र अणु पृ. 16 ₹ 25.00

मेड़ता के राजकुमार वीरवर कल्ला राठौड़ प्रस्तुत कहानी का मुख्य पात्र है। साहसी एवं स्वाभिमानी राजकुमार ने तत्कालीन बादशाह की गुलामी स्वीकार न कर उसका बहादुरी से सामना किया।

ISBN 978-81-237-5560-1

14. वीर बालक

राजेन्द्र अवस्थी पृ. 28 ₹ 45.00

इस पुस्तक में उन वीर बालकों की कहानियाँ कही गई हैं, जो पौराणिक कथाओं के रूप में हमारे जीवन का एक अंग बन गई हैं। ISBN 978-81-237-0189-9

15. संत जम्भेश्वर

इन्दिरा विश्नोई पृ. 12 **अनुपलब्ध**

नागोर परगने के गाँव पापासार में एक राजपूतवंशी के घर जन्मे जम्भेश्वर की जीवनी।

16. सच की खोज

लीला जार्ज पृ. 32 ₹ 45.00

आकर्षक चित्रों सहित गौतम बुद्ध के जीवन का रोचक विवरण। ISBN 978-81-237-0181-3

शिक्षापरक

1. अंजोरी में अंजोर

उर्मिला शुक्ल पृ. 14 ₹ 25.00

अंजोरी गाँव में शिक्षा का प्रकाश फैलाने के लिए एक अकेली महिला शिक्षक के प्रयासों पर आधारित यह पुस्तक। हर पढ़ा-लिखा व्यक्ति एक 'आखर जोत' है जो अशिक्षा के अँधेरे को भेद सकता है। एक प्रेरक कथा। ISBN 978-81-237-8811-1

2. कमला की कलम

ओम पुरोहित 'कागद' पृ. 12 ₹ 25.00

प्रस्तुत कहानी कमला नामक एक ऐसी साहसी और जागरूक महिला की कहानी है जिसने ससुराल में अपनी पढ़ाई की और गाँव के विकास के प्रति उदासीन वहाँ के प्रशासन को सचेत किया। पानी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। ISBN 978-81-237-9006-0

3. खाली कुरसी

अलका सिन्हा पृ. 16 ₹ 25.00

रतनमा एक बुजुर्ग महिला हैं, लेकिन अपने पोते की जिद के आगे उनकी एक नहीं चलती और वह प्रौढ़ शिक्षा केंद्र में जाने के लिए विवश होती हैं। वहाँ जाकर अपनी जैसी अनेक प्रौढ़ाओं को देखकर उन्हें भी पढ़ने की प्रेरणा मिलती है। ISBN 978-81-237-7055-0

4. पढ़ना है

अशोक 'अंजुम' पृ. 20 ₹ 25.00

सात कलाकार एक नाटक खेलते हैं। इसमें अनपढ़ होने की वजह से कितनी गलतफहमी हो जाती है इसका वर्णन पढ़ाई के संदेश के साथ अच्छे तरीके से दिया गया है। ISBN 978-81-237-6511-2

5. पुस्तक की दुकान

पुष्पा सिंह 'विसेन' पृ. 16 ₹ 25.00

झारखंड की पृष्ठभूमि पर लिखी इस कहानी में जमींदारों द्वारा निचले तबके के लोगों को दबाकर रखने की प्रवृत्ति के कारण उनके शैक्षणिक विकास में बाधा और कैसे एक बालक अपनी इच्छा शक्ति से इस प्रपंच से बाहर निकलकर पढ़-लिखकर योग्य बनता है इसका प्रेरणाप्रद वर्णन है।

ISBN 978-81-237-6545-7

6. पुस्तक मेरा मित्र

कामना झा पृ. 36 ₹ 35.00

पुस्तक से जी चुराने वाले कभी तरक्की नहीं कर पाते। जो पुस्तक को अपना मित्र बनाते हैं सफलता हर कदम उनके पांव चूमती है। इसी भावभूमि पर है यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-6668-3

7. मास्टर दौलत राम

डॉ. सूरत ठाकुर पृ. 23 ₹ 30.00

कहते हैं शिक्षा वह गहना है जिसका मोल कोई जौहरी भी नहीं लगा सकता। मास्टर दौलतराम गाँव की पाठशाला में अध्यापक थे। सेवानिवृत्ति उपरांत जीवन में ऊब और खीझ को उन्होंने गाँव में एक पुस्तकालय की स्थापना करके दूर की। सेवानिवृत्ति उपरांत भी जीवन को मजे से जिया जा सकता है यह संदेश देती है कथा। ISBN 978-81-237-9418-3

8. मुन्नी का स्कूल

सुषमा भंडारी पृ. 16 ₹ 25.00

एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की लड़की पढ़-लिखकर अपने बलबूते शिक्षक बन जाती है और एक रेहड़ीवाले की बेटी, मुन्नी को स्कूल में दाखिला दिलाने का जतन करती है। पढ़ाई और शिक्षा के प्रति प्रेरणा जगाती पुस्तक। ISBN 978-81-237-7079-6

9. सब रो पड़े

हूंदराज बलवाणी पृ. 16 ₹25.00

अनपढ़ता अभिशाप है। एक पत्र न पढ़ पाने पर कैसे गलतफहमी हो गई और पत्र नहीं पढ़ पाने वाले अशिक्षित बुढ़िया, दूधवाला, फुग्गेवाला सब रो पड़े। इसे प्रेरणाप्रद ढंग से समझाया गया है। ISBN 978-81-237-6628-7

हास्य-व्यंग्य

1. झूठ का परिणाम

सुरेन्द्र दुबे पृ. 12 ₹ 25.00

यह कहानी रामलाल की है, जिसका झूठ बोलने में कोई मुकाबला नहीं। गुदगुदाती और मुस्कराने को मजबूर करती रचना। ISBN 81-237-3855-0

2. ठाकुर साहब का व्रत

गोविंद मिश्र पृ. 12 ₹ 25.00

व्रत रखना कोई हँसी-मजाक नहीं, यह ठाकुर साहब ने व्रत रखकर जाना; एक रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-6170-1

3. नुस्खा

लाल सिंह अनु. : सुनीता पृ. 12 ₹ 25.00

जब अपने पर पड़ी तो उक्ति चरितार्थ हुई। रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-6162-6

4. पति-पत्नी

निशात फारूक पृ. 12 ₹ 25.00

ताकतवर पति एवं साहसी पत्नी की रोचक कथा, जो अपनी शक्ति एवं बुद्धिमत्ता से डाकुओं को भी भागने पर मजबूर कर दे। संदेशपरक रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-5969-7

5. बजरंगी की बारात

सुभाष चंदर पृ. 20 ₹ 25.00

बजरंगी शादी के लिए तैयार हुआ। बारात चली और बैरंग लौट आई। क्यों लौटी? इसे जानने के लिए पढ़िए यह हास्य कथा। ISBN 81-237-4758-6

6. मोबाइल देवता

प्रेम जनमेजय पृ. 18 ₹ 25.00

कभी-कभी मोबाइल को लोग भगवान मान लेते हैं तो कभी शैतान। बहुत ही रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-6692-8

7. शराबी नंबर एक

प्रेम सिंह नेगी पृ. 16 ₹ 35.00

हास्य शैली में गाँव में शराब की आदत पर लिखी गई एक प्रेरणादायक कहानी। दुकानदार ने उन शराबियों की सूची बनाई हुई है जिनकी निकट भविष्य में मृत्यु हो सकती है। जब नं. एक चल बसता है तो नं. दो उसकी जगह ले लेता है। ISBN 978-81-237-0527-9

8. संतु गप्पी

गुरदयाल सिंह पृ. 12 ₹ 30.00

कमाल का गप्पी था संतु जो एक चूहे से डर गया। वरिष्ठ कथाकार की एक बेहद रोचक कथा।

ISBN 978-81-237-5986-9

9. हम किसके फूफा जी हैं

जीतेंद्र वर्मा पृ. 12 ₹ 25.00

सोनपुर के मेले में स्वयं को परम चालाक समझने वाले एक व्यक्ति कैसे एक किशोरवय बालक के द्वारा 'फूफा जी' बना लिया जाता है और अपना सारा माल-असबाब गँवा बैठता है इसकी बड़ी रोचक और हास्यप्रद कथा है। ISBN 978-81-237-7092-5

10. हाय पकवान!

मो. साजिद खान पृ. 20 ₹ 25.00

बड़े परिवार होने की दुश्वारियाँ इस रूप में भी सामने आए कि घर के मालिक को ही अपने बच्चों से छिपकर पकवान बनाने की कवायद करनी पड़े तो इस स्थिति को समझा जा सकता है। एक हास्य एकांकी। ISBN 978-81-237-5894-7

विविध (कानून/रोजगार, विज्ञान व अन्य)

1. आपका सूचना का अधिकार

आभा सिंघल जोशी पृ. 24 ₹ 30.00

नागरिक अधिकारों के बारे में बताती एक उपयोगी पुस्तक। ISBN 978-81-237-4036-2

2. उजियारा

रूपेश्वरी शर्मा पृ. 16 ₹ 25.00

यह कहानी गुड टच व बैड टच पर केंद्रित है। किस तरह की परेशानियों से छोटे बच्चों को गुजरना पड़ता है हीरा की माँ ने इस समस्या का निराकरण भी अपनी समझदारी से कर दिया। बेटे की मोबाइल की लत का भी। रचना बताती है कि यदि समुचित तरीके से बच्चों पर ध्यान दिया जाए तो उनका भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। ISBN 978-81-237-9588-1

3. ऐसे बदली नाक की नथ

मनोहर चमोली मनु पृ. 16 ₹ 9.00

अपने अधिकारों के लिए लड़ने में शर्म कैसी? उपभोक्ता मंच में शिकायत कर न्याय दिलाती रचना। ISBN 81-237-4408-0

4. कागज के लिफाफे

उषा पुरी पृ. 36 ₹ 35.00

महिलाएँ भी अपना भरण-पोषण कर सकती हैं। यही बात महिला स्वरोजगार केंद्रित यह पुस्तक बताती है। ISBN 978-81-237-4583-1

5. कानून के फायदे

मीनल दीक्षित अनु. : गीता जैन पृ. 40 ₹ 40.00

कानून के तौर-तरीके जानने का प्रत्येक भारतवासी को अधिकार है। कहानी के अंदाज में कानून की जानकारी बड़े रोचक तरीके से इस पुस्तक में दी गई है। ISBN 978-81-237-3515-3

6. कुपोषण

रविन्द्र यादव पृ. 12 ₹ 25.00

गाँव में जब एक के बाद एक दो-दो बहुएँ अकाल काल कवलित हो गईं तो गाँव में यह सामान्य धारणा घर कर गई कि गाँव में देवता नाराज हैं। तब गाँव का ही एक शिक्षित व्यक्ति बताता है कि ये मौतें कुपोषण की वजह से हुई हैं। फिर वह खाद्य सुरक्षा कानून के बारे में सबको जानकारी देता है। ISBN 978-81-237-8251-5

7. ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

निखिल डे, ज्याँ द्रेज, रीतिका खेरा अनु. : विपिन कुमार पृ. 68 ₹ 60.00

इस पुस्तक में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है जिसे हर ग्रामीण को जानना बेहद जरूरी है। रोजगार की तलाश में उम्मीद की किरण जगाती पुस्तक सरल भाषा में नवसाक्षरों के लिए तैयार की गई है। ISBN 978-81-237-4730-9

8. गंगा की ओर

शीला शर्मा रूपां. : सुषमा मेढ़ पृ. 24 ₹ 40.00

उत्तरकाशी से गोमुख की यात्रा का सरल वृत्तांत समेटे इस पुस्तक में गंगा नदी से जुड़े इतिहास और किंवदंतियों का ब्योरा है। ISBN 81-237-0183-7

9. घट

पंकज बिष्ट पृ. 24 ₹ 8.00

बिजली तथा उससे चलने वाले उपकरणों के आगे अन्य पुराने प्राकृतिक साधनों पर निर्भर उपकरण जैसे घट आदि की महत्ता दर्शाती कथा। ISBN 81-237-0779-7

10. चलो चाँद की ओर

तंग सिवरासन अनु. : विजयलक्ष्मी सुंदरराजन पृ. 16 ₹ 40.00

चाँद से जुड़ी रोचक यात्रा की सैर कराती पुस्तक। ISBN 978-81-237-3777-5

11. जय नर्मदा

दुर्गा पाठक पृ. 12 ₹ 25.00

प्रसिद्ध नदी नर्मदा का उद्गम स्थल तथा आगे की राह, उससे जुड़ी पौराणिक कथा आदि का संक्षिप्त विवरण। ISBN 81-237-2576-0

12. जादू का मंतर

रमाकांत 'कांत' पृ. 28 ₹ 30.00

समूह बनाकर लोगों द्वारा हर महीने कुछ बचत करके रकम जमा करने से जरूरत पड़ने पर जरूरतमंद को आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। वे कर्ज लेने से भी बच जाते हैं। यही है जादू का मंतर। ISBN978-81-237-6508-2

13. डंडे का डर

राजुरकर राज पृ. 10 ₹ 25.00

स्थानीय दुकानदार जब सामान देने में मिलावट करता है तो कैसे शिकायत होने पर माफी माँगता है। उपभोक्ता कानून पर सरल भाषा में तैयार पुस्तक। ISBN 81-237-4802-3

14. तारे आसमान पर

डॉ. गंगाराम राजी पृ. 16 ₹ 180.00

रामदीन नामक नौजवान ने सोचा कि जब प्रखंड विकास अधिकारी के कार्यालय में रोशनी और हीटर चल सकता है तो उसके गाँव में भी रोशनी आ सकती है। प्रखंड विकास अधिकारी ने समझाया कि स्थानीय विधायक को कहो जब तक लाइट नहीं, तब तक वोट नहीं। यह फार्मूला कामयाब हुआ और पूरे 70 वर्षों बाद आज कटेरु गाँव उसके प्रयासों के बाद रोशन था। ISBN 978-81-237-9589-8

15. फिर मुस्काई नीतू

सुषमा दुबे पृ. 16 ₹ 12.00

किशोरवय में पहुँच रही बच्ची नीतू एक बहुत ही प्यारी बच्ची है, साथ ही होनहार छात्रा भी। लेकिन स्कूल के एक कर्मचारी की कुत्सित हरकतों के कारण उसने स्कूल छोड़ दिया और मुस्कराना भी। सच्ची बात पता चलने पर गलत हरकत करने वाले कर्मचारी को सजा मिली और नीतू को स्कूल जाने का हौसला। ISBN 978-81-237-6820-5

16. मत रो सुखिया

मनोरमा दीवान पृ. 16 ₹ 19.00

कथा शैली में फसल बीमा योजना एवं खलिहान बीमा पॉलिसी आदि के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-6923-3

17. मल्लिका नूरजहाँ

मनोरमा दीवान पृ. 12 ₹ 25.00

यह कहानी हिंदुस्तान की पहली महिला साम्राज्ञी मल्लिका नूरजहाँ के जीवन की झाँकी प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-5204-4

18. मुक्ति का मार्ग

अनीता चौधरी पृ. 20 ₹ 20.00

बालश्रम जैसी अमानवीय परंपरा के निषेध को दर्शाती एक सशक्त और मार्मिक रचना।

ISBN 978-81-237-5967-8

19. मेरी फ्रीडा बेदी

मनोरमा दीवान पृ. 23 ₹ 13.00

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में भाग लेने वाली पहली ब्रिटिश महिला के जीवन की रोमांचक कथा प्रस्तुत करती एक अत्यंत प्रेरणात्मक कहानी है। ISBN 978-81-237-5301-2

20. रईस

सैयद जावेद हसन पृ. 11 ₹ 17.00

बाल मजदूरी उन्मूलन पर केंद्रित यह कहानी अत्यंत रोचक है। इस कहानी का केंद्रीय पात्र रईस दस-ग्यारह साल का बच्चा है। वह एक बल्ब फैक्टरी में काम करता था। वह बड़ा ही स्वाभिमानी और बहादुर था। उसने मालिक के अन्याय के विरोध में फैक्टरी जाना बंद कर दिया। अंत में इसके मालिक को पुलिस ने बाल मजदूरी के अपराध में जेल में डाल दिया। ISBN 978-81-237-5107-8

21. रोशनी की नदी

अश्वघोष पृ. 16 ₹ 20.00

राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम की जानकारी रोचक भाषा में कहानी के माध्यम से उत्तरांचल के वरिष्ठ लेखक ने प्रस्तुत की है। ISBN 978-81-237-4735-4

22. विज्ञान के उपहार

मीर नजाबत अली रूपां. : सुभद्रा सालवी पृ. 20 ₹ 35.00

इस पुस्तक में दुनिया की दिशा बदलने वाले पहियों, भाप इंजन, सूक्ष्मदर्शी, प्रिंटिंग प्रेस आदि के आविष्कार की रोचक कहानियाँ, कार्टून तथा चित्रों के माध्यम से दर्शाई गई हैं।

ISBN 978-81-237-0180-6

23. हिमालय की चोटी पर

बचेन्द्री पाल रूपां. : तारा जायसवाल पृ. 32 ₹ 45.00

एवरेस्ट पर पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला की आत्मकथा। ISBN 81-237-0182-9

एशिया-प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम

1. अंतिम टिकट एवं अन्य कहानियाँ

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मनोरमा दीवान पृ. 128 ₹ 125.00

प्रस्तुत पुस्तक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के दस देशों की दस कहानियाँ संकलित हैं जो युवाओं को विशेष रूप से पठनीय लगेंगी। ISBN 978-81-237-5831-2

2. आओ, हँसें एक साथ (संकलन)

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मोहिनी राव पृ. 172 ₹ 110.00

18 देशों के सहयोग से तैयार 53 हास्य-कथाओं, 54 पहेलियों और 23 कहावतों का रोचक संकलन। ISBN 978-81-237-2012-8A

3. आधुनिक एशियाई कहानियाँ (संकलन)

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : बी.एन. गोयल पृ. 138 ₹ 150.00

बाल पाठकों के लिए विभिन्न एशियाई देशों की 14 प्रमुख कहानियों का संग्रह, जिसे एशियाई सांस्कृतिक केंद्र, यूनेस्को के सहयोग से प्रकाशित किया गया है।

संशोधित संस्करण ISBN 978-81-237-0932-1

4. दीवार एवं अन्य कहानियाँ

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मनोरमा दीवान पृ. 144 ₹ 95.00

प्रस्तुत पुस्तक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के दस देशों की दस कहानियाँ संकलित हैं जो युवाओं को बेहद पसंद आएँगी। ISBN 978-81-237-5599-1

5. नाटकों के देश में (संकलन)

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 228 ₹ 180.00

इस पुस्तक में एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 14 देशों के चुनिंदा बाल नाटकों का प्रकाशन किया गया है। इसमें नाटकों के मंचन हेतु वेशभूषा और मंच-सज्जा संबंधी अन्य आवश्यक तकनीकी निर्देश भी दिए गए हैं। ISBN 978-81-237-0993-2

6. पेड़ (एक पर्यावरण पुस्तक) (संकलन)

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 66 ₹ 125.00

किशोर पाठकों के लिए एशिया और प्रशांत क्षेत्रों के पेड़ों पर एक प्रामाणिक पुस्तक। सभी पेड़ों के रंगीन चित्र। पुस्तक की सामग्री 18 सदस्य देशों द्वारा तैयार की गई है। पर्यावरण के महत्व पर एक आवश्यक प्रकाशन। ISBN 978-81-237-1986-3

7. बताओ, मैं क्या कर रहा हूँ?

एसीसीयू प्रकाशन अनु. : मंजुला माथुर पृ. 34 ₹ 60.00

विभिन्न देशों के बारे में जानकारी देने वाली सचित्र पुस्तक। चित्रों द्वारा पठन के प्रति लगाव उत्पन्न करने का प्रयास भी किया गया है। ISBN 978-81-237-0223-0

8. सुनो कहानी

ए.सी.सी.यू. का संकलन अनु. : मंजरी जोशी पृ. 154 ₹ 130.00

एशिया-प्रशांत सहप्रकाशन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रकाशित इस पुस्तक में 20 देशों की कहानियों और चित्रों को संकलित किया गया है। ISBN 978-81-237-6189-3

राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय

आयु वर्ग : स्कूल-पूर्व

1. आधे गोल चक्कर

बदरी नारायण पृ. 16 ₹ 40.00

छोटे बच्चों को आधे गोल चक्करों की पहचान कराने वाली सचित्र पुस्तिका।

ISBN 978-81-237-1115-8

2. आम की कहानी

देबाशीष देब पृ. 16 ₹ 50.00

चित्रों के माध्यम से नन्हे-मुन्नों के लिए कही गई एक रोचक कथा। ISBN 978-81-237-0229-9

3. गुब्बारा

दत्तात्रय पाडेकर पृ. 16 ₹ 40.00

गुब्बारे के द्वारा उड़ान भरने वाले एक बालक की साहसिक कहानी। रंगारंग चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-1793-8

4. घर और घर (संकलन) पृ. 16 ₹ 40.00

भारत द्वारा जर्मन जनवादी गणतंत्र के सहयोग से प्रकाशित पुस्तक। तरह-तरह के घरों के इंद्रधनुषी चित्र। ISBN 978-81-237-0919-2

5. चिड़ियाघर की सैर

सनत सुरती पृ. 16 ₹ 50.00

नन्हे बच्चों को चिड़ियाघर के बारे में जानकारी देने वाली सचित्र पुस्तिका।

ISBN 978-81-237-1808-8

6. दिवाली

रवी परांजपे पृ. 16 ₹ 35.00

दीपमाला के आकर्षक रंगीन चित्रों से सज्जित यह पुस्तक बच्चों को मनमोहक लगेगी।

ISBN 978-81-237-0424-1

7. बाजार की सैर

मंजुला पद्मनाभन पृ. 16 ₹ 50.00

इस पुस्तक में देश के विभिन्न क्षेत्रों के बाजारों की रौनक को बहुरंगे चित्रों द्वारा दर्शाया गया है।

ISBN 978-81-237-1804-X

8. बारात

मिकी पटेल पृ. 16 ₹ 40.00

चित्रों के माध्यम से गिनती सिखाने वाली सुंदर पुस्तक। ISBN 978-81-237-1803-9

9. भारत के मधुर रंग

विकी आर्य (संकल्पना) अनु. : धनंजय चोपड़ा पृ. 20 ₹ 80.00

शहर से दूर जंगल में मधुमक्खियों का एक छत्ता है। इसमें ढेर सारी मधुमक्खियाँ अपने दोस्तों, भाइयों और बहनों के साथ रहती हैं। वे फूलों से मकरंद इकट्ठा करती हैं, लेकिन किसके लिए, कैसे और कहाँ से? इसकी रोचक कहानी बच्चों के लिए है। ISBN 978-81-237-9223-1

10. मददगार हाथ

समरेश चटर्जी (परिकल्पना) अनु. : आरती स्मित पृ. 16 ₹ 55.00

एक नन्ही बच्ची और बारहसिंघा की कहानी जिसमें एक चोटग्रस्त बच्ची को बारहसिंघा पीठ पर बिठाकर उसके घर पहुँचाता है। बदले में बच्ची उसके गले में घंटी बाँध देती है।

ISBN 978-81-237-6865-6

11. रंगबिरंगा राजस्थान

शरदिंदु सेन राय पृ. 16 ₹ 40.00

राजस्थान के बहादुर रणबाँकुरे जवानों, दुर्भेद्य किलों, मनोरम स्थलों और जनजीवन की अनुपम झाँकी, रंगारंग चित्रों में। ISBN 978-81-237-0916-1

12. रंगों का त्योहार

मधु पावले पृ. 16 ₹ 40.00

इस पुस्तक के माध्यम से छोटे बच्चों को मूल और मिश्रित रंगों का परिचय रंगीन चित्रों के द्वारा कराया गया है। ISBN 978-81-237-2833-6

13. लंबा और बड़ा

पुलक विश्वास (परि. और चित्र) अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 70.00

जानवरों के माध्यम से बच्चों को लंबाई-ऊँचाई का गणित समझाती पुस्तक।

ISBN978-81-237- 7988-1

आयु वर्ग : 6-8 वर्ष

1. अक्खन की आँख

सैयर असद अली पृ. 16 ₹ 50.00

यह कहानी टीपू उसके चाचा और दुष्ट अक्खन की है। टीपू शरारती बच्चा है और अक्खन एक दुष्ट आदमी, जो हर किसी को तंग करने के लिए नित नए-नए तरीके खोजा करता था। बहुत ही दिलचस्प कहानी है यह। ISBN 978-81-237-5566-3

2. अचंभा अष्टभुजा

विकी आर्य अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 24 ₹ 70.00

यह पुस्तक कहानी के माध्यम से समुद्री जंतु ऑक्टोपस के बारे में बताती है कि कैसे वह अपने आपको परिवेश के अनुकूल ढालने में सक्षम है। कहानी के साथ-साथ अन्य समुद्री जंतुओं से भी रू-ब-रू कराया गया है। ISBN 978-93-5491-563-5

3. अच्छे दोस्त : तंजानिया की एक कहानी

जॉन किलाका अनु. : प्रियंका शुक्ला पृ. 24 ₹ 80.00

वर्ष 2005 के बोलोग्ना रागाजी, न्यू होराइजंस के विजेता जॉन किलाका की यह रचना तंजानिया के एक पारंपरिक पशु के जीवन को जीवंत करती है।

ISBN 978-81-237-9210-1

4. अम्मू : समुद्रविज्ञानी

लेखन व चित्र : *सचिन्द्रन करडका* अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 24 ₹ 65.00

एक बच्ची की सपने में समुद्री यात्रा की चित्रात्मक पुस्तक।

ISBN 978-93-5491-143-9

5. असली जिराफ

दीपा अग्रवाल

अनु. : विजय कुमार 'शाश्वत' चित्र : आर्य प्रहराज पृ. 20 ₹ 60.00

यह एक छोटे बच्चे की कहानी है जो असली जिराफ अपने माता-पिता से माँगता है। माता-पिता उसे तरह-तरह से मनाने का प्रयत्न करते हैं, पर वह मानने को तैयार नहीं है। यह पुस्तक कहानी के माध्यम से छोटे बच्चों को जिराफ के विषय में बताने का प्रयास है।

ISBN 978-93-5491-347-1

6. आजाद करो

आशीष सेन गुप्ता अनु. : सुबीर शुक्ला पृ. 16 ₹ 50.00

खूबसूरत चित्रों के साथ इस पुस्तक में मनु का पशु-प्रेम प्रकट होता है।

ISBN 978-81-237-0802-1

7. आभार अमरूद

भगवती प्रसाद द्विवेदी चित्र : रोहित कुमार शुक्ला पृ. 24 ₹ 65.00

इस किताब में अमरूद के पेड़ के माध्यम से जाने कितने पक्षी घर में आते हैं। आखिर ऐसा क्या होता है कि सोनू अमरूद के पेड़ का आभार जताता है।

ISBN978-93-574-3205-4

8. आमवाली चिड़िया

दीपा अग्रवाल अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 ₹ 55.00

रसीले आम और लालची व्यक्ति के प्रसंगों पर आधारित एक आकर्षक कहानी।

ISBN 978-81-237-5506-9

9. आनंदी का इंद्रधनुष

अनूप राय अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 60.00

छोटे बच्चों का मनोरंजन करती एक अलग तरह की कहानी।

ISBN 978-81-237-4268-7

10. आसमान में ऊँची उड़ान

जगदीश जोशी (कहानी और चित्र) अनु. : डॉ. आरती स्मित पृ. 24 ₹ 65.00

बच्चों ने खेल-खेल में ही पतंग बनाना सीखा और उसे खूब ऊँचा उड़ाया भी। कुछ करने के लिए प्रेरित करती कहानी। ISBN978-81-237- 7987-9

11. इनकी दुनिया

अरबिंदो कुंडू पृ. 16 ₹ 40.00

विभिन्न जंगली जानवरों के स्केच और उनके बारे में सादे सरल शब्दों में जानकारी का संकलन।

ISBN 978-81-237-2332-7

12. इंदिरा प्रियदर्शनी

मनोरमा जफ़ा पृ. 72 ₹ 50.00

देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी के बचपन से लेकर महाप्रयाण तक की महत्वपूर्ण घटनाओं की बेहद सहज शब्दों में प्रस्तुति। ISBN 978-81-237-6494-8

13. इंद्रधनुष

उषा जोशी पृ. 24 ₹ 50.00

रंगबिरंगे सात रंगों से सराबोर इंद्रधनुष और उसके रंगों की कहानी—मजेदार सरल भाषा में। रंगीन चित्रों से सज्जित। ISBN 978-81-237-0330-9

14. उतावला मेंढक

चंदन यादव चित्र : भावना कुलकर्णी पृ. 20 ₹ 60.00

इस किताब में एक मेंढक हर कार्य के लिए उतावला रहता है, उसके साथ कई घटनाएँ होती हैं। अंत में, वह कैसे शांत होता है, इसकी रोचक कथा है। ISBN 978-93-574-3096-8

15. उदास मछली की कहानी

अमरेंद्र चक्रवर्ती अनु. : ब्रतीन दे पृ. 16 ₹ 50.00

मूल बांग्ला बालकथा का अनुवाद। मार्मिक कहानी। ISBN 978-81-237-5322-5

16. 19 ऊँट और सफेद मूँछ : राजस्थानी लोककथा

विकी आर्य पृ. 16 ₹ 45.00 (2024)

राजस्थान के एक छोटे-से गाँव में एक अमीर सेठ जयराम सिंह रहा करता था। उसने अपनी वसीयत में अपने 19 ऊँटों में से आधे बेटे को, एक-चौथाई बेटी और पाँचवाँ हिस्सा अपने नौकर सेवक राम को देने की बात लिखी। आखिर यह अनोखा बँटवारा कैसे हुआ? इसका दिलचस्प वर्णन इस लोककथा में किया गया है। ISBN 978-93-6719-688-5

17. एक दिन

जगदीश जोशी अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 32 ₹ 80.00

सुंदर चित्रों वाली इस पुस्तक में एक लड़के के कारनामों का चित्रण है।

ISBN 978-81-237-2798-4

18. एक थी बकरी

पारुल बत्रा पृ. 16 ₹ 50.00

एक नीरस-सी दिखने वाली बकरी भी किस तरह रोमांचकारी करतब दिखा सकती है, वह अपने जीवन में रंग भरने के लिए चुनौतियाँ लेने में किस तरह घबराती नहीं है; इस कहानी में आनंद लिया जा सकता है। ISBN 978-81-237-6553-2

19. एक रात

शेरिल राव अनु. : अल्पना भसीन पृ. 28 ₹ 80.00 (2024)

नीना नाम की एक बच्ची अपने स्कूल आने-जाने वाले रास्ते में शरारत करती रहती है। इस

दौरान वह जानवरों को चिढ़ाती भी है, लेकिन एक रात उसे ऐसा लगता है कि मानो सभी जानवर उससे बदला लेने के लिए उसके घर आ धमके हैं, जबकि असलियत कुछ और ही होती है, जिसे बहुत रोचक ढंग से इस कहानी में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-93-5743-428-7

20. कहानी एक चूहे की

उत्पल तालुकदार अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 20 ₹ 70.00

मूल रूप से चित्रकार उत्पल की इस कहानी में एक बच्चा चूहा जीवन में कई झटके खाने के बाद अपना आलस व अधिक खाने की आदत छोड़ता है। ISBN 978-81-37-7638-5

21. कहानी दो कुत्तों की

दीपक प्रहराज अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 60.00

सड़क का कुत्ता आलीशान कोठी में चोरी करने वालों को पकड़वा देता है और फिर उसका नागरिक अभिनंदन होता है। ISBN 978-81-237-6016-2

22. कहानी एक तितली की

अंजन सरकार अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 50.00

तितली के जीवन की रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-2633-5

23. काकी कहे कहानी

मोनिका गुप्ता पृ. 14 ₹ 50.00

समय बड़ा बलवान है; दादी या काकी के किस्से अब पुराने हो गए; और बच्चों ने नए युग की परिभाषा गढ़ ली है, ऐसा ही स्नेह इस पुस्तक में दिखता है।

ISBN 978-81-237-6234-0

24. काले मेघा पानी दे

उषा यादव पृ. 16 ₹ 50.00

वर्षा ऋतु पर आधारित सुंदर एवं आकर्षक चित्रों से सजी लंबी कविता।

ISBN 978-81-237-6239-5

25. कितनी प्यारी है यह दुनिया

जयंती मनोकरण अनु. : मोहिनी राव पृ. 16 ₹ 40.00

हमारी धरती, हवा, पानी, सूरज, मौसम, सब कुछ प्यारा है। यही बताया गया है इस पुस्तक में।

ISBN 978-81-237-0381-7

26. कौवे की कहानी

युद्धजीत सेनगुप्ता पृ. 16 ₹ 50.00

प्रस्तुत पुस्तक में रंगबिरंगे चित्रों के जरिए, कौवे के दैनिक क्रियाकलापों को बताया गया है।

ISBN 978-81-237-0241-4

27. क्या करें रावण का!

शुद्धसत्व बसु, धनंजय चोपड़ा (परिकल्पना) पृ. 24 ₹ 65.00

रामायण के पात्र रावण की यह दिलचस्प कहानी है। रावण, जिसका पुतला दशहरा के अवसर पर जलाया जाता है, बुराई के अंत का प्रतीक है। इसे कहानी में विडंबनापूर्ण मोड़ दिया गया है।

ISBN 978-81-237-9202-6

28. क्या सही? क्या गलत?

सिगरुन श्रीवास्तव अनु. : रमेश बक्षी पृ. 16 ₹ 18.00

यह नटखट मिन्नी और मिक्की की कहानी है, जिन्हें अक्सर नई-नई शरारतें सूझती हैं।

ISBN 978-81-237-1805-5

29. क्या हुआ

जगदीश जोशी (कथा व चित्र) पृ. 24 ₹ 65.00

जंगल में बंदर को सब कुछ उलटा-पुलटा दिखाई दे रहा था। हाथी ने चट से समस्या का निराकरण कर दिया। ISBN 978-81-237-6132-9

30. क्यों?

मीनाक्षी स्वामी पृ. 20 ₹ 55.00

नन्हे शिशु के मन में अपने आसपास के बारे में उठने वाले सहज प्रश्न।

ISBN 978-81-237-5924-1

31. खरगोश और कछुए की दौड़

किरण तामुली अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 50.00

जंगल में एक बार फिर कछुए और खरगोश की दौड़ हुई। खरगोश मजबूत था, फिर भी हार गया। कैसे? सुंदर चित्रों से सजी इस पुस्तक में पढ़ें। ISBN 978-81-237-5809-1

32. खेल खेल में भारत देखो

विकी आर्य पृ. 28 ₹ 45.00

भारत के विभिन्न राज्यों आदि की जानकारी देती रोचक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0326-0

33. खोजो-पहचानो

जगदीश जोशी पृ. 16 ₹ 35.00

रेखाचित्रों में छिपे जंगली जीव-जंतुओं आदि को खोज निकालने के लिए दिमागी कसरत कराती छोटे बच्चों के लिए मनोरंजक पुस्तक। ISBN 978-81-237-1710-4

34. खोया और पाया

अनु. : राहुल पांडे पृ. 24 ₹ 65.00

टकराव और युद्ध के प्रभाव से बच्चों को प्रभावित होने से रोकने और उनमें प्रेम और भाईचारे की भावना का संचार करने के उद्देश्य से इंटरनेशनल सेंटर फॉर लिटरेसी एंड कल्चर, टोक्यो द्वारा आयोजित कार्यशाला में भारत, पाकिस्तान, नेपाल, जापान से आए लेखकों और चित्रकारों द्वारा तैयार इस पुस्तक में बताया गया है कि जब सीमा के पार के बच्चे एक-दूसरे के साथ खेलने-खाने लगते हैं तो किस तरह उनके बीच पूर्व में स्थापित की गई नफरत और दुश्मनी की छद्म दीवार अपने आप गिर जाती है। ISBN 978-81-237-6558-7

35. गणित के देवता

रतनुतनु घाटी अनु. : अंगीरा सेन शर्मा पृ. 20 ₹ 70.00

प्रस्तुत पुस्तक में एक ऐसे बच्चे की कहानी है, जिसे गणित नहीं आती थी। इसके समाधान के लिए वह जादूगर मामा के पास गया, कविराज, व्यायाम शिक्षक, मूर्तिकार के पास गया, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। अंत में ऐसा क्या हुआ कि वह गणित में पास हो गया! ISBN 978-93-574-3102-6

36. गोलू उल्लू

फ्रैंसिस्का ज़ोटा अनु. : डॉ. मीना कुमारी पृ. 24 ₹80.00

एक सुस्त उल्लू की कहानी जो पूरे दिन लगातार खाता रहता है, जिससे वह कुरूप और मोटा हो गया है और अपनी दुर्दशा के कारण दुखी है। एक छोटी चिड़िया उसे स्वस्थ बनाने में उसकी मदद करती है। ISBN 978-81-237-9216-3

37. घर की खोज

हेमंत कुमार चित्र : इस्माईल लहरी पृ. 16 ₹ 50.00

हाथी ने जंगल के हर जानवर के घर को अपना घर बनाने का प्रयास किया, लेकिन हर जगह असफलता हाथ लगी। आखिर हाथी का घर तो खुला मैदान ही होता है।

ISBN 978-81-237-7820-1

38. चंदा गिनती भूल गया

संजीव जायसवाल 'संजय' पृ. 30 ₹ 80.00

चंदा ने आसमान के तारे गिनने की ठानी, लेकिन हर बार उसकी गिनती गड़बड़ा जाती। आखिर सूरज ने उसकी मदद की। कैसे? ISBN 978-81-237-5846-6

39. चिंकू की मेहनत

स्वाति मित्तल चित्र : इस्माईल लहरी पृ. 16 ₹ 50.00

एक नन्हे पंक्षी की कहानी, जिसने अपनी सूझबूझ और मेहनत से उड़ना सीख लिया।

ISBN 978-81-237- 8707-07

40. चुनमुन आजाद है

कमलेश मोहिन्द्रा पृ. 16 ₹ 50.00

छोटे बच्चों के लिए एक मनोरंजक तथा प्रेरणादायक कहानी। ISBN 978-81-237-2689-9

41. छुट्टी ना भई ना

डॉ. जसविंदर कौर बिंदरा पृ. 16 ₹ 25.00

कभी सोचें यदि सूरज सोच ले कि कुछ पल के लिए छुट्टी कर लूँ, आराम कर लूँ! दुनिया का क्या हाल होगा? ISBN 81-237-6484-7

42. छोटे पौधे : बड़े पौधे

क.स. सेखाराम पृ. 32 ₹ 100.00

पौधों और उनके उपयोग के विषय में नन्हे-मुन्नों के लिए सचित्र पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0940-6

43. छोटा सा मोटा सा लोटा

सुबीर शुक्ला पृ. 16 ₹ 50.00

लय, ताल से भरपूर छोटे बच्चों के लिए रंगारंग पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3166-3

44. छोटी चींटी की बड़ी दावत

कुसुमलता सिंह पृ. 18 ₹65.00

जब छोटी चींटी अपने मुंह में खाने के दाने लेकर दौड़-भाग करती दिखती है तो लोग मान लेते हैं कि जल्दी ही बारिस होने वाली है। चींटियों ने किस तरह पूरे जंगल के जानवरों की भूख मिटाई,

यह बात इस कहानी में बताई गई है। ISBN 978-81-237-6174-9

45. जंगल में धारियाँ

गीतिका जैन अनु. : जया पांडे पृ. 16 ₹ 40.00

छोटे बच्चों को परोक्ष रूप से पर्यावरण की शिक्षा देने वाली पुस्तक, जिसमें बाघ अपनी कहानी सुनाता है। ISBN 978-81-237-3493-4

46. जंगल में मंगल

शांतनु तामूली अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 65.00

असम के जंगलों में दुर्लभ होते जा रहे गेंडों के संरक्षण का संदेश देती मनोरंजक कहानी।

ISBN 978-81-237-6197-8

47. जब आये पहिए

अनूप राय अनु. : दीपक कुमार गुप्ता पृ. 16 ₹ 50.00

पहियों के आविष्कार की कहानी—सरल शब्दों में। नन्हे-मुन्नों के लिए उपयोगी।

ISBN 978-81-237-4754-5

48. जब खेल भावना बनी विजेता

युवराज मलिक पृ. 20 ₹ 60.00 (2024)

प्रस्तुत पुस्तक में दिसंबर 2012 में स्पेन के नवारे क्षेत्र में एक क्रॉस कंट्री रेस के दौरान, स्पेन के एथलीट इवान फर्नांडिज अनाया और कीनियाई एथलीट अबेल किपरॉप मुताइ के साथ घटी एक वास्तविक घटना पर आधारित कहानी है। इस पुस्तक में किशोरों के मन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के उद्देश्य से ओलंपिक रेस के प्रतीकों का उपयोग किया गया है। कहानी प्रेरणाप्रद है एवं इसका संपूर्ण चित्रांकन बाल मन को लुभाने वाला है।

ISBN 978-93-5743-265-8

49. जब मिलें तो अभिवादन करें

श्यामला एस. अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 50.00

दुनिया के प्रत्येक देश के इन्सान हों या जीव-जंतु, जब वे आपस में मिलते हैं तो अपने-अपने तरीके से एक-दूसरे का अभिवादन करते हैं। पुस्तक कहती है कि जब किसी से मिलें तो कम-से-कम मुस्कराकर उसका अभिवादन जरूर करें।

ISBN 978-81-37-7637-8

50. जरा अपने चेहरे को चूमकर तो दिखाइए

रमेश बिजलानी चित्र : मोहित सुनेजा पृ. 24 ₹ 80.00

इस पुस्तक में पारस्परिक निर्भरता का तथ्य इस तरह से उभरकर आता है कि उसे एक छोटा बच्चा भी समझ ले। उतना ही महत्वपूर्ण एक और तथ्य इस पुस्तक में छिपा है वह यह है कि आनंद मिलता है प्यार देकर भी और प्यार पाकर भी। ISBN 978-93-5491-195-8

51. जैसी हूँ मैं अच्छी हूँ

गीतिका गोयल पृ. 16 ₹ 50.00

किसी को भी दूसरे की देखा-देखी अपनी हालत पर दुखी नहीं होना चाहिए। उसे, जो वह है, उसी पर संतोष करना चाहिए। इसी महत्वपूर्ण संदेश को परोक्ष रूप से देती है यह पुस्तक। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-5378-2

52. टिलटिल का साहस

स्वप्ना दत्ता अनु. : मोहिनी राव पृ. 16 ₹ 40.00

कछुए के नवजात बच्चों की रोचक कहानी के माध्यम से नन्हे बाल पाठकों को कछुए के जीवन की जानकारी दी गई है। मनोरंजक एवं जानकारीपूर्ण कहानी।

ISBN 978-81-237-2212-2

53. डॉ. चींचू के कारनामे

आबिद सुरती पृ. 30 ₹ 100.00

ढब्बूजी के लिए मशहूर कार्टूनिस्ट द्वारा तैयार एक नया चरित्र, जो वैज्ञानिक है और बच्चों की कई वैज्ञानिक जिज्ञासाओं को खेल-खेल में सुलझा देता है। ISBN 978-81-237-5739-1

54. जैसे को तैसा

केंगसम केंगलांग अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 45.00

एक चालाक जंगली कुत्ते को भालू ने किस तरह सबक सिखाया? उत्तर-पूर्वी राज्यों की एक चर्चित कथा। ISBN 978-81-237-6310-1

55. टिफिन वाला पेड़

मेरी ऐन दासगुप्ता

अनु. : राजेश खर चित्र : अबीरा बंद्योपाध्याय पृ. 20 ₹ 70.00

यह दो बच्चों की कहानी है जो असम के एक छोटे-से शहर में रहते थे और फिर उनके पापा कोलकाता चले गए। केबल टीवी के तारों के बीच, ऊँचे-ऊँचे मकान, बड़े शहर में खिड़की से दिखने वाली दूसरे घरों की दीवारों और छतों के बीच उन्हें चहचहाते पक्षी और हरे-भरे पेड़ याद आते हैं। उन्होंने कैसे इस नए वातावरण में खुद को ढाला पुस्तक ऐसे कई सवालों के जवाब देती है। ISBN 978-93-5491-219-1

56. तितली का बचपन

युद्धजीत सनगुप्ता अनु. : ब्रतीन दे पृ. 16 ₹ 50.00

तितली के जीवन की कहानी। अत्यंत रोचक। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-5221-1

57. तितली और उम्मीदों का संगीत

अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 50.00

टकराव और युद्ध के प्रभाव से बच्चों को प्रभावित होने से रोकने और उनमें प्रेम और भाईचारे की भावना का संचार करने के उद्देश्य से इंटरनेशनल सेंटर फॉर लिटरेसी एंड कल्चर, टोक्यो द्वारा आयोजित कार्यशाला में भारत, पाकिस्तान, नेपाल, जापान से आए लेखकों और चित्रकारों द्वारा तैयार इस पुस्तक में बताया गया है कि किस तरह एक तितली दो वर्गों के युद्ध के कारण प्रकृति को होने वाले नुकसान के प्रति बच्चों को जागृत करती है।

ISBN 81-237-6557-6

58. तितली जैसे न्यारे दिन

राजेंद्र निशेष पृ. 16 ₹ 40.00

सुंदर कविताओं का गुलदस्ता जिसे नन्हे पाठक सहेजकर रखना चाहेंगे।

ISBN978-81-237-7912-6

59. तुम्पा और गौरैया

स्वप्नमय चक्रवर्ती अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 ₹ 50.00

सुंदर चित्रांकन के साथ बच्चों के सूझ-बूझ को प्रदर्शित करती कहानी।

ISBN 978-81-237-5534-2

60. दुष्ट कौआ

संजीव ठाकुर पृ. 20 ₹ 65.00

चिड़िया के अंडे खाने के लालच में कौआ चोंच ही जला बैठा। रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-4806-1

61. दोस्त

प्रचेता गुप्ता अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 ₹ 55.00

आकर्षक चित्रों से सुसज्जित शिक्षाप्रद कहानी। ISBN 978-81-237-5524-3

62. धनेश के बच्चे ने उड़ना सीखा

दिलीप कुमार बरूआ अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 50.00

धनेश पक्षी के अंडे से बच्चा निकलने की प्रक्रिया बेहद विचित्र और वैज्ञानिक है। इस तथ्य को छूती हुई मनोरंजक सचित्र पुस्तक।

63. नन्हा पौधा

ज़मर जलील पृ. 16 ₹ 50.00

सुरक्षित पर्यावरण का नन्हा-सा संदेश देती एक नन्ही-सी पुस्तक। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-4718-7

64. नन्ही खो गयी

कमल कांत कोनेर पृ. 16 ₹ 50.00

एक नन्ही चींटी माँ का कहना न मानकर सैर पर निकल पड़ती है। उसके द्वारा झेली गई मुसीबतों और यात्रा में प्राप्त नए-नए अनुभवों की छोटी सी बाल कहानी। स्वयं लेखक द्वारा आकर्षक चित्रांकन। ISBN 978-81-237-4643-1

65. नन्हे खरगोश की बुद्धिमानी

अमरजीत सिंह पृ. 12 ₹ 45.00

नन्हा खरगोश कैसे बुद्धिमानी से चालाक लोमड़ी को बुद्धू बनाकर अपनी जान बचाता है इसे रोचक ढंग से लिखा गया है। ISBN 978-81-237-6302-6

66. नन्हे सिंह ने दहाड़ना सीखा

इंदू राणा अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 65.00

सिंह अपने छोटे से शावक को दहाड़ना सिखाना चाहता था। पर जब मुसीबत आई तो शावक स्वयं दहाड़ उठा। ISBN 978-81-237-2949-7

67. नन्हे सूरज

जसवंत सिंह बिरदी पृ. 16 ₹ 50.00

ओस में डूबे फूलों पर सूरज की असंख्य आकृतियाँ देखकर बच्चे फूले नहीं समाते हैं। फूल भी उनसे कुछ कहता है। क्या? इस पुस्तक में पढ़ें।

ISBN 978-81-237-5971-1

68. नेवला भी राजा!

डॉ. बलदेव सिंह बद्दन पृ. 24 ₹ 65.00

हिम्मत और आत्मविश्वास हो तो बड़ी से बड़ी मुसीबत से पार पाया जा सकता है। नेवला कैसे अपनी हिम्मत और बुद्धिमत्ता से तेंदुआ को जंगल से बाहर जाने पर मजबूर कर देता है, एक रोचक कथा। ISBN 978-81-237-6173-2

69. नौ नन्हे पक्षी

एन.टी. राजीव अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 55.00

एक जंगली मुर्गी नौ अंडों को सेती रही। जब बच्चे थोड़े बड़े हुए और माँ के साथ पहली उड़ान पर गए तो अजीब चमत्कार हुआ। वह चमत्कार बच्चों का खूब मनोरंजन करेगा।

ISBN 978-81-237-4089-1

70. पशु-पक्षी का नाम बताएँ

निरंजन घोषाल पृ. 16 ₹ 50.00

पशु-पक्षियों के आकार-प्रकार की सही जानकारी देने वाली सचित्र रंगारंग पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0925-0

71. पहली यात्रा

मनोहर चमोली 'मनु' चित्र : सुरेश लाल पृ. 20 ₹ 60.00

इस पुस्तक में चींटियों की पहली यात्रा के बारे में बताया गया है। उनकी भेंट कहाँ और कैसे हुई? उन्होंने क्या-क्या किया? सुंदर चित्रों में वर्णन, सरल भाषा।

ISBN978-93-574-3178-1

72. पहेली

जगदीश जोशी पृ. 24 ₹ 65.00

नन्ही चिड़िया ने सूरज के रहस्य जानने के लिए बहुत मेहनत की। आखिर उसकी मेहनत सफल रही। सुंदर कहानी। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-4930-3

73. परिणाम और सोने की टिकिया

सीतेश आलोक पृ. 18 ₹60.00

बच्चों के गणित को लेखक ने बखूबी समझाया है। सुंदर चित्रांकन से युक्त पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7186-1

74. पानी ही पानी

रवी परांजपे पृ. 16 ₹ 40.00

पानी से संबंधित रंगीन चित्रों वाली मनोरंजक तथा ज्ञानवर्धक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2629-5

75. पीऊ और उसके जादुई दोस्त

कहानी व चित्र : *सोरित गुप्तो* पृ. 20 ₹55.00

भीषण बारिस में जब पूरा गाँव हैरान-परेशान था, नन्ही पीऊ को एक जादुई डिब्बा मिल गया और उसने सभी की परेशानियों का अंत कर दिया। ISBN 978-81-237-6247-0

76. पूँछ

हाइड्रोसे आलुवा पृ. 24 ₹ 50.00

पूँछ वाले जीव-जंतुओं के जीवन में पूँछ की उपयोगिता को दिखाती हुई एक जरूरी एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-1708-1

77. पेड़

मार्टी अनु. : देवशंकर नवीन पृ. 26 ₹ 50.00

रंगबिरंगे चित्रों से सुसज्जित प्रस्तुत पुस्तक में पेड़ों की दैनिक जीवन में उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया है।

ISBN 978-81-237-0567-5

78. फू-कू

जगदीश जोशी पृ. 24 ₹ 65.00

दूर किसी ग्रह से आया प्राणी इस बात को देखकर बहुत दुखी होता है कि यहाँ के लोग गोला-बारूद से लड़ते हैं। नन्हे दिलों को सोचने पर मजबूर करने वाली पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5113-9

79. फूल और मैं

मनोरमा जफ़ा पृ. 24 ₹ 50.00

विभिन्न मनमोहक फूलों के बारे में सचित्र इंद्रधनुषी पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2002-9

80. फूल और मधुमक्खी

अशोक दावर पृ. 24 ₹ 60.00

एक मधुमक्खी के फूल में बंद हो जाने की मजेदार कहानी।

ISBN 978-81-237-2328-X

81. बड़ा मूर्ख कौन

श्रीकृष्ण कुमार त्रिवेदी पृ. 16 ₹ 40.00

अफ्रीकी लोककथाओं पर आधारित तीन मनोरंजक कहानियाँ।

ISBN 978-81-237-3506-5

82. बालगीतम्

शशिपाल शर्मा 'बालमित्र' पृ. 28 ₹ 60.00

संस्कृत की बाल कविताओं का संग्रह—हिंदी अनुवाद सहित।

ISBN 978-81-237-2729-1

83. बस की सैर

वल्लीकानन अनु. : बालकराम नागर पृ. 32 ₹ 65.00

वल्ली नामक एक छोटी बालिका के द्वारा की गई बस की सैर का सरल भाषा में रोचक विवरण। रंगीन चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-0382-4

84. बाँस का घर

नीरा जैन अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 50.00

राहुल बड़े ही अनमने मन से अपने परिवार के साथ त्रिपुरा जाने को तैयार होता है, लेकिन जब वह वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य व अन्य दर्शनीय स्थल देखता है तो दिल्ली की यादें भूल जाता है।

ISBN 978-81-237-6180-0

85. बुबु-बुलबुली की बगिया

शांतनु तामुली अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 24 ₹ 30.00

बच्चों ने अपना बगीचा लगाया और वहाँ से किसी को भी फूल न तोड़ने देने के लिए कमर कस ली। सुंदर चित्रों के साथ सजी एक कहानी। ISBN 978-81-237-6017-9

86. भोर भई

रमेश थानवी पृ. 24 ₹ 65.00

भोर अथवा प्रातः के समय जो जो दृश्य दिखाई देते हैं, उन्हीं की शब्दों एवं चित्रों के माध्यम से सुंदर प्रस्तुति। ISBN 978-81-237-3949-6

87. मटकू बोलता है

गोविन्द शर्मा पृ. 24 ₹ 65.00

कभी लगता है कि प्याऊ में रखा छोटा-सा मटका लोगों को स्वच्छता, सहयोग की सीख दे रहा है, लेकिन असल में यह इनसान की अंतर्आत्मा की ही आवाज होती है। बेहद रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-6483-2

88. मधुमक्खी के अनोखे काम

एस.आई. फारूकी पृ. 24 ₹ 65.00

मधुमक्खी कैसे और कितनी जतन से शहद बनाती है इसकी कथा के माध्यम से रोचक जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-6265-4

89. मन का पंछी

बिमलेन्द्र चक्रवर्ती अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 ₹ 45.00

प्रकृति और मानव के उन्मुक्त संबंधों को प्रदर्शित करती मनोरंजक कहानी।

ISBN 978-81-237-5508-3

90. मेंढक और साँप

गणेश हालूई अनु. : सुबीर शुक्ला पृ. 16 ₹ 40.00

साँप द्वारा मेंढक को खाने की कहानी रंगबिरंगे चित्रों के साथ। ISBN 978-81-237-0858-4

91. मेरी बहन नेहा

मधु बी. जोशी पृ. 16 ₹ 40.00

छोटे बच्चों के लिए कोमल भावनाओं की एक सुंदर रचना। चित्रांकन भी अति सुंदर।

ISBN 978-81-237-2662-7

92. मेट्रो का मजा

पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 50.00

दिल्ली की मेट्रो पर सवारी करने के तौर-तरीके दर्शाती चित्रात्मक पुस्तक।

ISBN 978-81-237- 6702-4

93. रंग : विरोधाभासों, समझौतों और एकता की भाषा

संकल्पना और कला : रवि परांजपे चित्र : प्रियंका शुक्ला पृ. 24 ₹ 80.00

इस रंग-बिरंगी पुस्तक में विरोधाभासी रंगों की जानकारी समाहित है। बताया गया है कि कौन से रंग एक-दूसरे के अनुरूप हैं। इन चित्रों में रंग चक्र भी बताये गए हैं, जो छोटे बालकों को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। ISBN 978-93-574-3104-0

94. रंगबिरंगी दुनिया

युद्धजीत सेनगुप्ता अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 12 ₹ 35.00

नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए गतिविधि पुस्तक। उन्हें मजा तो आएगा ही, साथ ही उनकी जानकारी भी बढ़ेगी। ISBN 978-81-237-2632-8

95. रविवार है कितना अच्छा

देवाशीष देव अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 20 ₹ 55.00

बच्चों को केवल रविवार ही अच्छा लगता था। लेकिन बाद में उनकी समझ में आ जाता है कि हर दिन अच्छा होता है। ISBN 978-81-237-4855-9

96. रावण

अंजनी शर्मा पृ. 16 ₹ 45.00

बड़े भैया से नाराज बच्चों ने अपना रावण तो बना लिया, लेकिन उसे जलाने के लिए उसी बड़े भैया की मदद लेनी पड़ी। ISBN 978-81-237-5815-2

97. रेल चली, रेल चली

कामतानाथ पृ. 20 ₹ 55.00

हिंदी के प्रसिद्ध लेखक कामतानाथ के चुनिंदा बालगीतों का संकलन। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-5845-9

98. रेलगाड़ी चले छुक-छुक

मृणाल मित्रा पृ. 16 ₹ 40.00

रेलगाड़ी की सचित्र, मनोहारी यात्रा का वर्णन। ISBN 81-237-1810-1

99. लाल पतंग और लालू

आशीष सेनगुप्ता अनु. : सुबीर शुक्ला पृ. 16 ₹ 35.00

पुस्तक रोचक चित्रों से भरपूर है। पतंग को पा लेने की अभिलाषा का वर्णन भी अद्भुत है।

ISBN 978-81-237-0860-2

100. शीला और लीला

नीतू शर्मा, दीनानाथ मौर्य (संकल्पना) पृ. 20 ₹ 60.00

यह कहानी शीला और लीला दो दोस्त गायों की है, जो पीले घास के मैदान में रहती हैं। शीला थोड़ी दब्बू है और लीला साहसी। उनके व्यवहार के माध्यम से आपसी संबंधों के अनूठेपन की चर्चा की गई है। पुस्तक में गाय के विषय में रोचक जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-9203-3

101. शेरा और मिट्ठू

मनोरमा जफ़ा पृ. 16 ₹ 50.00

एक बालक के साथ एक कुत्ते की दोस्ती पर आधारित भावना-प्रधान कहानी।

ISBN 978-81-237-2178-1

102. शोर मचा जंगल में

जगदीश जोशी पृ. 16 ₹ 40.00

जंगल की कहानी, चित्रों की जुबानी। ISBN 978-81-237-1807-1

103. सफेद बादल काला बादल

रतनतनु घाटी अनु. : पापिया हालदार चित्र : अनूप रॉय पृ. 52 ₹ 90.00

काले और सफेद बादल एक-दूसरे से कतराकर चलते थे। आकाश दादा ने काले और सफेद बादलों का बड़ा सम्मेलन कराया। ऐसा क्या हुआ कि दोनों बादल खुशी से साथ रहने लगे? सुंदर चित्रों से सजी पुस्तक में यही बताया गया है। ISBN 978-93-574-3106-4

104. सब कुछ उल्टा-पुल्टा!

अनूपा लाल, मृत्युंजय राव पृ. 16 ₹ 50.00

थोड़ी बिल्ली...थोड़ा कुत्ता...थोड़ा बंदर...थोड़ा तोता...सब कुछ उल्टा-पुल्टा है। रंग-बिरंगे चित्रों से सजी यह कहानी मजेदार और दिल को सुकून देने वाली है। ISBN 978-81-237-9209-5

105. सारी दुनिया-प्यारी दुनिया

जयंती मनोकरण अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 50.00

नदी, समुद्र, बर्फ प्रकृति की सभी देन बच्चों को अच्छी लगती हैं, लेकिन उन्हें इनका रूठना पसंद नहीं है। ISBN 81-237-6388-0

106. सिंह और काँटाचूहा

जे.बी. शर्मा अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 50.00

कभी किसी को बेकार नहीं समझना—इसे जब सिंह ने अनुभव किया तो उसने जल्दी से अपनी गलती को सुधार लिया। ISBN 978-81-237-4768-2

107. सूरज और शशी

वर्षा दास पृ. 16 ₹ 45.00

सूरज और चंदा के रिश्ते पर आधारित एक सुंदर और मनमोहक कहानी। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-2985-5

108. सैम्मी एक घोंघा

रूपम कैरोल

अनु. : अमरनाथ चित्र : सुष्मिता हालदार पृ. 20 ₹ 50.00

यह चित्रात्मक कहानी एक घोंघे की है जिसका कोई मित्र नहीं होता। वह दोस्त की तलाश में हर जगह घूमता है, लेकिन उससे कोई दोस्ती नहीं करता। अंत में, एक कछुआ उसकी मदद करता है और दोस्त बन जाता है। ISBN 978-93-5491-188-0

109. हँसते हुए पक्षी

विकी आर्य अनु. : मोहन शर्मा पृ. 32 ₹ 75.00

यह दिलचस्प पुस्तक बच्चों को पढ़ना और रंग भरना सिखाने के लिए है। इसके माध्यम से बच्चों को मस्ती भरी दुनिया में ले जाकर पक्षियों की हँसी से परिचित करवाया गया है। चित्र बनाने और रंग भरने के लिए दिए गए अभ्यास बच्चों को पुस्तक से जोड़े रखने के लिए हैं।

ISBN 978-93-5491-564-2

110. हमारा प्यारा मोर

रमेश बक्षी पृ. 16 ₹ 40.00

राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में सचित्र रोचक पुस्तक। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-0511-8

111. हक्का-बक्का

प्रयाग शुक्ल पृ. 16 ₹ 40.00

छोटी आयु के बच्चों के लिए सुंदर कविताओं का संकलन। ISBN 978-81-237-0935-2

112. हाथी और कुत्ता

बदरी नारायण पृ. 16 ₹ 40.00

नन्हे-मुन्नों के लिए सचित्र पुस्तक। ISBN 978-81-237-0923-1

113. हाथी और भँवरे की दोस्ती

टी. आर. राजेश पृ. 16 ₹ 65.00

छोटे बच्चों के लिए रंगारंग चित्रों से सजी इस पुस्तक में एक भंवरे और हाथी की दोस्ती को दर्शाया गया है। ISBN 978-81-237-3494-1

आयु वर्ग : 8-10 वर्ष

114. चंद्रयान-3 : चाँद पर तिरंगा

युवराज मलिक अनु. : प्रदीप कुमार पृ. 54 ₹ 130.00

नन्हा वीर यह जानने के लिए उत्सुक है कि चंद्रयान-3 की चाँद पर सफल लैंडिंग में क्या खास बात रही। उसके बुद्धिमान दादा जी इस अवसर का लाभ उठाकर उसे सब कुछ बताते हैं। सुंदर चित्रों से सुसज्जित यह पुस्तक पाठकों, विषेशकर बाल पाठकों के लिए अत्यंत रोचक बन पड़ी है।

ISBN 978-93-6719-701-1

115. कमाल की जीभ

उषा छाबड़ा पृ. 20 ₹ 70.00

प्रस्तुत पुस्तक में विभिन्न पशु, पक्षियों और मनुष्य की जीभ के विषय में रोचकपूर्ण तरीके से महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई हैं। हबीब अली के मनमोहक चित्रों ने इस पुस्तक को आकर्षक बना दिया है।

ISBN 978-93-6719-552-9

116. डोडो और अन्य कहानियाँ

राज शेखर पृ. 64 ₹ 130.00

प्रस्तुत कहानी-संग्रह में छह कहानियों को संगृहीत किया गया है। इन कहानियों की विषय-वस्तु मॉरीशस द्वीप पर रहने वाले दुर्लभ जीव-जंतुओं, जैसे—डोडो, गुलाबी कबूतर आदि पर केंद्रित है। किस प्रकार इन पक्षियों का अस्तित्व समाप्त हुआ यही इस पुस्तक का वर्ण्य विषय है। रंगीन चित्रों से सुसज्जित यह पुस्तक कहानियों के माध्यम से पाठकों को रोचकपूर्ण जानकारियों से रू-ब-रू कराती है। ISBN 978-93-6719-560-4

117. लाडो

प्रताप सहगल पृ. 20 ₹ 60.00

मेधा अपनी घरेलू सहायिका रोमी की बेटी लाडो को पढ़ाने का निश्चय करती है। उसके इस प्रयास से लाडो पढ़-लिखकर ऊँचे पद पर पहुँच जाती है। इसके बाद लाडो की माँ शिक्षा के महत्व को समझ जाती है। ISBN 978-93-6719-466-9

118. लोहे की कील

गिरिराजशरण अग्रवाल पृ. 32 ₹ 60.00

प्रस्तुत पुस्तक में दो बाल नाटक संगृहीत हैं, जिनमें बच्चों के लिए प्रेरणाप्रद सीख दी गई है।

ISBN 978-93-6719-109-5

आयु वर्ग : 9-11 वर्ष

1. अक्ल बड़ी या भैंस

महेंद्र पाल काम्बोज पृ. 20 ₹ 60.00

अक्ल बड़ी या भैंस तथा बिट्टू का बस्ता शीर्षक दो कविताओं को एक जिल्द में पिरोया गया है।

ISBN 978-81-237-6377-4

2. अकाल में रोटी

शीला पांडे चित्र : हबीब अली पृ. 36 ₹ 70.00

अवध में अकाल पड़ा था, लोग भूखों मर रहे थे। वहाँ के नवाब आसफुद्दौला अपनी प्रजा को इस अकाल से निकालने के लिए परेशान थे। फिर ऐसा क्या हुआ कि अकाल में सबको रोटी भी नसीब हुई और नवाब की जय-जयकार भी हुई! इसी कहानी का रोचक और संवेदनात्मक बखान इस किताब में मिलता है। ISBN 978-93-574-3793-6

3. अद्‌भुत साहस

अभिलाष वर्मा पृ. 24 ₹ 65.00

बच्चों के अद्‌भुत साहस ने रहस्य पर से पर्दा तो उठाया ही, साथ ही एक व्यक्ति के अंधेरे जीवन में प्रकाश भर दिया। ISBN 978-81-237-4286-9

4. अनोखी छुट्टियाँ

अनुराधा भसीन जामवाल अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 24 ₹ 50.00

ऊब से भरी छुट्टियों का सदुपयोग करके कुछ बच्चों ने बेसहारा वृद्धों की जिंदगी में किस प्रकार खुशियाँ बिखेरीं; उसका जीवंत चित्रण इस कथा में है। ISBN 978-81-237-4190-1

5. अनोखा रिश्ता

पुष्पा सक्सेना पृ. 16 ₹ 50.00

पर्यावरण के बारे में जानकारी देती एक मनोरंजक कहानी। ISBN 978-81-237-4271-1

6. अपना घर

कामना सिंह पृ. 56 ₹ 90.00

एक चूहा शहर के वातावरण से घबराकर जंगल लौटता है, लेकिन यहाँ भी दृश्य शहर से कुछ अलग नहीं था। दलाली, ठेकेदारी एवं शहर के अन्य नकारात्मक व्यवहार एवं चरित्र यहाँ भी थे। अंत में चूहा को एक पहाड़ पर शरण मिलता है। ISBN 978-81-237-7368-1

7. अप्पू की कहानी

नवकृष्ण महन्त अनु. : विनोद रिंगानिया पृ. 236 ₹ 85.00

हाथी के एक नन्हे बच्चे की कहानी, जिसे एक लड़का बड़े प्यार से पालता है। एक दिन जब वही बच्चा दूर देश में जाने लगता है तो लड़का और नन्हा हाथी, दोनों अपने आँसू नहीं रोक पाते। प्यारी कहानी। ISBN 978-81-237-4436-0

8. अफवाहों से बचें

लीना गर्ग

चित्र : नीतू शर्मा अनु. : दीना नाथ मौर्य पृ. 40 ₹ 50.00

आधुनिक इंटरनेट युग में अफवाहें बहुत तेजी से पैर पसारती हैं। इस पुस्तक में बच्चों को इंटरनेट या अन्य तकनीकी माध्यमों से फैली अफवाहों से बचने के लिए जागरूक करने का प्रयास किया गया है। यह अंग्रेजी से हिंदी भाषा में अनूदित पुस्तक है, जिसे तीन छोटे-छोटे दृश्यों में विभाजित किया गया है। ISBN 978-81-237-9818-9

9. अभिमान की हार

योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण' पृ. 16 ₹ 50.00

अभिमान न करने की सीख देती एक मनोरंजक कहानी। सुंदर चित्रों के साथ।

ISBN 978-81-237-5936-4

10. अमर गोस्वामी की चुनिंदा बाल कहानियाँ

अमर गोस्वामी चित्र : शशी शेटये पृ. 72 ₹ 130.00

बालमन के प्रख्यात चितेरे अमर गोस्वामी द्वारा अलग-अलग दशकों में लिखी गई 10 ऐसी बाल कहानियों का संकलन, जिन्हें उन्होंने विभिन्न काल में लिखा था। ISBN 978-81-237- 8052-8

11. अमिया

प्रभात चित्र : धीरज सोमबासी पृ. 32 ₹ 60.00

इस पुस्तक में एक बच्ची की बालसुलभ हरकतों के कुछ किस्से हैं जो हँसाते हैं, गुदगुदाते हैं, कभी-कभी बाल-मन की गहराइयों का अहसास भी कराते हैं। ISBN 978-81-237- 8058-0

12. आइसॅन का सफर

इदरीस सिद्दीकी चित्र : अरूप गुप्ता पृ. 16 ₹ 40.00

आइसॅन नामक पुच्छल तारे की 28 नवंबर, 2013 को सूरज तक पहुँचने की महान वैज्ञानिक घटना पर आधारित कहानी। ISBN978-81-237-8063-X

13. आकाश में मुकदमा

इदरीस सिद्दीकी अनु. : शाहआलम इसलाही पृ. 20 ₹ 55.00

इस पुस्तक में पृथ्वी के वातावरण के संरक्षण, नाइट्रोजन, ओजोन और कार्बन डाईऑक्साइड गैस की महत्ता और उपयोगिता को छोटी-छोटी रोचक कहानियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-9953-7

14. आदमी और परछाईं

राजीव तांबे अनु. : सुनील केशव देवधर पृ. 24 ₹ 70.00

तीन छोटी-छोटी कहानियाँ जो प्रकृति के तत्त्वों—धूप-छाँव, समुद्र-रेत, बादल-सूर्य के सहअस्तित्व पर प्रकाश डालती हैं। ISBN 978-81-237-6244-9

15. आशा की किरण

सुधा शर्मा चित्र : अतुल वर्धन पृ. 36 ₹ 65.00

विकलांग होने के बावजूद समाज में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले कुछ महान लोगों को केंद्र में रखकर लिखा गया नाटक। ISBN 978-81-237- 8703-8

16. ईदगाह

प्रेमचंद पृ. 32 ₹ 45.00

ईद के मेले में दूसरे बच्चों ने तरह-तरह के खिलौने खरीदे, पर गरीब हमीद ने लोहे का चिमटा खरीदा। आगे क्या होता है? पढ़िए हिंदी के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की इस पुस्तक में।

ISBN 978-81-237-0384-8

17. एक था कैसिनी

मो. इदरीस सिद्दीकी चित्र : अरूप गुप्ता पृ. 32 ₹ 60.00

बाल पाठकों के लिए एक रोचक कथा। ISBN 978-81-237-8770-1

18. एक था दाना अनजाना

समीर गांगुली चित्र : इस्माईल लहरी पृ. 28 ₹ 75.00

बच्चों के लिए यह पुस्तक वास्तव में हम सभी के लिए एक बड़ा संदेश है। पुस्तक में कहानी के माध्यम से लेखक ने छोटे-बड़े, ऊँच-नीच के बीच की खाई को पाटने का कार्य किया है। आसान और सहज शब्दों में कहानी को पिरोया गया है। ISBN 978-93-5491-739-4

19. एक रात जंगल में

क्षमा शर्मा पृ. 16 ₹ 50.00

एक लड़के और माँ हथिनी के बीच बने स्नेह के रिश्ते की मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237-4787-3

20. एक समय एक गाँव में

मदन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 16 ₹ 50.00

भारत के गाँवों की जिंदगी, रोचक भाषा में रंगीन चित्रों सहित। ISBN 978-81-237-0918-5

21. एक यात्रा

जगदीश जोशी (चित्र व कथा) पृ. 16 ₹ 65.00

यह यात्रा है एक लार्वा के तितली बनने की, और उसका सहयात्री है एक किताब का पन्ना।

ISBN 978-81-237-6347-1

22. एक था पंकज

मिथिलेश्वर पृ. 24 ₹ 70.00

एक ऐसे अनाथ बच्चे की कहानी जो अपनी ईमानदारी और हिम्मत के बल पर समाज में सम्मानजनक स्थिति प्राप्त करता है। चित्रांकन भी सुंदर। ISBN 978-81-237-4630-2

23. एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी

शिवेंद्र कुमार सिंह चित्र : अतुल वर्धन पृ. 32 ₹ 60.00

यह पुस्तक कर्नाटक शास्त्रीय संगीत की प्रसिद्ध गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी के जीवन को प्रदर्शित करती है। पुस्तक उनके जन्म से लेकर उनकी शिक्षा-दीक्षा, उनकी प्रसिद्धि तथा उनको देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने की कथा को बच्चों के सामने सरल शब्दों तथा जीवंत चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करती है। ISBN 978-93-5491-268-9

24. ककड़िया के भालू

सुधा भार्गव चित्र : मित्रारुण हलधर पृ. 20 ₹ 40.00

एक मदारी था—ककड़िया। उसके दो भालू थे, एक तरबुजिया और एक खरबुजिया। बस, इन्हीं

दो भालुओं की कहानी इस किताब में है, जिनके मजेदार कारनामे हैं।

ISBN 978-93-549-1907-1

25. कजरी गाय झूले पर

जुज्जा और *वाइज़्लैंडर* अनु. : अरविन्द गुप्ता पृ. 24 ₹ 40.00

एक अलग तरह की गाय की रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-1696-1

26. कप्तानों का बचपन

सुशील दोषी/करुण कुमार पृ. 64 ₹ 105.00

भारतीय क्रिकेट टीम के कुल 10 कप्तानों के बचपन की कहानियों का संग्रह है। उनके त्याग, संघर्ष, लगन और कीर्तिमानों से रू-ब-रू कराती पुस्तक जीवन की अनेक मुश्किलों के प्रति सकारात्मक बनाती है। ISBN 978-81-237-9355-9

27. कमाल का जादू

अशोक कुमार शर्मा चित्र : राजकुमार घोष पृ. 24 ₹ 65.00

इस पुस्तक में बच्चों को अच्छे व बुरे तरीके से छूने, यदि कोई परेशान करे तो उसकी जानकारी तत्काल अपने घर या स्कूल में देने की सीख एक रोचक कहानी के माध्यम से दी गई है।

ISBN 978-81-237- 7997-3

28. कमाल की जीभ

उषा छाबड़ा पृ. 20 ₹ 70.00

प्रस्तुत पुस्तक में विभिन्न पशु, पक्षियों और मनुष्य की जीभ के विषय में रोचकपूर्ण तरीके से महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई हैं। हबीब अली के मनमोहक चित्रों ने इस पुस्तक को आकर्षक बना दिया है। ISBN 978-93-6719-552-9

29. कहती है दिल्ली मुझे रंगो : छोटी कविताओं की रंगवाली किताब

शशि शेट्ये अनु. : प्रतिभा सिंह पृ. 16 ₹ 40.00

यह गतिविधि पुस्तक जीवन के उन छोटे-छोटे पलों को समेटे हुए है, जब आप अपने बच्चों को शहर के शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाते हैं और इन यादों को चित्रों में परिवर्तित करते हैं। चित्रों के कुछ हिस्सों को यह बताने के लिए रँगा गया है कि कैसे बच्चों की कल्पनाएँ धीरे-धीरे रंग बदलती हैं। ISBN 978-81-237-9208-8

30. कहानी एक बुढ़िया की

मार्गरेट भट्टी अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 ₹ 70.00

एक बूढ़े आदमी और बुढ़िया की कहानी। पूरे बारह दिनों के सफर पर जाने की तैयारी और सफर के बाद में मजेदार घटनाओं का रोचक विवरण, रंगारंग चित्रों के साथ।

ISBN 978-81-237-0926-0

31. कहानी मूँछ की

आर. के. मूर्ति अनु. : डॉ. निधि शर्मा पृ. 24 ₹ 65.00

अपने घर-परिवार से ज्यादा अपनी मूँछों को प्यार करने वाले की मूँछें उसकी पत्नी ने बड़ी चतुराई से छाँट दी। एक हास्य कहानी। ISBN 978-81-237-6001-8

32. कहानी लखन की

अमृता दासगुप्ता

अनु. : पंकज चतुर्वेदी चित्र : बरखा लोहिया पृ. 16 ₹ 50.00

यह दस वर्षों से ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अपने मालिक की सेवा करने वाले ट्रैक्टर की अनूठी कहानी है। अचानक ही हालात खराब हो जाते हैं। उसे धूलभरी सड़कों पर हर समय भारी बोझ के साथ उतरना पड़ता है। कुछ ही सालों में लखन बूढ़ा और जीर्ण, अकेला और उदास हो जाता है। उसे अपने पुराने मालिक के खुले हरे-भरे खेत, प्यार और देखभाल की बहुत याद आती है। लखन की रोचक कहानी ट्रैक्टर के माध्यम से संवेदनाओं का प्रदर्शन किया गया है। ISBN 978-93-5491-203-0

33. क्यों मुस्कुराए बुद्ध 2500 वर्ष बाद

आबिद सुरती, छाया : सर्वेश पृ. 34 ₹ 85.00

यह पुस्तक देश के विभिन्न लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के आकर्षक चित्रों के साथ अनूठे अंदाज में आपसी सद्भाव का संदेश देती है। ISBN 978-81-237-5746-9

34. काबुलीवाला

रवींद्रनाथ ठाकुर अनु. : रणजीत साहा पृ. 20 ₹ 50.00

बांग्ला के महान लेखक रवींद्रनाथ ठाकुर की अमर रचना। ISBN 978-81-237-4848-4

35. काव्या का फैसला

रमेश बिजलानी पृ. 32 ₹ 80.00

काव्या का मन नहीं माना कि वह अपने द्वारा की गई गलती को छुपा सके और उसने स्कूल की कक्षा में सभी बच्चों के बीच अपनी गलती मान ली। एक ही झटके में उसके प्रति सभी का सम्मान बढ़ गया। बच्चों को नैतिक बल देती एक कहानी। ISBN 978-81-37-7639-2

36. काँच का बक्सा

पुष्पिता अवस्थी पृ. 32 ₹ 80.00

इस पुस्तक में नीदरलैंड की कुछ मशहूर लोककथाओं को बच्चों के लिए संकलित किया गया है। ये कहानियाँ बच्चों को मानवीय, संवेदनशील और प्रकृतिप्रेमी बनने की सीख देती है।

ISBN 978-81-237-6227-2

37. कितनी सारी मुस्कान

*मनोज दास*अनु. : आरती स्मित चित्र : दुर्गादत्त पांडेय पृ. 44 ₹ 100.00

गाँव के किशोर बच्चों की मस्ती, चुहल, रोमांच के किस्सों का गुलदस्ता।

ISBN 978-81-237-8761-9

38. कुम्भ

अनिता भटनागर जैन चित्र : पार्थ सेन गुप्ता पृ. 24 ₹ 65.00

प्रयागराज के कुम्भ के बहाने कुम्भ की महान परंपरा तथा वहाँ होने वाली गतिविधियों की जीवंत कथा। ISBN 978-81-237- 8767-1

39. कुसुमपुर का शालिक

सुनिर्मल चक्रवर्ती अनु. : अभिनव चटर्जी चित्र : सुब्रत चौधरी पृ. 50 ₹ 90.00

प्रस्तुत पुस्तक शालिग पक्षियों की कहानी है। टीटो नायक पात्र है, जो दुनिया घूमने निकलता

है। वह बहुत कुछ देखता है। मन खुश होता है। इनसानों की प्रवृत्ति समझता है, पशु-पक्षियों के प्रति लोगों का व्यवहार देखकर दुखी होता है। उसने दुनिया देखकर क्या समझा, क्या सीखा, यही बताती है ये किताब। ISBN 978-93-574-3109-7

40. कैक्टस

रामेंद्र कुमार | अनु. : नेहा सिन्हा | पृ. 16 | ₹ 65.00

कांटेदार कैक्टस को बगीचे के फूल भले ही उपेक्षा की नजर से देखते हों, लेकिन जब फूलों पर संकट आया तो कैक्टस ने ही उनकी जान बचाई। ISBN 978-81-237-5915-9

41. कोई खास बात

गीतिका जैन | अनु. : भावना पंकज | पृ. 16 | ₹ 45.00

जंगल की सैर करते हुए बच्चों द्वारा लिये गए अनुभव काफी सूचनाप्रद हैं।

ISBN 978-81-237-2948-0

42. कोयल का सितार

अशोक चक्रधर | पृ. 24 | ₹ 50.00

कोयल द्वारा काफी परिश्रम और कई लोगों की मदद से सितार बनाने की कहानी कविता में।

ISBN 978-81-237-0733-4

43. कोरोना वॉरियर और सिंबा

अनिता भटनागर जैन | चित्र : पार्थ सेनगुप्ता | पृ. 32 | ₹ 80.00

इस पुस्तक में दो बाल कहानियाँ—कोरोना वॉरियर और सिंबा हैं। कोरोनाकाल पर आधारित कहानी कोरोना वॉरियर, जिसमें एक नर्स अपने परिवार से काफी लंबे समय बाद मिलती है। दूसरी कहानी एक कुत्ते की है, जो इस महामारी में काफी समय के बाद अपनी मालकिन से मिलता है। ISBN 978-81-237-9726-7

44. कौतुक ऐप

सूर्यनाथ सिंह | पृ. 76 | ₹ 125.00

यह बाल उपन्यास नौ भागों में विभाजित किया गया है। विज्ञान और तकनीकी विकास ने किस तरह देश-दुनिया के वातावरण को बदला है? कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य अत्याधुनिक गैजेट्स के इस्तेमाल से लाभ और हानि दोनों होते हैं। ऐसे में युवाओं और बच्चों का जीवन किस तरह प्रभावित हुआ है? इन सब विषयों को उपन्यास के रूप में इस पुस्तक में शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-9999-5

45. क्ली टापू पर रोमांच

तनुका भौमिक एंडो | अनु. : विजय कुमार झा | पृ. 60 | ₹ 130.00

एक विज्ञान गल्प जो किसी अज्ञात द्वीप पर जीवन के प्रति बच्चों के कौतुहल पर केंद्रित है।

ISBN 978-81-237-6240-1

46. खाटू श्याम की अनसुनी कहानी

दीपाली वशिष्ठ | पृ. 28 | ₹ 90.00

प्रस्तुत पुस्तक में पौराणिक कथा को आधार बनाकर बहुत ही सरल एवं सहज भाषा में पांडव भाइयों में से एक, भीम के पुत्र घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक के खाटू श्याम बनने की कथा को

प्रस्तुत किया गया है। चित्रकार राजकुमार घोष के मनमोहक चित्रों से सुसज्जित यह पुस्तक रोचक ढंग से भारत की समृद्ध पौराणिक विरासत को पाठकों तक पहुँचा रही है।

ISBN 978-93-5743-971-8

47. खुला संदूक

अखिलेश श्रीवास्तव चमन चित्र : शुभम लखेरा पृ. 24 ₹ 65.00

प्रस्तुत पुस्तक में संदूक में बंद गर्म कपड़े आपस में बात करते हैं कि हम ईशा दीदी के नाप के नहीं रहे, चलो किसी गरीब बच्चे के काम आएँगे। ये बातें ईशा भी समझ लेती है। फिर ईशा ने क्या किया, यह सब बड़े रोचक ढंग से सुंदर चित्रों के जरिए बताया गया है। ISBN 978-93-574-3994-7

48. खोए मोबाइल का रहस्य

तनुका भौमिक एंडोव

अनु. : आरती स्मित चित्र : ट्रेइबोरलांग लिंगदोह मावलोंग पृ. 64 ₹ 70.00

यह बाल उपन्यास दो बच्चों द्वारा जासूसी के बारे में बताता है। इसमें से एक बच्चे का मोबाइल गलती से हवाई अड्डे पर बदल जाता है और वहीं से शक और जासूसी शुरू होती है। उतार-चढ़ाव, रहस्य और रोमांच समेटे यह पुस्तक चिंतन के बिंदु छोड़ती है। ISBN 978-93-5491-346-4

49. खोये का गुड्डा

अवनीन्द्र नाथ ठाकुर अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 52 ₹ 85.00

लोककथा शैली में लिखी गई इस कथा में एक बंदर की मदद से बड़ी रानी अपना खोया हुआ मान-सम्मान प्राप्त करती है। ISBN 978-81-237-2116-3

50. खिलौनेवाली

शंकर सुल्तानपुरी पृ. 16 ₹ 50.00

बचपन में मिले स्नेह को एक लड़का कभी नहीं भूल पाया और एक दिन सैनिक के रूप में जा पहुँचा उसी खिलौनेवाली के दरवाजे पर। ISBN 978-81-237-4315-8

51. खुली छतवाला घर

तनुका भौमिक एन्डो अनु. : श्रीकांत खरे पृ. 36 ₹ 90.00

बच्चों के माध्यम से एक बड़े टैरेस वाला घर जीवंत हो उठा है। कबूतर इस कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देते हैं। ISBN 978-81-237-5281-5

52. खोका

मोपिया बसु अनु. : शैलेन्द्र प्रताप सिंह, धीरेन्द्र प्रताप सिंह पृ. 142 ₹ 105.00

यह पुस्तक कहानियों का संग्रह है—कुछ छोटी, कुछ बड़ी, जिसका नायक खोका है, जो मात्र तीन वर्ष की उम्र में अपने पिता को खो चुका है। उसका जीवन रोमांचक कारनामों और उत्साह से भरा हुआ है। यह पुस्तक हमें अतीत से जोड़ने के साथ-साथ हमारे देश के इतिहास के निर्णायक दौर की स्मृतियों को भी सहेजती है। ISBN 978-81-237-9722-9

53. गज्जू चलने लगा

अनिता भटनागर जैन चित्र : पार्थसेन गुप्ता पृ. 24 ₹ 65.00

प्रस्तुत पुस्तक में नन्हे हाथी गज्जू की कहानी है, जो अपने लंगूर, कछुआ, किंगफिशर पक्षी आदि दोस्तों के साथ खुशी से रहता है। जंगल में टहलते हुए अचानक एक गड्ढे में गिर जाता है,

पैर टूट जाता है। फिर कैसे उसका इलाज कराया गया, कैसे उसका पैर लगाया गया, रोचक कहानी है। रंगीन मनोहारी चित्र आकर्षित करते हैं। ISBN 978-93-574-3081-4

54. गन्ना

शिव मोहन यादव चित्र : राजकुमार घोष पृ. 21 ₹ 60.00

प्रस्तुत बाल पुस्तक आठ साल के मोहन की कहानी है। कहानी में मोहन एक गन्ने के जरिये एक बकरी, चूहा, खरगोश, हिरन, काका बालकराम और भेड़िये की मदद करता है। नैतिक गुणों से सजी इस पुस्तक से बच्चे शिक्षित और संस्कारित होंगे, वे मानवीय गुण सीखेंगे। कहानी में प्रेरक संदेश है। यह पुस्तक सुंदर चित्रों का गुलदस्ता है, आकर्षक साज-सज्जा है। ISBN 978-93-574-3204-7

55. गर्म पहाड़ व अन्य कहानियाँ

अनिता भटनागर जैन चित्र : धीरज सोमबासी पृ. 16 ₹ 55.00

जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से तपते पहाड़, पॉलिथीन के दुष्प्रभाव और गुम होती चिड़िया जैसे विषयों को केंद्र में रखकर लिखी गई पर्यावरण पर तीन कहानियों का संग्रह ।

ISBN 978-81-237- 8885-1

56. गली मोहल्लों के कुछ खेल

मुल्कराज आनंद अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 ₹ 100.00

भारतीय गली-मोहल्लों में बच्चों द्वारा खेले जाने वाले कुछ खेलों की मनोरंजक जानकारी।

ISBN 978-81-237-0337-4

57. गिजुभाई का गुलदस्ता (10 पुस्तकों का सेट)

अनुवाद, चित्रांकन और प्रस्तुति : आबिद सुरती

इस सेट में दस पुस्तकें हैं, प्रत्येक में 10-10 कहानियाँ हैं। प्रख्यात शिक्षाविद् गिजुभाई बधेका ने इन कहानियों को भारतीय लोक संस्कृति के खजाने में से बच्चों के लिए तलाशा और सजाया था। गिजुभाई कहते थे कि यदि आपको बच्चों से प्यार का रिश्ता जोड़ना है तो उसकी नींव कहानी सुनाने से डाली जा सकती है। पूरे सेट में बहुरंगी चित्रों के साथ सौ कहानियाँ हैं और इस सेट को ₹ 460 में खरीदा जा सकता है। ये पुस्तकें अलग-अलग भी खरीदी जा सकती हैं।

रंग-बिरंगी मुरगी	पृ. 35	₹ 95	ISBN 978-81-237-4786-1
चूहा सात मूँछों वाला	पृ. 36	₹ 85	ISBN 978-81-237-4942-6
आँखों देखी	पृ. 44	₹ 100	ISBN 978-81-237-5043-9
नकल बिन अकल	पृ. 44	₹ 100	ISBN 978-81-237-5150-4
अमवा भैया नीमवा भैया	पृ. 40	₹ 95	ISBN 978-81-237-5198-6
चबर-चबर	पृ. 40	₹ 95	ISBN 978-81-237-4841-8
बर्फीली बूँद	पृ. 42	₹ 95	ISBN 978-81-237-5025-5
मुनिया रानी	पृ. 30	₹ 80	ISBN 978-81-237-5136-8
बेदम बेदुमा	पृ. 40	₹ 95	ISBN 978-81-237-5196-2
चोर मचाए शोर	पृ. 44	₹ 100	ISBN 978-81-237-5206-8

58. गुड़ियों की नानी

जकिया मशहदी चित्र : नीलेश गहलोत पृ. 16 ₹ 60.00

इस किताब में राजू की दादी छोटी बच्चियों से मिलती हैं, उनकी गुड़ियों से मिलती हैं। बच्चों के

लिए वे स्वयं एक गुड़िया बनाती हैं, उस गुड़िया का नाम कैसे 'गुड़ियों की नानी' पड़ा, ये सरल शब्दों में बताया गया है। सुंदर चित्रों की छोटी-सी किताब। ISBN 978-93-574-3826-1

59. गुलाब का दोस्त

तरसेम पृ. 32 ₹ 80.00

सुहेल अपने पिता के स्कूल जाता है तो वहाँ एक मुरझाए हुए गुलाब के पौधे को देखता है। वह तत्काल ही उस पौधे में पानी डालता है और खाद भी। पौधा लहलहा उठता है, गुलाब खिल जाते हैं। पर्यावरण प्रेम जगाती कहानी। ISBN 978-81-237-6794-9

60. गुलाबो चुहिया और गुब्बारे

कुदसिया ज़ैदी अनु. : एस.ए. रहमान पृ. 24 ₹ 45.00

गाँव के बाहर एक पेड़ के नीचे मिठाइयाँ और खिलौने बेचने वाली चुहिया की मजेदार कहानी। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-1709-8

61. गुस्सा

कुलवंत कोछड़ पृ. 12 ₹ 45.00

गुस्सा एक बुरी आदत है। इससे लाभ कुछ नहीं, केवल हानियाँ हैं। गुस्सा पर काबू पाया जा सकता है। पर कैसे? इस पुस्तक को पढ़कर जाना जा सकता है। ISBN 978-81-237-6850-2

62. गूलर का जंगल और टोपी वाले बंदर

रजिया तहसीन पृ. 28 ₹ 70.00

प्रस्तुत कहानी में नानी अपने नातियों को एक ऐसा गूलर के जंगल की कहानी सुनाती है जहाँ सभी जानवर आपस में मिलकर रहते हैं। एक बार आसपास के जंगलों में सूखा पड़ गया। ऐसी आपात स्थिति में गूलर के जंगल के सभी जानवरों ने एकजुट होकर दूसरे जंगल के जानवरों को अपने जंगल से भोजन और पानी की व्यवस्था कर उनकी मदद की।

ISBN 978-81-237-6563-1

63. गेंद की खुशी

सुनीता पृ. 24 ₹ 65.00

इस पुस्तक में खुशी अपनी गेंद के साथ खेलती है। गेंद एक बार पानी में तैरती हुई दूर निकल जाती है। कई जीव मिलते हैं, उसे देख अचंभित होते हैं। गेंद बगुला, बंदर, किसान के हाथों होती हुई खेत में रखवाली का काम करने लगती है। बाद में गेंद और खुशी एक-दूसरे को कैसे मिलते हैं, कहानी रोचक है। ISBN 978-93-574-3092-0

64. गैस गुब्बारा

बी. मदन मोहन पृ. 16 ₹ 50.00

'गैस गुब्बारा', 'चिड़िया' और 'चाँद बोला' शीर्षक से तीन कविताओं का संग्रह। बच्चों को ये कविताएँ रुचिकर लगेंगी। ISBN 978-81-237-7201-1

65. गोनू का कुआँ

रणीराम गढ़वाली पृ. 24 ₹ 65.00

चंपक वन में बारिश न होने व तेज गरमी के कारण पानी की कमी हो गई। वन के जीव-जंतु वन छोड़कर जाने का मन बनाने लगे। पर गोनू चूहे ने जो तरकीब बताई उससे पानी की समस्या का हल निकल आया। पर्यावरण के प्रति सचेत करती एक प्रेरक कथा। ISBN 978-81-237-7873-0

66. गोलू-गुड्डप-गुडपदास

प्रमोद कुमार शर्मा पृ. 28 ₹75.00

हंगरी देश की आठ ऐसी लोककथाओं का संकलन जो बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ इस छोटे-से देश की परंपराओं, भोजन, मान्यताओं, परिधान, परिवेश आदि की जानकारी भी देता है। ISBN 978-81-237-6178-7

67. गोवा–मेरी जादुई दुनिया की कहानी

शशि शेट्ये अनु. : डॉ. मीना कुमारी पृ. 28 ₹90.00

एक सूचनाप्रद पुस्तक, जो समुद्र तटों की भूमि–गोवा की सुंदरता, संस्कृति, रीति-रिवाज, त्योहारों आदि के बारे में काव्यात्मक तरीके से युवा पाठकों को बताती है। ISBN 978-81-237-9184-5

68. घने जंगल से

मोहम्मद अरशद खान चित्र : राजकुमार घोष पृ. 32 ₹ 80.00

वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर कुछ बच्चों के साथ जंगल में शोध करने जाते हैं। रात होने पर उन्हें जंगल में ही रात बितानी पड़ती है। यह कहानी अँधेरे में विभिन्न जानवरों की उपस्थिति के अनुभव का बखान करती है। ISBN 978-81-237- 8759-6

69. घर वापसी

रवीन्द्रनाथ ठाकुर अनु. : रणजीत साहा पृ. 16 ₹ 50.00

13 वर्षीय एक शरारती लड़के की मन को छू जाने वाली कहानी। ISBN 978-81-237-5496-3

70. घायल कौए की कहानी

रामेश बेदी पृ. 24 ₹ 25.00

एक नन्हे से घायल कौए की सच्ची कहानी, जो घर में बिलकुल पालतू जीव की तरह रहता है। ISBN 978-81-237-3514-6

71. चंटू-बंटू

निश्छल चित्र : अलय घोषाल पृ. 16 ₹ 50.00

यह कहानी जूतों के जीवन को बड़े मनोरंजक ढंग से बच्चों के सामने रखती है। ये जूते पहले राहुल नाम के एक बच्चे की जान हुआ करते थे, जिन्हें शुरुआत में बड़े ही अच्छे ढंग से रखा गया, पर बाद में राहुल ने गुस्से में उन्हें कचरे के डब्बे में फेंक दिया। यह पुस्तक यह दिखाने का प्रयास करती है कि कैसे किसी की त्यागी हुई वस्तु भी दूसरे के लिए खुशियों का पिटारा हो सकती है। ISBN 978-93-5491-345-7

72. चतुर कौन

गीता आयंगर अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 36 ₹65.00

नौजवान गणपति की कहानी, जो अपनी किस्म का निराली तबीयत का है। शेर से दोस्ती का बेबाक चित्रण रंगीन चित्रों के साथ प्रस्तुत। ISBN 978-81-237-8194-5

73. चतुर बाज़

पुष्पा सिंह 'विसेन' पृ. 24 ₹ 65.00

प्रस्तुत कहानी में गौरैया अपनी सूझ-बूझ और बहादुरी से चालाक और बेरहम बाज से अपने बच्चों के प्राणों की रक्षा कर उसे मौत के घाट उतार देती है। ISBN 978-81-237-7215-8

74. चतुराई का पुरस्कार

राकेश चक्र पृ. 12 ₹ 45.00

सुजान नामक व्यक्ति बड़ा चतुर और चालाक था। कैसे उसने चतुराई से राजाज्ञा पत्र में लिखी बात को पढ़कर अपनी नाक कटने से बचाई इसकी रोचक कथा है इसमें। ISBN 978-81-237-6135-0

75. चमकदार गुफा

अरूप कुमार दत्ता अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 32 ₹ 60.00

भाई-बहन की रोमांचक खोज का सरल और रोचक वर्णन, जो देखते ही बनता है। बच्चों में आत्मविश्वास का संचार करने वाली बाल रचना। ISBN 978-81-237-2096-8

76. चालाक किसान और चार ठग

सोमा कौशिक पृ. 24 ₹ 65.00

लोककथा शैली में अत्यंत रोचक कहानी। रंगीन चित्रों सहित। ISBN 978-81-237-4117-0

77. चिड़ियाघर में

रस्किन बॉन्ड अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 64 ₹ 45.00

चिड़ियाघर में आमतौर पर पाए जाने वाले पशु-पक्षियों के बारे में रोचक शब्द-चित्र प्रस्तुत करने वाली पुस्तक। प्रसिद्ध छायाकार रघुराय के जीवंत छायाचित्रों से सज्जित।

ISBN 978-81-237-2064-7

78. चित्रा मुद्गल की चुनिंदा बाल कहानियाँ

चित्रा मुद्गल चित्र : अतुल श्रीवास्तव पृ. 80 ₹ 130.00

हिंदी की प्रख्यात लेखिका द्वारा सन् 1978 से लेकर 1989 तक के बीच लिखी गई चुनिंदा दस बाल कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237- 8052-8

79. चुघ गिलहरी

बिट्टी मिथल अनु. : निधि शर्मा पृ. 32 ₹ 80.00

बच्चों ने एक गिलहरी का बच्चा पाल लिया, लेकिन उन्हें तब असली खुशी मिली, जब वह दूसरी गिलहरियों के पास रहने चला गया। ISBN 978-81-237-6002-5

80. चीनू, मीनू और गोगो

मनोरमा जफ़ा पृ. 12 ₹ 55.00

बच्चों के एक विशेष वर्ग सहित सामान्य बाल पाठकों के लिए विशिष्ट पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3890-1

81. छुटकारा

बलदेव सिंह 'बद्दन' पृ. 32 ₹ 80.00

एक मगरमच्छ ने जंगल के जानवरों को तंग कर रखा था; सब मिल बैठे और उसे तालाब से बाहर खदेड़कर ही दम लिया। ISBN 978-81-237-5993-7

82. छुटकी

रेनू चौहान चित्र : पार्थ सेनगुप्ता पृ. 12 ₹ 45.00

छोटी-सी कैंची बड़े-बड़े काम करती, लेकिन आत्मसम्मान को ठेस लगती तो वह उसे कभी स्वीकार नहीं करती। कई जगह ठोकर खाने के बाद आखिर उसे अच्छी सहेली मिल ही गई।

ISBN978-81-237- 8076-1

83. छुपा रुस्तम

मेलानी सेक्वेरा अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 24 ₹ 50.00

एक काले बिलाव और नन्ही चुहिया की कहानी, जो बच्चों को कभी हँसाएगी तो कभी आश्चर्य में डाल देगी। ISBN 978-81-237-1757-1

84. छोटे जीवों से जान-पहचान

कालूराम शर्मा पृ. 72 ₹ 160.00

रोजमर्रा की जिंदगी में अपने आसपास मिलने वाले छोटे जीव जंतुओं की अचरजपूर्ण विशेषताएँ।

ISBN 978-81-237-6984-4

85. छोटी चींटी काम बड़ा

पुलक विश्वास पृ. 16 ₹ 50.00

रंगीन चित्रों के माध्यम से एक लड्डू के टुकड़े को लेकर दो चींटियों के संघर्ष की कहानी।

ISBN 978-81-237-1809-5

86. छोटी सी एक लहर

सुमन चंदावरकर पृ. 32 ₹ 60.00

एक छोटी-सी लड़की की एक नन्ही लहर से गहरी दोस्ती की अनूठी सचित्र कहानी।

ISBN 978-81-237-1792-X

87. छोटू की विपदा

कुमकुम सोमानी अनु. : धनंजय चोपड़ा पृ. 24 ₹ 65.00

यह बच्चों के लिए प्रदूषण और हमारी रोजमर्रा के जीवन को वह कैसे प्रभावित करता है, के संबंध में सूचनाप्रद पुस्तक है। ISBN 978-81-237-9201-9

88. चौथा मित्र

मनोज दास अनु. : संध्या तिवारी पृ. 50 ₹ 70.00

मूलतः ओड़िया भाषा में लिखित यह उपन्यास तीन मित्रों की कहानी है। एक रोमांचक घटना में इन मित्रों की मुलाकात एक बाघ यानी अपने चौथे मित्र से हो जाती है। यह पुस्तक जानवरों के प्रति बच्चों के सहज प्रेम को प्रदर्शित करने के साथ-साथ उनके प्रति अच्छे व्यवहार की भी सीख देती है। ISBN 978-81-237-9817-2

89. जंगल के दोस्त

बिमलेन्द्र चक्रवर्ती अनु. : कमाल अहमद पृ. 16 ₹ 50.00

जंगल को बनाए और बचाए रखने की प्रेरणा देती एक महत्वपूर्ण कहानी।

ISBN 978-81-237-5509-0

90. जंगल में एक तालाब

उमा आनंद अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 ₹ 60.00

जंगली जीव-जंतुओं को पात्र बनाकर बच्चों में उत्सुकता जगाने वाली कथा। आकर्षक रंगीन चित्रों वाली महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-0404-6

91. जंगल से

सुनीति रावत चित्र : इरशाद कप्तान पृ. 44 ₹ 85.00

इस संकलन में कुछ ऐसी कहानियाँ हैं जो जंगल में रहने वाले जानवरों के मूल स्वभाव, पर्यावास, भोजन आदि को प्रस्तुत करती हैं। ISBN 978-81-237- 8831-2

92. जब मम्मी ने सर्कस देखा

सुषमा चौहान पृ. 16 ₹ 50.00

प्रस्तुत कहानी में नानी अपनी नातिन को उसकी मम्मी के बचपन में सर्कस देखने वाली एक घटना सुनाती है। यह घटना क्या है? अधिक जानने के लिए पुस्तक पढ़िए।

ISBN 978-81-237-6504-4

93. जादूगर

विशाखा पृ. 32 ₹ 45.00

बच्चों को लुभाने वाले जादूगर द्वारा किए गए गुदगुदाने वाले कारनामों की कहानी।

ISBN 978-81-237-2329-6

94. जिंदा अजायबघर

विनायक चित्र : अतुल वर्धन पृ. 44 ₹ 75.00

चिड़ियाघर में रखने के लिए जंगल से जानवरों को पकड़कर ले जाने पर वे बंद घेरे में बड़ी मुश्किल से जी पाते हैं। एक जिराफ के बच्चे को चिड़ियाघर के लिए ले जाने पर वह अपनी माँ के बगैर रह नहीं पाता और भूखा ही अपनी जान दे देता है। बेहद मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237- 8701-4

95. जिस दिन नदी बोली थी

कमला नायर पृ. 36 ₹ 45.00

मछुआरा परिवार की नन्ही-सी लड़की की कहानी जो स्कूल जाना चाहती है। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-2322-8

96. जीरो मीठे

अन्विता अब्बी अनु. : डॉ. जनार्दन पृ. 16 ₹ 60.00

यह अंडमान की एक चर्चित कहानी है। कहानी बताती है कि क्यों ग्रेट अंडमानवासी पक्षियों को अपना पूर्वज मानते हैं और उन्हें खाने से परहेज करते हैं। ISBN 978-81-237-9180-7

97. जीलानी बानो की बाल कहानियाँ

पृ. 24 ₹ 80.00

उर्दू की प्रख्यात लेखिका की सरस बाल कहानियाँ। ISBN 978-81-237-5155-9

98. जुजुराना : पक्षियों का राजा

अनिता चौहान अनु. : कुसुमलता सिंह पृ. 40 ₹ 110.00

यह पुस्तक कुफरी नेचर पार्क, शिमला, हिमाचल प्रदेश की सैर कराती है, जो हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में रहने वाले पक्षियों और स्तनपायी जानवरों का घर है। उन्हीं में से एक पक्षी है 'जुजुराना', जिसका अर्थ होता है 'पक्षियों का राजा'। इसमें रोमांचक यात्रा-वृत्तांत के साथ-साथ पक्षियों के आवास, उनके भोजन आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की गई है। ISBN 978-81-237-9819-6

99. झाँसी की रानी की कहानी

संध्या राव अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 95.00

रानी लक्ष्मीबाई के जीवन की प्रेरणादायक कहानी जो बच्चों के मन में रोमांच भर देगी।

ISBN 81-237-3145-2

100. झुलू

रमेश पत्री *अनु.* : सुनील केशव देवधर पृ. 46 ₹ 55.00

एक हाथी के देश व भाषा प्रेम की यह मार्मिक कहानी मूल रूप से ओड़िया में लिखी गई, फिर उसका मराठी में अनुवाद हुआ और अब यह इसका हिंदी अनुवाद है।

ISBN 978-812376495-5

101. झूठ का थैला

गरिमा श्रीवास्तव पृ. 72 ₹ 155.00

यूरोप का एक छोटा-सा देश है—क्रोएशिया। यहाँ की लोककथाएँ लगभग भारतीय लोक-मानस की ही तरह हैं। यह संकलन इस देश की पारंपरिक कहानियों का संकलन है।

ISBN 81-237-6382-4

102. टॉम और शरारती कौवी

तनुका भौमिक एन्डो अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 50.00

टॉम कुत्ता शरारती कौवी को सबक सिखाना चाहता था, लेकिन उसके अंडों को देखकर उसे अपना इरादा बदलना पड़ा। ISBN 978-81-237-3139-1

103. टीपू सुल्तान की कहानी

संध्या राव अनु. : मीनू गुप्ता पृ. 16 ₹ 40.00

टीपू सुल्तान के जीवन की प्रामाणिक जानकारी देती पुस्तक। ISBN 978-81-237-3144-2

104. डॉ. महेंद्रलाल सरकार

गार्गी राय अनु. : सूर्यनाथ सिंह चित्र : पार्थसेन गुप्ता पृ. 20 ₹ 60.00

इस बाल पुस्तक में डॉक्टर महेंद्रलाल सरकार का जीवन चरित्र दर्शाया गया है। वे एल.एम.एस. और एम.डी. तो थे ही, साथ ही एलोपैथ, होमियोपैथ, वैज्ञानिक, समाज सुधारक, परोपकारी, कर्मयोगी एक साथ थे। उन्होंने भारत में विज्ञान चर्चा के द्वार खोले। उनके जीवन के अनेक प्रेरक प्रसंग इस छोटी-सी पुस्तक में संकलित हैं। ISBN 978-93-574-3080-7

105. डायरी

यशपाल निर्मल पृ. 44 ₹ 75.00

डायरी-लेखन के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए यह पुस्तक लिखी गई है, जिसमें गनेश नाम का बच्चा अपनी नानी के घर अखनूर जाता है। उसके नाना जी सब बच्चों को अखनूर के प्रसिद्ध दर्शनीय स्थलों से जुड़ी रोमांचक और रहस्यमयी कहानियाँ सुनाते हैं। गनेश मुख्य बिंदुओं को डायरी में अंकित कर लेता है। ISBN 978-81-237-9887-5

106. ड्रैगन सुनामी

हेमा पांडे पृ. 72 ₹ 155.00

इस पुस्तक में जापान की 10 प्रसिद्ध लोककथाओं को बच्चों के लिए प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5423-9

107. डोबू और राजकुमार

गोविंद शर्मा पृ. 28 ₹ 75.00

'गधा भी महत्वपूर्ण है और हमें श्रम का महत्व समझना चाहिए', इस संदेश के साथ गुथी हुई रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-5913-5

108. तपस्या

सीतेश आलोक पृ. 16 ₹ 50.00

किसी भी काम को मन लगाकर करना ही तपस्या है—इसी बात को बुनी गयी एक सुंदर रचना।

ISBN 978-81-237-4919-8

109. तानसेन

अशोक दावर पृ. 40 ₹ 70.00

संगीत सम्राट तानसेन की रोचक जीवन-गाथा। चित्रों से पूर्णतया सुसज्जित।

ISBN 978-81-237-2062-3

110. तिली तितली

रमेश बक्षी पृ. 32 ₹ 60.00

तिली नामक तितली और तीतल नाम की एक बालिका की रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-0335-0

111. तीन मछलियाँ

विनीता कृष्णा पृ. 12 ₹ 120.00

बच्चों के एक विशेष वर्ग सहित सामान्य बाल पाठकों के लिए एक विशिष्ट पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3955-9

112. तेलंगाना के विशिष्ट पर्व

शेख़ अब्दुल ग़नी चित्र : सानिका देशपांडे पृ. 30 ₹ 70.00

यह पुस्तक तेलंगाना के त्योहारों, जैसे—बोनालु, बतुकम्मा, उगाडि, तीज, दंडारि आदि का संक्षिप्त परिचय प्रदान करती है। पुस्तक तेलंगाना क्षेत्र की परंपरा तथा रीति-रिवाजों से बच्चों को जोड़ने का अच्छा माध्यम है। रोचकता से परिपूर्ण यह पुस्तक मनोरंजन के साथ-साथ विशिष्ट जानकारियों को भी अपने में समेटे हुए है। ISBN 978-93-5491-276-4

113. दलदलवाली गुफा

शोभा माथुर बिजेंद्र पृ. 22 ₹ 55.00

कहानी की मूल विषय-वस्तु के केंद्र में एक ऐसा जंगल है जहाँ हाथी, भालू, हिरन, खरगोश और चिड़िया, तोता आदि सभी जानवर एवं पक्षी मिल-जुलकर रहते हैं और जंगल में आई मुसीबत का सामना मिलकर करते हैं। ISBN 978-81-237-7120-5

114. दर्द का रिश्ता व अन्य कहानियाँ

नासिरा शर्मा पृ. 20 ₹ 55.00

वरिष्ठ महिला रचनाकार द्वारा बाल मनोभाव पर लिखी एक आत्मीय कहानी, जिसमें तीन कहानियाँ विशेष तौर पर प्रस्तुत की गई हैं। ISBN 978-81-237-6198-5

115. दादी की दादी

अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन' पृ. 32 ₹ 60.00

एक चंचल, किंतु पर्यावरण प्रेमी और उदार दिल बालिका की कहानी है जो जल संरक्षण के लिए प्रयासरत है। ISBN 978-81-237-9007-7

116. दादी ने की बुनाई

उरी ओरलेव अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 40 ₹ 35.00

एक फंतासी पर आधारित यह बाल कविता अत्यंत मनोरंजक है। ISBN 978-81-237-3502-3

117. दिल्ली 100वाँ जन्मदिन मुबारक हो!

शशि शेट्ये अनु. : धीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रतिभा सिंह पृ. 16 ₹ 35.00

भारत की राजधानी 12 दिसंबर, 1911 को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित की गई थी। बीते सौ वर्षों में दिल्ली के बदलाव और विकास के बारे में छायाचित्र के माध्यम से सूक्ष्म जानकारी देते हुए वहाँ की विशिष्टताओं को रेखांकित किया गया है। ISBN 978-81-237-9219-4

118. दिविक रमेश : चुनिंदा नाटक

दिविक रमेश पृ. 64 ₹ 110.00

यह पुस्तक 10 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए पाँच प्रेरणादायी नाटकों का संग्रह है। इन नाटकों में शिक्षा के महत्व, जागरूकता, मनुष्य द्वारा प्रकृति को पहुँचाई जा रही हानि, जानवरों पर मनुष्य की क्रूरता, अंधविश्वास, पेड़-पौधों का महत्व आदि विषयों को रुचिकर ढंग से प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-9822-6

119. दो हास्य एकांकी

रवीन्द्रनाथ ठाकुर अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 28 ₹ 75.00

रोचक हास्य एकांकियाँ जो आपको कभी हतप्रभ कर देंगी तो कभी विस्मित। अनुवाद ने कथ्य को मौलिकता प्रदान की है। ISBN 978-81-237-5844-2

120. द्रोणवीर कोहली की चुनिंदा बाल कहानियाँ

द्रोणवीर कोहली चित्र : पार्थ सेनगुप्ता पृ. 56 ₹ 120.00

प्रख्यात लेखक द्वारा विभिन्न कालखंड में लिखी गई दस कहानियाों का संकलन।

ISBN 978-81-237- 8911-4

121. दुमदार कहानी

एस.सी.गेब्रियल अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 ₹ 60.00

एक चूहे की कहानी जो अपनी दुम कट जाने पर उसे दोबारा पाने के लिए आसमान सिर पर उठा लेता है। ISBN 978-81-237-1791-1

122. धारीदार बाघ का नाच

दिलीप कुमार बरुवा अनु. : बिपिन कुमार पृ. 24 ₹ 65.00

असम में परम्परा से चले आ रहे खरगोश के शिकार का सुंदर और रोचक वर्णन। बच्चे एक बार शुरू करके पूरी कहानी को पढ़कर ही छोड़ेंगे। ISBN 978-81-237-4528-1

123. धैर्य की जीत

योगन्द्रनाथ शर्मा 'अरुण' पृ. 28 ₹ 40.00

यह पुस्तक अपभ्रंश भाषा के वाल्मीकि महाकवि स्वयंभूदेव द्वारा रचित आठवीं शताब्दी की महाकाव्य कृति 'परम चरिउ' के विद्याधर कांड की 12वीं संधि के आधार पर रचित अत्यंत प्रेरक कथा है। यह बाली के धैर्य से रावण के क्रोध व अभिमान पर जीत को दर्शाती है।

ISBN 978-81-237-9573-7

124. नटखट लड़की मामू

नीहार चौधुरी अनु. : पापोरी गोस्वामी पृ. 38 ₹ 45.00

दो बहनों की कहानी, जिसमें छोटी बहन के व्यवहार में आया बदलाव देखते ही बनता है।

ISBN 978-81-237-1837-3

125. नन्हा बुबुल और परियाँ

नवनीता देव सेन पृ. 16 ₹ 25.00

यह बांग्ला कहानी एक सीधे–सादे अनाथ बच्चे की है, जिसकी देखभाल एक मादा भेड़िया करती है।

ISBN 978-81-237-5935-7

126. नन्ही मछली, माँ और नीली लहर

कुमार अनुपम चित्र : अबीरा बंद्योपाध्याय पृ. 24 ₹ 65.00

इस पुस्तक में नन्ही मछली की माँ मछली द्वारा अपनी बच्ची की देखभाल संबंधी मनोभावों को रेखांकित किया गया है। सरल शब्दों में रोचक रचना और आकर्षित करते मनोहारी चित्र।

ISBN 978-93-574-3846-9

127. नन्हे मेंढक की सैर

अमर गोस्वामी पृ. 12 ₹ 45.00

एक नन्हे मेंढक पर केंद्रित रोचक व शिक्षाप्रद कहानी। आकर्षक चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-5872-5

128. नन्हे हरे पक्षी

रीता बनर्जी अनु. : सुधीर पाण्डेय चित्र : फजरुद्दीन पृ. 48 ₹ 135.00

इस पुस्तक में नन्हे हरे पक्षी यानी 'तोता' के बारे में जानकारी दी गई है। ये पक्षी टिड्डियों के डर से अपना स्थान छोड़कर दूर देश के लिए उड़ान भरते हैं। वहाँ रास्ते में उनके साथ क्या-क्या समस्याएँ आईं, उनसे वे कैसे बाहर आए, ये सब बताया गया है।

ISBN 978-93-574-3163-7

129. नन्हे हाथी की दावत

मीनाक्षी और तन्मय भारत अनु. : शिवम सिंह पृ. 20 ₹ 55.00

जंगल के जानवरों के बीच होने वाले तनाव से परेशान हाथी सभी को एकजुट करने के लिए पार्टी देता है।

ISBN 978-81-237-9176-0

130. नदी किनारे वाली चिड़िया

विनायक पृ. 80 ₹ 175.00

जंगल में सभी जानवरों का अस्तित्व एक-दूसरे पर निर्भर है, चाहे वह शेर हो, मगरमच्छ या फिर छोटी-सी चिड़िया। यही संदेश देता बच्चों के लिए एक भावुक उपन्यास।

ISBN 978-81-237-5723-0

131. नहीं रहे दादी-नानी के दिन

देबाशीष मजूमदार अनु. : हरिओम कुमार पृ. 16 ₹ 50.00

एक नानी की कहानी, जो मजे करने का निर्णय लेती है, लेकिन वह जहाँ भी जाती है, परेशान हो जाती है। अंत में भूख और थकान के कारण सो जाती है। कहानी काव्यात्मक रूप में है।

ISBN 978-81-237-9177-7

132. नानी की सीख

देबाशीष मजुमदार अनु. : प्रियंका द्विवेदी पृ. 16 ₹ 50.00

यह कहानी बताती है कि किस तरह नानी शांतिपूर्ण तरीके से मौसेरी बहनों को एक-दूसरे की तारीफ करना सिखाती हैं। ISBN 978-81-237-9175-3

133. नीम बाबा

ए. आई. फारूकी पृ. 24 ₹ 65.00

नीम के वृक्ष के बारे में पूर्ण जानकारी। बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत।

ISBN 978-81-237-5371-3

134. नैने-चूचू

प्रीता व्यास पृ. 112 ₹ 235.00

इस पुस्तक में इंडोनेशिया के जावा, सुमात्रा, बाली, मदुरा, तापानुली आदि द्वीपों की पारंपरिक लोककथाओं को बड़े ही मनोरजंक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-6505-1

135. नोना और बारिश

प्रिया नागराजन अनु. : कमाल अहमद पृ. 24 ₹ 65.00

सूरज और वर्षा की जरूरत को बताती प्रेरणास्पद कहानी। ISBN 978-81-237-5507-6

136. प्यारा दोस्त

दीपक कुमार कलिता अनु. : सूर्यनाथ सिंह पृ. 28 ₹ 75.00

दोस्ती की मिसाल दर्शाती सुन्दर और मार्मिक कहानी। ISBN 978-81-237-5098-9

137. प्यारे भाई रामसहाय

स्वयं प्रकाश पृ. 52 ₹ 115.00

इस पुस्तक में हिंदी के जाने-माने लेखक स्वयं प्रकाश ने अपने बचपन की यादों को एक काल्पनिक मित्र रामसहाय को लिखे पत्रों में संजोया है। ISBN 812376578-9

138. पंडित रविशंकर

शिवेंद्र कुमार सिंह पृ. 28 ₹ 70.00

यह पुस्तक भारत रत्न पंडित रविशंकर के संघर्ष और संगीत-साधना पर आधारित है, जो संगीत क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को दर्शाती है। ISBN 978-81-237-9743-4

139. पक्की दोस्ती

ऐंद्रीला मित्रा अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 65.00

दोस्ती की एक मिसाल के बारे में बच्चों के लिए सुन्दर पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4242-8

140. पगला आम

आ. ना. पेडणेकर अनु. : शरयु आ. पेडणेकर पृ. 32 ₹ 60.00

एक ही स्थान पर खड़े अलसा रहे आम के पौधे की मनोरंजक कहानी जो यह देखना चाहता है कि दुनिया कैसी है। इंद्रधनुषी चित्रों सहित। ISBN 978-81-237-1802-6

141. पप्पू की परेशानी

शशीप्रभा दास अनु. : पापोरी गोस्वामी पृ. 48 ₹ 55.00

इस पुस्तक में ध्वनि-प्रदूषण से परेशान पप्पू की व्यथा-कथा कही गई है।

ISBN 978-81-237-3140-X

142. परियों का खेल

स्वप्ना दत्ता अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 26 ₹ 65.00

सूर्य की परियों का अजीब खेल। खेल ही खेल में वे कैसे मुसीबत में पड़ीं, इसकी रोचक कथा है इस लोककथा सरीखी सुंदर कहानी में। अति सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-0581-6

143. पहले जैसी हँसी

कुसुमलता सिंह चित्र : सुबीर रॉय पृ. 24 ₹ 80.00

इस पुस्तक में दर्शाया गया है कि जब गौरांग छुट्टियों में हॉस्टल से वापस घर आया तो उसे दादा जी के निधन का समाचार मिला। दादी जी भी गुमसुम थीं। दुखी थीं। बहुत प्रयास के बाद भी वह खुश नहीं दिखीं। आखिर, ऐसा क्या होता है कि दादी जी पहले जैसी हँसी हँस पड़ीं।

ISBN 978-93-574-3094-4

144. पहाड़ों का संगीत

रंजीता विश्वास अनु. : धनंजय चोपड़ा पृ. 24 ₹ 80.00

अंग्रेजी से हिंदी भाषा में अनूदित इस बाल-उपन्यास की रोमांचक कहानी बच्चों को बायो-पायरेसी और इससे पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव से बखूबी परिचित कराती है।

ISBN 978-81-237-9820-2

145. पहाड़ों की यात्रा

स्वप्ना दत्ता अनु. : धीरेंद्र प्रताप सिंह चित्र : रत्नाकर सिंह पृ. 48 ₹ 135.00

इस पुस्तक में एक परिवार की पहाड़ों पर हुई यात्रा के बारे में बताया गया है। पहाड़ों से निकलने वाली नदियाँ, वहाँ के पशु-पक्षी और पहाड़ों के वातावरण की जानकारी दी गई है।

ISBN 978-93-574-3170-5

146. पक्षियों का कवि सम्मेलन

बाबूराम पालीवाल पृ. 36 ₹ 85.00

इस पुस्तक में तीन बाल नाटक हैं, जिनमें कविताएँ भी हैं। इन सभी नाटकों का मंचन किया जा सकता है।

ISBN 978-81-237-5814-5

147. पानी-पानी कितना पानी

हेमन्त कुमार पृ. 64 ₹ 105.00

प्राकृतिक धरोहर के दुरुपयोग और मानसिक रूप से अक्षम बच्चों के साथ अच्छे व्यवहार पर ध्यान केंद्रित कराती यह नाट्य पुस्तक चिंतन के बिंदु छोड़ जाती है।

ISBN 978-81-237-9302-3

148. पापा

ब्रतिन दे अनु. : पापिया हालदार चित्र : देवब्रत घोष पृ. 22 ₹ 70.00

इस पुस्तक में पापा के बारे में बताया गया है। पापा कैसे बचपन में काम पर जाकर, रुपये कमाकर घर चलाते थे, कैसे सबकी जरूरतों को पूरा करते थे। कैसे उन्होंने चलना सिखाया,

कैसे जीना सिखाया। बाद में जब पापा के बुजुर्ग होने पर वह कैसे उनके काम आता है, क्या जिम्मेदारियाँ और क्या कर्तव्य होते हैं पिता-पुत्र के, पुस्तक में सुंदर चित्रों के साथ बखूबी समझाया गया है। ISBN 978-93-574-3111-8

149. पुंटी की शादी

दीपान्विता रॉय अनु. : आदित्य जायसवाल पृ. 20 ₹ 70.00

एक तालाब और दो मछलियों की शादी की एक संवेदनशील कहानी, जिसमें पूरे प्रकरण में जीवन के वे मुद्दे सामने आते हैं जो सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने पर बल देते हैं। अंत में, इस संकट से निकलने में बच्चों का योगदान सराहनीय है। ISBN 978-81-237-9185-2

150. पूड़ियों की गठरी

कृष्ण कुमार पृ. 32 ₹ 80.00

यह कहानी सन साठ के आसपास की है और एक छोटे से कस्बे के लड़कियों के स्कूल की है। स्कूल में खटारा खड़ी बस की मरम्मत से लेकर उस पर पिकनिक जाने तक का एक रोमांच इस कहानी में पिरोया गया है। ISBN 978-81-237-6936-3

151. पेड़ चोरों का रहस्य

कल्पना कुलश्रेष्ठ चित्र : फजरूद्दीन पृ. 96 ₹ 90.00

इस उपन्यास में विज्ञान कथा के माध्यम से बच्चों को ज्ञानवर्द्धक बातें बताई गई हैं। रोचक प्रसंगों के द्वारा घटनाक्रम को आगे बढ़ाया गया है। कहानी में रोचकता तब आती है जब दिल्ली के संरक्षित वन क्षेत्र से पैंसठ विशाल पेड़ गायब हो जाते हैं। उन पेड़ों को जड़ समेत मिट्टी से उखाड़ लिया गया था। मिट्टी के अंदर सिर्फ उनकी जड़ों के निशान दिखाई दे रहे थे। यह उपन्यास बच्चों में पढ़ने की उत्सुकता जगाता है। ISBN 978-93-5491238-2

152. प्रकाश मनु की चुनिंदा कहानियाँ

प्रकाश मनु पृ. 68 ₹ 135.00

प्रकाश मनु की विभिन्न रूप-रंग, भाव-भंगिमा की दस रोचक एवं मनभावन प्रतिनिधि कहानियों का संग्रह, जिसे बच्चे बड़े चाव से पढ़ना पसंद करेंगे। ISBN 978-81-237-7315-5

153. प्रेमचंद : चित्रात्मक जीवनी

कमल किशोर गोयनका पृ. 64 ₹ 65.00

पुस्तक में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद की चित्रात्मक जीवनी प्रस्तुत की गई है। इसमें उनके बचपन से लेकर बड़े होने, लेखक बनने और आखिर में परलोकगमन तक की यात्रा का वर्णन है। इसमें प्रेमचंद के जीवन से जुड़े दुर्लभ चित्र, उनकी पुस्तकों के मूल आवरण पृष्ठ, समाचार-पत्रों में प्रकाशित लेख आदि संकलित हैं। ISBN 978-81-237-9574-4

154. फिर क्या हुआ

ज्ञानेश्वर अनु. : पद्मा सचदेव पृ. 52 ₹ 115.00

इस कहानी में मुख्य पात्र बंदर और मनुष्य दोनों हैं। पर्यावरण को हो चुकी क्षति की भरपाई कर उसे मूल रूप में लौटा लाने का संदेश देती पुस्तक। अत्यंत रोचक।

ISBN 978-81-237-5042-2

155. बढ़ते हुए कान

नीलम सक्सेना चंद्र अनु. : जनार्दन चित्र : नीता गंगोपाध्याय पृ. 16 ₹ 50.00

रिमी खरगोश बहुत प्यारी थी। लेकिन वह झूठ बोलने लगी थी। एक दिन ऐसा क्या हुआ कि हर झूठ पर उसके कान एक इंच बढ़ने लगे। वह बहुत शर्मिंदा हुई। बाद में उसने सुधार किया और हर अच्छे काम पर उसके कान एक इंच छोटे होने लगे। अंत में वह सामान्य कैसे हुई?

ISBN 978-93-574-3169-9

156. बन-बन गैंडे की कहानी

*शक्तिरूपा पराशर*अनु. : राघव आलोक, तारानंद वियोगी पृ. 40 ₹ 95.00

पूर्वोत्तर की पृष्ठभूमि। बाढ़ में बहकर आया एक नन्हा गैंडा। एक मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237-4857-3

157. बच्चों के लिए सदाबहार कहानियाँ

सावित्री पांडिय पृ. 52 ₹ 115.00

इस संकलन में कुल छह ऐसी कहानियाँ हैं जो रहस्य, रोमांच, मनोरंजन से भरी हैं—इनमें पुरानी कहानियों की तरह भूत-प्रेत भी हैं तो नए जमाने के वैज्ञानिक कारनामे भी।

ISBN 978-81-237-5912-8

158. बदलू और उसकी मित्र मंडली

नासिरा शर्मा चित्र : शिराज हुसैन पृ. 60 ₹ 135.00

यह पुस्तक एक बच्चे और उसके मित्रों द्वारा जल के संरक्षण के बारे में बताती है। इसके अलावा, कई सामाजिक मुद्दों पर भी अपने विचार प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-93-5491-260-3

159. बबलू की वीरता

निर्भय कुमार पृ. 16 ₹ 50.00

छोटे बच्चों के लिए यह एक प्रेरक कथा है कि कैसे नन्हे बालक ने मोबाइल का प्रयोग कर एक बड़ी दुर्घटना होने से बचा लिया।

ISBN 978-81-237-7781-8

160. बबूल का भूत

गुरदयाल सिंह पृ. 32 ₹ 80.00

पंजाबी के सुप्रसिद्ध लेखक द्वारा अपने बचपन की एक शरारत का रोचक वर्णन—कहानी के रूप में।

ISBN 978-81-237-5370-6

161. बरफ का देश अंटार्कटिका

शमसुल इस्लाम फारूकी (अलीग) अनु. : खावर हसन पृ. 56 ₹ 60.00

इस अनूदित पुस्तक में बरफ के 'देश' अंटार्कटिका जाने वाली 11वीं टीम के सदस्य आरिफ की रोमांचक यात्रा का वर्णन है। भारत सरकार की ओर से जो सदस्य अंटार्कटिका जाते हैं, उन्हें किस प्रक्रिया व स्तरों से गुजरना पड़ता है, वहाँ की महत्वपूर्ण यात्राएँ, वहाँ भारतीयों के कदम, वहाँ के जीव-जंतु व अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ इस पुस्तक में सरल और रोचक भाषा में दी गई हैं।

ISBN 978-81-237-9952-0

162. बरसात कब होगी

कामाक्षी बालसुब्रह्मण्यन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 24 ₹ 65.00

बरसात न होने पर किसान के मन में होने वाली उथल-पुथल की रोचक कहानी, रंगीन चित्रों सहित। ISBN 978-81-237-2325-3

163. बिरजू की मुसीबत

सोमा कौशिक पृ. 20 ₹ 55.00

बातों को भूल जाने वाले एक लड़के के बार-बार मुसीबत में पड़ने की मनोरंजक कहानी। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-4484-6

164. बिरजू और उड़ने वाला घोड़ा

दीपा अग्रवाल अनु. : मोहिनी राव पृ. 16 ₹ 60.00

लोककथा की शैली में लिखी गई एक रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-2641-4

165. बिल्ली मौसी का परिवार

मनोहर दास चतुर्वेदी पृ. 64 ₹ 45.00

प्रस्तुत पुस्तक में बाघ, शेर, सिंह, गुलदार, तेंदुआ, चीता आदि जानवरों के बारे में रोचक और सचित्र जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-2834-6

166. बिस्मिल्लाह खाँ

शिवेंद्र कुमार सिंह पृ. 32 ₹ 80.00

भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति की फिजा में शहनाई के मधुर स्वर घोलने वाले भारत रत्न बिस्मिल्लाह खाँ की जन्मस्थली और कर्मस्थली बनारस थी। यह पुस्तक उनकी संगीत के प्रति लगन और श्रद्धा को दर्शाती है और उनकी जीवन-यात्रा से रू-ब-रू कराती है। ISBN 978-81-237-9721-2

167. बुक्का ने पाठ सीखा

दीपान्विता अनु. : प्रवीण शेखर पृ. 20 ₹ 60.00

बुक्का एक हाथी होता है, जो बड़े हाथियों की सीखने वाली बातों पर ध्यान नहीं देता था। एक दिन आखिर ऐसा क्या हुआ कि उसे सबक मिल गया। ISBN 978-93-574-3166-8

168. बुद्धिमान कछुआ

बरकी इकबाल अहमद अनु. : एस.ए. रहमान पृ. 24 ₹ 65.00

एक कछुए के संघर्ष की कहानी अंत में उसे दुष्ट बिल्ली से छुटकारा मिल ही गया।

ISBN 978-81-237-5193-1

169. बुलबुल और मुन्नू

क्षमा शर्मा पृ. 28 ₹ 75.00

क्षमा शर्मा की दो शिक्षाप्रद कहानियों का संकलन। आकर्षक चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-5701-8

170. बूँद

रामेंद्र कुमार अनु. : डॉ. आरती स्मित पृ. 24 ₹ 80.00

यह कहानी पानी और उसकी महत्ता के संबंध में है। यह हमें बताती है कि कैसे हमारी लापरवाही के कारण जल के स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और हम जब तक इस वास्तविकता को नहीं समझेंगे, कुछ भी नहीं बदलेगा। ISBN 978-81-237-6864-9

171. बूढ़ा घड़ियाल

पुष्पा सिंह 'विसेन' पृ. 16 ₹ 55.00

मगरमच्छ जलीय प्राणी होकर भी जल में नहीं रहते बल्कि जल के बाहर रेत पर रहते हैं। आखिर क्यों? इसी रहस्य से परदा उठाती एक रोचक चित्रमय कहानी। ISBN 978-81-237-6795-6

172. बेबी का एक दिन

ओम प्रकाश कश्यप चित्र : मौसम अरोड़ा पृ. 32 ₹ 65.00

यह एक छोटे-से बच्चे के एक दिन का लेखा-जोखा है जिसमें उसकी बालसुलभ हरकतें, जिज्ञासाएँ, सवाल-जवाब आदि शामिल हैं। ISBN 978-81-237- 8071-9

173. बोलने वाली घड़ी

क्षमा शर्मा पृ. 16 ₹ 50.00

नन्हा अंतरिक्ष उपहार में मिली बोलने वाली घड़ी से सारे दिन खेलता, इससे उसके अन्य खिलौने नाराज हो गए। फिर सभी खिलौने भी घड़ी के दोस्त बन गए। ISBN 978-81-237-6697-3

174. भक्त सालबेगा

रबीन्द्र नाथ साहू अनु. : सचिन मेहरोत्रा पृ. 16 ₹ 50.00

यह कहानी एक मुगल बादशाह औरंगजेब की सेना के एक सिपाही की है जो भगवान जगन्नाथ का भक्त बन जाता है और भक्त सालबेगा के नाम से जाना जाता है। ISBN 978-81-237-9204-0

175. भाग सनी भाग

जयंती रंगनाथन पृ. 16 ₹ 50.00

यह कहानी एक ऐसे चूहे की है जिसने बाहर की दुनिया नहीं देखी। उसे सिर्फ यह पता होता है कि बाहर उसके दुश्मन रहते हैं। अनजाने में वह अपनी दुश्मन बिल्ली को ही अपना दोस्त समझता है। ISBN 978-81-237-9014-5

176. भीमसेन जोशी

शिवेन्द्र सिंह पृ. 28 ₹ 75.00

शास्त्रीय गायक भारत रत्न पंडित भीमसेन जोशी के संपूर्ण जीवनचरित और संगीत प्रेम को दर्शाती एक पुस्तक। ISBN 978-81-237-9290-3

177. भूतू

रातुल शर्मा अनु. : किशन कालजयी पृ. 40 ₹ 95.00

बंदर के एक छोटे से बच्चे की मार्मिक कहानी। बंदर के बच्चे को एक लड़का पाल लेता है। आगे का घटनाचक्र अत्यंत रोचक है। चित्रांकन भी अति सुंदर। ISBN 978-81-237-4540-4

178. भोंदू और भोलू

चंद्रकिरण सोनरेक्सा पृ. 28 ₹ 75.00

शिक्षा के महत्व को चुपके से दर्शाती एक सुंदर कहानी। ISBN 978-81-237-5112-2

179. मंगू का लट्टू

कामाक्षी बालसुब्रह्मण्यन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 24 ₹ 60.00

गरीब बच्चे मंगू ने किस प्रकार एक लट्टू बनाकर तथा रंगकर अपने लिए खिलौना तैयार किया, इसकी रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-0415-1

180. मंजिनी कैसे बना जादूगर

रीता दत्ता गुप्ता अनु. : सचिन मेहरोत्रा चित्र : तापस गुहा पृ. 64 ₹ 45.00

यह पुस्तक पाँच अफ्रीकी कहानियों का संग्रह है। टेम्बो हाथी को कैसे मिला नया घर, एक रात की कहानी, सूर्य की घाटी, मंजिनी कैसे बना जादूगर, चिम्बवी कैसे बना घाटी का हीरो–कहानियाँ रोचक हैं। मंजिनी को जादू किसने सिखाया, यह भी सुंदर तरीके से बताया गया है। एक छोटी और प्यारी पुस्तक। ISBN 978-93-5743-167-5

181. महके सारी गली-गली

निरंकार देव सेवक, कृष्ण कुमार (संपा.) पृ. 64 ₹ 75.00

बीसवीं सदी की श्रेष्ठ हिंदी बाल-कविताओं का संकलन। ISBN 978-81-237-1732-6

182. मत्स्या

शांता रामेश्वर राव अनु. : रमेश बक्षी पृ. 16 ₹ 60.00

एक नन्ही-सी मछली मत्स्या की सचित्र रंगारंग कहानी जो बाद में विराट मत्स्या बनकर मानव जाति की रक्षा करती है। ISBN 81-237-0353-4

183. माँ की महक और अन्य कहानियाँ

विनायक चित्र : अरूप गुप्ता पृ. 52 ₹ 90.00

प्रस्तुत पुस्तक में 'माँ की महक' समेत कुल पाँच कहानियाँ समाहित हैं। ये हैं–*सियारू, माँ की महक, कोई बात तो है, किस्सा एक आईने का* और *आदमी की खोज* हैं। सुंदर चित्र, मनोहारी साज-सज्जा। ISBN 978-93-574-3667-0

184. माँ के समान कौन

केंगसम केंगलम पृ. 32 ₹ 80.00

पूर्वोत्तर की इस लोककथा में माँ के प्यार का गुणगान किया गया है।

ISBN 978-81-237-4809-2

185. मिनी की अटलांटिक महासागर यात्रा

हरमिंदर ओहरी अनु. : जनार्दन पृ. 16 ₹ 50.00

इस पुस्तक में मिनी नामक दरियाई घोड़े की अटलांटिक महासागर यात्रा का वर्णन कहानी-रूप में है। किसी महासागर के भीतर का जीवन कैसा होता है, इसका बड़ा ही मनोरम दृश्य रोचक कहानी और सुंदर चित्रों के माध्यम से इस पुस्तक में प्रस्तुत है। ISBN 978-81-237-9821-9

186. मिलकर खेलें

जसविंदर कौर बिंदरा पृ. 20 ₹ 55.00

प्रस्तुत कहानी की मूल विषय-वस्तु बच्चों में आपसी प्यार और एक-दूसरे के साथ मिल-बाँटकर खेलने की भावना को बढ़ाने पर जोर देती है। ISBN 81-237-7733-7

187. मिश्री मौसी का मटका

सुधा भार्गव चित्र : अरूप गुप्ता पृ. 76 ₹ 65.00

प्रस्तुत पुस्तक कहानियों का एक गुलदस्ता है जिसमें एक कहानी दूसरी कहानी के साथ तारतम्यता के साथ जुड़ी हुई है। कहानियों के माध्यम से सामाजिक बुराइयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ISBN 978-93-5491-241-2

188. मीता और उसके जादुई जूते

बी.जी.गुज्जरप्पा अनु. : रमेश बक्षी पृ. 16 ₹ 50.00

नन्हे बच्चों के कल्पनाशील संसार की रोचक कहानी, इंद्रधनुषी रंगीन चित्रांकन के साथ।

ISBN 978-81-237-0426-7

189. मुग्गी की दुनिया

रश्मि चौधरी पृ. 16 ₹ 50.00

मुग्गी जब गाँव से शहर आती है तो उसे वहाँ के स्कूल, घर, दोस्त कुछ भी अच्छा नहीं लगता। फिर उसे चिड़ियाघर घुमाने ले जाते हैं और उसका मन प्रसन्न हो जाता है।

ISBN 978-81-37-7651-4

190. मुर्गा और मुर्गी की व्यथा

लक्ष्मी नारायण गर्ग

अनु. : आशुतोष गर्ग चित्र : विकी आर्य पृ. 20 ₹ 70.00

यह बाल उपन्यास है, जिसमें मुर्गा और मुर्गी के बातचीत से वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मनुष्य के बदलते व्यवहार को उजागर किया गया है। दस से 12 वर्ष के बच्चों के लिए यह पुस्तक बताती है कि सुबह अपनी बाँग देकर सबको जगाने वाला अपनी दयनीय दशा को कैसे एक-दूसरे से साझा करता है। ISBN 978-935-491-562-8

191. मुझे घर जाना है

सर्वेंद्र विक्रम चित्र : इरशाद कप्तान पृ. 20 ₹ 65.00

शहरी जीवन में अकेलेपन के कारण बुजुर्गों में तमाम तरह की बीमारियाँ पैदा होती हैं। इनमें से एक है–डिमेंशिया। यह पुस्तक, बच्चों को सरल भाषा में, बुजुर्गों में सामान्यतः पाई जाने वाली इस बीमारी के कारण और निवारण, दोनों को समझाने का प्रयास है। ISBN 978-93-5491-223-8

192. मुखौटा : दूसरा चेहरा

भारती देबी, अंशु प्रकाश नंदन अनु. : दीना नाथ मौर्य पृ. 36 ₹ 105.00

मुखौटा भेष का एक रूप है। किसी व्यक्ति की पहचान बदलने के लिए इसे पहना जाता है। मुखौटे की संरचना के अनुसार किसी दूसरे व्यक्ति की पहचान तैयार होती है। प्राचीन काल से ही धार्मिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन के प्रयोजनों के लिए इसका उपयोग किया जाता रहा है। यह दिलचस्प पुस्तक भारत के विभिन्न राज्यों में उपयोग किए जाने वाले भाँति-भाँति के मुखौटों को एक साथ लाती है। इनके सुंदर चित्र भी इसमें सँजोये गए हैं।

ISBN 978-93-574-3161-3

193. मुत्थू के सपने

कामाक्षी बालसुब्रह्मण्यन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 ₹ 65.00

मुत्थू द्वारा देखे गए सपने शिक्षा द्वारा किस प्रकार सच हो सकते हैं, इसकी सचित्र कहानी।

ISBN 978-81-237-0416-X

194. मुनिया ने पाया सोना

जगदीश जोशी पृ. 10 ₹ 100.00

एक नन्ही चिड़िया के द्वारा चेरी का पौधा उगाने की मनोरम कहानी। सरल भाषा। रंगीन चित्र।

ISBN 978-81-237-2327-3

195. मेले में छुटकी

रेनू चौहान चित्र : वसुंधरा अरोड़ा पृ. 40 ₹ 120.00

नेहा मेले में जाने के लिए तैयार होती है, तो छुटकी भी उसके साथ जाने को जिद करती है। नेहा के मना करने पर भी वह नहीं मानती है। अंत में नेहा उसे कपड़ों में छिपाकर मेले में ले जाती है। मेले में उसके साथ झूले पर बैठा लड़का डर जाता है। आखिर कौन थी छुटकी? सुंदर चित्रों में सजी किताब में बताया गया है। ISBN 978-93-574-3529-1

196. मैं तुमसे अच्छा हूँ

सिगरुन श्रीवास्तव पृ. 24 ₹ 50.00

छोटे भाई-बहन की प्यार भरी नोंक-झोंक की कहानी। ISBN 978-81-237-0944-4

197. मैडम बिलू

मनोरमा जफ़ा पृ. 10 ₹ 65.00

बच्चों के लिए एक विशेष वर्ग सहित सामान्य बाल पाठकों के लिए एक विशिष्ट पुस्तक। ISBN 978-81-237-3891-8

198. मोर की पूँछ पर आँखें

वायु नायडू अनु. : इरीना गर्ग पृ. 24 ₹ 65.00

राजस्थान की एक बालोपयोगी लोककथा। अति सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-4316-5

199. मोर पंख

गिरिजा कुलश्रेष्ठ पृ. 16 ₹ 50.00

अपने प्यारे बछड़े के लिए मोर पंख की तलाश में निकले विशाल को जब ढेर सारे 'चंद्रक' मिल गए तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मोर पंख के प्रति बाल सुलभ आकर्षण को बयाँ करती कहानी। ISBN 978-81-237-6205-0

200. मोरा

मुल्कराज आनंद अनु. : सविता जाजोदिया पृ. 40 ₹ 70.00

एक नटखट हाथी के बच्चे मोरा की कहानी जो कई बार कठिनाइयों में पड़ा, लेकिन उसने तब भी हिम्मत नहीं हारी। ISBN 978-81-237-0365-1

201. मोहिनी और भस्मासुर

शांता रामेश्वर राव अनु. : रमेश बक्षी पृ. 32 ₹ 65.00

भस्मासुर राक्षस के आतंक से गाँव के लोगों को मोहिनी नामक बालिका ने अपनी सूझ-बूझ से किस तरह मुक्ति दिलाई, इसके बारे में रोचक कहानी। ISBN 978-81-237-0406-2

202. यह कालीबंगा है

गोविंद शर्मा चित्र : अबीरा बंद्योपाध्याय पृ. 24 ₹ 65.00

पुस्तक महत्वपूर्ण हड़प्पाकालीन पुरातात्विक स्थल कालीबंगा से बच्चों का परिचय कराती है। इस स्थल की स्थिति, समय, मृद्भांड, शिल्प और वास्तुकला को प्रदर्शित करती यह पुस्तक बच्चों के लिए प्राचीन इतिहास को समझने हेतु लाभकारी है। ISBN 978-93-5491-246-7

203. रंगपंचमी

मीनाक्षी स्वामी चित्र : इरशाद कप्तान पृ. 20 ₹ 60.00

रंगपंचमी होली के बाद पाँचवें दिन मनाया जाने वाला त्योहार है। रंगों के उत्सव को 'गेर' रूप

में मनाया जाता है। यह त्योहार कहाँ और कैसे मनाया जाता है, इसकी जानकारी मिलती है।
ISBN978-93-574-3095-1

204. रंगीली, टिक्की और गुल्लू

रेनू सैनी पृ. 24 ₹65.00

एक तितली, एक बच्ची और गुलाब के फूल की कहानी। गुलाब तोड़ने समय बच्ची के हाथ में काँटा चुभ जाने पर गुलाब की व्यथा का मार्मिक चित्रण। ISBN 978-81-237-9510-2

205. रहमान चाचा

प्रकाश मनु पृ. 28 ₹ 70.00

वरिष्ठ लेखक की बच्चों के लिए लिखी गई एक प्यारी पुस्तक, जिसे बच्चे पढ़ना चाहेंगे।
ISBN 978-81-237-6481-8

206. राजा जो कंचे खेलता था

एच.सी. मदन अनु. : दिव्या शुक्ला पृ. 30 ₹ 60.00

कंचे खेलने के शौकीन नन्हे-से लड़के की कहानी जिसे पिता के देहांत के बाद राजा बना दिया जाता है। इस कहानी में बड़ों का बालपन में लौटना भी रोचक ढंग से दिखाया गया है।
ISBN 978-81-237-2237-5

207. राजू और जिमी

बंदिता फुकन अनु. : हरिओम कुमार चित्र : दुर्लभ भट्टाचार्य पृ. 40 ₹ 55.00

यह कहानी राजू नामक एक बालक और जिमी कुत्ते की है। कैसे राजू के शिवसागर जाने पर दादा जी और दादी जी उसे मदन काका को सौंप देते हैं और लौटने पर राजू बहुत दुखी होता है, लेकिन जिमी मदन काका के घर से कैसे आ जाता है, यह मानव और जानवर की एक बेहद रोचक और संवेदनशील कहानी है। ISBN978-93-574-3107-1

208. राणा हारा नहीं

किरण तामुली अनु. : उदिता जैन पृ. 32 ₹ 80.00

पोलियो के शिकार एक लड़के की हिम्मत की कहानी जो कठिन परिस्थितियों में से गुजरते हुए एक बढ़िया क्रिकेट खिलाड़ी बनता है। मूल असमिया। ISBN 978-81-237-4571-8

209. राष्ट्रपति का बाल वीरता पुरस्कार

परवेज शहरयार पृ. 24 ₹ 65.00

यह पुस्तक एक ऐसे बहादुर बच्चे की कहानी है जिसने जान पर खेलकर ड्रग पेडलर्स को पकड़वा दिया। उसके इस बहादुरीपूर्ण कार्य के लिए उसे राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से नवाजा गया।
ISBN 978-81-237-9951-3

210. राहुल के सपनों का बल्ला

केन स्पीलमेन चित्र : सुविधा मिस्त्री अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 16 ₹ 70.00

क्रिकेट में लगातार शून्य पर आउट होने वाले राहुल को एक सपने ने कैसे आत्मविश्वास प्रदान किया और वह जमकर रन बनाने लगा? यह रोचक कहानी इसी पर है। ISBN978-81-237- 7989-5

211. रिंटू और उसका कंपास

अभिजीत सेनगुप्ता अनु. : रमाशंकर सिंह पृ. 20 ₹50.00

यह एक बच्चे रिंटू की कहानी है जिसके जन्मदिन पर उसके पिता एक कंपास देते हैं और वह

उसका उपयोग कैसे करता है, इसे इस कहानी में दर्शाया गया है। ISBN 978-81-237-9178-4

212. रूपा हाथी

मिकी पटेल पृ. 32 ₹ 65.00

चिड़ियाघर के रूपा हाथी की रंगबिरंगी सचित्र कहानी, जो एक बार रंगबिरंगा हो गया था।

ISBN 978-81-237-0339-8

213. लू लू की सनक

दिविक रमेश पृ. 52 ₹ 85.00

वरिष्ठ बाल साहित्यकार की यह पुस्तक बाल मनोविज्ञान को समझाने का एक सार्थक प्रयास है। निःसंदेह पुस्तक उन सभी अभिभावकों के लिए भी, जो आए दिन बच्चों की शरारतों से दो-चार होते हैं। ISBN 978-81-237-7316-2

214. लाल पतंग

गीता धर्मराजन अनु. : रमेश बक्षी पृ. 24 ₹ 50.00

बादलों के साथ हवा में उड़ती रंगबिरंगी पतंगों की मजेदार कहानी। ISBN 978-81-237-0386-2

215. लाल परी

रंजना फतेपुरकर पृ. 24 ₹ 65.00

संस्कार नाम के बालक को केंद्र में रखकर लिखी गई इस कहानी में पर्यावरण को बचाने का संदेश है। किसी पौधे के पत्ते या फूल या टहनी को बेवजह तोड़ना सही नहीं है। प्रेरक कहानी।

ISBN 978-81-237-6904-2

216. लाली और काली

विनीता कृष्णा पृ. 12 ₹ 135.00

बच्चों के लिए मनोरंजन-प्रधान एक पुस्तक। ISBN 81-237-3954-0

217. लेटर बॉक्स ने पढ़ी चिट्ठियाँ

मोहम्मद साहिद खान चित्र : इरशाद कप्तान पृ. 24 ₹ 65.00

यह पुस्तक आधुनिकता में खत्म होते चिट्ठियों के दौर पर प्रकाश डालती है। यह कहानी उपेक्षित लेटर बॉक्स की है। चिट्ठियों के वितरण न होने के कारण सभी को अपनी सेवाएँ देने वाला लेटर बॉक्स मायूस हो जाता है और चिट्ठियाँ स्वयं ही पढ़ता है। ISBN 978-93-5491-447-8

218. लौट आया चंपू

आनंद पाटील अनु. : तिप्पेस्वामी पृ. 40 ₹ 95.00

नन्हे से पिल्ले और एक लड़की के आपसी स्नेह की मार्मिक कहानी। ISBN 978-81-237-4753-8

219. विष्णु प्रभाकर की चुनिंदा बाल कहानियाँ

विष्णु प्रभाकर चित्र : पार्थ सेनगुप्ता पृ. 68 ₹ 90.00

प्रख्यात लेखक विष्णु प्रभाकर द्वारा अपनी सृजन-यात्रा के अलग-अलग दशकों में लिखी गई बाल कहानियों का संकलन, जिन्हें रंगीन चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237- 7952-2

220. शहीद अब्दुल हमीद

सैयद एहसान अली पृ. 32 ₹ 85.00

सन् 1965 में पाकिस्तान द्वारा भारत पर किए गए हमले के दौरान युद्ध में अदम्य साहस और

पराक्रम का परिचय देने वाले शहीद अब्दुल हमीद को मरणोपरांत सेना के सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र से अलंकृत किया गया था। यह पुस्तक अब्दुल हमीद की जीवनी से पाठकों को परिचित करवाती है। ISBN 978-81-237-6235-7

221. शीबु भेड़

नीतू शर्मा अनु. : दीनानाथ मौर्य पृ. 12 ₹ 45.00

एक भेड़ की कहानी है जिसकी गले की घंटी खो जाती है। अँधेरे में जुगनू उसकी घंटी ढूँढ़ने में मदद करती हैं। अंत में, जुगनुओं के संबंध में कुछ तथ्यात्मक जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-9207-1

222. संकट साँप का

रस्किन बॉन्ड अनु. : मोहिनी राव पृ. 32 ₹ 40.00

अजगर को पालने से उपजे हास्य और रोमांच पर आधारित एक रोचक कहानी। सुंदर चित्रों सहित। ISBN 978-81-237-0179-0

223. सच्ची मित्रता

बलदेव सिंह बद्दन पृ. 16 ₹ 50.00

एक गिलहरी और चिड़िया की आपसी मित्रता की करुण और मार्मिक गाथा। छोटे प्राणियों में भी संवेदना होती है और हमें उसकी कद्र करनी चाहिए। ISBN 978- 81-237-6756-7

224. सफेद घोड़ा

अमरेन्द्र चक्रवर्ती अनु. : प्रयाग शुक्ल पृ. 28 ₹ 100.00

'लोककथा' शैली में लिखी गई इस कहानी का नायक अनेक मुसीबतों के बाद आखिर अपने देश लौटता है, और वह भी पूरे सम्मान के साथ। इसकी रोचकता देखते ही बनती है।

ISBN 978-81-237-1929-0

225. सपना एक मछली का

जैबुन्निसा हया पृ. 16 ₹ 50.00

एक नन्ही मछली, हरीम और उसकी माँ समंदर में साथ-साथ रह रही थीं, किंतु एक दिन मछुआरे के जाल डालने पर वे बिछुड़ गईं। अंत में दोनों फिर से मिलती हैं, पर कैसे? इसे जानने के लिए पढ़ें यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-7394-0

226. सपनों का सच व अन्य कहानियाँ

विकास दवे चित्र : मीनू सरीन पृ. 52 ₹ 90.00

रवि जब पेड़-पौधों के फूल-पत्तियाँ तोड़ता है तो महेश उसे मना करता है, पर सपने में उसके साथ जब वैसा ही क्रूर व्यवहार होता है, तो उसे स्वयं समझ में आ जाता है। तीन कहानियाँ और सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-93-549-1924-4

227. सफेद घोड़ा

अमरेंद्र चक्रवर्ती अनु. : प्रयाग शुक्ल चित्र : पार्थसेन गुप्ता पृ. 32 ₹ 100.00

बिजू का सफेद घोड़ा सादापाल उसकी हर बात समझ लेता था। वह अपने घोड़े को धुली हुई घास खिलाता था। एक दिन क्या हुआ कि राजा ने उनके घोड़े को उनसे लेने की बात रखी। बिजू घोड़े को लेकर अँधेरे में ही वहाँ से निकल जाता है, लेकिन घोड़े को राजा के सिपाही बाँधकर

ले जाते हैं और बिजू को भी बेइज्जत करते हैं। बाद में बिजू क्या शपथ लेता है, फिर कैसे अपनी शपथ पूरी करता है और कैसे उसका जीवन खुशहाल होता है, किताब में विस्तृत वर्णन है।

ISBN 978-81-237-1929-0

228. सबका साथी सबका दोस्त

उमाशंकर जोशी पृ. 32 ₹ 65.00

बच्चों के लिए गाँधी जी के जीवन की वे घटनाएँ, जो रोचक तो हैं ही, शिक्षाप्रद भी हैं। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-0500-2

229. सबसे प्यारा कौन ?

राधा खम्बादकोणे अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 24 ₹ 60.00

सरल भाषा में विभिन्न पेड़-पौधों के बारे में सचित्र जानकारी। इसमें सूर्य को सबसे प्यारे लगने वाले पेड़ संबंधी प्रतियोगिता की कथा है। ISBN 978-81-237-0414-2

230. सब्जियों वाले गमले

वंदना पुष्पेंद्र पृ. 16 ₹ 50.00

प्रदूषण की वजह से इन दिनों सब्जियाँ तक जहरीली हो गई हैं। ऐसे वातावरण में गमले में सब्जियाँ उगाने की अवधारणा अब प्रचलन के रूप में सामने आ गई है। घर के बरामदे या बालकोनी में गमले में उगी सब्जियाँ एकदम निरापद हैं। जानकारीपरक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7414-5

231. सागरदिघि

नलिनी बेरा अनु. : अभिनव चटर्जी चित्र : पुष्पल देब पृ. 16 ₹ 50.00

राजा-प्रजा, सभी राज्य में पानी के लिए परेशान थे। दिघि यानी तालाब खोदा गया। काफी गहरा, पानी नहीं निकला। राजा-प्रजा, राजपुरोहित, सभी परेशान। फिर राजकुमारी सागर के किस कार्य से दिघि में पानी आया, ये बताया गया है। ISBN 978-93-574-3105-7

232. सागर में गागर

गोविंद शर्मा पृ. 16 ₹ 50.00

इस कहानी में एक गागर छोटी नदी के माध्यम से सागर में पहुँच जाती है और क्रमशः मछली व चिड़िया का घर बनती है। ISBN 978-81-237-9015-2

233. सात पुलों का शहर

गौरीशंकर रैणा चित्र : सानिका देशपांडे पृ. 56 ₹ 95.00

इस किताब में पुलों का अतीत, शहर के पुल, नदी किनारे, झिलमिलाती झीलें, मेला-उत्सव और दिव्य समागम, बागों में बहार, अभयारण्य का प्रवेश-द्वार, चिनारों से घिरा पावन स्थल, वास्तुकला की बानगी, कलाओं का संगम आदि के बारे में उपयोगी जानकारी मिलती है।

ISBN 978-93-574-3123-1

234. सात सीढ़ियाँ सूरज की

दीपान्विता रॉय अनु. : धीरेन्द्र प्रताप सिंह पृ. 24 ₹ 80.00

क्या होता है जब बादल जो सूर्य से ईर्ष्या करता है, उसके खिलाफ युद्ध छेड़ता है? माँ प्रकृति क्या करेगी? यह कहानी ईर्ष्या न करने का संदेश देती है। ISBN 978-81-237-9186-9

235. साहूकार

जयप्रकाश राय अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 16 ₹ 50.00

दहेज प्रथा पर एक रोचक लोककथा। ISBN 978-81-237-2727-1

236. सूरज नाराज है

इदरीस सिद्दीकी चित्र : सानिका देशपांडे पृ. 24 ₹ 65.00

पुस्तक सौरमंडल में उपस्थित सभी ग्रहों के वार्तालाप के माध्यम से बताती है कि वायुमंडल में तापमान निरंतर क्यों बढ़ रहा है। इसके लिए कौन-सी गैसें जिम्मेदार हैं और इन गैसों का उत्सर्जन कहाँ से होता है। चित्र कहानी को विस्तार देने में सार्थक हैं। ISBN 978-93-5491-449-2

237. सूरजमुखी और तितलियाँ

जयंती मनोकरण अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 24 ₹ 50.00

कंचन की अनोखी कल्पना, सूरजमुखी और तितलियों से गहरी दोस्ती, अनजाने में ही नन्हे पाठकों की जिज्ञासा का विषय बन जाती है। ISBN 978-81-237-1159-1A

238. सूरज का बिल

गोविंद शर्मा चित्र : धीरज सोमबासी पृ. 20 ₹ 60.00

सूरज सभी को रोशनी देता है, इसके लिए उसने चंद्रमा समेत सभी को बिल थमा दिया। क्यों थमाया बिल? ऐसा क्या हुआ कि बिल लेने का विचार त्याग दिया? यह सब इस नन्ही किताब में बताया गया है। सुंदर चित्र और सरल भाषा शैली। ISBN 978-93-574-3206-1

239. सोना की कहानी

तारा तिवारी अनु. : मोहिनी राव पृ. 32 ₹ 60.00

एक नन्हे ऊँट की रोचक एवं मनोरंजक कहानी। ISBN 978-81-237-2324-5

240. सोने की शिला

सुरेश यादव पृ. 14 ₹ 45.00

प्रस्तुत कहानी हमें बताती है कि किस प्रकार समझदार हाथी लालची कौवे एवं लोमड़ी को राजा को सोने की शिला का पता बताने के लिए राजी करता है। परंतु राजदरबार तक आते-आते दोनों घबराकर भाग जाते हैं। अंत में हाथी राजा को सोने की शिला तक पहुँचाता है।

ISBN 978-81-237-5873-2

241. हमने खोजी नई कहानी

विभा देवसरे पृ. 40 ₹ 95.00

पृथ्वी के पर्यावरणीय संरक्षण का संदेश देता बाल नाटक। मंचन योग्य एकांकी जानकारी देता है कि धरती के प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं और उनका अंधाधुंध इस्तेमाल कई समस्याओं का कारक बन सकता है। ISBN 978-81-237-5861-9

242. हम सबसे अलग हैं

रामेंद्र कुमार अनु. : विपिन श्रीवास्तव पृ. 16 ₹ 50.00

यह कहानी एक जिराफ और गिलहरी की है जिन्हें एक-दूसरे के साथ समय बिताना अच्छा लगता है। हालाँकि वे शारीरिक बनावट और कार्य-व्यवहार में अलग हैं फिर भी वे अच्छे दोस्त हैं।

ISBN 978-81-237-9205-7

243. हम हिंदुस्तानी

मेहरू जे. वाडिया अनु. : रमेश बक्षी पृ. 24 ₹ 50.00

बच्चों में कौमी एकता के भाव और देशप्रेम पैदा करने वाली पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0552-1

244. हमारे जल पक्षी

राजेश्वरप्रसाद नारायण सिंह पृ. 56 ₹ 125.00

इस पुस्तक में पानी में मिलने वाले प्रमुख पक्षियों का परिचय, उनकी विशेषताएँ, उनके बारे में प्रचलित लोक मान्यताओं का विवरण आकर्षक चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5609-7

245. हरियाली और पानी

रामेश्वर काम्बोज 'हिमांशु' चित्र : अरुप गुप्ता पृ. 16 ₹ 40.00

हरियाली और पानी किस तरह एक-दूसरे पर आश्रित है और एक के बगैर दूसरे की सुंदरता किस तरह गौण है, यह कहानी बताती है। ISBN978-81-237- 8085-0

246. हरियाली की रानी

प्रताप सहगल पृ. 16 ₹ 50.00

जीवन के प्रति आस्था की उम्मीद जगाती इस रचना में एक बच्ची के माध्यम से सुंदर मनःस्थिति को चित्रित किया गया है एक नाटककार के द्वारा। ISBN 978-81-237-7654-5

247. हिमालय सिरमौर सिक्किम

वन्दना पुष्पेंद्र पृ. 36 ₹ 90.00 (2024)

यह पुस्तक 9 से 11 वर्ष के बच्चों के लिए है। इस पुस्तक में 12 अध्याय हैं, जिसके अंतर्गत सिक्किम के बारे में परिचय के साथ-साथ इसके इतिहास, भौगोलिक स्थिति, राजकीय विशेषताएँ, नैसर्गिक स्थल, दर्रा और मठ आदि पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया है। इसमें दिये गए चित्र न केवल सिक्किम की नैसर्गिक छटा को बखूबी बयाँ करते हैं, अपितु बाल मन को आकर्षित भी करते हैं। ISBN 978-93-5743-383-9

248. हुनरमंद लड़का

गुरबचन सिंह पृ. 20 ₹ 60.00

प्रस्तुत उजबेकी कहानी में माता-पिता अपने बेटे मुहम्मद को घर बेचकर सोने के सौ सिक्के देकर व्यापार करने के लिए भेजता है। वह व्यापार न करके शिक्षा ग्रहण करता है और वापस घर लौट जाता है। माता-पिता दुखी होते हैं, लेकिन दोबारा भेजते हैं। फिर वह संगीत सीखकर लौटता है। तीसरी बार शतरंज सीखने में सौ सिक्के लगाता है और इन अंत में वह कैसे इन विद्याओं से धनवान बनता है, यही बताया गया है। ISBN978-93-574-3982-4

249. हुलुक : एक पहाड़

अनाथबंधु चट्टोपाध्याय अनु. : मंदिरा घोष पृ. 33 ₹ 80.00

'हुलुक' एक पहाड़ है। आसमान को छूता, उसके पास घना जंगल। सरल शब्दों में पहाड़ की कथा। भाषा-शैली बेहतरीन। सुंदर आकर्षक चित्र। ISBN978-93-574-3108-8

250. होली की गुझिया

शोभा अग्रवाल पृ. 16 ₹ 50.00

होली से पूर्व होलिका देवी को चढ़ावे में गुझिया का अर्पण एक सनातन परंपरा है। लेकिन बच्चे गुझिया खाने के लिए जतन में गिरकर चोटिल हो जाते हैं। फिर घर के बड़े-बुजुर्ग बच्चों व उनके दोस्तों को होलिका से पूर्व ही गुझिया खाने की इजाजत दे देते हैं।

ISBN 978-81-237-7650-7

251. हवा कहाँ रहती है

सांथनी गोविंदन अनु. : सुधा भार्गव पृ. 24 ₹ 65.00

एक राजकुमार की कहानी, जो पतंग उड़ाने के लिए चाहता है कि हवा तेज चले। लेकिन ऐसा नहीं होता। फिर राजा के हुक्म से हवा के घर की तलाश की जाती है। सुंदर कहानी।

ISBN 978-81-237-4238-0

252. हिरोशिमा का दर्द

तोशि मारूकी अनु. : तोमोको किकुचि पृ. 44 ₹ 135.00

6 अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम की विभीषिका को मार्मिक तरीके से चित्रित करती अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध पुस्तक का जापानी से अनुवाद।

ISBN 978-81-237-6327-9

253. हीरो पेड़ पर नहीं उगते

सुधा पुरी अनु : आरती स्मित चित्र : अमिताव सेन गुप्ता पृ. 24 ₹ 65.00

बच्चों ने एक घायल गिद्ध को बचाया और अपने मोहल्ले में हीरो बन गए।

ISBN 978-81-237- 8760-X

254. आकाशगंगा का रहस्य

इदरीस सिद्दीकी पृ. 18 ₹ 60.00

प्रस्तुत पुस्तक हुआन और उसके 10 वर्ष के बेटे कार्लोस के माध्यम से आकाशगंगा के मध्य स्थित अँधेरे भाग के रहस्य को उजागर करते हुए 'ब्लैक होल' की खोज और उसकी स्थिति को बहुत रोचक ढंग से अभिव्यक्त करती है। यह पुस्तक बाल पाठकों के मन में कौतूहल जगाने एवं ज्ञानवर्द्धन करने में समर्थ है। ISBN 978-93-5743-725-7

255. सबसे आगे

सीतेश आलोक पृ. 36 ₹ 90.00

स्कूल में पढ़ने वाली पिंकी अपने साँवले रंग को लेकर बहुत चिंतित रहती है और खुद को सबसे अलग समझती है। एक दिन उसकी प्रधानाचार्या का ध्यान उस पर गया और उन्होंने जिस आत्मीयता से उसे उसके साँवले रंग के प्रति सहज रहने को प्रोत्साहित किया, पिंकी की स्वयं के प्रति जीवन दृष्टि ही परिवर्तित हो गई। ISBN 978-93-5743-687-8

आयु वर्ग : 12-14 वर्ष

1. अजूबे

लक्ष्मी खन्ना 'सुमन' पृ. 134 ₹ 90.00

यह तेरह बौनों की कहानी है, जो बिछुड़ जाते हैं। बच्चों का एक समूह उन्हें बड़े ही रोमांचक तरीके से तलाशता है और आपस में मिलवाता है। ISBN 978-81-237-5925-8

2. अमर ज्योति

गोपीनाथ तलवलकर पृ. 64 ₹ 50.00

गुरु नानक, चंडीदास, कबीर, एकनाथ आदि महापुरुषों के संक्षिप्त प्रेरणादायक जीवनचरित। ISBN 978-81-237-1086-X

3. अमरीकी आदिवासी लोककथाएँ

उषा आयंगर पृ. 60 ₹ 130.00

ये लोककथाएँ बिलकुल भारत की लोककथाओं की तरह लगती हैं। रोचक, मनोरंजक एवं कहीं-कहीं संदेश। सुंदर संकलन। ISBN 978-81-237-5438-3

4. अंतरिक्ष का वरदान

मोहन सुंदरराजन अनु. : सुरेश उनियाल पृ. 56 ₹ 50.00

अंतरिक्ष के बारे में कौतूहलपूर्ण काल्पनिक कहानी के माध्यम से बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करने वाली प्रेरक पुस्तक। ISBN 81-237-0380-5

5. आओ, नाटक खेलें

उमा आनंद अनु. : बलराज पंडित पृ. 64 ₹ 55.00

एक रोचक कहानी जिसमें रंगमंच के संक्षिप्त इतिहास के साथ नाटक व मंचन के सभी पहलुओं का वर्णन किया गया है। ISBN 978-81-237-0843-0

6. आज भी खरे हैं तालाब

अनुपम मिश्र पृ. 96 ₹ 95.00

कुछ वर्ष पहले गाँधी शांति प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक देश में जल संरक्षण के आंदोलन के रूप में चर्चित हुई है। इस पुस्तक का संक्षिप्त संस्करण बच्चों के लिए तैयार किया गया है। इसमें पारंपरिक जल स्रोतों के महत्व व प्रासंगिकता को कथानक शैली में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-4477-3

7. आर्यनंद और जीवन मुकुट

वर्नर बैंडेल अनु. : मृत्युंजय राव पृ. 80 ₹ 225.00

यह कहानी एक परी कथा की तरह है, लेकिन परी कथा नहीं है। आर्यनंद की मुलाकात एक ज्ञानवान मनीषी से होती है। मुलाकात के बाद आर्यनंद खुद के लिए उस जीवन मुकुट की खोज में निकल पड़ता है। यह सुंदर कहानी सृष्टि के सबसे गहन ज्ञान से भरी हुई है। ISBN 978-93-574-3171-2

8. इतवा मुंडा ने लड़ाई जीती

महाश्वेता देवी अनु. : गोविंद सिंह पृ. 64 ₹ 45.00

पढ़ाई के लिए उत्सुक एक आदिवासी बालक इतवा के संघर्ष की रोचक कहानी। इस पुस्तक में मुंडा जनजाति के लोगों के जीवन, उनके रीति-रिवाज और सामाजिक व्यवस्था का सशक्त वर्णन है। ISBN 978-81-237-0529-3

9. इसरो की कहानी 2011

वसंत गोवारीकर अनु. : सुनील केशव देवघर पृ. 82 ₹ 185.00

प्रख्यात वैज्ञानिक और इसरो के अध्यक्ष रहे लेखक इस पुस्तक में बताते हैं कि किस तरह एक वीरान स्थान पर एक छोटे-से कमरे में शुरू हुआ भारतीय अंतरिक्ष का शोध केंद्र इसरो आज दुनिया की महाशक्ति बन गया है। ISBN 978-81-237-6203-6

10. उड़नखटोला

रतन सिंह अनु. : शोएब रजा खाँ पृ. 52 ₹ 115.00

इस मूल उर्दू कहानी में परियों के माध्यम से श्रम की महत्ता को स्थापित किया गया है।

ISBN 978-81-237-6204-3

11. उड़ी पतंग

बंकिम चंद्र नायक अनु. : सुजाता शिवेन पृ. 64 ₹ 105.00

प्रस्तुत पुस्तक में 45 अध्याय हैं। इसमें पतंग के इतिहास से लेकर उसके विभिन्न रूपों का विस्तार से वर्णन किया गया है। पत्तों की पतंग, पुतला पतंग, बैलून पतंग, कितने रूप कितने रंग, मौसम का पूर्वानुमान, बेतार संकेत, युद्ध में सहायता, पतंग बम आदि अध्याय रोचक जानकारियाँ देते हैं।

ISBN978-93-574-3213-9

12. ऊर्जा एवं कार्बन डाइऑक्साइड : 21वीं सदी की चुनौतियाँ

मालती गोयल पृ. 94 ₹ 150.00

प्रस्तुत पुस्तक में ऊर्जा की बढ़ती हुई माँग और कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन एवं वैश्विक जलवायु परिवर्तन के खतरे पर सरल एवं सुबोध भाषा में चर्चा की गई है।

ISBN 978-81-237-6422-1

13. एक था मसीहा

देवेंद्र खंडेलवाल पृ. 10 ₹ 100.00

इस नाट्य पुस्तक में महात्मा गांधी का आमजन यहाँ तक कि उनकी पत्नी कस्तूरबा से भी सच्चाई और निडरता से जीवन की कठिनाइयों को सहज बनाने की वकालत की गई है। छोटे-छोटे प्रसंगों को मंच के माध्यम से दरशाकर पाठकों में कौतूहल भरने का काम पुस्तक करती है।

ISBN 978-81-237-9602-4

14. एक भीगा-सा गर्म दिन

अदा भंसाली अनु. : विपुल गुप्ता पृ. 162 ₹ 155.00

यह बाल उपन्यास एक छोटे-से गाँव में छुट्टी बिताने आए कुछ बच्चों की बालसुलभ हरकतों, रोमांच और दु:साहस की मिली-जुली कहानी है। ISBN 978-81-37-7419-0

15. एक परंपरा का अंत

नरेंद्र पृ. 16 ₹ 60.00

स्कूलों में जातिगत वैमनस्य का कीटाणु प्रवेश कर चुका है। दलित और सवर्ण के दो गुट बन जाते हैं और आपसी दुश्मनी हद तक बढ़ जाती है। लेकिन जब एक दलित ने अपना खून देकर एक सवर्ण छात्र की जिंदगी बचा ली तो जाति की यह कृत्रिम दीवार अनायास ही भरभराकर गिर पड़ी। ISBN 978-81-237-6867-0

16. एक वन्य जन्तु वार्डन के साहसिक कारनामे

ई.आर.सी. दावेदार अनु. : सुरेश उनियाल पृ. 64 ₹ 60.00

जंगली जानवरों की जीवन प्रक्रिया एवं साहसिकता की जीवंत प्रस्तुति। इस पुस्तक में जानवरों एवं जंगलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-3543-6

17. एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा

बचेन्द्री पाल अनु. : बी.एन.गोयल पृ. 64 ₹ 50.00

एवरेस्ट पर पहली बार विजय प्राप्त करने वाली महिला बचेन्द्री पाल की संक्षिप्त आत्मकथा।

ISBN 978-81-237-0929-1

18. ऐसे जीव जिन्हें भूला नहीं जा सकता

रस्किन बॉन्ड अनु. : देबाशीष देब पृ. 40 ₹ 95.00

सच्ची घटनाओं पर लिखी गई ये कहानियाँ अत्यंत रोचक और मनोरंजक हैं।

ISBN 978-81-237-5414-7

19. कछुआ और खरगोश

डॉ. जाकिर हुसैन

अनु. : खुशवंत सिंह चित्र : एम.एफ. हुसैन अनु. : पूजा तिवारी पृ. 40 ₹ 70.00

यह पुस्तक प्रसिद्ध शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी डॉ. जाकिर हुसैन ने लिखी। वे भारत रत्न विजेता और भारत के तीसरे राष्ट्रपति रहे। पुस्तक का उर्दू से अंग्रेजी अनुवाद चर्चित इतिहासकार खुशवंत सिंह ने किया। इसके चित्र प्रख्यात चित्रकार मकबूल फिदा हुसैन ने बनाए हैं। अनुवाद डॉ. पूजा तिवारी ने किया है। खरगोश और कछुए की यह कहानी अलग परिष्कार और पटुता के साथ प्रस्तुत की गई है। ISBN 978-93-574-3165-1

20. कछुए और मगर

इंद्रनील दास तथा *ज़ई* अनु. : हरसरन सिंह विश्नोई पृ. 64 ₹ 45.00

और *रोम व्हिटेकर*

कछुए और मगरमच्छ के रहस्यमय संसार की जानकारी के लिए यह पुस्तक काफी उपयोगी है।

ISBN 978-81-237-1300-7

21. कृष्ण की कथा

मनोज दास अनु. : ऋचा त्रिपाठी पाण्डेय पृ. 156 ₹ 230.00

भगवान कृष्ण के जन्म से लेकर द्वारका नगरी के नष्ट होने और कृष्ण के अपना शरीर छोड़ने तक की संपूर्ण गाथा बेहद सरल शब्दों में। ISBN 978-81-237- 8798-7

22. कहानी वंदे मातरम् की

मिलिंद प्रभाकर सबनीस अनु. : नितिन वैद्य पृ. 48 ₹ 110.00

'राष्ट्रगीत' के रूप में प्रतिष्ठित बंकिमचंद्र लिखित 'वंदे मातरम' की रचना की पृष्ठभूमि और परिवेशगत परिस्थितियों की प्रामाणिक जानकारी के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में इस गीत की महत्तर भूमिका सहित भारतीय संविधान में राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के समान ही प्रतिष्ठा मिलने तक के संपूर्ण घटनाक्रम की तथ्यपरक जानकारी से युक्त एक पठनीय पुस्तक।

ISBN 978-93-6719-825-3

23. क्रिकेट

विजय मर्चेंट अनु. : योगराज थानी पृ. 64 ₹ 55.00

क्रिकेट के खेल का परिचय तथा खेलने की विधि पर विश्व प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी द्वारा एक बालोपयोगी पुस्तक। ISBN 81-237-2318-0

24. कद्दू से अचार तक

*सुनील गुप्ते*अनु. : ब्रजभूषण पालीवाल चित्र : सौरभ पांडे पृ. 64 ₹ 140.00

सरकस में मृदुल जिराफ़ का मन नहीं लगता था। उसका दोस्त सोनू उसे घने जंगलों में उसके परिवार से मिलाने के लिए निकल पड़ता है। रास्ते में उसे कई दोस्त मिलते हैं, कई दिक्कतें भी आती हैं, लेकिन आखिर में वह कामयाब हो जाते हैं। बेहद रोमांचक बाल उपन्यास।

ISBN 978-81-237-6241-8

25. कहानी चील की

सुकन्या दत्ता अनु. : धीरेंद्र प्रताप सिंह पृ. 106 ₹ 260.00

यह पुस्तक बच्चों को चिड़ियों, पेड़ों और आस-पास के वातावरण से परिचित कराती है। पुस्तक में चील के जोड़े द्वारा प्रत्येक स्तर पर की गई गतिविधियों पर आधारित टिप्पणी युवा पीढ़ी को जैवविविधता की देखभाल और उसके प्रति सचेत होने के लिए भी प्रेरित करती है।

ISBN 978-93-5491-240-5

26. कीटों का अनोखा संसार

हरिन्दर धनौआ मोतिहार अनु. : उमा बंसल पृ. 40 ₹ 70.00

विभिन्न प्रकार के कीटों की अनोखी दुनिया का परिचय देती महत्वपूर्ण प्रामाणिक बाल पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2141-5

27. कोरियाई बाल कविताएँ

दिविक रमेश (संक. एवं अनु.) पृ. 40 ₹ 95.00

भारतीय बाल पाठकों के लिए कोरियाई बाल कविताओं का संकलन। कविताओं का संकलन और अनुवाद दिविक रमेश ने किया है। ISBN 978-81-237-3550-4

28. कौन बड़ा कौन छोटा

रेखा जैन पृ. 40 ₹ 50.00

शरीर के विभिन्न अंगों ने जब अपने को दूसरे से बेहतर कहा तो पूरा शरीर ही गड़बड़ा गया और उसे अनेक तकलीफों का सामना करना पड़ा। अंत में यह नाटक यही कहता है कि न कोई बड़ा है और न कोई छोटा। सभी अपनी-अपनी जगह पर महत्वपूर्ण हैं। ISBN 978-81-237-3032-5

29. खुली छत वाला घर

तनुका भौमिक एन्डो अनु. : श्रीकान्त खरे पृ. 36 ₹ 90.00

अत्यंत रोचक कहानी। बच्चों और पालतू कबूतरों के आपसी रिश्तों की गर्माहट इस कहानी में देखी जा सकती है। ISBN 978-81-237-5281-5

30. खेल-खेल में

भारतभूषण अग्रवाल, बिंदु अग्रवाल पृ. 96 ₹ 60.00

देश के विभिन्न पहलुओं पर खेल-खेल में जानकारी देती पुस्तक। पहेलियों ने इसे इतना पठनीय और आकर्षक बना दिया है कि बच्चे देखते ही इसे पढ़ना चाहेंगे। ISBN 978-81-237-3542-9

31. खेल-खेल में गणित

आइवर यूशिएल पृ. 80 ₹ 85.00

इस पुस्तक में 52 ऐसी पहेलियाँ हैं, जो कि गणित के साधारण सिद्धांतों की मदद से सुलझाई जा सकती हैं। ISBN 978-81-237-5741-4

32. खेल-खिलौनों का संसार

प्रो. उषा यादव पृ. 20 ₹ 45.00

बच्चों के लिए चित्रमय कविता पुस्तक। तुकबंदी में रची गई इस कविता में पशु-पक्षियों की कौतुक क्रीड़ा का अच्छा वर्णन है। ISBN 978-81-237-6604-1

33. गहरे सागर के अजूबे

बी.एफ. छापगर अनु. : नरसिंह दयाल पृ. 52 ₹ 115.00

सागर की गहराइयों का पर्यावरण, जैविक जगत, परिस्थितियाँ बेहद अनूठी हैं। इस पुस्तक में ऐसी ही विचित्र बातों को सचित्र प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-6201-2

34. गुरु गोविंद सिंह के जीवन से पाँच कहानियाँ

प्रीतम सिंह अनु. : मुरारी शरण पृ. 84 ₹ 50.00

आध्यात्मिक गुरु गोविंद सिंह जी (1666-1708) के जीवन से जुड़े पाँच प्रसंग जो बच्चों को निडर, निष्पक्ष और निष्काम होने की प्रेरणा देते हैं। ISBN 978-81-237-6276-0

35. गुल्लक

अखिलेश श्रीवास्तव चमन पृ. 28 ₹ 75.00

पाँच कहानियों का एक संग्रह। अलग-अलग भावभूमि की कहानियों के माध्यम से बच्चों में अच्छी आदतें विकसित करने का प्रयास किया गया है। ISBN 978-81-237-6266-1

36. गोमुख-यात्रा

शीला शर्मा पृ. 64 ₹ 50.00

उत्तरकाशी से लेकर गोमुख तक की यात्रा का रोचक एवं सचित्र वर्णन। इतिहास तथा पौराणिक गाथाओं के संक्षिप्त विवरण सहित। ISBN 978-81-237-0856-0

37. गोलू की ढपली

प्रवीण दवे पृ. 20 ₹ 55.00

बड़ा भोला है गोलू। सबके काम आता है। बहुत ही प्यारे-से बच्चे की खूबसूरत कहानी के साथ हमें कहीं अधिक बड़ा बनाती है यह रचना। ISBN 978-81-237-5829-9

38. गौतम बुद्ध

लीला जार्ज अनु. : गायत्रीनाथ पंत पृ. 72 ₹ 55.00

बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध का संक्षिप्त जीवनचरित। रोचक एवं सरल भाषा में।

ISBN 978-81-237-0430-2

39. चंदरनगर : चाँद का एक शहर

लेखन व रेखाचित्र : शुद्धसत्व वसु अनु. : धनंजय चोपड़ा पृ. 32 ₹ 100.00

इस पुस्तक में चंदरनगर के विचित्र, लेकिन एक ऐतिहासिक रूप से समृद्ध शहर का सचित्र कालक्रम है। एक पूर्व फ्रेंच बस्ती, चंदरनगर भारतीय-फ्रांसीसी वास्तुकला, उत्सवों, व्यंजनों और संस्कृति

के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक लोकप्रिय स्थल है। चंदरनगर में ही पले-बढ़े लेखक ने अतीत को स्मरण कराने वाले शब्दों और जीवंत छवियों के माध्यम से अमूर्तन को मूर्त रूप देते हुए शहर की साझा संस्कृति को बहुत ही सरल ढंग से प्रस्तुत किया है।

ISBN 978-93-574-3172-9

40. चाचा चूहा मारिया

गुरुदयाल सिंह पृ. 18 ₹ 55.00

कभी-कभी कई फन्ने खां भी अपनी खूबियाँ गिनाते दिखते हैं मगर कई ऐसे भी हैं जो चूहे से घबरा जाते हैं। पढ़िए एक जीवंत कहानी। ISBN 978-81-237-5852-7

41. चाय की कहानी

अरूप कुमार दत्ता अनु. : एम.एल.गुप्ता पृ. 64 ₹ 50.00

भारत के चाय बागानों में चाय की खेती, वहाँ के पर्यावरण, चाय की खोज, उपयोगिता आदि पर प्रकाश डालने वाली कहानी, रोचक एवं सुबोध भाषा में। ISBN 978-81-237-4012-6

42. चार पौराणिक चरित्र

पं. लक्ष्मीनारायण मिश्र पृ. 52 ₹ 80.00

भरत, अभिमन्यु, प्रह्लाद तथा लव-कुश के चरित्रों को एकांकी रूप में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5848-0

43. चित्र-ग्रीव : एक कबूतर की कहानी

धनगोपाल मुखर्जी अनु. : तालेवर गिरी पृ. 144 ₹ 110.00

संदेशवाहक कबूतर के प्रशिक्षण और देखभाल पर केंद्रित यह बाल उपन्यास बताता है कि चित्र-ग्रीव की तरह साहस और प्रेम का संदेशवाहक भी है। ISBN 978-81-237-6190-9

44. चौरी-चौरा : जनक्रांति का नया सवेरा

सूर्य कुमार पांडेय चित्र : अतुल वर्धन पृ. 58 ₹ 105.00

महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के दौरान, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के चौरी-चौरा में प्रदर्शनकारियों द्वारा हिंसक प्रदर्शन इतिहास प्रसिद्ध घटना है। यह पुस्तक इसी घटना को नाटक रूप में बच्चों के सामने लाने का प्रयास है, जो बच्चों को इस घटना की महत्वपूर्ण जानकारी देने के साथ-साथ गांधी जी के विचारों को भी सहज-सरल शब्दों में प्रदर्शित करती है।

ISBN 978-93-5491-237-5

45. छलावा

मृदुला गर्ग पृ. 100 ₹ 155.00

नौ कहानियों का संकलन। अलग-अलग भावभूमि और प्लॉट पर लिखी इन कहानियों को पढ़ना रुचिकर लगेगा। ISBN 978-81-237-7417-6

46. छिपकलियाँ

इंद्रनील दास, रोमुलस व्हिटेकर अनु. : उमा बंसल पृ. 32 ₹ 30.00

संसार में हर जगह पाई जाने वाली छिपकलियों के बारे में विज्ञान-सम्मत जानकारी।

ISBN 978-81-237-4116-1

47. जागे पर्वतवासी

शेखर पाठक पृ. 12 ₹ 40.00

पर्वतीय जंगलों पर अपने हक के लिए पर्वतवासियों द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ छेड़े गए आंदोलन को प्रदर्शित करती एक शिक्षाप्रद कहानी। ISBN 978-81-237-5871-8

48. जादुई मांडू

स्वप्ना दत्ता अनु. : कुसुमलता सिंह पृ. 76, ₹ 210.00

प्रस्तुत पुस्तक मांडू, किलों का शहर, मध्य प्रदेश के बारे में बताती है, जो मूल रूप से परमार राजाओं के द्वारा बनाया गया था और बाद में मुगलों के अधीन हो गया। यहाँ कई स्मारक हैं और सबके साथ किंवदंतियाँ जुड़ी हुई हैं। किसने महल बनवाने के लिए धन दिया और कैसे नर्मदा नदी को रानी रूपमती के लिए वहाँ लाया गया जैसे अनेक प्रसंगों का विवरण इस पुस्तक में दिया गया है। ISBN 978-93-5491-671-7

49. जादू की सूइयाँ

डॉ. यतीश अग्रवाल, डॉ. रेखा अग्रवाल पृ. 72 ₹ 145.00

इंजेक्शन, शल्य, बेहोशी की दवा जैसे चिकित्सा जगत के चमत्कारिक प्रयोगों की खोज भी बेहद मनोरंजक तरीके से हुई है। यह पुस्तक ऐसी ही सात खोजों की कहानी प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-6640-9

50. जैनेन्द्र कुमार की तीन बाल कहानियाँ

पृ. 60 ₹ 130.00

महत्वपूर्ण साहित्यकार द्वारा लिखी गई बच्चों के लिए ये कहानियाँ निःसंदेह रोचक हैं और उनमें भाषागत संस्कार भी विकसित करती हैं। ISBN 978-81-237-5610-3

51. जलियाँवाला बाग

भीष्म साहनी पृ. 56 ₹ 45.00

इस पुस्तक में 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में हुए जघन्य हत्याकांड, जिसमें हजारों निर्दोष लोगों को गोलियों से भून दिया गया था, की हृदयस्पर्शी कहानी है।

ISBN 978-81-237-0900-0

52. जवाहरलाल नेहरू

तारा अली बेग अनु. : रमेश बक्षी पृ. 64 ₹ 65.00

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की संक्षिप्त जीवनी। रोचक और प्रेरणादायक। छायाचित्रों सहित। ISBN 978-81-237-0761-7

53. जीवविज्ञान की मोहक दुनिया

रोहिणी मुथुस्वामी

अनु. : संध्या नवोदिता चित्र : अतुल वर्धन पृ. 52 ₹ 135.00

यह पुस्तक कीट-पतंगों, चिड़ियों व जीव-जंतुओं की दिलचस्प दुनिया का अन्वेषण करती है और विभिन्न घटनाओं के विज्ञान व गणित के सिद्धांतों पर स्पष्ट रूप से प्रकाश डालती है।

ISBN 978-93-5491-337-2

54. जूडी और लक्ष्मी

नाओमी मिशियन अनु. : तारा बागड़देव पृ. 106 ₹ 80.00

यह कहानी है एक विदेशी लड़की जूडी की, जो लक्ष्मी के साथ पढ़ती है। जूडी देश के स्वतंत्रता दिवस, दिवाली, पोंगल जैसे त्योहारों में भाग लेती है। वह आधुनिक भारत की बाढ़ जैसी समस्या का सामना भी करती है। यह देश की संस्कृति, ग्रामीण जीवन और संस्कारों के बारे में एक विदेशी लड़की द्वारा लिखी गई एक डायरी है। ISBN 978-81-237-5658-5

55. जोड़ासांको वाला घर

लीला मजुमदार अनु. : प्रफुल्लचंद्र ओझा पृ. 72 ₹ 50.00

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के बचपन की रोचक घटनाओं का विवरण।

ISBN 978-81-237-1712-8

56. झंडों की रंगबिरंगी दुनिया

के.वी. सिंह पृ. 90 ₹ 150.00

रंगीन ध्वजों के चित्रों से सजाई गई इस पुस्तक में झंडों के इतिहास, उद्देश्य और वर्तमान को सहज रूप से प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-4054-6

57. झारखंड के क्रांतिवीर

मनोज कुमार कपरदार चित्र : अलय घोषाल पृ. 132 ₹ 100.00

पुस्तक में झारखंड के ऐसे क्रांतिकारियों के बारे में सामग्री को एकत्रित किया गया है, जिन्हें भुला दिया गया था या जिनके बारे में लोगों को कम जानकारी है। झारखंड के इन क्रांतिवीरों ने अपने बलिदान से राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। रघुनाथ महतो, चित्रजीत राय, बुधू भगत, बख्तर साय, सोबोन मुंडा, पोटो हो, शेख भिखारी, टिकैत उमराव सिंह समेत 25 महत्वपूर्ण भूले-बिसरे क्रांतिवीरों का उल्लेख किया गया है। ISBN 978-93-574-3984-8

58. टूटा पंख और अन्य कहानियाँ

बैलिंदर धनौआ अनु. : द्रोणवीर कोहली पृ. 40 ₹ 70.00

प्रमुख एशियाई देशों की ज्ञानवर्धक, रोचक लोककथाएँ। ISBN 81-237-0347-3

59. टोडा और टाहर

ई.आर.सी.दावेदार अनु. : इंदरराज वैद पृ. 64 ₹ 50.00

नीलगिरि पर्वतमाला में पाए जाने वाले जंगली पशु टाहर की मार्मिक कहानी।

ISBN 978-81-237-0720-4B

60. WWW.घना जंगल.कॉम

हरिकृष्ण देवसरे पृ. 56 ₹ 125.00

यह पुस्तक कहानी के माध्यम से कंप्यूटर और इंटरनेट के फायदे और नुकसान की जानकारी बड़ी सहजता से देती है। अति सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-4642-5

61. डाक टिकट की कहानी

सत्य प्रसाद चटर्जी अनु. : प्रेमनाथ चतुर्वेदी पृ. 64 ₹ 50.00

बच्चों को डाक टिकट संग्रह के बारे में आवश्यक जानकारी देने वाली एक मार्गदर्शक पुस्तक। महत्वपूर्ण डाक टिकटों के रंगीन तथा सादे चित्रों सहित। ISBN 978-81-237-1084-6

62. डाक बाबू का पार्सल

द्रोणवीर कोहली पृ. 52 ₹ 65.00

प्रकृति का मूल स्वरूप बनाए रखने का संदेश देने वाली एक खूबसूरत कहानी।

ISBN 81-237-0968-4

63. डॉ. श्रीप्रसाद की चुनिंदा बाल कहानियाँ

श्रीप्रसाद पृ. 56 ₹ 125.00

हिंदी में लगभग छह दशक तक बाल साहित्य सृजित करने वाले लेखक की आठ कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-6889-3

64. डूबा हुआ किला

संजीव जायसवाल 'संजय' पृ. 96 ₹ 205.00

चार बच्चों का ऐसा रोमांचक कारनामा, जिसमें उन्होंने एक दबा हुआ खजाना तो खोजा ही, कई खूंखार डाकुओं को हथियार डालने पर भी मजबूर कर दिया।

ISBN 978-81-237-5945-6

65. डेस्क पर लिखे नाम

उपासना पृ. 148 ₹ 100.00

यह बाल उपन्यास स्कूल के दिनों की याद दिलाता है। बालमन को ध्यान में रखते हुए सभी कहानियों में आकर्षक चित्रों की सहायता से रोचकता का पुट दिया गया है।

ISBN 978-81-237-9103-6

66. तेनालीराम कृष्णन की चमत्कारिक कहानियाँ

रेड्डी राघवय्या अनु. : पारनन्दि निर्मला पृ. 64 ₹ 110.00

तेनालीराम के चतुराईपूर्ण किस्से तो सभी बच्चों ने पढ़े ही हैं, मूल रूप से तेलुगु में लिखी गई इस पुस्तक में तेनालीराम के निजी जीवन की जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-37-7009-3

67. तेरह अनुपम कहानियाँ (संकलन)

पृ. 152 ₹ 185.00

यह भारतीय भाषाओं की तेरह अनुपम कहानियों का संकलन है। इसका चित्रांकन किया है मिकी पटेल ने।

ISBN 978-81-237-0840-9

68. तैयार रहो

उमा आनंद अनु. : पृथ्वीराज मोंगा पृ. 64 ₹ 50.00

तीन बहादुर बालचरों की रोचक कहानी, जो पिकनिक मनाने शिमला जाते हैं और गड्ढे में गिरे गड़रिये की मदद करते हैं।

ISBN 978-81-237-1090-7

69. तृष्णा की सागर यात्रा

कर्नल टी.पी.एस. चौधरी अनु. बृजमोहन गुप्त पृ. 80 ₹ 55.00

छोटी-सी नाव पर हजारों किलोमीटर की रोमांचक सागर यात्रा का सचित्र विवरण।

ISBN 978-81-237-2979-4

70. दादी

हसन मंजर लिप्यंतर : हसन जमाल पृ. 24 ₹ 75.00

आकर्षक चित्रांकन के साथ बच्चों के लिए शिक्षाप्रद दो पाकिस्तानी कहानियाँ।

ISBN 978-81-237-5833-6

71. देश के लिए कुर्बान

आर.के. टंडन अनु. : मुरारी शरण पृ. 104 ₹ 220.00

देश की आजादी के लिए कुर्बान हो गए 16 सेनानियों के जीवन संघर्ष की गाथा। इनमें भगत सिंह, अशफाक उल्ला खां, हेमू कालानी, मदनलाल ढींगरा, मंगल पांडे आदि शामिल हैं।

ISBN 978-81-237-5947-0

72. देशभक्त डाकू

दिविक रमेश पृ. 20 ₹ 55.00

वरिष्ठ साहित्यकार की बच्चों के लिए लिखी गई एक प्रेरणाप्रद पुस्तक।

ISBN 978-81-237-6022-3

73. दीपू गधे के रोमांचक कारनामे

बर्नोन थॉमस अनु. : अमित सिन्हा पृ. 68 ₹ 50.00

रशेल मैकबीन की दूरदर्शन पटकथा पर आधारित इस पुस्तक में एक स्वामीभक्त गधे के साहसिक कारनामों का ब्योरा है। ISBN 978-81-237-0896-6

74. धरती से सागर तक

विनीता सिंघल पृ. 36 ₹ 85.00

पृथ्वी और सागर के विषय में वैज्ञानिक जानकारी देती इस पुस्तक को कहानी के रूप में लिखा गया है। रोचक, मनोरंजक एक जानकारीपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-3519-1

75. धान-कथा

रमेश दत्त शर्मा पृ. 64 ₹ 55.00

धान के बारे में एक सूचना-प्रधान पुस्तक। ISBN 978-81-237-2076-X

76. धुरुआ

अनाथबंधु चट्टोपाध्याय

अनु. : अंगीरा सेन शर्मा चित्र : पुष्पल देब पृ. 16 ₹ 50.00

इस पुस्तक में एक नेक व्यक्ति 'धुरुआ' का व्यक्तित्व चित्रित किया गया है। कुछ लोग उसे डाकू कहते थे, लेकिन वह किस प्रकार गरीबों के लिए मसीहा था, कैसे बुजुर्ग महिला का उसने सहयोग किया? यही धुरुआ, ध्रुव था। किताब में बताया गया है कि वह कैसे जरूरतमंदों के काम आया। ISBN 978-93-574-3110-1

77. नृत्य कथा

जया मेहता अनु. : शिवेंद्र कुमार सिंह चित्र : सुरुबा नतालिया पृ. 76 ₹ 220.00

प्रस्तुत पुस्तक में भारतीय नृत्य की रंग-बिरंगी दुनिया पर आधारित कहानियों का संकलन है। भारत दुनियाभर में नृत्य का केंद्र है, जहाँ आठ शास्त्रीय नृत्य और सैकड़ों लोक नृत्य हैं। ये कहानियाँ एक बच्चे के नजरिए और उसके व्यक्तिगत अनुभव द्वारा नृत्य की आकर्षण बारीकियों, उसकी कला, वास्तुकला, परिधान और विषयवस्तु को प्रदर्शित करती हैं। ISBN 978-93-549-1971-8

78. नटखट कुप्पू के अजब-अनोखे कारनामे

प्रकाश मनु पृ. 84 ₹ 185.00

24 अध्यायों में बँटा बाल उपन्यास। वरिष्ठ लेखक ने हर अध्याय में अलग-अलग विषय और

कथारंग को रखा है पर सबका मुख्य पात्र एक ही है—कुप्पू। पूरी पुस्तक में नटखट कुप्पू के अजब-अनोखे कारनामे हैं। किशोरवय बालक तक इसे पढ़कर आनंद उठा सकते हैं।

ISBN 978-81-237-6938-7

79. नया सवेरा

बलदेव सिंह 'बद्दन' पृ. 16 ₹ 50.00

जंगल के राजा सिंह का स्वभाव परियों ने मिलकर कैसे बदल दिया, बच्चों के लिए रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-5775-79

80. नवाब रंगीले

आबिद सुरती पृ. 110 ₹ 170.00

प्रख्यात कार्टूनिस्ट व लेखक आबिद सुरती का लघु उपन्यास 13-18 वर्ष के किशोर बच्चों के लिए विशेष रूप से है, हालांकि इसे सभी आयु वर्ग के लोग पसंद करेंगे। उपन्यास कई खंडों में विभाजित है, लेकिन मुख्य कहानी रंगीले नवाब के चारों ओर ही घूमती है। घटनाओं में मनोरंजन, हास्य के साथ-साथ चुटीले व्यंग्य भी हैं। अपरोक्ष रूप से राष्ट्रीय एकता, वृक्षारोपण जैसे संदेश भी हैं, लेकिन कहीं प्रतीत नहीं होता है कि कोई संदेश दिया जा रहा है।

ISBN 978-81-237-5200-6

81. नेपाली मेंढक के साहसिक कारनामे

कनक मणि दीक्षित अनु. : शशी जैन पृ. 112 ₹ 75.00

भक्तप्रसाद भ्यागुतो काठमांडू का एक नौजवान मेंढक था। इस मेंढक के साहसिक कारनामों के विवरण को पढ़ना बेहद आह्लादकारी और मनोरंजक लगता है। ISBN 978-81-237-5725-4

82. प्यारे पिताजी

भवेन्द्रनाथ सैकिया अनु. : नवारुण वर्मा पृ. 108 ₹ 75.00

एक बिगड़े हुए लड़के की कहानी जिसकी वजह से पूरा परिवार हमेशा परेशान रहता है। लेकिन अंत में वह अपने किए पर शर्मिंदा हो उठता है। एक रोचक कहानी।

ISBN 978-81-237-2551-2

83. पंचामृत

संकलन : *बी.एस. रुक्कम्मा*

अनु. : टी.जी. प्रभाशंकर 'प्रेमी' चित्र : के.आर. सुब्बण्णा पृ. 64 ₹ 115.00

यह पुस्तक दस कहानियों का संकलन है। सभी कहानियाँ मनोरंजक और कौतूहल से परिपूर्ण हैं, जो बच्चों को बाँधे रखती हैं। सभी कहानियाँ कुछ-न-कुछ संदेश अवश्य दे जाती हैं। भाषा सहज और सरल है। ISBN 978-93-5491-554-3

84. पक्षी जगत

जमाल आरा पृ. 64 ₹ 85.00

भारत में आमतौर पर पाए जाने वाले पक्षियों की मुख्य विशेषताओं की सचित्र जानकारी।

ISBN 978-81-237-0351-0

85. पाँच कहानियाँ

मोहिनी राव (संपा.) पृ. 68 ₹ 50.00

हिंदी के पाँच प्रसिद्ध कथाकारों की पाँच बालोपयोगी मनोरंजक कहानियों का सचित्र संकलन।

ISBN 978-81-237-0515-6

86. पाँच दोस्त

शीरीन रिज़वी पृ. 28 ₹ 75.00

छोटे बच्चों के लिए लिखी गई रोचक भाषा में एक दिलचस्प कहानी।

ISBN 978-81-237-5862-6

87. पानी

राम अनु. : बी.एन. गोयल पृ. 64 ₹ 50.00

बच्चों को पानी के बारे में विज्ञान सम्मत जानकारी देने वाली रोचक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-1077-2

88. पानी बरसने वाला है

विनायक पृ. 48 ₹ 110.00

बाहरी लोगों के दखल के चलते कई बार जंगल का राजा कितना निरीह हो जाता है। लोग भले ही शेर से डरें, लेकिन शेर को इनसान से ज्यादा खतरा है। वन्य जीवन पर केंद्रित एक बाल उपन्यास।

ISBN 978-81-237-6003-2

89. पुस्तकें जो अमर हैं

मनोज दास अनु. : बालकराम नागर पृ. 64 ₹ 50.00

वेद, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, पुराण, तिरकुरल, कथासरित्सागर, पंचतंत्र आदि भारतीय ग्रंथों का सरल भाषा में परिचयात्मक वर्णन।

ISBN 978-81-237-0028-4

90. पुस्तकों का अनोखा संसार

सेम्युएल इजराइल अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 64 ₹ 25.00

पुस्तकों के इतिहास मुद्रण एवं उत्पादन के बारे में रोचक तथा सचित्र जानकारी।

91. प्रकाश और जीवन

कालू राम शर्मा पृ. 104 ₹ 180.00

जीव जगत में प्रकाश की अहम् भूमिका होती है। प्रकाश से संबंधित ऐसे बहुत-से प्रश्न हैं, जिनका उत्तर हम जानना चाहते हैं। प्रस्तुत पुस्तक में इस तरह के तमाम सवालों के जवाब गहराई से खोजने का प्रयास किया गया है। पुस्तक में प्रकाश से संबंधित रोचक प्रयोग और गतिविधियाँ भी शामिल हैं।

ISBN 978-93-5491-442-3

92. प्रदूषण

एन. शेषगिरी अनु. : पंचमलाल चित्रकार पृ. 64 ₹ 65.00

वर्तमान युग में मशीनीकरण के कारण हो रहे प्रदूषण के भयंकर खतरों के प्रति सजग करने वाली पुस्तक। सरल एवं रोचक भाषा में अनेक चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-2066-1

93. प्रेमचंद

अमृतराय पृ. 64 ₹ 40.00

सरल एवं रोचक भाषा में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद का संक्षिप्त जीवनचरित।

ISBN 978-81-237-2827-8

94. प्रेमचंद की तेरह बाल कहानियाँ

हरिकृष्ण देवसरे (संक. एवं संपा.) पृ. 148 ₹ 95.00

कथा-सम्राट प्रेमचंद की अनेक कहानियाँ बालोपयोगी भी हैं। इस संकलन में ऐसी तेरह कहानियों

को लिया गया है, ताकि आज के बच्चे कल की साहित्यिक रचनाओं का आनंद भी ले सकें। हमें पूरा विश्वास है कि बच्चे इन कहानियों को बार-बार पढ़ना चाहेंगे।

ISBN 978-81-237-4566-1

95. फिल्म कैसे बनती है

ख्वाजा अहमद अब्बास पृ. 64 ₹ 45.00

बच्चों को फिल्म निर्माण के सामान्य एवं तकनीकी पक्षों के बारे में जानकारी देने वाली सचित्र पुस्तक।

ISBN 978-81-237-1102-7

96. फैसला और पूर्व की अन्य कथाएँ

कथा थैरानी अनु. : अमरजीत सिंह पृ. 44 ₹ 100.00

कुछ देशों की लोककथाओं का संकलन। रोचक कथाएँ।

ISBN 978-81-237-5323-2

97. बच्चे जिन्होंने कमाल किया

थंगामणि अनु. : अमर गोस्वामी पृ. 144 ₹ 95.00

आज की कुछ सुप्रसिद्ध हस्तियों के बचपन की प्रमुख घटनाओं की कहानी। इन्हीं घटनाओं ने उन्हें कुछ बनने के लिए प्रेरित किया। एक सुंदर और प्रेरणादायक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-4605-0

98. बच्चों की सुभद्रा

चन्द्रा सदायत (संपा.) पृ. 32 ₹ 80.00

श्रेष्ठ कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान की लिखी बालोपयोगी कविताओं का अनूठा संकलन।

ISBN 978-81-237-4858-0

99. बर्फ के आदमी

सूर्यनाथ सिंह पृ. 32 ₹ 80.00

विज्ञान-कथा की तर्ज पर लिखी गयी एक रोचक कहानी। सुंदर चित्रांकन।

ISBN 978-81-237-4939-6

100. बड़ा पानी

लीला मजूमदार पृ. 64 ₹ 50.00

पहाड़ों के कठिन जीवन, वहाँ पाए जाने वाले जीव-जंतुओं के बारे में बाल सुलभ मन से उपजे सवालों का अनुभवी बुजुर्ग द्वारा समाधान करने पर आधारित एक रोचक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2826-1

101. बड़े सयाने-बड़े चालाक

कला थैरानी अनु. : बालकराम नागर पृ. 32 ₹ 60.00

भारत की सीमा से सटे पूर्वी देशों में प्रचलित छह ऐसी कहानियों का संकलन, जिसमें जंगली जानवरों के जरिए, छोटे बच्चों को नैतिक शिक्षा दी गई है।

ISBN 978-81-237-0922-2

102. बहुत दिन हुए (भाग-1)

मीठी चोक्सी, पी.एम.जोशी अनु. : शुभा वर्मा पृ. 64 ₹ 50.00

मोहनजोदड़ो से हर्ष तक के युग की कहानियाँ जो सरल तथा मधुर भाषा में लिखी गई हैं।

ISBN 978-81-237-1092-2

103. बहुत दिन हुए (भाग-2)

मीठी चोक्सी, पी.एम.जोशी अनु. : शुभा वर्मा पृ. 64 ₹ 50.00

बौद्ध धर्म से जुड़ी अशोक, कनिष्क, समुद्रगुप्त और हर्ष के काल की कहानियाँ।

ISBN 978-81-237-3399-9

104. बापू एक कर्मयोगी

प्रो. जे. एस. राजपूत, मधु पंत पृ. 68 ₹ 80.00

महात्मा गांधी यानी बापू 'कर्म के पुजारी' थे। उनके हर कर्म में उनका जीवन-दर्शन छिपा था। इस पुस्तक में बापू के चर्चित जीवन-प्रसंगों को गद्य और पद्य में एक साथ प्रस्तुत किया गया है, जिसमें कितने कुर्ते, स्वच्छता एवं मितव्ययिता, उपहार की पेंसिल, 'बा' की शाला आदि उल्लेखनीय हैं।

ISBN 978-81-237-9572-0

105. बालगीत

प्रत्यूष गुलेरी पृ. 48 ₹ 110.00

सुंदर बाल कविताओं का एक खूबसूरत गुलदस्ता, जिसे बच्चे गाना-गुनगुनाना पसंद करेंगे।

ISBN 81-237-5586-1

106. बेहतर कल के लिए योग के साथ बढ़ें

आचार्य बालकृष्ण पृ. 128 ₹ 240.00

यह पुस्तक रंगीन चित्रों और सरल भाषा में बच्चों को योग सिखाती है। बिना किसी बाह्य सहयोग के स्वयं किए जाने वाले व्यायामों को इस पुस्तक में चरणबद्ध रूप में समझाया गया है। साथ ही, पुस्तक से गुजरते हुए बच्चे मनोरंजक कहानियों और खेल-खेल में अलग-अलग मुद्राओं को बनाना सीखकर चुस्त-दुरुस्त रह सकते हैं।

ISBN 978-93-5491-106-4

107. बैलगाड़ियाँ और उपग्रह

मोनिशा बॉब अनु. : पंचमलाल चित्रकार पृ. 64 ₹ 65.00

भारत में बैलगाड़ियों के युग से वर्तमान तक के विज्ञान और तकनीकी विकास का वर्णन प्रस्तुत पुस्तक में रोचक भाषा में किया गया है।

ISBN 978-81-237-3539-9

108. ब्रह्मांड की यात्रा

जयंत नार्लीकर अनु. : कृष्ण कुमार पृ. 64 ₹ 45.00

ब्रह्मांड की संक्षिप्त बालोपयोगी जानकारी। इसमें पृथ्वी सहित सभी ग्रहों, तारों, आकाशगंगा आदि का परिचय दिया गया है।

ISBN 978-81-237-1494-3

109. बोरी का पुल

सुरेखा पाणंदीकर पृ. 80 ₹ 55.00

गोवा की आजादी की लड़ाई पर आधारित एक अत्यंत पठनीय कहानी।

ISBN 978-81-237-3456-5

110. बोलती डिबिया

दिविक रमेश पृ. 32 ₹ 80.00

वरिष्ठ बाल साहित्यकार की अनूठी शैली में लिखी एक अद्भुत पुस्तक।

ISBN 978-81-237-5860-2

111. बिजली के खंभों जैसे लोग

सूर्यनाथ सिंह पृ. 84 ₹ 185.00

यह एक विज्ञान-गल्प यानी साईंस फिक्शन है। कथानक रोचक व कौतुहलपूर्ण है, जिसमें कल्पना और वैज्ञानिक तथ्य एक साथ चलते हैं। ISBN 978-81-237-5463-5

112. बुलबुलों की गिनती

डॉ. यतीश अग्रवाल, डॉ. रेखा अग्रवाल पृ. 94 ₹ 205.00

'चिकित्सा जगत की रोमांचक कहानियाँ' शीर्षक से प्रस्तावित पुस्तकों की शृंखला की इस पहली कृति में थर्मामीटर, स्टेथोस्कोप, एंटी बायोटिक जैसी महत्वपूर्ण पाँच खोजों के घटनाक्रम को कहानी में पिरोकर प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5940-1

113. भारतरत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत

हिमांशु जोशी पृ. 74 ₹ 55.00

दुर्लभ छाया-चित्रों से सज्जित राजनीति के एक विशाल व्यक्तित्व की जीवनी। पुस्तक में पंत जी के मानवीय पक्षों को भी बखूबी उभारा गया है। एक संग्रहणीय पुस्तक।

ISBN 978-81-237-3913-7

114. भारत के यायावर

श्याम सिंह शशि पृ. 64 ₹ 65.00

भारत के यायावरों अथवा खानाबदोशों के इतिहास, जीवन, खान-पान आदि की प्रामाणिक जानकारी। ISBN 978-81-237-5443-7

115. भारतीय त्योहार (संकलन)

पृ. 92 ₹ 90.00

भारत में प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण रंगारंग त्योहारों की जानकारी देने वाला एक रोचक संकलन। मनोरम छायाचित्रों सहित। ISBN 978-81-237-3592-4

116. भारत के बहादुर नवजवान

सिगरुन श्रीवास्तव अनु. : हरिकृष्ण देवसरे पृ. 64 ₹ 45.00

इस पुस्तक में उन बच्चों के साहस की छह सच्ची कहानियाँ हैं जिन्हें बहादुरी का राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। ISBN 978-81-237-0510-1

117. भारत ने आजादी कैसे जीती?

कृष्ण चैतन्य अनु. : मोहिनी राव पृ. 36 ₹ 65.00

अंग्रेजों द्वारा भारत में आकर शासन करने, स्वतंत्रता संग्राम और आजादी प्राप्त करने की कहानी इस पुस्तक में है। ISBN 978-81-237-2090-6

118. भारत में विदेशी यात्री

के.सी.खन्ना अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 64 ₹ 60.00

भारत में आने वाले विदेशी पर्यटक, हुएनत्सांग, मेगास्थनीज और अल-बिरूनी द्वारा भारत का आँखों देखा वर्णन। ISBN 978-81-237-4022-5

119. भारतीय संगीत की परंपरा

मंजरी जोशी पृ. 84 सजि. : ₹ 95.00; अजि. ₹ 70.00

भारतीय संगीत के विभिन्न घरानों, संगीतज्ञों, वाद्यों आदि पर प्रकाश डालती एक ज्ञानवर्धक पुस्तक।

ISBN 81-237-3986-0 तथा 978-81-237-3985-4

120. भीमभाई की कमीज

छोटुभाई जे.भट्ट अनु. : वर्षा दास पृ. 16 ₹ 50.00

गुजराती से किया गया हिंदी में अनुवाद मौलिकता का आभास देता है। एक बहुत ही सुंदर कविता जो हमें सामाजिक होने का स्पष्ट संकेत भी करती है। ISBN978-81-237-5702-5

121. भूकंप और जंगल की आग

रस्किन बॉन्ड अनु. : ऋषिकांत चतुर्वेदी पृ. 54 ₹ 45.00

भूकंप आने पर होने वाली तबाही, भूकंप के समय नागरिकों द्वारा किए जाने वाले उपाय और जंगल में आग लगने पर वहाँ मचती भगदड़ की घटना को इस पुस्तक में रोचक ढंग से दर्शाया गया है। ISBN 978-81-237-0879-9

122. भूलना मत काका

आनंद प्रकाश जैन चित्र : फजरूद्दीन पृ. 152 ₹ 85.00

एक खूँखार डाकू के अपने बच्चों के प्रेम व दबाव में आकर जयप्रकाश नारायण के समक्ष आत्मसमर्पण की कहानी। ISBN 978-81-237- 8822-3

123. भोलू और गोलू

पंकज बिष्ट पृ. 80 ₹ 55.00

रिंगमास्टर के कोड़े की मार से डरकर सर्कस में तरह-तरह के करतब दिखाने वाले एक नन्हे भालू की मार्मिक कहानी। ISBN 978-81-237-0936-9

124. मंत्र-तंत्र

हजारीप्रसाद द्विवेदी पृ. 32 ₹ 45.00

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित बाल कथाओं से कम ही लोग परिचित हैं। इस पुस्तक में द्विवेदी जी की पाँच बालोपयोगी रोचक कहानियाँ हैं, जो पंचतंत्र, हितोपदेश आदि की कहानियों की याद दिलाती हैं। ISBN 978-81-237-0624-5

125. मदर टेरेसा

लीला मजुमदार, बच्ची करकरिया अनु. : नरेन्द्र सिन्हा पृ. 64 ₹ 50.00

एक ऐसी कल्याणकारी माँ की कहानी जिसने दुनिया में हर कहीं दीन-दुखियों, अनाथों एवं अपंगों, सभी को माँ का प्यार दिया। ISBN 978-81-237-0928-4

126. मशीनों का सत्याग्रह

सूर्यनाथ सिंह चित्र : सुरेश लाल पृ. 67 ₹ 115.00

इक्कीसवीं सदी की आखिरी रात को एक एक घोषणा ने लोगों को चौंका दिया कि मशीनी मानवों ने सत्याग्रह कर दिया है। उन्होंने मैडम प्राइम मिनिस्टर के सामने अपनी तीन माँगों को रखा। यह तीन माँगे क्या थीं, जिसके लिए मशीनी मानवों ने सत्याग्रह किया, इस वैज्ञानिक कथा को लेखक ने बहुत ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया है। ISBN 978-93-5743-727-1

127. महाभारत

के. कुटुंब राव अनु. : हेमलता आंजनेयलु पृ. 64 ₹ 50.00

भारत के महान ग्रंथ महाभारत की संक्षिप्त कथा का सरस एवं सुबोध शैली में वर्णन।

ISBN 978-81-237-0865-2

128. महाराजा रणजीत सिंह

प्रीतम सिंह अनु. : रमेश बक्षी पृ. 64 ₹ 45.00

पंजाब के प्रसिद्ध इतिहास पुरुष महाराजा रणजीत सिंह का जीवन वृत्तांत। सरल एवं रोचक भाषा शैली में।

ISBN 978-81-237-0334-3

129. मिट्टी मेरे देश की

संजीव जायसवाल संजय चित्र : मित्रारुण हालदार पृ. 116 ₹ 80.00

इस बाल उपन्यास में पहाड़ों पर ट्रैकिंग को गए बच्चों द्वारा अपने साहस से खूँखार अपराधियों को पुलिस के हाथों पकड़वाने की रोमांचक कहानी है।

ISBN 978-81-237- 8870-8

130. मेधावी नरेंद्र

उमेश कुमार चौरसिया पृ. 32 ₹ 60.00

स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम नरेंद्र था। इस पुस्तक में बालक नरेंद्र के कुछ रोचक और प्रेरणादायी प्रसंगों को नाटक रूप में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN978-81-237-8195-2

131. मेरी चुंबकीय उत्तरी ध्रुव यात्रा

प्रीति सेनगुप्ता अनु. : बृजमोहन गुप्त पृ. 56 ₹ 45.00

लेखिका द्वारा की गई चुंबकीय उत्तरी ध्रुव यात्रा का रोमांचपूर्ण वर्णन। मनोरंजन के साथ ही महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना इस पुस्तक की विशेषता है।

ISBN 978-81-237-2109-5

132. मेहनत की कमाई का सुख

दर्शन सिंह आशट पृ. 16 ₹ 50.00

यह कहानी एक ईमानदार किसान मंगू की है, जिसे राजा का हार खेत में गिरा हुआ मिल जाता है। फिर भी मंगू उसे छुपाता नहीं बल्कि राजा को दे आता है और ईनाम पाता है।

ISBN 978-81-237-5573-1

133. मैं हूँ सोना

मनोरमा जफ़ा पृ. 110 ₹ 70.00

किशोर वर्ग के बालिकाओं एवं बालकों के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरूकता हेतु एक उपन्यास।

ISBN 978-81-237-5215-0

134. मौत के चंगुल में

प्रेम स्वरूप श्रीवास्तव चित्र : पार्थ सेन गुप्ता पृ. 90 ₹ 210.00

यह बाल उपन्यास समुद्र की यात्रा के रोमांच, खतरे और साहस की कहानी कहता है। कुछ विकलांग बच्चे पानी के जहाज से दुनिया की सैर करने निकलते हैं और वे कभी खुश होते हैं तो कभी भयभीत।

ISBN 812376579-7

135. युग-युग की कहानियाँ

शांता रंगाचारी अनु. : मोहिनी राव पृ. 64 ₹ 50.00

पुराणों की प्रचलित कहानियाँ। आकर्षक तथा नए ढंग से प्रस्तुत।

ISBN 978-81-237-0017-5

136. रक्त की कहानी

रेखा अग्रवाल, यतीश अग्रवाल पृ. 56 ₹ 45.00

मानव शरीर में रक्त का कार्य, उसकी संरचना, रक्त समूह, रक्त चढ़ना, रक्तदान एवं रक्त से संबंधित बीमारियों के बारे में ज्ञानवर्धक सचित्र जानकारी। ISBN 81-237-0198-1

137. रस्टी के कारनामे

रस्किन बॉन्ड अनु. : द्रोणवीर कोहली पृ. 96 ₹ 70.00

इस पुस्तक में रस्टी के अद्‌भुत कारनामों से जुड़ी दो कहानियाँ हैं जो पाठकों को बहुत पसंद आएँगी। ISBN 978-81-237-1421-9

138. राजकुमार और मूंगों का सागर

दाइसाकू इकेदा अनु. : राजी सेठ पृ. 56 ₹ 125.00

एक विदेशी लोककथा जो अत्यधिक मनोरंजक होने के साथ ही मार्मिक भी है। अत्यंत सुंदर बहुरंगे चित्र। ISBN 978-81-237-3659-4

139. राम कथा

हंसा मेहता अनु. : तालेवर गिरि पृ. 64 ₹ 50.00

बाल्मीकि रामायण पर आधारित राम की कथा जो वैसे तो हर आयु एवं वर्ग के लोगों के लिए महत्व रखती है, लेकिन आज के बच्चों के लिए इसका विशेष महत्व है। ISBN 978-81-237-0509-5

140. रामू और रोबोट

अरुण सेदवाल पृ. 32 ₹ 80.00

विज्ञान-कथा के रूप में लिखी गई यह कहानी मनोरंजन के साथ जानकारी भी देती है।

ISBN 978-81-237-5439-0

141. रेगिस्तान का पेड़ और नीला पक्षी

सुरेश यादव पृ. 18 ₹ 50.00

प्रस्तुत कहानी रेगिस्तान में खड़े उदास और अकेले पेड़ तथा इधर-उधर आवारा घूमने वाले नीले पक्षी की अनोखी दोस्ती की कहानी है। ISBN 978-81-237-6866-3

142. रेगिस्तान का रोमांच

चेरिल राव अनु. : शैलेंद्र प्रताप सिंह चित्र : आशीष सेनगुप्ता पृ. 72 ₹ 55.00

बड़े बच्चों के लिए लिखी गई यह किताब 11 भागों में विभाजित है। रेगिस्तान के रोमांच के लिए श्वेता और समीर निकलते हैं, बाद में जयदीप, अर्जुन आदि मिलते हैं। रेत के टीलों पर कैसी मस्ती होती है, किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रेगिस्तान के रोमांच को सुंदर ढंग से वर्णित किया गया है। ISBN 978-93-574-3168-2

143. रेडक्रॉस की कहानी

कृष्ण सत्यानंद अनु. : मोहिनी राव पृ. 64 ₹ 50.00

रेडक्रास की प्रामाणिक जानकारी देती हुई एक महत्वपूर्ण पुस्तक, जिसमें प्रसंगवश आने वाले करीब-करीब सभी महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बारे में यथासंभव जानकारी दी गई है।

ISBN 978-81-237-0186-8

144. रोहंत और नंदिय

कृष्ण चैतन्य अनु. : मोहिनी राव पृ. 64 ₹ 55.00

जातकों में से ली गई काले हिरन, रोहंत तथा बंदर नंदिय की बुद्धिमत्ता, सद्व्यवहार तथा नम्रता की कहानियाँ। ISBN 978-81-237-0504-0

145. लाल मिट्टी की करामात

सुशील कुमार फुल्ल पृ. 36 ₹ 85.00

हिमाचल के प्रसिद्ध कथाकार द्वारा शहीद भगत सिंह पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण कहानी। ISBN 978-81-237-6559-4

146. वन्य जीवन

जित राय अनु. : द्रोणवीर कोहली पृ. 64 ₹ 50.00

बच्चों के लिए वन के पशु-पक्षियों तथा पेड़-पौधों के बारे में रोचक एवं सचित्र जानकारी। ISBN 978-81-237-2003-6

147. वायुयान की कहानी

विमल श्रीवास्तव पृ. 60 ₹ 125.00

बच्चों के लिए सरल मगर महत्वपूर्ण विषय पर यह उपयोगी पुस्तक है। बहुत-सी जिज्ञासाओं का समाधान करने में यह पुस्तक सक्षम है। ISBN 978-81-237-5837-4

148. विश्व को बदल देने वाले आविष्कार (भाग-1)

मीर नजाबत अली अनु. : हरसरन सिंह विश्नोई पृ. 64 ₹ 50.00

विज्ञान के नए-नए आविष्कारों की जानकारी देने वाली रोचक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तक। ISBN 978-81-237-2323-5

149. विश्व को बदल देने वाले आविष्कार (भाग-2)

मीर नजाबत अली अनु. : हरसरन सिंह विश्नोई पृ. 64 ₹ 50.00

विज्ञान के नए-नए आविष्कारों की जानकारी देने वाली रोचक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तक। ISBN 978-81-237-0363-3

150. विश्व प्रसिद्ध हीरे और जवाहरात

के. वी. सिंह पृ. 52 ₹ 115.00

विश्व प्रसिद्ध हीरे व अन्य रत्नों की सचित्र जानकारी प्रस्तुत करती एक संग्रहणीय पुस्तक। ISBN 978-81-237-5832-9

151. विज्ञान और आप

डॉ. पी.जे. लवकरे अनु. : हेमंत जोशी पृ. 128 ₹ 135.00

आश्चर्यचकित करने वाला विज्ञान, गौरव प्रदान करने वाला विज्ञान, जिज्ञासा और कौतुहल जगाने वाला विज्ञान! कभी-कभी पुरानी मान्यताओं और रूढ़ियों को चुनौती देता व झुठलाता विज्ञान। यह पुस्तक विज्ञान के बारे में ऐसी ही कई बातों को मनोरंजक रूप से प्रस्तुत करती है। इसमें एक अध्याय 'विज्ञान और मैं' को जयंत नार्लीकर ने लिखा है। ISBN 978-81-237-6191-6

152. वीरों की कहानियाँ

राजेंद्र अवस्थी पृ. 64 ₹ 50.00

ऐसे वीर बालकों की कथाएँ जो हमारे धार्मिक ग्रंथों से संबंधित हैं। एक संग्रहणीय पुस्तक।

ISBN 978-81-237-0367-1

153. वे कैसे विकसित होते हैं?

करेन हेडॉक अनु. : प्रतिभा सिंह पृ. 52 ₹ 90.00

पाँच-दस हजार साल पहले पूरी दुनिया में कहीं भी पत्तागोभी, फूलगोभी या मूली नहीं होती थी। ये सब्जियाँ कहाँ से आईं और ये पौधे कैसे विकसित होते हैं? यह किताब आपको पौधों के विकास के बारे में सभी सवालों का जवाब नहीं देगी, लेकिन इससे आपको घटनाओं पर आश्चर्य करने और प्रश्न पूछने में मदद मिलेगी। ISBN 978-93-574-3112-5

154. वो तीस दिन

मोनिका गुप्ता पृ. 108 ₹ 230.00

स्कूल में 'दी' की तीस दिनों की विशेष कक्षा में क्या हुआ कि तमाम छात्र-छात्राओं के सोचने का तरीका ही बदल गया, इन सबके आचार-व्यवहार ही बदल गए। इस कहानी में मणि नाम की किशोरी मुख्य पात्र है, जिसको आधार बनाकर लेखिका ने कहानी का जो ताना-बाना बुना है उससे पाठक की सोच को एक सकारात्मक दिशा मिलती है। ISBN 978-81-237-7087-1

155. वृक्षों का संसार

रस्किन बॉन्ड अनु. : शीला शर्मा पृ. 52 ₹ 115.00

आमतौर पर भारत में पाए जाने वाले वृक्षों, उन पर बसेरा करने वाले पक्षियों तथा उनसे संबंधित अन्य जानकारी। सुंदर चित्रांकन। ISBN 978-81-237-8704-6

156. शंकराचार्य के बालगीत

संकलन-भावानुवाद : शशिपाल शर्मा 'बालमित्र' पृ. 44 ₹ 80.00

पुस्तक में शंकराचार्य रचित संस्कृत के बालगीतों का हिंदी में अनुवाद है। ये बालगीत बालक-बालिकाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ने में सक्षम हैं। इसमें गणेश के रूप का वर्णन करता 'मुदा करात्तमोदकम' से लेकर शिव, कृष्ण, गंगा, यमुना आदि पर लिखे गए अनेक श्लोक-गीत हैं। संकलन में 'भज गोविंदम्' विश्व प्रसिद्ध बालगीत भी हैं।

ISBN 978-93-549-1947-3

157. स्वर्ग की सैर

लीलावती भागवत पृ. 64 ₹ 55.00

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित सुरुचिपूर्ण लोककथाओं का संग्रह।

ISBN 978-81-237-1076-1

158. स्वराज्य की कहानी (भाग-1)

विष्णु प्रभाकर पृ. 64 ₹ 50.00

स्वाधीनता संग्राम के दौरान वर्ष 1857 से लेकर 1910 तक अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त होने के लिए किए गए आंदोलनों एवं संघर्षों की रोमांचक कहानी। चित्रों सहित।

ISBN 978-81-237-2063-7

159. स्वराज्य की कहानी (भाग-2)

सुमंगल प्रकाश पृ. 64 ₹ 50.00

सन् 1919 में जलियाँवाला बाग की दिल दहला देने वाली घटना से लेकर 15 अगस्त 1947 तक भारत को आजाद कराने के आंदोलनों और अमर शहीदों की प्रेरक कहानी।

ISBN 978-81-237-2069-2

160. स्वामी और उसके दोस्त

आर.के.नारायण अनु. : मस्तराम कपूर पृ. 168 ₹ 105.00

पुस्तक में दक्षिण भारत के काल्पनिक शहर मालगुड़ी के दस वर्षीय स्वामीनाथन के जीवन की रोचक कड़ियाँ बिलकुल सहज भाषा में प्रस्तुत हैं। ISBN 978-81-237-1288-8

161. स्वाधीनता संग्राम

रेखा जैन पृ. 40 ₹ 65.00

इस बाल-नाटक में अंग्रेजी राज से अपने भारत देश को आजाद कराने के संघर्ष का संक्षिप्त इतिहास बताने का प्रयास किया गया है। ISBN 978-81-237-5222-8

162. सफल छात्र बनने का रास्ता : आठ तकनीकें और रहस्य

सांत्वना दुबे तिवारी पृ. 108 ₹ 190.00

प्रस्तुत पुस्तक विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर लिखी गई है। पुस्तक में बताया गया है कि जो विद्यार्थी अध्ययन के दौरान आने वाली चुनौतियों से जूझते हैं और साथ ही उनके माता-पिता भी अकसर अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं, उनके लिए यह पुस्तक अत्यंत उपयोगी है। ISBN 978-93-6719-713-4

163. संदूक में दुल्हन तथा अन्य कहानियाँ

मनोज दास अनु. : मनोरमा दीवान पृ. 96 ₹ 75.00

शिक्षाप्रद और उपदेशपरक होने के साथ-साथ बेहद रुचिकर एवं आनंददायी दस कहानियों का संकलन। साथ ही चित्र इसे और भी पठनीय बनाते हैं। ISBN 978-81-237-5499-4

164. संत गुरु रविदास

धर्मपाल सिंहल पृ. 44 ₹ 50.00

संत गुरु रविदास को समझने के लिए विद्वान लेखक की सरल भाषा में लिखी एक महत्वपूर्ण पुस्तक। ISBN 978-81-237-6254-8

165. समाचारपत्रों की कहानी

चंचल सरकार अनु. : नरेंद्र सिन्हा पृ. 64 ₹ 55.00

समाचारपत्रों के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी एवं इसके विकास में अहम् भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों की सूचना। एक ज्ञानवर्धक पुस्तक। ISBN 978-81-237-2187-3A

166. सरस कहानियाँ

मनोज दास अनु. : बालकराम नागर पृ. 64 ₹ 25.00 (2000)

सरस तथा रोचक भाषा में प्रचलित परंपरागत कहानियों का संग्रह।

ISBN 81-237-0931-5

167. सहेली

सुरेखा पाणंदीकर पृ. 56 ₹ 125.00

राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित एक लड़की और उसकी सहेली ऊँटनी की कहानी। लड़की की बहादुरी देखते ही बनती है। ISBN 978-81-237-4788-0

168. साँप और हम

जई, रोम व्हिटेकर अनु. : हनुमान सिंह पँवार पृ. 64 ₹ 25.00

साँपों पर एक प्रामाणिक पुस्तक। इनके विविध प्रकार, रंग, चाल-ढाल और रहस्यपूर्ण आदतों पर प्रस्तुत पुस्तक में रोचक एवं सरल भाषा में प्रकाश डाला गया है। ISBN 81-237-1356-8

169. सात सूरज सत्तावान तारे

सूर्यनाथ सिंह पृ. 84 ₹ 135.00

एक ऐसी दुनिया के परिवेश का विज्ञान-गल्प जहाँ कई सूरज हैं और बहुत ही कम तारे।

ISBN 978-81-237-6934-9

170. सितारों से आगे

विमला भंडारी पृ. 102 ₹ 65.00

निराश्रित, श्रमिक बच्चे की पढ़-लिखकर समर्थ बनने की संघर्ष-कथा।

ISBN 978-81-237-6606-5

171. सुब्रह्मण्यम भारती

रा.अ. पद्मनाभन पृ. 64 ₹ 60.00

प्रसिद्ध तमिल कवि की रोचक जीवन गाथा। ISBN 81-237-6035-3

172. सुल्तान की पसंद और अन्य कहानियाँ

कला थैरानी अनु. : स्नेहलता त्यागी पृ. 44 ₹ 100.00

ऐसी विदेशी लोककथाओं का संकलन जो पूर्णतया भारतीय प्रतीत होता है। रोचकता इन कथाओं की विशेषता है। ISBN 978-81-237-4719-4

173. सोना की आँखें

उषा यादव पृ. 60 ₹ 45.00

बड़ी आयु वर्ग के बच्चों के लिए लिखी गई यह लंबी कहानी एक साहसी बाल कथा है, जिसमें बच्चे अपनी लगन से राजकीय हिरन उद्यान में भ्रष्टाचार करने वालों का हृदय परिवर्तन कर देते हैं। ISBN 978-81-237-3843-7

174. स्पेस शटल

काली शंकर पृ. 128 ₹ 280.00

पृथ्वी ग्रह में निर्मित अब तक की सबसे जटिल मशीन स्पेस शटल के निर्माण, उसके अंतरिक्ष में स्थापन और विज्ञान को उसके योगदान पर विमर्श करती पुस्तक। ISBN 978-81-237-6935-6

175. सुनो, मैं समय हूँ

कृष्ण किसलय चित्र : अरूप गुप्ता पृ. 172 ₹ 105.00

इस पुस्तक में पृथ्वी के अस्तित्व में आने तथा इस पर जीवन आदि के वैज्ञानिक तथ्यों को बेहद सहज शब्दों में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237- 8728-6

176. सौरमंडल की सैर

देवेंद्र मेवाड़ी पृ. 44 ₹ 105.00

सौरमंडल के ग्रहों की संख्या आठ होने, प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से हटाकर प्लूटाइड नाम से 'बौना ग्रह' बनाने, सौरमंडल के पिंडों के वर्गीकरण, ग्रहों की गति, आदि पर जानकारी देने वाला रोचक कथानक। ISBN 978-81-237-5611-6

177. श्रेष्ठ हिंदी बाल नाटक

हरिकृष्ण देवसरे (संक. एवं संपा.) पृ. 140 ₹ 145.00

श्रेष्ठ 15 महत्वपूर्ण रचनाकारों के नाटक जिनमें पौराणिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मनोवैज्ञानिक, हास्य-व्यंग्य, वैज्ञानिक कथा शामिल हैं। बच्चों के लिए तैयार यह पुस्तक बच्चों का 'विजन' विस्तृत करेगी, वहीं दूसरी ओर एक संग्रहणीय पुस्तक भी है। ISBN 978-81-237-5631-8

178. हड्डी से पत्थर

कैरेन हेडॉक अनु. : डॉ. पूजा तिवारी पृ. 28 ₹ 90.00

एक डायनासोर के जीवाश्म की सचित्र कहानी, जो अन्य डायनासोर से लड़ाई में 6.7 करोड़ वर्ष पहले मारा गया था। पुस्तक में पृथ्वी पर जीवन के उद्भव चार्ट के अलावा बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियाँ दी गई हैं। ISBN 978-81-237-9224-8

179. हमारा नाटक

हरिकृष्ण देवसरे (संपा.) पृ. 96 ₹ 70.00

बच्चों के द्वारा रंगमंच पर खेले जाने वाले सात बालोपयोगी नाटकों का संकलन। इन नाटकों को खेलने के लिए विशेष तामझाम की जरूरत नहीं है। ISBN 978-81-237-0946-8

180. हमारा शरीर

रमेश बिजलानी अनु. : दमयंती गुरुदेव पृ. 32 ₹ 60.00

हमारा शरीर एक आश्चर्यजनक मशीन है। प्रस्तुत पुस्तक में शरीर के विविध अंगों और उनके कार्यकलापों के बारे में सचित्र एवं रोचक जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-0393-7

181. हमारे जलपक्षी

राजेश्वरप्रसाद नारायण सिंह पृ. 56 ₹ 125.00

इस पुस्तक में पानी में मिलने वाले प्रमुख पक्षियों का परिचय, उनकी विशेषताएँ, उनके बारे में प्रचलित लोक मान्यताओं का विवरण आकर्षक चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-5609-7

182. हमारी धरती

लाईक़ फ़तेहअली अनु. : दमयंती गुरुदेव पृ. 64 ₹ 50.00

हमारी धरती से संबद्ध विभिन्न पक्षों को दर्शाते हुए प्रसंगवश पर्यावरण, मौसम संबंधी आदि अनेक ज्ञान की बातें सिखाने वाली एक आवश्यक पुस्तक। ISBN 978-81-237-0455-5

183. हमारी नदियों की कहानी (भाग-1)

लीला मजुमदार पृ. 64 ₹ 50.00

उत्तर भारत की नदियों के सांस्कृतिक तथा धार्मिक महत्व की प्रस्तुति, सरस और सरल भाषा में। ISBN 978-81-237-0866-9

184. हमारी नदियों की कहानी (भाग-2)
अल. वलीअप्पा अनु. : मोहिनी राव पृ. 64 ₹ 50.00
शेष भारत की नदियों के बारे में जानकारी देने वाली पुस्तक। ISBN 978-81-237-0405-0

185. हमारी नौसेना
कमांडर आर.एन.गुलाटी अनु. : सुरेश उनियाल पृ. 64 ₹ 25.00
दुनिया में अपना प्रमुख स्थान रखने वाली भारतीय नौसेना की कहानी, जो हमारे देश की जल सीमा की रक्षा करने में सर्वथा समर्थ है। ISBN 81-237-0923-4

186. हरिकृष्ण देवसरे की चुनिंदा बाल कहानियाँ
हरिकृष्ण देवसरे पृ. 72 ₹ 160.00
प्रख्यात बाल साहित्यकार डॉ. हरिकृष्ण देवसरे द्वारा सन् 1962 से 2005 तक लिखी गई बाल कहानियों में से चुनिंदा 15 कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-6793-2

187. हवा की अनोखी दुनिया
आर.के. मूर्ति अनु. : स्नेहलता त्यागी पृ. 56 ₹ 70.00
हवा अथवा वायु के संबंध में वैज्ञानिक जानकारी जो कि कहानी के माध्यम से कही गई है।
ISBN 978-81-237-4513-8

188. हवेली का रहस्य
सुकीर्ति भटनागर पृ. 40 ₹ 100.00
शिमला की किसी पहाड़ी पर देश के दुश्मनों का बसेरा। कुछ किशोरवय बच्चे छुट्टियों में घूमने शिमला जाते हैं तो संयोगवश उन्हें इसकी जानकारी हो जाती है और बड़ी वीरता एवं चतुराई से ये बच्चे उन बदमाशों को पकड़वाने में सफल होते हैं। ISBN 978-81-237-6892-2

189. हसन जमाल की चार बाल कहानियाँ
पृ. 36 ₹ 85.00
हिंदी के वरिष्ठ लेखक हसन जमाल की चार प्रेरक और महत्वपूर्ण कहानियों का संकलन।
ISBN 978-81-237-5576-2

190. हुएनत्सांग की भारत यात्रा
बैलिंदर, हरिंदर धनौआ अनु. : दमयंती गुरुदेव पृ. 64 ₹ 45.00
हर्ष के काल में बुद्ध धर्म के ज्ञान-भंडार की खोज में भारत आने वाले चीनी यात्री हुएनत्सांग द्वारा भारत का आँखों देखा वर्णन इस पुस्तक में है। ISBN 81-237-0930-7

191. त्रिपुरा की जनजातीय कहानियाँ (संकलन)
पृ. 36 ₹ 45.00
तीन लेखकों—रमेंद्रनारायण सेन, श्यामलाल देववर्मा तथा निरंजन चकमा—की पाँच कहानियों के इस संग्रह में त्रिपुरा की जनजातीय कहानियों को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-6386-6

192. अंटार्कटिका में दक्षिण गंगोत्री का निर्माण : एक चमत्कार
हर्ष कुमार गुप्ता पृ. 60 ₹ 95.00
वर्ष 1984 में तीसरे दक्षिण गंगोत्री निर्माण अभियान के तहत लेखक हर्ष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में महज दो महीनों में अंटार्कटिका में स्थायी बेस स्टेशन के रूप में दक्षिण गंगोत्री के निर्माण का चमत्कार विश्व ने देखा। यह कीर्तिमान अब भी कायम है। इस अभियान की रोचक कथा। ISBN 978-93-5743-284-9

वीरगाथा

(परमवीर चक्र विजेता सैनिकों के जीवन एवं कार्यों पर आधारित
राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय पुस्तकमाला की एक उप-शृंखला)

1. कंपनी क्वार्टर-मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद

गौरव सी. सावंत अनु. : सुधीर नाथ झा पृ. 20 ₹ 60.00

परमवीर चक्र विजेता कंपनी क्वार्टर-मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद के बहादुर कारनामों पर आधारित चित्रात्मक पुस्तक। ISBN 978-81-237- 7868-6

2. कुदोपली की वीरगाथा

अनु. : प्रदीप कुमार पृ. 268 ₹ 360.00

यह पुस्तक 1857 की अनकही कहानी है। इसमें संबलपुर के छिपे हुए योद्धाओं द्वारा लड़ी गई लड़ाइयों पर प्रकाश डाला गया है। ISBN 978-93-6719-849-0

3. कैप्टन मनोज कुमार पांडेय

गौरव सी. सावंत अनु. : सुधीर नाथ झा पृ. 32 ₹ 80.00

परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज कुमार पांडेय के बहादुर कारनामों पर आधारित चित्रात्मक पुस्तक। ISBN 978-81-237- 7872-3

4. मेजर शैतान सिंह

गौरव सी. सावंत अनु. : सुधीर नाथ झा पृ. 24 ₹ 65.00

परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह के बहादुर कारनामों पर आधारित चित्रात्मक पुस्तक। ISBN 978-81-237- 7871-6

5. मेजर सोमनाथ शर्मा

गौरव सी. सावंत अनु. : सुधीर नाथ झा पृ. 24 ₹ 65.00

परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा के बहादुर कारनामों पर आधारित चित्रात्मक पुस्तक। ISBN 978-81-237- 7869-3

6. सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल

गौरव सी. सावंत अनु. : सुधीर नाथ झा पृ. 24 ₹ 65.00

परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के बहादुर कारनामों पर आधारित चित्रात्मक पुस्तक। ISBN 978-81-237- 7870-9

आधुनिक कालजयी बाल कहानियाँ

(राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय पुस्तकमाला की एक उप-शृंखला)

1. साइकिल की सवारी

सुदर्शन *शीघ्र प्रकाश्य*

साइकिल चलाना सीखने की दिलचस्प कहानी।

2. मिट्ठू

प्रेमचंद *शीघ्र प्रकाश्य*

प्रेमचंद की लिखी एक दिल को छू लेने वाली बाल-कहानी है, जिसमें इनसान और जानवर के बीच के स्नेह, दोस्ती और बलिदान को खूबसूरती से दर्शाया गया है।

किशोरों के लिए भारतीय कथाएँ

1. अहिल्या : रूपेण संस्थिता

साधना बलवटे पृ. 54 ₹ 120.00

प्रस्तुत नाटक देवी अहिल्याबाई के जीवन की प्रमुख घटनाओं पर आधारित है। अहिल्याबाई का संपूर्ण जीवन न्यायप्रियता, सद्चरित्रता, संस्कार, धर्म और अनुशासन के स्तंभों पर मजबूती से खड़ा है। प्रजावत्सल देवी अहिल्याबाई होलकर पूरे मालवा की मातुश्री कहलाईं। उनके राज्य में न केवल मनुष्य, वरन् पशु-पक्षी भी न्याय के अधिकारी थे। एक सहृदय स्त्री होने के साथ ही वे एक कुशल शासक भी रहीं। ISBN 978-93-6719-268-9

2. जमीं का कर्ज

अपूर्व वर्मा *शीघ्र प्रकाश्य*

प्रस्तुत संग्रह में समकालीन विषयों पर केंद्रित कविताएँ संगृहीत की गई हैं, जिन्हें पढ़कर पाठक तादात्म्य महसूस करता है।

3. नरेंद्र कोहली : झबरी एवं अन्य कहानियाँ

संच. एवं संपा. : सुधा शर्मा 'पुष्प' पृ. 66 ₹ 185.00

प्रस्तुत संकलन में नरेंद्र कोहली द्वारा रचित किशोर उम्र के पाठकों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणाप्रद एवं चरित्र निर्माण वाली 12 कहानियाँ संगृहीत की गई हैं। इन कहानियों में किशोर-मन के भाव इस प्रकार प्रकट होते हैं, मानो उन कहानियों में बालक का पात्र कल्पित नहीं, बल्कि वे वास्तविक हों और अपने मनोभावों को व्यक्त कर रहे हों। इस संग्रह में संगृहीत कहानियों का उद्देश्य किशोर-मन को जीवन में कर्तव्यनिष्ठ होने, मिल-जुलकर रहने एवं समाज में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। ISBN 978-93-6719-227-6

4. मन्नू भंडारी : त्रिशंकु एवं अन्य कहानियाँ

संच. एवं संपा. : चंद्रकांता पृ. 126 ₹ 285.00

जनप्रिय कथाकार मन्नू भंडारी की कहानियाँ किशोरों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने का हौसला देती हैं, विकट मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों में जीवन का आश्वासन देती हैं और

एक सकारात्मक मार्ग प्रशस्त करती हैं। ये कहानियाँ किशोरों के जीवन में होने वाले सामाजिक व मनोवैज्ञानिक परिवर्तन को समझने की सहूलियत देती हैं। प्रस्तुत पुस्तक में दस कहानियाँ संगृहीत हैं।

ISBN 978-93-6719-300-6

5. सुभद्रा कुमारी चौहान : कदंब के फूल एवं अन्य कहानियाँ

संच. एवं संपा. : सुरेश ऋतुपर्ण पृ. 99 ₹ 235.00

'कदंब के फूल एवं अन्य कहानियाँ' में सुभद्रा कुमारी चौहान की 15 कहानियों का संग्रह किया गया है। ये कहानियाँ किशोरों के चरित्र-निर्माण में सहायता करने, उनमें भारतीयता के संस्कारों का समावेश करने में सक्षम हैं।

ISBN 978-93-6719-682-3

नवलेखन माला

1. राष्ट्रीय चेतना की कहानियाँ

अरुण कुमार भगत, राकेश कुमार योगी (संच. व संपा.) पृ. 157 ₹ 175.00

राष्ट्रीय चेतना जगाने वाली 24 कहानियों का संकलन। युवा पीढ़ी के रचनाकार राष्ट्रीय चेतना पर क्या सोच रखते हैं इन कहानियों को पढ़कर जाना जा सकता है।

ISBN 978-81-237-8692-6

2. हिंदी कहानियाँ

शत्रुघ्न प्रसाद, प्रो. अरुण कुमार भगत (संपा.) पृ. 188 ₹ 175.00

समसामयिक किंतु विविध भाव बोध की 31 कहानियों का संग्रह। चालीस वर्ष से कम आयु-वर्ग के नवलेखकों की ये कहानियाँ युवा मन का आईना हैं जिन्हें पढ़ना वर्तमान से रू-ब-रू होने के समान है।

ISBN 978-81-237-7785-6

3. वैश्वीकरण के दौर में समाचार पत्र

गौरव त्यागी पृ. 70 ₹ 100.00

बीती सदी के अंतिम दशक की शुरुआत में भारत में वैश्वीकरण के प्रवेश के साथ ही विविध क्षेत्रों में अनेकानेक परिवर्तन होने लगे जिससे हमारे समाचार पत्र भी अछूते नहीं रहे। प्रस्तुत पुस्तक में युवा लेखक ने देश के समाचार पत्रों, हिंदी के पत्रों के विशेष संदर्भ, में हुए ऐसे ही परिवर्तनों को जानने-समझने की कोशिश की है।

ISBN 978-81-237-7763-4

महिला लेखन प्रोत्साहन योजना

1. जोहड़ी (कहानी संग्रह)

कौशल पँवार पृ. 120 ₹ 140.00

रचनाकार की चुनी हुई कहानियों का एक ऐसा संकलन जो जमीन-जीवन से जुड़ी एक सहज दलित-स्त्री विमर्श की राह तैयार करता है। संकलित पंद्रह कहानियाँ विविध कोणों से यह काम करते हुए, एक तरह से पारंपरिक वर्चस्व के विरुद्ध आवाज़ उठाते हुए समान जीवन-अधिकारों के लिए सामूहिक चिंतन की जरूरत पर बल देती हैं।

ISBN 978-81-237-8097-9

2. य से यशस्विनी, य से यात्रा (यात्रा संस्मरण)

यशस्विनी पांडेय पृ. 122 ₹ 155.00

लेखिका द्वारा देश और विदेश की कुछ चुनिंदा यात्राओं का संस्मरणात्मक वृत्तांत। रोचक होने के साथ ही मार्मिक भी हैं ये संस्मरण। ISBN 978-81-237-8133-4

3. रानी कमलापति (नाटक)

इंदिरा दाँगी पृ. 64 ₹ 100.00

नट-नटी के संवादों से शुरू हुई यह कथा रानी कमलापति के बहाने स्त्री पराधीनता और उसकी दुर्दशा की मर्मस्पर्शी अभिव्यक्ति है। ISBN 978-81-237-8139-6

भारत@75

1. क्रांतिदूत पंडित परमानंद

राजेश बादल अनु. : अनुपमा गोरे पृ. 167 ₹ 245.00

क्रांतिदूत पंडित परमानंद का भारत की स्वतंत्रता के क्रांतिकारी आंदोलन में अविस्मरणीय योगदान है। युवावस्था में ही वे लाला लाजपत राय, मदन मोहन मालवीय और मोतीलाल नेहरू से जुड़ गए थे। आगे चलकर वे प्रेमचंद, रामचंद्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद जैसे हिंदी के नवजागरण के अग्रदूतों के संपर्क में आए। देश में बड़े स्तर पर बम धमाके की उनकी योजना 21 फरवरी, 1915 को सफल नहीं हुई और वे पकड़े गए। उन्हें अंडमान सेल्युलर जेल भेज दिया गया। 1942 में उन्हें भारत छोड़ो आंदोलन में फिर गिरफ्तार किया गया, 1946 में वे छूटे और सामाजिक कार्यों में जुट गए। ISBN 978-93-574-3567-3

2. कोवळे वज्र अनंत कान्हेरे

विनीता तैलंग अनु. : समीक्षा तैलंग *शीघ्र प्रकाश्य*

अनंत कान्हेरे भारत के स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी सिपाही थे। भारतीयों के साथ अंग्रेजी शासन के क्रूर व्यवहार का बदला लेते हुए यह सुकोमल चित्रकार हँसते-हँसते फाँसी चढ़ गया।

3. गणेश शंकर विद्यार्थी

धनंजय चोपड़ा पृ. 174 ₹ 240.00

यह पुस्तक महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी, पत्रकार-संपादक और समाज-सेवी गणेश शंकर विद्यार्थी की जीवनी है। इसमें उनके बचपन से लेकर शहादत तक का विवरण प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-93-5491-503-1

4. नानाजी देशमुख : एक महामानव

मनोज कुमार मिश्र पृ. 99 ₹ 165.00

नानाजी देशमुख ने 94 वर्ष की अपनी जीवनयात्रा को पूर्ण रूप से समाज और देश को समर्पित किया। उनके व्यक्तित्व से जुड़े अनेक प्रसंगों को कुल छह अध्यायों में वर्णित किया गया है। पुस्तक के आखिर में 'नानाजी का पत्र देश के युवाओं के नाम' युवा वर्ग को प्रेरणा देने वाला है।

ISBN 978-93-5491-244-3

5. पेशावर के महानायक : वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली

रमेश पोखरियाल 'निशंक' पृ. 148 ₹ 240.00

यह पुस्तक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, बहादुर सिपाही और महान देशभक्त चन्द्र सिंह गढ़वाली

के देशहित में किए गए कार्यों का दस्तावेज है। इसमें आजादी के संघर्ष और आजादी के बाद समाज सेवाओं के लिए योजनाएँ तैयार कराने एवं उनके क्रियान्वयन में उनके योगदान की चर्चा की गई है। ISBN 978-93-5491-448-5

6. भगतराम तलवार विस्मृत देशभक्त जासूस की गौरव गाथा

अनुज मिश्र पृ. 171 ₹ 245.00

भगतराम तलवार देशभक्त थे, जिनके बारे में इस पुस्तक में दो भागों में सामग्री मिलती है। उनके परिवार का पख्तून आगमन से लेकर पिता द्वारा पुत्र को शहादत के लिए तैयार करने का अद्भुत प्रसंग मिलता है। उनके प्रारंभिक जीवन से लेकर सुभाष बाबू के अफगानिस्तान छोड़ने तक की गाथा को चित्रित किया गया है। ISBN 978-93-5743-076-0

7. रामधारी सिंह 'दिनकर' : मन्यु एवं माधुर्य का संगम

सुधांशु रंजन पृ. 218 ₹ 300.00

द्विधा एवं द्वंद्व के कवि, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' एक कवि ही नहीं, गद्य लेखक एवं बाल साहित्य के रचयिता भी थे। पुस्तक में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के लेखा-जोखा के अतिरिक्त, रचनाकार के गद्य लेखक, बाल कृतिकार एवं अनुवादक पक्ष को भी बखूबी उकेरा गया है। ISBN 978-93-5743-164-4

8. रेजांग ला की शौर्यगाथा

कुलप्रीत यादव अनु. : ए.के. गांधी पृ. 185 ₹ 290.00

यह पुस्तक उन वीरों के शौर्य की कहानी है, जिन्होंने 18 नवंबर, 1962 को लद्दाख स्थित रेजांग ला पर चीनी आक्रमण के विरुद्ध संघर्ष किया था। 13 कुमाऊँ रेजिमेंट की चार्ली कंपनी के 120 सैनिकों ने 5,000 चीनी सैनिकों का सामना किया। इस संघर्ष में 110 जवान शहीद हुए। मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में इस कंपनी ने 1,300 चीनी सैनिकों को मार गिराया था और लद्दाख क्षेत्र पर संभावित चीनी अधिकार को अवरुद्ध किया था। ISBN 978-93-5491-415-7

9. लोकराज के लोकनायक

राकेश कुमार पृ. 223 ₹ 280.00

प्रस्तुत पुस्तक में कुल 29 अध्यायों के अंतर्गत लोकनायक जयप्रकाश के राजनीतिक जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है। प्रत्येक शीर्षक लोकनायक के जीवन से जुड़े रोचक प्रसंगों पर आधारित है। वे पद व सत्ता की लोलुपता से दूर सामाजिक और राजनीतिक आयामों में सकारात्मक परिवर्तन के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे। ISBN 978-81-2379-973-5

10. शहीद उधम सिंह

डॉ. गुरुदेव सिंह, उमा बंसल *शीघ्र प्रकाश्य*

जलियाँवाला बाग हत्याकांड ने देश के अनेकों लोगों के साथ उधम सिंह को भी झिंझोड़कर रख दिया था। पर वह चुप बैठने वालों में से नहीं थे। उन्होंने जनरल डायर से इसका बदला लेने का निश्चय किया। अपनी मातृभूमि की आजादी और स्वाभिमान की रक्षा के लिए हँसते-हँसते फाँसी चढ़ जाने वाले शहीद उधम सिंह की कहानी है यह पुस्तक।

भारतीय ज्ञान परंपरा

1. जीवन, जिज्ञासा और शास्त्र

एस.सी. मिश्रा पृ. 214 ₹ 165.00

प्रस्तुत पुस्तक प्राचीन भारतीय ग्रंथों, विशेषकर वेद एवं उपनिषद, के आधार पर भारत के प्राचीन गौरव और गरिमा की स्थापना का एक महत उपक्रम है; साथ ही, जीवन की अनेकशः जिज्ञासाओं का समाधान खोजने का प्रयास भी यहाँ दृष्टिगोचर होता है।

ISBN978-93-5743-932-9

2. भारतीय प्रज्ञा : परंपरा का पुण्य प्रवाह

संजीव कुमार शर्मा पृ. 161 ₹ 225.00

प्रस्तुत पुस्तक में विश्व को चमत्कृत करती भारतीय प्रज्ञा के आदिस्वरूप में वेद, पुराण, आर्ष महाकाव्य व पौराणिक ग्रंथों से जनहित के संबंधों को स्थापित किया गया है। भारतीय प्रज्ञा की प्रकृति किस तरह बहुआयामी है, उसके ज्ञान, आध्यात्मिक विद्या, लौकिक विद्या, ललित कलाओं, विज्ञान व शास्त्र और साहित्यिक गतिविधियों की उपयोगिता के संबंध में पुस्तक में बताया गया है।

ISBN978-93-549-1796-7

3. मानस से देवते : श्री गुरु नानक देव जी की वाणी और दर्शन

कर्मजीत सिंह, इकबाल सिंह लालपुरा पृ. 292 ₹ 505.00

प्रस्तुत पुस्तक गुरु नानक देव जी महाराज के दर्शन का परिचय है। इस पुस्तक में अकाल पुरख प्रभु का स्वरूप और उससे मिलने की विधि का, कुदरत द्वारा भगवान की आरती, जीवन का सत्य, विद्या के रूप, महिलाओं के सम्मान, पूर्ण संत की परिभाषा, निरोग रहने की विधि, उत्तम राज्य की संकल्पना, जीवन बदलने के उपाय आदि पर विचार किया गया है।

ISBN 978-93-5491-505-5

4. वर्तमान संदर्भ में वैदिक मूल्य

नाहिद आबिदी पृ. 286 ₹ 330.00

यदि हम वेदाध्ययन कर उसे अपने जीवन मे उतार लें तो वर्तमान समय की समस्त समस्याओं का निदान संभव है। वेद-ज्ञान की पृष्ठभूमि में, इस पुस्तक में वैदिक मूल्यों-संदर्भों की अर्थवत्ता और प्रासंगिकता को समझने का प्रयत्न दिखता है।

ISBN978-93- 5491-624-3

5. सनातन प्रज्ञा प्रवाह : वेदों से विवेकानंद तक

प्रकाश सुमन ध्यानी पृ. 372 ₹ 440.00

भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व में सर्वाधिक प्राचीन मानी जाती है। पाँच हजार वर्ष से भी पूर्व, वैदिक काल से भारतीय ज्ञान और मनीषा की जो अविच्छिन्न धारा चली आ रही है वह 19वीं सदी में भारतीय मनीषा के प्रज्ञान पुरुष, स्वामी विवेकानंद तक चली आई है। इसी सनातन प्रज्ञा के प्रवाह क्रम पर दृष्टिपात करती है यह पुस्तक। प्रत्येक संस्कृतिचेता पाठक के लिए अवश्य पठनीय।

ISBN 978-93-5491-900-8

प्रधानमंत्री युवा पुस्तकमाला

हिंदी

1. कुँवर चैन सिंह : भारतवर्ष के प्रथम स्वतंत्रता महानायक

कपिल मेवाड़ा पृ. 122 ₹ 190.00

कुँवर चैन सिंह मध्य प्रदेश में भोपाल के निकट स्थित नरसिंहगढ़ रियासत के राजकुमार थे। उन्होंने रियासत, वंश परंपरा तथा देश के इस भाग के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाते हुए स्वतंत्रता संग्राम में आहुति दी। उन्होंने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से 33 वर्ष पूर्व ही विद्रोह का बिगुल बजा दिया था। 24 जुलाई, 1824 को अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ते हुए अपने विश्वस्त साथी हिम्मत खाँ और बहादुर खाँ सहित 43 सैनिकों के साथ वे शहीद हो गए।

ISBN 978-93-5491-678-6

2. केबांग : लोकतंत्र की एक पुरातन व्यवस्था

राज पाण्डेय पृ. 145 ₹ 240.00

केबांग अरुणाचल प्रदेश राज्य के आदि जनजाति की एक बहुमुखी प्रथागत संस्था है, जो पारंपरिक मूल्यों में जनतंत्र के आदर्शों को सत्यापित करती है। प्रस्तुत पुस्तक में इसकी कार्यपद्धति और उसके औचित्य को भली-भाँति समझने का प्रयास किया गया है।

ISBN 978-93-6719-330-3

3. गांधी-भगत के साथी : रामबिनोद सिंह

उत्कर्ष आनंद पृ. 90 ₹ 150.00

स्वतंत्रता आंदोलन में योगेंद्र शुक्ल के संग रामबिनोद सिंह ने बिहार में क्रांति की अगुवाई की और गांधी जी के मूल्यों से प्रेरणा ली। उन्होंने बिहार में खादी के प्रति जनजागरूकता पैदा करते हुए अलग-अलग स्थानों पर गांधी कुटीर की स्थापना की। अंग्रेज उनकी देशभक्ति से भयभीत हुए और उन्हें अनेक बार जेल भी जाना पड़ा। उन्हें 'बिहार का बाघा जतीन' और 'खादी का प्रवर्तक' कहा जाता था।

ISBN 978-93-5491-693-9

4. देशानुरागी : बीबी कौर

ईशा पांडेय पृ. 88 ₹ 150.00

बीबी कौर स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाली गदर पार्टी की एकमात्र महिला क्रांतिकारी थीं। उन्होंने समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता और सती प्रथा जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई। उन्हें 'बीबी गुलाब कौर' के नाम से जाना गया। स्वतंत्रता संग्राम के शीर्ष

नेताओं से संपर्क बढ़ाने और उनके संदेशों के आदान-प्रदान के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वह कोटला नौध सिंह (होशियारपुर) गाँव में आखिरी साँस तक रहीं।

ISBN 978-93-5491-692-2

5. बिशनी देवी साह : गाथा एक वीरांगना की

रीतिका बिष्ट पृ. 70 ₹ 130.00

सामाजिक कुरीतियों में उत्तराखंड की बिशनी देवी आजादी के लिए लगातार संघर्षरत रहीं। गांधी जी के प्रभाव में आकर वे आंदोलनकारी बनीं और स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित विभिन्न सत्याग्रहों में भाग लिया। उन्हें 25 मई, 1930 को अल्मोड़ा नगर पालिका में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के आरोप में जेल भेजा गया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भी वे सक्रिय रहीं।

ISBN 978-93-5491-677-9

6. भारतीय लोकतंत्र और रामकथा

नंदिनी पृ. 161 ₹ 240.00

इस पुस्तक में विभिन्न रामकथाओं में निहित मूल्यों का भारतीय लोकतंत्र में निहित मूल्यों के साथ उदाहरण सहित वर्णन किया गया है। पुस्तक में व्यक्ति केंद्रित राजतंत्रीय व्यवस्था के अंदर समाज केंद्रित लोकतांत्रिक व्यवस्था के चिह्नों को ढूँढ़ने का सप्रमाण प्रयास किया गया है। पुस्तक को तीन अध्यायों में विभाजित करते हुए उसके अंतर्गत प्राचीन, मध्यकालीन और समकालीन भारत में लोकतंत्र के साथ-साथ इसके भविष्य की भी चर्चा की गई है।

ISBN 978-93-6719-880-3

7. भारतीय लोकतंत्र के विकास में आदिवासी नेतृत्व और संस्थाओं की भूमिका : झारखंड के विशेष संदर्भ में

आयुध पंकज पृ. 129 ₹ 210.00

प्रस्तुत पुस्तक में औपनिवेशिक दमन के खिलाफ आदिवासी संघर्ष, स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भागीदारी, संविधान निर्माण सभा में उनकी प्रभावशाली भूमिका और 1921 से 1926 तक भारतीय विधायी प्रणाली में उनके योगदान का गहन विश्लेषण किया गया है। इसके साथ ही, यह पुस्तक आधुनिक लोकतंत्र में प्रमुख सामुदायिक आदिवासी संस्थाओं और उनके नेतृत्व की कहानियों की भूमिका को रेखांकित करती है।

ISBN 978-93-6719-029-6

8. भारतीय लोकतंत्र में आधी आबादी

दीपशिखा पृ. 106 ₹ 180.00

भारतीय राजनीति में महिलाओं की उपस्थिति कम रही है, लेकिन प्रधानमंत्री हो, राष्ट्रपति हो अथवा विदेश मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और रेल मंत्रालय के महत्वपूर्ण पद हों, जिस पद पर भी वे रहीं, महिलाओं ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है। इसके अतिरिक्त, ग्राम व शहरी निकायों में भी उनके कई उल्लेखनीय योगदान हैं, जबकि आज भी इस क्षेत्र में महिलाओं को अनेक समस्याओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह पुस्तक इन सभी पहलुओं पर बात करती है।

ISBN 978-93-6719-167-5

9. भारतीय लोकतंत्र में किन्नरों की ऐतिहासिक एवं वर्तमान स्थिति

आराधना साव पृ. 67 ₹ 140.00

भारतीय समाज में किन्नरों की स्थिति में लगातार क्रांतिकारी परिवर्तन एवं विकास देखने को

मिल रहा है, जो भारतीय लोकतंत्र की बढ़ती परिपक्वता का ही परिचायक है, लेकिन समावेशी भारतीय लोकतंत्र में वे क्या कारण रहे, जिसके कारण किन्नरों की स्थिति बिगड़ी? वर्तमान समय में इनकी स्थिति क्या है और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में इनकी क्या भूमिका है? इन सभी प्रश्नों पर इस पुस्तक में विचार किया गया है।

ISBN 978-93-6719-330-3

10. भारतीय वैज्ञानिक और स्वतंत्रता संग्राम

दिनेश मंडोरा पृ. 124 ₹ 195.00

सदियों से भारत भूमि दर्शन, प्राकृतिक विज्ञान, खगोलशास्त्र, ज्योतिष, धातुकर्म, चिकित्सा, उपचार पद्धति, भाषा और साहित्य की सिरमौर रही है। लेकिन भारत में आधुनिक विज्ञान का प्रवेश प्लासी के युद्ध के 27 वर्ष बाद एक अंग्रेज विलियम जोंस द्वारा किया गया था। तत्पश्चात, वैज्ञानिक चेतना के प्रसार और शिक्षण की बागडोर कई भारतीय वैज्ञानिकों ने सँभाली। इनमें से डॉ. महेंद्र लाल सरकार, आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे तथा मेघनाद साहा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। रॉयल इंस्टीट्यूशन तथा ब्रिटिश एसोसिएशन से प्रेरित होकर डॉ. महेंद्र लाल सरकार ने एक भारतीय विज्ञान संस्थान की स्थापना की अनुशंसा सबसे पहले की।

ISBN 978-93-5491-675-5

11. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में मणिपुर की भूमिका

मदालसा मणि त्रिपाठी पृ. 130 ₹ 205.00

ब्रिटिश सरकार ने 1857 तक संपूर्ण भारत में आधिपत्य स्थापित कर लिया था। साथ ही, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों पर भी उनका प्रभुत्व हो गया। ऐसे में मणिपुर भी सन् 1891 में ब्रिटिश शासन के अधीन आ गया। यहाँ के जन समुदाय ने आजाद हिंद फौज के साथ मिलकर देश की आजादी के लिए संघर्ष किया। इस राज्य के वीर सेनानी थे—पाउना ब्रजबासी, रानी गाइदिन्ल्यू, वीर टिकेंद्रजीत सिंह। अंग्रेज-मणिपुर युद्ध (खोंगजोम युद्ध) काफी चर्चित रहा।

ISBN 978-93-5491-674-8

12. भारत में लोकतंत्र की महत्वपूर्ण घटनाएँ

मानसी त्यागी पृ. 137 ₹ 220.00

प्रस्तुत पुस्तक में स्वतंत्रता के बाद भारतीय लोकतंत्र की पिछले 77 वर्षों की विकास यात्रा एवं उसमें आए उतार-चढ़ाव का विस्तृत वर्णन किया गया है। यह उन सभी पाठकों के लिए उपयोगी है, जो भारत के आधुनिक लोकतंत्र के विषय में गहन अध्ययन करना चाहते हैं।

ISBN 978-93-6719-128-6

13. याद करूँ तो...

1942 : बलिया की क्रांति

धर्मराज गुप्ता पृ. 136 ₹ 190.00

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में तत्कालीन संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) ने अहम भूमिका निभाई। उत्तर प्रदेश के विभिन्न भागों में स्थानीय स्तर पर संग्राम का नेतृत्व किया गया। इसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के योगदान को कमतर नहीं आँका जा सकता। बागी बलिया के सूरमाओं ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भी महती भूमिका निभाई। ISBN 978-93-5491-676-2

14. वयं राष्ट्रे जागृयाम : भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा

अभिषेक कुमार सिंह पृ. 108 ₹ 195.00

प्रस्तुत पुस्तक में एक राष्ट्र के रूप में भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सभी आवश्यक पहलुओं को शामिल करने का प्रयास किया गया है, जिसकी शुरुआत वैदिककालीन भारत से होती है। वैदिक ग्रंथों में ही राष्ट्र एवं राष्ट्रीयता का सर्वप्रथम दिग्दर्शन होता है। वहाँ से राष्ट्रीयता की अवधारणा को समझते हुए भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा को इसमें रेखांकित किया गया है।

ISBN 978-93-6719-149-1

15. शहीदों की शान : मानगढ़ धाम

माधव शर्मा पृ. 112 ₹ 165.00

मानगढ़ राजस्थान और गुजरात की सीमा पर स्थित है, जो राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले का एक पहाड़ी क्षेत्र है। मानगढ़ पहाड़ी पर अंग्रेजों ने 17 नवंबर, 1913 को लगभग 1,500 से अधिक भीलों को मौत के घाट उतार दिया था। ये आदिवासी नेता और समाज सुधारक गोविंद गुरु के समर्थक थे। गोविंद गुरु ने लोगों में स्वतंत्रता का भाव जगाया, अध्यात्म और ईश्वर-भक्ति के माध्यम से समाज सुधार के प्रयास किए। उन्होंने संप सभा की स्थापना की और 'भगत आंदोलन' की शुरुआत की।

ISBN 978-93-5491-694-6

16. ससन : आजादी के अज्ञात मतवाले मुंडा आदिवासियों की कहानी

अटूट संतोष पृ. 92 ₹ 155.00

राँची जिला (झारखंड) स्थित सोनाहातु ब्लॉक के चोकाहातु गाँव में मुंडाओं का 'ससन' करीब 14 एकड़ (22 बीघा 18 कट्ठा) में फैला है, जिसमें 8,000 स्मृति पत्थर हैं। मेगालिथ, मेनहिर, डोलमेन, स्टोन सर्कल आदि नामों से पुकारे जाने वाले ये पाषाण स्मारक या पत्थलगड़ी महापाषाण काल के सबसे रहस्यमय कला रूपों में से एक हैं। 1890 के दशक में अपनी जमीन की दावेदारी के लिए कई टन के पत्थरों अर्थात 'पत्थर गड़ी' (पुरखों की स्मृति में गाड़े गए पत्थर) को मुंडा आदिवासी मीलों पैदल चलकर कलकत्ता ले गए थे।

ISBN 978-93-5491-695-3

17. सागर के सेनानी

सुशांत भारती पृ. 70 ₹ 135.00

भारतीय स्वतंत्रता इतिहास के परिप्रेक्ष्य में संग्राम सेनानियों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध भारतीय आर्थिक तंत्र को सबल और स्वदेशी बनाने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। भारतीय समुद्र में यूरोपीय शक्तियों द्वारा अपना आधिपत्य जमाने का प्रयास किया गया। फलतः भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के कुछ वर्ष पहले ही स्टीम नेविगेशन प्रकल्प में अंग्रेज सरकार को भारतीय व्यापारियों द्वारा विरोध का सामना करना पड़ा। द्वारकानाथ ठाकुर, जमशेदजी टाटा, वी.ओ. चिदम्बरम पिल्लई, वालचंद हीराचंद जैसे पूँजीपतियों ने देशहित और सामुद्रिक व्यापार के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाई।

ISBN 978-93-5491-673-1

18. सोनाखान के सपूत : शहीद वीर नारायण सिंह

इंदु वर्मा पृ. 90 ₹ 155.00

वीर नारायण सिंह छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने सोनाखान गाँव (प्राचीन नाम सिंघगढ़) में अकाल से पीड़ित प्रजा के हित में ब्रिटिश शासन के अत्याचार, उत्पीड़न, शोषण के विरुद्ध तथा स्वराज के लिए संघर्ष किया। फलतः, उन्हें 24 अक्तूबर, 1856 को संबलपुर

से गिरफ्तार कर रायपुर जेल में बंद कर दिया गया। स्थानीय लोग उन्हें अपना नेता मानते हुए 1857 की क्रांति में शामिल हो गए। ब्रिटिश कंपनी के खिलाफ लोगों को भड़काकर विद्रोह कराने के आरोप में उन्हें फाँसी की सजा सुनाई गई। ISBN 978-93-5491-696-0

19. संविधान सभा की 15 महिला सदस्य

नीतू कुमारी पृ. 78 ₹ 150.00

संविधान सभा में कुल 389 सदस्यों में 15 महिला सदस्य भी थीं, जिन्होंने संविधान में विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करने के साथ महिलाओं के अधिकारों की पैरवी की। उनके जीवन, उनके विचारों और उनकी उपलब्धियों का संक्षिप्त वर्णन प्रस्तुत पुस्तक में किया गया है।

ISBN 978-93-6719-879-7

20. त्रिदेवी

अनूप कृष्वाण पृ. 70 ₹ 130.00

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं, यथा—सरस्वती राजामणि, दुर्गा देवी वोहरा और कैप्टन लक्ष्मी सहगल ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इनमें से सरस्वती राजामणि और लक्ष्मी सहगल आजाद हिंद फौज में शामिल होकर सुभाष चंद्र बोस की सहयोगी बनीं। लक्ष्मी सहगल ने चिकित्सक, सांसद, समाजसेवी की भूमिका भी निभाई। वहीं, दुर्गा देवी वोहरा ने पति भगवतीचरण वोहरा की शहादत के बाद भगत सिंह, राजगुरु और चंद्रशेखर आजाद के साथ मिलकर विभिन्न क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम दिया। ISBN 978-93-5491-697-7

मैथिली

1. भारतीय स्वाधीनता संग्राममे मिथिलाक दलित समाजक योगदान

कृष्णेन्दु मोहन ठाकुर पृ. 106 ₹ 160.00

स्वाधीनता संग्राम में देश के हर वर्ग, धर्म, जाति, समुदाय, वर्ण और क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया था। इसी क्रम में, मिथिला क्षेत्र के दलित समाज ने भी अपने त्याग, संघर्ष और बलिदान के द्वारा स्वाधीनता आंदोलन को गति दी थी। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव वर्ष में इसी अल्पज्ञात तथा प्रायः विस्मृत प्रसंग का स्मरण कराती मैथिली भाषा में लिखित यह पुस्तक पाठकों की चेतना का स्पर्श करने की एक कोशिश है। ISBN 978-93-5491-496-6

सिंधी

1. भारत जो आजादी आंदोलन ऐं : सिंध जा सूरमा

लक्ष्य टेकचंदानी पृ. 58 ₹ 110.00

सिंधी समाज के तमाम अज्ञात परमवीर सूरमाओं को समर्पित यह पुस्तक अखंड भारत के सिंध प्रांत के उन महान सपूतों के अद्वितीय शौर्य का दृष्टिकोण रखने का प्रयास करती है, जो भारत के अन्य तमाम स्वतंत्रता सेनानियों संग अडिग रूप से डटे रहे और विदेशी शासकों को अपनी प्रचंडता से गतिहीन कर दिया था। इन योद्धाओं में सिंधी बालक, बालिकाएँ, नौजवान, महिलाएँ, छात्र, शिक्षक शामिल थे, जिन्होंने राष्ट्र की स्वाधीनता हेतु अपना सर्वस्व उत्सर्ग कर दिया था।

ISBN 978-93-5491-497-3

विविध

महापुरुष और उनके विचार

1. अकबर के जीवन की प्रेरक घटनाएँ

शीरीं मूसवी अनु. : उमेश दत्त दीक्षित पृ. 144 ₹ 190.00

इस पुस्तक में महान मुगल सम्राट मोहम्मद जलालुद्दीन अकबर के जीवन की प्रेरक घटनाओं को संकलित किया गया है, जो अकबर के साहसी जीवन की परिचायक हैं।

ISBN 978-81-237-3039-4

2. अमर शहीद सरदार भगत सिंह

जितेन्द्रनाथ सान्याल अनु. : स्नेहलता सहगल पृ. 306 ₹ 240.00

भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में हंसते-हंसते अपने जीवन की आहुति देने वाले अमर शहीद सरदार भगत सिंह के नाम से भारत का बच्चा-बच्चा परिचित है। सर्वप्रथम ब्रिटिश काल में प्रकाशित और तत्कालीन शासन द्वारा जब्त जीवनी के संशोधित संस्करण की पुनरावृत्ति है प्रस्तुत पुस्तक।

ISBN 978-81-237-2932-9

3. अल्बर्ट स्वाइट्ज़र : विचारक-मानवतावादी-चिकित्सक

काजिमिर्ज़ इमिलिंस्की व अन्य अनु. : सरोजिनी सिन्हा पृ. 182 ₹ 245.00

19वी-20वीं सदी का एक बहुआयामी व्यक्तित्व, जो एक ही साथ लेखक, विचारक, चिकित्सक, मानवतावादी, संगीतज्ञ, पर्यावरणविद्, दार्शनिक, धर्मशास्त्री, आलोचक व शांतिवादी था, जिसे 1952 का शांति का नोबेल पुरस्कार भी मिला, ऐसे बहुविध व्यक्तित्व के जीवन के केवल कुछ ही पक्षों पर इस पुस्तक में विचार किया गया है। एक प्रेरक व्यक्तित्व पर उत्प्रेरक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7906-5

4. इतिहास, समाज और परंपरा

लक्ष्मी नारायण मित्तल (संक. एवं संपा.) पृ. 248 ₹ 300.00

पाँच खंडों में विभक्त इस पुस्तक में अतुलनीय बौद्धिक एवं राष्ट्रवादी चिंतक श्री धर्मपाल के कुछ महत्वपूर्ण आलेखों का संकलन प्रस्तुत किया गया है, जिसके पारायण से हम उन अप्रतिम विद्वान के स्वतंत्रता संग्राम, शिक्षा, गोरक्षा एवं गोवंश वध, भारतीयता आदि के संबंध में उत्प्रेरक विचारों से अवगत होते हैं। इस महान राष्ट्रवादी चिंतक के संबंध में चार विद्वानों के श्रद्धा-अर्पण के अलावा उनकी लिखी कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकों पर लिखे समीक्षा-आलेखों को भी पुस्तक में सम्मिलित किया गया है।

ISBN 978-93-5491-248-1

5. कल्याणी

उषा भसीन पृ. 337 ₹ 540.00

दूरदर्शन के बहुचर्चित कार्यक्रम 'कल्याणी' की सफल कड़ियों को हुबहू लिखा गया है। यह एक प्रेरणा भर देने वाली पुस्तक है। ISBN 978-81-237-6328-6

6. गाँधी और हिंदी

संच. एवं संपा. : राकेश पांडेय पृ. 474 ₹ 480.00

गाँधी जी ने भारत की आजादी के बाद हिंदी का समर्थन किया और यहाँ तक कह दिया कि दुनिया से कह दो कि गाँधी को अंग्रेजी नहीं आती। एक विशिष्ट पुस्तक जो किसी संदर्भ-ग्रंथ से कम नहीं। हिंदी के संबंध में गाँधी के विचारों का एक अद्‌भुत संकलन।

ISBN 978-81-237-7647-7

7. गाँधी जी और उनके शिष्य

जयंत पंड्या अनु. : भवानी दत्त पंड्या पृ. 182 ₹ 65.00

इस पुस्तक में 12 ऐसे प्रसिद्ध गाँधीवादियों के संक्षिप्त जीवनचरित प्रस्तुत किए गए हैं, जो लोग महात्मा गाँधी से प्रभावित होकर देश के विभिन्न हिस्सों में समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रहे। ISBN 81-237-4406-4

8. गाँधी का भारत : भिन्नता में एकता

महात्मा गाँधी अनु. : सुमंगल प्रकाश पृ. 84 ₹ 100.00

धर्म, समाज, भाषा, आर्थिक समानता जैसे विषयों पर गाँधी जी द्वारा समय-समय पर की गई टिप्पणियों का संकलन। ISBN 81-237-4678-4

9. गाँधी-पटेल : पत्र एवं भाषण

संकलन : नीरजा सिंह अनु. : बिचार दास पृ. 198 ₹ 190.00

इस पुस्तक में गाँधी जी एवं सरदार वल्लभभाई पटेल के एक-दूसरे को लिखे पत्र एवं सरदार पटेल के भाषण संकलित हैं। इससे स्वतंत्रता-पूर्व के भारत की सामयिक राजनीतिक-आर्थिक स्थिति एवं इन दोनों महत्वपूर्ण व्यक्तित्व के बीच सहमति एवं असहमतियों की भी जानकारी मिलती है। ISBN 978-81-237-6032-2

10. गुरु नानक वाणी

संपा. : भाई जोध सिंह, हिंदी रूपांतर : डा. हरिभजन सिंह पृ. 136 ₹ 220.00

गुरु वाणी के इस संकलन में केवल गुरुनानक देव जी की वाणी को अलग-अलग शीर्षक में प्रस्तुत कर उनके धार्मिक, सदाचारी, सामुदायिक, नैतिक विचारों और सिद्धांतों को प्रकट करने का प्रयास किया गया है। ISBN 978-81-237- 8832-0

11. ज्योति की आलोक यात्रा

साँवरमल सांगानेरिया पृ. 190 ₹ 285.00 (2024)

प्रस्तुत जीवनीपरक उपन्यास 'असम का टैगोर' कहे जाने वाले राजनीतिक क्रांतिकारी, पत्रकार, कवि-गीतकार, कहानीकार, स्थापत्यविद्, संस्कृतिविद् और समाज समीक्षक ज्योतिप्रसाद अगरवाला पर आधारित है। पुस्तक में अगरवाला के गीतों और पदों को भी शामिल किया गया है।

ISBN 978-93-5743-904-6

12. जवाहरलाल नेहरू : संघर्ष के दिन

अर्जुन देव (संपा.) अनु. : देवेश चन्द्र पृ. 334 ₹ 345.00

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा विभिन्न अवसरों पर दिए गए भाषणों, पत्रों एवं चुने हुए वक्तव्यों का संकलन। एक संग्रहणीय पुस्तक। ISBN 81-237-1818-7

13. द्वारकानाथ टैगोर

कृष्ण कृपलानी अनु. : शिवदान सिंह चौहान पृ. 284 **अनुपलब्ध**

यह पुस्तक कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर के पितामह द्वारकानाथ टैगोर की संपूर्ण जीवनी है।

14. धर्मनिरपेक्ष धर्म

कर्तार सिंह दुग्गल अनु. : कुलवंत कोछड़ पृ. 104 ₹ 105.00

यह पुस्तक सिख धर्म के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर प्रकाश डालती है। इसमें बताया गया है कि सिख पंथ धर्म से अधिक एक अनुशासित व देशभक्त जीवन शैली है।

ISBN 978-81-237-4750-7

15. नेहरू और आजाद : 1857 पर वक्तव्य

अनु. : उमा बंसल, दीपक कुमार गुप्ता पृ. 34 ₹ 60.00 अजि.),
₹ 100.00 (सजि.)

प्रस्तुत पुस्तक में पं. जवाहरलाल नेहरू और मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ 1857 में लड़ी गई 'आजादी की पहली जंग' पर दिए गए वक्तव्यों के संपादित अंश संकलित हैं। ISBN 978-81-237-5403-1 (अजि.) ISBN 978-81-237-5402-4 (सजि.)

16. फाँसी लाहौर की

गुरदेव सिंह सिद्धू पृ. 100 ₹ 50.00

शहीदे आजम सरदार भगत सिंह को काव्यांजलि स्वरूप प्रकाशित इस पुस्तक में 63 कविताओं का संकलन है, जिनमें से कई के रचनाकार अज्ञात हैं। पुस्तक की लंबी भूमिका में भगत सिंह के विचार के अलावा उनके द्वारा जेल में भूख हड़ताल करने के समर्थन में कई नेताओं के बयान भी शामिल है। ISBN 978-81-237-4665-4

17. महात्मा और कवि

सव्यसाचि भट्टाचार्य (संक. एवं संपा.) अनु. : तालेवर गिरी पृ. 218 ₹ 205.00

महात्मा गाँधी और कविवर रवींद्रनाथ टैगोर के बीच सन् 1915 से 1941 के बीच हुए पत्र-व्यवहार और विचार-विमर्श को इस पुस्तक में संकलित किया गया है। ISBN 978-81-237-4525-1

18. महात्मा गांधी का शिक्षा चिंतन

रश्मि श्रीवास्तव पृ. 242 ₹ 255.00

महात्मा गांधी का एक शिक्षाशास्त्री का रूप दिखाते हुए इस पुस्तक में उनके शिक्षा संबंधी विचार एवं चिंतन का विश्लेषनात्मक आकलन किया गया है और उनके चिंतन के वर्तमान निहितार्थ तक लेखिका ने अपनी दृष्टि डाली है। ISBN 978-81-237-8690-2

19. महात्मा गाँधी के विचार

आर.के.प्रभु, यू.आर.राव (संकलन) अनु. : भवानी दत्त पंड्या

पृ. 568 ₹ 160.00 (अजि.) ₹ 435.00 (सजि.)

इस पुस्तक में धर्म, भारतीय संस्कृति, तत्कालीन राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक परिवेश आदि

अनेक विषयों पर गाँधी जी का दार्शनिक मत प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान समय में भी इन विचारों की प्रासंगिकता यथावत है। ISBN 978-81-237-0985-4 (अजि.)
ISBN 978-81-237-0986-2 (सजि.)

20. मदनमोहन मालवीय : विचार यात्रा

संपा. : समीर कुमार पाठक पृ. 466 ₹ 375.00

इस पुस्तक में महामना मदनमोहन मालवीय के चुनिंदा लेख, संपादकीय, भाषणों को प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-6972-1

21. मनुष्य बनाम मिथक

*बैरो डनहेम*अनु. : राजेश कुमार झा पृ. 228 ₹ 200.00

सन् 1947 में पहली बार प्रकाशित यह पुस्तक समाज में व्याप्त कतिपय ऐसे मिथकों का निर्मूलन करती है जो असमानता और उससे उपजे शोषण को नियति मानने वाले लोगों की देन होते हैं।
ISBN 978-81-237-6804-5

22. मैं नास्तिक क्यों हूँ

भगत सिंह भूमिका : विपिन चंद्रा अनु. : पंकज चतुर्वेदी पृ. 30 ₹ 70.00

शहीदेआजम भगत सिंह के दो आलेखों–'मैं नास्तिक क्यों हूँ' और 'ड्रीमलैंड' की भूमिका का संकलन। ये आलेख भगत सिंह की समाजवादी विचारधारा के परिचायक हैं।
ISBN 978-81-237-4870-2

23. मौलाना अबुल कलाम आज़ाद : विचार-यात्रा

डॉ. समीर कुमार पाठक (संपा.) पृ. 484 ₹ 455.00

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जीवन गाथा स्वाधीनता संग्राम की संघर्ष-गाथा है। इस पुस्तक में आज़ाद के लेख, भाषण, वक्तव्य, टिप्पणियों को संकलित किया गया है जिससे उनकी धर्म, दर्शन, भाषा, देश के विभाजन आदि विषयों पर सशक्त विचारधारा को समझा जा सकता है। ISBN 978-81-237- 7900-3

24. राष्ट्रवाद

रवीन्द्रनाथ टैगोर अनु. : सौमित्र मोहन पृ. 68 ₹ 90.00

प्रस्तुत पुस्तक में उन व्याख्यानों को संकलित किया गया है, जिन्हें रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 1916-1917 में अपनी जापान तथा अमेरिका यात्रा के दौरान दिया था। दूरदर्शितापूर्ण ये व्याख्यान आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। ISBN 978-81-237-4104-8A

25. राष्ट्रीयता और समाजवाद

आचार्य नरेंद्रदेव पृ. 524 ₹ 360.00

भारत में अंग्रेजी शासन के पश्चात देशवासियों में राष्ट्रीयता के उदय और तत्कालीन घटनाओं के इतिहास को इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है। नरेंद्रदेव द्वारा व्यक्त विचार आज के संदर्भ में भी प्रासंगिक हैं। ISBN 978-81-237-3845-1

26. लघु प्रेरक प्रसंगों में विराट महापुरुष बापू

सीता बिम्ब्रॉ पृ. 312 ₹ 410.00 (2024)

प्रस्तुत संकलन गांधी जी के ऐसे कुछ चुनिंदा प्रेरक जीवन-प्रसंगों का एक गुलदस्ता है, जो मनुष्य मात्र को ही नहीं, वरन् पूरी मानवता को अपनी खुशबू से सुवासित करता रहेगा। ये जीवन-प्रसंग

यद्यपि लघु अवश्य हैं, किंतु उनसे जो प्रेरणा का आलोक-पुंज निःसृत होता है, वह पूरी मनुष्यता को ही प्रेरित, प्रभावित और उद्वेलित करने की क्षमता रखता है।

ISBN 978-93-5743-616-8

27. विश्व धरोहर : सिख गुरु परंपरा

बैनीकृष्ण शर्मा पृ. 272 ₹ 265.00

भारत के इतिहास में सिखों के दस गुरु भारत माँ के अजर-अमर दस सपूत के रूप में ख्यात-विख्यात हुए। इस पुस्तक में इन्हीं गुरुओं के व्यक्तित्व और कर्तृत्व का उम्दा लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया है। इस क्रम में इन गुरुओं की वाणी का भी पुस्तक में समावेश है।

ISBN 978-81-237-8197-6

28. संतों के संवाद

उदय प्रताप सिंह पृ. 126 ₹ 140.00

संतश्री नामदेव, रामानंद, कबीर, रैदास, तुलसी, मीरा, पीपा, दादू दयाल प्रभृत महान संतों ने अपनी वाणियों से सामाजिक और आध्यात्मिक प्रेम, सौहार्द और एकता का पाठ भारतीय समाज को पढ़ाकर उसे सद्मार्ग पर लाने का प्रयास किया। ऐसे ही कुछ संतों के बारे में संवादपरक शैली में यह पुस्तक।

ISBN978-81-237-8882-1

29. सुकरात का मुकदमा और उनकी मृत्यु

प्लेटो अनु. : मन्मथनाथ गुप्त पृ. 148 ₹ 135.00

प्रस्तुत पुस्तक में प्रसिद्ध सुकरात के मुकदमे और उनके मृत्यु दंड पर लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व दिए सुकरात के वक्तव्यों और मान्यताओं का वर्णन किया गया है, जो आज की परिस्थितियों में भी उतने ही सटीक और महत्वपूर्ण हैं।

ISBN 978-81-237-2934-3

30. सात भारतीय संत

बलदेव वंशी पृ. 182 ₹ 150.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने कबीर, मीराबाई, संत दादू, प्रवर कवि प्राणनाथ, रज्ज़ब, मलूकदास, सहजोबाई के जीवन-दर्शन और संदेश को बखूबी व्यक्त किया है।

ISBN 978-81-237-5792-6

31. स्वार्थ से परमार्थ तक

प्रो. ब्रह्मदत्त त्रिपाठी पृ. 116 ₹ 130.00

यह पुस्तक एक पर्यावरण वैज्ञानिक के प्रकृतिमय जीवन के गहन अनुभवों का सार है।

ISBN 978-81-237-7813-9

32. स्वामी विवेकानन्द

नरेन्द्र कोहली पृ. 352 ₹ 250.00

भारत के महान व्यक्तित्व, स्वामी, विवेकानन्द की उपन्यास की शैली में लिखी गई प्रेरणाप्रद जीवनी।

ISBN 81-237-4341-6

33. हिन्दू-धर्म क्या है?

महात्मा गाँधी पृ. 114 ₹ 150.00

इस छोटी-सी पुस्तक में हिन्दू-धर्म पर महात्मा गाँधी के समृद्ध चिंतन को सामान्य पाठकों के लिए प्रस्तुत किया गया है। अलग-अलग समय पर लिखे गए इन लेखों में हिन्दू-धर्म की छवि

विद्यमान है जो अपनी विचार संपन्नता, समग्रता और मानव अस्तित्व की मूलभूत दुविधाओं के प्रति सजगता के विषय में, अन्यत्र दुर्लभ है। ISBN 978-81-237-0634-7

साहित्य

1. अंतर्मन की दिव्य गूँज

योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण' पृ. 152 ₹ 215.00

लगभग चालीस से अधिक प्रेरक निबंधों का यह संग्रह मनुष्य को 'मनुष्य' बनने की प्रेरणा देता है; साथ ही, उसे एक अच्छा इनसान बनने की ओर भी उन्मुख करता है। हमारे समाज को एक सकारात्मक और कर्तव्यनिष्ठ समाज बनाने में अत्यधिक उपयोगी, मददगार और उपादेय हैं ये प्रेरक निबंध। ISBN 978-93-5491-898-8

2. अपनी माटी अपनी थाती

मनबीर सिंह *शीघ्र प्रकाश्य*

पर्यावरण और प्रकृति पर आधारित महत्वपूर्ण और पठनीय पुस्तक।

3. अनोखी यायावरी

महेश चंद्र द्विवेदी पृ. 124 ₹ 155.00

देश और विदेश की प्रभूत यात्राएँ करने वाले लेखक का प्रस्तुत यात्रा संस्मरण उनकी रोचक और आकर्षक भाषा शैली के कारण और अधिक पठनीय हो गया है। लिखने की शैली ऐसी है कि एक पाठक लेखक के साथ स्वयं को भी यात्रा का सहयात्री महसूस करने लगता है।

ISBN978-81-237-8813-5

4. आँख भर उमंग

राजेश कुमार व्यास पृ. 264 ₹ 310

प्रस्तुत यात्रा-वृत्तांत में लेखक द्वारा बीते लगभग एक दशक में उनके द्वारा की गई यात्राओं का बेहद रोचक और कवित्वपूर्ण विवरण दिया गया है। नदी की तरह प्रवहमान भाषा-शैली में लिखे इस यात्रा-संस्मरण को पाठक बड़े चाव से पढ़ेंगे। ISBN 978-81-237-9783-0

5. आकाशवाणी साहित्य संपदा भाग-1

शशि शेखर येम्पटि (प्रधान संपादक), संपादक : फ़ैयाज़ शहरयार

अशोक त्रिपाठी (अतिथि संपादक) पृ. 333 ₹ 450.00

आकाशवाणी साहित्य संपदा श्रृंखला के अंतर्गत आधुनिक भारत के साहित्य जगत को प्रस्तुत करती पुस्तक। ISBN978-81-237-8136-5

6. आकाशवाणी साहित्य संपदा भाग-2

शशि शेखर येम्पटि (प्रधान संपादक), संपादक : फ़ैयाज़ शहरयार

अशोक त्रिपाठी (अतिथि संपादक) पृ. 299 ₹ 415.00

आकाशवाणी साहित्य संपदा श्रृंखला के अंतर्गत आधुनिक भारत के साहित्य जगत को प्रस्तुत करती पुस्तक। ISBN978-81-237-8107-5

7. आकाशवाणी साहित्य संपदा भाग-3

शशि शेखर येम्पटि (प्रधान संपादक), संपादक : फ़ैयाज़ शहरयार

अशोक त्रिपाठी (अतिथि संपादक) पृ. 286 ₹ 400.00

आकाशवाणी साहित्य संपदा श्रृंखला के अंतर्गत आधुनिक भारत के साहित्य जगत को प्रस्तुत करती पुस्तक। ISBN978-81-237-8137-2

8. आखर-आखर मोरपंख

राजरानी शर्मा पृ. 200 ₹ 255.00

भारत की सभ्यता, संस्कृति और परंपरा से अनुप्राणित विविध विषयों, प्रसंगों पर समय-समय पर लिखे गए अठारह निबंधों का अनुपम संग्रह है यह पुस्तक। प्रस्तुत पुस्तक को पढ़ना किसी ताजगीभरे अहसास से गुजरने के समान है। ISBN978-93-5743-175-0

9. आचार्य द्विवेदी की स्मृति में

पृ. 582 ₹ 1500.00

सन् 1933 में काशी प्रचारिणी सभा द्वारा आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के सम्मान में प्रकाशित ग्रंथ हिंदी जगत के साहित्य, कला, भाषा, इतिहास, विज्ञान का समग्र संदर्भ-कोश है। इस दुर्लभ ग्रंथ को प्रो. मैनेजर पांडेय द्वारा लिखे गए परिचय के साथ पुनर्मुद्रित किया गया है।

ISBN 978-81-37-7400-8

10. आदिशंकरम्

के. सी. अजयकुमार पृ. 330 ₹ 320.00

केरल के एक गाँव कालटी में पैदा हुआ शंकर ही आगे चलकर जगद्गुरु आदिशंकराचार्य बने। लेखक ने अपने इस जीवनीपरक औपन्यासिक कृति में आदिशंकराचार्य के जीवन और कर्तृत्व को चमत्कारों और अस्वाभाविक कथाओं से निकालकर उनके मूल स्वरूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। इस क्रम में, आदिशंकराचार्य के दर्शन एवं आध्यात्मिक विचारों, उनके संबंध में मिथकों आदि को जानने-समझने का भी प्रयास यहाँ दिखता है। ISBN 978-81-237-9263-7

11. ओकुहेपा

जितेंद्र कुमार सोनी पृ. 104 ₹ 205.00

भारत राष्ट्र को जानने के अनेक तरीकों में से एक, देश के विभिन्न स्थानों के, लेखक द्वारा की गई यात्राओं को पढ़ना भी है। 'ओकुहेपा' एक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा की गई यात्राओं के संस्मरणों का एक संग्रह है, एक यात्रा-वृत्तांत है। पुस्तक में वर्णित स्थानों के यात्रा-वृत्तांत को पढ़ना उस स्थान विशेष की संस्कृति, कला, इतिहास और भूगोल से भी गुजरना है।

ISBN 978-93-5743-731-8

12. और यायावरी मन की

कुमार रवीन्द्र पृ. 180 ₹ 180.00

अंग्रेजी के प्रोफेसर और हिंदी के लेखक ने पूरे भारत का भ्रमण अपने अंदाज में किया। बेहद आत्मीय शैली में लिखी यह पुस्तक आपको निमंत्रण देती है, साथ ही अपनी जड़ों से जोड़ने का काम भी करती है। ISBN 978-81-237-7187-8

13. कलाओं की अंतर्दृष्टि

राजेश कुमार व्यास पृ. 176 ₹ 230.00

कलाओं की हमारी दृष्टि पर विदेशी प्रभाव इस कदर है कि हम अपने मूल में प्रायः झाँक ही नहीं पाते हैं। ब्रिटिश काल के बाद कलाओं में पश्चिम के सिद्धांतों, अवधारणाओं में ही कलाएँ

समझी और परखी जाती रही हैं। यह पुस्तक इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इसमें कलाओं की भारतीय अंतर्दृष्टि पर मौलिक चिंतन और मनन है। ISBN 978-93-5743-934-3

14. कवि का कहा

मिथिलेश श्रीवास्तव पृ. 86 ₹ 100.00

प्रस्तुत पुस्तक लेखक द्वारा हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित चार रचनाकारों से लिए गए साक्षात्कारों का संग्रह है। ISBN 978-81-237-7125-0

15. कविता...बचपन

सीताकांत महापात्र अनु. : राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पृ. 44 ₹ 75.00

देश-विदेश की 32 श्रेष्ठ बचपन की कविताओं का संकलन ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कवि सीताकांत महापात्र ने किया है। एक संग्रहणीय पुस्तक। ISBN 978-81-237-3760-2

16. कश्मीर दर्पण

सकीना अख़्तर पृ. 198 ₹ 200.00

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर की भूमि में अनेक महान संतों का जन्म हुआ जिनका व्यक्तित्व और कृतित्व संपूर्ण मानव जाति के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। कश्मीर के ऐसे ही संतों के साथ-साथ हिंदी प्रदेश के संतों, यथा–कबीर, तुलसी, नानक, मीरा आदि के काव्य का पुस्तक में तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। पुस्तक के दूसरे खंड में कुछ कश्मीरी लोककथाएँ भी दी गई हैं। ISBN 978-81-237-9262-0

17. कुल्हड़ की चाय

हरिशंकर राढ़ी पृ. 210 ₹ 180.00 (2024)

प्रस्तुत पुस्तक ललित निबंधों का एक ऐसा संग्रह है, जिसमें ग्राम्य-जीवन, रिश्ते-नाते, साहित्य, बालपन, प्रकृति, मौसम और संगीत आदि विषयों के साथ ऐसा बहुत कुछ है, जो एक सहृदय पाठक के अंतर्मन को आह्लादित कर सके। इन ललित निबंधों में सत्यं शिवं सुंदरम् का भाव अंतर्निहित है। ISBN 978-93-5743-492-8

18. गोपाल सिंह 'नेपाली' के गीति-काव्य में संगीत-तत्व

राकेश रंजन पृ. 110 ₹ 160.00

प्रस्तुत पुस्तक की मूल विषयवस्तु 'गीतों के राजकुमार' कहे जाने वाले छायावादोत्तर काल के समर्थ कवि-गीतकार गोपाल सिंह 'नेपाली' के काव्य और गीतों में निहित सांगीतिक तत्वों पर केंद्रित है। ISBN 978-81-237-7190-8

19. घियाणा (हिमाचली नाटकों का संकलन)

गौतम शर्मा 'व्यथित' (संक. एवं संपा.) पृ. 228 ₹ 140.00

हिमाचली भाषा में चुनिंदा नाटकों का संग्रह, जो हिमाचल के नाट्य-शिल्प की एक तस्वीर प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-5691-2

20. घुमक्कड़ का चातुर्मास

राकेश अचल पृ. 186 ₹ 215.00

विश्व के सर्वाधिक विकसित माने जाने वाले देश अमेरिका के अंतर्जगत में झाँकते और उसका आकलन-विश्लेषण करते एक वरिष्ठ पत्रकार की कलम से निकला यह रोचक और पठनीय

यात्रावृत्त। अमेरिका में रह रहे भारतीयों की ऊहापोह वाली स्थिति पर भी लेखक ने पैनी नजर डाली है। ISBN 978-81-237-8748-0

21. चार धाम, बारह ज्योतिर्लिंग यात्रा

शिवजीत सिंह राघव पृ. 162 ₹ 230.00

उत्कट जिजीविषा, जीवट और जज्बे के धनी दिव्यांग लेखक शिवजीत सिंह राघव द्वारा चालीस वर्षों से दिव्यांगता का अभिशाप झेलते हुए देश के चार धामों एवं बारह ज्योतिर्लिंगों की व्हीलचेअर पर की गई तीर्थयात्राओं के अलावा कुछ अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की यात्रा का जीवंत दस्तावेज है यह पुस्तक। ISBN 978-93-5743-930-5

22. जनकवि परसन : व्यक्ति और साहित्य

विमलेश कांति वर्मा पृ. 118 ₹ 170.00

उन्नीसवीं सदी के रचनाकार परसन अपने समय के एक 'सामाजिक प्रवक्ता' के रूप में जाने जाते हैं; जिसे देश की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक समस्याओं की गहरी परख है। परसन एक दलित हैं, किंतु उनकी लेखनी दलितों पर न होकर जन सामान्य पर है। उनकी रचनाएँ सामाजिक परिवेश को समझने के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज के समान हैं।

ISBN 978-93-5743-624-3

23. ढब्बूजी की धमक

आबिद सुरती पृ. 36 ₹ 150.00

प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आबिद सुरती द्वारा तैयार की गई 100 बहुरंगी कार्टून-स्ट्रीप्स का संकलन।

ISBN 978-81-237-4474-2

24. ढब्बूजी की धम्माल

आबिद सुरती पृ. 28 ₹ 85.00

सुप्रसिद्ध पत्रिका 'धर्मयुग' को लोकप्रिय बनाने में उसके तीसरे-अंतिम पृष्ठ पर नियमित प्रकाशित ढब्बूजी की बड़ी भूमिका थी। उन्हीं चुनिंदा कार्टून पट्टियों को इस पुस्तक में संकलित किया गया है। ISBN978-81-237- 7938-6

25. तीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदान

अच्युतानंद मिश्र पृ. 172 ₹ 225.00 (2024)

प्रस्तुत पुस्तक में तीन कवियों—अज्ञेय, रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती के पत्रकारिता में अवदान पर विस्तृत चर्चा की गई है। पुस्तक में कुल छह अध्याय हैं। पहले अध्याय में इन तीनों महानायकों के श्रेष्ठतम साहित्य एवं प्रकाशकों के साथ इनके संबंधों पर प्रकाश डाला गया है। दूसरे अध्याय में अज्ञेय क्यों 'अज्ञेय' ही रहे, यह बताया गया है। तीसरे अध्याय में रघुवीर सहाय की विषेष पत्रकारिता के बारे में जानकारी है तो आगे के अध्यायों में भी बहुत-सी रोचक जानकारियाँ हैं। ISBN 978-93-5743-571-0

26. तिरूवल्लुवर : तिरूकुरल जीवन पथ

रूपांतरण : डॉ. आनन्द पयासी पृ. 404 ₹ 495.00

तमिल भाषा के महान कवि तिरूवल्लुवर के बारे में अनुमान है कि वे ई.पू. 30 से 200 वर्ष के बीच हुए थे। उनकी रचना 'तिरूकुरल' एक ऐसा ग्रंथ है जो नैतिकता का पाठ पढ़ाता है। इस

पुस्तक में मूल तमिल तिरूकुरल के मुक्तक काव्य को हिंदी में कविता के रूप में ही अनूदित किया गया है। साथ ही मूल तमिल को भी प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-7805-8

27. दीवार के पार, दुनिया अपार

राजेंद्र उपाध्याय पृ. 150 ₹ 205.00

एक लेखक जब अपने घर, परिवार और शहर को छोड़ता है तो दुनिया के अनंत को देखता है और शब्द-शब्द, मोती-मोती चुनकर रच देता है एक मनोरम और मनहर यात्रावृत्त—दीवार के पार...रोचक और पठनीय पुस्तक। ISBN 978-81-237-9945-2

28. देखा-समझा देस-बिदेस

प्रताप सहगल पृ. 122 ₹ 165.00

पुस्तक के नामारूप इस पुस्तक में देस और बिदेस की लेखक की यात्राओं का चित्रात्मक वर्णन है। भीमबेटका, बोधगया-सारनाथ-कुशीनगर हो कि अमरकंटक में नर्मदा का उद्गम स्थल; बिदेस में हॉन्गकॉन्ग हो कि मकाऊ, लेखक ने अपनी यात्राओं को बड़े ही रोचक और आकर्षक ढंग से शब्दों के पैरहन पहनाए हैं। ISBN978-81-237-8799-2

29. दो डग, देखा जग

जयशंकर गुप्त पृ. 238 ₹ 315.00

एक अनुभवी और सजग पत्रकार की दुनिया के 14 देशों को देखने, जीने और फिर उसे लिखकर इतिहास का एक अतुल्य दस्तावेज बना देने का उपक्रम है प्रस्तुत यात्रा संस्मरण। इस पुस्तक से गुजरना विश्व के चार महादेशों की सभ्यता-संस्कृति-राजनीति तथा उनके अनेक अन्य आयामों के पार्श्व से गुजरना और महसूसना भी है। ISBN 978-93-5743-208-5

30. नर्मदा आए कहाँ से, जाए कहाँ रे

आलोक मेहता पृ. 108 ₹ 160.00

मानव की आदि सभ्यता की भूमि रही नर्मदा के अंचल का ऐतिहासिक महत्व भी रहा है। इस पुस्तक में ऐसी ही नर्मदा के ऐतिहासिक महत्व को उजागर करने के अलावा, नर्मदा-तट के इर्द-गिर्द और पास-परिवेश के अनेकानेक पर्यटन स्थलों की भी जानकारी दी गई है। नर्मदा के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक पक्ष भी यहाँ दृष्टिगोचर होते हैं।

ISBN 978-81-237-9746-5

31. नर्मदे हर

राजेश कुमार व्यास पृ. 142 ₹ 190.00

हमारा देश सांस्कृतिक रूप से बेहद समृद्ध देश है जहाँ संस्कृति के अनेकानेक प्रतीक नदी, झरने, मंदिर और तीर्थ आदि के रूप में, प्राकृतिक और मनुष्य निर्मित, पग-पग पर दिख जाते हैं। यायावर लेखक ने देश के कुछ ऐसे ही स्थलों के संस्मरणात्मक यात्रावृत्त का एक मनोरम गुलदस्ता यहाँ प्रस्तुत किया है। ISBN 978-81-237-8689-6

32. पतझर में यूरप तथा अन्य यात्राएँ

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी पृ. 148 ₹ 170.00

यायावर लेखक की देश-विदेश की यात्राओं का रोचक एवं ज्ञानपूर्ण संस्मरणात्मक यात्रावृत्त है यह पुस्तक, जिसमें यूरप, एशिया और अमेरिकी महाद्वीपों के अनेक देशों की लेखक द्वारा की

गई यात्राओं के साथ ही देश के विभिन्न राज्यों की समय-समय पर की गई यात्राओं का भी चित्रात्मक भाषा में सरल विवरण दिया गया है। ISBN978-81-237-8134-1

33. पर्वत-पर्वत बस्ती-बस्ती

चंडी प्रसाद भट्ट पृ. 233 ₹ 215.00

प्रमुख यायावर लेखक व चिपको आंदोलन से जुड़े रहे लेखक ने अपनी यात्राओं को एक नए अंदाज में लिखा है, जिसे पाठक मन से पढ़ना चाहेंगे। ISBN 978-81-237-6008-7

34. परवाज़-ए-ग़ज़ल

कैलाश गुरु 'स्वामी' पृ. 138 ₹ 140.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने देवनागरी लिपि में उर्दू ग़ज़ल के विभिन्न तत्वों पर सूक्ष्म दृष्टि से व्यापक चर्चा की है। उर्दू के अरूज़ छंद पर अर्थात ग़ज़ल के पिंगल-शास्त्र पर केंद्रित यह पुस्तक बेजोड़ है। ISBN 978-81-237-7191-5

35. पहाड़ों का तिलिस्म

जगन सिंह पृ. 240 ₹ 270.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखिका की किन्नौर, लाहुल-स्पिति, चंबा, भरमौर और सिरमौर की यात्रा का वर्णन तो है ही, यात्रा के बहाने वहाँ की कठिन भैगोलिक स्थितियों, वहाँ के निवासियों के सामाजिक, सांस्कृतिक जीवन का विस्तृत वर्णन भी है और हिमालय के प्रति उसके सम्मोहन की अभिव्यक्ति भी। ISBN 978-81-237-7909-6

36. पारावार के पार

गोपबन्धु मिश्र पृ. 224 ₹ 240.00

साहित्य, कला और संस्कृति का त्रिवेणी संगम, प्राकृतिक और मनुष्यकृत रूप-लावण्य से परिपूर्ण, विश्व की सांस्कृतिक नगरी कही जाने वाली पेरिस में, लेखक के लगभग दो वर्षीय प्रवास पर आधारित इस संस्मरण में पेरिस के आस-पास के कुछ अन्य देशों की यात्राओं के संस्मरण भी संग्रथित हैं। ISBN978-81-237-8812-8

37. पूर्वोत्तर की आदिवासी कहानियाँ

रमणिका गुप्ता (संक. एवं संपा.) पृ. 168 ₹ 150.00

अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, मणिपुर आदि क्षेत्रों के रचनाकारों की आदिवासी कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5575-5

38. प्रबोधचंद्रोदय

श्रीकृष्ण मिश्र यति रूपां. : प्रताप सहगल पृ. 96 ₹ 120.00

11वीं सदी में श्रीकृष्ण मिश्र यति द्वारा लिखा और प्रताप सहगल द्वारा रूपांतरित किया गया एक ऐसा संस्कृत क्लासिक नाटक, जो हमें भारतीय दर्शनों के संसार की यात्रा करवाते हुए प्रबोध की ओर ले जाता है। ISBN978-81-237-8077-1

39. बाजी राउत

संपा. : कृष्णचंद्र आइच, भाषांतर : अजित प्रसाद महापात्र पृ. 30 ₹ 80.00

प्रस्तुत पुस्तक में ओडिशा के वीर संग्रामी बालक बाजी राउत को केंद्र में रखकर रोचक आलेख निहित हैं। 'कितनी बातें, कितनी पीड़ाएँ' शीर्षक आलेख में वीर बालक बाजी राउत द्वारा छुटपन

में ही देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिए जाने की मर्मांतक गाथा है। दूसरे आलेख 'ढेंकानाल का ऐतिह्य और संस्कृति' में पद्मश्री पं. अंतर्यामी मिश्र द्वारा ढेंकानाल के प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति पर प्रकाश डाला गया है। कुल मिलाकर पुस्तक में चार आलेख हैं।

ISBN 978-93-5743-880-3

40. ब्रज खिरक

रसिक बिहारी विभु महाराज पृ. 178 ₹ 245.00

श्रीकृष्ण की विहार और लीलाभूमि है ब्रज। इसी ब्रज के विविध आयामों—महत्व, मान्यताएँ, वैदिक संप्रदायों में ब्रज, वैष्णव पुराण में ब्रज आदि को रूपायित और व्याख्यायित करती है यह पुस्तक।

ISBN 978- 93-5491-899-5

41. भक्ति परंपरा का प्राच्यवादी पाठ

तृप्ति श्रीवास्तव पृ. 190 ₹ 195.00

कबीर, सूर, तुलसी से लेकर मीरा तक हमारे देश में भक्ति काव्य की दीर्घ परंपरा रही है। इस पुस्तक में इसी भक्ति परंपरा के प्राच्यवादी पाठ पर विचार किया गया है। भक्ति की अकादमिक समझ के विकास पर भी चर्चा की गई है।

ISBN978-81-237-8138-9

42. भारत राष्ट्र और उसकी शिक्षा पद्धति

नीरजा माधव पृ. 112 ₹ 125.00

प्रस्तुत पुस्तक में राष्ट्र की अवधारणा की सही और सटीक व्याख्या के साथ शिक्षा और शिक्षा पद्धति पर व्यापक विचारणा की गई है। वेदों में शिक्षा पद्धति, शिक्षा के उद्देश्य और स्वरूप आदि अनेक बिंदुओं पर पुस्तक में चर्चा की गई है।

ISBN 978-93- 5491-624-3

43. भारतीय कला और अंतरानुशासन

नर्मदा प्रसाद उपाध्याय पृ. 146 ₹ 165.00

प्रस्तुत पुस्तक में भारतीय कला की मूल अवधारणा और उसके उस उदात्त स्वरूप को सामने लाने का प्रयास किया गया है, जिसकी आत्मा अन्य अनुशासनों से अंतरावलंबन की है, परस्पर संवाद और अंतर्संबंध की है। इस पुस्तक में संकलित विभिन्न आलेखों में भारतीय कला की उस दृष्टि पर प्रकाश डाला गया है, जो परिक्रमा कर वहीं नहीं पहुँचती, जहाँ से उसने शुभारंभ किया था, अपितु वह नए गंतव्यों तक पहुँचने के लिए यात्रा करती है और उसकी यात्रा की निरंतरता कभी भंग नहीं होती।

ISBN 978-93-6719-927-5

44. भारतीय संस्कृति के प्रतिमान

पूर्ण चंद शर्मा पृ. 411 ₹ 510.00

वैश्विक संदर्भ में भारत की संस्कृति का वैराट्य और वैविध्य उच्चतम सोपान पर दृष्टिगोचर होता है। भारतीय संस्कृति एक आदर्श और मानक के रूप में लोगों के हृदय में विराजमान है। भारतीय संस्कृति के विविध रूपों, पक्षों और आयामों पर यह पुस्तक विमर्श करती है। इस विमर्श के क्रम में भारतीय लोककलाओं, लोककथाओं, लोकनृत्यों, लोकगीतों, लोकनाट्यों, लोकसाहित्यों एवं बुझावतों आदि पर पुस्तक में पर्याप्त चर्चा की गई है।

ISBN 978-93-5743-267-2

45. भोजपुरी लोकनाट्य परंपरा और जलुआ (आनुष्ठानिक स्त्री लोकनाट्य)

शची मिश्र पृ. 191 ₹ 250.00

प्रस्तुत पुस्तक में भोजपुरी की लुप्तप्राय लोकनाट्य विधा जलुआ जैसी जीवंत सांस्कृतिक धरोहर को सँजोने की दृष्टि से उसके लुप्त होने के कारण और संरक्षण को व्याख्यायित किया गया है।

ISBN 978-93-6719-764-6

46. मलयालम : भाषा, साहित्य और संस्कार

के. वनजा पृ. 152 ₹ 160.00

प्रस्तुत पुस्तक की मूल विषय-वस्तु के केंद्र में मलयालम भाषा, साहित्य और संस्कार से संबंधित आलेख हैं। अट्ठारह अध्यायों में संग्रहीत यह पुस्तक मलयालम साहित्य और संस्कृति की झलक प्रस्तुत करने में सक्षम है। ISBN 978-81-237-7076-5

47. मुट्ठी भर सैलानीपन

अरुणेंद्र नाथ वर्मा पृ. 152 ₹ 195.00

देश और विदेश की अनेक यात्राओं का संश्लिष्ट विवरण प्रस्तुत करती कृति, जिसे पढ़कर उस स्थल विशेष के इतिहास, भूगोल, संस्कृति, कला, रहन-सहन एवं समकालीन जीवन-शैली को भी बेहतर तरीके से समझा जा सकता है। इसे पढ़ते हुए एक पाठक लेखक का सहयात्री बन जाता है। ISBN 978-81-237-7962-1

48. मेघों के देस में

साँवरमल सांगानेरिया पृ. 188 ₹ 260.00

मेघालय में खासी, जयंतिया और गारो–ये तीन मुख्य पहाड़ी क्षेत्र हैं। लेखक के इन्हीं क्षेत्रों की यात्रा-कथा है यह पुस्तक। यात्राक्रम में इन क्षेत्रों की संस्कृति, परिवेश, रहन-सहन, पर्व-त्योहार, रीति-रिवाज, परंपरा, हाट-बाजार आदि के झरोखे अनायास खुलते चले जाते हैं। लेखक की रोचक भाषा शैली ने पुस्तक को और पठनीय बना दिया है। ISBN978-81-237-9251-1

49. मेरा नन्हा भारत

मनोज दास अनु. : दिवाकर पृ. 236 ₹ 185.00

मनोज दास द्वारा देश के विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा के संस्मरणों को इतिहास के साथ कथानक शैली में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-4581-7

50. मेरी यादों का पहाड़

देवेंद्र मेवाड़ी पृ. 288 ₹ 220.00

अनुभवी लेखक की रस-भीगी लेखनी से अपने मन में बसे यादों के पहाड़ का मोहक शैली और कल-कल, छल-छल बहती भाषा में अंतर्मन को छू लेने वाला जीवंत वर्णन, जिसमें संस्मरण, कथा-कहानी, किस्सागोई, यात्रा वृत्तांत के साथ एक अलग तरह का रस मिलता है।

ISBN 978-81-237-6665-2

51. मेरे श्रेष्ठ लघु नाटक

प्रताप सहगल पृ. 176 ₹ 150.00

प्रख्यात और चर्चित नाटककार प्रताप सहगल के नाटकों को पढ़ने का अर्थ है अपने इतिहास और समय से सीधा साक्षात्कार करना। इतिहास को वर्तमान में ढालते हुए उसे नये अर्थ देने की बानगी यहाँ प्रस्तुत हुई है। ISBN 978-81-237-6806-9

52. ये और वे

जैनेन्द्र कुमार प्रदीप कुमार (संचयन) पृ. 302 ₹ 265.00

उपन्यास और कहानी की नई परंपरा का सूत्रपात करने वाले लेखक जैनेन्द्र कुमार महात्मा गाँधी के प्रिय और आत्मीय थे। इस पुस्तक में लेखक के गाँधी जी, नेहरू जी, विनोबा, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, अज्ञेय आदि मनीषियों के व्यक्तित्व व चिंतन पर संस्मरणों को संकलित किया गया है।

ISBN 978-81-237-7204-1

53. राजभाषा के रूप में हिंदी

निशान्त जैन पृ. 98 ₹ 130.00

राजभाषा के रूप में हिंदी का क्या अर्थ, अवधारणा और स्वरूप है; इसके विकास, क्षेत्र और आयाम तथा इसकी सांविधानिक और वैधानिक स्थिति क्या है आदि के संबंध में यहाँ सम्यक विचार किया गया है। ISBN978-81-237-8147-1

54. राष्ट्रभाषा और भारत-भारती

आचार्य रघुवीर पृ. 200 ₹ 215.00

राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को सर्वमान्य एवं सर्वग्राह्य बनाने तथा देवनागरी लिपि को अपनाने के राष्ट्रवादी विचार के साथ ही भारत के आस-पास के पूर्वीय देशों, क्षेत्रों, यथा–इंडोनीसिया, बोर्नियो, कम्बुज, थाईलैंड आदि की विद्वान लेखक द्वारा बीती सदी के 50 के दशक के आसपास की गई यात्राओं तथा वहाँ एक 'लघु भारत' को देखे जाने के लेखकीय अनुभवों-संस्मरणों का संकलन है यह पुस्तक। ISBN978-81-237-8140-2

55. राहुल चयनिका

विद्यानिवास मिश्र (संपा.), *'पंकज'* (सह संपा.) पृ. 372 **अनुपलब्ध**

राहुल सांकृत्यायन की प्रतिनिधि रचनाओं का संकलन। ISBN 81-237-0496-8

56. ललद्यद

वेद राही पृ. 106 ₹ 175.00

आधुनिक कश्मीरी भाषा एवं साहित्य की जननी 'ललद्यद' चौदहवीं शताब्दी की सुप्रसिद्ध संत-कवयित्री हैं; इनके 'वाखों' ने आत्म-शुद्धता, सदाचार एवं मानव-बंधुत्व की भावनाओं से तत्कालीन जनमानस को आलोड़ित किया था। डोगरी से हिंदी में अनुवाद श्री वेद राही ने किया है। ISBN 978-81-237-5425-3

57. लोककवि ईसुरी

श्यामसुंदर दुबे पृ. 192 ₹ 200.00

छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश में 20वीं सदी के लोककवि ईसुरी की छवि लोकमन में आज भी कहीं गहरे तक परिव्याप्त है। असीम मेधा के स्वामी ईसुरी के कहे और गाए पद, छंद और चौपाइयों का बहुलांश सौभाग्य से आज भी सुरक्षित है। इस पुस्तक में ईसुरी का जीवनवृत्त बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। ISBN978-81-237- 8216-4

58. लोक में मीराँ

डॉ. श्रीराम परिहार *शीघ्र प्रकाश्य*

भारतीय भजनों, समारोहों, उत्सवों, अनुष्ठानों, कथाओं, वार्ताओं, प्रसंगों और संदर्भों में लोक की भूमि पर मीराँ की राजस्थान, मालवा, निमाड़, गुजरात, वृंदावन, बुंदेलखंड, मारवाड़, मेवाड़, मेड़ता

तक प्रसिद्धि है। प्रस्तुत पुस्तक में लोक भाषाओं, लोक बोलियों में गाए जाने वाले उनके भजनों को संकलित किया गया है।

59. लोरियाँ (संकलन)

पृ. 52 ₹ 75.00

पारंपरिक लोरियों से लेकर मध्यकाल में सूरदास लिखित लोरी समेत आधुनिक समय के रचनाकारों द्वारा लिखित लोरियों का अभिनव संकलन। ISBN 978-81-237-6181-7

60. वामा शिक्षक

मुंशी ईश्वरी प्रसाद, मुंशी कल्याण राय संपा. : डॉ. गरिमा श्रीवास्तव

पृ. 110 ₹ 180.00

इसका प्रकाशन सन् 1883 में विद्यादर्पण छापाखाना, मेरठ ने किया था। उल्लेखनीय है कि सन् 1868 के आसपास तत्कालीन पश्चिमोत्तर और अवध सरकारों ने शिक्षा के महत्व को बताने वाली पुस्तकें लिखने या अन्य भाषाओं से अनुवाद करने पर सौ से पाँच सौ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की थी। यह उपन्यास लड़कियों को सामाजिक अंधविश्वास, रूढ़ियों और अशिक्षा से बचाने का संदेश देता है। ISBN 978-81-237-5561-8

61. विश्व का वैभव

आचार्य विजय रत्नसुंदरसूरि पृ. 116 ₹ 130.00

एक जैन संत लेखक एक सुंदर समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए क्या सोचता है, वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा के अनुरूप एक सर्वसमावेशी और हिंसामुक्त, शांत-सुंदर समाज और राष्ट्र की रचना को लेकर उनके क्या विचार हैं संत के ऐसे ही विचारों का पुष्प-गुच्छ है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-8192-1

62. वीरबाला तीलू रौतेली

राजेश्वर उनियाल पृ. 96 ₹ 110.00

सत्रहवीं शताब्दी में उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र की किशोरवय रानी, वीरबाला तीलू रौतेली ने उत्कट वीरता और अप्रतिम साहस का परिचय देती हुई सात वर्षों तक युद्ध कर अपने समस्त दुश्मनों को पराजित किया था। उसी वीरांगना तीलू रौतेली के शौर्य को उकेरता एक उत्कृष्ट नाटक है यह पुस्तक। ISBN 978-81-237-9287-3

63. शब्द और सुर का संगम : काजी नज़रुल इस्लाम

दान बहादुर सिंह पृ. 140 ₹ 130.00

नज़रुल जीवनपर्यन्त राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के आधार-स्तंभ रहे। यह पुस्तक काजी नज़रुल इस्लाम के काल की विषम परिस्थितियों का आकलन करते हुए इस महान चितेरे की शाश्वत और मानवीय मूल्यों से आपूर्ण बहुमुखी प्रतिभा की झलक प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-5195-5

64. शब्द सितारे

राजेश बादल पृ. 242 ₹ 325.00

इस पुस्तक में महान लेखक, चिंतक, साहित्यकार, कथाकार आदि को 'शब्द सितारे' की संज्ञा से संबोधित कर उनके जीवन के अनछुए पहलुओं को कहानी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस जीवन-चरित्र में मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, वृंदावनलाल वर्मा, दुष्यंत कुमार,

राजेंद्र माथुर, फणीश्वरनाथ रेणु, रामधारी सिंह दिनकर, अमृता प्रीतम, खुशवंत सिंह और फादर कामिल बुल्के जैसे विलक्षण साहित्यकारों के जीवन-प्रसंग हैं। ISBN 978-81-237-9892-9

65. शिक्षा और समाज

गोविंद प्रसाद शर्मा पृ. 147 ₹ 210.00

गोविंद प्रसाद शर्मा का परिचय चर्चित शिक्षाविद् के रूप में है। उनकी यह पुस्तक समाज को दृष्टि में रखते हुए शिक्षा के महत्व को दिखाती है। 24 लेखों की यह पुस्तक प्राचीन भारतीय शिक्षा, नई शिक्षा नीति, शिक्षा में गुणवत्ता, लोक संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत, क्रांतिकारी आंदोलन जैसे विषयों पर पाठक का ध्यान केंद्रित करती हुई एक नए दृष्टिकोण के साथ चिंतन करती है। ISBN 978-93-5491-102-6

66. शेष कथन

गोपबन्धु मिश्र पृ. 158 ₹ 225.00

कण्व कृषि की कुटिया में आखेट-क्रम में राजा दुष्यंत का आगमन, कण्वसुता शकुंतला से परिचय एवं गंधर्व विवाह, पुनः प्रारब्धजन्य परिस्थितिवश दुष्यंत का शकुंतला को पहचानने से इनकार आदि प्रसंगों को विभिन्न संबंधित पात्रों के मुख से कहलवाकर इस उपन्यास की जो रचना हुई है वह बेहद मार्मिक और रोचक बन पड़ी है। अवश्य पठनीय।

ISBN 978-93-5491-862-9

67. संस्कृति के आयाम

मनोरमा मिश्रा पृ. 160 ₹ 215.00

बिना संस्कारों के लोकमंगल भाव का स्फुटन असंभव है और बिना लोकमंगल के संस्कृति भी संस्कृति नहीं है। यह पुस्तक संस्कृति, संस्कार और लोकमंगल की त्रिभुजीय संरचना के इर्द-गिर्द बुना एक सांस्कृतिक दस्तावेज है, जो तीन स्वतंत्र अध्यायों का एक संग्रह है। कहने को ये तीनों अध्याय अपने आप में स्वतंत्र हैं, पर कहीं-न-कहीं ये अपने अंतःस्पंदन में अंतर्गुंफित हैं।

ISBN 978-93-5743-775-2

68. सबद मिलावा

पद्मा सचदेव पृ. 264 ₹ 200.00

डोगरी-हिंदी में एक साथ इस महत्वपूर्ण पुस्तक को वरिष्ठ लेखिका ने बड़ी आत्मीयता से तैयार किया है। ISBN 978-81-237-6237-1

69. सरनामी हिंदी : हिंदी का विश्व फलक

विमलेश कांति वर्मा, भावना सक्सैना पृ. 262 ₹ 300.00

इस पुस्तक में सूरीनाम के विशेष संदर्भ में 'सरनामी हिंदी', जो इन देशों के भारतवंशियों की मिश्रित और अपभ्रंशित हिंदी है, के फैलाव और विस्तार के संबंध में बताया गया है। प्रवासी हिंदी-रूप 'सरनामी' पर हिंदी में संभवतः यह पहली ही पुस्तक है। ISBN 978-81-237-9798-1

70. हिंदी ताल्काप्पियम्

एळुत्ततिकारम् और *चाल्लतिकारम्* प्रस्तुति : काशीराम पृ. 186 ₹ 150.00

प्रस्तुत पुस्तक मूल तमिल का अनुवाद है। पुस्तक की रचना उन संस्कृत विद्वानों के लिए की गई थी जो तमिल के प्राचीन काव्यों का रसास्वादन करना चाहते थे, पर भाषा से अनभिज्ञ थे।

ISBN 978-81-237-6878-6

71. हिंदी भक्ति साहित्य में सामाजिक मूल्य एवं सहिष्णुतावाद

प्रो. सावित्री चंद्र 'शोभा' पृ. 130 ₹ 125.00

इस पुस्तक में मुख्य रूप से हिंदी भक्ति और हिंदी में लिखित सूफी प्रेमाख्यानों के माध्यम से मध्यकालीन भारत में सामाजिक और उदारवादी तत्वों को रेखांकित किया गया है।

ISBN 978-81-237-4998-3

समसामयिक

1. अंतरराष्ट्रीय हिंद महासागर अभियान : स्वर्णिम पचास वर्ष

शुभ्रता मिश्र पृ. 152 ₹ 210.00

पुस्तक में समुद्र व समुद्रविज्ञान के विषय में संक्षिप्त जानकारियों के साथ अंतरराष्ट्रीय हिंद महासागर अभियान के प्रादुर्भाव से लेकर उससे संबद्ध स्कॉर समिति और अभियान में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। ISBN978-81-237-8030-6

2. आजाद भारत में क्रिकेट

सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी पृ. 155 ₹ 180.00

आज पूरे विश्व में क्रिकेट एक लोकप्रिय खेल है। प्रस्तुत पुस्तक में गत 50 वर्षों का भारतीय क्रिकेट का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया है। युवा क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक रोचक, जानकारीपूर्ण और प्रेरणादायक पुस्तक। ISBN 978-81-237-3076-9

3. ऑलराउंडर

सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी पृ. 220 ₹ 175.00

टेस्ट क्रिकेट विश्व के 16 महान खिलाड़ियों द्वारा मैदान पर दिखाए गए जौहर और संघर्ष का लेखा-जोखा। साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट के बढ़ते प्रचलन के कारण टेस्ट मैचों के शास्त्रीय खेल के लुप्त होने का चिंता। ISBN 978-81-237-4957-0

4. कथक का सौंदर्य : गुरुमुख से

चित्रा शर्मा पृ. 200 ₹ 225.00

प्रस्तुत पुस्तक में कथक के शीर्ष व्यक्तित्व, पंडित बिरजू महाराज तथा सितारा देवी से लेकर आज के सक्रिय समकालीन अनेक कथक नृत्यकारों तथा कला-समीक्षकों से लेखिका द्वारा की गई बातचीत को साक्षात्कार रूप में सम्मिलित किया गया है।

ISBN 978-93-6719-178-1

5. कर्मठ महिलाएँ

रितु मेनन (संकलन) अनु. : विपिन कुमार पृ. 258 ₹ 205.00

पिछले 50 वर्षों के दौरान देश के सामाजिक-सांस्कृतिक पटल पर सक्रिय 21 महिलाओं की आत्मकथाओं का संकलन। ISBN 978-81-237-4434-8

6. क्रिकेट अंपायर्स

सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी पृ. 120 ₹ 120.00

अंपायर के बिना क्रिकेट के खेल की कल्पना नहीं की जा सकती है। अंपायरिंग की महत्ता व बढ़ती अपीलों के तहत अंपायर की बढ़ती परेशानी के उल्लेख के साथ दुनियाभर के महान अंपायरों के जीवन के बारे में जानकारी देती पुस्तक। ISBN 978-81-237-6618-8

7. गोंड : उत्पत्ति, इतिहास तथा संस्कृति

अनुराधा पॉल अनु. : ए.के. गाँधी पृ. 138 ₹ 160.00

गोंड भारत का सबसे बड़ा आदिवासी समुदाय है। गोंडी गुरु पारि कुपार लिंगो के उपदेशों पर आधारित यह पुस्तक गोंडों के इतिहास, संस्कृति, दर्शन और मान्यताओं पर विवेचना प्रस्तुत करती है। ISBN 978-81-237-7142-8

8. चुटकीभर नमक, मीलों लंबी बागड़

रॉय मॉक्सहम अनु. : दिलीप चिंचालकर पृ. 160 ₹ 140.00

यह पुस्तक अंग्रेजी राज में नमक पर कर लगाने की निर्मम प्रणाली के बारे में है। यह पुस्तक कंपनी राज की नमक जैसी अत्यावश्यक वस्तु के लिए बर्बरता, गाँधी जी के नमक आंदोलन के महत्व और इतिहास के एक अनछुए पहलू को उजागर करती है। लेखक ने चंबल के बीहड़ों में जाकर उस दीवार के अवशेषों को खोजा भी है, जिसका उल्लेख इस पुस्तक में है।

ISBN 978-81-237-6438-2

9. तलाश ओलंपिक स्वर्ण की

अरुण कुमार पंड्या अनु. : हरिशंकर राढ़ी पृ. 164 ₹ 185.00

विश्व में मानव संसाधनों में हमारा ऊपरी पायदान पर स्थान होने के बावजूद ओलंपिक खेलों की पदक तालिका में हमारे देश का नाम निचले पायदान पर रहता है, आखिर क्यों? ओलंपिक स्वर्ण (पदक) की तलाश के बहाने ऐसी स्थिति तक आने के कारण और निवारण पर विशद विश्लेषण है यहाँ। ISBN 978-81-237-7421-3

10. दिल्ली की जीवनरेखा : दिल्ली मेट्रो

ऋषि राज पृ. 112 ₹ 410.00 (2024)

प्रस्तुत पुस्तक में दिल्ली मेट्रो की शुरुआत होने से लेकर वर्तमान में मेट्रो निर्माण के चौथे चरण में पहुँच जाने तक की यात्रा को, दिल्ली मेट्रो के विविध आयामों के सांगोपांग विवरण एवं रंगीन चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है। दिल्ली मेट्रो पर पठनीय एवं महत्वपूर्ण पुस्तक।

ISBN 978-93-6719-365-5

11. नब्बे सेकंड की टीवी पत्रकारिता

विजय विद्रोही पृ. 178 ₹ 185.00

टीवी या इलेक्ट्रॉनिक और मुद्रित पत्रकारिता के तीस लंबे वर्षों के अपने कार्यानुभव और संस्मरणों का टीवी न्यूज के जाने-माने और चर्चित व्यक्तित्व विजय विद्रोही द्वारा यहाँ बेहद रोचक और सुंदर ढंग से बयान किया गया है। इस क्रम में टीवी पत्रकारिता की अनेक आंतरिक खूबसूरती-बदसूरती और संघर्ष-विमर्श का झरोखा भी खुलता चला जाता है।

ISBN 978-81-237-8696-4

12. नीले-बर्फीले स्वप्न लोक में

शेखर पाठक पृ. 64 ₹ 225.00

प्रस्तुत पुस्तक में कैलास-मानसरोवर की रोमांचक यात्रा का वर्णन किया गया है।

ISBN 978-81-237-5415-4

13. पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन एवं रचना-प्रक्रिया

अरुण कुमार भगत पृ. 292 ₹ 355.00

इस पुस्तक में पत्रकारीय सर्जनात्मक लेखन के बारे में बताते हुए इसके प्रकार, क्षेत्र, उद्देश्य तथा महत्व पर भी विस्तृत और सर्वग्राह्य जानकारी उपलब्ध करायी गई है। इसमें पत्रकारिता की विविध विधाओं के संबंध में इनकी परिभाषा, उद्देश्य, विशेषता, रचना- प्रक्रिया आदि के साथ बताया गया है। ISBN 978-93-5491-738-7

14. बुलेट ट्रेन

आर.के. रौशन अनु. : दीपाली ब्राह्मी पृ. 136 ₹ 200.00

यह पुस्तक बुलेट ट्रेन के इतिहास और पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालती है। यह भारत पर विशेष बल देते हुए संपूर्ण विश्व के विभिन्न भागों में बुलेट ट्रेनों के वर्तमान स्तर तथा भविष्य की संभावनाओं का परीक्षण है। साथ ही, इसकी तकनीक की भी व्याख्या की गई है। इसके लाभ एवं आलोचनाओं को बहुत निष्पक्ष रूप से दर्शाया गया है। ISBN 978-93-5491-463-8

15. भारत की वैक्सीन विकास-गाथा

सज्जन सिंह यादव अनु. : प्रवीण शर्मा पृ. 288 ₹ 350.00

शताब्दियों पूर्व से, विश्व में गोचेचक के रूप में ज्ञात असाध्य बीमारी से लेकर वर्ष 2019 में आई नवीनतम कोविड-19 तक मानवता को बेहद दुःसाध्य चिकित्सा-स्थितियों से गुजरना पड़ा है। इस पुस्तक में भारत के विशेष संदर्भ में, विश्व भर में इन रोगों के प्रतिरोधक के रूप में वैक्सीन या टीके की विकास-यात्रा का जायजा लिया गया है। ISBN 978- 93-5491-897-1

16. भारत के मूक प्रवासी

कादम्बरी मेहरा पृ. 140 ₹ 230.00

विश्व सभ्यता को भारत की अनेक देनों में शक्कर, नील, तुलसी, सुगंधि तथा चाय आदि भी हैं, जो 'भारत के मूक प्रवासी' के रूप में ब्रिटेन समेत दुनिया के अनेक देशों में फैली और पसरीं। लंदन प्रवासिनी लेखिका ने ऐसे ही 'मूक प्रवासी' कतिपय भारतीय मूल के फूलों, वनस्पतियों आदि की 'विदेश यात्रा' का बड़ा ही रोचक एवं शोधपरक विवरण प्रस्तुत किया है।

ISBN 978-93-5491-471-3

17. भारत के विकेटकीपर्स

सूर्य प्रकाश चतुर्वेदी पृ. 120 ₹ 140.00

क्रिकेट के खेल में 11 लोगों की टीम में विकेटकीपर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। प्रख्यात खेल-विशेषज्ञ द्वारा लिखी गई इस पुस्तक में विकेटकीपिंग की तकनीक के अलावा देश के सभी महान विकेटकीपर्स द्वारा क्रिकेट को दिए गए योगदान का आकलन है।

ISBN 978-81-237-6184-8

18. भारत का आर्थिक संकट और समाधान

बिमल जालान अनु. : नरेश 'नदीम' पृ. 212 ₹ 170.00

भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति और भावी संभावनाओं के प्रति यथार्थवादी दृष्टिकोण इस पुस्तक की विशेषता है। यह पुस्तक नीति निर्धारकों, उद्योगपतियों, अर्थशास्त्रियों, राजनीतिज्ञों और विषय में रुचि लेने वाले सामान्य पाठकों के लिए अनिवार्य दस्तावेज के रूप में मानी गई है।

ISBN 978-81-237-0648-1

19. भारत की बीसवीं सदी : पीछे मुड़कर देखते हुए

एन.एन. वोहरा, सब्यसाचि भट्टाचार्य (संपा.) अनु. : राघवचेतन राय पृ. 278 ₹230.00

प्रशासन, विदेश नीति, संस्कृति, कला, खेल, व्यवसाय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गत एक सदी के दौरान आए बदलावों के साक्षी देश के महान चिंतकों के आलेखों का संकलन। इस पुस्तक का प्रकाशन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सहयोग से किया गया है।

ISBN 978-81-237-5636-3

20. भारत में जनसंख्या स्थिरीकरण की तलाश

आशीष बोस अनु. : हरिशंकर राढ़ी पृ. 208 ₹240.00

भारत में बढ़ती जनसंख्या इन दिनों एक बड़ी समस्या बनी हुई है। इस पुस्तक में देश के प्रथम प्रधानमंत्री से लेकर पुस्तक लेखन काल तक की अवधि में, जनसंख्या के विविध आयामों–जनसंख्या नीति, परिवार कल्याण कार्यक्रम, जनसंख्या स्थिरीकरण तथा पंचवर्षीय योजनाओं में जनसंख्या को लेकर नीति एवं कार्यान्वयन तक के बारे में सांगोपांग विचार किया गया है।

ISBN 978-81-237-9784-7

21. भारत में सड़क दुर्घटनाएँ

बी. के संजय, गौरव संजय *शीघ्र प्रकाश्य*

भारत में सड़क दुर्घटना एक बड़ी समस्या है। भारत में इनके क्या आँकड़े हैं, इनके क्या कारण हैं तथा इनसे कैसे बचा जा सकता है, इन विविध विषयों को प्रस्तुत पुस्तक में समेटा गया है।

22. भारतीय रेल के अनोखे पुल

विमलेश चंद्र पृ. 118 ₹ 135.00

लगभग एक लाख चालीस हजार रेल पुल वाला देश भारत संभवतः विश्व का सबसे अधिक रेल पुल वाला देश है। भारतीय रेल के ऐसे ही चुनिंदा 100 अद्भुत रेल पुलों के बारे में पुस्तक में रोचक जानकारी दी गई है। ISBN978-81-237-8825-8

23. मीडिया लाइव

रत्नेश्वर के. सिंह पृ. 222 ₹225.00

पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े पत्रकार की लंबे अनुसंधान के बाद आई एक महत्वपूर्ण पुस्तक जो पेशेवर पत्रकारों के लिए ही नहीं अपितु इसे अपना रोजगार बनाने के लिए नवागंतुकों के लिए भी उपयोगी है। ISBN 978-81-237-7056-7

24. राष्ट्रीय एकता और हिंदी भाषा

रमेश पोखरियाल 'निशंक' पृ. 166 ₹ 225.00 (2024)

राष्ट्रभाषा हिंदी के विभिन्न आयामों, पक्षों और पहलुओं को समेटती दस अध्यायों से युक्त इस पुस्तक में हिंदी की गौरवशाली विकास-यात्रा, स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी की भूमिका, भारतीय संविधान में हिंदी की स्थिति, मीडिया में हिंदी, राष्ट्रीय एकता में हिंदी का अवदान, विश्व फलक पर हिंदी की अवस्थिति तथा राजभाषा के रूप में हिंदी आदि अध्यायों के माध्यम से विस्तृत रूप से विश्लेषित किया गया है। ISBN 978-93-5743-761-5

25. लोक व्यवस्था अनुरक्षण हेतु स्रोत पुस्तक

समर सिंह अनु. : तालेवर गिरी पृ. 150 ₹ 140.00

यह पुस्तक सांप्रदायिक दंगों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक विधियों

का संकलन है। इसमें सांप्रदायिक सौहार्द बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी भी दी गई है। पुस्तक में सभी वैधानिक व्यवस्थाओं और उनके कार्यपालन के निदेशों को बेहद सहज व सरल तरीके से प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-4880-1

26. विदेश में हिंदी पत्रकारिता : 27 देशों की हिंदी पत्रकारिता का सिंहावलोकन

जवाहर कर्नावट पृ. 302 ₹ 400.00 (2024)

प्रस्तुत पुस्तक में 27 से अधिक देशों से पिछले 120 वर्षों में प्रकाशित 150 से अधिक पत्र-पत्रिकाओं की विषयवस्तु को विस्तार से व्याख्यायित किया गया है। इस पुस्तक की सामग्री को 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' 2023 में भी स्थान प्राप्त है।

ISBN 978-93-5743-322-8

27. विश्व क्रिकेट और भारत

सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी पृ. 310 ₹ 255.00

इस पुस्तक में क्रिकेट के इतिहास, उसकी क्रमिक प्रगति तथा भारतीय उपमहाद्वीप का विश्व क्रिकेट को योगदान, विश्व के प्रमुख मैदान व रिकार्डों को आसान भाषा में कई दुर्लभ चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया है। ISBN 81-237-4303-5

28. शिमला

रचना गुप्ता पृ. 192 ₹ 425.00

आधुनिक भारत के इतिहास में बहुउल्लेखित शहर, शिमला अपनी प्रकृति ही नहीं, अपनी ऐतिहासिकता के लिए भी एक महत्वपूर्ण शहर के रूप में बहुज्ञात है। ऐसे ही शहर के विविध पक्षों और पहलुओं को उकेरती है यह पुस्तक, जिसे पढ़कर एक पाठक शिमला की बहुरंगी विविधता और शहर के विभिन्न आयामों से सहज ही परिचित हो जाता है।

ISBN978-93-5743-901-5

29. सचिन के सौ शतक

धर्मेन्द्र पंत पृ. 332 ₹ 300.00

यह पुस्तक सचिन रमेश तेंदुलकर के सभी 100 शतकों की जानकारी देती है।

ISBN 81-237-6524-X

30. सत्यजीत राय का सिनेमा

चिदानन्द दास गुप्ता अनु. : अवध नारायण मुद्गल पृ. 120 ₹ 120.00

सत्यजीत राय का यह विस्तृत अध्ययन फिल्मकार के चार दशकों में फैले हुए अद्वितीय रचनात्मक जीवन का विवरण प्रस्तुत करता है। ISBN 81-237-2135-8

31. सामाजिक बदलाव के लिए शिक्षा : एमवीएफ और बाल श्रम

सुचेता महाजन अनु. : अभिषेक कश्यप पृ. 64 ₹ 95.00

एक गैरसरकारी संगठन द्वारा चलाए गए सामाजिक आंदोलन और शिक्षा के अधिकार आंदोलन का लेखा-जोखा। ISBN 978-81-237-5692-9

32. सामूहिक हित का दीप जले

प्रस्तावना : नरेंद्र मोदी पृ. 350 ₹ 470.00

सामूहिक हित का दीप जले : मन की बात@100 लोगों की सामूहिक चेतना को प्रज्वलित करने

की दिशा में एक विलक्षण यात्रा है। यह पुस्तक पाठकों को उन मनोरम वार्तालापों में शामिल होने के लिए आमंत्रित करती है, जिसने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। यह पुस्तक इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम की भावना, इसके प्रभाव और भारत के सामाजिक ताने-बाने को आकार देने वाले दूरदर्शी विचारों को समाहित करती है। यह राजनीति से परे है और लोगों और उनके नेता के बीच हार्दिक संबंध के रूप में प्रकट होता है। ISBN 978-93-5743-950-3

33. साहित्य और समाज

श्याम सिंह शशि पृ. 260 ₹ 290.00

प्रस्तुत पुस्तक को लेखक द्वारा पाँच खंडों में वर्गीकृत किया गया है। इन आलेखों में लेखक ने रोमा सभ्यता, संस्कृति और यायावरी का जीवंत एवं रोचक वर्णन प्रस्तुत किया है।

ISBN 978-81-237-7625-5

34. सॉफ्ट स्टोन शिल्पकला

प्रताप अनम पृ. 76 ₹ 150.00

ताजमहल के छोटे-छोटे लघु संस्करण प्रायः हर घुमंतू के पास होते हैं; और इसी तरह के अद्‌भुत शिल्प की जानकारी का ब्योरा वरिष्ठ यायावर लेखक प्रताप अनम ने प्रस्तुत किया है। स्टोन के प्रति जागरूक करती पुस्तक। ISBN 978-81-237-7676-7

35. सिंगापुर की जल-कथा

सिसिलिया तोर्त्जदा, युगल जोशी, असित बिस्वास पृ. 352 ₹ 535.00

एक तीसरी दुनिया के देश से पहली दुनिया के देश में सिंगापुर नगर-राज्य के कायापलट में सामान्य तौर पर पर्यावरण और विशिष्ट तौर पर जल संबंधी सरोकारों ने प्रमुख भूमिका निभाई है। यह कायापलट कैसे और क्यों हुआ, यही इस पुस्तक का केंद्रीय स्वर है।

ISBN 978-81-237-9113-5

36. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों द्वारा कृषक महिलाओं का सशक्तीकरण

वीरेन्द्र कुमार भारती पृ. 253 ₹ 345.00

इस पुस्तक में भारतीय कृषक महिलाओं से जुड़ी सभी तरह की चुनौतियों, कठिन वातावरण में जीवित रहने, छोटी महिला किसानों की विभिन्न प्रकार की तकनीक और बाजार मामलों पर जानकारी, सूचना संसाधनों तक पहुँच, महिला सशक्तीकरण, उत्पादों की मार्केटिंग, खाद्य सुरक्षा, किसान मोबाइल संदेश सेवा, महिलाओं द्वारा ई-चौपाल सेवाओं के उपयोग और मोबाइल प्रौद्योगिकी का उल्लेख किया गया है। यह पुस्तक कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी उपयोगकर्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। ISBN 978-93-5743-426-3

37. हिंदी की आधुनिक पत्रकारिता

अरुण कुमार भगत पृ. 160 ₹ 165.00

प्रस्तुत पुस्तक आधुनिक हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को समेटता हुआ पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत पत्रकार के साथ-साथ प्रशिक्षुओं तथा इच्छुक नवागतों के लिए एक मानक ग्रंथ सरीखा है जिसमें समाचार-पत्र और पत्रिका के लिए समाचार-संकलन, समाचार-लेखन और समाचार-संपादन तक की सभी प्रक्रियाओं की सांगोपांग रूप से सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई है। ISBN 978-81-237-8191-4

38. हिमनद : मानव-जीवन का आधार

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' पृ. 60 ₹ 280.00

बड़े-बड़े हिमखंड जब अपने ही भार के कारण निम्न भूमि की ओर खिसकते रहते हैं तो बर्फ के ऐसे ही विशाल संग्रह को हिमनद कहते हैं, जो मानव-जीवन के लिए जल के सबसे बड़े स्रोत हैं। हिमनद से जुड़े विविध पहलुओं पर एक बेहद उपयोगी और ज्ञानवर्धक पुस्तक।

ISBN 978-81-237-9894-3

इतिहास एवं अन्य

1. अफ़सानी निकीतीन की भारत यात्रा

पंकज चतुर्वेदी (अनु. व रूपा.) पृ. 36 ₹ 60.00

वास्को डि गामा से 25 साल पहले भारत की धरती पर कदम रखने वाला पहला यूरोपीय अफसानी निकीतीन मूल रूप से रूस का रहने वाला था। वह सन् 1466 से 1475 के बीच लगभग तीन वर्ष तक भारत में रहा। निकीतीन द्वारा भारत प्रवास के दौरान लिखे गए अनुभवों को इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5217-4

2. आगरानामा

सतीश चंद्र चतुर्वेदी पृ. 186 ₹ 245.00

'आगरानामा' में आगरा से लगे छोटे-बड़े शहर, कस्बों व गाँवों तक का उल्लेख व उसका इतिहास-विवरण लेखक ने बड़े ही शोध अध्ययन के साथ प्रस्तुत किया है। आगरा शहर के महत्वपूर्ण इतिहास का शायद ही किसी लेखक ने अपनी कृति में ऐसा वर्णन किया होगा जैसा कि श्री चतुर्वेदी ने किया है। ISBN 978-93-5491-030-2

3. इब्नबतूता की भारत यात्रा या चौदहवीं शताब्दी का भारत

अनु. : मदनगोपाल पृ. 228 ₹ 195.00

अरब देश से चौदहवीं शताब्दी में भारत भ्रमण करने वाले इब्नबतूता द्वारा इस शताब्दी का रोचक वर्णन। ISBN 978-81-237-2039-5A

4. एक प्रयास धरती के छोर पर...

रेखा भाटिया (पहला संशोधित संस्करण) पृ. 214 ₹ 270.00

प्रस्तुत पुस्तक में तिरेपन आलेखों को संग्रहीत किया गया है। इन आलेखों में लेखिका ने अंडमान निकोबार के आखिरी टापू 'कैंपबैल्ल-बे' पर बसे हुए सेनानिवृत्त भारतीय सिपाहियों के जीवन के संघर्ष, धैर्य और सफलता की गाथाओं को बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया है।

ISBN 978-81-237-7911-9

5. एशिया के हृदयांचलों में भारत-भारती

लोकेश चंद्र पृ. 230 ₹ 360.00

प्राचीन काल में बृहत्तर भारत की संस्कृति, कला, धर्म, अध्यात्म आदि पूर्वी एशिया के अनेक देशों, यथा–इंडोनीसिया, कम्बोज आदि के अलावा अनेक अन्य देशों में भी फैला-पसरा था। जापान, मोंगोल तक भारतीय संस्कृति की सुरभि से महमह करता था। यूरोपीय देश लिथुआनिया तक में वैदिक काल की अनेक साम्यताएँ देखी गई हैं। इस पुस्तक में भारतीय संस्कृति के

वैश्विक, विशेषकर एशियाई प्रसार के संबंध में विमर्श किया गया है। इस विमर्श के क्रम में अनेक देशों में भारतीयता के झरोखे खुलते दिखाई देते हैं।

ISBN 978-81-237-9611-6

6. काला पानी का ऐतिहासिक दस्तावेज

रामचरणलाल शर्मा पृ. 66 ₹ 85.00

प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने भारतीय स्वतंत्रता की लड़ाई में अनेक वर्ष काला पानी के नाम से प्रसिद्ध अंडमान की सेलुलर जेल में काटे। उन्होंने वहाँ की क्रूर यातनाओं का वर्णन अपनी डायरी में लिखा जो अंग्रेजी शासन की बर्बरता की कहानी स्वयं व्यक्त करता है। ISBN 978-81-237-3439-2

7. कोम गाता मारू

*मलविंदरजीत सिंह वराइच, गुरदेव सिंह सिद्धू*अनु. : ए.के. गांधी पृ. 172 ₹ 200.00

सन् 1914 में एक जापानी जहाज 'कोम गाता मारू' 376 यात्रियों को लेकर हाँगकाँग से कनाडा रवाना हुआ था। कनाडा सरकार ने गदर क्रांतिकारियों के डर से मात्र 20 यात्रियों को ही उतरने की अनुमति दी। इस पर लड़ाई प्रारंभ हुई। पुलिस ने गोली चलाई व 19 लोग मारे गए। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उस महत्वपूर्ण घटना के सभी पक्षों को प्रस्तुत करने वाली पुस्तक।

ISBN978-81-237- 7879-1

8. कुंभ के मेले में मंगलवासी

अरविन्द मिश्र पृ. 70 ₹ 85.00

प्रख्यात विज्ञान-कथा लेखक डॉ. अरविन्द मिश्र ने अपनी 11 कहानियों को प्रस्तुत किया है। इनमें विविधता है, जैसे पहली कहानी अपराध पर है तो दूसरी चाँद और ब्रह्मांड पर, तीसरी चिकित्सा पर। हर कहानी विज्ञान के विविध पहलुओं पर है। ISBN 978-81-237-6808-3

9. गढ़-चाणक्य वीर पुरिया जी

जनरत्न नैथाणी पृ. 172 ₹ 205.00

17वीं सदी के गढ़वाल क्षेत्र (आज उत्तराखंड में अवस्थित) के महान वीर सेनापति पुरिया जी के जीवन और उनके शौर्यपूर्ण पराक्रम पर जीवंत भाषा में लिखा ऐतिहासिक उपन्यास।

ISBN978-81-237-8062-7

10. गहने क्यों पहनें? सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक अध्ययन

गुलाब कोठारी पृ. 268 ₹ 860.00 (2024)

इस पुस्तक में मानव जीवन में आभूषणों की उपयोगिता एवं महत्ता के बारे में प्रकाश डाला गया है। प्रारंभ में रत्न-संसार के अंतर्गत रत्नों के गुणधर्म के बारे में जानकारी है। अगले अध्याय में आभूषण-परिभाषा, अर्थ और इतिहास, फिर सप्त धातु और रंग, परिधान के साथ ही आभूषण चिकित्सा, ग्रह और रत्न, आधुनिक गहनों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। रोचक बात तो यह है कि पुस्तक में गहनों पर आधारित लोकगीत, कहावतें तथा मुहावरे भी हैं।

ISBN 978-93-5743-956-5

11. चरखायन

शिवानंद कामड़े पृ. 116 ₹ 155.00

भारत के स्वाधीनता आंदोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जिस चरखा को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया और अंग्रेजों को स्वाधीनता के लिए बाध्य किया उसी चरखे की उत्पत्ति,

उसके रूप एवं प्रकार आदि के संबंध में बड़ी ही रोचक एवं शोधपरक जानकारी इस पुस्तक में प्रस्तुत की गई है। चरखे के अनेक चित्र, रेखाचित्र एवं छायाचित्रों के उपयोग से पुस्तक और भी उपादेय हो गई है। ISBN 978-93-5491-623-6

12. चीनी यात्री फाहियान का यात्रा विवरण

अनु. : जगन्मोहन वर्म्मा पृ. 114 ₹ 110.00

चौथी शताब्दी में भारत आए चीनी यात्री फाहियान द्वारा अपने यात्रा-वृत्तांत का रोचक वर्णन।

ISBN 978-81-237-1932-0

13. जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख : सातत्य और संबद्धता का ऐतिहासिक वृत्तांत

रघुवेन्द्र तंवर (संपा.) पृ. 212 सजिल्द ₹ 1290.00

यह पुस्तक छायाचित्रों, रेखाचित्रों, दृश्यों और विविध शोध कार्यों के माध्यम से लगभग 3,000 वर्षों के जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख के ऐतिहासिक घटनाक्रम को उद्घाटित करती है।

ISBN 978-93-6719-987-9

14. पंडितों का पंडित

शेखर पाठक पृ. 196 ₹ 215.00

उन्नीसवीं सदी के हिमालयी अन्वेषक नैन सिंह रावत की जीवनगाथा को सरल व रोचक भाषा में प्रस्तुत किया है लेखक श्री शेखर पाठक ने। लगता है नैन सिंह के साथ हम भी यात्रा कर रहे हों। ISBN 978-81-237-5505-2

15. पंचकोशी मेला

देवेंद्र चौबे पृ. 160 ₹ 210.00

बिहार के बक्सर में अहिरौली, नदॉव, भभुअर, नुऑव और व्याघ्रसर में प्रत्येक वर्ष पंचकोशी मेला लगता है। यह पुस्तक बरसों से चली आ रही इस परंपरा के इतिहास, दर्शन, पंचकोशी यात्रा-क्षेत्रों के सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ से परिचित कराती है। भारतीय ऋषि परंपरा के दर्शन भी इस पुस्तक में मिलते हैं। पाँच ऋषि, पाँच गाँव, पाँच दिन और उनमें समाया संपूर्ण ज्ञान इस पुस्तक में है। ISBN 978-81-237-9893-6

16. पूर्वोत्तर की जनजातीय क्रांतियाँ

प्रो. जगमल सिंह पृ. 84 ₹ 100.00

पूर्वोत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों और जनजातियों, यथा–मिजो, लेपचा-भूटिया, नगा, कूकी, कबुई, रियाँग आदि में अंग्रेजी शासन-सत्ता के विरोध में, समय-समय पर, स्थानीय जनजातियों द्वारा बार-बार क्रांतियाँ होती रहीं। इस पुस्तक में उन्हीं में से कुछ चुनिंदा महत्वपूर्ण क्रांतियों का विवरण दिया गया है। ISBN 978-81-237-9356-6

17. बर्नियर की भारत यात्रा

फैव्किंस बर्नियर एम.डी. अनु. : गंगा प्रसाद गुप्त पृ. 198 ₹ 155.00

औरंगजेब के समय का भारत कैसा था, इसका वर्णन बर्नियर ने अपने इस यात्रा वृत्तांत में किया है। एक अत्यंत रोचक व पठनीय पुस्तक। ISBN 81-237-3497-2

18. भारत : अल-बिरूनी

क़यामुद्दीन अहमद (संपा.) अनु. : नूर नबी अब्बासी पृ. 300 ₹ 240.00

ग्यारहवीं शताब्दी में महमूद गजनवी की सेना के साथ भारत आए ईरानी मूल के निवासी

अल-बिरूनी द्वारा उस काल के भारत के इतिहास, उसकी विशेषताओं, आचार-विचार और रीति-रिवाजों की वस्तुपरक रोचक प्रस्तुति। ISBN 978-81-237-2110-1

19. भारत एवं मध्य एशिया : साझा अतीत

बी.बी. कुमार अनु. : राजेश माँझी पृ. 180 ₹ 235.00

भारत और मध्य एशिया के बीच के संबंध ईसा से काफी पूर्व से रहे हैं, जिस कारण दोनों क्षेत्रों ने एक-दूसरे पर पारस्परिक प्रभाव छोड़े। इस पुस्तक में इन दोनों के बीच के अनेक स्तरीय संबंध-संपर्क पर गहराई से चर्चा की गई है। ISBN 978-93-5491-860-5

20. भारत की सांस्कृतिक विरासत : एक परिदृश्य चित्र

सुदर्शन कुमार कपूर पृ. 108 ₹ 155.00

भारत की सांस्कृतिक विरासत को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। सरल व रोचक भाषा में बेहद अनुसंधान के बाद यह तैयार की गई है।

ISBN 978-81-237-5626-4

21. भारत भक्त विदेशी महिलाएँ

मानवती आर्य्या पृ. 64 ₹ 90.00

कुछ ऐसी महिलाओं का जीवन परिचय जिनका जन्म भले ही भारत में न हुआ हो, लेकिन वे इस देश के समाज, संस्कृति, कला और स्वतंत्रता से बेहद लगाव रखती थीं।

ISBN 978-81-237-5068-2

22. भारत वैभव

ओम प्रकाश पाण्डेय पृ. 442 ₹ 1195.00

इस पुस्तक में वेद तथा ब्राह्मण, आरण्यक व उपनिषद सहित वेदांग एवं उपवेद में वर्णित आर्ष ज्ञान परंपरा, पुराणों की महत्ता, दर्शन व उसके विविध स्वरूप, भारत राष्ट्र की सनातनता के वास्तविक स्वरूप, राजनीति व दंड विधान की मौलिकता के साथ परिशिष्ट में भारतीय ऋषि परंपरा के अतिरिक्त वैश्विक विद्वानों द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रशस्ति में व्यक्त किए गए उद्‌गारों को समावेशित किया गया है। ISBN 978-81-237-9377-1

23. भारतीय पुनर्जागरण में अग्रणी महिलाएँ

सुशीला नैयर, कमला मनकेकर (संपा.) अनु. : नेमिशरण मित्तल पृ. 438 ₹ 355.00

भारतीय राष्ट्रीयता के उदय तथा विकास और उसके स्वाधीनता आंदोलन में परिणत होने के संघर्ष में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस पुस्तक में ऐसी 67 भारतीय महिलाओं के जीवनचरित प्रस्तुत किए गए हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के साथ-साथ समाज सुधार तथा आजादी के बाद नए भारत के निर्माण में अनुकरणीय भूमिका निभाई है।

ISBN 978-81-237-4420-9

24. मुहम्मद अली खान : एक आत्म कथन

के. सी. यादव अनु. : गजेन्द्र राठी पृ. 48 ₹ 80.00

मुहम्मद अली खान 1857 की क्रांति के महत्वपूर्ण और अनूठे क्रांतिकारी रहे हैं। यह पुस्तक 1857 के किसी भारतीय क्रांतिकारी द्वारा बगावत के बारे में खुद बताई गई शायद एकमात्र आत्मकथा है। ISBN 978-81-237-5475-8

25. मैं हिमालय की काली नदी

प्रकाश पंत पृ. 72 ₹90.00

हिमालय से निःसृत काली नदी दरअसल केवल एक नदी ही नहीं, वरन नेपाल तथा नेपाल-भारत सीमा पर घटी घटनाओं के इतिहास की मूक साक्षी और द्रष्टा भी रही है। विद्वान लेखक ने पुस्तक में काली नदी को प्रथम पुरुष के रूप में प्रस्तुत कर 'मैं' की शैली में उन्हीं घटनाओं-गतिविधियों को बड़ी ही रोचक भाषा में प्रस्तुत किया है जिसे पढ़कर एक पाठक उस नदी के साथ-साथ इतिहास की धारा में बहने लगता है। ISBN 978-81-237-8747-3

26. युद्धनाद

मनमोहन बावा अनु. : प्रवेश शर्मा पृ. 100 ₹ 210.00

यह उपन्यास सिकंदर के भारत पर आक्रमण, सिकंदर-पोरस युद्ध, उस युद्ध के बाद सिकंदर और पंजाब के उस समय के केंद्रबिंदु को प्रस्तुत करता है। ISBN 978-81-237-6541-9

27. रानी लक्ष्मीबाई

वृन्दावनलाल वर्मा पृ. 88 ₹ 130.00

स्वतंत्रता संग्राम की उज्ज्वल मणि लक्ष्मीबाई के संघर्षशील जीवन की यथार्थ प्रस्तुति। यह पुस्तक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नयी दिल्ली के द्वारा हिंदी (कोर) बारहवीं कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती है। ISBN 978-81-237-0486-9

28. वेद कल्पतरू : वेदवाङ्मय पर अभिनव दृष्टि

पृ. 292 (अजि.) ₹ 340.00
(सजि.) ₹ 730.00

वैदिक वाङ्मय का अपना अप्रतिम गौरव रहा है, जिसमें भारतीय सांस्कृति आज भी अनुप्राणित है। इसी संस्कृति तथा गौरव से समाज को अवगत कराने की दृष्टि से वेदों में निहित विभिन्न तत्वों को यहाँ समेकित करने का प्रयास है। ISBN 978-93-5743-291-7

29. स्वतंत्रता संग्राम

बिपनचंद्र, अमलेश त्रिपाठी,
वरुण देव अनु. : रामसेवक श्रीवास्तव पृ. 170 ₹ 160.00

यह पुस्तक भारत के स्वाधीनता संग्राम के ऐतिहासिक संघर्ष की कहानी कहती है।
ISBN 978-81-237-1004-4

30. हिंदू पंच का बलिदान अंक

कमलादत्त पाण्डेय (संपा.) पृ. 310 ₹ 440.00

भारत तथा विदेशों में अपनी मातृभूमि और सत्य के लिए बलिदान हो गए वीरों की सचित्र गाथा। इसका प्रकाशन 1930 में हुआ था, लेकिन तत्काल ही अंग्रेज सरकार ने इसे जब्त कर लिया था। इस दुष्प्राप्य अंक का पुनर्मुद्रण। ISBN 978-81-237-1890-3

31. हिंदी-उर्दू : साझा संस्कृति

पृ. 328 ₹ 245.00

संपा. : मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चौहान, कांति मोहन 'सोज', रेखा अवस्थी
इस पुस्तक में हिंदी और उर्दू के कई ख्याति-लब्ध हस्ताक्षरों के आलेख हैं जो इन दोनों भाषाओं की साझी विरासत को पुख्ता करते हैं। ISBN 978-81-237-5866-4

32. हिमालय में विवेकानंद

रमेश पोखरियाल 'निशंक' पृ. 136 ₹ 195.00

विश्व भर में भारतीयता तथा हिंदू धर्म और संस्कृति के गौरव एवं अस्मिता का परचम लहराने वाले युगपुरुष स्वामी विवेकानंद की देवभूमि उत्तराखंड के हिमालय में की गई पाँच यात्राओं के विशेष संदर्भ में उनके 'नरेंद्र' से 'विवेकानंद' बनने तक की यात्रा का भी वृत्तांत प्रस्तुत करती पुस्तक। ISBN978-81-237-7956-0

33. हुमायूँनामा

गुलबदन अनु. : ब्रजरत्नदास पृ. 118 ₹ 130.00

यह पुस्तक बाबर और हुमायूँ के शासनकाल का एकमात्र विवरण है, जिसकी लेखिका मुगल शाही खानदान से ही थी। गुलबदन का जन्म 1523 में काबुल में हुआ था, लेकिन इनका पालन-पोषण हुमायूँ की माँ माहम बेगम ने ही किया था। ISBN 978-81-237-5418-5

34. हे चो का यात्रा वृत्तांत : आठवीं सदी का भारत

भूमिका : प्रो. कृष्ण मोहन श्रीमाली अनु. : डॉ. जगदीश चंद्रिकेश पृ. 76 ₹ 110.00

आठवीं सदी में भारत की सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक तस्वीर का एक कोरियाई यात्री द्वारा चित्रण। नौवीं सदी में गुम हुए चीन के एक गुफा मठ में बंद हे चो का यह यात्रा-विवरण एक हजार साल बाद सन् 1908 में ही बाहर आ सका। जर्मन और अंग्रेजी के एक अनुवाद के बाद हिंदी में पहली बार प्रस्तुत है यह यात्रा-विवरण। ISBN 978-81-237-4929-2

कोश

1. गांधी : भाषा-लिपि विचार-कोश

कमल किशोर गोयनका (संपा.) पृ. 324 ₹ 580.00

गांधी जी एक गुजराती भाषी, अंग्रेजी के अच्छे जानकार तथा हिंदी और भारतीय भाषाओं के हितैषी, अनुरागी और पैरोकार थे। प्रस्तुत पुस्तक हिंदी, अंग्रेजी सहित अनेक भारतीय भाषाओं तथा लिपि संबंधी गांधी जी के द्वारा समय-समय पर लिखित और दिये गए विचारों का संभवतः अब तक का सबसे बड़ा उपक्रम है जिसके संकलन-संपादन का महत् दायित्व प्रखर विद्वान कमल किशोर गोयनका द्वारा निर्वहन किया गया है। ISBN978-81-237-8143-3

2. गांधी : रामकथा विचार-कोश

कमल किशोर गोयनका पृ. 260 ₹ 665.00

पुस्तक में महात्मा गांधी के धर्म-अधर्म, सत्य, अहिंसा, ईश्वर आस्था आदि के माध्यम से उनके विचार व दर्शन को प्रतिबिंबित किया गया है। इसमें गांधी जी के स्वराज्य को पाने के सिद्धांतों व जीवन-संघर्ष की गाथा को रामकथा के प्रसंगों से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है। महात्मा गांधी अपने उद्‌बोधन, लेखन, विचार और व्यक्तिगत जीवन में हर समय राममय दिखे, इसका वर्णन पुस्तक में है। ISBN 978-93-5491-410-2

3. बृहत् समांतर कोश

अरविन्द कुमार, कुसुम कुमार (दो खंडों में) पृ. 1219+675 ₹ 1870.00

यह विशाल ग्रंथ हिंदी के पहले थिसारस कहे जाने वाले समांतर कोश का संवर्धित रूप है। इसमें 25,562 उपशीर्षक व 2,90,477 अभिव्यक्तियाँ हैं। ISBN 978-81-237-6852-6

4. हिन्दुस्तानी कहावत-कोश (सजिल्द)

एस.डब्ल्यू. फैलन अनु. एवं संशो. : कृष्णानन्द गुप्त पृ. 374 ₹ 470.00

स्व. एस.डब्ल्यू. फैलन के प्रसिद्ध ग्रंथ 'ए डिक्शनरी ऑफ हिन्दुस्तानी प्रोवर्ब्स, सेइंग्स, एम्ब्लेम्स, एफेरिज्म्स' का देवनागरी लिपि में विस्तृत व्याख्या एवं टीका-टिप्पणी सहित संशोधित एवं परिमार्जित संस्करण। ISBN 978-81-237-4685-2

रीडर

1. विनोबा-विचार-दोहन

पराग चोलकर (संपा.) पृ. 210 ₹ 180.00

प्रस्तुत संकलन में समेटे गए विनोबा के विचार गागर में सागर भरने का प्रयासमात्र हैं, लेकिन अमृत-सिंधु की ये कुछ बूँदें भी पाठकों के समक्ष विनोबा के जीवन-दर्शन की झाँकी प्रस्तुत करने में सक्षम हैं। ISBN 978-81-237-3992-2

स्वर्ण जयंती पुस्तकमाला

1. अक्खर खम्भा (मैथिली कविता संग्रह—मूल मैथिली)
देवशंकर नवीन (संक. एवं संपा.) पृ. 394 ₹ 130.00
स्वाधीनता के बाद की मैथिली कविताओं के इस संकलन में 60 कवियों की रचनाओं को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5408-6

2. अक्खर खम्भा : (मैथिली कविता संग्रह—हिंदी अनुवाद)
संपा. एवंअनु. : देवशंकर नवीन पृ. 406 ₹ 285.00
इस संग्रह में मैथिली के एकसठ कवियों की चुनी हुई कविताओं का हिंदी अनुवाद प्रस्तुत किया गया है। ISBN 978-81-237-5988-3

3. कत्थ-कथानी (डोगरी कथा संग्रह)
पद्मा सचदेव (संक. एवं संपा.) पृ. 14 ₹ 55.00
स्वाधीनता के बाद के 20 प्रमुख डोगरी कथाकारों की कहानियों को इस संकलन में शामिल किया गया है।

4. किरनी : फुल्लन दी (हिमाचली कथा संग्रह)
पीयूष गुलेरी (संक. एवं संपा.) पृ. 154 ₹ 60.00
इस संकलन में स्वाधीनता के बाद के 32 हिमाचली रचनाकारों की कथाओं को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5409-3

5. तीन बीसी पार (राजस्थानी कथा संग्रह)
नंद भारद्वाज (संक. एवं संपा.) पृ. 244 ₹ 255.00
स्वाधीनता के बाद की राजस्थानी कहानियों के इस संकलन में 32 प्रमुख कथाकारों की कहानियों को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-7343-8

6. देसिल बयना (मैथिली कथा संग्रह)
तारानंद वियोगी (संक. एवं संपा.) पृ. 330 ₹ 165.00
स्वाधीनता के बाद के 46 प्रमुख मैथिली कथाकारों की कहानियों को इस संकलन में शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-6251-7

7. दृश्यालेख (हिंदी नाटक)
देवेंद्र राज अंकुर (संक. एवं संपा.) पृ. 546 ₹ 375.00
इस संकलन में स्वाधीनता के बाद के 8 प्रमुख हिंदी नाटककारों के नाटकों को

शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5519-9

8. नमी पौंगर (डोगरी कविता संग्रह)

शिवनाथ (संक. एवं संपा.) पृ. 188 ₹65.00

स्वाधीनता के बाद के 54 प्रमुख डोगरी कवियों की कविताओं को इस संकलन में शामिल किया गया है।

9. साख भरै सबद (राजस्थानी कविता संग्रह)

अर्जुन देव चारण (संक. एवं संपा.) पृ. 186 ₹170.00

स्वाधीनता के बाद के 31 प्रमुख राजस्थानी कवियों की प्रतिनिधि रचनाओं को इस संकलन में शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5089-7

10. सीरां (हिमाचली कविता संग्रह)

प्रेम भारद्वाज (संक. एवं संपा.) पृ. 280 ₹95.00

स्वाधीनता के बाद की हिमाचली पहाड़ी कविताओं के इस संकलन में 71 कवियों की चुनिंदा रचनाओं को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5057-6

कुछ अन्य भारतीय भाषाओं का साहित्य

भोजपुरी

1. कुछ हमार, कुछ राउर

तुषार कांत उपाध्याय पृ. 98 ₹ 115.00

भोजपुरी समाज परंपरा और आधुनिकता को जीता एक विकासशील समाज है। पुरानी मान्यताओं के खंडन और नई के (महिमा) मंडन से समाज में जो द्वैत्य और द्वंद्व उपजा है उसी ने कथाकार को कथा-रचना के लिए खाद-पानी उपलब्ध कराया है। विभिन्न भाव बोधों पर लिखी ग्यारह भोजपुरी कहानियों का एक भीना-भीना गुलदस्ता। ISBN 978-81-237-9288-0

2. गोरख पाण्डेय के भोजपुरी गीत

जीतेंद्र वर्मा (संपा.) पृ. 40 ₹ 30.00

भोजपुरी के क्रांतिकारी कवि गोरख पाण्डेय के 16 भोजपुरी गीतों का संग्रह।

ISBN 978-81-237-5699-8

3. पूर्वी के धाह

जौहर शाफियाबादी पृ. 118 ₹ 45.00

पंडित महेंदर मिसिर (1886-1946) के जीवनवृत्त पर आधारित संपूर्ण ऐतिहासिक उपन्यास।

ISBN 978-81-237-5828-2

मैथिली

1. अक्खर खम्भा (मैथिली कविता संग्रह)

देवशंकर नवीन (संक. एवं संपा.) पृ. 394 ₹ 120.00

स्वाधीनता के बाद की मैथिली कविताओं के इस संकलन में 60 कवियों की रचनाओं को शामिल किया गया है। ISBN 978-81-237-5408-6

2. अबारा नहितन (उपन्यास : समसामयिक साहित्य)

केदार नाथ चौधरी पृ. 128 ₹ 120.00

मैथिली भाषा की पहली फिल्म 'ममता गाबए गीत' के निर्माण की व्यथा-कथा है इस औपन्यासिक संस्मरणात्मक और आत्मकथात्मक पुस्तक में। लोकभाषा की मधूरिमा से संपृक्त एक रोचक कृति, जिसे पढ़ना मैथिली सिनेमा के इतिहास से होकर गुजरना है। ISBN 978-81-237-7737-5

3. उड़नछू गोला (उपन्यास : समसामयिक साहित्य)

योगेंद्र पाठक 'वियोगी' पृ. 136 ₹ 160.00

सैकड़ों वर्ष पूर्व मिथिला क्षेत्र से समुद्री यात्रा पर गया एक दल अपने गंतव्य से भटककर किसी टापू पर शरण लेता है। एक दिन अचानक वह टापू भी समुद्र में समा जाता है, किंतु लोग बच जाते हैं। तब वहाँ विकसित होती है एक जलमग्न सभ्यता। एक रोचक उपन्यास।

ISBN 978-81-237-9785-4

4. देसिल बयना

तारानन्द वियोगी (संपा.) पृ. 330 ₹ 240.00

स्वातंत्र्योत्तरकालीन मैथिली कहानी की विकास यात्रा को रेखांकित करने वाली श्रेष्ठ कहानियों का संकलन। ISBN 978-81-237-5047-7

5. नेपाली बेंगक साहसिक काज (नेहरू बाल पुस्तकालय)

कनक मणि दीक्षित अनु. : योगानंद झा पृ. 112 ₹ 90.00

काठमांडू घाटी का एक युवा उत्साही मेंढक अपने देश की यात्रा करने का निश्चय करता है। नदी, पहाड़, खेत-खलिहान समेत हवाई जहाज के पायलट की जेब तक में बैठकर वह पूरे नेपाल की यात्रा करता है और इस क्रम में अपने अनुभवों से पाठक को गहरे तक जोड़ लेता है।

ISBN 978-81-237- 9863-9

6. प्रभावती

उषाकिरण खान अनु. : श्यामचंद्र झा पृ. 108 ₹ 150.00

प्रभावती जी का परिचय लोकनायक जयप्रकाश नारायण की अर्द्धांगिनी मात्र के रूप में न होकर एक साधिका एवं समाज सेविका के रूप में भी है। इनका जीवन-दर्शन लाखों महिलाओं के लिए प्रेरक और मार्गदर्शक के रूप में रहा। ऐसी ही प्रेरक व्यक्तित्व पर केंद्रित यह जीवनी-पुस्तक प्रभावती जी के अनेक अनछुए पहलुओं से भी पाठक को अवगत कराती है।

ISBN 978-93-5491-411-9

7. बच्चाक भाषा ओ अध्यापक : एकटा निर्देशिका (सृजनात्मक साहित्य)

कृष्ण कुमार अनु. : शुभंकर मिश्र पृ. 74 ₹ 40.00

चर्चित शिक्षाविद् कृष्ण कुमार ने नर्सरी और प्राथमिक स्कूलों के बच्चों की पढ़ाई को रुचिकर बनाने के लिए किए जा सकने वाले प्रयोगों का विवरण सरल भाषा में दिया है। इस पुस्तक के मूल संस्करण का प्रकाशन यूनिसेफ द्वारा किया गया था।

ISBN 978-81-237-1817-0

8. मैथिली कथा संचयन

शिवशंकर श्रीनिवास (संपा.) अनु. : प्रतिमा पृ. 278 ₹ 115.00

मैथिली कथाकारों की चुनी हुई कहानियों का महत्वपूर्ण संकलन, जो एक साथ मैथिली कथा यात्रा के इतिहास का संक्षिप्त संकेत भी देता है, और मैथिली कथा साहित्य के विकास का प्रमाण भी।

ISBN 81-237-4368-4

9. मैथिली कविता संचयन

गंगेश गुंजन (संपा.) पृ. 248 ₹ 115.00

विद्यापति से लेकर आज तक के 51 महत्वपूर्ण कवियों की श्रेष्ठ मैथिली कविताओं का चुनिंदा संकलन। ISBN 81-237-4459-9

10. रानी गाइदिन्ल्यू (नारी अग्रदूत)

जगदम्बा मल्ल अनु. : रामलोचन ठाकुर पृ. 180 ₹ 215.00

पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर से संबंध रखने वाली, स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने तथा हिंदू संस्कृति की रक्षा और पुनर्स्थापना को सन्नद्ध 'रानी माँ' नाम से प्रसिद्ध रानी गाइदिन्ल्यू के जीवन एवं कर्तृत्व पर जानकारीपरक रोचक पुस्तक। ISBN 978-81-237-9137-1

11. रानी लक्ष्मीबाई

वृंदावनलाल वर्मा अनु. : किशोर केशव पृ. 114 ₹ 130.00

अंग्रेजों की भारी-भरकम फौज से टक्कर लेने के लिए हाथ में तलवार लिये घोड़े पर सवार हो अकेले निकल पड़ने के जज्बे का नाम है रानी लक्ष्मीबाई। ऐसी ही वीरांगना के व्यक्तित्व और कर्तृत्व को उकेरता यह उपन्यास। ISBN 978-81-237-0486-9

राजस्थानी

1. विजयदान देथा री सिरै कथावाँ

पृ. 224 ₹ 170.00

राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध कथाकार और भारतीय लोककथा के विख्यात उद्गाता विजयदान देथा की चुनी हुई राजस्थानी कहानियों का श्रेष्ठ संकलन। ISBN 978-81-237-4916-7

डोगरी

1. सोच (निबंध संग्रह)

वेद राही पृ. 146 ₹ 115.00

समय-समय पर लिखे गए बेहतरीन व्यक्तित्व और महत्वपूर्ण विषयों पर वरिष्ठ लेखक के आलेख।

ISBN 978-81-237-6478-8

संस्कृत

1. ईदगाह

मूलम् : प्रेमचन्दः अनु. : श्यामला पृ. 32 ₹ 65.00

न्यास की पुस्तक का संस्कृत अनुवाद। ISBN 978-81-237-9322-1

2. गान्धि-तत्त्व-शतकम्

मङ्.गेश-वेङ्.कटेश-नाड्कर्णिना-विरचितम् पृ. 68 ₹ 90.00

यह पुस्तक 108 छंदों का एक सेट है जिसमें महात्मा गांधी के जीवन, कार्य और दर्शन के महत्वपूर्ण आयामों को समेटा गया है। ISBN 978-81-237-8093-1

3. गुरुनानकवाणी

भाई-जोध-सिंह अनु. : ओमनदीप शर्मा (ओमनः) पृ. 104 ₹ 170.00

गुरुवाणी के इस संग्रह में केवल गुरु नानक देव जी की वाणी को अलग-अलग शीर्षक में प्रस्तुत कर उनके धार्मिक, सदाचारी, सामुदायिक तथा नैतिक विचारों और सिद्धांतों को प्रकट करने का प्रयास किया गया है। ISBN 978-81-237-9946-7

4. गौतम बुद्ध

मूलम् : लीला जार्ज अनु. : डॉ. नागरत्ना हेगडे पृ. 64 ₹ 70.00

न्यास की पुस्तक का संस्कृत अनुवाद। ISBN 978-81-237-0430-2

5. चरैवेति! चरैवेति!!

राम नाईक पृ. 294 ₹ 605.00

अपने युवावस्था में ही समाजसेवा के लिए नौकरी छोड़ देने वाले तथा मुंबई, महाराष्ट्र एवं अंततः संपूर्ण राष्ट्र के लिए एक समाज सेवक तथा राजनेता-मंत्री के रूप में महत् जिम्मेवारी निभाने वाले 84 के पके वयस में भी एक राज्यपाल के रूप में अपने अभिभावकीय दायित्व का निर्वहन करने वाले उदारचेता, सहृदय, साहित्य हृदय राजनेता-समाजकर्मी के प्रेरणापूर्ण संस्मरणों का एक भीना-भीना गुलदस्ता है यह पुस्तक। ISBN978-81-237-8153-2

6. लोकचेतना और आध्यात्मिक साधना के वाहक श्री गुरुनानक देव जी

प्रो. कुलदीपचंद अग्निहोत्री अनु : बृहस्पति मिश्र पृ. 232 ₹ 275.00

प्रस्तुत पुस्तक सिख-संप्रदाय के संस्थापक गुरु नानकदेव जी के अलौकिक व्यक्तित्व एवं जीवन-दर्शन तथा तत्कालीन सामाजिक व सांस्कृतिक विचारधाराओं की उदात्तताओं के साथ ही विदेशी आक्रांताओं के कारण उत्पन्न हुई कुरीतियों एवं संकीर्णताओं के ऐतिहासिक परिदृश्य को रेखांकित करती हुई गुरु नानक देव जी के अप्रतिम योगदान को विश्लेषित करती है।

ISBN978-93-5491-918-3

7. सर्वेषां सहचर

मूलम् : उमाशंकरजोशी अनु. : सत्यनारायणभट्टः पृ. 32 ₹90.00

न्यास की पुस्तक 'सबका साथी सबका दोस्त' का संस्कृत अनुवाद।

ISBN978-81-237-9323-8

8. विरामः आगतः

मूलम् : रवीन्द्रनाथठाकूरः अनु. : श्रीमती हेगडे पृ. 16 ₹40.00

न्यास की पुस्तक 'घरवापसी' का संस्कृत अनुवाद।

9. त्रयः संन्यासिनः तथा च तेषां मातरः

गोविंद प्रसाद शर्मा अनु. : गोपबंधु मिश्रा पृ. 50 ₹ 205.00 (2024)

भारत की संन्यास-परंपरा विश्व में अद्वितीय है। आद्यशंकराचार्य, श्री चैतन्य महाप्रभु और स्वामी

विवेकानंद अलग-अलग कालखंडों में भारत की संन्यास-परंपरा के अनुकरणीय और अप्रतिम स्तंभ माने जाते हैं। इस पुस्तक में इन तीनों ही स्वनामधन्य संन्यासियों की अपनी माँओं के प्रति अदम्य प्रेम और लगाव को दर्शाया गया है। ISBN 978-93-5743-361-7

सिंधी

1. 1857 जूं आखाण्यूं

ख़्वाजा हसन निज़ामी अनु. : ज्ञानप्रकाश टेकचंदानी 'सरल' पृ. 72 ₹ 80.00

1857 की क्रांति से जुड़े बहादुरशाह ज़फ़र, शहज़ादी, महज़माल आदि सहित 11 महत्वपूर्ण किरदारों के बारे में क्रांति के संदर्भ में एक परिचयात्मक पुस्तक। ISBN978-81-237-7897-6

2. विरिहाडेः जूं चूंड सिंधी कहाणियूं

कन्हैयालाल लेखवाणी (संकलन) पृ. 180 ₹ 190.00

देश विभाजन पर लिखी 24 कथाकारों की मार्मिक और हृदयविदारक कहानियों का उत्कृष्ट संकलन।

ISBN 978-81-237-8072-6

3. भारत जो आजादी आंदोलन ऐं : सिंध जा सूरमा

लक्ष्य टेकचंदानी पृ. 56 ₹ 110.00

सिंधी समाज के तमाम अज्ञात परमवीर सूरमाओं को समर्पित यह पुस्तक अखंड भारत के सिंध प्रांत के उन महान सपूतों के अद्वितीय शौर्य का दृष्टिकोण रखने का प्रयास करती है, जो भारत के अन्य तमाम स्वतंत्रता सेनानियों संग अडिग रूप से डटे रहे और विदेशी शासकों को अपनी प्रचंडता से गतिहीन कर दिया था। इन योद्धाओं में सिंधी बालक, बालिकाएँ, नौजवान, महिलाएँ, छात्र, शिक्षक शामिल थे, जिन्होंने राष्ट्र की स्वाधीनता हेतु अपना सर्वस्व उत्सर्ग कर दिया था।

ISBN 978-93-5491-497-3

हिमाचली

1. हिमाचली लोककथां

संपा. : प्रत्यूष गुलेरी पृ. 92 ₹ 45.00

प्रस्तुत लोककथा संग्रह में 24 लोककथाएँ शामिल हैं। ये लोककथाएँ हिमाचली समाज और संस्कृति में रची-बसी हैं। ISBN 978-81-237-5229-7

द्विभाषी पुस्तकें
हिंदी-राजस्थानी

(राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय पुस्तकमाला की एक उप-शृंखला)

अनुवादकों के नाम	पुस्तकों के नाम	द्विभाषी/हिंदी से राजस्थानी अनुवाद
• डॉ कृष्ण कुमार 'आशु'	1. सब्जी मंडी, 2. लालू और लाल पतंग (द्विभाषी)	द्विभाषी/ हिंदी से राजस्थानी अनुवाद
• राजेंद्र जोशी	1. क्यों? (द्विभाषी) 2. पेड़ क्या है? (द्विभाषी)	द्विभाषी
• सुश्री विमला भंडारी	1. चंदा गिनती भूल गया, (द्विभाषी) 2. क्या हुआ? (द्विभाषी)	द्विभाषी
• सुश्री रीना मेनारिया	1. दोस्त (द्विभाषी) 2. मुझे दुनिया पसंद है (द्विभाषी)	द्विभाषी
• बी.एल. पारस	1. एक दिन (द्विभाषी) 2. फूल और मधुमक्खी (द्विभाषी)	द्विभाषी
• महेंद्र मील	1. मेरी फुटबॉल (एनबीपी)	हिंदी से राजस्थानी अनुवाद
• सुश्री राखी रांका	1. सूरज नाराज है (एनबीपी) 2. एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी	हिंदी से राजस्थानी अनुवाद
• डॉ. रेणुका व्यास	1. मीता और उसके जादुई जूते	द्विभाषी
	2. आनंदी का इंद्रधनुष	द्विभाषी
• राजू राम बिजारणियाँ	1. फू-कू	द्विभाषी
	2. लंबा और छोटा, बड़ा और छोटा	द्विभाषी
• मदन गोपाल लढ़ा	1. रूपा हाथी	द्विभाषी
• डॉ. अनुश्री राठौड़	1. मैं तुमसे अच्छा हूँ	द्विभाषी
• सत्यनारायण सोनी	1. पक्की दोस्ती	द्विभाषी
	2. भक्त सालबेगा	द्विभाषी
• डॉ. राजेंद्र सिंह बारहठ	1. भीमसेन जोशी	द्विभाषी

हिंदी से कुमाउनी : अनूदित पुस्तकें

क्र.	पुस्तकों के नाम	लेखक	कुमाउनी अनुवादक
1	ड्रैगन सुनामी	हेमा पांडे	प्रो. देव सिंह पोखरिया
2	डेस्क पर लिखे नाम	उपासना	डॉ. चंद्रकला रावत
3	भूलना मत काका	आनंद प्रकाश जैन	डॉ. प्रीति आर्या
4	गूलर का जंगल और टोपी वाले बंदर	रजिया तहसीन	डॉ. प्रीति आर्या
5	सोने की शिला	सुरेश यादव	डॉ. दमयंती शर्मा 'दीपा'
6	धनेश के बच्चों ने उड़ना सीखा	दिलीप कुमार बरुआ	श्याम सिंह कुटौला
7	प्रेमचंद	अमृतराय	श्याम सिंह कुटौला
8	रविवार है कितना अच्छा	देबाशीष देब	वंदना जोशी
9	पक्की दोस्ती	एंड्रीला मित्रा	वंदना जोशी
10	फू-कू	जगदीश जोशी	लीला पांडेय
11	रेगिस्तान का पेड़ और नीला पक्षी	सुरेश यादव	पुष्पलता भट्ट 'पुष्प'
12	बिरजू और उड़ने वाला घोड़ा	दीपा अग्रवाल	पुष्पलता भट्ट 'पुष्प'
13	दलदल वाली गुफा	शोभा माथुर बिजेन्द्र	डॉ. आशा जोशी
14	सबसे प्यारा कौन	राधा एम. खम्बादकोणे	डॉ. आशा जोशी
15	लू लू की सनक	दिविक रमेश	डॉ. महेंद्र सिंह महरा 'मधु'
16	मुत्थु के सपने	कामाक्षी बालसुब्रह्मण्यम	डॉ. महेंद्र सिंह महरा 'मधु'
17	आसमान में ऊँची उड़ान	जगदीश जोशी	डॉ. करुणा पांडे
18	मीता और उसके जादुई जूते	बी.जी. गुज्जरप्पा	डॉ. करुणा पांडे
19	दीपू गधे के रोमांचक कारनामे	वर्नोन थॉमस	रतन सिंह किरमोलिया
20	आनंदी का इंद्रधनुष	अनूप राय	रतन सिंह किरमोलिया
21	भाग सनी भाग	जयंती रंगनाथन	पूरण सिंह जीना
22	ऐसे जीव जिन्हें भूला नहीं जा सकता	रस्किन बांड	प्रो. देवसिंह पोखरिया
23	कहानी दो कुत्तों की	दीपक प्रहराज	अनिल कार्की
24	चतुर बाज	पुष्पा सिंह 'विसेन'	हरि मृदुल
25	सपना एक मछली का	जैबुन्निसा हया	हरि मृदुल
26	घने जंगल में	मोहम्मद अरशद खान	हयात सिंह रावत

27	भारतीय त्यौहार		हयात सिंह रावत
28	तपस्या	सीतेश आलोक	दिवा भट्ट
29	नन्हे सिंह ने दहाड़ना सीखा	इन्दु राणा	रेणु कांडपाल
30	द्रोणवीर कोहली की चुनिंदा कहानियाँ	द्रोणवीर कोहली	दिवा भट्ट
31	चिड़ियाघर की सैर	सनत सुरती	मानसी बिष्ट
32	गोवा : मेरी जादुई दुनिया की कहानी	शशि शेटये	डॉ. चंद्रकला रावत
33	मिट्टी मेरे देश की	संजीव जायसवाल 'संजय'	हेमंत सिंह बिष्ट
34	जैसे को तैसा	केंगसम केंगलम	हेमंत सिंह बिष्ट
35	अभिमान की हार	योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण'	त्रिभुवन गिरि (राजेंद्र सिंह वोरा)
36	चंटू-बंटू	निश्चल	चंद्रकला रावत
37	पंचामृत	संक. : बी. एस. रुक्कम्मा	रतन सिंह किरमोलिया
38	गज्जू चलने लगा	अनिता भटनागर जैन	रतन सिंह किरमोलिया
39	बढ़ते हुए कान	नीलम सक्सेना चंद्र	हयात सिंह रावत
40	बोलती डिबिया	दिविक रमेश	डॉ. प्रीति आर्या
41	खाटू श्याम की अनसुनी कहानी	दीपाली वशिष्ठ	डॉ. प्रीति आर्या
42	आमवाली चिड़िया	दीपा अग्रवाल	चंद्रशेखर तिवारी
43	गुलाब का दोस्त	तरसेम	माया रावत
44	सब्जी मंडी	सर्वेंद्र विक्रम	नवीन बिष्ट
45	बबलू की वीरता	निर्भय कुमार	भारती पाण्डेय

हिंदी से गढ़वाली : अनूदित पुस्तकें

क्र.	पुस्तकों के नाम	लेखक	गढ़वाली अनुवादक
1	नीली नदी का सुनहरा पत्थर	सुरेश यादव	शांति प्रकाश 'जिज्ञासु'
2	अपना घर	कामना सिंह	शांति प्रकाश 'जिज्ञासु'
3	बेबी का एक दिन	ओम प्रकाश कश्यप	मनोज भट्ट 'गढ़वाली'
4	अमिया	प्रभात	मनोज भट्ट 'गढ़वाली'
5	छोटा सा मोटा सा लोटा	सुबीर शुक्ला	महेशानंद
6	काव्या का फैसला	रमेश बिजलानी	शशिभूषण बडोनी
7	फिर खिल गए फूल	कुसुमलता सिंह	शशिभूषण बडोनी
8	सोनपरी से दोस्ती	अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'	प्रियंका नेगी
9	काँच का बक्सा	पुष्पिता अवस्थी	प्रियंका नेगी
10	हरियाली और पानी	रामेश्वर काम्बोज 'हिमांशु'	बीना कंडारी
11	बाँसुरी के सुर	मीनाक्षी स्वामी	बीना कंडारी
12	एक परंपरा का अंत	नरेंद्र	बीना कंडारी
13	मेरी फुटबॉल	क्षमा शर्मा	नरेन्द्र कठैत
14	कसम मटमैले मशरूम की	नीलम सक्सेना चंद्रा	डॉ. आशा रावत
15	माणा में मणिका	बलराम अग्रवाल	कुसुम भट्ट
16	डॉ. चींचू के कारनामे	आबिद सुरती	कुसुम भट्ट
17	शहीद अब्दुल हमीद	सैयद एहसान अली	कांता घिल्डियाल
18	फूल और मधुमक्खी	अशोक दावर	अनिता चौहान
19	प्रकाश मनु की चुनिंदा कहानियाँ	प्रकाश मनु	हेमा जोशी
20	डॉ. चींचू के कारनामे-2	आबिद सुरती	हेमा जोशी
21	चालाक किसान और चार ठग	सोमा कौशिक	भीष्म कुकरेती
22	किस हाल में मिलोगे दोस्त	विमला भंडारी	भीष्म कुकरेती
23	जंगल से	सुनीति रावत	रमाकांत बेंजवाल
24	मधुमक्खियों की वापसी	श्रीकृष्ण कुमार त्रिवेदी	गणेश खुगशाल गणी
25	छोटे जीवों से जान-पहचान	कालूराम शर्मा	गणेश खुगशाल गणी
26	चित्रा मुद्गल की चुनिंदा बाल कहानियाँ	चित्रा मुद्गल	महेशानंद

27	कुंभ	अनिता भटनागर जैन	वर्षा सज्वाण
28	मुग्गी की दुनिया	रश्मि चौधरी	वर्षा सज्वाण
29	गिरगिट और मेंढक	डॉ. रूपेंद्र कवि	हरीश भंडारी
30	सरगी का पेड़	यशवंत गौतम	हरीश भंडारी
31	चरखी का बेटा	विनायक	गीता गैरोला
32	आज भी खरे हैं तालाब	अनुपम मिश्र	शांति प्रकाश 'जिज्ञासु'
33	घने जंगल में	मोहम्मद अरशद खान	देवेंद्र जोशी
34	एक तमाशा ऐसा भी	प्रेमस्वरूप श्रीवास्तव	देवेंद्र जोशी
35	घर की खोज	हेमंत कुमार	नंदकिशोर हटवाल
36	मिनी की अटलांटिक महासागर यात्रा	हरमिंदर ओहरी	नंदकिशोर हटवाल
37	नानी की सीख	देबाशीष मजूमदार	शशिभूषण बडोनी
38	नन्हे हरे पक्षी	रीता बनर्जी	मोहन प्रसाद डिमरी
39	चौरी-चौरा : जनक्रांति का नया सवेरा	सूर्यकुमार पाण्डेय	मोहन प्रसाद डिमरी
40	नन्ही मछली, माँ और नीली लहर	कुमार अनुपम	कांता घिल्डियाल
41	सागर में गागर	गोविंद शर्मा	कांता घिल्डियाल
42	होली की गुझिया	शोभा अग्रवाल	बीना बेंजवाल
43	हरियाली की रानी	प्रताप सहगल	शांति प्रकाश 'जिज्ञासु'
44	आशा की किरण	सुधा शर्मा 'पुष्प'	रमाकांत बेंजवाल
45	आदमी की परछाईं	राजीव तांबे	नीता कुकरेती
46	गहरे सागर के अजूबे	बी.एफ. छापगर	नीता कुकरेती
47	एक था दाना अनजाना	समीर गांगुली	गिरीश सुंदरियाल

ब्रेल लिपि पुस्तक प्रकाशन

पुस्तक का नाम	लेखक/लेखिका का नाम
उपन्यास	
1. परीक्षा-गुरु	श्रीनिवास दास
2. गंगा चील के पंख	लक्ष्मीनंदन बोरा
3. कपिली के आर-पार	नवकांत बरुआ
4. नाद बिंदु	डॉ. जोगिन्दर कैरों
5. एक भीगा-सा गर्म दिन	अदा भंसाली
6. ध्रुवतारे	गुलजार सिंह संधू
7. ललद्र्यद	वेद राही
8. हाल मुरीदों का	करतार सिंह दुग्गल
9. कपीशजी	मनोहर श्याम जोशी
10. रंगभूमि	प्रेमचंद
11. सेवा सदन	प्रेमचंद
12. फायर एरिया	इलियास अहमद गद्दी
13. जैसी करनी वैसी भरनी	एम.एस. पुट्टण्णा
14. पगडंडियाँ	सी. राधाकृष्णन
15. प्रतिभा	हरेकृष्ण महताब
16. काली मिट्टी	पालगुम्मि पद्मराजु
17. शहतूतोंवाला कुआँ	सोहन सिंह 'सीतल'
18. रस्सी	तकषि शिवशंकर पिल्लै
19. एक किशोरी फुलझड़ी-सी	टी. पद्मनाभन
20. धरती की हँसी	लुम्मर दई
21. बीता हुआ भविष्य	बाल फोंडके

कथा साहित्य

1. **पूर्वोत्तर राज्यों की भावपूर्ण लोककथाएँ**	डॉ. सुनीता
2. **उत्तराखंड की लोक कथाएँ**	हरिसुमन बिष्ट
3. **बिहार की लोककथाएँ**	रणविजय राव
4. **इतर प्रवासी महिला कथाकारों की कहानियाँ**	डॉ. सुधा ओम ढींगरा *(चयन, संपादन एवं भूमिका)*
5. **काठनिबारी घाट**	महिम बरा
6. **जयकांतन की कहानियाँ**	त. जयकांतन
7. **गोपीनाथ महांति की कहानियाँ**	सीताकांत महापात्र *(संपा.)*
8. **नानक सिंह की चुनिंदा कहानियाँ**	डॉ. बलदेव सिंह बद्दन *(संपा.)*
9. **कुलवंत सिंह विर्क की चुनिंदा कहानियाँ**	जसवंत सिंह विरदी *(संपा.)*
10. **उषाकिरण खान : संकलित कहानियाँ**	उषाकिरण खान
11. **मीनाक्षी स्वामी : संकलित कहानियाँ**	मीनाक्षी स्वामी
12. **अब्दुल बिस्मिल्लाह : श्रेष्ठ कहानियाँ**	अब्दुल बिस्मिल्लाह
13. **बामाचरण मित्र की कहानियाँ**	शत्रुघ्न पाण्डव *(संपा.)*
14. **प्रेमचंद : संकलित कहानियाँ**	रामबक्ष *(संपा.)*
15. **मुद्राराक्षस : संकलित कहानियाँ**	मुद्राराक्षस
16. **ड्रैगन सुनामी** (10 जापानी लोककथाएँ)	हेमा पांडे
17. **उपनिषदों की कहानियाँ**	भगवान सिंह
18. **विमानन की असाधारण कहानी**	आर.के. मूर्ति
19. **कामतानाथ : संकलित कहानियाँ**	कामतानाथ
20. **मछली पिए न सूखे ताल** (आदिवासियों की सच्ची कहानियाँ)	ए. विद्यासागर
21. **दीवार एवं अन्य कहानियाँ**	मनोरमा दीवान *(अनु.)*
22. **विष्णु प्रभाकर : संकलित कहानियाँ**	विष्णु प्रभाकर
23. **तेरह अनुपम कहानियाँ** (भारतीय भाषाओं की तेरह अनुपम कहानियों का संकलन)	संकलन
24. **असमिया कहानियाँ**	निर्मलप्रभा बारदोलोई *(संकलन)*
25. **कथा पंजाब** (खंड-2)	हरिभजन सिंह
26. **मलयालम कहानियाँ**	ओमचेरी एन.एन. पिल्लै
27. **तपते दिन लंबी रातें**	नादेज्दा ओब्राडोविक *(संपा.)*
28. **कश्मीरी कहानियाँ**	मोहम्मद जमां आजुर्दा *(संपा.)*
29. **सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कहानियाँ**	आनन्द प्रकाश
30. **मन्नू भंडारी की श्रेष्ठ कहानियाँ**	मन्नू भण्डारी
31. **समसामयिक हिंदी कहानियाँ**	धनंजय वर्मा *(संकलन)*
32. **जयशंकर प्रसाद की श्रेष्ठ कहानियाँ**	विजय मोहन सिंह *(संपा.)*

33. जैनेन्द्र कुमार की कहानियाँ प्रदीप कुमार *(संपा.)*
34. फणीश्वरनाथ 'रेणु' की श्रेष्ठ कहानियाँ भारत यायावर *(संपा.)*
35. आधुनिक तमिल कहानियाँ के.ए. जमुना *(अनु.)*
36. आशापूर्णा देवी की श्रेष्ठ कहानियाँ आशापूर्णा देवी
37. किस्सा पंजाब हरभजन सिंह *(संपा.)*
38. मामोनी रायसम गोस्वामी की कहानियाँ श्रवण कुमार *(संपा.)*
39. उर्दू की नई कहानियाँ इजहार उस्मानी *(संपा.)*
40. समकालीन गुजराती कहानियाँ राधेश्याम शर्मा *(संपा.)*
41. ओड़िया कहानियाँ पठानी पटनायक *(संपा.)*
42. इक्कीस बाँग्ला कहानियाँ अरुण कुमार मुखोपाध्याय *(संपा.)*
43. कन्नड़ कहानियाँ जी.एच. नायक *(संपा.)*
44. महाश्वेता देवी की श्रेष्ठ कहानियाँ महाश्वेता देवी *(संपा.)*
45. आदवन की कहानियाँ इंदिरा पार्थसारथी *(संपा.)*
46. आधुनिक एशियाई कहानियाँ बी.एन. गोयल *(संपा.)*
47. सुकरात का मुकदमा और उनकी मृत्यु मन्मथनाथ गुप्त
48. आजाद हिंद फौज की कहानियाँ एस.ए. अय्यर
49. वीरों की कहानियाँ राजेन्द्र अवस्थी
50. चंद्रधर शर्मा गुलेरी की चर्चित कहानियाँ पीयूष गुलेरी, प्रत्यूष गुलेरी *(संपा.)*

बाल साहित्य

1. माणा में मणिका बलराम अग्रवाल
2. कानून के फायदे मीनल दीक्षित
3. सौरमंडल की सैर देवेंद्र मेवाड़ी
4. अपना घर कामना सिंह
5. ब्रह्मांड की यात्रा जयंत नार्लीकर
6. अजूबे लक्ष्मी खन्ना 'सुमन'
7. डाक्टर चींचू के कारनामे आबिद सुरती
8. बस की सैर वल्लीकानन
9. चंदा गिनती भूल गया संजीव जायसवाल 'संजय'
10. शहीद अब्दुल हमीद सैयद एहसान अली
11. बैलगाड़ियाँ और उपग्रह मोनिशा बॉब
(विज्ञान और तकनीकी का भारत में विकास)
12. हवेली का रहस्य सुकीर्ति भटनागर
13. पूड़ियों की गठरी कृष्ण कुमार
14. बहादुर बच्चे सिगरुन श्रीवास्तव
15. मुर्गे ने बाँग दी शिवप्रसाद सिंह

16. बहादुरी की तीन पीढ़ियाँ	श्याम बिमल
17. सोन पहाड़ी का रहस्य	चित्रा नाईक
18. हुएनत्सांग की भारत यात्रा	बेलिन्दर एवं हरिन्दर धनौआ
19. परम वीर सेनानी	अक्षय कुमार जैन
20. एक थी बकरी	पारुल बत्रा
21. अमिया	प्रभात
22. झुलू	रमेश पत्री
23. अलू	त्रिपुरारी शर्मा
24. घर की खोज	हेमंत कुमार
25. www.घना जंगल.कॉम	हरिकृष्ण देवसरे
26. नदी किनारे वाली चिड़िया	विनायक
27. कहानी एक बुढ़िया की	मार्गरेट भट्टी
28. खोये का गुड्डा	अवनीन्द्रनाथ ठाकुर
29. एक था पंकज	मिथिलेश्वर
30. अद्भुत साहस	अभिलाष वर्मा
31. बहुत दिन हुए... (भाग-1)	मीठी चोक्सी, पी.एम. जोशी
32. बहुत दिन हुए... (भाग-2)	मीठी चोक्सी, पी.एम. जोशी
33. विश्व को बदल देने वाले आविष्कार-1	मीर नजाबत अली
34. विश्व को बदल देने वाले आविष्कार-2	मीर नजाबत अली
35. बच्चे, जिन्होंने कमाल किया	थंगमणि
36. प्रेमचंद की तेरह बाल कहानियाँ	हरिकृष्ण देवसरे *(संक. एवं संपा.)*
37. मंदिर का हाथी	ओमचेरी एन.एन. पिल्लै
38. उसने जंगल को जीता	केशव रेड्डी
39. चाय की प्याली में पहेली	पार्थ घोष
40. प्रदूषण	एन. शेषगिरी
41. तोत्तोचान	तेत्सुको कुरोयानागी
42. राजा, जो कंचे खेलता था	एच.सी. मदान
43. इतवा मुंडा ने लड़ाई जीती	महाश्वेता देवी
44. गोमुख यात्रा	शीला शर्मा
45. जलियाँवाला बाग	भीष्म साहनी
46. आओ, हँसें एक साथ	मोहिनी राव
47. 1857 की कहानियाँ	ख्वाजा हसन निजामी
48. रस्टी के कारनामे	रस्किन बॉण्ड
49. शेरों और हाथियों के बीच	रामेश बेदी
50. हमारे ऐतिहासिक स्मारक	तनवीर अहमद अलवई
51. इंदिरा प्रियदर्शिनी	मनोरमा जफा

52. बड़ा पानी — लीला मजूमदार
53. समझ के लिए तैयारी — कीथ वारेन

काव्य संग्रह

1. गुरु नानक वाणी — भाई जोध सिंह *(संपा.)*
2. नरसिंह महेता — केशवराम का. शास्त्री

नाट्य साहित्य

1. मेरे प्रिय नाटक — सुरेन्द्र वर्मा
2. चीनी चाशनी — अशोक लाल *(रूपांतरकार)*
(कुआन हान चिंग के चुनिंदा नाटक)
3. पं. लक्ष्मी नारायण मिश्र के श्रेष्ठ एकांकी — विश्वम्भरनाथ मिश्र *(संक.)*
4. अलबेला-अलबेली — विलियम शेक्सपियर
5. नाटकों के देश में — मस्तराम कपूर
6. तीन पंजाबी नाटक — बलवंत गार्गी, करतार सिंह दुग्गल व संतसिंह सेखों
7. हिंदी एकांकी — चन्द्रगुप्त विद्यालंकार
8. आठ असमिया एकांकी और — प्रफुल्ल दत्त गोस्वामी
9. पियली फुकन

विविध पुस्तकमालाएँ

1. संतों का संवाद — उदय प्रताप सिंह
2. भारत में जल परिवहन — अरविन्द कुमार सिंह
3. डॉ. राम मनोहर लोहिया का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद — डॉ. प्रयाग नारायण त्रिपाठी
4. पारावार के पार — डॉ. गोपबंधु मिश्र
5. रामधारी सिंह दिनकर : संकलित निबंध — वीरेश कुमार *(संपा.)*
6. स्वाधीनता आंदोलन में उत्तराखंड की पत्रकारिता — जयसिंह रावत
7. हौसलों को उड़ने दो (दिव्यांगों के लिए तकनीक) — बालेन्दु शर्मा दाधीच
8. असम के बरगीत — बापचन्द्र महंत
9. भारत की पहचान — गिरीश्वर मिश्र *(चयन एवं संपा.)*
(विद्यानिवास मिश्र के लेखों का संकलन)
10. पंचायत में महिलाएँ : चुनौतियाँ और संभावनाएँ — महीपाल
11. संस्कृत आलोचना की भूमिका — अवधेश कुमार सिंह
12. भारतीय रेल के अनोखे पुल — विमलेश चन्द्र
13. कर्मयोगी सरला बहन — डॉ. प्रभा पंत
14. विचार विनिमय — शचीन्द्रनाथ सान्याल

15. हवा और पानी में जहर!	एन. मणिवासकम
16. नैनो : अगली क्रांति की ओर	मोहन सुन्दर राजन
17. गोपाल चतुर्वेदी : संकलित व्यंग्य	गोपाल चतुर्वेदी
18. हरीश नवल : संकलित व्यंग्य	डॉ. हरीश नवल
19. भारत में डाइनोसॉर	अशोक साहनी
20. जल : जीवन का आधार	कृष्ण कुमार मिश्र
21. जंगल-जंगल पर्वत-पर्वत (यात्रा संस्मरण)	मनमोहन बावा
22. गंगा तीरे	अमरेन्द्र कुमार राय
23. किशोरावस्था : उलझाव-सुलझाव	नीरजा शर्मा
24. वाद्य यंत्र	बी. चैतन्य देव
25. भारतीय आदिवासी जीवन	निर्मल कुमार बोस
26. चुटकी भर नमक, मीलों लंबी बागड़	राय मॉक्सहैम
27. कैंसर	डॉ. शशांक मोहन बोस
28. औषधीय पौधे	सुधांशु कुमार जैन
29. हमारा पर्यावरण	लाईक फतेहअली
30. हिंदू धर्म क्या है?	महात्मा गाँधी
31. आयुर्वेद : विभिन्न पहलू	शरदिनी डहाणूकर एवं उर्मिला थत्ते
32. इसरो की कहानी	वसंत गोवारीकर
33. हिमालय में विवेकानंद	डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'
34. दमा : एक अनबूझ पहेली	एम.पी.एस. मेनन
35. पंडित दीनदयाल उपाध्याय (व्यक्ति-दर्शन)	कमल किशोर गोयनका *(संपा.)*
36. भारत में लोकतंत्र	चन्द्र प्रकाश भांभरी
37. मधुमेह के साथ बेहतर जीवन जीना सीखिए	एम.एम.एस. आहूजा
38. स्व-परिचर्या स्त्रियों के लिए	पारुल आर. शेठ
39. दैनिक जीवन में गणित	आर.एम. भागवत
40. कबीर : साखी और सबद	पुरुषोत्तम अग्रवाल
41. सूचना का अधिकार कानून, 2005	सुची पांडे, शेखर सिंह
42. महिलाओं के कानूनी अधिकार	सुषमा मेढ़
43. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	नामवर सिंह
44. कुछ सामान्य रोग	डॉ. अनिल अग्रवाल
45. अकबर के जीवन की कुछ घटनाएँ	शीरीं मूसवी
46. अविस्मरणीय नेहरू	पी.डी. टंडन
47. जाकिर साहब की कहानी	सैयदा खुर्शीद आलम
48 हे-चो का यात्रा वृत्तांत (आठवीं सदी का भारत)	डॉ. जगदीश चंद्रिकेश
49. काला पानी का ऐतिहासिक दस्तावेज	रामचरण लाल शर्मा
50. दुनिया जब नई-नई थी	वेरियर अल्विन

51. यंत्र मानव और तंत्र मानव विज्ञान	एम.आर. चिदम्बरा
52. लोकतंत्र के 80 प्रश्न और उत्तर	डेविड बीथम
53 समुद्र विज्ञान	ए.एन.पी. उमरकुट्टी
54. एड्स की चुनौती	खुर्शीद एम. पावरी
55. आजादी की छाँव में	बेगम अनीस किदवई
56. रवीन्द्रनाथ टैगोर : एक जीवनी	कृष्ण कृपलानी
57. नन्दलाल बोस	दिनकर कौशिक
58 हमारा संविधान	सुभाष कश्यप
59. काम की प्रशंसा में	रामचन्द्र मिश्रा
60. स्वतंत्रता संग्राम	विपिन चन्द्र और अन्य
61. राहुल चयनिका	डॉ. विद्या निवास मिश्र
62. अहिल्याबाई	हीरा लाल शर्मा
63. हजारी प्रसाद द्विवेदी–संकलित निबंध	नामवर सिंह *(संपा.)*

वर्ष 2025-26 के नवीनतम प्रकाशन

■ **भारत : देश और लोग**

• **पर्यावरण पुनर्जागरण**	*निरंजन देव भारद्वाज*	*अनु. : प्रवीण शर्मा* *शीघ्र प्रकाश्य*

■ **विविध**

• **जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख : सातत्य और संबद्धता का ऐतिहासिक वृत्तांत**	*रघुवेन्द्र तंवर (संपा.)*	
• **ज्योति की आलोक यात्रा**	*साँवरमल सांगानेरिया*	
• **दिल्ली की जीवनरेखा : दिल्ली मेट्रो**	*ऋषि राज*	
• **कथक का सौंदर्य : गुरुमुख से**	*चित्रा शर्मा*	
• **लोक में मीराँ**	*डॉ. श्रीराम परिहार*	
• **अपनी माटी अपनी थाती**	*मनबीर सिंह*	*शीघ्र प्रकाश्य*
• **भारत में सड़क दुर्घटनाएँ**	*बी. के संजय, गौरव संजय*	*शीघ्र प्रकाश्य*
• **वन देवता का वाहन**	*रज़ा एच. तहसीन,* *आरेफ़ा तहसीन*	*अनु. : हिमालय तहसीन* *शीघ्र प्रकाश्य*

■ **राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय**

• **चंद्रयान-3 : चाँद पर तिरंगा**	*युवराज मलिक*
• **लाडो**	*प्रताप सहगल*
• **लोहे की कील**	*गिरिराजशरण अग्रवाल*
• **सफल छात्र बनने का रास्ता : आठ तकनीकें और रहस्य**	*सांत्वना दुबे तिवारी*
• **डोडो और अन्य कहानियाँ**	*राज शेखर*
• **कमाल की जीभ**	*उषा छाबड़ा*

■ **तरुण भारती**

- **आधा भरा गिलास** *कल्पना माथुर* अनु. : प्रीतपाल कौर
- **श्री अरविंदो : तरुणों के लिए** *रमेश बिजलानी* अनु. : सूर्यकांत शर्मा *शीघ्र प्रकाश्य*
- **टेराकोटा शिल्पकथा** *अभिजित कुमार भौमिक, मीता बोस* अनु. : बेबी कारफॉर्मा
- **त्रयः संन्यासिनः तथा च तेषां मातरः** *गोविंद प्रसाद शर्मा* अनु. : गोपबंधु मिश्रा

■ **राष्ट्रीय जीवनचरित**

- **चंद्रशेखर आजाद के विश्वस्त सहयोगी क्रांतिवीर डॉ. भगवान दास माहौर** *शिवजी श्रीवास्तव*
- **राजा महेंद्रप्रताप सिंह** *राजगोपाल सिंह वर्मा* *शीघ्र प्रकाश्य*
- **देशनायक राजा राममोहन राय : जीवन और कर्म** *डॉ. मीना कुमारी* *शीघ्र प्रकाश्य*
- **राजाराम** *मनबीर सिंह* *शीघ्र प्रकाश्य*

■ **भारत@75**

- **शहीद उधम सिंह** *डॉ. गुरुदेव सिंह* *अनु : उमा बंसल* *शीघ्र प्रकाश्य*
- **कोवळे वज्र अनंत कान्हेरे** *विनीता तैलंग* अनु. : समीक्षा तैलंग *शीघ्र प्रकाश्य*

■ **आदान-प्रदान**

- **पगड़ी पुरुष** *दास बेनहूर* अनु : अरुण होता *शीघ्र प्रकाश्य*

■ **लोकोपयोगी विज्ञान**

- **भारत की प्रयोगशालाएँ** *मनीष मोहन गोरे*
- **जलवायु परिवर्तन : एक समझ** *एम.ए. हक* अनु. : आलोक तिवारी

■ **प्रधानमंत्री युवा पुस्तकमाला**

- **भारतीय लोकतंत्र में किन्नरों की ऐतिहासिक एवं वर्तमान स्थिति** *आराधना साव*
- **भारतीय लोकतंत्र में आधी आबादी** *दीपशिखा*
- **भारतीय लोकतंत्र के विकास में आदिवासी नेतृत्व और संस्थाओं की भूमिका : झारखंड के विशेष संदर्भ में** *आयुध पंकज*

- **भारतीय लोकतंत्र और रामकथा** *नंदिनी*
- **वयं राष्ट्रे जागृयाम : भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा** *अभिषेक कुमार सिंह*
- **संविधान सभा की 15 महिला सदस्य** *नीतू कुमारी*
- **केबांग : लोकतंत्र की एक पुरातन व्यवस्था** *राज पाण्डेय*
- **भारत में लोकतंत्र की महत्वपूर्ण घटनाएँ** *मानसी त्यागी*

■ **सृजनात्मक शिक्षा**

- **कुछ यूँ रचती है हमें किताब** *डॉ. आर.डी. सैनी*

■ **किशोरों के लिए भारतीय कथाएँ**

- **अहिल्या : रूपेण संस्थिता** *साधना बलवटे*
- **जमीं का कर्ज** *अपूर्व वर्मा* *शीघ्र प्रकाश्य*
- **नरेंद्र कोहली : झबरी एवं अन्य कहानियाँ** *सुधा शर्मा 'पुष्प' (संच. एवं संपा.)*
- **मन्नू भंडारी : त्रिशंकु एवं अन्य कहानियाँ** *चंद्रकांता (संच. एवं संपा.)*
- **सुभद्रा कुमारी चौहान : कदंब के फूल एवं अन्य कहानियाँ** *सुरेश ऋतुपर्ण (संच. एवं संपा.)*

■ **आधुनिक कालजयी कहानियाँ**

- **साइकिल की सवारी** *सुदर्शन* *शीघ्र प्रकाश्य*
- **मिट्ठू** *प्रेमचंद* *शीघ्र प्रकाश्य*

■ **संस्कृत साहित्य**

- **लोकचेतनायाः आध्यात्मिकसाधनायाः च वाहकः श्रीगुरुनानकदेववर्यः** *(जीवन-वृत्तम्)* *डॉ. कुलदीपचन्दः अग्निहोत्री* *संस्कृतानुवादः आचार्यः बृहस्पतिमिश्रः* *शीघ्र प्रकाश्य*

इंडिका इन्फोमीडिया, जनकपुरी, नई दिल्ली–58 द्वारा लेजर टाइपसेट
तथा रैक्मो प्रेस, ओखला, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास किताब क्लब

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत पाठकों की भाषा, संस्कृति, आयु-वर्ग और रुचियों की विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों की पुस्तकें प्रकाशित करता है। इस प्रकार विज्ञान, कला, पर्यावरण तथा कई अन्य विषयों के सूचना-प्रधान साहित्य से लेकर देश के विभिन्न क्षेत्रों के कथा साहित्य; और बच्चों के लिए सुंदर ढंग से चित्रित साहित्य तक व्यापक विषयों पर न्यास की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तकें अंग्रेजी समेत 58 भारतीय और विदेशी भाषाओं में उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। न्यास का लगातार यह प्रयास रहा है कि वह अपने प्राधिकृत पुस्तक विक्रेताओं के एक बेहतर नेटवर्क के अलावा देश के प्रत्येक जिले में किताब क्लब सदस्यों के नामांकन के द्वारा अपनी किताबें पहुँचाए।

न्यास की पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए न्यास 1994 से ही एक किताब क्लब योजना का संचालन कर रहा है।

नियम एवं शर्तें

सदस्यता

1. भारत का कोई भी व्यक्ति या संस्था राष्ट्रीय पुस्तक न्यास किताब क्लब का सदस्य बन सकता है।
2. व्यक्ति के लिए 100/-रुपये तथा संस्थाओं के लिए 500/- रुपये का नाममात्र का आजीवन अप्रतिदेय सदस्यता शुल्क।

मुख्य विशेषताएँ

1. सदस्यों को एक विशेष परिचय नंबर के साथ सदस्यता कार्ड जारी किया जाएगा।
2. किताब क्लब के सदस्य न्यास के क्षेत्रीय कार्यालयों, प्रदर्शनी/पुस्तक मेला स्टॉल, सचल वाहन एवं न्यास के अन्य विक्रय केंद्रों से न्यास की पुस्तकों की खरीद पर 20 प्रतिशत की छूट पा सकते हैं।
3. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास सांस्थानिक सदस्यों को न्यास के मासिक बुलेटिन, सूचीपत्र तथा अन्य प्रचार सामग्री नियमित रूप से भेजेगा।
   सूचीपत्र, अन्य प्रचार/सूचना सामग्री तथा हमारे मुद्रित बुलेटिनों की सॉफ्ट कॉपी किसी व्यक्तिगत सदस्य को उनके अनुरोध पर डाक/ई-मेल द्वारा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

डाकखर्च

4. पुस्तकें वी.पी.पी./बुक पोस्ट (अग्रिम भुगतान होने पर) से भेजी जाएँगी। 200 रुपये या उससे कम के आदेश पर पूरा डाकखर्च जोड़ा जाता है और 201 रुपये से अधिक के आदेश पर न्यास पूरा डाकखर्च वहन करेगा।

एनबीटी किताब क्लब

5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 दूरभाष : 91-11-26707700, 26707708 फैक्स : 011-26121883

nbt.india

एकः सूते सकलम्

किताब क्लब सदस्यता प्रपत्र

(कृपया इस प्रपत्र के साथ **नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया** के नाम 100/500 रुपये का बैंक ड्राफ्ट भेजें)।

1. नाम/संस्था (स्पष्ट अक्षरों में)...

2. पूरा पता...

....पिन कोड...

3. फोन/मोबाइल नं. .... 4. ई-मेल..

5. व्यवसाय..6. उम्र..

7. बैंक ड्राफ्ट का विवरण...

बैंक ड्राफ्ट सं. एवं तिथि...

द्वारा जारी..

प्राप्य बैंक...

मैंने एनबीटी किताब क्लब की सदस्यता के नियम-विनियम पढ़ लिए हैं और ये मुझे मान्य हैं ।

....

हस्ताक्षर

स्थान : ....

दिनांक : ....

(क्रम सं. 1,2,4 तथा 7 अनिवार्य हैं)।

मैं..श्री/श्रीमती/सुश्री..

से किताब क्लब सदस्यता के लिए..............................रुपये प्राप्त करता हूँ।

(हस्ताक्षर)

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के लिए

For online booking visit www.nbtindia.gov.in